

ISSN 2229-547X VIDEHA
(since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA
(since 2004) www.videha.co.in]

(since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA
(since 2004) www.videha.co.in]

ISSN 2229-547X VIDEHA
(since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA
(since 2004) www.videha.co.in]

ISSN 2229-547X VIDEHA
(since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA
(since 2004) www.videha.co.in]

ISSN 2229-547X VIDEHA
(since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA
(since 2004) www.videha.co.in]

ISSN 2229-547X VIDEHA
(since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA
(since 2004) www.videha.co.in]

(c) 2000-2023
ISSN 2229-547X VIDEHA
(since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA
(since 2004) www.videha.co.in]

·html , <http://www.geocities.com/ggajendra>
२००४ :
<http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> :
(

<http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> :
wayback machine
of https://web.archive.org/web/*/videha 258
capture(s) from 2004 to 2016- <http://videha.com/>
(

२००८ : '१
२००८ : '१
२००८ : '१
२००८ : '१

<http://www.videha.co.in/> :
" :
- :
: :
: :
: :

(c)२०००-२०२३ :
(since 2000) ISSN 2229-547X
VIDEHA (since 2004) :
Editor: Gajendra Thakur : In respect of

materials e-published in Videha, the Editor, Videha holds the right to create the web archives/ theme-based web archives, right to translate/transliterate those archives and create translated/transliterated web-archives; and the right to e-publish/ print-publish all these archives::

© 2011, All rights reserved. / No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, or by any information storage and retrieval system, without the prior written permission of the publisher.

editorial::staff::videha@gmail::com : . . .

© 2011, All rights reserved. / No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, or by any information storage and retrieval system, without the prior written permission of the publisher.

www.videha.co.in

Videha eJournal (link www.videha.co.in) is a multidisciplinary online journal dedicated to the promotion and preservation of the Maithili language, literature and culture. It is a platform for scholars, researchers, writers and poets to publish their works and share their knowledge about Maithili language, literature, and culture. The journal is published online to promote and preserve Maithili language and culture. The journal publishes articles, research papers, book reviews, and poetry in Maithili and English languages. It also features translations of literary works from other languages into Maithili. It is a peer-reviewed journal, which means that articles and papers are reviewed by experts in the field before they are accepted for publication.

Font/ Keyboard Source:

<https://fonts.google.com/>,
<https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts>, <https://keyman.com/>

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff@videha.com. The eBooks of some of these are available for sale

on Google Play [(c) Preeti Thakur,
sales::videha@gmail::com], send your queries to
sales::videha@gmail::com:: The contents and
documents e-published by Videha (since 2000)
ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are
periodically being checked for accessibility issues::
People with disabilities should not have difficulty
accessing these contents/ documents::
© Preeti Thakur (sales::videha@gmail::com)
Videha e-Journal: Issue No:: 374 at
www::videha::co::in

The contents and documents e-published by Videha (since 2000)
ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are
periodically being checked for accessibility issues::
People with disabilities should not have difficulty
accessing these contents/ documents::
© Preeti Thakur (sales::videha@gmail::com)
Videha e-Journal: Issue No:: 374 at
www::videha::co::in

... ..
... ..
... .. (२६-२)
... ..
... ..
... ..
... .. ()
... .. , ,
... .. ; ,
... .. ()
... .. /
... .. ,
... ..
... .. ()
... ..
... ..

Do not judge each day by the harvest you reap but
by the seeds that you plant:: -Robert Louis
Stevenson

Videha: Maithili Literature Movement

ॐ
... ..
... ..
... ..

१०१. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 १०२. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 २. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

२०१. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 २०२. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । (ॐ नमो)

२०३. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 २०४. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । /
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

२०५. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 २०६. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । / ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । / ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । / ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

२०७. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । (ॐ नमो - २३)
 २०८. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 २०९. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 (ॐ नमो भगवते वासुदेवाय)

२१०. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । (ॐ नमो)

२११. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । (ॐ नमो) - ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

२०१२०१: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००:
(१०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००:)

३०००: १०००: १०००: १०००:

३०१०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००:
१०००: १०००: / १०००: १०००: १०००:

३०२०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००:

३०३०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००:

४०००: १०००: १०००: १०००: (१०००: १-३८१)

१०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००:

Videha e journal's all old issues (१०००: १-२३)

२०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००:

Download (१०००: २४-८०)

३०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००:
Audios-Videos (१०००: ८१-९४)

४०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००:
Maithili Children Literature (१०००: ९५-१०८)

५०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००:

६०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००:

७०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००:
१३२-१७६)

8०००: Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili
Literature Movement (Pages 177-255)

९०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००:

१०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००: १०००:

वि

विदेह ३७४ म अंक १५ जुलाई २०२३ (वर्ष १६ मास १८७ अंक ३७४)

[विदेह (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) www.vidaha.co.in]



विदेह मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम्



विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका

सम्पादक: गजेन्द्र ठाकुर।



Videha
e-Learning

Gajendra Thakur



ऐ पौथीक सर्वाधिकार सुरक्षित अछि। कॉपीराइट (©) धारकक लिखित अनुमतिक बिना पौथीक कोनो अंशक छाया प्रति एवं रिकॉर्डिंग सहित इलेक्ट्रॉनिक अथवा यांत्रिक, कोनो माध्यमसँ, अथवा ज्ञानक संग्रहण वा पुनर्प्रयोगक प्रणाली द्वारा कोनो रूपमे पुनरुत्पादन अथवा संचारन-प्रसारण नै कएल जा सकैत अछि।

(c) २०००- २०२३. सर्वाधिकार सुरक्षित। भालसरिक गाछ जे सन २००० सँ याहूसिटीजपर छल http://www.geocities.com/.../bhalsarik_gachh.html , <http://www.geocities.com/ggajendra> आदि लिंकपर आ अखनो ५ जुलाई २००४ क पोस्ट <http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> केर रूपमे इंटरनेटपर मैथिलीक प्राचीनतम उपस्थितक रूपमे विद्यमान अछि (किछु दिन लेल <http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> लिंकपर, स्रोत wayback machine of https://web.archive.org/web/*//videha 258 capture(s) from 2004 to 2016- <http://videha.com/> भालसरिक गाछ-प्रथम मैथिली ब्लॉग / मैथिली ब्लॉगक एग्रीगेटर)।

ई मैथिलीक पहिल इंटरनेट पत्रिका थिक जकर नाम बादमे १ जनवरी २००८ सँ 'विदेह' पड़ल। इंटरनेटपर मैथिलीक प्रथम उपस्थितिक यात्रा विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका धरि पहुँचल अछि, जे <http://www.videha.co.in/> पर ई प्रकाशित होइत अछि। आब “भालसरिक गाछ” जालवृत्त 'विदेह'-ई-पत्रिकाक प्रवक्तक संग मैथिली भाषाक जालवृत्तक एग्रीगेटरक रूपमे प्रयुक्त भऽ रहल अछि।

(c)२०००- २०२३. विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004). सम्पादक: गजेन्द्र ठाकुर। Editor: Gajendra Thakur. In respect of materials e-published in Videha, the Editor, Videha holds the right to create the web archives/ theme-based web archives, right to translate/ transliterate those archives and create translated/ transliterated web-archives; and the right to e-publish/ print-publish all these archives. रचनाकार/ संग्रहकर्ता अपन मौलिक आ अप्रकाशित रचना/ संग्रह (संपूर्ण उत्तरदायित्व रचनाकार/ संग्रहकर्ता मध्य) editorial.staff.videha@gmail.com केँ मेल अटैचमेण्टक रूपमें पठा सकैत छथि, संगे ओ अपन संक्षिप्त परिचय आ अपन स्कैन कएल गेल फोटो सेहो पठाबथि। एतऽ प्रकाशित रचना/ संग्रह सभक कॉपीराइट रचनाकार/ संग्रहकर्ताक लगमे छन्हि आ जतऽ रचनाकार/ संग्रहकर्ताक नाम नै अछि ततऽ ई संपादकाधीन अछि। सम्पादक: विदेह ई-प्रकाशित रचनाक वेब-आर्काइव/ थीम-आधारित वेब-आर्काइवक निर्माणक अधिकार, ऐ सभ आर्काइवक अनुवाद आ लिप्यंतरण आ तकरो वेब-आर्काइवक निर्माणक अधिकार; आ ऐ सभ आर्काइवक ई-प्रकाशन/ प्रिंट-प्रकाशनक अधिकार रखैत छथि। ऐ सभ लेल कोनो रॉयल्टी/ पारिश्रमिकक प्रावधान नै छै, से रॉयल्टी/ पारिश्रमिकक इच्छुक रचनाकार/ संग्रहकर्ता विदेहसँ नै जुडथु। विदेह ई पत्रिकाक मासमे दू टा अंक निकलैत अछि जे मासक ०१ आ १५ तिथिकेँ www.videha.co.in पर ई प्रकाशित कएल जाइत अछि।

Videha eJournal (link www.videha.co.in) is a multidisciplinary online journal dedicated to the promotion and preservation of the Maithili language, literature and culture. It is a platform for scholars, researchers, writers and poets to publish their works and share their knowledge about Maithili language, literature, and culture. The journal is published online to promote and preserve Maithili language and culture. The journal publishes articles, research papers, book reviews, and poetry in Maithili and English languages. It also features translations of literary works from other languages into Maithili. It is a peer-reviewed journal, which means that articles and papers are reviewed by experts in the field before they are accepted for publication.

Font/ Keyboard Source: <https://fonts.google.com/> , <https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts> , <https://keyman.com/>

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com. The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com. The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are

periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/ documents.

© Preeti Thakur (sales.vidaha@gmail.com)

Videha e-Journal: Issue No. 374 at www.vidaha.co.in



समानान्तर परम्पराक विद्यापति- चित्र विदेह सम्मानसँ सम्मानित श्री पनकलाल मण्डल द्वारा

मैथिली भाषा जगज्जननी सीतायाः भाषा आसीत्। हनुमन्तः उक्तवान्- मानुषीमिह संस्कृताम्।

अक्खर खम्भा (आखर खाम्ह)

तिहुअन खेतहि काजि तसु कित्तिवल्लि पसरेइ। अक्खर खम्भारम्भ जउ मञ्चो बन्धि न देइ॥ (कीर्तिलता प्रथमः पल्लवः पहिल दोहा।)

माने आखर रूपी खाम्ह निर्माण कऽ ओइपर (गद्य-पद्य रूपी) मंच जँ नै बान्हल जाय तँ ऐ त्रिभुवनरूपी क्षेत्रमे ओकर कीर्तिरूपी लत्ती केना पसरत।

शुक्ल यजुर्वेद (२६.२)-यथेमां वाचं कल्याणीमावदानि जनेभ्यः। ब्रह्मराजन्याभ्यां शूद्राय चार्याय च स्वाय चारणाय च।।हम सभ गोटेकें ई पवित्र वाणी (वेदवाणी) सुनाबी। ब्राह्मणकें, क्षत्रियकें, शूद्रकें आ आर्यकें; अपन लोककें आ अपरिचितकें सेहो (माने सभकें)। मुदा ऐ वेदवाक्यक विपरीत मनुस्मृति वेदवाणीक अध्ययन/ श्रवणकें समाजक किछु गोटे लेल निषेध करऽ चाहलक, मुदा स्मृति सेहो वेदवाक्यकें प्रमाण मानैत अछि (शब्द प्रमाण) तँ तकर विरुद्ध देल ओकर निर्देश स्वयं अमान्य भऽ जाइत अछि।

Do not judge each day by the harvest you reap but by the seeds that you plant. -Robert Louis Stevenson

ॐ ह्यैः शान्तिरन्तरिक्षं ग्वंग शान्तिः

ॐ ह्यैः आदिबुद्धिश्च W आदिः

अनुक्रम

ऐ अंकमे अछिः-

१.१. गजेन्द्र ठाकुर- नूतन अंक सम्पादकीय

१.२. अंक ३७३ पर टिप्पणी

२. गद्य खण्ड

२.१. डॉ दीपेश कुमार ठाकुर- मिथिलाक इतिहासक वैज्ञानिक अध्ययन एवं ओकर समीक्षात्मक विश्लेषण

२.२. परमानन्द लाल कर्ण- गीता माहात्म्य (आगाँ)

२.३. कुमार मनोज कश्यप-सम्मत के

२.४. आचार्य रामानन्द मण्डल-गोलट/ रामेश्वरम लिंग स्थापना

२.५.उमेश मण्डल- मुदा सुधार नहियँ

२.६.लालदेव कामत-डॉ उमेश मंडल: एक मैथिली अभियानी / जतरा:
सुभाष चन्द्र यादव/ शम्भू बाबूक आत्मकथा/ मिथिलाक स्वतंत्रता सेनानी :
सलहैता - गुरुमैत/ लघुकथा- हौंथर

२.७.निर्मला कर्ण- अग्नि शिखा (खेप-२३)

२.८.नन्द विलास राय-मोटरसाइकिल

२.९.जगदीश प्रसाद मण्डल- सुचिता (धारावाहिक उपन्यास)

२.१०.जगदीश प्रसाद मण्डल-चोरनी पिल्ली (लघुकथा)

२.११.रबीन्द्र नारायण मिश्र-बदलि रहल अछि सभकिछु (उपन्यास)-
धारावाहिक

२.१२.संतोष कुमार राय 'बटोही'-मंगरौना (धारावाहिक उपन्यास)- (तेरहम
खेप)

३.पद्य खण्ड

३.१.डॉ. जियाउर रहमान जाफ़री - एकटा नदी छल/ एहि नदी मे

३.२.डॉ सुमंगला झा- सत्य कहूँ

३.३.राज किशोर मिश्र-आत्मबल

४. अनुलग्नक (पृ. १-३८१)

१.विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक Videha e journal's all old issues
(पृ. १-२३)

२.मैथिली पोथी डाउनलोड Maithili Books Download (पृ. २४-८०)

३. मैथिली ऑडियो-वीडियोक संकलन Maithili Audios-Videos (पृ. ८१-९४)

४.मैथिली शिशु, बाल आ किशोर साहित्य Maithili Children Literature (पृ.
९५-१०८)

५.विदेह स्त्री कोना (पृ. १०९-११८)

६. विदेह ई-लर्निङ्ग (पृ. ११९-१३१)

७.विदेह सूचना संपर्क अन्वेषण (पृ. १३२-१७६)

8.Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement (Pages 177-255)

९.विदेह मिथिलाक खोज (पृ. २५६-२८३)

१०.विदेह मिथिला रत्न (पृ. २८४-३८१)



१

ॐ द्यौः शान्तिरन्तरिक्षं ग्वंग शान्तिः पृथ्वी शान्तिरापः
शान्तिरोषधयः शान्ति वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे देवाः
शान्तिर्ब्रह्म

ॐ द्यौः शान्तिब्रह्मविष्णु शान्तिः पृथ्वी शान्तिरापः शान्तिबोधधयः शान्ति
वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे देवाः शान्तिर्ब्रह्म

ब्रह्मणसँ प्रार्थना जे द्युलोकमे, अंतरिक्षमे, पृथ्वीपर, जलमे, औषधमे,
वनस्पतिमे, विश्वमे, सभ देवतागणमे आ ब्रह्ममे शांति हुअय।

ॐ-ब्रह्मण, द्यौ-सूर्य-तरेगण, अंतरिक्ष- पृथ्वी आ द्यूलोकक बीच, आप:-
जल, विश्वेदेवा- सभ देवता, ब्रह्म- सर्जक।

ब्रह्मण्यं प्रार्थना जे द्यूलोकमे, अंतरिक्षमे, पृथ्वीपर, जनमे,
उषधमे, रत्नमतिमे, विश्वमे, सब देवतागणमे आ ब्रह्ममे शांति
दाथय।

ॐ-ब्रह्मण, द्यौ-सूर्य-तरेगण, अंतरिक्ष- पृथ्वी आ द्यूलोकक रीठ,
आप:-जन, विश्वेदेवा- सब देवता, ब्रह्म- सर्जक।

१

ॐ, सहस्रशीर्षा पुरुषः। सहस्राक्षः सहस्रपात्।

ॐ, स॒ ह॒स्रा शी॒र्षा प॒रुष॑ षः। स॒ ह॒ स्रा॒ ऋः
स॒ ह॒स्रा पा॑त्।

स भूमिं ग्वंग विश्वतो वृत्वा। अत्यतिष्ठद् दशाङ्गुलम्॥

स॒ भूमिं॑ व॒ ग्वं वि॒श्वतो॑ वृ॒त्वा अ॒त्यति॑ष्ठद् दशा॒ङ्गुल॑म्॥

हजार माथ, हजार आँखि, हजार पपर संग विश्वकेँ आच्छादित केने
अछि, दस आंगुरक गनतीक वशमे नै अछि ओ।

ॐ सहस्रशीर्षां पुरुषः सहस्राक्षं
सहस्रपात् ॥ सभूमिं सर्वतस्पृत्वा
त्यतिष्ठदशाङ्गुलम् ॥

पद्भ्याग्ँ शूद्रो अजायत॥

प↓ ड्याग्ँ↑ शू↓ द्रो अ↑ जायत॥

पएरसँ शूद्रक उत्पत्ति भेल॥

पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्रात्।

प↓ ड्यां ष्ट्रि↓ दिशः↓ श्रोत्रा↑ ↑ ७।

मुदा पएरसँ भूमियोक उत्पत्ति।

❁ (White Florette- innocence and purity)

❁ (Wheel of Dharma)

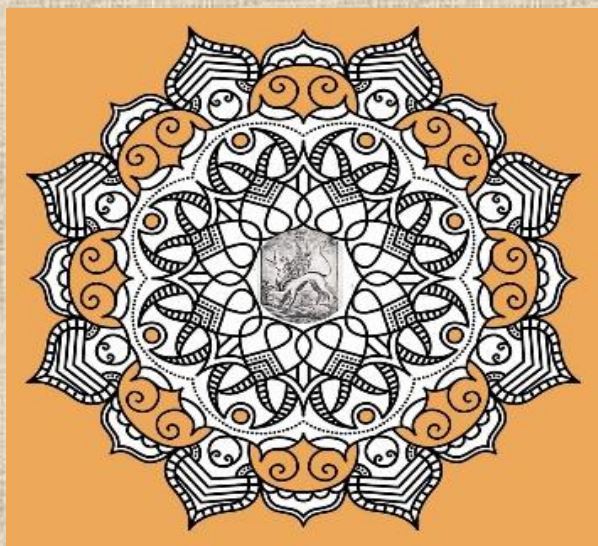
卐 (Swastik)

ॐ (सिद्धिरस्तु, सिद्धम प्रिश्चिबन्ध, प्रिश्चम Devanagari Anji)

Ū (Gwang ग्वंग- two small circles connected by u and a dot placed over it, used in reference of Vedic texts)

Ɔ (Tirhuta Anji, Ankush of Ganeshji, placed at the beginning of something)

Ɔ





AI4BHARAT (MAITHILI)

**AI4BHARAT [Maithili Version 2 translation
IndicTrans2 launched on May 26,2023; Nilekani
Centre at AI4Bharat launched on July 28, 2022]**

**<https://ai4bharat.iitm.ac.in/> (AI4BHARAT
IIT MADRAS)**

**<https://models.ai4bharat.org/#/nmt/v2>
(Maithili Translation Version 2)**

<https://github.com/AI4Bharat/IndicTrans2>

<https://arxiv.org/abs/2305.16307>

**<https://github.com/AI4Bharat> (GitHub
AI4Bharat)**

<https://ai4bharat.iitm.ac.in/models>
(AI4Bharat Models)

<https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfEOrrdR4SxFbzFD9CSR1scrrEUMdbsg7wsbZ6Vfxn6FQoq8A/viewform?pli=1> Audio
Transcriber Maithili Apply)

-Gajendra Thakur, editor, Videha (be part of
Videha www.videha.co.in -send your
WhatsApp no to +919560960721 so that it can be
added to the Videha WhatsApp Broadcast
List.)

• ❖❖ ❖❖❖❖ ❖❖
editorial.staff@videha.com ❖❖
❖❖❖❖❖

• ••

editorial•staff•videha@gmail•com

•••••

• •••• ••

••

२••••• •• •• ••

২২১: উৎস: অসম প্ৰদেশ - অৰ্থ-
সংস্কৃত: উৎস: অসম প্ৰদেশ - অৰ্থ-
সংস্কৃত: অসম প্ৰদেশ - অৰ্থ-

২২২: অসম প্ৰদেশ - অৰ্থ-
সংস্কৃত (সংস্কৃত)

২২৩: অসম প্ৰদেশ - অৰ্থ-
সংস্কৃত

২২৪: অসম প্ৰদেশ - অৰ্থ-
সংস্কৃত / অসম প্ৰদেশ - অৰ্থ-
সংস্কৃত

২২৫: অসম প্ৰদেশ - অৰ্থ-
সংস্কৃত

২২৬: অসম প্ৰদেশ - অৰ্থ-
সংস্কৃত / অসম প্ৰদেশ - অৰ্থ-
সংস্কৃত / অসম প্ৰদেশ - অৰ্থ-
সংস্কৃত / অসম প্ৰদেশ - অৰ্থ-
সংস্কৃত / অসম প্ৰদেশ - অৰ্থ-
সংস্কৃত

২২৭: অসম প্ৰদেশ - অৰ্থ-
সংস্কৃত (১৯৭৩)

२०८०:००० ०० ००:०० ००:००-००:००:००:००:०० ००

२०९०:००००:०० ० ००:००:०० ००:००:००- ००:००:००:००
(००:००:००:००:००:०० ००:०० ००:००)

२०१००:००००:०० ० ००:००:०० ००:००:००-००:००:००
००:०० ००:०० (००:००:००)

२०११०:००:०० ०० ०० ००:००:००:००:०० ००:००-००:००:००:००
००:००:०० ००:००:०० (००:०० ००:००)- ००:००:००:००:००:

२०१२०:००:००:००:००:०० ००:०० ००:०० '००:००:००'-००:००:००:००:
(००:००:००:००:००:०० ००:०० ००:००)- (००:००:०० ००:००)

२०१०:०१ : ००००-००००-०००० :
०००० : ०००० : ०००० : ०००० :
०००० : ०००० : ०००० : ०००० :

०००० : ०००० : ०००० : ०००० :

०००० : ०००० : ०००० : ०००० :
०००० : ०००० : ०००० : ०००० :

००००-०००० : ०००० : ०००० :

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ (ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥)
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

deepesh1november@gmail.com +91-
8527740419

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

... .. 1857

... .. 1858 :. 1906

... .. 266 :. 22

... ..

... .. ओं

... .. 1953

50

50

50

1. Jha, M. (1997). "Hindu Kingdoms at contextual level". Anthropology of Ancient Hindu Kingdoms: A Study in Civilizational Perspective. New Delhi: M.D. Publications Pvt. Ltd. pp. 27-42.

1. Jha, M. (1997). "Hindu Kingdoms at contextual level". Anthropology of Ancient Hindu Kingdoms: A Study in Civilizational Perspective. New Delhi: M.D. Publications Pvt. Ltd. pp. 27-42.

1. Jha, M. (1997). "Hindu Kingdoms at contextual level". Anthropology of Ancient Hindu Kingdoms: A Study in Civilizational Perspective. New Delhi: M.D. Publications Pvt. Ltd. pp. 27-42.

Bhagalpur University:

7: Thakur, Upendra (1956) (en:): History of Mithila: (circa 3000 B:C:-1556 A:D): Mithila Institute:

8: Jha, Pankaj Kumar (2010): Sushasan Ke Aaine Mein Naya Bihar: Bihar (India): Prabhat Prakashan: : 28 : 2019 : : 4 : 2019:

9: , ॐ : : , : : : : 2016, : -9:

10: Cust, R:N: (1901): "The Indian Hero": Linguistic and oriental essays: written from the year 1840 to 1903: London: Trubner & Co: pp: 144-158: : 12 January 2017:

• • • • •

०० ०.००० : ०००० ००: ००,

००००००, ०० ००००००० (० : ०० ००००.)
००००००००

०००००० ०००००००००००००००, ००००० ०००,
०००००००००, ००००

deepesh1november@gmail.com
8527740419

+91-

• • •

• • • • •

editorial::staff::videha@gmail::com



२०२०:०५:०५:०५:०५:०५ ०५:०५:०५-०५:०५:०५
०५:०५:०५ ०५:०५:०५ (०५:०५:०५)

editorial::staff::videha@gmail::com



... the first, the second, the third, the fourth, the fifth, the sixth, the seventh, the eighth, the ninth, the tenth, the eleventh, the twelfth, the thirteenth, the fourteenth, the fifteenth, the sixteenth, the seventeenth, the eighteenth, the nineteenth, the twentieth, the twenty-first, the twenty-second, the twenty-third, the twenty-fourth, the twenty-fifth, the twenty-sixth, the twenty-seventh, the twenty-eighth, the twenty-ninth, the thirtieth, the thirty-first, the thirty-second, the thirty-third, the thirty-fourth, the thirty-fifth, the thirty-sixth, the thirty-seventh, the thirty-eighth, the thirty-ninth, the fortieth, the forty-first, the forty-second, the forty-third, the forty-fourth, the forty-fifth, the forty-sixth, the forty-seventh, the forty-eighth, the forty-ninth, the fiftieth, the fifty-first, the fifty-second, the fifty-third, the fifty-fourth, the fifty-fifth, the fifty-sixth, the fifty-seventh, the fifty-eighth, the fifty-ninth, the sixtieth, the sixty-first, the sixty-second, the sixty-third, the sixty-fourth, the sixty-fifth, the sixty-sixth, the sixty-seventh, the sixty-eighth, the sixty-ninth, the seventieth, the seventy-first, the seventy-second, the seventy-third, the seventy-fourth, the seventy-fifth, the seventy-sixth, the seventy-seventh, the seventy-eighth, the seventy-ninth, the eightieth, the eighty-first, the eighty-second, the eighty-third, the eighty-fourth, the eighty-fifth, the eighty-sixth, the eighty-seventh, the eighty-eighth, the eighty-ninth, the ninetieth, the ninety-first, the ninety-second, the ninety-third, the ninety-fourth, the ninety-fifth, the ninety-sixth, the ninety-seventh, the ninety-eighth, the ninety-ninth, the one hundredth.

... .. - '... ..
... .. :s
... ..'

... .. - '... ..
... .. :s
... .. s;
... .. s s
... .. :s
... .. !
... .. :s
... .. s s '
... ..

... .. s' - '... ..
... .. ,
... ..
... ..
... .. s
... .. :s
... .. s'

...
...
...
...
...
...
...?

...
...-11, ...-4,
...-5, ... (...
...), ...-110023 ...
9810811850 / 8178216239 ...
writetokmanoj@gmail.com

...
editorial: taff:videha@gmail.com
...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच ।
अहो भूयसां धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
संग्रामोऽर्जुन ॥ १ ॥
ममैतन्मित्रकुलमध्वजैर्बभूवुः ॥
सर्वैर्भक्तैश्चैव शैब्यैश्च मया ॥
सुभद्रायाश्चैव युधिष्ठिरपुत्रेण ॥
अर्जुन उवाच ।
अहो भूयसां धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
संग्रामोऽर्जुन ॥ १ ॥
ममैतन्मित्रकुलमध्वजैर्बभूवुः ॥
सर्वैर्भक्तैश्चैव शैब्यैश्च मया ॥
सुभद्रायाश्चैव युधिष्ठिरपुत्रेण ॥
अर्जुन उवाच ।
अहो भूयसां धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
संग्रामोऽर्जुन ॥ १ ॥
ममैतन्मित्रकुलमध्वजैर्बभूवुः ॥
सर्वैर्भक्तैश्चैव शैब्यैश्च मया ॥
सुभद्रायाश्चैव युधिष्ठिरपुत्रेण ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच ।
अहो भूयसां धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
संग्रामोऽर्जुन ॥ १ ॥
ममैतन्मित्रकुलमध्वजैर्बभूवुः ॥
सर्वैर्भक्तैश्चैव शैब्यैश्च मया ॥
सुभद्रायाश्चैव युधिष्ठिरपुत्रेण ॥
अर्जुन उवाच ।
अहो भूयसां धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
संग्रामोऽर्जुन ॥ १ ॥
ममैतन्मित्रकुलमध्वजैर्बभूवुः ॥
सर्वैर्भक्तैश्चैव शैब्यैश्च मया ॥
सुभद्रायाश्चैव युधिष्ठिरपुत्रेण ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच ।
अहो भूयसां धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
संग्रामोऽर्जुन ॥ १ ॥
ममैतन्मित्रकुलमध्वजैर्बभूवुः ॥
सर्वैर्भक्तैश्चैव शैब्यैश्च मया ॥
सुभद्रायाश्चैव युधिष्ठिरपुत्रेण ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ।
सर्वदुःखहर्त्रं सर्वपापहर्त्रं ।
सर्वकलहहर्त्रं सर्वदुःखहर्त्रं ।
सर्वदुःखहर्त्रं सर्वदुःखहर्त्रं ।
सर्वदुःखहर्त्रं सर्वदुःखहर्त्रं ।
सर्वदुःखहर्त्रं सर्वदुःखहर्त्रं ।
सर्वदुःखहर्त्रं सर्वदुःखहर्त्रं ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ।
सर्वदुःखहर्त्रं सर्वपापहर्त्रं ।
सर्वकलहहर्त्रं सर्वदुःखहर्त्रं ।
सर्वदुःखहर्त्रं सर्वदुःखहर्त्रं ।
सर्वदुःखहर्त्रं सर्वदुःखहर्त्रं ।
सर्वदुःखहर्त्रं सर्वदुःखहर्त्रं ।
सर्वदुःखहर्त्रं सर्वदुःखहर्त्रं ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ।
सर्वदुःखहर्त्रं सर्वपापहर्त्रं ।
सर्वकलहहर्त्रं सर्वदुःखहर्त्रं ।
सर्वदुःखहर्त्रं सर्वदुःखहर्त्रं ।
सर्वदुःखहर्त्रं सर्वदुःखहर्त्रं ।
सर्वदुःखहर्त्रं सर्वदुःखहर्त्रं ।
सर्वदुःखहर्त्रं सर्वदुःखहर्त्रं ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ।
सर्वदुःखहर्त्रं सर्वपापहर्त्रं ।
सर्वकलहहर्त्रं सर्वदुःखहर्त्रं ।
सर्वदुःखहर्त्रं सर्वदुःखहर्त्रं ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
अहो भवति धर्मो यदा कुरुक्षेत्रे समवेता
एवाहो मया युधिष्ठिरः ॥

अर्जुन उवाच ॥ अहो भवति धर्मो यदा
कुरुक्षेत्रे समवेता एवाहो मया युधिष्ठिरः ॥
अहो भवति धर्मो यदा कुरुक्षेत्रे समवेता
एवाहो मया युधिष्ठिरः ॥

श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहो भवति धर्मो यदा
कुरुक्षेत्रे समवेता एवाहो मया युधिष्ठिरः ॥

अर्जुन उवाच ॥ अहो भवति धर्मो यदा
कुरुक्षेत्रे समवेता एवाहो मया युधिष्ठिरः ॥

श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहो भवति धर्मो यदा
कुरुक्षेत्रे समवेता एवाहो मया युधिष्ठिरः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

२

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मोक्ष प्राप्त कर सकें, तब ही वे स्वतंत्र जाति हो सकेंगे।
वैश्य जाति के लोग, जो कि वेद के अंग ही हैं, वे ही
जो कि वेद के अंग ही हैं, वे ही

मोक्ष प्राप्त कर सकें, तब ही वे स्वतंत्र जाति हो सकेंगे।
वैश्य जाति के लोग, जो कि वेद के अंग ही हैं, वे ही
जो कि वेद के अंग ही हैं, वे ही

मोक्ष प्राप्त कर सकें, तब ही वे स्वतंत्र जाति हो सकेंगे।
वैश्य जाति के लोग, जो कि वेद के अंग ही हैं, वे ही
जो कि वेद के अंग ही हैं, वे ही

मोक्ष प्राप्त कर सकें, तब ही वे स्वतंत्र जाति हो सकेंगे।
वैश्य जाति के लोग, जो कि वेद के अंग ही हैं, वे ही
जो कि वेद के अंग ही हैं, वे ही

मोक्ष प्राप्त कर सकें, तब ही वे स्वतंत्र जाति हो सकेंगे।
वैश्य जाति के लोग, जो कि वेद के अंग ही हैं, वे ही
जो कि वेद के अंग ही हैं, वे ही

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

... ..
... ..

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

... ..
... ..
... ..

... ..
... ..
... ..

... ..
... ..

--

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

... ..
... ..
... ..
... ..

: .
 ,
 !
 ,
 .
 '

:
 .
 -
 .
 ,
 .
 '

.
 .
 ,
 .
 .
 '

,
 .
 ,
 .

२०२३ म अंक १५ जुलाई २०२३ (वर्ष १६ मास १८७ अंक ३७४) || 65
 २०२३ म अंक १५ जुलाई २०२३ (वर्ष १६ मास १८७ अंक ३७४) || 65
 २०२३ म अंक १५ जुलाई २०२३ (वर्ष १६ मास १८७ अंक ३७४) || 65

२०२३ म अंक १५ जुलाई २०२३ (वर्ष १६ मास १८७ अंक ३७४) || 65
 २०२३ म अंक १५ जुलाई २०२३ (वर्ष १६ मास १८७ अंक ३७४) || 65
 २०२३ म अंक १५ जुलाई २०२३ (वर्ष १६ मास १८७ अंक ३७४) || 65

२०२३ म अंक १५ जुलाई २०२३ (वर्ष १६ मास १८७ अंक ३७४) || 65
 २०२३ म अंक १५ जुलाई २०२३ (वर्ष १६ मास १८७ अंक ३७४) || 65
 २०२३ म अंक १५ जुलाई २०२३ (वर्ष १६ मास १८७ अंक ३७४) || 65

... १९४८ ...
 ...
 ... १९८२ ...
 ...
 ... ६० ...
 ... ३५ ...
 ...
 ...
 ... २०१२ ...
 ...
 ... (...) ...
 ... १९८३ ...
 ... (...) ...

: : : : : : - १९८८ : : , : : : : :
 (: : : : :) : : : : : ; : : : : :
 : : : : : . : : : : १९९९ : : : : :
 (: : : :) ' : : : : १९९५ , : : : : : :
 : : : : . : : : : (: : : :)- : : : :
 : : : : : : - : : : : २००१, : : : : :
 " : : : : : (: : : : . : : :) : : : : :
 : : : : : - : : : : : . २००१, : : : : - : : : : :
 (: : : : : : : : :) : : : : : : : : :
 : : : : . २००९ : : : : : : : : :
 : : : : ' : : : : २०१५ : : : : : : : -
 : : : : : : : : : . : : : : : : :
 : : : : : : : : : : : : : : : : : :
 : : : : : : : : : : : : : : : : : :
 : : : : : : - : : : : : : : : :
 : : : : : : : : : : : : : : : : : :
 " : : : " : : : : : : : : : : : :
 : : : : : : : : : : : : : : : : : :
 : : : : : : : : : : : : : : : : : :

.

 ७२

 (. -
) १०

 " "

४

.

• ••••• •••••• •••••• •••••• ••••••

• •••

• ••••• •••

editorial::staff::videha@gmail::com

•••

••••••••

२०२३ (१९६०-), २०२३ - २०२३, २०२३-
२०२३- २०२३, २०२३- २०२३-
२०२३ (२०२३), २०२३ २०२३ २०२३-
२०२३, २०२३ २०२३ २०२३ २०२३ २०२३
२०२३ २०२३ २०२३ २०२३ २०२३ २०२३
२०२३ २०२३ २०२३ २०२३ २०२३ २०२३
२०२३ २०२३ २०२३ २०२३ २०२३ २०२३

२०२३ (२०२३- २३)

(२०२३ २०२३ २०२३- २०२३ २०२३ २०२३
२०२३ २०२३, २०२३ २०२३- २०२३ २०२३
२०२३)

२०२३ २०२३:

२०२३ २०२३ २०२३ २०२३ २०२३ २०२३
२०२३ २०२३ २०२३ २०२३ २०२३ २०२३
२०२३ २०२३ २०२३ २०२३ २०२३ २०२३
२०२३ २०२३ २०२३ २०२३ २०२३ २०२३

...स ...
...स ...
...
...स ...
...
...स ...

...स ...
...स ...
...
...
...
...
...

...
...
...
...
...

...
...
...

...
...
...S...
...?
...
...S...
...!

...
... - ...
...
...
...
...

...
...
...
...

... " " ...
: : S :

...
...
...
...
...

... S ...
...

... S ...
...
...
...
...

... ! ... ! ...
... ! ...
... ! ...
... S ...
... S ...

... !
... ! ...
... ! ...
... ! ...
... ! ...
... ! ...
... ! ...
... ! ...
... S ...
... ! ...
... ! ...
... ! ...
... ! ...

...
...
...
...S ...
...
...
...
...

...S ...
...?
...!
...
...
...
...S!
...
...!
...
...S ...
...S ...
...S!

...

• ••

editorial:: taff::videha@gmail::com

•••••

• •••• ••

••

२५८•••• •• •••• ••••••••••••••••••

••• •• ••••• •••••

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

... ..,
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

... ..
... ..
(... ..)
... ..?
... ..

.

.

.

.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

"ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।"

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

"ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।"

... ..,
... ..,
... ..,
... ..,
... ..

"... ..,
... ..
... ..,
... ..
... .."

... ..
... ..

"... ..,
... ..
... ..,
... .."

... ..
... ..
... ..

३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३
३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३
३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३
३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३

"३३३, ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३
३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३"

३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३
३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३

"३३३, ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३"

३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३
३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३

"३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३?"

३३३ ३३३ ३३३ ३३३

"३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३, ३३३ ३३३ ३३३
३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३
३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३ ३३३"

... , ...
... , ...
... -

"... , ...
...
... ?"

...
...
... -

"... , ...
... , ...
... , ...
...
...
...
...
..."

...
...

... , ...
... , ...
...
...
...-

"... , ...
...
...
...
..."

...
...
...
...
...
...
...
...
...-

"... , ...
...
...-

अब मैं भी जानूँ कि, मैंने जो कुछ किया है,
उसके लिए मैंने अपने आपको खो दिया है।"

उसने कहा, "तुम्हारे लिए मैंने जो कुछ किया है,
उसके लिए मैंने अपने आपको खो दिया है।"

"तुम्हारे लिए मैंने जो कुछ किया है,
उसके लिए मैंने अपने आपको खो दिया है।"

उसने कहा, "तुम्हारे लिए मैंने जो कुछ किया है,
उसके लिए मैंने अपने आपको खो दिया है।"
उसने कहा, "तुम्हारे लिए मैंने जो कुछ किया है,
उसके लिए मैंने अपने आपको खो दिया है।"
उसने कहा, "तुम्हारे लिए मैंने जो कुछ किया है,
उसके लिए मैंने अपने आपको खो दिया है।"
उसने कहा, "तुम्हारे लिए मैंने जो कुछ किया है,
उसके लिए मैंने अपने आपको खो दिया है।"
उसने कहा, "तुम्हारे लिए मैंने जो कुछ किया है,
उसके लिए मैंने अपने आपको खो दिया है।"

उसने कहा, "तुम्हारे लिए मैंने जो कुछ किया है,
उसके लिए मैंने अपने आपको खो दिया है।"

"... , ... , ... , ...
... , ... , ... , ...
... - ... - ..."

... : ... : ... : ... : ... : ... :
... -

"... , ... ! ... :
... : ... : ... : ... : ... : ... :
... : ... : ... : ... : ... : ... :
... : ... : ... : ... : ... : ... :
... : ... : ... : ... : ... : ... :
... : ... : ... : ... : ... : ... :
... : ... : ... : ... : ... : ... :
... : ... : ... : ... : ... : ... :"

... : ... : ... : ... : ... : ... :
... : ... : ... : ... : ... : ... :
... : ... : ... : ... : ... : ... :
... : ... : ... : ... : ... : ... :
... : ... : ... : ... : ... : ... :
... : ... : ... : ... : ... : ... :
... : ... : ... : ... : ... : ... :

"... , ... : ... : ... : ... : ... : ... :

• तः १०-१० तः १० १००० : १००० १००० १००० १००० "।

१००० १००० १००० १००० १००० १००० १०००-
१००० १००० १००० १००० १००० १००० १०००-
१००० १००० १००० १००० १००० १०००-

"१००० १०००, १००० १००० १००० १०००
१०००, १००० १००० १००० १०००, १००० १०००-
१००० १००० १००० १००० १००० १०००-
१००० १००० १००० १००० १००० १०००
१००० १०००, १००० १००० १००० १०००-
१००० १००० १००० १००० १००० १०००-
१००० १००० १००० १००० १००० १०००,
१००० १००० १००० १००० १००० १०००
१००० १०००"

१००० १००० १००० १००० १००० १०००
१०००-१००० १००० १००० १००० १०००
१००० १००० १००० १००० १००० १०००
१००० १००० १००० १००० १००० १०००-
१००० १००० १००० १००० १००० १०००-
१००० १००० १००० १००० १००० १०००-
१००० १००० १००० १००० १००० १०००
१००० १००० १००० १००० १००० १०००
१००० १००० १००० १००० १००० १०००

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

"... , ... ,
... , ...
...
...?"

...
...
...
...
..."

...-

"...?"

...
...
...
...
...?
...
...-

"ः ३. ३:३:३:३:३. ३:३ ३ ३: ३:३:३-३:३
३:३:३:३:३ ३. ३ ३:३ ३:३ ३:३ ३:३ ३:३ ३:३
३. ३:३:३ ३. ३:३ ३ ३:३ ३:३ ३:३ ३:३:३
३:३ ३:३ ३. ३. ३:३ ३ ३:३ ३:३ ३:३ ३:३
३. ३:३ ३. ३:३:३.३:३:३:३. ३:३ ३. ३:३:३
३:३:३." "

३:३:३:३:३ ३:३ ३:३:३:३:३. ३:३ ३:३:३
३:३ ३:३ ३:३:३. ३:३ ३:३ ३:३:३
३:३:३. -

"३:३, ३:३ ३:३:३:३:३:३. ३:३ ३:३:३." "

३:३:३-

"३:३ ३:३. ३:३:३:३:३:३?" "

३:३:३:३:३:३.-

"३:३, ३:३. ३:३ ३:३:३. ३:३ ३:३. ३:३. ?" "

३:३:३-

...
 ... ,
 ... ,
 ...
 ...
 ...
 ... ,
 ... ,
 ...

...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ... ,
 ...
 ...
 ... ,
 ...
 ...
 ... ,
 ...
 ...
 ... ,
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

"नमो भगवते वासुदेवाय",
नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय ।

नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

"नमो भगवते वासुदेवाय",
नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय ।

... ..
... ..
... ..,
... ..,
... ..,
... ..-

"... ..?"

... ..
... ..-

"... .."

... ..,
... ..
... ..,
... ..
... .."
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

सुतः तः श्रुत्वा ततः सः सः सः, ततः श्रुत्वा ततः
सः श्रुत्वा ततः, ततः श्रुत्वा ततः सः श्रुत्वा
सः

सुतः ततः सः सः -

"सुतः ततः सः सः सः श्रुत्वा ततः सः
सुतः ततः सः श्रुत्वा ततः सः श्रुत्वा ततः
सुतः ततः सः श्रुत्वा ततः सः श्रुत्वा ततः
सुतः ततः सः श्रुत्वा ततः सः श्रुत्वा ततः
सुतः ततः सः श्रुत्वा ततः सः श्रुत्वा ततः
सुतः ततः सः श्रुत्वा ततः सः श्रुत्वा ततः

सुतः ततः सः सः श्रुत्वा ततः सः श्रुत्वा ततः
सः सः -

"सुतः ततः, सुतः ततः सः श्रुत्वा ततः
सः सः?"

सुतः ततः सः सः -

"सुतः, सुतः सुतः ततः सः श्रुत्वा ततः सः
सुतः ततः सः श्रुत्वा ततः सः श्रुत्वा ततः",

...
...
...
..."

...
:-

"...?"

...
:-

...
...
...
..."

:-

"...?"

...
...
...
...

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

... ..
... ..

"... .."

... ..

"... ..
... ..
... .."

... ..
editorial:staff:videha@gmail:com
... ..

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । (ॐ नमो भगवते वासुदेवाय)-
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

• •• • ••• • •• • ••••

11

•••••• : : ••• ••• : : •••••••••• : :•••••-
•••• •••• : ••••• ••••• ••••• ••••• •••••
•••••••• •••••••••••••••• •••••••••••
•••••••••••••••••••••••••••••••••••••••
••
••
••
••
••
••
••
••
••
••

"••••••! : :••••••!"

•••••• •••••• •••••• •••••• •••••• ••••••
•••••••••••• •••••• •••••• •••••• ••••••
•••••••••••• •••••• •••••• •••••• ••••••
•••••• •••••• •••••••••••••••• •••••• ••••••

:...: :...: : ...: :...: :...: :...: :...: :...:
 :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...:
 :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...:
 :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...:
 :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...:
 :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...:
 :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...:
 :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...:

" :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...:
 :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...:
 :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: ?
 :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...:
 :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: "

:...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...:
 :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...:
 :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...:
 :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: ?

" :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: ?"

:...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...:

:...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...: :...:

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

"... ..
... ..
... .."

"... ..?"

"... .."

••••• " "

"•••••?"

"•••••"

"•••••"

•••••

•••••

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

"ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।"

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

12

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

"...?"

"...?"

"...?"

"...?"

"...?"

"हेतुः च, कुरुः च. सः तत्र च त्र्यम्बकः च।"

"सः तत्र च त्र्यम्बकः च?"

तत्र त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः
त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः
त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः
त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः

"हेतुः च, कुरुः च त्र्यम्बकः च?"

"हेतुः च, कुरुः च त्र्यम्बकः च त्र्यम्बकः च
त्र्यम्बकः च त्र्यम्बकः च त्र्यम्बकः च त्र्यम्बकः च
त्र्यम्बकः च त्र्यम्बकः च त्र्यम्बकः च त्र्यम्बकः च।"

"हेतुः च, कुरुः च त्र्यम्बकः च त्र्यम्बकः च
त्र्यम्बकः च।"

त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः
त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः
त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः

त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः
त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः त्र्यम्बकः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥
 (ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥)
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २१ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २२ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३० ॥

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

"... .."
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

...
...
...

"...
...?
...
...
...
...
...
..."

...
...
...

...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

"ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥"
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

... ..
... ..

... ..
... ..
... ..
... ..?
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..?
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

... ..

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

"... .."

"... ..?"

"... ..
... ..
... .."

"... ..?" -
... ..

"... ..
... ..
... .."

"... ..
... ..?
... .."

"... ..?
... ..?
... ..?
... ..
... .."

"... ..
... ..
... .."

"... ..
... .."

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

१. (विदेह अंक) १८ म अंक विदेह अंक (विदेह अंक);
२. विदेह अंक २०२२ १९ म अंक विदेह
अंक (विदेह अंक)
३. विदेह अंक (विदेह अंक) २१ म अंक विदेह
अंक विदेह अंक (विदेह अंक) २२ म अंक विदेह
अंक विदेह अंक (विदेह अंक) २३ म अंक विदेह अंक
२४ म अंक विदेह अंक विदेह अंक (विदेह अंक)
२५ म अंक विदेह अंक विदेह अंक (विदेह अंक)।

विदेह अंक विदेह अंक
editorial:staff:videha@gmail.com विदेह अंक
विदेह अंक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

• ••

editorial::staff::videha@gmail::com

•••••

• •••• ••

••

३••••• •• ••

३••१••••• •••••••• ••••••• ••••••• - •••••
••••• •• / ••••• •••••

३••२••••• ••••• ••••• ••••• - ••••• •••••

३••३••••• •• ••••• ••••• ••••• -••••• •••••

ॐ नमः शिवायः । नमः शिवायः । नमः शिवायः । नमः शिवायः - नमः शिवायः
नमः शिवायः / नमः शिवायः नमः शिवायः

१००० १००००० १००००० १००००० १०००००

१००००० १००००० १००००० / १००००० १०००००

१

१००००० १००००० १०००००

१००००० १००००००० १००००० १०००००

१००००० १००००० १०००००

१००००० १००००० १००००० १०००००

१००००० १००००० १००००० १०००००

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

२

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

••••• : ••••• : ••••• : ••••• : •••••

••••• : ••••• : ••••• : ••••• : •••••

••••• : ••••• : ••••• : ••••• : ••••• : ••••• : •••••

••••• : ••••• : ••••• : ••••• : •••••

••••• : ••••• : ••••• : ••••• : •••••

••••• : ••••• : ••••• : ••••• : •••••

••••• : ••••• : ••••• : ••••• : •••••

••••• : ••••• : ••••• : ••••• : •••••

••••• : ••••• : ••••• : ••••• : •••••

••••• : ••••• : ••••• : ••••• : •••••

• •• ••• ••• ••• ••• ••• ••• •••

••••• ••••• ••••• ••••• ••••• ••••• ••••• •••••

••••• ••••• ••••• ••••• ••••• ••••• ••••• •••••

••••• ••••• ••••• ••••• ••••• ••••• ••••• •••••

••••• ••••• ••••• ••••• ••••• ••••• ••••• •••••

-••••• •••••••••• •••••••••• ••••••••••,
••••••••••••••• •••••••••• ••••••••••, ••••••••••
•••••••••• ••••••••••, •••••••••• 823001

••••• 9934847941,6205254255,
zeaurrahmanjafri786@gmail:: Com

••••• ••••••••••
editorial::staff::videha@gmail::com •••••

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय - ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय, ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय - ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय, ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय! ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

विदेह ३७४ म अंक १५ जुलाई २०२३ (वर्ष १६ मास १८७ अंक ३७४) || 199

- विदेह ३७४ म अंक १५ जुलाई २०२३ (वर्ष १६ मास १८७ अंक ३७४) || 199

• विदेह ३७४ म अंक १५ जुलाई २०२३ (वर्ष १६ मास १८७ अंक ३७४) || 199
editorial::staff::videha@gmail::com
विदेह ३७४ म अंक १५ जुलाई २०२३ (वर्ष १६ मास १८७ अंक ३७४) || 199

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय, श्रीगणेशाय नमः
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय (०), श्रीगणेशाय नमः (०० : ००००),
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय, श्रीगणेशाय नमः, श्रीगणेशाय नमः,
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय, श्रीगणेशाय नमः,

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय, श्रीगणेशाय नमः

३० ३३ - ३० ३३, ३३ ३३ ३३,

३० ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ?

३३ ३३ ३३ ३३, ३३ ३३ ३३ ३३,

३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३

३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३,

३३ ३३ ३३ ३३, ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ?

३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ?

३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ?

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ?

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ?

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय,

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय,

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय,

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय,

३. १५.०० ? १५.०० १५.०० १५.०० १५.०० १५.०० १५.००

१. १५.००, १५.०० १५.०० - १५.००,

१५.०० १५.०० १५.०० १५.०० १५.०० १५.०० १५.००

१५.०० १५.०० १५.०० १५.०० १५.०० १५.०० १५.००,

१५.०० १५.०० १५.००, १५.०० १५.०० १५.०० १५.००

१५.०० १५.०० १५.०० १५.०० १५.००, १५.०० १५.००,

१५.०० १५.००, १५.०० १५.०० १५.०० १५.०० १५.०० १५.००

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ?

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ,

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ,

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय , ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ?

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय , ॐ नमो भगवते वासुदेवाय - ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ?

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ,

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय , ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१.१. गजेन्द्र ठाकुर- नूतन अंक सम्पादकीय

१.२. अंक ३७३ पर टिप्पणी

१.३. अंक ३७३ पर टिप्पणी

१.४. अंक ३७३ पर टिप्पणी

१.५. अंक ३७३ पर टिप्पणी

१.६. अंक ३७३ पर टिप्पणी

१.७. अंक ३७३ पर टिप्पणी

१.१.गजेन्द्र ठाकुर- नूतन अंक सम्पादकीय

AI4BHARAT (MAITHILI)

AI4BHARAT [Maithili Version 2 translation IndicTrans2 launched on May 26,2023; Nilekani Centre at AI4Bharat launched on July 28, 2022]

<https://ai4bharat.iitm.ac.in/> (AI4BHARAT IIT MADRAS)

<https://models.ai4bharat.org/#/nmt/v2> (Maithili Translation Version 2)

<https://github.com/AI4Bharat/IndicTrans2>

<https://arxiv.org/abs/2305.16307>

<https://github.com/AI4Bharat> (GitHub AI4Bharat)

<https://ai4bharat.iitm.ac.in/models> (AI4Bharat Models)

<https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfEO rRdR4SxFbzFD9CSR1scrrEUMdbsg7wsbZ6Vfxn6F Qoq8A/viewform?pli=1> Audio Transcriber Maithili Apply)

-Gajendra Thakur, editor, Videha (be part of Videha www.videha.co.in -send your WhatsApp

210 || <http://www.videha.co.in/> ISSN 2229-547X VIDEHA

no to +919560960721 so that it can be added to the Videha WhatsApp Broadcast List.)

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.२.अंक ३७३ पर टिप्पणी

आशीष अनचिन्हार

मिथिलाक्षरमे परमानन्द लाल कर्ण जीक गीता माहात्म्य नीक जकाँ आगाँ बढ़ि रहल अछि। विदेह पेटार क संकलन अद्भुत् अछि। दीपेश (आर्काइव) कुमार ठाकुर जीक स्वागत अछि।

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

२.१.डॉ दीपेश कुमार ठाकुर- मिथिलाक इतिहासक वैज्ञानिक अध्ययन एवं ओकर समीक्षात्मक विश्लेषण

२.२.परमानन्द लाल कर्ण- गीता माहात्म्य (आगाँ)

२.३.कुमार मनोज कश्यप-सम्मत के

२.४.आचार्य रामानन्द मण्डल-गोलट/ रामेश्वरम लिंग स्थापना

२.५.उमेश मण्डल- मुदा सुधार नहियँ

२.६.लालदेव कामत-डॉ उमेश मंडल: एक मैथिली अभियानी / जतरा: सुभाष चन्द्र यादव/ शम्भू बाबूक आत्मकथा/ मिथिलाक स्वतंत्रता सेनानी : सलहैता - गुरुमैत/ लघुकथा- हौंथर

२.७.निर्मला कर्ण- अग्नि शिखा (खेप-२३)

२.८.नन्द विलास राय-मोटरसाइकिल

२.९.जगदीश प्रसाद मण्डल- सुचिता (धारावाहिक उपन्यास)

२.१०.जगदीश प्रसाद मण्डल-चोरनी पिल्ली (लघुकथा)

२.११.रबीन्द्र नारायण मिश्र-बदलि रहल अछि सभकिछु (उपन्यास)-
धारावाहिक

२.१२.संतोष कुमार राय 'बटोही'-मंगरौना (धारावाहिक उपन्यास)- (तेरहम
खेप)

२.१.डॉ दीपेश कुमार ठाकुर- मिथिलाक इतिहासक वैज्ञानिक अध्ययन एवं
ओकर समीक्षात्मक विश्लेषण



डॉ दीपेश कुमार ठाकुर

मिथिलाक इतिहासक वैज्ञानिक अध्ययन एवं ओकर समीक्षात्मक
विश्लेषण

शोध-पत्रक शीर्षक:

मिथिलाक इतिहासक वैज्ञानिक अध्ययन एवं ओकर समीक्षात्मक
विश्लेषण

लेखकक नाम आ संबद्धता: डॉ दीपेश कुमार ठाकुर,

शिक्षाविद, प्राध्यापक (अंग्रेजी) मानविकी

डीआईटी विश्वविद्यालय, मसूरी रोड, देहरादून, भारत

deepesh1november@gmail.com +91-8527740419

शोध सारांश:

मिथिला जकरा तिरहुत आ तिरभुक्ति कऽ नामसँ सेहो जानल जाइत अछि, भारतक बिहार आ नेपालक दक्षिणपूर्वी भागमे अवस्थित एक भौगोलिक आ सांस्कृतिक क्षेत्र छी। ई क्षेत्र पूर्वमे महानन्दा नदी, दक्षिणमे गङ्गा नदी, पश्चिममे गण्डकी नदी आ उत्तरमे हिमालयक तलसँ घेरल अछि । मिथिला क्षेत्रक मुख्य भाषा मैथिली छी आ ई भाषा बाजनिहार लोकसभकेँ मैथिल कहल जाइत अछि। मिथिला नाम सामान्यतया विदेह साम्राज्यकेँ उल्लेख करवाक लेल प्रयोग कएल जाइत अछि आ सङ्गे आधुनिक-कालक क्षेत्रसभ सेहो विदेहक प्राचीन सीमासभक भीतर अबैत अछि। हम शताब्दीमे, जखन मिथिला क्षेत्रकेँ दड़िभङ्गा राजद्वारा शासित कएल गेल छल, ब्रिटिस राज एकरा एक रियासत राज्यक रूपमे पहचान नै दऽ ई क्षेत्रमे कब्जा कऽ लेनए छल। हिन्दू धार्मिक ग्रन्थसभमे सबसँ पहिने एकर उल्लेख रामायणमे भेटैत अछि। मिथिलाक उल्लेख महाभारत, रामायण, पुराण तथा जैन आ बौद्ध ग्रन्थसभमे सेहो अछि। मान्यता अछि जे मिथिला नाम पौराणिक राजा 'मिथि' कऽ नामसँ कएल गेल। ओ अपन पिता राजा निमी कऽ शरीरसँ बनायल गेल मानल जाइत अछि। कियए तऽ हुनकर उत्पति अपन पिताक देहसँ मन्थन उपरान्त भेल छल, एहि कारण सँ ओ मिथि कहाएल। पौराणिक परम्परामे राजाक शासकीय क्षेत्रक नाम राजाक नामपर राखल जाइत छल। ताहि लेल मिथि कऽ नामपर ई क्षेत्रक नाम मिथिला पड़ल। मिथिला जनकपुरीक राजधानी छल आ राजा मिथि जनकसँ उत्पन्न भेल छल ताहि कारणसँ स्वयं मिथि आ हुनक बादक शासक सेहो जनक कहाएल। एकर बाद मिथिलाक राजासभकेँ जनक कहल जाए लागल। सीताक पिता सीरध्वज जनक छथि जे वाल्मीकि रामायणक हिसाबसँ जनकपुरीक पचीसम राजा भेल छल। देवी भागवतसँ ज्ञात होइत अछि जे निमिक उन्नैसम पीढ़ीमे राजर्षि जनक सीरध्वज भेल छलाह। हिनक विद्वताक चर्च देवी भागवत, श्रीमद्भगवद्गीता, विष्णु पुराण, वृहद् विष्णुपुराण आ अन्य पौराणिक

ग्रन्थमे भेतैत अछि।

कौशिकी, गङ्गा आ गण्डकीधरि एकर सीमा छल ताहि कारणसँ ई क्षेत्र तीरभुक्ति कहाओल।

शाम्भकी, सुवर्ण एवँ तपोवनसँ भुक्तमान होयबाक कारण ई तीरभुक्ति कहाओल।

ऋक, यजु आ साम तीनहुँ वेदसँ आहुति दै बला ब्राम्हणक निवास छल ताहि लेल ई तीरभुक्ति कहाओल।

इक्ष्वाकुतनय निमिक अधिनायकत्वमे, ब्रह्मर्षि गौतमक मार्गदर्शनमे एवं सत्यान्वेषी अग्नि-वैज्ञानिक वैश्वानरक सिद्धान्तक प्रतिफलमे आर्य सभ्यताक एक प्रभाग सिन्धुक कछेरसँ स्थानांतरित भऽ सुदूर पूर्वमे आबि एकटा भौगोलिक, राजनैतिक आ सांस्कृतिक इकाई केँ रूपमे प्रभुत्व स्थापित कएलक, जकर नामकरण “विदेह” भेलैक। कालांतरमे जखन जनक-राजवंशके उत्तराधिकारी जनक कराल भेला, ओ सुप्रतिष्ठित सामाजिक मान्यता आ परम्पराक अतिक्रमण कएलन्हि। तखन कराल जनक के जनता द्वारा हत्या कऽ देल गेल आ मिथिला मे एकटा सर्वथा नुतन शासन-प्रणाली (गणतंत्र प्रणाली) अस्तित्वमे आएल। विदेह गणतंत्र बनल आ एवम प्रकारे विदेह वृज्जिक संग गणतंत्र प्रणालीक प्रणेता बनल। एक समय जखन तुर्क अफगान युगमे भारतक उत्तरी भू-भाग पर मुगलक आक्रमण भऽ रहल छल ओहि समय मिथिला हिन्दु प्रशासकक अधीन अपन स्वतंत्र अस्तित्वके सुरक्षित रखवामे सफल रहल। एहि भू-खण्ड पर कर्नाट राजवंशक शासन 1097 ई० मे प्रारम्भ भेल तदुपरांत ओइनवार वंशक शासन आएल। पहिलबेर सन् 1324 ईस्वीमे तिरहुत/मिथिला, तुगलक साम्राज्यक अधीन

भेल आ दरिभंगाक नाम तुगलकपुर कऽ देल गेल। बंगाल विजय अभियानके दौरान फिरोज तुगलक जखन तिरहुत पहुँचल, ओ कामेश्वर ठाकुरक अनुज भोगीश्वर के शासक नियुक्त कएलक, मुदा एहि समयक शासन व्यवस्था स्थिर नहि छल।

मुगल शासन आ महेश ठाकुर:

मुगल शहंशाह जलालुद्दीन अकबर द्वारा महेश ठाकुर केँ मिथिलाक राज सौंपल गेल, तखने सँ प्रारम्भ भेल खंडबाल राजवंश। एतय एकटा ऐतिहासिक दृष्टिकोण अछि जे अकबर अपन कूटनीति सँ मिथिलाक जे पूर्वहिंसँ अपन राजनैतिक ओ भौगोलिक अक्षुण्णता बनाकऽ रखने छल, तकरा विनष्ट कऽ देलक। दरभंगामे शाही फौजदारक नियुक्ति भेल, आब तिरहुतकेँ सुबा बिहारक भाग घोषित कऽ देल गेल। एहिसँ पूर्व मिथिला आ बिहार भिन्न छल। अकबरक कूटनीतिसँ मिथिलाक भूमि जकर अपन प्रकृतिक, भौगोलिक आ राजनैतिक स्वतंत्र स्वरूप छल तकरा ग्राहि लेल गेल एकर प्रतिकार कोनो रूपे नहि देखयमे आयल। अघावधि मिथिला बिहारक अंशमात्र बनि कऽ रहि गेल। एतहिसँ मिथिलाक अधोगति प्रारंभ भऽ गेल, तथापि मिथिला एखनहुँ अपना केँ एकटा सांस्कृतिक इकाई के रूपमे जीवंत रखने अछि। जखन शहंशाह अकबर कालमे एक लाख मालदह आमक गाछ लगाओल गेल जकर नाम देल गेल लक्खा जे कालांतरमे लौकहा नाममे परिवर्तित भऽ गेल, तहिना एक लाख बम्बई आमक गाछक बगीचा लक्खी लगाओल गेल जकर नाम कलांतरमे लौकही पड़ल।

मिथिला पर अंग्रेजी शासनक प्रभाव:

सन् 1764 ईस्वीक बक्सर युद्धक पछाति बंगाल प्रांतक संगहि-संग मिथिला, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनीक अधीन आबि गेल, मुदा ध्यातव्य जे आंग्ल प्रशासनक अधिनस्थतामे मिथिला अपन सांस्कृतिक क्षमता केँ अक्षुण्ण रखबामे सफल रहल। 1815 ईस्वीक आंग्ल-नेपाल युद्धक उपरांत भेल सुगौली संधि जाहिसँ मिथिलाक राजनैतिक नक्शाके भारत ओ नेपाल के बीच विभाजित कऽ देल गेल, महाराजा लक्ष्मीश्वर सिंहक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस आ स्वतंत्रता आंदोलनमे योगदान, विलुप्त होइत मिथिलाक्षर लिपिक महत्ता आ मिथिलाक दयनीय स्थिति संगहि विकासक नव-दिशा सेहो देखौलन्हि अछि। लेखक कहैत छथि जे कोनहु क्षेत्रक स्वतंत्र अस्तित्वक हेतु ओतुक्का भाषा आ संस्कृति जीवित राखब परम आवश्यक अछि। जँ इ जीवित अछि तऽ जनता केँ जाग्रत होइतें ओ अपन आर्थिक आ राजनीतिक अस्तित्व पुनः प्राप्त कऽ लेत, मुदा सांस्कृतिक उपलब्धि श्रृंखला टुटि जएबाक उपरांत एकरा पुनः हासिल नहि कएल जा सकैत अछि। वर्तमानमे मिथिला भौगोलिक रूपेँ विखंडित अछि, आर्थिक रूपेँ जर्जर अछि आ राजनैतिक दृष्टिँ अस्त-व्यस्त अछि, मुदा एतय सरस्वती केँ उपासक निवास रहल छथि, एतुका धरती उर्वरा सम्पन्न अछि, एहि क्षेत्रमे जलक प्रचुरता अछि जाहिसँ कृषिगत उद्योगकेँ लेल एतय अपार संभावना विद्यमान छैक। मिथिलाक स्वर्णिम भविष्यक प्रति लेखक आशान्वित छथि जे इतिहास अपनाके दोहराबैत छैक आ एकरे अनुपालनमे मिथिलामे नवयुगक निर्माण होयत आ महाकवि कोकिलक पंचम पुनः गुंजायमान होयत।

माहुरक पहिल खोराक मुगलिया शासन सँ शुरू भेल, लेखक मानैत छथि जे मिथिला प्रशासन पर खंडबाल राज्यारोहण मिथिलाक सूर्यास्त थिक, एहि कृत्यसँ अकबर मिथिलाके सूबा-ए-बिहारक हिस्सा घोषित कऽ देलक।

माहुरक अगिला खुराक पाश्चात्य प्रणालीक सामन्तवादी इतिहासकारक आलेखक माध्यमे मिथिलाके देल गेल। अंग्रेज इतिहासकार वी. स्मिथ लिखि देलनि जे प्रजातंत्रक जनन-स्थल वैशाली अछि मुदा ऐतिहासिक रूपेँ ई अनर्गल आ मिथ्या छैक, लेखक कहैत छथि जे उत्तर वैदिक कालीन संस्कृति, पाणिणीक ग्रंथ अष्टाध्यायी, कौटिल्यक अर्थशास्त्र आ अश्वघोषक बुद्धचरित आदि बौद्धसाहित्यमे एकर स्पष्ट उल्लेख अछि जे प्रथम गणतंत्र विदेह अछि। माहुरक अगिला खुराक मिथिला के आंगल-नेपाल युद्धक पश्चात सुगौली संधिक माध्यमसँ देल गेल। मिथिलाक अस्मिताके नष्ट करैक प्रयास एक बेर फेर भेल, मिथिलाके माहुरक अगिला खुराक भेटल आ इ खोराक छल खंडबाल राजप्रशासनक वर्नाकुलर भाषा नीति संबंधी सर्कुलर जाहिमे मैथिली भाषाके स्थान पर हिंदी भाषाके स्थान देल गेल। एकर कुपरिणाम इ भेल जे स्वाधीनता प्राप्तिक पछाति जखन राज्य पुनर्गठन आयोग बनल तऽ सब किछु रहितहु मिथिला प्रान्त नहि बनि सकल, जकर मूल कारण रहैक भाषाई आधार। मिथिला कृषिप्रधान क्षेत्र छल, मुदा स्वाधीनता प्राप्तिके बाद भारत सरकार अपन प्रथम प्रहार मिथिलाक कृषिवर्ग पर कएलक। जमींदारी उन्मूलन अधिनियम के नाम पर प्रथम पांतिक कृषक वर्गक डाढ़ह तोड़ि देल गेल। जखन सन् 1951 ईस्वीमे सर्वोच्च न्यायलय मैथिलक पक्षमे (महाराजा कामेश्वर सिंह) निर्णय दैत एहि अधिनियम के गैरसंवैधानिक घोषित करैत एकरा निरस्त करैक आदेश पारित कएलक। तखन दिल्लीक कार्यपालिका अपन बात पर अडिग रहैक लेल संविधानमे प्रथम संशोधन तक कऽ देलक।

डॉ ग्रियर्सन आ मैथिली भाषा:

भाषाके अपन विषय अध्ययन सँ डॉ. ग्रियर्सन अपन लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ

इण्डियामे स्थापित कऽ चुकल छथि आ जाहि भाषा के संवैधानिक अष्टम अनुसूचिमे जगह देल गेल छैक, जे नेपालक द्वितीय राजभाषा अछि, जे झारखंडक द्वितीय राजभाषा अछि तकर जन्मस्थलके हिंदी भाषी क्षेत्र मानल जाइत अछि, कारण बिहारके हिंदी भाषी क्षेत्र मानल जाइत अछि। एतुका बासिन्दाक मातृभाषा हिंदी नहि थिकैक परंच गणना हिन्दी भाषी क्षेत्रमे कएल जाइछ। सबकियो जानैत छी जे बिहारक जनसमुदायके मातृभाषा अछि मैथिली, भोजपुरी आ मगही। हिंदी एतुका राजकीय भाषा होय इ एक राजनैतिक फैसला छैक। लेखक कहैत छथि जे “लम्हों ने खता की सदियों ने सजा पाई” मैथिली भाषाक संग ई यथार्थ अछि, शताब्दी लागि गेल मैथिली के अष्टम अनुसूचीमे स्थान पाबैमे। साहित्यकार लोकनि साहित्य अकादमीक पुरस्कारेमे लटपटाएल छथि। मैथिली, कार्यालयक भाषा नहि बनि सकल अछि जाहि सँ आमजनके सरोकार छैन्ह, संवैधानिक प्रावधान रहितहुँ हम सब एहि दिशामे कुनु ठोस कदम एखनधरि नहि उठा सकलहुँ अछि। लेखक, कहैत छथि जे वर्तमानमे ग्राम पंचायत, राजनीतिक सत्ताक प्रमुख केन्द्र बनि कऽ उभैर रहल अछि। अतः एतय कार्यालयमे मैथिलीक उपयोग अधिक सँ अधिक होयबाक चाही। जनता के अपन जनभाषामे अभिव्यक्ति के अधिकार छैक। एकटा कहबी छैक जे प्रत्येक चारि कोसक दूरी पर भाषामे लघुआंशिक परिवर्तन होइत छैक, जार्ज ग्रियर्सन सेहो एहि संदर्भ के जिक्र कएने छथि, मुदा मैथिलीके संग राजनीति भऽ रहल अछि, मैथिलीके बांटल जा रहल अछि आ ओकर आस्तित्वके कमजोर कएल जा रहल अछि। वर्तमानमे मैथिलीके पश्चिमी मिथिलामे वज्जिका, पूर्वी मिथिलामे अंगिका आ दक्षिण भागमे खोरठा के नाम सँ दुषप्रचारित कएल जा रहल अछि। मुदा ई परम सत्य अछि जे इ सब मैथिली भाषाक स्वरूप/अंग अछि आ एकर क्षेत्रीय बोली अछि। लेखक एहि विषयमे एकटा व्यापक दृष्टिकोण रखलाह अछि, हिनक कहब छैन्ह जे एहि क्षेत्रके साहित्यके मैथिली साहित्यमे स्थान भेटबाक चाही।

एतुका प्रकाशित रचना पर साहित्य अकादमी पुरस्कार, यात्री पुरस्कार, चेतना पुरस्कार आदि लेल विचार कएल जाए। निःसंदेश एहि सँ एहि दिशा मे प्रतियोगिता कठिन भऽ जायत, मुदा एहि सँ मैथिली भाषाक सामर्थ्य बढ़त, शक्तिक वृद्धि होयत। लेखक, मिथिला क्षेत्रक बिगैरैत पर्यावरणके स्थिति सँ सेहो निराश छथि, मिथिला पक्षीक वासक मामलामे धनी रहल अछि। पक्षी विशेषज्ञ चार्ल्स इंगलिश चारि दशकधरि एहि क्षेत्रमे रहिकऽ विशिष्ट अध्ययन कएलन्हि आ अपन अध्ययनक सार “जनरल ऑफ बंबईक नेचुरल हिस्ट्री” प्रकाशित करौलनि जाहिमे ओ कमसँ कम तीन सैय तेरासी प्रजातिक चिड़इक उपस्थिति दर्शाँने छथि। मुदा वर्तमानमे कतेको प्रजाती विलुप्त भऽ चुकल अछि वा भऽ रहल अछि। लेखक एहि दिशामे भरतपुर पक्षी अभ्यारण्य जकाँ मिथिला क्षेत्रमे अभ्यारण्य विकसित करैक बात कऽ रहलाह अछि।

मिथिलासँ बौद्धिक पलायनः

भाषाके महत्ता, हिनक निज भाषाके प्रति भाव-उदगार देखि लगैत अछि जे मैथिली आ मिथिला हिनक धमनीमे सदिखन प्रवाहित रहैत छन्हि। लेखक महोदय, आरक्षण/मंडल कमीशनक विभीषिका के बात कएलन्हि अछि। लेखक, एकरा मिथिलासँ बौद्धिक पलायन के कारण मानैत छथि। लेखक कहैत छथि जे एहि आरक्षण नीतिसँ मैथिल ब्राम्हण युवा के भक्क टुटलै आ ओ शहर दिस पलायन कएलक आ अपन योग्यताक अनुरूप रोजगार कऽ रहल अछि मुदा मिथिला पर एकर कुप्रभाव जबरदस्त भेल छैक, अधिकांश युवा मिथिलासँ कटि जेबापर आतुर छथि। लेखक कहैत छथि जे मातृभाषा मैथिलीक माध्यमे एहि दिशामे संगठित होइक प्रयास कएल जा सकैत अछि। मानव-संशाधनक सबसँ पैघ निर्यातक मिथिला अछि। एतहिसँ

अशिक्षित, अर्धशिक्षित, शिक्षित, सुशिक्षित आ प्रशिक्षित मैथिल सब भारत नहि सम्पूर्ण विश्वमे पसरल छथि। लेखक आशावादी छथि, ताहिँ विश्वास छैन्ह जे एक-नै-एक दिन मिथिलाक दिन सेहो घूरत।

स्वतंत्रता आंदोलनमे मिथिलाक योगदान:

स्वतंत्रता आंदोलन मे मिथिलाक भूमिका पर चर्चा करैत, स्वतंत्रता आंदोलनमे महाराजा लक्ष्मीश्वर सिंहक योगदान अविस्मरणीय अछि। एक समय छल जे महाराज काँग्रेस के सबसँ पैघ वित्त प्रदाता रहथि। एहि संदर्भमे लेखक एकटा घटना केँ जिक्र कएलन्हि अछि जे जखन इण्डियन नेशनल काँग्रेसक चतुर्थ अधिवेशन 1888 ईस्वीक 26 सँ 29 दिसम्बर धरि इलाहाबादमे होएबाक निर्णय भेलैक, अंग्रेज सरकार सँ खुसरो बागमे अधिवेशन अनुमति मांगल गेल छल, मुदा अंत समयमे अंग्रेज सरकार मुकरि गेल। अधिवेशनक मार्गमे ई एकटा विचित्र समस्या उत्पन्न भऽ गेल रहैक। काँग्रेसक दूटा पदाधिकारी एहि समस्याके लऽ कऽ #महाराजा लक्ष्मीश्वर सिंह लग एलखिन्ह। महाराज तुरंत एकरा संज्ञान लैत भरोस देलखिन्ह जे काँग्रेसक अधिवेशन पूर्वनिधारित समयसँ होयत आ एहिके लेल तुरंत इलाहाबादके नवाबसँ बात कऽ “लॉदर कैसल” लीज पर लऽ अधिवेशनक लेल उपलब्ध करा देलखिन। ओहि समयके तत्कालीन अखबार हिन्दू पैट्रियॉट अपन 31 दिसम्बर 1888 के संपादकीयमे महाराजा लक्ष्मीश्वर सिंहक भूरि-भूरि प्रशंसा कएलक।

मिथिलाक गाय, मानव जीवनक सामाजिक आ सांस्कृतिक जाहि आयाम पर नजरि फेरबैक ओतहि अहाँके अपन मिथिला-संस्कृतिक विशिष्टता स्वतंत्र रूपेँ परिलक्षित होएत। मिथिलाक गाय के संबंध मे अति

महत्वपूर्ण, ऐतिहासिक आ तर्कसंगत अछि, जे संस्कृतक वत्स शब्दक मैथिलीमे तद्भव शब्द बनल छैक बाछा, जखन सरकार-ए-तिरहुतक गठन भेलैक तँ एकगोट परगनाक नाम देल गेलैक “बछौर” संभवतः पहिलबेर ई विशेष नाम ओहि क्षेत्रमे रहै बला पशु जातिक नस्लीय नामपर भेल रहैक, दिल्ली सल्तनक धरिक ध्यान एहि ओर आकर्षित भेल छल। वर्तमान मे ई क्षेत्र सीतामढ़ी जिलाक पुपरी अनुमंडलक कोइली-नानपुर आ एकर पार्श्ववर्ती गाम सब अछि, जे इ वयाह नानपुर थिक जकरा कर्णाट वंशक राजा नान्यदेव, मिथिलाक राजधानी बनौने छलाह। ई वैज्ञानिक तथ्य छैक जे मानव हेतु जे कोनो खाद्य पदार्थ अछि ताहिमे मात्र गोदुग्ध अछि जे एक पूर्ण आ संतुलित भोजन थिक। नंदनी संतति गायक दुधमे मनुष्यक शरीरक लेल सब आवश्यक तत्व भेट जाइत अछि। एतय गाय कें मायक दर्जा देल गेल अछि। 1857 ईस्वीक गदरक पछाति अंग्रेजी शासन प्रत्यक्ष रूप सँ स्थापित भऽ गेल। एतुका गायके उपयोगिता कें देखैत सन् 1858 सँ 1906 ईस्वीक बीच भारत सँ 266 साँढ़ आ 22 गोट गाय संयुक्त राज्य अमेरिका भेजल गेल छल आ एहि सँ गायक एकटा उत्तम प्रजाति विकसित कएल गेल जकरा नाम “ब्राह्मण गाय” राखल गेल। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र संघक प्रादुर्भाव भेल आ एकर एकटा शाखा स्थापित कएल गेल जकर नाम अछि “फुड एण्ड एग्रिकल्चरल ऑर्गेनाइजेशन”, जे अपन पहिल बैसारमे भारतीय धेनु-वंशक अनुवांशिक गुणक सर्वेक्षण आ अध्ययनक फैसला लेलक। 1953 ईस्वीमे प्रकाशित डब्लू. फिलिप्स आ एन. आर. जोशीक पोथीमे पृष्ठ संख्या 256-276 पर बछौर प्रजातिक पूर्ण विवरण भेटैत अछि। भारत सरकारक “एनिमल हसबैंड्री विभाक कैरेक्टर्स एण्ड परफार्मेंसज ऑफ बछौर कैटल” प्रकाशित कएलक अछि जाहिमे स्पष्ट लिखल अछि जे इ प्रजाति मात्र मिथिले मे पाओल जाइत अछि। लेखक कहैत छथि जे इ केहेन बिडम्बना अछि जे, जखन सम्पूर्ण विश्व मिथिलाक गायक प्रजाति पर

अध्ययन आ शोध कऽ गायक नस्लीय सुधारमे लागल छल तखन हम सब अनभिज्ञ भऽ बेसी दुग्धके उत्पादनक मोहवश जर्सी आ फ्रिजियन नस्लीय गाय आनि रहल छलहुँ। सोना केँ गिल्लट सँ प्रतिस्थापित करैक प्रयास मे लागल छलहुँ।

दहेज प्रथा: दहेज प्रसंग समाजक बदलैत परिवेश आ फॉल्स-इगोइज्म के कारण दहेज बढ़ल अछि। सत्यनारायण भगवानक पूजाक महत्वपूर्ण बात, जे पृथ्वीक दुइ गोट गति छैक, वार्षिक आ दैनिक। सत्यनारायण भगवान पूजाकालमे प्रदक्षिणाक समय दुनु गतिक प्रयोग होइत रहल अछि, मुदा आब इ विशिष्ट प्रथा लुप्त भऽ चुकल अछि। संगहि मिथिलाक महिला द्वारा तुलसीमे जल देबाक परिपाटी सेहो लुप्तप्राय भेल जा रहल अछि। लेखक अतीत केँ स्मरण करैत कहैत छथि जे देवोत्थान एकादशी दिन बालक केँ विद्यारंभ कराओल जाइत छल, तहिना बालिका केँ मिथिलाक चित्रकलाक पहिल पाठ एहि दिन आंगनमे रंग-बिरंगक अरिपन के माध्यम सँ होइत छल। छठि पूजाक मादे लेखक कहैत छथि जे इ पूजा मात्र हिंदु टा नहि मनबैत छल मैथिल मुस्लिम समुदाय सेहो एहि पूजामे सम्मिलित होइत छल। सहिष्णुता के इ पराकाष्ठा आब भेटब दुर्लभ।

मिथिलाक विशिष्ट व्यंजन माछ: जखन आंग्ल-नेपाल युद्ध केँ उपरांत सुगौली संधि भेल तखन नेपालमे जे मिथिलाक क्षेत्र चलि गेल ओतुका मैथिल लोकनि भारतक मैथिल केँ 'मोगलान मैथिल' कहैत छलाह। मैथिलक मत्स्य प्रेम, जे मत्स्य-मांस, आहारक रूपमे कश्मीरी ब्राह्मण, बंगाली ब्राह्मण आ मैथिल ब्राह्मणक बीच सदैव प्रमुख रहल अछि। हाँ, एतय प्याज आ लहसुन वर्जित छल। मैथिलक माछक रेसिपी कने विशिष्ट अछि एतय सरिसो आ

आमिलक प्रयोग मसाला जकाँ कएल जाइछ, हींगक छौंक आ ताहि पर जमीरी नेबोक मेजन, बेजोड़ अछि।

मैथिली भाषाक विलक्षण मौलिकता - संस्मरणात्मक उल्लेख, जखन, डॉ. उमेश मिश्र, मिथिला रिसर्च इन्स्टीच्युटक प्रथम निदेशक नियुक्त भऽ प्रयागसँ दरभंगा अयलाह। एतय हुनक पहिल छात्र छलथिन अनन्तलाल ठाकुर। ठाकुर जी तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तानसँ विस्थापित भऽ मिथिला आएल छलाह। श्री मिश्र जीक साहित्य संग्रहमे 300 सँ अधिक संस्कृत भाषाक ग्रंथ छल जकर लिपि मिथिलाक्षर छलैक। ठाकुर जी एहि पर एकटा पोथी 'कैटलॉग ऑफ संस्कृत मैन्युस्क्रिप्ट इन मिथिला' लिखलैन्हि, एहिक्रम मे ओ पौलाह जे इस्टीच्युट मे उपलब्ध मनुस्मृति आ मिश्रजी लग उपलब्ध मनुस्मृतिके स्क्रिप्ट जे मिथिलाक्षरमे लिखल रहैन ओहि मे इ बात नहि लिखल छल जे 'शुद्रक कानमे जँ शास्त्रक वचन वा प्रणवाक्षर पढ़ि जाय तँ ओकर कानमे शीशा पिघलाकऽ देल जाय'। एहि संदर्भमे ठाकुर जी कहने रहथिन जे अंग्रेजी-शासन, अपन सत्ता सुरक्षित रखैक लेल अपन एजेंटके माध्यमसँ पंडित लोकनि सँ सम्पर्क कऽ मैन्युस्क्रिप्ट इकट्ठा करैत छल आ ओकरा अपन सुविधानुसार दुरुपयोग करैत छल। मनुस्मृतिके ओ पुरान स्क्रिप्ट एकर प्रत्यक्ष प्रमाण छल। इ कहैमे कोनो अतिशयोक्तिमे नहि जे अपन शासन अक्षुण्ण रखैक कोशिशमे अंग्रेज लोकनि मनुस्मृतिके मूल केँ नष्ट कऽ एकर जाली प्रति जारी कएने होय। लेखक कहैत छथि जे स्वतंत्रता प्राप्तिके बाद सम्पूर्ण देशमे अकारण ब्राह्मण केँ दुश्मन घोषित कऽ देल गेल आ एकर नाम देल गेल मनुवाद, मुदा एकर असली कारण छल जे सुचिता, कर्तव्यपरायणता, त्याग, मनोबल आ बौद्धिक मार्ग पर ब्राह्मणसँ मुकाबला करबाक क्षमता एहि वर्गके नहि रहैक। बस खाली पाँच हजार वर्षक कपोल कल्पित अन्यायक नाम पर एक अंग्रेजक गढ़ल असत्य के आधार

बना मनुवाद कहि ब्राह्मण अर्थात विशिष्ट बुद्धिक स्रोत के कतिया देल गेल। लक्ष्मण संवत -मध्यकालीन युगमे जखन सम्पूर्ण भारतवर्ष पर मुसलमानी अधिपत्य छल ओहि युगमे मिथिला, तिरहुतक नामे राजनैतिक आ सांस्कृतिक अस्तित्व सुरक्षित रखबामे सफल रहल, मिथिलामे संस्कृत भाषामे विभिन्न विषयमे प्रचुर लेखन भेल आ एहि लेख सभमे यत्र-तत्र लक्ष्मण संवतक प्रयोग दृष्टिगोचर होइत अछि। महाकवि विद्यापति सेहो अपन लेखनीमे बार-बार एकर प्रयोग कएलन्हि अछि। एहि संदर्भमे ऐतिहासिक तथ्य बहुत बारिकी सँ रखलाह अछि। मुदा लक्ष्मण संवत बेसी समयधरि प्रचलने नहि रहल, कारण मिथिला पर मुगलिया अधिपत्य के बाद नव संवत प्रचलनमे आयल। भारतमे शक संवत्, विक्रम संवत् आ ईस्वी सनक चलनसारि तँ अछि। मुदा विशाल भारत देशमे नववर्षक लेल भिन्न-भिन्न तिथि अछि। मिथिलाक पंचांगक अनुसार सालक प्रथम दिन अछि साओन मासक कृष्ण पक्षक प्रतिपदा। एकर कारण अछि मुगल सल्तनत तेसर बादशाह अकबर द्वारा महेश ठाकुर के मिथिलाक कर-प्रभार साओन मासमे देल गेल रहैन्ह। एकर ऐतिहासिकता केँ दशबैत लेखक कहैत छथि जे भनहि अनजानहिमे, मिथिला-पंचांगक संबंध पैगंबर मोहम्मदक मक्कासँ मदीना जाएबाक साल आ अकबर के राज्यारोहणक साल सँ जुड़ल अछि।

मैथिली भाषा आ मिथिलाक्षर:

बचपन सँ जल आ अछिंजल दू पृथक वस्तु वुझैत अयलहुँ अछि। इ मिथिलाक संस्कृति केँ विशिष्टता अछि। तहिना लेखक मिथिला आ मिथिलाक्षरक विशिष्टताक बात कएलाह अछि। लेखक कहैत छथि जे भाषा ओकर लिपि संस्कृतिक एकटा विशिष्ट अंग होइछ। मुदा समयक साथ मिथिलाक्षर कमजोर होइत गेल। लेखक कहैत छथि जे स्वतंत्रता प्राप्तिके पछाति धरि

मिथिलाक्षरक प्रयोग स्वजनके निमंत्रण-आमंत्रण पत्रमे होइत छल, बाबा लोकनिक कालमे आपसी पत्राचार मिथिलाक्षरमे होइत छल, जे शनैः शनैः विलुप्त भऽ गेल। लेखक कहैत छथि जखन ओ विद्यार्थी छलाह तखन स्नातकक पाठ्यक्रममे 50 नम्बर के प्रश्नपत्र मिथिलाक्षर सँ संबंधित रहैत छल। लेखक मिथिलाक्षर मिथिला मिहिरक अन्तिम पृष्ठ पर देल गेल मिथिलाक्षर वर्णमाला सँ सीखलाह। हुनक मिथिलाक्षर सीखब व्यर्थ नहिं गेलन्हि, मिथिलाक्षर ज्ञान होयबाक कारणे बांग्ला साहित्य पढ़ैमे कोनो दिक्कत नहि भेलैन्ह। मैथिलीक स्वतंत्र अस्तित्वक रक्षार्थ परम आवश्यक जे एकर विशिष्टता के संरक्षण करी। लेखक कहैत छथि जे आँजीक प्रयोग मैथिली आ मिथिलाक्षर के अन्य भाषा-लिपिसँ विशिष्ट बनबैत अछि।

निष्कर्षः

मिथिलाक इतिहासक लेल मैथिली साधनक हेतु खोज करए पड़त कारण एकर एकटा अविच्छिन्न प्रवाह वैदिक कालसँ अद्यावधि बनल अछि। मिथिलाक इतिहासक निर्माणक हेतु उपरोक्त सभ साधनक वैज्ञानिक अध्ययन एवं ओकर समीक्षात्मक विश्लेषण अपेक्षित अछि। एहि भूमि हेतु प्रयुक्त विदेह तथा मिथिला नामक उत्पत्ति विशुद्धतः पौराणिक अछि। जूलियस एग्लिंगक अनुसार प्राचीनकाल में ई भू-भाग आर्यलोकनिक निवासस्थल अतिपूर्व में छल। कहल जाईत अछि जे उक्त प्रदेश अपन नाम सरस्वती तीरसँ आगत राजा विदेघ माथव अथवा विदेह माथव सँ पओलक। शतपथ ब्राह्मणक अनुसार विदेघ माथव अपन पुरोहित गौतम रहुगणक संग सरस्वतीक तटसँ सदानीराक (गण्डकीक) तटपर आबि सर्वप्रथम अग्निकेँ प्रज्वलित क' एहि भूमिकेँ पवित्र कयलनि। ई सत्य जे माथवक आगमनक पश्चात अनेक ब्राह्मण एतय अयलाह। फलतः एहि भूमि पर कृषि प्रारंभ भेल

तथा यज्ञ द्वारा अग्निर्के सन्तृप्त कयल गेल। महाकाव्य तथा पुराणसभक वंशावलीमे द्वितीय राजाक रूपमे परिगणित मिथि वैदेह माथव विदेघक परिलक्षक थिक। पौराणिक वंशावलीक अनुसार अयोध्याधिपति मनुक पुत्र निमि एहि यज्ञ-भूमिमे अयलाह। हुनकर पुत्र मिथि अपन नामपर मिथिला नामक राज्यक स्थापना कयलनि। नगर निर्माणक क्षमता रखबाक कारणेँ ओ जनक नाम सँ प्रख्यात भेलाह। ईहो कहल जाइछ जे मन्थनक बाद उत्पन्न होयबाक फलस्वरूप हुनक नाम मिथि राखल गेलनि। असामान्य जन्मक कारणेँ ओ जनक कहओलनि तथा पिता अशरीरी रहबाक कारणेँ विदेह। एहि तरहेँ हुनक नामक आधारपर एहि प्रदेशक नाम मिथिला पड़ल।

संदर्भ:

1. Jha, M. (1997). "Hindu Kingdoms at contextual level". Anthropology of Ancient Hindu Kingdoms: A Study in Civilizational Perspective. New Delhi: M.D. Publications Pvt. Ltd. pp. 27-42.
2. Mishra, V. (1979). Cultural Heritage of Mithila. Allahabad: Mithila Prakasana. pp. 13. अन्तिम पहुँच तिथि: 28 December 2016.
3. shii, H. (१९९३), "Seasons, Rituals and Society: the culture and society of Mithila, the Parbate Hindus and the Newars as seen

- through a comparison of their annual rites", Senri Ethnological Studies 36: 35-84।
4. Radhakrishna Choudhary, "A Survey of Maithili Literature", अन्तिम पहुँच २२ दिसम्बर २०१६।
 5. "Cultural Heritage of Mithila", पृ: 13, अन्तिम पहुँच २८ दिसम्बर २०१६।
 6. Jha, Arun Kumar (2005) (enमे). Some Aspects of the Cultural History of Mithila: The Janaka Dynasty, the Karnaatas & the Oinwaaras. University Department of History and A.I.H.C. & Archaeology, T.M. Bhagalpur University.
 7. Thakur, Upendra (1956) (enमे). History of Mithila: (circa 3000 B.C.-1556 A.D.). Mithila Institute.
 8. Jha, Pankaj Kumar (2010). Sushasan Ke Aaine Mein Naya Bihar. Bihar (India): Prabhat Prakashan. मूल से 28 मार्च 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 4 फ़रवरी 2019.
 9. मिथिला का इतिहास, डाॅ॰ रामप्रकाश शर्मा, कामेश्वर सिंह संस्कृत वि.वि.दरभंगा, तृतीय संस्करण-2016, पृ०-9.
 10. Cust, R.N. (1901). "The Indian Hero". Linguistic and oriental essays: written from the year 1840 to 1903. London:

Trubner & Co. pp. 144-158. अन्तिम पहुँच तिथि: 12
January 2017.

अस्तु।

डॉ दीपेश कुमार ठाकुर,

शिक्षाविद, प्राध्यापक (अंग्रेजी) मानविकी

डीआईटी विश्वविद्यालय, मसूरी रोड, देहरादून, भारत

deepesh1november@gmail.com +91-8527740419

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

२.२.परमानन्द लाल कर्ण- गीता माहात्म्य (आगाँ)

Scan 05 Jun 23 11:12:27
Monday, 5 June 2023 11:19 AM

५



(नाम - परमानन्द नारायण कर्ण, ३०.०६.७० तिथि - सु० परमशुभ नारायण कर्ण
गर्भ - घोघसर, षो०-विधान, मन्त्रांग, विहार, विश्व-सांस्कृतिक
मी०)०-प्रा०-शुभ०-श्री, ऽमरानि०-उ०-प्रर्वचक०यैत०वैक०-श्रीय०गणेश०)

गीता माहात्म्ये (पद्मप्रवाण उ०व श्रु०)

छठम अध्याय

श्री कृष्णान कथयन्ति-हे अर्जुन आरभ्य छठम अध्यायक
माहात्म्ये वतारत छी।केकरा अर्जुना सँ मन्थक लेन श्रुतिग्रन्थ
मे आरि जयत अछि।नेमनरी नदीक उत्थ पर्व प्रतिष्ठान पर
नाम सँ एकर्था प्रेष नगर अछि।एहि ठाम हम सिद्धनेमन नाम सँ
विश्रुत्यत ल३ वहेत छनछ।उहि नगर मे जानछुति नाम सँ
एकर्था बजा वहेत छनह जे हम-उतक प्रजा कै ररु प्रिय छनयिन।
रुनकर प्रताप शक्ति मन्त्रक प्रकृत त्तेज जकाँ कुम्भी पहेत छन।
सर दिन रुनका रकत प्रताप सँ मन्दनवनक कल्पवृक्ष वृहन करी
ल३ गेन छन जे मातृ-राजाक असाधारण शान्शीलेन देखि
उ नञ्जित ल३ गेन छयि रुनका य० सँ प्रसन्न भवेत।अथक वसा -
सुन्दर मे सदिश्वर आकाश तैतक कारणे देवता लोकनि
कअनरु प्रतिष्ठानपर छोडि वतरे नहि जायत छनह।रुनका
सँ मान कान मे छोडन गेन जनक प्राव, प्रताप कर्पी त्तेज-शुभ
प्रताप सँ आह्लादित ल३ मेध सेहो सम्ये पर बरमेत छन।उहि बाणरु
गोसलकान मे प्राचीक नेन कतञ्च सुान नहि मितेत छन।रुनकर
बीक नै प्राचीक सदजनह प्रसाद होयत छन।उ वारनी, जन्म
पेनाअरि अदोरेक रङ्गनेन सुान सरदिन पृथ्वीक अन्तर्निहित निष्पिक
अनलोकन कबेत छनह।एक दिन बाकाक दान,उप,य० आ प्रजा-
पानन सँ मनुष्य ल३ शुर्गक देवताकनि रुनका हर देवताकनेन
वतयिन।उ कमनयान सन उञ्जर हसक रूप प्रारण क३ अणनवाँहि
हिनारेत अकार्य मर्ग सँ गमन कब३ नरनह।र३ उजरनी सँ
उठित उ सर हस अणनमे वात्सित सेहो कबेत छनयि।एहि मे
सँ ल३अथ आदि दृ-श्रीन र्श हंस ल३ सँ उठि कै प्राग् चरि गेनयिन।
तहन पाहु लेन हंस रुनका सँ कथयिन- तज्ज श्रुत्याहु अर्जुन
तेजो सँ उठि कै किथ आग् ल३ बहन छी।ज बाहु श्रुति
अछि तै हयबा सर कै सगे संग मिन कै छतरक चाहि।प्रताप
कै नहि देखि पठैत अछि जे योग्या मे श्रुत्यमूर्ति महाबाज
जानछुतिक त्तेज श्रुत अणन क० सँ प्रकाशित ल३ बहनयि
हंसक ज्ञा वचन अरि प्राव के उंन छनयिन उरिंरुसि कै कं-
नयिन- येन ल३श्रुती, बाजा जानछुतिक त्तेज श्रुतानी महारा
वैकुक तेज सँ वेसी त्तेज अछि की ?

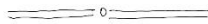
हंसक ज्ञा वात अरि बाजा जानछुतिक अणन महक छत
सँ नैठा उतरि गेनह आ श्रुत्यश्रुत अणन पर विराजयान ल३
अणन सावरी कै कथयिन - अहाँ महारा वैकुक कै एहि ठाम नः
आठ। बाजाक ज्ञा-श्रुत छनह रचन अरि मह नाम सँ एकर्था प्रावनी

প্ৰসন্নতা প্ৰকট কৰেও নগৰ সঁহাৰ গৈনাত। সৰ সঁহাৰে
 স্মৃতিদায়িনী কাঞ্চীপুৰীক যাত্ৰা কেমনি জাহি ঠাম জগত
 স্মাশী ভগবান বিশ্বনাথ সৰ নোকনি কেঁ উপাদেশ দৈত ছনখিন।
 অকৰ বাদও গয়াধে পঙ্কচনখি জাহি ঠাম প্ৰহ্ন শেবয়জগত
 ন্ গদাপ্ৰব সমসু নোকক উদ্ধাৰ কৰবাক নেন নিয়াস কৰেও চখি
 তদনশুৰ কতেকো তীৰ্থ সুনক প্ৰমাণ কৰেও পাখনাখিনী
 মথুৰাপুৰী গৈনাত জে ভগবান ধ্ৰীধিক্ৰু আদি স্মান অচি আ জে
 পৰন মহানু ব মোক্ষ প্ৰদাতা অচি। বেদ আ ধ্ৰাসু মেও তীৰ্থ
 শিত্ৰবনপতি ভগবান গৌৰিন্দক অৱতাৰ স্মানক নাম সঁ
 প্ৰসিদ্ধ অচি। কতেকো দেবতা আ ঠ্ৰুখি নোকনি কনকৰ
 সৈৱন কৰেও চখিন মথুৰা নগৰ কানিন্দীক তেওঁ পৰজোতা
 যমান অচি। ওকৰ আচুতি অধ্ৰুচন্দ্ৰ সন প্ৰতীত জেয়ত অচি।
 ও সৰ তীৰ্থক নিয়াস সঁ পৰিসুৰ্ণ অচি। গৌৰৰ্ণন পৰিত্তৈনা
 সঁ মথুৰা মন্ডলক জোতা বৈসী বহি গৈত অচি। ও পৰিত্তৈ গাচ-চুধ
 আ নতা সঁ আচুত অচি। জাহি মে হাঁৰহ থাঁ বন অচি। ও পৰম
 প্ৰশ্যমখ আ সৰকৈ বিশ্বামদাতা ধ্ৰুতীক সাৰ ন্ৰত ভগবান
 ধ্ৰী চক্ৰক আশ্বাৰ হ্মি অচি।

অপেক্ষাও মথুৰা সঁ পশ্চিম আ উত্তৰ দিশ খোকে দুব
 গৈনা পৰ সাৰথী কেঁ কাঞ্চীপুৰী নাম সঁ এক নগৰ দেখি পতন
 জাহি ঠাম জঁয় সন উক্তৰ গগনচুখী মনক পঁতি ভগবান জঁয়
 ক অশ্ৰুতাম সন জোভাযমান ছন। জাহি ঠাম ট্ৰামখক ধ্ৰাসুী
 গনক প্ৰন স্মি মুক মানস সোথে নীক বাশী আ পদক
 উচাৰণ কৰেও দেবতা সন ভ্ৰ জয়ত অচি। জাহি ঠাম নিক
 ন্ৰ বৰুক প্ৰস্ৰী ছাণ্ড বৰনক বাদক্ৰু আকাঞ্চ মন্ডল মেঘ সঁ
 ধ্ৰোৱেও বহনা পৰ অখন কানিমা নহি ছোতে অচি। জাহি ঠাম
 অধ্যাপক নগ আৰি ছাণ্ড জন্মকাৰীশ অশ্ৰাস সঁ সৰ কন্যা
 স্মুত পহি নৈত চখি। জাহি ঠাম মালিক্ৰেধ্ৰ নাম সঁ প্ৰসিদ্ধগ্ৰন
 চন্দ্ৰধেৰ দেহধাৰী নোকনি কেঁ বৰদান দেবক নেন নিল নিয়াস
 কৰেও চখিন। কাঞ্চীপুৰীক বাঙ্গা মালিক্ৰেধ্ৰা দিগ্বিজয় মে সমসু
 বাজা কেঁ স্তীত কঃ ভগবান জিৱক পূজন কেনে ছনাত তখনহি
 সঁ কনকৰ নাম মালিক্ৰেধ্ৰ ভ্ৰ গৈন ছন। কনকহি মন্দিৰক
 দৰবাতা পৰ মহামো বৈকু একৰ্থা ছোৰ্ণ গাণী পৰ বৈসন অখন
 অগ কেঁ অজনাৰেও গাচক চাঁক সৈৱন কৰেও ছনাত। ওহি অৰু
 মে সাৰথী কনকা দেৱনখিন। বাজা সঁ ৰত্যাওন গৈন চিন্হাটি
 সঁ ও ওতহি বৈকু কেঁ পহচনি নেনখিন আ কনকৰ চৰণ উপৰ্ণ
 কৰেও কহনখিন - চুফণা-অৰ্ণ কোন ঠাম ৰহেও ছি ? অৰ্ণক
 পূৰানাম কী অচি ? অৰ্ণ তঃ সদিখন স্ৰচ্চন্দ বিচৰণ কৰহয়ান
 ছি যেবি অৰ্ণ এহি ঠাম কিওক ঠেৱন ছি ? অৰ্ণে অৰ্ণে
 কী কৰবাক বিচাৰ অচি ? সাৰথীক জা ৰচন স্মি পৰমখান
 ন্দ মে ৰমন মহামো বৈকু কিছু সোচি কনকা সঁ কহনখিন -
 'যচ্চি হ্ম পূৰ্ণ ছি। হ্মবা কোনো ৰসুক অৰ্ণক্ৰেততা নহি অচি
 তথাপি হ্মৰ মনোচুতিক অৰ্ণসৰ কেও পৰিচৰ্য কঃ সকেত ছি
 বৈকু ক তাদিক অস্তিগ্ৰায় কেঁ আদৰপূৰ্বক গ্ৰহণা কঃ সাৰথী
 বাজা নগ চনি গৈনাত। ওহি ঠাম পঙ্কচি বাজা কেঁ প্ৰশাম কঃ
 কৰ জোতি সমসু সমাচাৰ কহনখিন। তখন স্মাশীক দৰ্শন সঁ
 কনকা মন মে ৰও প্ৰসন্নতা ননকি ৰহন ছন। সাৰথীক ৰচন
 স্মি ৰাজা আৰ্ছৰ্য চকিত ভ্ৰ গৈনাত। কনকা হৃদয় মে বৈকু
 সকেৰ কৰবাক ধ্ৰুফা জাগ্ৰন ভ্ৰেননি। ওহুৰ্থা অচি ৰ সঁ
 অতন একৰ্থা গাণী নঃ কে যত্না প্ৰবল কেনখিন। সঁগ
 মে মোৰ্তীক জাৰ, নীক ৰসু আ এক হজাৰগো সোথে নেনখিন।

কাম্বোজীয় মন্ডল মে আহিঁ ঠাম মহামোম বৈকু বহেত ছনাতজি ঠাম পঙ্কটি বাজা সমসু রসু ক্লনকা-আগু বাগি বিবেদনকঃ সাক্ষীগ প্ৰশ্নাম কেন যিন । মহামোম বৈকু ভজি সঁ চৰণাগত ভেল বাজা জনহুতি পর ল্পিত ভঃ কহন যিন-যৌ ধ্বদু অহাঁ হুধ বাজা ছি । অহাঁ হমৰ চৃগানু নহি জানেত ছি কী ? জা খচব সঁ জতন অখন গাচী নঃ জাঃ । জা রসু মোতীক হর আ ছুধাক গণ মেহো অহাঁ নঃ জাঃ । বৈকু কেঁ এখন কহনাপর বাজাক মন মে ভয় উপেয় ভঃ গেন । তহন বাজা ধ্যাপক ভয় সঁ মহামোম বৈকুক চৰণ পকটি তেত যিন আ ভজি পূৰ্বিক কহনি ক্ৰফণ হমৰা পর প্ৰসন্ন হোঃ । ভগবন অহাঁ মে জা অদ্বুত মাহে-মে কৌন্য অয়ন ? প্ৰসন্ন ভঃ কে হমৰা বজাঃ । বৈকুকহন যিন বাজন ! হম সব দিন গীতাক চঠম অধ্যায়ক অর্গ কৰেত ছি আহি সঁ হমৰ তেজ দেবতাক তেন মেহো হঃ সন্তু অছি ।

তদন পুর পরম চুক্ষিমান বাজা জনহুতি যেনে পূৰ্বিক মহামোম বৈকু সঁ গীতাক চঠম অধ্যায়ক অন্ত্যাস কেন নি জাহি সঁ ক্লনকা মোমক প্ৰাপ্তি তেন নি । ওহর বৈকু মেহো ভগবান মানিকোদ্ধর নগ মোহনায়ক গীতাক চঠম অধ্যায়ক জপ কৰেত অম সঁ বঃ নগনাত । ইস কপপ্রাণী রবদান দেবক তেন অয়ন দেবতা নোকনি বিস্মিত ভঃ স্বেচ্ছানুসার চরি তেন হে জে কেঃ সন্দিমান এহি একহি অধ্যায়ক জপ কৰেত ছথি ও মেহো ভগবান বিকুক অকপ পারি নেত ছথি । আহি মে কোশে সঁ দেহ নহি ।



৫



সাতম অধ্যায়

ভগবান শিবি কহন যিন- পারতী, অগর হম সাতম অধ্যায়ক মন্যমে বজা নেত ছি । জেকৰা যনি কান মে অমৃত বাগি ভবি জায়ত অছি । পাঠ নিপত্র নাম সঁ একর্থা হগর্ম নগর অছি জেকৰ হার রেসী উচ অছি । ওহি নগর মে ধ্রানকর্ন নাম সঁ একর্থা ক্ৰামণা বহেত ছনাত । ও রেখ্য চুতিক অধ্যয় নঃ কে প্ৰনার্জন কেরাথি মুদা ও নহি ওঃ স্মিতরক কমনক্ তপর্ন কেরাথি অণওর নহি দেবতাক পূজন । ও ধ্রনোয়না-র্জন মে তপের ভঃ বাজা নোকনি কে ভোজ জাত দেত ছন যিন । এক সময়ক বাত অছি জে ও ক্ৰামণা অখন চাবীম বিবাহ কৰরাক তেন পত্র আ বঁদু-বঁদুয় সগ বাসা কোনি বাসুা মে অর্ধবাপী মে জখন সব স্তন ছন একর্থা সাধকর্ন সঁ আথি কেঁ ক্লনকা কাহি মে কাথি তেন কনি । ওকৰা কাথোতায়ঃ এখন অরসুা ভঃ গেন নি মে মশিমনু আ ওষধিক কোনে প্ৰভাব নহি পচন অণওর ক্লনকর ধ্রাবীক বয়ঃ অসাগ্ধ্য ভঃ গেন । তপেচ্ছচান কিছু ফণা মে ক্লনক প্ৰাপ পায়েক উছি গেন । কিছু সময়োপবাসু ওপ্ৰেত সর্গ যোনি মে জন্ম তেন-

२.३.कुमार मनोज कश्यप-सम्मत के



कुमार मनोज कश्यप

लघुकथा

सम्मत के

गाम ऐल रही। भोर मे टहलैत-टहलैत बाध दिस चलि गेलहुँ। दुःख भेल जजाति सभ के दशा देखि अनेरुआ जकाँ..... किछु खेत तऽ ओहिना परती पड़ल..... वीरान! घूरती काल दलान पर दातमनि कऽ कऽ कुरुड़ करैत करिया कक्का भेटला। गोर लगलियनि हाल-चाल पुछला। गाम-घर, खेती-बाड़ी के दशा पर हम अपन चिंता प्रकट केलहुँ आ तकरा बाद जे कक्का के प्रवचन शुरू भेल से अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय समस्या के समाहित करैत पारिवारिक स्थिति पर आबि गेल। समाजक पतनोन्मुख दशा आ दिशा सऽ खिन्न बुझेला करिया कक्का। खास कऽ गाम-परिवार सऽ लुप्त होईत आत्मियता, सहयोग, सेवा सभ सऽ। कहैत रहलाह - पहिने गाम मे केकरो ओतऽ कोनो काज-प्रयोजन होई तऽ पूरा गाम ओकरा अपन काज बुझि शारीरिक, आर्थिक सभ रूपेँ करे-कमान। ककरो ओतऽ कोनो पाहुन-परख आबि जाई तऽ सभ अपन-अपन घर सऽ ततेक ने रान्हल तीमन-तरकारी सभ बिनु माँगने दऽ जाई जे घरबैया के कोनो तरददूते नहिं। खाई लै बैसह तऽ सभ

घर सऽ एहिना तीमन-तरकारी आबि जाई। जलखै-भोजन के बेर होई तऽ जकरे ओतऽ छी सैह आग्रह कऽ कऽ खोआ दै। के अपन के आन चिन्हब मोशिकल! आब ठीक तकर उन्टा छै.....केकरो केकरो सऽ मतलब नहिं। सभ आन.. सभ अनचिन्हार! कोनो काज-तिहार मे बाहर सऽ भनसिया, परसैबला सभ के भाड़ा पर आनि स' भोज करह। आर तऽ आर भोजो खाई लै अबै लै केयो तैयार नहिं। लाजे-पच्छे फी घर एक जन मूँह-छुवैयल लै आबि जेतह सैह बेसी! कक्का बजैत रहलाह; हम बिच-बिच मे सहमति मे मुड़ी डोलबैत 'हँ हँ' करैत रहलहुँ। एहि बीच कैक-बेर मिस्ट कॉल आबि गेल। मुदा कक्का के ध्यान भंग भेलनि तखन जखन भिट्टीवाली आबि चिकड़ि कऽ बाजल - 'आँगन जइयो ने बौआ। गिरहथनी कखनी सऽ बोलबैत हथिन जलखै खातिर।'

करिया कक्का घड़ी देखैत हड़बड़ेला - 'हे देखहक गप्पे-गप्प मे कखन दस सऽ ऊपर घड़ी के काँटा चलि गेलै बुझबो ने केलियै। जाह तौँहू जड़-जलपान करह गऽ; हमहूँ जाई छी स्नान-पूजा लेल। आई तों भेट गेलऽ तऽ एते बतिया लेलहुँ; नहिं तऽ केकरा सऽ दू शब्द बतियैब! मोनक बात मोने मे औनाइत रहि जाईत अछि। आई मोनक बात तोरा सऽ कहि मऽन प्रसन्न भेल आ हल्लुको। पलखति हुअऽ तऽ अबिहऽ फेर।' हम 'हँ' कहि क' अपन आँगन बिदा भेलहुँ।

माय कोनटा स'ग ठाढ़ बाट तकैत छल - 'एह आधा पहर बीति गेलै; एखन तक एको ठोप जलो ने पीलह अछि। गाम अबिते तों सभ किछु बिसरा जाईत छह। भैया के गप्प मे की ओझड़ा गेलह। ओ आब नरभसा गेल छथिन। एहिना बाट चलैत लोक सभ के पकड़ि-पकड़ि कऽ सुनबैत रहैत छथिन खेड़हा। लोक तऽ एहि डऽरे आब ई बाटो त्यागि देने छै।'

हम प्रकटतः किछु बाजि तऽ नहिं सकलहुँ; मुदा सोचैत रहलहुँ जे सतत क्षय होइत मानवीय मूल्य, ढहैत संस्कार, छिड़ियाईत परम्परा आ गलैत संवेदना पर अपन बेबाक विचार प्रकट करब आ ठाँहिं पठाँहिं बाजब यदि मानसिक विकारक द्योतक छै; तखन आई सम्मत के?

-कुमार मनोज कश्यप, सम्प्रति: भारत सरकार के उप-सचिव, **संपर्क:** सी-11, टावर-4, टाइप-5, किदवई नगर पूर्व (दिल्ली हाट के सामने), नई दिल्ली-110023 मो. 9810811850 / 8178216239 ई-मेल : writetokmanoj@gmail.com

अपन मंतव्य editorial.staff.vidaha@gmail.com पर पठाउ।

२.४.आचार्य रामानन्द मण्डल-गोलट/ रामेश्वरम लिंग स्थापना



आचार्य रामानंद मंडल- गोलट/ रामेश्वरम लिंग स्थापना

१

गोलट

प्रतापगढ़ के सम्पन्न किसान रामनारायण के बड़ लडका सत्येन्द्र नारायण सीतामढ़ी के एल के कालेज में बीए राजनीति आनर्स के छात्र रहे।वही कालेज में रायपुर के सम्पन्न किसान शिव प्रताप के बडकी लड़की सुजाता भी बीए राजनीति आनर्स में पढैत रहे।संयोग से दूनू एके सेक्शन में रहे। परीक्षा के तैयारी में नोट्स के लेन देन में दूनू के प्रेम भी बढैत चल गेल।दूनू गोरे कालेज के बाचनालय में राजनीति पर चर्चा भी करे। कालेज के वाद विवाद में भाग भी लेवें। सत्येन्द्र जहां पक्ष में बोले वहां सुजाता विपक्ष में बोले। कोई जीते हारे वोइसे वोकरा प्रेम पर कोई प्रभाव न परे।आ दिनानुदिन प्रेम बढते जाइत रहें। फाइनल परीक्षा में दूनू फर्स्ट क्लास में पास कैलक।

सुजाता आ सत्येन्द्र अब बीपीएससी के तैयारी करे लागल।दो साल बाद सत्येन्द्र बीपीएससी किलियर कैं के एसडीओ पद पर बेगुसराय अनुमंडल में ज्वाइन कै लैलक। सुजाता भी बड़ा खुश रहें। सत्येन्द्र के बधाई आ शुभकामना देलक।वोकरा अपना रिजल्ट पर कोई पछतावा न रहै।

अब सुजाता के बाबू शिवप्रताप के सुजाता के शादी के लेल चिंता सतावे लागल। अब लडका के लेल पता लगाबे लागल। शिव प्रताप के हुनकर दोस्त शास्त्री जी बतलैयन-शिवप्रताप बाबू। अपना जाति में प्रतापगढ़ के रामनारायण बाबू के बड़ लडका सत्येन्द्र प्रताप बीपीएससी कम्पीट क के बेगुसराय अनुमंडल में एसडीओ पद ज्वाइन कैलक। तब शिवप्रताप कहलन-शास्त्री जी कल्ह प्रताप गढ़ चलूं। शास्त्री जी कहलन-हं। नेक काज में देरी न होय के चाही। सर्विसवाला लड़का के लेल अगुआ सभ लुबधल रहै हैय। कहीं दोसर न बाजी मार ले। अइले हम सभ पहिले पहुंचू।

कल्ह सबेरे सात बजे स्कार्पियो से शिवप्रताप, शास्त्री जी, सुजाता के छोट भाई अमरेन्द्र प्रताप,, चाचा कृष्ण प्रताप आ ड्राइवर के साथ प्रतापगढ़ के लेल चललन। दो घंटे में प्रतापगढ़ पहुंच गेलन। संयोग से सत्येन्द्र भी घर पर ही रहत।

रामनारायण बाबू, शिव प्रताप बाबू साथे सभ लोग के खूब आवभगत कैलन। आवभगत से शिव प्रताप खुब खुश रहें। आपस में बातचीत होय लागल। अइ बीच में सत्येन्द्र भी आयल सभ से परनामा पाती भेल। बातचीत में शिव प्रताप के मालूम भेल की सुजाता आ सत्येन्द्र कालेज में बैचमेट रहे। शिवप्रताप आ रामनारायण प्रताप आ बात जान के आश्चर्यचकित आ खुश भेल।

रामनारायण बाबू कहलन-शिवप्रताप बाबू शादी की तैयारी करु। सत्येन्द्र कै मां हमरा सभ बात सुजाता आ सत्येन्द्र के बारे में बता देलन हैय।

तय समय पर सुजाता आ सत्येन्द्र के शादी सम्पन भे गेल।

सुजाता के छोट भाई अमरेन्द्र प्रताप के आना जाना बेगुसराय आ प्रतापगढ़ होय लागल। प्रतापगढ़ में सत्येन्द्र के छोटकी बहन अनिता से अमरेन्द्र के आंखि चार भेल। आ पता लागल कि अनिता सीतामढ़ी के गोयनका कालेज में बीए मनोविज्ञान आनर्स में पढैत हैय। संयोग से अमरेन्द्र वही कालेज में इतिहास आनर्स के छात्र रहे। अब त दूनू बाचनालय में मिलै लागल। प्रेम

परवान चढे लागल।

दूनू गोरे बीए आनर्स फर्स्ट क्लास में आयल।दो बर्ष बाद अमरेन्द्र बीपीएससी कम्पीट क के डीएसपी पोस्ट पर मधुबनी अनुमंडल में ज्वाइन कैलक। अनिता भी खुश रहें।अपना लेल कोई मलाल न रहे। अमरेन्द्र के बधाई आ शुभकामना देलक।

अब रामनारायण बाबू के अनिता के शादी के चिंता होय लागल। वो अपना दोस्त राहुल बाबू के बतैलन। राहुल बाबू कहलन-ठीक हम पता लगबै छी। लेकिन इ सभ सुजाता के भाई अमरेन्द्र पर कोई विचार न करैत रहे। और लड़का के पता न चलै।

रामनारायण बाबू चिंतीत रहें। अनिता इ सभ बात धीरे धीरे जाने लागल कि अमरेन्द्र पर कोनो विचार न हो रहल हैय जबकि वो डीएसपी हैय। लेकिन रिश्ता के जंजाल में फसल हैय। कारण कि वो हमरा भाभी के भाई आ हमरा भैया के साला हैय।परंच हम त अमरेन्द्र से प्रेम करै छी। अमरेन्द्र भी हमरा स प्रेम करै छी।

। अनिता पहिले मोबाइल अमरेन्द्र के मोबाइल रिंग कैलक। अमरेन्द्र कहलन-हेलो! अनिता।की बात हैय।

अनिता बोलल-हेलो। बाबू जी हमर शादी करे चाहैत हैय।परंच तोरा पर कोई विचार न करत हैय।जौकि तू डीएसपी जा।तू हमरा भाई के साला छ तै लेल विचार न करै हैय।कि एहन विआह केना होतै।परंच हम त तोरा से प्रेम करै छी।तू हू हमरा से प्रेम करै छ।

अमरेन्द्र बोलल-हेलो। अनिता हम तोरा से बड़ा प्रेम करै छी। लेकिन हमरा तोरा परिवार के रिश्ता जुड़ल है। सावधानी से डील करा।देखा हम इतिहास में मे पढ़ लें छी कि राजा महाराजा के एक दोसर के बहिन से शादी होयत रह लै हैय।वोकरा गोलट शादी कहें छैय।वोइमे देहा दैही नाता रहै छैय।हम वोइ बात है वाह्ट्स एप क दैय छियो।इ सभ बात माय के बताबा।वो बाबू जी के

बतैथून।

आइ सांझ में अनिता, अपना माय के सभ बात बतैलक। रात में अनिता रामनारायण बाबू स कहलन-देखू। अनिता अपन भाभी के भाई अमरेन्द्र जी से प्रेम करैत है। अमरेन्द्र जी डीएसपी छथिन से अंहा जनबै करै छी। अनिता बतैलक कि राजा महाराजा के शादी एक दोसर के बहिन से होइत रहलै है। बिआह होय में कोई दिक्कत न होयत।

रामनारायण बाबू बोललन-बात त ठीक है। इ सभ राजा महाराजा में एहन बिआह होइ है। लेकिन हम त औरकिसान छी।

अनिता के माय बोललन-त हम सभ कोन कम छी। हमरा परिवार में एसडीओ है त समधी के परिवार में डीएसपी है। अइ समय में एसडीओ आ डीएसपी राजा महाराजा होइ छैय।

रामनारायण बाबू कहलन-ठीक है कल्ह राहुल बाबू स बात करब।

कल्ह होके राहुल बाबू से रामनारायण बाबू से विस्तार से बात कैलन। राहुल बाबू कहलन की ठीके बातकहै छी। कल्ह रायपुर चलूं।

कल्ह सबेरे स्कार्पियो से रामनारायण बाबू, राहुल बाबू, दू गो दयाद में के भतीजा आ ड्राइवर के साथ रायपुर पहुँचलन। शिवप्रताप बाबू खूब आवभगत कैलन।

सभ बात विस्तार से रामनारायण बाबू शिवप्रताप बाबू के बतैलन।

शिवप्रताप बाबू कहलन-ठीक है। जौं अमरेन्द्र आ अनिता एक दोसर के प्रेम करैत है। आ जब राजा महाराजा एक दोसर के बहिन से बिआह करैत रहल है।

जेकरा गोलट विआह कहै है त अमरेन्द्र आ अनिता के गोलट विआह होतै। अंहा तैयारी करू।

तय समय पर सीतामढ़ी के गोशाला पार्टी जोन में अनिता अमरेन्द्र के गोलट विआह समाज के उपस्थिति में सम्पन्न भे गेल। दूनू परिवार खुब खुश रहें।

२

रामेश्वरम लिंग स्थापना

बाल्मीकि रामायण में शिव लिंग स्थापना आ रामचरितमानस मे लिंग स्थापना वर्णन मे मतभिन्नता हय।

बाल्मीकि रामायण में रावण बध के बाद अयोध्या लौटते वक्त श्री राम पुष्पक विमान में सीता को लिंग स्थापना के स्थान के दिखवैत वर्णन कैले हतन -

एतत् कुक्षौ समुद्रस्य स्कन्धावारनिवेशनम् ॥१९॥

अत्र पूर्व महादेवः प्रसादामकरोद् विभुः ॥

यह समुद्र के उदर में ही विशाल टापू है, जहां मैंने सेना का पड़ाव डाला था। यहीं पूर्व काल में भगवान महादेव ने मुझ पर कृपा की थी-सेतु बांधने से पहले मेरे द्वारा स्थापित होकर वे यहां विराजमान हुए थे।

एतत् तु दृश्यते तीर्थ सागरस्य महात्मनः ॥२०॥

सेतुबंध इति ख्यातं त्रैलोक्येन च पूजितम् ॥

इस पुण्यस्थल में विशालकाय समुद्र का तीर्थ दिखाई देता है, जो सेतु निर्माण का मूल प्रदेश होने के कारण सेतु बंध नाम से विख्यात तथा तीनों लोकों द्वारा पूजित होगा।

रामचरितमानस के आधार पर समुद्र पर सेतु बंध निर्माण के बाद श्री राम शिव लिंग स्थापना के सेतु बंध पर चलके समुद्र पार करैत हतन।

देखि सेतु अति सुन्दर रचना।बिहसि कृपानिधि बोले बचना।।

सेतु की अत्यंत सुंदर रचना देखकर कृपा सिन्धु श्री राम जी हंसकर बचन बोले

-

परम रम्य उत्तम यह धरनी। महिमा अमित जाइ नहीं बरनी।।

करिहउं इहां संभु थापना।मोरे हृदयं परम कलपना।।

यह (यहांकी) भूमि परम रमणीय और उत्तम है।इसकी असीम महिमा वर्णन नहीं की जा सकती है। मैं यहां शिवजी की स्थापना करूंगा।मेरे हृदय में यह महान संकल्प है।

सुनि कपीस बहु दूत पठाए।मुनिबर सकल बोलि लै आए।।

लिंग थापि बिधिवत् करि पूजा।सिव समान प्रिय मोहि न दूजा।।

श्री राम जी के वचन सुनकर वानरराज सुग्रीव ने बहुत से दूत भेजे,जो सब श्रेष्ठ मुनियों को बुलाकर ले आये। शिवलिंग की स्थापना करके विधिपूर्वक उसका पूजन किया। फिर भगवान बोले- शिवजी के समान मुझको दूसरा कोई प्रिय नहीं है।

जे रामेस्वर दरसनु करिहहिं ।ये तनु तजि मम लोक सिधरिहहिं।

जो गंगाजल आनि चढाइहिं।हो सआजउज्य मुक्ति नर पाइहिं।।

जो मनुष्य (मेरे स्थापित किये हुए इन) रामेश्वर जी का दर्शन करेंगे, वे शरीर

छोड़कर मेरे लोक को जायेंगे। और जो गंगाजल लाकर इन पर चढावेगा, वह मनुष्य सायुज्य मुक्ति पावेगा (अर्थात मेरे साथ एक हो जायेगा)।

लाल दास कृत मिथिला रामायण मे सेतु बंध आ शिव लिंग स्थापना के विस्तार से वर्णन कैल गेल हय।

कथा के अनुसार राजा सगर सागर खनैत काल में ज्योति लिंग के खन के गिरा देले रहथिन। कहल गेल हय कि भविष्य में हिनकर वंशज शिव लिंग के स्थापना करथिन।

कयल प्रतिष्ठा विधिसौं राम। रामेश्वर लिंगक भेल नाम।।

--

जे गंगाजल देत चढाय। आवागमन छूटत समुदाय।।

लाल दास बाल्मीकि रामायण, रामचरितमानस आ अन्य ग्रंथ के आधार पर वर्णन कैले छतन।

अन्य ग्रंथ में लंका विजय के बाद अयोध्या लौटने से पहिले शिव स्थापना के चर्चा कैल गेल हय।

-आचार्य रामानंद मंडल सामाजिक चिंतक सह साहित्यकार सीतामढ़ी।

-आचार्य रामानंद मंडल सामाजिक चिंतक सीतामढी, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक, माता-चन्द्र देवी, पिता-स्व०राजेश्वर मंडल, पत्नी-प्रमिला देवी, जन्म तिथि-०१ जनवरी १९६० योग्यता- एम-एससी (रसायन शास्त्र), एम ए (हिन्दी)। रुचि- साहित्यिक, मैथिली-हिन्दी कविता -कहानी लेखन आ आलेख। प्रकाशित पोथी - मैथिली कविता संग्रह भासा के न बांटियो। २०२२ प्रकाशित रचना - सझिया कविता संग्रह पोथी - जनक नंदिनी जानकी आ शौर्य गान। २०२२ पत्रिका -मिथिला समाज, घर -बाहर आ अपूर्वा (मैसाम)। अखबार -दैनिक मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश। सामाजिक-सामाजिक चिंतन, दायित्व- पूर्व जिला प्रतिनिधि, प्राथमिक शिक्षक संघ, डुमरा, सीतामढी। स्थायी पत्ता- ग्राम-पिपरा विशनपुर थाना-परिहार जिला-सीतामढी। वर्तमान पता-पिपरा सदन, मुरलियाचक वार्ड-04 सीतामढी पोस्ट-चकमहिला जिला-सीतामढी राज्य-बिहार पिन-843302 मो नं-9973641075 ईमेल-ramanandmandal001@gmail.com

ऐ

रचनापर

अपन

मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

२.५.उमेश मण्डल- मुदा सुधार नहियँ



उमेश मण्डल

मुदा सुधार नहियँ भेल

गणपतगंजसँ आएले रही। गरमी केहेन अछि से तँ बुझिते छिए, सबहक अनुभवमे अछिए। कहाँदन सैंतालीस डिग्री सेल्सियस तापमान आइयो छल। मुदा ई लोकक मुँहक बाजल बात कहलौं। ओना, आइ पनरह-बीस दिनसँ गरमी तँ अछिए भीषण। सभ अपन-अपन मोबाइल देखि-देखि बजैए। कियो 47 डिग्री, कियो 44 डिग्री, कियो 45 डिग्री बजैए। अप्पन मोबाइलिक हिसाब बात जँ करी तँ से 42 डिग्री तक हमर आँखिक देखल अछि। एना अन्तर किएक? ई सवाल अपनो मनमे चलिये रहल अछि। मुदा एकर जवाबक पाछू अनेरे कथीले पड़ल। आगू बढू।

घामे-पसीने नहाएल रहबे करी। से रही जखन भुतहा चौकसँ घर दिस विदा भेलौं, तेकर बादसँ। माने टेम्पूसँ लऽ कऽ जेतेकाल पैदल चललौं, मात्र तेतबे कालमे। बसमे तँ ठण्डीए जकाँ रहइ।

एक तँ गरमीक प्रभाव भिन्ने छल आ तैपर पैदल चलबक गरमी सेहो छऽले, मन व्याकूल केना ने होइत। घरमे प्रवेश करिते पत्नीकेँ देखलयैन मोबाइलमे व्यस्त। खाएर तइले नहि कोनो बात, मुदा पहिने जकाँ एक गिलास पानिक तँ बात छोड़ू जे लगमे आबि हालो-चाल ने पुछलैन, ई थोड़ेक खटकल। ओना,

बेर-बेर खटकैत रहल नहि, किएक तँ नीक जकाँ बुझि रहल छी जे मोबाइल आबि लोककेँ व्यस्त केलक। जहियासँ हिनका हाथमे मोबाइल एलैन तहियासँ ईहो ओहिना व्यस्त रहए लगली अछि। समय तँ सभकेँ प्रभावित करिते अछि। ऐसँ बेसी हुनका-दे किछु नहि कहब। आ से जँ किछु कहौ चाहब, तँ पट-दे अहीं कहब जे एहेन सोचमे सुधार करि लिअ, किएक तँ सबहक अपन-अपन जीवन छैन, अपना मने कियो विचरण करबे करतैथ किने। भाय, सबहक हाथमे मोबाइल अछि, सभकेँ ने दुनियाँ देखैक अधिकार छइ। ठीक बात, मुदा ईहो तँ विचारए पड़त किने जे एक दिस एक्केसम सदीमे अपनाकेँ बुझि घर-बैसल दुनियाँमे विचरण करै छी आ दोसर दिस भूत-परेत सेहो घर कइये रहल अछि।!

परिवर्तित स्वरूपपर विचार करए पड़त। आ जँ से नहि करब तखन पएल जाएब। हँ, ईहो बात सत्य अछि जे जेकरा हम हलैस कऽ अपना रहल छी, माने सिरोधार्य करि रहल छी, ओकर नीक-बेजाए अपनहि भोगए पड़त। मानि लिअ अहाँ दू घन्टा मोबाइलमे समय लगबै छी, ई कोनो बेजाए नहि, चारि घन्टा लगाउ। मुदा ओइ दू-घन्टा आकि चारि-घन्टाक उपयोग सम्बन्धित नीक-बेजाए केर विचार तँ करहि पड़त किने। आ से जखने करब तखने प्रश्न उठबे करत जे ओइ दू घन्टामे अहाँ करै की छी? किछु काज करै छी आकि वौआइ छी? खाएर तहूँसँ कोनो मतलब अपना नहि अछि। कियो करए आप ले माए ले ने बाप ले।

घर आबि कपड़ा बदल, पैर-हाथ धोइकऽ जखन बैसलौं कि लगमे आबि पत्नी पुछलैन- 'किछु खाएब आकि चाहेटा पीब?'

बजलौं- 'कनी-मनी खेबो करब आ चाहो पीब।'

सएह भेल। जलखै कए चाहक संग जखन मोबाइल हाथमे लेलौं तँ लोकल न्यूजबला ग्रुपक ओइ मैसैजपर नजैर चलि गेल, जइमे समाचार छल जे डॉ. दिनबन्धु अपन जीवन यात्राकेँ पूर्ण केलैन, अखने दस मिनट पूर्वी।

दिनबन्धु कक्काक समचारसँ स्तब्ध भेलौं। मुदा लगले मन कहलक जे कोनो साधारण यात्रा थोड़े केलैन दिनबन्धु काका। लगभग साए वर्ष तँ भइये गेल हेतैन। अपना ऐठामक तँ सभसँ सिनियर डॉक्टर वएह रहैथ। अपन सम्बन्ध हुनका संग नित्य भेंट-घाँटक संग धन्टा-दू-घन्टाक बात-चितक रहल अछि। एमहर आबि कऽ थोड़ेक पतरा जकाँ गेल अछि। तेकर आन कोनो कारण नहि, कारण बस एतबे जे इलाजक दुआरे ओ बेसी काल बाहरे रहए लगला। ओना, हुनकर दुनू बेटा सेहो डॉक्टरे छथिन। मुदा लगमे एकोटा ने रहै छेलैन। जेठका नालन्दामे आ छोटका खरसियाँनमे नीक घर-दुआर बनाकऽ रहै छैथ। हँ, ई बात सत्य अछिए जे अपनो स्थिति पहिने जकाँ नहि रहल, काजक धुमसाही पहिनेसँ बहुत बढ़ि गेने अपनौं एमहर आबि कऽ किछु व्यस्त रहए लागल छी।

खाएर जे किछु, मुदा अपने मनमे पुनः उठि गेल जे अन्तिम समयमे दिनबन्धु काकासँ भेंट नहि कऽ सकलयैन..! मुदा तैबीच न्यूजक ऐगला पाड़ावपर नजैर चलि गेल। 'डॉ. दिनबन्धु अपन अन्तिम साँस भेलौर अस्पतालमे लेलैन'।

उक्त समाचारसँ मन थोड़ेक हल्लुक भेल। मन हल्लुक होइते हुनक अनेको बात मोन पड़ए लगल, हुनक स्वभाव सभ जेना आँखिक सोझमे आबए लगल। प्रतिक्रियावादी लोकसँ हुनका बड़ चिढ़ रहैन।

ओहन लोकक, माने रिएक्सनरी लोकक खिस्सा सुनबैत दिनबन्धु काका बजैथ- "तइ दिनमे अपना ऐठाम जंगले-जंगल रहइ। पानि-झाड़क इलाका रहने ऐठाम सँपकट्टी बेसी होइ। स्थितिकेँ देखि-सुनि राजा अपना राजमे कानून बना घोषणा केलक, 'रातिमे जे कियो निकलए ओ हाथमे लालटेन लऽ कऽ निकलए।'

बड़बढ़िया.., लोक मानलक, मानलक नहि मानलक। एहेन माहौल बनि गेल। ओहन लोक लालटेन लऽ कऽ तँ निकलए मुदा बड़ैत लालटेन नहि, मुझाएल लालटेन लऽ कऽ.!

राजाकेँ पता लगलैन जे एहेन किरदानी चलि रहल अछि। बड़ैत लालटेन नहि, मुझाएल लालटेन लऽ कऽ निकलैए.! तखन कानूनमे सुधार कए पुनः घोषणा भेल, 'रातिमे जे कियो केतौ निकलत तँ ओ बड़ैत लालटेनक संग निकलत।' पुनः ओहन लोक सभ एकटा रास्ता निकालि कानूनकेँ धज्जी उड़ेबाक वातावरण तैयार कए लेलक जइमे लोक अपन-अपन हाथमे लालटेन तँ बड़ैत लऽ कऽ निकलए मुदा लालटेन ओतबे बड़ैत रहै जइसँ इजोत नहि होइ। राजाकेँ फेर पता लगलैन जे एना भऽ रहल अछि। तखन जा कऽ फेर कानूनमे सुधार करैत राजमे घोषणा भेल, 'रात्रिमे फुल भौलूममे जरैत लालटेनक संग लोक बाहर निकलए।' संशोधित कानूनकेँ लोक लागू तँ केलक, माने फुल भौलूममे जरैत लालटेन तँ हाथमे रखलक, मुदा शिशापर कागज लगाकऽ घरसँ निकलए। एवम् प्रकारेण 22 बेर कानून बना-बना लागू करेबाक प्रयास भेल, मुदा सुधार नहियँ भेल।"

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

२.६.लालदेव कामत-डॉ उमेश मंडल: एक मैथिली अभियानी / जतरा: सुभाष चन्द्र यादव/ शम्भू बाबूक आत्मकथा/ मिथिलाक स्वतंत्रता सेनानी : सलहैता - गुरुमैत/ लघुकथा- होंथर



लालदेव कामत- डॉ उमेश मंडल: एक मैथिली अभियानी / जतरा: सुभाष चन्द्र यादव/ शम्भू बाबूक आत्मकथा/ मिथिलाक स्वतंत्रता सेनानी : सलहैता - गुरुमैत/ लघुकथा- होंथर

१

डॉ उमेश मंडल: एक मैथिली अभियानी

बिहार 'क मधुबनी जिला अन्तर्गत लखनौर प्रखंड के बेरमा गाममे श्री जगदीश प्रसाद मंडल आ श्रीमती रामसखी देवीक घर एक बालकके ३१ दिसंबर १९८० केँ जन्म भेलैक। ओ कुसाग्र बुद्धिक बालक कियो आन नै - छैथ डॉ ० उमेश मंडल जी । उमेश जी मिथिला मैथिली लेल एक अभियानी छथि। हिनक आरम्भिक शिक्षा ग्रामीण माहौलमे भेल अछि। सन् २००१ ई० मे ल० ना० जनता महाविद्यालय झंझारपुर सँ स्नातक (प्रतिष्ठा) आ २०१२ मेँ एम ए० केलनि। २०१५ मे राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा शिक्षक बनय लेल नेट उत्तीर्ण कयलाह। २०२१ मेँ आबिकय मुजफ्फरपुर अम्बेडकर यूनिवर्सिटी सँ पीएचडी.

कयलाह, शोधक विषय रहय - : मैथिली साहित्यमे जगदीश प्रसाद मंडलक रचनामे परिवर्तनक स्वर। डाक्टर मंडल जी'क मैथिली साहित्य आन्दोलन में अपनों कम योगदान नै छै। हिनक पद् रचना निश्चुकी मैथिली भाषा में पोथी -२००९,आ विदेह मैथिली पद् संग्रह - २०२२ बहराएल अछि। संस्कार गीत (संकलन) - २०१० ई०मे पोथी छपल छैन। मिथिला 'क जीव-जंतु, मिथिला 'क वनस्पति आ मिथिला 'क जिनगी (डिजिटल सचित्र आनलाईन संस्करण - २०२१) प्रकाशित छैक। विदेह मैथिली लघुकथा संग्रह,विदेह मैथिली बीहनि कथा संग्रह,विदेह मैथिली प्रबंध निबंध समालोचना आ विदेह मैथिली नाट्य उत्सव एवं विदेह मैथिली उत्सव (संग सम्पादन कार्य - २०२२) सेहो प्रकाशित भेल छै। टुटैत मनक जुड़ाव (कथा संग्रह -२०१८), पंचदेव - १०० खंड ग्रन्थ - श्री जगदीश प्रसाद मंडल जीक बीछल कथाक संकलन -२०१८ में छपल छैन। भारतीय मुसलमान आ भारतीयता (हिन्दी सँ मैथिली अनुवाद - २०१८ ,मूल लेखक - श्री गीतेश शर्मा), दूध पानि फराक - फराक (कथा पाण्डुलिपि - छाया, संस्करण - २०१८), देवाश्रम (३५खंड -ग्रन्थ , विचारोत्तेजक पम्पलेट संकलन - २०१९), मुक्त पुरुष (शोध आलेखक संग्रह - २०२१), हैण्ड बुक सँ फेस बुक धरि - २०२१), समस्या सँ समाधान धरि - २०२२, निर्विकल्प - २०२२, अभयन्तर -२०२२, जेतय ने जाए कवि - ओतए जाए अनुभवी (२०२२) आ पल्लवी प्रकाशन निर्मली सँ सद्यप्रकाशित ' कियो करय आप ले - माए ले ने बाप ले' _२०२३ विचारोत्तेजक गद्यांश संकलन अछि। अन्तरध्वनि (कथा संचयन - २०२३), जगदीश प्रसाद मंडलक काव्य सं दोसार (अनुसंधान विश्लेषण - २०२२) प्रमुख रूपेँ हिनक पहिचानमे चारि चान लागल देखाईछ। डॉ. उमेश जी पल्लवी प्रकाशनक संस्थापक छथि,ई हिनक योगदान प्रसिद्ध साहित्यकार श्री जगदीश प्रसाद मंडलक नऊ दर्जन सँ अधिक पोथीक मुद्रण एवं प्रकाशनक अतिरिक्त आनो सात दर्जन पोथी मैथिली साहित्यकारके अक्षर संयोजन अवैतनिक रूपेँ करैत रहलाह अछि। सगर राति दीप जरय'क

८०म् , ८८ म् , १००म् आ १०७म् गोष्ठीक संयोजन आ दर्जनों परिचर्चा - संगोष्ठीक आयोजन ओ ठाम- ठाम दर्जनों मैथिली पोथी प्रदर्शनी आयोजनक काज देखि हिनका नामे बहुत पुरस्कार अर्जित य। यथा-: विदेह युवा सम्मान - २०१३ ई० मे निशुकी पद्य संग्रह लेल भेटल छैन। सहयोग सम्मान - २०२१ ई०मे शकुंतला भुवनेश्वरी मैथिली संस्कृत सम्बर्धन न्यास हैदराबाद सँ आ लोकचिन्तन विशिष्ट सम्मान - २०२२ प्राप्त भेल छलनि। आब आऊ आकर्षक कभरमे १०७ पृष्ठक एहि पोथीमे पछिला गत्ता पर श्री उमेश मंडल जीक रंगील छवि आ प्रकाशनक लोगो छपल छैक, जकर दाम १९९ टाका धरि रखने छै। आठ गोट पन्नामे भूमिका लिखैत डॉ. उमेश मंडल जी " कियो करए आप ले - माए ले ने बाप ले " पोथीक प्रासांगिकता बताबैत अपन दादी मुँहक सुनल देहाती लोकोक्ति मादे विस्तार सँ बातधरि रखबामे समर्थ भेलाह अछि। ओना बहुत रास पोथी चलैकके अनुसार बिनु भूमिका के सेहो रहय य। आओर अभिमत वा प्राक्कथन पोथीक आखरिमे लागय तँ पोथीक संग पाठकके जुराउ समीचीन होएत। पोथीक रहस्य वादेमे बुझबाके चाही ; एहि सँ पठनीयता निशन्न होईछ आ पोथीक संग पाठकक इन्साफ सेहो होय छैक । अपने देखब ऐ पोथीमे आठगोट पोथी सँ सब पाठ सँ मुख्य अंश इण्ट्रो रुपँ देल गेल अछि , यथा -:

" परिवारोक ने इज्जत अछि, बौआ।

तुलसीफुल चाउरक भात आ आमिल देल

राहड़िक दालिक जे इज्जत रहल अछि

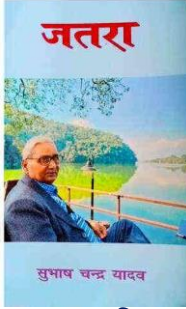
ओ मरूआ रोटी पुरौत । "

इयह वाक्य दू पृष्ठ पढ़ला पर अभरैत पाठकके पाठके सारांश जानबाक फरीछ डेग होईछ। से उमेश मंडल जी ऐ तरहँ नव पाठक वर्ग में सेहो मातृभाषा क' प्रति अभिरुचि जगाबैत पकठोस बनाबैत छई।

२

जतरा : सुभाष चन्द्र यादव

समीक्षक - लाल देव कामत



प्रकाशक - किसुन संकल्प लोक - सुपौल वर्ष २०२३मे

९१ पृष्ठक यात्रा वृत्तांत मैथिली भाषा में निकालक, जकर दाम सय टाका निर्धारित कयल गेल छैक। सद्यप्रकाशित एहि मैथिली साहित्य पोथी " जतरा" में कुल सात पाठके समावेश कयने छैक। लेखक प्रोफेसर (डॉ.) सुभाष चंद्र यादव जी अपन यात्राक दौरान जे अनुभव भेलनि , ताहिके कलमवध्द करबामे निष्णात प्रवीण भेलाह अछि । ताहि मधुर स्मृतिके स्वानुभूति बुझि समय - समय पर विभिन्न पत्र-पत्रिकामे सेहो प्रकाशित देख चुकलाह हन्।

सुभाष चन्द्र यादव कथाकार छथि, समीक्षक आ अनुवादक सेहो छथि। हिनक जन्म ५ मार्च १९४८ कें भेलनि। मातृक छैन - दीवानगंज आ पैतृक स्थान - बलबा मेनाही दूनू गाम सिपौल जिलान्तर्गत पड़ैत अछि। हिनक आरम्भिक शिक्षा दीवानगंज आ सुपौलमे भेलनि। बीए. पटना कालेज सँ आ एम ए. आओर पीएचडी. जेएनयू नवदिल्ली सँ सम्पन्न भेलनि। सन् १९८२ सँ अध्यापन करैत प्रोफेसर बनि सेवा निवृत्त भेल छथि। ई साहित्य अकादमी परामर्श मंडल, मैथिली अकादमी कार्य समिति, बिहार सरकारक सांस्कृतिक

नीति-निर्धारण समिति आ जी आई ए. भारतीय भाषा संस्थान मैसूरके सदस्य रहि चुकलाह हन्। मैथिली भाषा में लगधक ८० गोट कथा लिख चुकल छथि। ३५ टा समीक्षा आ हिन्दी, अंग्रेजी, बांग्लाके अनुवाद सेहो करने छैथि। प्रबोध साहित्य सम्मान - २०१२ सँ समादृत छथि। ई संस्कृत, उर्दू आ स्पेनिश एवम् फ्रेंच भाषाक सेहो जानकर छथि। हिनक रचना संसार सँ पाठक वाकिफ होथि - : घर देखिया (कथा संग्रह) मैथिली अकादमी पटना सँ १९८३, हाली (अंग्रेजी) मैथिली अनुवाद साहित्य अकादमी नव दिल्ली - १९८८ में, बीछल कथा (हरिमोहन झा) भुमिका सहित; साहित्य अकादमी नई दिल्ली १९९९ आ बिहाड़ि आऊ (बंगला) अनुवाद १९९५, भारत विभाजन और हिन्दी उपन्यास (आलोचना)- बिहार राजभाषा परिषद - पटना २००१, राजकमल चौधरी का सफर (हिन्दी जीवनी) सारांश प्रकाशन - नव दिल्ली २००१, बनैत - बिगरैत (मैथिली कथा संग्रह) श्रुति प्रकाशन दिल्ली २००९ आ बहुचर्चित उपन्यास ' गुलो ' वर्ष २०१५ किसुन संकल्प लोक - किसुन कुटीर सुपौल सँ प्रकाशित भेल छन्हि। डा० सुभाष चन्द्र बाबूक भाषा चयन मानक आधार ग्रामीण बोलचाल टोन रहैत छैक जे मैथिली विमर्शक आइयो एकटा बहसके हिस्सा थीक। हिनक मैथिली लेखनमे लाग- लपेट नहिं रहैत छैन। मिथिला 'क रहवासी अनेको लोकक बाजबके शुद्ध उच्चारण केँ ओ हू-ब-हू लिखैत रहलाह आ तकरा व्याकरणिक मान्यता हुअय लगलैक अछि; ताहिके मिशाल छी - श्री जगदीश प्रसाद मंडल जीके उपन्यास "पंगू" जे ओहि शब्द विन्यास आ वाक्याबलीमें लेखन काज केँ साहित्य अकादमी धरि मान्यता केलक हन्। समुद्रक' कछेर पर दू दिन "शिर्षक" सन् १९७८ में मिथिला मिहिरमे रपट छपल रहनि। स्थान आ स्मृति ' शिर्षक ' अंतिकामे २०००केँ छपलनि। सिंगापुर ' शिर्षक ' कोनूमे छपबाक संदर्भ नहिं देल छैक। मुदा यात्राक चारि गोट ओतुका हुनक छवि आकर्षक ढंगेँ छपल छै। पूर्वोत्तर भ्रमण 'शिर्षक' मिथिला दर्शन -२०२१ में छपल छैन। लोनावाला 'शिर्षक' लहरि - २०२१ में

छपलनि।भारत भ्रमण 'शिर्षक' देसिल वयना (तेरहम अर्घ) २०२२ में छपल रहनि। नेपाल डायरी ' शिर्षक' आखरी पाठ छी। सम्पूर्ण पोथी पर्यटक आ पाठकके धियानमे राखि छवि छापयबाला नीक मोटा कागतमे तैयार कयल गेल छैक। एहिमे सुन्नर छवि जानकी मंदिर - जनकपुर, अल्ट्रा लाइट प्लेन , पोखरा, फीवा लेक- पोखरा, माउंट एवरेस्ट - नगर कोट काठमांडू, फीवा झील- पोखरा, बौद्ध मठ - पोखरा, बुढा नीलकंठ- काठमांडू , बुढानील कंठ - काठमांडू (पुनः) ,रंगील छपल छैक, जे बढ जीवन्त बुझाएत। एहि छविक संग सुभाष बाबू क' स्नेहिल स्मरणीय क्षण केर अन्दरुनी जुराव छैन।आ एहि प्रसिद्धि केँ विस्तार सँ यात्राक उल्लेख कयलनि अछि। पाठकके पढ़एत काल होएत स्वयं नेपालक सहयात्री बना गेल होय। प्रस्तुत पोथीमे प्रायः हर पाठ केर वाद ओहिठामक मनोरम छँटा के दृश्य तस्वीर संलग्न केने छथि। जेनाकि राँक गार्डेन - दार्जिलिंग, जाकरी फाँल- गैंगटोक, एल्गिन - गैंगटोक, दार्जिलिंग -१, दार्जिलिंग -२, हाँर्स राइडिंग - मालरोड दार्जिलिंग, चाय बगान - दार्जिलिंग , सिंगटाँम रिजाँर्ट - दार्जिलिंग, चिड़िया घर - दार्जिलिंग, राँक गार्डेन - दार्जिलिंग, नाइटिंगिल पार्क - दार्जिलिंग, जाकरी फाँल-गैंगटोक , जीएमरोड - गैंगटोक, लोना वाला - महाराष्ट्र, लोनावाला महाराष्ट्र -२, खासी हिल्स- मेघालय, लिभिंग रूट ब्रिज - मेघालय, त्रिपुरा कैसल - शिलांग , कोसी बराज - भीमनगर, आफिसर्स क्लब - चाणक्यपुरी - नई दिल्ली ,इटानगर - अरुणाचल प्रदेश,डाँकी - बंगला देश बोडर _ मेघालय।

एहि पोथी मादे स्वयं डा०(प्रो०) यादवजी पछिला कभर पर अति संक्षिप्त रूपेँ बतौने छथि-: ई हमर दोसर सफरनामा अय। पहिल ' रमता जोगी छल ।रमता जोगी मे बेसी बृतान्त परदेश के रहई। जतरामे देस बेसी छै। हिनक सफरनामा कथे नहाँति होई छन्हि। मार्मिक अनुभूति जगबैए बाला प्राकृतिक सौंदर्य आ भावनात्मक बिम्बक संग ओतयके जगह आ लोकक आत्मामे पैस कय तकर

सुन्दरता प्रकट करै छैथ। ऐ बातक सम्पुष्टि वरेण्य साहित्यकार केदार कानन जी सेहो करय छथीन। मैथिली साहित्यमे यात्रा वृत्तांत बढ कम गोटेय लिखने छथि, यथा- वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' , डॉ०

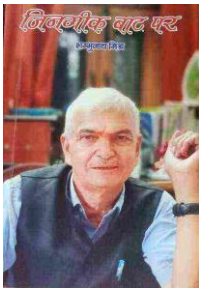
सुभद्र झा , सुर्यनारायण चौधरी, विभुति आनन्द आदि। एहि विधामे लेखन कार्य संस्मरण रूपमे ; आत्म कथात्मक शैलीमे सेहो थोड़े गोटेय छिटपुट लिखने छथि। तैयो ई कहब जे सबसँ कम अही विधामे मैथिलीक काज भेल अछि। चर्चामे आयल ऐ पोथीमे भारतके सूदूर दक्षिण स्थानके नगरीय प्रवन्धन आ ओतुका लोकक रहन - सहन , खाएन पीन , रीति रेवाज पर समाजशास्त्रीय अध्ययन केँ बढ मौलिकता 'क संग जुलाई १९९४ में नामपल्ली क' हैदराबाद यात्राक वृत्तांत आ मद्रास (चेन्नई) के अगस्त १९९४ केरलके कोवलम समुद्री तटक अगस्त १९९४ ओहि समय कन्याकुमारी के रपट जेकर श्री धरमजी २०००ई०में माँगिकय अंतिकामे छआपलनइ, से बड़ चिकन अन्दाज मे लिखल छै। चट्टान सँ टकराइत २०-२५ फीट उँच बरफसन पानिक बबंडर उठैत जे छिड़िया जाइछ से ज्वारभाटा सदृश छात्रगण वर्गमे अवश्य पढ़ने होथि। आँखिक देखल सन कमेंट्री बुझाएत। टटका यात्रा करैत जे नेपाल डायरी पाठमे वृत्तांत देने देने छथि से मुम्बई सँ पुत्र सम्राट आ पूतौह नेहाक संग यात्रा पर निकलबाक योजना बनबैत कश्मीर 'क बर्फबारी देखभाल छैन; मुदा ओतय शीत दंश आ आतंकवादी घटनाक संभावना सँ भीतरे भीतर सहमि जाइत छैक आ वृद्धा अवस्था'क रुग्णता में जे मानसिक स्थिति होईछ, ताहिक कारणेँ श्रीलंका वा मालदीव जेबाक नियारभाष करैत छई। पछाति क्रिसमस लगिचा गेने ओतय होटल खाली नै रहने निराश होय जाई छै। तँ धीरेन्द्र प्रेमर्षि क' कहब मोन पड़तहि ऐ मौसमक लूत्फ उठेबामे नेपालक यात्रा सुगम होई छैन। आओर बम्बई सँ अरहाए घंटामे इंडिगो फ्लैट सँ काठमांडू सब कियो पूंगैत छै। नेपालक' पोखरा के होटल आ जीनीश सब काठमांडूए जेकाँ बड महग बुझाइत छैन। आनो ठामक यात्रामे श्री यादव जी

बेटा संजय आ पुत्रवधू जया ,पोता सोमांश संग खर्चीला भ्रमण करैत आधुनिकता 'क संग चौथापन वयक्रममे नीक जीवन जीयैत छथि। आनन्द तीर्थ व्रतमे जतेक नहिँ जतेक पर्यटनमे होईछ।कहल गेल छै- जुरन्त केँ फुरन्त! से नेपालक विमान सेवा बदनाम रहितो दू सीट बाला बिमान आध घंटा लेल जाहिमे चालक सँगे शांति स्पूत आ शिव मंडील घबराहटेमे उपरे सँ निहारैत छैथ। एहि रोमांचक आ ठंडा हवा सँ झीलक ऊपर विमानके करतब सँ करेजा बैसय लगनाई सोभाविक छै।ताहूमे हार्टक पेसेन्ट केँ तँ एहि सँ बुक चाहियैन। सिंगापुर यात्रामे समैधजी संगमे रहैत छैन। रेल सँ पटना आ हवा जहात सँ कोलकाता पहुंचैत छै। मधु अपन पिताजी केँ (सहजानंद -मधेपुरा) सुचित केने छैन जे एक सप्ताह ले सिंगापुर टूर पर मेलवोर्न सँ फ्लाइट लेब आ सांझखन केँ पहुँचब।अहूँसब भीनसर धरि जुमि जाएब। प्राक होटल बुक केनहिँ छै । श्री यादव जीक बेटा सौम्य आ पुत्रवधू मधुलिका केर सँग ओतुका चटख आ चमकदार,खूबगाढ़ रंगक मकान सब पर नजैर ने टिक रहल होईक!

३

शम्भू बाबूक आत्मकथा

समीक्षक - लालदेव कामत



प्रो०रविन्द्र नारायण चौधरी कृत मैथिली कोश ५००टाका मुल्यक पोथीमे एहिबेर अनेकों नाम-पतामे अपन नाम शम्भू नाथ मिश्र जीके नहिँ छैन,मुदा ई

अपन लेखनी सँ पाछु नहिँ छथि। नवारम्भ प्रकाशन -मधुबनी/पटना सँ सन् २०२३ वर्ष में ७२ पृष्ठक मैथिली पोथी " जिनकीक बाट पर" बहराएल अछि,जाहिक मूल्य २०० टाका तय भेल छैक। एहि आत्मकथा पुस्तिकामे वरेण्य साहित्यकार श्री अर्धनारीश्वर जी, श्री शम्भूनाथ मिश्र जीके मादे लिखैत छथि - ई मिथिलांचल कोसी विकास समितिक माध्यम सँ एखनो हटनी एवं क्षेत्रक विकास लेल परियासरत छथि। यैह कारण अछि जे हटनीमे सार्वजनिक पुस्तकालय'क निर्माण संगहि समुन्नत उप स्वास्थ्य केन्द्रक निर्माण भ' सकल अछि। सद्यप्रकाशित एहि मैथिली भाषा पोथीमे शब्दक किछ वर्तनीमे संशोधनक आवश्यकता बुझैत अपन अनुभवक दिग्दर्शन कराबैत कहैत छथि, पैघ सँ पैघ लेखक अपन पहिल शौकिये (सख) करैत छथि। हमरो पढैत-पढैत लेखनक सौख भेल रहय। लिखबाक इयह लौल बढैत - बढैत हमरा सँ जखन जे ,से लिखाए लेलक ! तँ आश करैत छी जे शम्भू बाबूक लिखल ई लौल आओर बढ़नि आ ओ अपन जीवनानुभव केँ अधिक शब्दवध्द करथि। हिनक एक मात्र समांग लेखन क्षेत्रमे श्री अजीत आजाद मैथिली में लिखैत आबि रहल छथि। ओना डाॅ० बच्चेश्वर झा सेहो मातृभाषामे 'कविता निकुंज'पोथी लिखने छथि। कोसी संदेश मैथिली त्रैमासिक पत्रिका'क प्रबन्ध सम्पादक श्री शम्भूनाथ मिश्र पाँति गढैत रहलाह अछि। शब्दरूप शक्ति छन्हि तँ अपन आत्मकथा तँ लिखिए सकैत छथि। हरेक व्यक्तिमे एक अन्तःकथा छुपल रहैत छैक जे उजागर तँ तखने होयत, जाँ ओहिके सार्वजनिक करबाक जीवटपन होय। शंभूनाथ जी बालपन सँ आरम्भिक पढ़ाय- लिखाय आ स्नातक (प्रतिष्ठा) धरिक चर्चा एवं अपन वियाहक प्रकरण सेहो बतौलनि अछि। टेमी दगनी पावनि सवर्ण समाजमे (ब्राह्मण जाति) परम्परा सँ होइत आबि रहलैक आ ओ एहि बिध सँ पत्नीके परिस्थितिबश मुक्त राखलनि। मधुश्रावणी आ कोजगरा पाबैन मिथिलामे किछ विशेष जाति वर्गमे होईछ,तकर निमहतामे अपना वैभव अनुसारे एक तरहक प्रतियोगिता मखाना

भार बावत समाजमे देख पड़ैछ। एहि पुस्तिका केँ पढ़ि पाठकके ई जनतब होईछ जे कोसी तटबंधक भीतर बसल गाम घरक रहबासिक देश आज्ञादी समयकालमे परिवेश आ स्थिति केहन रहैक। एतुका भुगोल आ सामाजशास्त्रीय अध्ययन लेल शोध प्रबन्धके विद्यार्थी केँ स्व० कमलादत्त मिश्र'क (आदि निवासी कंसी- सिमरी) वारिसक अध्ययन सँ पुख्ता थाह हेतनि। कमलादत्त बाबू दूभाय सहोदर आओर एक भाय बेमातरे छलाह। कमलादत्त बाबू केर बालक भेलाह बाबुलाल मिश्र जिनका छह पुत्र क्रमशः श्रीकृष्ण मिश्र , जयकृष्ण मिश्र, लालदेव मिश्र, बालकृष्ण मिश्र, अभयकांत मिश्र आ राधाकांत मिश्र तथा दू बेटी रहैन जे एक राँटी-मंगरौनी आ दोसर ठढ़बिटिया बियाहल गेलीह।अभय कान्त मिश्रके एक बेटा- तपेनन्द मिश्र आ एक पुत्री देवतारणी देवी रहथिन। अभय बाबूक जुवा वयक्रममे असमय निधन भेलासन्ता धर्मपत्नी पंचमुखी देवी तीन बर्खक नेना तपेनन जीके मसोमाति परिस्थितिमे भरण - पोषण करैत अपर प्राइमरी स्कूल धरि शिक्षा दियेलथिन। कैथी अक्षरक जानकार तपेनन बाबूके सरकारी नाह भेटलनि, युवा अवस्थामे नाविकक काज (अंशकालिक) करैत पत्नी कर्पूर देवी (नैहर - कछुवी) आ तीन पुत्री ओ दू बेटाके नीक शिक्षा-दीक्षा दिएबामे समर्थ भेलाह। अपन खेती - पशुपालन सेहो करैत पूर्वजक देल जमीन जे बेलमोहन - महुलिया, हड़री मौजामे रहैन,तकर निमरजना सेहो करय पड़ैत छलैन । अनाज बुतातक इयह सहायक आ चरखा सूत कताई सँ आमदनी होइत रहलैन। भयंकर कोसी वाढ़िक चपेटमे आयल एहि गामक बहुतो लोक मोरंग आ कलकत्ता खटि गुजर करैत रहथि,परंच तपेनन्द मिश्र गामक डीहे पर रहलाह। एखन चारुबिटा पक्का मकान आ बाड़ी फुलबारी आनन्द पूर्वक सब किछु छन्हि।हुनक पुत्र शम्भू नाथ मिश्र अपन जीवनक सफरनामा पूर्ण मनोयोग सँ लिखलनि अछि। एहि आत्मकथामे ओ गामक स्व० मखसुदन बाबू आ मनमोहन बाबू दूनू भायक विरूदावली धरि लिखय सँ पाछु नहिँ रहलाह अछि। ओना गामक दुखन

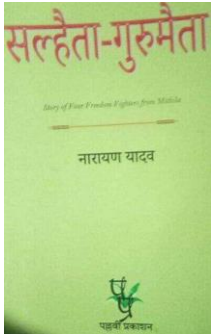
काका, लक्ष्मीकांत ज्योतखि जी, प्रो० विशम्बर झा, सुधीर, कालिकांत आदिक संग- संग हटनीके चौहद्दीमे जे गाम सब छैक, ततय केर सहपाठी छात्रगणक चर्चा सेहो बढ़ सिध्दत सँ कयने छैक। अपन पढ़ाई लिखाई समाप्तिक वाद कोलकाता वाया राधास्वामी स्थान (पंजाब) आ दिल्ली स्थित भूतपूर्व सांसद गुणानंद ठाकुर जीक सानिध्यक चर्चा विस्तार सँ कयने छथि। भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व० इन्दिरा गांधी जीक कार्यकालमे सुपर बजारक कोपरेटिव सोसायटी में काज करैत, अनेको केँ काज धराबैत सफल जीवन जीएत सेवा निवृत्त भेला। दिल्लीमे व्यवस्थित भ' गेल छथि आ पुरान मिथिला संघ तथा विद्यापति सहकारी श्रिष्ट एण्ड क्रेडिट सोसायटी सँ सम्बन्ध रहल छथि। मनुखके जीवनक असली रहस्य अपन बितल समयके तुलन करैतकाल बूझाइछ। से शंभूजीके सेहो अपन जिनगीकेँ जखन पाछु देखैत य तँ बहुत एहन बात सभ मोन पड़ैत छैन जकर उल्लेख कोनू बेजाए नहिँ कयने छैक। परंच ग्रामीणक किछ उखपाति केर उछन्नर सँ बहुतो गोटेय उपटि अन्तय जा बसलैक, यथा- स्व० बौआ बाबुक बड़भाय कमल नारायण झा- सिल्लीगुड़ी, कमलझा पेसर खेलानंद - मंगासिहौल, रामचंद्र मिश्र; जगदीश मिश्रके भाय - मलछाम, हरिश्रंद्र मिश्र- कर्णपुर, जाल झा - घोघरडीहा बजार, हेमकर झाक भाय पंडित जी- राजनगर, हरिश्रंद्र झा- डेवढ आ रामचन्द्र झा दरिभंगा सुविधा कारणेँ, शम्भू मिस्तरी केर काका बली झा - गोरधनपुर, सुफल मिश्रके भाय कपलूजी- जलसैन, महावीर ठाकुर - सरायगढ़ (बनैनियां), मल्लर कामति - सहोरबा, रामचन्द्र कामति कलकत्ता, परमेश्वरी कामति - मैनही, राजेन्द्र कामत- सूड़ियाही, कलर कामत- बसुली, रामकिसुन कामत- भीमनगर, रामसुन्नर कामत - रूद्रपुर, जगरनाथी कामत- देवनाथपटी, अगहनू साह- नौआबाखर, उमेश ठाकुर - जलपायगौरी, सुद्र कामत- बागडोगरा आ दिलचन कामत- जोगबनी आदि ताहि प्रसंग आंकड़ा लिखब चुकि गेलाह अछि। पूर्वमे एक आलेखक द्वारा हटनीके वर्चस्ववादी

संस्कृति पर हिनक मनतव कोसिकनहा सहित मुख्यतः दुर- दुर तकके लोक जानने छथिये। ७२ वर्षीय आन्दोलनकारी पुरुष शम्भू बाबू व्यवहारिक एवम् मृदुभाषी छथि। अपन चिन्हारकेँ सतत् यथाशक्ति भरि सहयोग करैत छथीन। एक आदमी (ड्राईवर रणधीर - राजस्थानी) हिनका सँ मदैत लैत १० हजार टाकामे किनल एम्बेसडर गाड़ी पार कर देलकैक। गायब कयल घटनाक कचोट रहितो फेर बहुतो बेर ठगीक ओझराहटमे पड़लाह। जीनगिक बहुत रास दुःख आ सुख'क वृतांत "जीनगिक बाट पर " ऐ मैथिली पोथीमे सकुचाइत केलनि अछि। हिनका विषयमे संग रहैत बहुत बात मनोवैज्ञानिक रूपेँ नहिँ बूझल रहय,से एहि पुस्तिकाके पढि हिनक रुग्णता आ स्फूर्त पक्ष बुझबाक अवसर भेटल। पोथी बेर- बेर पाठकके पढबाक उत्कण्ठा होयत। श्री मिश्र जी साहित्य सेवामे आब सन्नद्ध छथि।

४

मिथिलाक स्वतंत्रता सेनानी : सलहैता - गुरुमैता

पोथीक समीक्षक -: लाल देव कामत



मैथिली भाषा में "सलहैता - गुरुमैता " पोथी पल्लवी प्रकाशन निर्मली सँ बहराएल हन्। एहिमे पृष्ठ सं०- ८१, एहिक मूल्य २०० टाका निर्धारित कयल गेल य। चारिगोट स्वाधीनता सेनानीक व्यक्तित्व एवम् कृतित्व पर लिखल

गेल पाठ अति महत्वपूर्ण अछि। पहिल पाठ सल्लैता पृष्ठ सं०-१७ सँ ४८ केर बीच आ दोसर पाठ गुरुमैता पृष्ठ ५० - ७१ पर मुन्दर्य छैक। तेसर पाठ स्व० रामफल मंडल ७२ सँ ७७ आओर आखरी पाठ. स्व० अनन्त लाल कामत पृष्ठ ७८ - ८३ धरि प्रमुखताक संग छपल छैक। एहि पोथीके मादे गजलकार ललन सल्लैता (नहरी) आ डा० धनाकर ठाकुर जी सन् १९२० - ३० केर देशक गुलामी के जीझिर तोड़य में महात्मा गांधीके नेतृत्व में स्वतंत्रता संग्रामके गंभीर संघर्षमे सँग पुरैत उक्त चारू महानायकके योगदानक चर्चा पोथी बावत कयलनि अछि। प्रसिद्ध साहित्यकार आ सेवा निवृत्त डिविजनल कमान्डेंट तेज नारायण खेड़वार लिखलैनि अछि " नव सोच सँ भारतके गाम जागि गेल य। कोसी कमला केर क्षेत्र सँ अनेकों लोक देशक आजादी ले खूब लड़ल छलाह। स्वयं अपन बातमे जीवनी लेखक श्री यादव जी कहलनि अछि मिथिलांचल मध्य स्वाधीनता सेनानीक चर्चामे अनेकों लेखक बढि - चैढ़ कऽ लिखलनि, मुदा एहि चारू महानायकके योगदानक चर्चा पोथी में नहि के बरोबरि कयल गेल छैक। तँ नव पिढिक लोक हिनका सभक कीर्ति सँ अनभिज्ञ रहि गेल छैक। सद्यप्रकाशित ऐ पोथीमे क्रांतिकारी चारू योद्धा केर विषयमे गंभीरता पूर्वक कलम चलौलनि अछि। आजादीक पचहत्तरम अमृत महोत्सव वर्षक समाप्ति पर गुमनाम स्वाधीनता सेनानीक संदर्भ मँ खोज करैत वरेण्य साहित्यकार श्री नारायण यादव जी अद्भूत लेखन कार्य कयलनि अछि। अपने पाठक केँ बताबी सर्वप्रथम श्री नारायण यादव जीक संबंधमे। ई कवि लेखक रुपमे कविता संग्रह - नाती दुसलक नानाकेँ, कथा पोथी - बाबा नाम केवलम, समझौता, नवकी पुतौह आ 'खाली घर' केर रचना कयने छथि। मैथिली विषय सँ एम.ए. पास केला पछाति हिनक हाई स्कूलमे शिक्षकक पद पर नियुक्ति भेलनि। उच्च विद्यालय जयनगर के प्रधानाध्यापक पद सँ सेवानिवृत्ति पाबि कनेक अस्वस्थ रहैत छैथि। एहनो परिस्थितिमे ई मैथिली अभियानी रहि अन्तरराष्ट्रीय मैथिली परिषदक महासचिव छथि। श्री नारायण

यादव जीक माता सव महेश्वरी देवी स्वाधीनता सेनानी स्व रामलखन सल्लैताजी केँ पुत्री रहथिन। पिता स्व राजेश्वर यादव आ दादाक नाम स्व भोला यादव रहनि । श्री यादव जीक जन्म स्थान छैन डुमरा, प्रखंड अंधराठाढ़ी आ मातृक नहरी अंचल खुटौना जे आब मधुबनी जिलान्तर्गत अछि। हिनक सारगर्भित आलेख विभिन्न पत्र-पत्रिकामे विविध तिथिकेँ प्रकाशित भेल छन्हि। पाठक केँ ' सल्लैता - गुरुमैता ' पोथीक रसास्वादन एहन विलक्षण लगतैन, जे एक बेर हाथ आयल पोथीके बिनु पढ़ने छोरल पार नहिँ लगतैन। बढ़ मनोयोग सँ ऐ वीर स्वाधीनता सेनानीक व्यक्तित्व केँ जानबाक आवश्यकता होयत। एहि पोथीमे यादवके अनेक शाखा, यथा - : घोषिन, कन्नोजझिया, गड़ेरी, मझरोठ, मझरौट, दहियार, बड़गुआर आ देवहरि आदि (कृष्णौट) छैक। ऐ समाजक गोत्र अत्री अनेक पदवी विशेष कय घोषिन यादवके मूल ३११ संख्याँ में उल्लेख भेल अछि। जाहिमे गोईत केर अन्य प्रभेद - : बहुकुलिया, खुरा, विसनपुरिया, ग्वासारे, छजनैत, मछड़िया आ सगहा थीक। सल्लैता आ गुरुमैता टाईटिल घोषिन यादवके छैन। आदरणीय रामलखन सल्लैता के पूर्वज सहरसा जिलाक सितोहबरहा गामक रहथि। आत्मा सल्लैता आ परमात्मा सल्लैता दूनू भायमे विमर्श उपरान्त आत्मा सल्लैता १००-१२५ गाय चराबय पछिम दिशामे हांकलनि। जंगल आ परती जमीन ढ़ण्ड परल रहने गैवार-चरवाह हुनका संगे रोमैक काज करय ले छलैक। जाहि गामक लग सांझ पड़ैक, ओतय बथनिया डेरा कायम करथि। वाटमे गाईक दूध-दही खाइत पियैत रसे - रसे १००-१२५ किमी० पछिमधरि नहरी गाम भीड़कय आबि गेलाह। एहि पिढ़ी सँ खेरहा नारायण जी आरम्भ करैत, एतुका भुगोलक पूब समता आ पछिम सुगरबे नदीक बहुत कलकल धारा सँ परिचीति कराबै पाठकके स्व० कमल नारायण सल्लैताजीक दरवाजा पर अवस्थित परौणीक गढ़ी सँ उपरल शिवलिंग केर दर्शन कराबैत छथि। नीक विन्यास ओ भाव-भंगिमा केर संग सल्लैता परिवारक निजी आ सार्वजनिक

जीवन तथा देश आज़ाद करयमे सराहनीय भूमिकाके संक्षिप्त इतिहास बतेबाक परियास अपना जनैत कयलाह अछि। एहि वंशवृक्षक कुर्सीनामा देला सँ पाठके पात्र लोकनिक खानदानी नाता बुझयमे सेहो सुगम आ फरीछ कयल गेल छैक। गाय ,बच्चा ,दूध घी बेचला सँ नहरी क्षेत्र में खुब धनीक होयत गेला । अहीगाममे मित्र ठुकाई सौव हुनक विवाहो करौलनि ,जाहिमे रघु नामक संतान सुख भेलनि।गौपालन कार्य जे पुशतैनी रहैन,तकरा आगू बढ़बैत रघुके विविहोपरान्त मुशहरू आ फुदी दूगोट पुत्र होई छन्हि जे पैघ भेलापर खूब जगह जमीन अरजैत छथि। दरभंगा महाराज सँ केश मोकदमा'क टक्कर कलकत्ता हाईकोर्ट मे होई छैन। वादमे दोस्ती भ' जाई छैन। मुसहरू जीक तीन पुत्र क्रमशः गुदर,बच्चा आ बाबूलाल सल्हैता धन सम्पत्ति देखभाल आ आरो अधिक बढ़ेबाक काज निमित्त विभाग बाँटिके सम्मिलाइत परिवारक नाम परोपट्टा में बढ़बैत रहलाह। गूदर बाबूके छोट भायक पुत्र रामलखन सल्हैताजी खूब जानकार रहथि। रामनारायण गुरूमैता जीक मृत्यु क' वाद संगठन'क नेतृत्वकर्ता रामलखन सल्हैताजी बनलाह। से ओ हिन्दी भाषी जंका बोलचाल रखलनि। हुनका नेतृत्व में देवनारायण गुरूमैता , सुर्यनारायण सिंह,सुबोध झा, गुलाबी सोनार , यमुना सिंह,जीलेवी खरगढू आ रामलखन जीक छोटभाय रामकृष्ण सल्हैता , जयकृष्ण सल्हैता आन्दोलनमे एवं हुनक १० हाथक दन्तरवा हाथी खुब अभियान चलाबैक।देश आजाद कराबयके दौड़मे ब्रिटिश सरकार हिनक लोहा मानैत छलैक। सन् १९४४ मे दियाबाती सँ एक दिन पूर्व रामलखन बाबूक दरबाजा पर रात्रिके १० स्वतंत्रता सेनानी भोजन कयके सुतल रहैक , ५०० मीटर दुरे सँ अंग्रेज़ सिपाहिक टार्चक रोशनी सँ इजोत झलकलै । पहरा पर गुरूमैता जी मुस्तैज रहि सिपाहीके डांटने रहैक। विस्तार सँ जानबाक लेल उपरोक्त पोथी अवश्य पढि।एहिमे पुर्ण जनतब गुरूमैता क' वंशाबलीक संगहि रामफल मंडल आ अनन्त लाल कामत जीक संघर्ष आ जीवन गाथाक विरूदावली देल गेल अछि। बिहारी गुरूमैता के ५०

मौजेमे कामत छलनि आ नेपालमे सेहो दिघवा आ रामपुरामे कामैत रहनि। हिनका दूई बेटा -: रामनारायण आ देवनारायण रहथिन । कलकत्ता सँ मिथिला'क पथम वा दोसर स्नातक भेल रहथि रामनारायण बाबू ,जे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के संग नीक परिचय बनाबैयमे सफल छलाह। वादमे महात्मा गांधी आ राजेन्द्र प्रसादजी सँ नीक संबंध बनल रहलनि। १०वर्षीय भुवनेश्वर गुरुमैता केर हुलासपट्टी मध्य विद्यालय सँ नाम कटला पर मुज्जफरपुरमे नाम बड़कठिनता सँ लिखाओल गेल रहय । एक बैंकमे ओतय मैनेजर पद पर हुनक काका रहथिन। एक संस्थामे नाम नै लिखल गेलैक तँ दोसर विद्यालयमे एम० ए० पास एच एम साहेब १०० अंकक सबाल दैत परीक्षा लेलनि , शत-प्रतिशत जाँच परीक्षा में खड़ा ऊतलाह। ओतय ओ संघ शाखामे आर एस एस के प्रचार-प्रसारमे लागल रहलाह। देशक आजादी लेल अपन सर्वस्व न्यौछावर करयमे जे योगदान हुनका लोकनिक भेल अछि,ताहिके भारतके नव पिढिक बच्चा - बच्चा एहि पोथीक उपयोगिता बुझत।हम शुभकामना दैत छीयैन जे हुनक पोथीक नव संस्करण शिघ्र होय!

५

लघुकथा- हौथरी

हमर गुलाब अपना जनैत खूब नीक सँ मनखेप लेल खेतमे खेरही बाउग केने रहय। गाछ जहन चारि पतिया भेल तँ ऐ बेर असमयके बरखा सँ आधा गाछे सुइख गेलैक। तैयो फुलबाति पड़िते रसायनिक कीटनाशक औषधि आ तागतके दवाए छिटैत दोहरौने रहय। दलहन पौध सगर बाधमे पीयर पात देखार रहैक आ छिमि सेहो पिरौंछे। तैयो ओगरैत - समरैत मौसम अनुकूल भेलापर फर जगजगाए गेलैक। पहिल छोहैन अपने दूनू प्राणी तोरलक। मैनही सीमाकातक खेत कयने एकटा पचताबा मोनमे सेहो हुअय लगलै। देखलक

उत्तरवारि भीताक करीहर सँ महिला जौन बिनु अरहलहे बिन्न - बिन्न करैत।से गुलाबोक चासमे सबटा हुलि गेलैक। कहलकै तरजू पर तौलके आधाअधि पर छिमी तोड़ैत छियै गिरहतके। जखन समुचा कोलाक जजाति समटा गेलैक तँ सब मुसहरनी अपना चालैन केँ फर सँ भरने आ अदहा छिटाक फर के दूठाम कूरी लगबैत हतप्रभ क' देलकैक।कतबो कहल गेलै हौंथरीमे जतेक रखने छी , सयह द' दिअ आ दूनू ढेरी अहीं सोलहन्नी ल' जाऊ। मुदा नै न मानलकै! बेराबेरी सबके इयह ढ़ठा।

अपन मंतव्य editorial.staff.vidaha@gmail.com पर पठाउ।

२.७.निर्मला कर्ण- अग्नि शिखा (खेप-२३)



निर्मला कर्ण (१९६०-), शिक्षा - एम. ए., नैहर- खराजपुर, दरभङ्गा, सासुर- गोढ़ियारी (बलहा), वर्तमान निवास- राँची, झारखण्ड। झारखंड सरकार महिला एवं बाल विकास सामाजिक सुरक्षा विभागमे बाल विकास परियोजना पदाधिकारी पदसँ सेवानिवृत्ति उपरान्त स्वतंत्र लेखन।

अग्नि शिखा (भाग- २३)

(मूल हिन्दी- स्वर्गीय जितेन्द्र कुमार कर्ण, मैथिली अनुवाद- निर्मला कर्ण)

कथा अखन धरि:

अप्सरा उर्वशी के स्वर्ग सऽ पांच साल तक स्वर्ग सँऽ निष्कासित कएल जाइत अछि। ई दण्ड राजा पुरुरवा के प्रेम संदेश भेजला के कारण इन्द्र के द्वारा देल जाइत छनि । एकर फलस्वरूप ओ स्वर्ग छोड़ि राजा पुरुरवा के पृथ्वी लोक जेबाक निर्णय लैत छथि। हुनकर मित्र अप्सरा रम्भा एवं चित्रलेखा दुनू एकहि सलाह दैत हुनका नम आँखि आ ठोर पर मुस्कान राखि पुरुरवा सँऽ मिलन हेतु विदाई देलनि ।

आब आगू:

प्रतिष्ठानपुर के राज प्रासाद अतुल प्रताप! त्रिलोक के विपुल ऐश्वर्या! आ राजा पुरुरवा के कुशल व्यक्तित्व के यश ध्वज! पृथ्वी के वक्ष पर पैर राखि! विस्तृत

आकाश तक अपन मस्तक उन्नत कएने वैभव के यशोगान जपि रहल छल।मुदा ओहि में रहय बला राजा पुरुरवा ब्रह्मचर्य के महत्व के नकारैत उर्वशीक विरह में व्याकुल जल बिन मीन सन छटपटाईत छलाह। रत्न-मानिक्य-हीरा-सोना सँ बनल एकटा अद्वितीय पर्यक पर ओ एम्हर सऽ ओम्हर कऽर बदलैत अपन हृदय में अंकित उर्वशीक चित्र सँऽ प्रेमालाप करैत आ उद्वगिनता सँऽ व्यग्र भऽ मोने मोन हुनका स्मरण करैत छलाह।

ईर्ष्या सँऽ जरैत निद्रा देवी,ई सोचि राजाक आँखि मे प्रवेश सँऽ परहेज करैत अछि,जे उर्वशी! राजाक प्रेयसी!ओहि नेत्र में निवास करैत छथि। हुनका समक्ष निद्रा देवी कोना कऽ औतीह। ओ कोना कऽ ओहि मे निवास करतीह!निद्रा देवी उर्वशी के अपन सौतिन मानि राजा पुरुरवा सँऽ परहेज करऽ लगलथि। जहिया सऽ राजा पुरुरवा अमरपुर सँऽ धरा धाम वापस आयल छथि तहिया सँऽ असामान्य बुझाइत छथि। विधवा क बिन्दुहीन कपार सन राजसिंहासन आइ-काल्हि अपन दुर्भाग्य पर सिसकैत बुझाइत अछि।परिवार-पुरोहित, पार्षद आ प्रजा सब के सब राजा पुरुरवा के राज्य कार्य के प्रति उदासीनता पर आश्चर्यचकित छथि।

राजपुरुषक विचार - ' राजा पुरुरवा सदिखन स्वर्ग लोक समेत भूलोक के शासन व्यवस्था में संलग्न रहबाक कारणे थाकि गेल छथि,ताहि लेल हुनका किछु दिनक विश्राम लेबय पड़ैत छनि।

ऋषि-मुनि केर मत अछि - 'आइ राजाक मनमे ब्रह्मचर्य आ घरेलूपनक बीच द्वंद्व अछि'।

कुल पुरोहित लोकनि सोचैत छथि - आइ हमर सभक राजा के असगरुआ नीरस जीवन परेशान कऽ रहल अछि' - मुदा राजा विवाह किएक नहि करइत छथि?ई बात नहि बुझाइत छनि किनको। तथापि ओ सभ सोचईत छथि जे राजा पुरुरवा के अखन किछु दिनक आराम करब नीक अछि। राज कार्य सुचारू रूप सँऽ चलि रहल अछि, तखन राजा किएक व्यर्थ में अपन माथ

खपाबधि!

मुदा प्रजा वर्ग मात्र एकटा बात सोचैत अछि - 'लगैत अछि जेना राजाक आँखि मे कुनो अलभ्य सौन्दर्य भरि गेल होय मुदा ओकरा भेटब राजाक सामर्थ्य सँ बाहर अछि; ताहि लेल हुनका लोकनिक राजा दिन-राति विरहाग्नी मे जरि रहल छथि।

मुदा पूरा राज्य राजा के लेल चिंतित अछि, सब कियो अपन राजाक दुःख में दुःखी अछि, सब चाहैत अछि जे अपन राजा सुखी रहथि, राज्य के सुख के आनंद लेथि । जखन राजा सदिखन प्रजा के प्रसन्न रखबाक प्रयास करैत छथि, तखन प्रजा वर्ग हुनक दुःख सऽ दुःखी कोना नहि होथि!

आइ कतेको दिनक बाद राजा अपन सिंहासन सुशोभित कएने छथि, कोनो आन समस्याक चिन्ता मे छी कहि सब सँऽ विरहक बात नुका लेलनि। झूठ-मूठ के सुखद मुस्कान हुनकर थाकल चेहरा सजा देलक। देह में भरल आलस्य आ राज कार्य में आयल उदासीनता के ओ नुका लेलथि चंदन मे कपूर के अधिक अंश पड़ल कहि कऽ, एक झूठ काल्पनिक कारण बता।

मुदा तखनो बेसी विरह पीड़ाक कारणेँ हुनका सँऽ अनेकों बेर किछु गलती भऽ रहल छल, जकर कारणेँ ओ कतबहु नुकौलथि मुदा हुनक पीड़ा मोनक अशान्ति ककरो सँऽ नुकायल नहि रहि सकल ।

"अहाँक मोन आ मस्तिष्क एखन अस्वस्थ बुझाइत अछि राजन, तँ व्यर्थ कष्ट नहि करू, कनिक काल वन भ्रमण कऽ लेल जाओ " - प्रधान आमात्य कहलथि ।

ई सुनैत राजा "वन भ्रमण लेल जाइत छी" ई कहैत महल सँऽ बाहर निकलि गेलाह।

हुनको मोनक शांति लेल एकांत स्थान पर जेबाक आवश्यकता बुझेलनि, तँ ओ जंगल घुमबाक लेल निकलि गेलाह। अश्व पर सवार शहर भ्रमण करैत एकांत स्थानक आनंद लेबय लेल शहरक बाहर स्थित निकटस्थ वन दिस विदा

भेलाह।

वन में एक स्थान पर बैसल ओ ताल पत्र पर तूलिका सऽ तन्वगी सौंदर्यमयी उर्वशी के चित्र बनाबय लगलाह। उर्वशी के चित्र बनेबा में एतेक डूबि गेलाह जे अपना के बिसरि गेलाह राजा ।

बहुत कालक अथक प्रयासक बाद नृत्य करैत उर्वशी ताल पत्र पर मुस्कुरा रहल छलीह। हुनक चित्र देखि पुरुरवा प्रेममग्न भऽ गेलाह। प्रेमक प्रभाव मे बहि भाव विह्वल पुरुरवा हुनक एक-एक अंग केँ चुम्बन लेबय लगलाह। ओ अपन सुधि-बुधि बिसारि कतेको काल धरि उर्वशी के अंग-प्रत्यंग के चुम्बन लैत रहलथि। मुदा जखन हुनका बुझायल जे ई चित्र अछि! हुनकर उर्वशी नहि! हुनकर उर्वशी कतय छथि एतय! तखन फेर उदास भ' गेलाह! आँखि सँ नोर बहय लागल! ओ फेर विरह मे विचलित भऽ गेलाह आ व्यथित हृदय सँ उर्वशी केँ मोन में स्मरण करऽ लगलाह।

काजर सन के कारीअमावस्या के राति! कारी साड़ी मे लपटाल! साँप सन धीरे-धीरे धरती पर सरकैत आबि रहल छल! प्रिया संग रहला पर मानव के मनोहर लगैत अछि, मुदा प्रिया विहीन मानव के ई राति ओहिना लगैत छल जेना नागिन डसय लेल जीह लप लपाइत बढ़ल आबि रहल होय । रजनी स्वयं कज्जल कालिमा के घोर अंधकार रूपी बहैत धार मे विराहग्नि मे जरि रहल छलीह। हुनक प्रियतम चन्द्र हुनका सँस बिछरि अत्यंत दूर भऽ गेल छलनि, एहि लेल उचित-अनुचित, न्याय-अन्यायक हुनका कोनो ज्ञान नहि छलनि। ओ कोना कऽ ध्यान रखितथि! आइ हुनकर प्रिय चान हुनका संग नहि छलनि। अपन चानक तलाश में शून्य आकाश में अपन दृष्टि दहो दिस फिरा रहल छलीह। अपन प्रियतम के नहि पाबि वेदना सऽ विद्ग्ध अश्रुपात करैत अपन कारी आँचर लहराबैत, वातावरण मे सिहरन उत्पन्न करैत, ओ

समस्त जीवक हृदय मे भय पसारि रहल छलीह।

पुरूरवा के स्थिति रजनी के स्थिति सऽ की कुनो अलग छल? ओहो अपन कोठली मे सिसकैत छल! अपन स्वर्ण पर्यंक पर अधलेटल सन भेल छत निहारैत उर्वशी के ध्यान में निमग्न छलाह।ओ मोन मे की सोचि रहल छलाह,किनको ज्ञात नहि छल। भला ओ अपन पीड़ा कहितथि केकरा सँस! हुनक दुख, हृदयक पीड़ा रजनी के अतिरिक्त देखय आ जानय वाला दोसर कियो नहि अछि!तखन के बुझत ! कियो नहि छल हुनक निकट एहेन सुहृद व्यक्ति जनिका सँस ओ प्रेम पिपासा सँस व्याकुल अपन हृदयक गप्प कऽ सकितथि !

क्रमशः

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

२.८.नन्द विलास राय-मोटरसाइकिल



नन्द विलास राय

मोटरसाइकिल

हमर मित्र छैथ, नाओं छिएन श्याम ठाकुर। हम सभ हुनका श्यामजी कहै छिएन। छठा वर्गसँ ग्यारहमा वर्ग धरि हम दुनू गोटा संगे पढ़लौं। श्यामजीक घर नरहिया बाजार आ हमर घर सखुआ। मैट्रिक उत्तीर्ण भेला पछाइत श्यामजी आगाँक पढ़ाइक लेल पटना चलि गेला किएक ते ओ अमीर बापक बेटा छैथ आ हम निर्मली कौलेजमे नाओं लिखलौं। चूकि हमर पिताजी एकटा छोट-छीन किसान छला तँए मधुबनी, दरभंगा, पटना वा आन कोनो शहरमे राखि हमरा पढ़ाएबसँ अक्षम रहैथ। अक्षमक माने भेल खर्चा देबामे समर्थ नहि हएब। निर्मली कौलेज हमरा घरसँ छअ-सात किलोमीटरक दूरीपर अछि तँए साइकिलसँ वा पएरो घरोसँ वर्ग कऽ सकै छी।

इन्टर केलाक पछाइत श्यामजी इंजीनियरिंग केर पढ़ाइक लेल बंगलौर चलि गेला। ओतएसँ सिविल इंजीनियरिंगमे बी.टेक. करि बिहार सरकारमे नौकरी पकड़ला। पाइ कमा कऽ बुझू टाल लगा देलखिन। हम निर्मली कौलेजसँ बी.एस-सी. पास कऽ सरकारी नौकरीक लेल बड़ प्रयास केलौं मुदा जेना कहब छै जे ऐ युगमे भगवान भेटब आसान अछि मुदा सरकारी नौकरी भेटब

मोशिकिल। थाकि-हारि खेती-गृहस्थी कऽ अपन गुजर करए लगलौं। माए-बाबू सेहो दिवंगत भऽ गेल रहैथ।

श्यामजीक पिताजी सेहो पाइबला रहथिन आ ओहो माने श्यामोजी तेतेक पाइ कमेल। जे पटना शहरक पाटलीपुत्रा कालोनीमे तीन महला मकान बनौलैथ। मुदा हमरासँ सम्बन्ध बनले छैन। जहिया कहियो गाम अबै छैथ तँ समाद पठा कऽ हमरा बजा लइ छैथ आ भेंट करै छैथ। आब तँ सहजे मोबाइल भऽ गेल हेन तँए फोन करि कऽ बजा लइ छैथ।

काल्हि श्यामजीक पोतीक जन्म दिन छेलैन। श्यामजीक पुतोहु नरहिये उच्च विद्यालयमे शिक्षिका छथिन आ बेटा अमित डेबढ़ कौलेज, घोघरहीहामे लेक्चरर। तँए ओ सभ यानी श्यामजीक बेटा अमित अपन पत्नीक संग गामेमे रहै छैथ। बेटा-पुतोहु गामेमे छैथ तँए पोतीक जन्मदिन गामेमे मनौलखिन।

हमरो नौत-हकार देने रहैथ। बेस ताम-झामसँ जन्म दिनक आयोजन छेलइ। रहबो किएक ने करत, भगवान श्यामजीकेँ कोन चिजक कमी देने छैन। अपना बिहार सरकारक पथ निर्माण विभागमे इंजीनियर, जेठका बेटा आ जेठकी पुतोहु डॉक्टर, छोटका बेटा (जिनकर बेटाक जन्म दिन छेलै) अंगीभूत महाविद्यालयक लेक्चरर आ छोटकी पुतोहु उच्च विद्यालयक शिक्षिका। परिवार बेस सुखी-सम्पन्न छैन। हँ तँ कहै छेलौं श्यामजीक पोतीक जन्म दिन छल।

साँझक छअ बजे हम साइकिलसँ कार्यक्रम स्थलपर पहुँचलौं। बीस-बाइसटा चरिचकिया गाड़ी, साए-सबा-साए मोटरसाइकिल आ दस-बारहटा स्कूटी लागल रहइ। हमहीं एकटा एहेन रही जे साइकिलसँ गेल रही। श्यामजी आ एक गोटा आओर, जिनका नहि चिन्है छेलिएन, गेटपर अतिथि लोकैनकेँ स्वागत करैत रहथिन। हम साइकिल खड़ाकऽ गेट दिस बढ़लौं कि श्यामजीक नजर हमरापर पड़लैन, ओ बजला-

“भाइ, आबह! आबह!! तों घरवारी भऽ कऽ अखन एलह हेन।”

ई कहैत ओ भरिपाँजमे पकैड़ हमरा गलासँ लगा लेलैथ। जेना भगवान श्री कृष्ण सुदामाकेँ लगौने रहथिन। श्यामजीक संगमे जे सज्जन छला, ओ निच्चासँ ऊपर धरि हमरा देखैथ। किएक तँ हमर अगे-बगे तेहने सन रहए। मामूली धोतीपर मामूली कुरता। पैरमे पुरान खियेलहा हवाइ चप्पल, सवारीक नाओंपर पुरान साइकिल। जखन कि श्यामजी आ हुनका संगे जे सज्जन रहैथ, महग सूट-बूट पहिरने रहैथ। धरमागती पुछू ते हमरा लाजो हुआए।

श्यामजी अपना संगबेकेँ हमर परिचय करबैत कहलखिन-

“समैध, ई हमर मीत छैथ, लंगोटिया मीत नन्दजी। छठासँ मैट्रिक धरि हमसभ संगे पढ़लौं।”

लगले हाथ हमरा दिस तकैत श्यामजी पुनः बजला-

“भाय, ई नवका समैध भेला, त्रिलोक बाबू। हिनके बालकसँ वीणाक बिआहक बात पक्का भेल हेन। दुल्हा टाटामे इंजीनियर छैथ आ त्रिलोक बाबू राँची विश्वविद्यालयमे प्रोफेसर। सभ बात-विचार पटनेसँ भेल तँए तोरा नहि बुझल छह।”

हम बजलौं-

“सएह तँ। गामसँ जँ बात-विचार भेल रहैत तँ हमरा जरूर बुझल रहैत।”

श्यामजी बजला-

“एहनो कहीं नइ बुझल रहितह।”

पुछलयैन-

“वीणा बुच्चीक एम.ए. फाइनल तँ भऽ गेल हएत किने?”

श्यामजी कहलैन-

“हँ-हँ!! वीणा फस्ट क्लाससँ एम.ए. पास केलक हेन। बिआह पंचमीकेँ बिआहक दिन तय अछि। गामेसँ बिआह करब।”

हमरा मुहसँ बजा गेल-

“वाह! अति उत्तम।”

त्रिलोक बाबू हमरा पुछलैथ-

“अपनेकेँ बेटा नहि अछि की?”

हमरा हुनकर बातक कोनो अर्थे नइ लागल। हम हुनका मुँह दिस बकर-बकर ताकए लगलौं।

श्यामजी बजला-

“से बात किएक पुछल्यैन, समैध। ओना, भायकेँ बेटा नहि छैन दूटा बेटीए टा छैन।“

त्रिलोक बाबू बजला-

“सुआइत अहाँक मीत साइकिलपर चढ़ै छैथ। यौ हम अपना गाममे देखै छी, जेकरा ने बसऽ लेल घराड़ी छै आ ने खाइ लेल घरमे एक मासक बूतात छै, सेहो अपना बेटाक बिआहमे बेटीबलासँ दहेजमे मोटरसाइकिल लइ छै। बेटा ते दिल्ली, पंजाब, कलकत्ता खटै छै आ बाप मोटरसाइकिलपर चढ़िकऽ तीरबी करै छइ।“

हम सोचए लगलौं, हमरो गाममे तँ बेटाबला सभ सएह करैए मुदा बजलौं किछु नहि, चुप्पे रहलौं।

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

२.९.जगदीश प्रसाद मण्डल- सुचिता (धारावाहिक उपन्यास)



जगदीश प्रसाद मण्डल

सुचिता (धारावाहिक उपन्यास)

'सुचिता' धारावाहिक रूपेँ छपब प्रारम्भ भेल 'मिथिला दर्शन'मे, जे पहिने प्रिंटमे छपब बन्द भेल आ मात्र पी.डी.एफ. मे ई-प्रकाशित हुअय लागल आ फेर सेहो बन्द भऽ गेल। आ तँ 'सुचिता'क सेहो छपब/ ई-प्रकाशित हएब बन्द भऽ गेल। अही आलोकमे ई उपन्यास धारावाहिक रूपेँ ई-प्रकाशित कएल जा रहल अछि।- सम्पादक।

छअम पड़ाव

हिम्मतलाल ऐठामसँ एलापर राधारमणक विचार जहिना आगू-मुहँ संचरित हुअ लगलैन तहिना सुवासिनीक सेहो भेलैन। दुनूक विचार संचरित होइक दू रंगक कारणो छेलैन। ओना, राधारमणक दृष्टिकोणमे दूरी सेहो छेलैन्हे। मुदा अखन से नहि। सुवासिनी जहिना अपन परिवार, देखि रहल छेली तहिना हिम्मतलालक सेहो देखि रहल छेली। दुनू परिवारक सभ विकारकेँ हटबैत सुवासिनी हिम्मतलालक सम्पन्न परिवार देखि लुभावनोन्मुख सेहो भेली। हेबो केना ने करितैथ..! पति विहीन हिम्मतलालक माएकेँ सेहो देखली आ अपन

पिता विहीन माएकेँ सेहो देखि रहल छेली। तैसंग बाल-बच्चासँ लऽ कऽ बुढ़ धरिक जे परिवारक शान्तप्रियता होइए तेकरो हिम्मतलालक परिवारमे देखिये चुकल छेली।

इम्हर, राधारमणकेँ विचारैक अनेको कारणमे एकटा कारण ईहो छेलैन जे अपनो परिवारक इतिहास सोझहेमे अछि आ हिम्मतलालक सेहो अछिए, मुदा इतिहासक क्रम एहेन सन जे जेना दुनू परिवार दू ध्रुवसँ यात्रा करैत हुआए। यात्रा जे जेतए करैत हुआए मुदा हिम्मतलालक परिवार देखि राधारमणक मन अपन परिवारक प्रति झुझुआ जरूर रहल छेलैन। झुझुएबो केना ने करितैन..! जैठाम हिम्मलाल दुनू परानी अपनो आ अपन परिवारो ले जेना कमान रहै छैथ तहिना बच्चासँ बुढ़ धरि सेहो तीर-कमान नेने तैयार रहिते छन्हि।

भुवनेश्वर (उड़िसा) एला राधारमणकेँ छह मास बीत चुकल छेलैन। बर्खक आधा। काज करैक अपन जे कला छैन, ओ धीरे-धीरे आब एहेन बनि गेलैन अछि जे धारक महारपर चढ़ि जेना मानसरोवरसँ गंगासागर तक यात्रा करए लागल होइन। मनमे जे होइत होनि मुदा छअ मासक बीच कोनो शिकाइत किम्हरोसँ, किम्हरोसँ माने भेल जे ने जनमानसे दिससँ आ ने प्रशासने दिससँ, एकोदिन भेलैन। तँए मनमे ईहो विचार घर केनहि छैन जे अपन जिनगीक पहिल बहाली, माने पहिल कदम छी जेकर अपन निसचित सीमा छइ। ओइ सीमाक उल्लंघन भेने ने कियो अपन अवधि (सीमा) पुरौनहि बिना एम्हरसँ ओम्हर माने हेर-फेर होइ छैथ, मुदा तइमे अपनाकेँ नहि देखि राधारमणक मनक बलमे दिनो-दिन बढ़ोतरी भेने मनोबल सेहो सकताए लगले छन्हि।

कार्यालयमे तँ दुनू गोरे, माने राधारमणो आ हिम्मतलाल बेसीकाल संगे बितैबते छैथ, तइमे कुरसीक जे दूरी अछि ओइमे खिंचाव भेल। छअ मासक बीच परिवारक संग राधारमणो दू बेर आरो हिम्मतलाल ऐठाम पहुँच चुकल छला। तइमे एक दिन संजोग बनल आ महिले-जगतक विचार सबहक बीच उठि गेल। जइसँ दुनू गोरेक पत्नीमे माने रूक्मिणी आ सुवासिनीक बीच

बजड़ा-बजड़ी शुरू भऽ गेल। हिम्मतलालक पत्नी सुवासिनीकेँ कहि देने रहैन- 'दीदी, अपन परिवारक बात जँ कियो इमान रखि बाजैथ तँ ओ सभसँ पवित्र गंगा असनान करब भेल।'

सुवासिनी अपने विचारमे ओझरा गेल छेली। ओझरा ई गेल छेली जे जमीनपरक गंगा आ आध्यात्मिक गंगाक माने बुझबे ने करै छेली। तँए गंगा केना पवित्र रहैए आ केना ओइमे प्रदूषण बढ़ैए से बुझिये ने पेब रहल छेली। ओना, राधारमण सेहो मने-मन ओझराएले छला। ओझराएल ई छला जे रुक्मिणी (हिम्मतलालक पत्नी) जे बजली जे 'इमान रखि बजनिहार', एकर माने की भेल? इमानकेँ राखि जखन बाजब तखन ओ इमानक भेल आकि इमान नइ भेल? एक मनमे होनि जे इमान सहित एकटा विचार भेल मुदा इमान रखि बाजब ई की भेल..? फेर लगले होनि जे इमानकेँ मूर्तिरूप आगूमे रखि बाजब। दुनूमे सँ कोनो भाँजेपर ने चढ़लैन। मुदा छला तँ सबहक बीचमे। जइसँ आगूक कोनो चारा नहि देखि समगम होइत बजला-

"मनुक्खसँ लऽ कऽ समाजो आ देशो-दुनियाँमे जेते सजगता औत ओते ओ आगू बढ़बे करत।"

ओना, बजैक क्रममे राधारमण बाजि गेला मुदा जखन अपन बाजबपर अपने विचार करए लगला तखन मनमे उकडू हुअ लगलैन। उकडू ई हुअ लगलैन जे नीक काज केनिहार जहिना करैकाल सजग रहै छैथ तहिना अधला काज केनिहार सेहो सजग नइ रहै छैथ सेहो केना नइ कहल जाए..? मुदा संयोग नीक रहलैन जे ने कियो हिम्मतलाल परिवार दिससँ बाजल आ ने सुवासिनीए किछु बजली। चुपा-चुपी देखि राधारमण सुभद्राकेँ कहलखिन-

"चाची, गोटे-गोटे दिन अपनो डेरापर आउ। पत्नियो असगरे रहै छैथ आ अहूँ निचेने रहै छी। डेरो कोनो दूर नहियँ अछि। पएरो आबिये सकै छी। तहूमे अहाँ ऐठाम जेते सजग छी तेते ओ नहियँ छैथ, माने सुवासिनी, तँए हुनका अबै-जाइमे कनी भयौन लगबे करतैन। तहूमे सरकारक जिम्मामे सेहो भेलौं, तँए

ओते तँ बरतए पड़त।"

राधारमणक विचारमे प्रवाहित होइत सुभद्रा बजली-

"बौआ, हम तँ जहिना हिम्मतलालकेँ बेटा बुझै छी तहिना अहूँकेँ बुझै छी। किए तँ हम किछु भेलौं तैयो तँ पाँचटा पोता-पोतीक दादी भेबे केलौं किने। दुनू परानी हिम्मतलाल सन बेटा-पुतोहु सेहो अछिए। आ अहाँ अखन नव-नौतार छी, भगवान एकेटा सन्तान देलैन अछि आरो दैथा।"

सुभद्राक पेटक बात राधारमण आँकि रहल छला। आँकि ई रहल छला जे जँ कोनो तरहक मलीनता हुनका मनमे रहितैन तँ दुनियासँ निराश भेल जकाँ दुनियाँकेँ या तँ गरियबैत बजितैथ वा दुनियाँकेँ छोड़ैत बजितैथ मुदा से तँ नहि छैन। हमरो परिवार नीक जकाँ बढ़ह से तँ मनमे छैन्हे।

जहिना छोटो-छीन पानिक प्रवाहकेँ कियो रस्ता बना प्रवाहित करैत धारा बनबैए तहिना राधारमण बजला-

"चाची, अपने किछु भेलिए तैयो एक जिनगी तँ टपले भेलिए, जिनगी चाहे जेहेन रहल हुअए मुदा जाबे ओइमे जीवनांशु नहि अछि ताबे ओ जीवित केना अछि। चाहे जीवनक जे पहलू जेहेन रहल हुअए मुदा भव पक्ष तँ ओहन अछिए जे भाव-भुवनमे अखनो ओहेन अछि जेहेन हेबा चाही।"

राधारमणक विचारकेँ कोन रूपेँ सुभद्रा बुझली से तँ ओ जानैथ मुदा मुहसँ निकललैन-

"बच्चा, अहूठाम (माने अपना ऐठाम) कि कोनो काज करै छी, भरि दिन बच्चा सबहक संगे हेराएल रही छी। टहलै-बुलैक अपनो मन होइए। काल्हि आएब।"

जहिना सुभद्रा दोसर दिनक समय बनौलेन तहिना बेरू पहर माने तीन बजेक पछाइत एकटा पोता, जे सात बर्खक अछि आ एकटा पोती जे नअ बर्खक अछि, दुनूक संगे पएरे-पएरे सुभद्रा राधारमणक डेरा लग पहुँच रस्तापर ठाढ़ भेली। मोबाइलियोक तँ जुग आबिये गेल अछि। जखने सुभद्रा घरसँ

निकलली, रूक्मिणी हिम्मतलालकेँ सूचित कऽ देलखिन। हिम्मतलाल राधारमणकेँ कहलकैन। राधारमण सुवासिनीकेँ सूचित कऽ देलखिन। जइसँ राधारमणक सरकारी निवासमे प्रवेश करैमे सुभद्राकेँ किछु ने बाधा भेलैन। ओना, राधारमणोक मनमे उठि गेलैन जे भाय दुनियाँ तँ दुनियाँ छी। कियो चाउरकेँ भाते टा बना खाइए कियो रोटियो बना नइ खाइए सेहो केना नइ कहल जाएत। भलँ लोक कहए जे गहुमक रोटिये टा होइ छै, मुदा लोक भात बना नइ खाइए सेहो केना नइ कहल जाए। तँए ऑफिसक काज निपटा सबेर-सकाल निकैल जाएब। थाना नइ ने छिए जे चौबीसो घन्टा चलत।

ऑफिसक काजकेँ राधारमण हाँइ-हाँइ निपटाबए लगला। तही बीच हिम्मतलाल आबि कहलकैन-

"सर, छुट्टीक समय सेहो लगिचाइये गेल अछि, तइ बीच कनी पहिने छोड़ि दइतौँ तँ अपन काजक भार दोसरकेँ सुमझा चलि जइतौँ।"

ओना, राधारमणक मनमे ईहो रहैन जे अपन कार्यालयक तँ अपने मालिक छी, माने बिना केकरो कहने जा सकै छी। मुदा हिम्मतलाल तँ से नहि अछि...। राधारमण बजला-

"हिम्मत! छुट्टीक समय तँ खटियाएले सन अछि। दुनू गोरे संगे चलब।"

राधारमणक बात सुनि हिम्मतलालक मन पूर्ण सन्तुष्ट भेल। पूर्ण सन्तुष्टक माने भेल जे राधारमण असगरे जेबाक छुट्टी दऽ दितथिन तँ ओ भेल सन्तुष्ट, मुदा जखन दुनू खियालसँ भेल, माने ऑफिसो आ डेरोक खियालसँ भेल तखन पूर्ण सन्तुष्ट भेल।

चारि बजैमे मात्र आधा घन्टा शेष छल कि हिम्मतलाल ऑफिसमे ताला लगा राधारमणक संग निकैल गेल।

दुनू गोरे माने राधारमण आ हिम्मतलालकेँ पहुँचैसँ पहिने सुवासिनी सुभद्राकेँ कोठरीमे बैसा जहिना गप-सप्य करए लगली तहिना हिम्मतलालक नअ बर्खक बेटी- सुतीक्ष्णाक संग सुचिता सेहो गप-सप्य करए लगल। सुचितो

अढ़ाड़ बर्खसँ टपि पौने तीन बर्ख करीबक भाइये गेल अछि। ओना, परिवारक प्रभाव सेहो उमरपर पड़िते अछि। उमरक माने सिर्फ दिने-महिनाटा सँ नहि होइए, परिवारक वातावरणानुकूल क्रियो रूपमे आ भावरूप-विचाररूपमे सेहो होइते अछि। जइसँ एक परिवारक पाँच बर्खक बच्चा दोसर परिवारक तीन बर्खक बच्चाक बरबरि भऽ जाइए आ दोसर परिवारक बच्चा सेहो ओहिना भऽ जाइए। ओना, परिवारमे बच्चा रूपमे सुचिता असगरे छल तँए दोसरक खगता खलिते छेलइ। सुतीक्ष्णाकेँ संग नेने लगमे आबि सुचिता सुवासिनीकेँ कहलक-

"मम्मी, बहिना लगा दे।"

सुचिताक मनमे एहेन विचार नहि जागल छेलै जे बहिना लोक अपनो लगा लइए, जेकर कोनो उमेरो-ठेकान निर्धारित नहियँ अछि। तही बीच राधारमण हिम्मतलालक संग डेरा पहुँचला।

जहिना राधारमण अपन ऑफिसक वस्त्र उतारि डेराक वस्त्र पहिरलैन तहिना हिम्मतलाल सेहो अपने परिवार जकाँ अपन उतारैबला वस्त्र उतारि बैसल।

चारू गोरेक बीच राधारमण विचारलैन जे अखन दू ओहन परिवारजन बैसल छी जे दू ध्रुवसँ संचालित होइए। माने ई जे हिम्मतलाल आदिवासी परिवारसँ अबैत। जे जंगली रूपसँ किसानि रूपमे नीक जकाँ पएर रोपनीं ने अछि, ओना, हिम्मतलालक पिता सेहो सरकारी काजसँ जुड़ि गेल छला, मुदा वेतन ओहने पबै छला जे पेट आ देहक वस्त्र पुरबैत-पुरबैत सठि जाइ छेलैन। तैठाम नीक घर बना, नीक भोजनक संग नीक जीवन जीब केना सकै छला। सुभद्राक बचपनक देह आन बच्चासँ भिन्न छल माने सुन्दरो आ कटगरो, मुदा बेवसाय तँ आने गरीब बच्चा जकाँ छेलै, गाछक सुखल लकड़ी तोड़ि अपनो परिवारक खर्च पुरबैत छल आ किछु बेचिकऽ परिवारक नोनो-तेल चलबैत रहए। जखन कि सुवासिनी, एक प्रोफेसरक बेटी रहि चुकल छैथ। कौलेज तकक शिक्षा सेहो पेब चुकल छैथ।

हिम्मतलाल चपरासीए किए ने छी, मुदा बी.ए. पास तँ अछिए। चारि गोरे जखन एकठाम बैसल छी तखन ओहने गप-सप्प ने समगम करत जइसँ चारू गोरे जुड़ल होइ। ऑफिसक चर्च करब तँ अनेरे महींसिक आगू वीण बजाएब हएत। हिम्मतलालक विचारकेँ अखन मोले कोन छै। पिताक मृत्युक अनुशंसापर सुभीतेमे सरकारी नोकरी पड़र लगलै, ओ केना बुझत जे नोकरी पाछू दौड़निहारकेँ विचारक पानि उतैर उमेरो पानिमे चलि जाइ छै। मुदा नोकरी मनमे झिलहोरि खेलिते रहि जाइए। असल जीवन, माने जइ जीवनसँ किछु सीख भेटैए ओ तँ हिम्मतलालक माएमे छैन, दोसर अखन सभसँ उमरदारो छथिए तँए नीक हएत जे हुनकेसँ जीवनक बात किए ने सभकियो सुनी। ओहुना एकटा बीतल जीवनक जीवन्त वृत्तान्त सेहो हेबे करत, जखन कि हमरा सबहक, माने बाँकी सभ कियोक जीवन अखन भविस दिस डेग उठेबे केलक अछि।

ओना, राधारमणक मनमे दोसरो बात घुरियाइत रहैन, मुदा ओहन परिस्थित नहि देखि पेब रहल छला। ओ परिस्थित तँ समाजक बीच होइए जे एक दिस जहिना समाजमे भूपति छैथ तँ दोसर भू-विहीन। तहिना एक दिस महाजन छैथ तँ दोसर दिस रिनिया सेहो छथिए। एक दिस विद्वतजन छैथ तँ दोसर दिस अमरुख सेहो छथिए। मुदा ऐठाम तँ समाज-परिवार गौण अछि। मात्र दू परिवारक छी। तहूमे दुनू परिवारक आमदनीक स्रोत सेहो एक्के जड़िसँ अछि, भलँ ओ कम-बेसी किए ने हुअए। ततबे नहि, जहिना अपने दिन उगैत ऑफिसकेँ सुमरि अपन दिनचर्यामे लगि जाइ छी तहिना ने हिम्मतलाल लगि जाइत हएत। जइ बेवस्थाक बीच समाजक बोली-वाणि अछि तइसँ तँ दुनू गोरेक परिवार फुटकझाड़ भइये गेल अछि। ओही फुटकझाड़मे ने दुनू गोरेक परिवार ठाढ़ भऽ रहल अछि...।

राधारमणक मन मानि गेलैन जे एक नव सीमाक शुरूआत केने बिना, माने भेल जे चाहे रूप जे हुआए, मुदा सभ कियो मने-मन अपन जीवनक सीमा तँ बनेबे करै छैथ, भलँ ओ जे हुआए, जेते हुआए, नइ हुआए कि हुआए, ई दीगर भेल...। राधारमण बजला-

"चाची, अखन समाजक बीच थोड़े छी जे दस रंगक बात-विचार हएत। अखन तँ मात्र दू परिवारक लोक बैसल छी, तँए नीक हएत जे अपने दुनू परिवारक गप-सप्य किए ने करी।"

राधारमणक बात सुनि सुभद्रा चातक जकाँ विभोर होइत बजली-

"बाउ राधा, कबीरोबाबा कहने छैथ जे 'कुलबामे कोइ-कोइ ज्ञानी..।' अहाँ सन सुपात्र पुरुखक जन्मसँ परिवारे नहि, समाजो वैतरणी पार होइए।"

जहियासँ परिवारक भार बेटा-पुतोहुपर सुभद्रा सौँपि देली तहियासँ अपन समय भक्ति-भजन दिस लगबए लगली, जइसँ गप-सप्य करैक ढंग बदलिये गेल छेलैन। सुभद्राक विचारक निरमलतासँ राधारमण विभोर भऽ गेला। जइसँ धड़हा विचार जकाँ विचार मनमे जगि गेलैन। बजला-

"चाची, जहियासँ अपन जिनगी मोन अछि तहियेसँ कनी कहियौ।"

राधारमणक बात सुनि सुभद्राक मन पसीज गेलैन। बजली-

"बाउ, बच्चेमे विवाह भेल।"

'बच्चेमे विवाह' सुनिते राधारमण बिच्चेमे बजला-

"केते बर्खक अवस्थामे?"

सुभद्रा-

"सात बर्खक अवस्थामे, जखन माएकेँ जारैन तोड़ि कऽ आनि दइ छेलिएन जइसँ भानस होइ छल।"

ओना, राधारमणक मन परिवारक उत्पादित पूँजी दिस बढ़ए लगलैन, मुदा तेकरा समेटि बजला-

"बच्चेमे, माता-पिता विवाह किए केलैन। ताबे तँ आनठाम माने सासुर रहै-

जोकर नहि भेल हएब?"

राधारमणक जिज्ञासाकेँ देखि सुभद्रा ओहिना विहल भऽ गेली जहिना कियो इतिहासक पन्नामे अपन नाम सटल देखि होइए। बजली-

"बाउ, हमरा माए-बाप सन-सन अधिकांश परिवार समाजमे छलो आ अछियो, जकरा दैवी डांगसँ बेसी मानवीय डांगक चोट पड़ैत रहइ, तैठाम जिनगीक कोनो ठेकान छल, मुदा बाल-बच्चाकेँ चेष्टगर बनेला पछातिये ने छोड़ब नीक हएत। बेटा-बेटीक विवाह-दान सेहो ओही चेष्टगर बनबैक सीमाक भीतर ने अबैए।"

शब्दक उनट-फेर आकि विचारक उनट-फेर भेलैन से तँ राधारमण बुझता मुदा एतबे बजला-

"चाची, कनी दोहरा कऽ कहियौ।"

सुभद्रा बजली-

"बाउ, बाल-बच्चाकेँ विवाह-दान करब माता-पिताक क्रियमान कर्म छी, एकरा निमाहब सभ माता-पिता अपन धर्म बुझै छैथ, जिनगीक अनिश्चितता देखि जल्दी-सँ-जल्दी ऐ काजसँ निवृत्ति अपनाकेँ करए चाहै छैथ तँए बाल-विवाह होइत आबि रहल अछि।"

सुभद्राक बात सुनि राधारमणक मन आरो आगू बढ़ि गेलैन, मुदा से अपना मुहँ नहि बाजि सुभद्राकेँ ऐतिहासिक पौरुष मानि, हुनके मुहसँ बजबैक खियालसँ बजला-

"आरो किछु मनमे, माने माता-पिताक मनमे छेलैन?"

ओना, सुभद्रा सेहो अपन जीवनक पाछुए उनैट देखि रहल छेली, मुदा नमहर बाटक दूरी रहने नीक जकाँ नहि देखा पड़ै छेलैन, मुदा राधारमणक बात सुनिते जेना धक-दे मोन पड़लैन तहिना धक-धकाइत बजली-

"बाउ, विचार तँ अनेको मनमे छेलैन, अनेको कि जे एतेक तँ मनमे छेलैन्हे जे अपन सखा-सन्तान अपनासँ सभ तरहँ नीक भऽ अपन जिनगी देखए, मुदा

से तँ मनक विचार मनेमे सपनौती बनि रहलैन।"

बजैत-बजैत सुभद्रा जेना जीवनक बोनमे भोतियाए लगली। मुदा लगले चेत गेली जे अपन जिनगीक बात ने बाजब, आनक तँ नीको अछि, अधलो अछि ओइपर तँ सामूहिक ढंगसँ विचार हएत। ऐठाम तँ मात्र दुइये परिवारक लोक छी, तँए परिवारक जे उपयोगी विचार अछि, तेतबे बाजब ने वाजिब हएत। विचारक धरातलपर सुभद्रा पहुँचते बजली-

"बाउ, विवाह सिर्फ स्त्री-पुरुषक जीवनेक बान्हटा नइ छी, सामाजिक बान्ह सेहो छी। ओ छी जे विवाहक पछाइत जँ कोनो पुरुष कोनो औरतकेँ कुदृष्टिसँ देखत वा कोनो औरत पर-पुरुषक संग दुरबेवहार करत तँ ओ दुनू समाजक बीच अन्यायी भेल।"

सुभद्राक बात सुनि राधारमणक मन बौलाए लगलैन। मुदा बौलापनकेँ शान्त करैत, विचारकेँ दोसर दिस मोड़ैत बजला-

"चाची, अपन जे अखन तकक जीवन छल माने अपन हाथ-पैरक बले जे जीबै छेलौं, तैठाम भक्ति-भजनक पाछू रमि गेलौं, आ जेना माता-पिताक संग बेटा-पुतोहुक बेवहार देखै छी, तखन भक्ति-भजन रहि पौत?"

जहिना अदम साहस कऽ कियो कोनो काजमे कुदैए तहिना असीम बिसवासक संग सुभद्रा बजली-

"बाउ, जहिना सभ बेटा-बेटी माइयो-बापक सन्तान छी तहिना माइयो-बाप सबहक माए-बाप छथिए। मुदा जिनगीक जे धार बहैए तइमे अनेको धार प्रवाहित भऽ रहल अछि। तँए सगर जकाँ अनेरे किए समुद्र उपछै पाछू लागब, तइसँ नीक ने अपन जीवनक समुद्रकेँ उपछब हएत।"

सुभद्राक विचार सुनि राधारमणक विचार जेना आरो स्वच्छ पानिसँ धुआ गेलैन। धुआइते बजला-

"चाची, दुनू परानी हिम्मतलालपर केते बिसवास करै छी?"

सुभद्रा बजली- "जहिना सोल्होअना अपन बुझि हम केलिए, तहिना ने ओहो

करत। तैबीच अन्देशा अछि जे परिवेशक अनुकूल करत कि नहि, मुदा ई निर्भर करैए जीवनक बेवहारिक पक्षपर। से दुनू परानी हिम्मतलालमे छइ। अन्देशा तँ हजारो अछि, मुदा ईहो तँ अछिए जे सभ माता-पिता बेटे-पुतोहुक आशापर जीबै छैथ सेहो बात नहियँ अछि, खेलाइते-धुपाइत मरणक अनुशरण सेहो करिते छैथ।"

राधारमण बजला-

"हिम्मत, बहुत समय भऽ गेल, अहिना आबा-जाही होइत रहत तँ जीवनक अनेको गुत्थी अपने-आप सुलझैत जाएत।"

अप्पन मनक बेथा व्यक्त करैत हिम्मतलाल बाजल-

"भाय साहैब, की कहब! केतादिन पत्नीक अनुचित काज देखि मन तामसे जरैत रहैए मुदा माइयक मुहसँ पत्नीक प्रशंसा सुनि अपन तामसकें मेटबए पड़ैए। मेटेबो केना ने करब, जे माए परिवारक श्रेष्ठ होइक नाते सभपर समान नजर रखितैथ से तँ अपने एकभंगू भऽ जाइ छैथ, तखन हमर बात के सुनत आ केकरा कहबै।"

हिम्मतलालक विचार सुनि राधारमणक मनमे भेलैन जे भरिसक हिम्मतलाल पुरुष-महिलाक विचारक समरूपतामे भँसिया रहल अछि तँए किए ने ओहन भासकें नीक सुर-तानमे व्यक्त कएल जाए। बिहुसि कऽ राधारमण बजला-

"हिम्मत, एहनो तँ सम्भव अछिए जे चाचीकें तोहर पत्नी अपने माए जकाँ सेवा करैत होनि, जइसँ तोहर विचारक काज पछुआ जाइत हुअ, जेकर तामस उठैत हुअ?"

एक तँ ओहुना हिम्मतलाल राधारमणकें अपन ओहन जेठ भाय बुझै छैन जे पिता सदृश होइ छैथ, मानिते छैन, तैपर बालि जकाँ (रामायणिक बालि जकाँ) अपन सिद्धान्तक संग अपन दिनचर्योक समिश्रण करैत बाजल होथि जइसँ निरुत्तर जकाँ सेहो भइये गेल छल, मुदा कचहरिया हवा तँ लगले छइ, तँए अपन तामसकें एलोपैथी दवाइ जकाँ दबैत, जिनगीक समझौता करैत

हिम्मतलाल बाजल-

"भाय साहैब, कोनो कि आइये भेल हेन आकि अदौसँ होइत आबि रहल अछि जे परिवारमे कनी-मनी झिक्कम-झीक होइते अछि। ओ तँ महिनाक इजोरिया-अन्हरिया पखक दुआरे होइए, मुदा फेर सभ एक्केठाम बैस खेबो-पीबो करै छला आ हवो-गब तँ करिते आबि रहल छैथ। परिवार छी, कुम्हारक आबा जकाँ माटिक दसटा बर्तन एकठाम अछि, कनी-मनी ढनमनेबे करत। मुदा एकोटा फुटए नहि से अन्तो-अन्त धरि कुम्हार करिते अछि।"

हिम्मतलालक बात सुनि राधारमण भरमे-सरम चुपे हएब नीक बुझलैन। विचारकेँ आगू बढ़बैत राधारमण बजला-

"हिम्मत, परिवारक बीच लोक तेना सटल रहैए, माने काजसँ सटल रहैए, जे क्षण-पलक महात्म्यकेँ तँ जनैए मुदा क्षण-पलक उपयोगीक तँ अपन महात्म्य छइहे। ..हिम्मत, अहिना सभ कियो एकठाम बैस गप-सप्य करैत परिवारकेँ आगू मुहँ बढ़बैत चलब। अखन समयो बेसी भऽ गेल, जइसँ परिवारक काजो सभ एकाएकी बढ़बे करत।"

सुभद्राक विचार राधारमणक मनकेँ तेना लीड़ी-बीड़ी कऽ देलकैन जे अपने आपमे बेसम्हार हुअ लगला। मोन पड़लैन अपन सासु आ सासुरक परिवार। ओइ परिवारकेँ ठाढ़ करैमे अपनो योगदान अछि। सुवासिनी तँ सहजे ओही परिवारक छैथ, तँए किए ने दुनू परानी ओकरो समीक्षा कइये ली। हिम्मतलालक परिवारकेँ अड़ियाइत सुवासिनी घुमली कि राधारमण टोकैत बजला-

"कने सुनू। पहिने मस्तगर चाह पिआउ, पछाइत अपन परिवारक सेहो विचार करब अछि। ऐठाम तँ दुइये गोरे छी, तँए अपने दुनू गोरे ने एकठाम बैस परिवारक आगू-पाछूक विचार करब।"

जहिना राजाक मंत्री सदिकाल राजाकेँ अपना अनुकूल रखए चाहै छैथ तहिना सुवासिनी बजली- "अपनो मनमे उठैत रहै छल जे जखन नैहरे बिसैर गेलौं

तखन परिवारजन केतए छैथ से कनी ठिकिया ली।"

चाह बनबए सुवासिनी भनसाघर गेली कि बिच्चेमे सुचिता राधारमण लग पहुँचल। सुचिताकेँ देखि राधारमण मने-मन विचार करए लगला जे अखन जड़ रूपेँ बेटीक सेवो कऽ रहल छी आ मनमे अराधना सेहो करै छी जे अपनासँ बीस परिवारो आ बीस गुणो-धर्म होइ, मुदा की हएत से केना कहल जाए? तहूमे समाजक जे परिवेश बनि गेल अछि तइमे तँ बेटी जाति पाइबला-हाथक खेलौना बनि गेल अछि। जेकरा छै, ओ नाङ्गरो-लुल्हकेँ अकास चढ़ा दइए आ जेकरा नइ छै ओ साक्षात् सरस्वतियोकेँ रावणक खवासिनी सेहो बनाइये रहल अछि...। तही बीच सुवासिनी चाह नेने पहुँचली।

सुवासिनीक हाथमे चाहक कप देखि राधारमणक मन, जहिना लंकासँ कुदि हनुमान सातो समुद्र टपि गेला तहिना भुवनेश्वरक नोकरीसँ अपन विद्यार्थी जीवनमे पहुँच गेलैन। मोन पड़लैन गोविन्द बाबूक विचारोत्तेजक भाषण, जे पढ़बैक क्रमक छल। सिनेमाक रील जकाँ राधारमणक मनमे जिनगीक रील क्रमानुसार चलए लगलैन। जइसँ चाह केना सठि गेलैन से बुझबे ने केलाह। तैबीच सुवासिनियो चाह पीब सुचिताकेँ आगूमे बैसबैत अपनो गप-सप्य करैक मन बनौलैन। ओना, राधारमणक मनमे अपन पैछला जिनगीक सभ खेल दौड़-धुप कइये रहल छेलैन। जिनगीक उत्कृष्ट काज जहिना जिनगीक उत्कृष्ट खेल कहल जाइए तहिना आवश्यकसँ आवश्यक काजकेँ सेहो लोक खेलौना बना फेकबे करैए। अपना मनमे मस्त राधारमणकेँ देखि सुवासिनी बजली- "एक तँ गनल-गुथल दू परानी छी, बच्चाक कोन हिसाब, तहूमे जँ अपने-अपने मने मगन रहब तखन एक-दोसरक बीचक विचार विचरण केना करत?"

सुवासिनीक बात सुनि राधारमण अनचोकमे सुनल बात जकाँ चौकैत बजला- "मन कनी नीना जकाँ गेल छल। ओना, चाहो पीबे केलौं मुदा नीक जकाँ भक्क नहि खुजल। आब नीक भऽ गेलौं।"

सुवासिनी-

"की गप-सप्प करैक बात कहने छेलौं?"

सुवासिनीक मुहसँ 'की गप-सप्प करैक बात' सुनि राधारमणक मन सुवासिनीक ओइ घड़ीक सुई देखए लगलैन जइ घड़ीमे सुवासिनी पितृविहीन भेल छेली। की मन भरि कानि कऽ ओइ खाधिकेँ सुवासिनी भरि सकै छेली? ऐठाम आबि राधारमणक विचार ठमकलैन। विचारमे मोड़ आनैत राधारमण बजला-

"कनी मातारामकेँ फोन लगा कुशल-छेम पुछियौन तँ। तइमे हमर नाम नहि कहबैन। जँ पुछैथ तँ कहबैन जे ओ अखन दोसर काजमे लगल छैथ। जँ ई कहबैन जे ओ नइ छैथ आ तइ बीचमे जँ उकासी-तुकासी हएत तँ ओ पुछबे करती।"

राधारमणक बात सुवासिनी बुझि गेली। सएह करैक विचारसँ फोन लगा माएकेँ पुछली-

"माए, हम सुवासिनी बजै छी।"

माए-

"बुच्ची सुवासिनी?"

सुवासिनी-

"माए, कनै सन मने किए बजै छै?"

माए-

"की कहबौ बुच्ची! दैवक डाँग तेहेन लागल जे विधवा भेलौं। घर भरि रहनिहारिसँ बाहर धरि वौएनिहारि, मुदा समाजो आ बेटोक जे छिछा-बिछा देखै छी, तइसँ बुझि पड़ैए जे जाबे जीब, ताबे अहिना पहाड़तर पड़ल दबाइते रहब।"

ओना, सुवासिनीसँ कम पढ़ल-लिखल माए छथिन, मुदा जिनगीक दौड़मे एतेक समझ तँ बनियेँ गेलैन जे जिनगीक तीत-मीठ बुझए लगली। जे

290 | | <http://www.videha.co.in/> ISSN 2229-547X VIDEHA

सुवासिनीमे अखन नहि आएल छैन। मुदा राधारमण सासुक सभ बेथा-कथा
नीक जकाँ बुझि रहल छला तँए बजैसँ परहेज सेहो केनहि छला।

(जारी---

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

२.१०.जगदीश प्रसाद मण्डल-चोरनी पिल्ली (लघुकथा)



जगदीश प्रसाद मण्डल

चोरनी पिल्ली

बन्धु, अहाँ पूछब जे एतेटा दुनियाँमे, जइमे आकाश बिनु नापक अछि आ धरतीक नाप भऽ गेल अछि, तैठाम अहाँकेँ कथाक नाओं दोसर नहि भेटल जे 'चोरनी पिल्ली' कथा लिखै छी? की कहब, दुनियाँमे केते समुद्र अछि आ केते सागरमहासागर-, भलँ महासमुद्र नइ हुअए जे अहाँ जनै छी आ अपनो तँ जनिते छी। तहिना देश केते अछि आ देशक जनसंख्या केते अछि, सेहो सभ जनिते छी, मुदा बोनक गाछ जकाँ नहि अछि सेहो केना नहि कहल जाएत। जइ गाछक गिनती, फलफूलक रूपमे अछि-, माने जे पहचानमे आबि गेल अछि, तेकरा गनब ने असान भऽ गेल, मुदा जे अनठिया अछि, जेकर पहचान नइ भेल छै, तेकर गिनती केना हएत? एकर माने ई नइ बुझब जे धरतीपर सात अरबक लगभग मनुक्ख अछि से तँ अछि पहचानल, मुदा जेकर गिनती नइ भेल अछि वा जेकर पहचान नइ बनल छै, से केतेक अछि, से केना बुझब? खाएर जे अछि से अछि, सभ अप्पन भागतकदीर लऽ कऽ जन्म नेने अछि - तकदीरे जीवन बिताएत।-अपना भागे ओना, अपनो केते दिनसँ निआरै छेलौं जे एकटा कथा लिखब। मुदा कथाक

शीर्षक की राखब तइमे तीन मास समय बित गेल। ने कथाक शीर्षक भेल आ ने कथामे हाथ लगेलौं। संयोग बनल जे भिनसुरुका चाह पीब भरि दिनक समय तँ बिता लेलौं मुदा सन्धिकाल क चाह ले जे दूध रखने रही ओ पिल्ली आबि कऽ पीब लेलक। साँझमे जखन चाहक तृष्णा जागल आ चाह बनबैक विचार भेल आ कपसँ लऽ कऽ केतली तक धोइ कऽ आनि चुल्हि लग राखि, चाह बनबए बैसलौं आ दूधपर नजैर देलिये आकि देखलिये जे दूध अछिये नहि। दूध भेल की, हियासए लगलौं। घरसुहबी बिलाइ तँ एकोटा अछि नहि जे पीने हएत, तखन तँ भेल जे बिनु पोसल पिल्ली जहाँतहाँ वौआइए-, वएह पीने हएत। तत् मत करैत मन मानि गेल जे-पिल्लीए दूध पीलक अछि। मुदा केकरो दोख लगबैसँ पहिने ओकर इतिहासो ने देखब, माने पैछला चरित्र।

कुत्ता तँ मनुक्खक ओहन संगी छी जे अदौसँ संगेसंग आबि रहल अछि-, तैठाम एते नमहर इतिहासमे केना ओकरा आक्षेप करब जे वएह चोरा कऽ दूध पीब लेलक अछि। चोरियोक तँ अनेको किस्म अछि। एहेन तँ जगहजगहक - वृत्ति छी। जे जगह जेहेन अछि तैठाम चोरिक रूप सेहो ने तेहने रहत। मानि लिअ, केकरो गाछक आमे कि लतामे चोरा कऽ तोड़ब, तइले सिनमारा आकि सीनकट्टा औजारक खगता किए हएत। सीनकट्टा आकि सिनमारा औजारक खगता तँ ओइठाम होइए जैठाम घरक दवालकें काटि लोकपैसा बनौल जाइए, जइ दऽ कऽ पैसि लोक, लोक नइ रहि, चोरा लोक भऽ जाइए। ओना, लोक लोको छी आ चोरो तँ छीहे।

देखिते छी जे मुँहदुब्बर नीकनीक विद्यार्थीकें माने बच्चाकें अन्तिम परीक्षाक - काँपीक पन्ना निकालि मुँहगरहाक काँपीमे जोड़ि ओकर केलहा अंक अपना मे घोंसिया कऽ सभ केलहा पार कइयो दइए। एकर माने ई नइ बुझब जे हम अनकर कएल सम्पतिक लूटक बात कहै छी। लोको तँ लोके छी, कियो लोकबो करैए आ कियो फेंकबो तँ करिते अछि, कियो अप्पन अर्जलकें अंजलि दए कऽ, माने जानियो कऽ आ अनजानमे सेहो, नइ फेंकैए सेहो बात नहिये

अछि, सेहो तँ अछिए। खाएर जे अछि, अप्पन जे सन्धिकालक चाहक दूध जे अनेरूआ कुत्ता पीलक तइ सम्बन्धमे कहै छी।

कुत्ता ओहन पालतूओ आ बिनु पालतूओ माने अनेरूआ, चौकचौराहा परक - कुत्ता, छीहे जे ने गाएमहींस जकाँ पोश मानल जाइए आ ने गरदैनकेँ डोरीसँ - महींससँ-बान्हि पोशा सेहो बनौल जाइए। तइ हिसाब सँ तँ कुत्ता गाएनीक अछिए जे गरदैनमे बिनु डोरी लगौनहि एते तँ स्वीकारिते अछि किने जे जेकर नूनतीमन खाइ छिए तेकर सेरियत जरूर दइ छिए। तँए अप्पन सीमाकेँ - आँकि पहरूदार रक्षक सेहो छीहे। ओना, कहब जे गाएमहींस अमृत पैदा - करैए से ने नीक भेल। से भेबे कएल, अहूँ बुझै छी आ अपनो बुझै छी जे कुत्ताक काटबहम पनचैती करी वा नइ करी। -चाटब दुनू अधला छी। अहाँ-दुनियाँक अतिरिक्तो ने भूमि अछि, जेकरा भाव भूमि कहै छिए। ओकरो तँ अप्पन दशादारूमे नशा बुझै छिए मुदा ओ-दिशा छइहे। अहाँ ताड़ी-, माने भावभूमि, जँ कहै जे नशा ताड़ीदारूमे नहि-, अहाँक विचारमे अछि। तखन अहींकेँ की तामस नइ उठत? अहाँक विचारे ने नीकअधलाक विचार करैए। - जँ घातक अछि तँए घात होइए, तँए कि ओहन वस्तु दुनियाँमे नइ अछि, बहुतो अछि, जे प्राणाघात करैए। दोसर बात ईहो जे जेकरा अहाँ अधला बुझि रहलिये हेन तेकरा नीको बुझनिहार तँ अछिए, तँए नीक बुझि नीकक सेवन करैए। खाएर तइ सभसँ अपना कोन मतलब अछि, मतलब अछि अप्पन सौँझुका चाहक दूधसँ, जे कुत्ता पीलक। ओना, अखनो तक धुकधुकी अछिए जे जखन अपना आँखिये ने कुत्ते आकि बिलाइयेकेँ दूध पीबैत देखलौं, तखन तँ जानिकऽ दोख लगाएब भेल। मुदा लगले मन ईहो कहए जे बिलाइक बदनामी तँ नइ सुनै छी जे केकरो घरमे तरलाहा माछ कि दूधे आकि मिठाइये चोरा कऽ खा गेल। से बदनामी तँ कुत्तेक होइ छइ। अपने आँखिये भलँ नइ देखलौं, मुदा लोकक मुहँ तँ सुनिते छी, 'चोरबा कुत्ता' आकि 'चोरनी पिल्ली'। नामोक तँ अप्पन गुन धर्मक संग धाम सेहो छइहे। जँ से नइ छै तँ-'राम' केना

'आत्माराम' छैथ आ 'आत्माराम' केना राम बनि जाइ छैथ।

एक दिस चाह पीबैले मन चटपटाइ छल, दोसर दिस विचारक तेहेन घेरा घेरि लेलक जे चाह बनाएबे बिसैर गेलौं। कोन बड़का घटना भेल, चाहक दूध जँ पिल्ली कि पिल्ला पीबिये गेल तँ पीब गेल। केतलीक पानिमे दूध नइ रहने ग्रीने चाह बना कऽ पीब लेब, तइले एते मत्थापच्चीमे समय लगाएब-, केतौसँ नीक नहियँ भेल। ओना, चाहक विचार, माने चाह पीबैक विचार, मनमे उठल मुदा लगले विचारक दाबमे तर पड़ि गेल। एकाएक मनमे उठल जे मनुक्ख आ कुत्ताक सम्बन्ध आइये नहि, अदौसँ आबि रहल अछि। जँ से नइ आबि रहल अछि तँ कुकुड़चालिक मनुक्ख केना बनि गेल अछि। कहब जे कुत्ताक अनुकरण करैक खगता मनुक्खकें किए भेल, कुत्तासँ तँ मनुक्ख सभ तरहँ बुद्धिमानो अछि आ विचारवानो आ कर्मवाणो तँ अछिए।

ऐठाम ई नइ बुझब जे अकबर दरबारमे जे बीरवल छला तइ सम्बन्धमे कहल जाइए, ऐठाम कहबक माने वस्तुगत अछि भावगत नहि। सब जनै छी जे कोनो वस्तु वा वस्तुक रूप जखन धारण करैए तखन शब्दक जन्म होइए। अपना ऐठाम कुकुड़चालिक रूपमे सेहो एक तरहक गतिविधि अदौसँ अछिए-, तँए कुकुड़चालि शब्दक सृजन भेल। पहाड़ी इलाकाक बच्चा बीरवल, माए पहाड़पर सुखल जारन तोड़ि गुजर करै छेलैन, जे बीरवल सन सन्तान दुनियार्कें देलैन।

असमंजसमे पड़ल अपने दरबज्जाक चुल्हि लग बैसल रही। ऐठाम ई नइ बुझब जे दरबज्जाक चुल्हिक माने मरदनमा चुल्हि भेल आ आँगनक चुल्हि मौगियाही भेल। अपना मने भलँ अपने बुझि कऽ मानि लिअ, ई अहाँक विचार छी, अहाँ ईहो कहि सकै छी जे अँगनाक चुल्हिमे चोरनुकबा विन्यास सेहो बनैए, मुदा दरबज्जाक चुल्हि तँ से नइ बनबैए। दसदुआरी दरबज्जा होइए। कोनो नीक भोज्य विन्यास चौधारा घरसँ घेरल अँगनाक चुल्हि लग असगरे बैस मनमाफित बना खाएब से, आ दस गोरेक बीच बनाकऽ खाएब तइमे

अन्तर भइये जाइए। से होइए भावलोकमे, मर्त्यलोकमे एक विन्यास गुप्त रूप मे बना कऽ खेलापर, जे नइ देखलक, तेकरा तँ बजैक आधार बनियँ जाइए। खाएर जे होइए, हरि अनन्त हरि कथा अनन्ता अछि।

तही बीच कुसुमलाल पहुँच गेल। अबिते ओ धकमकाएल, तँए किछु ने बाजल। ओना, कुसुमलाल जखन भेटैए तखन असपतालक स्टाफ जकाँ 'गोड़ लगै छी' से कहिते अछि, मुदा से अखन ओकरा मुहसँ नहि निकलल। नइ निकलबो उचिते अछि। बन्धु, अहीं कहू जे जिनका सुतिउठि भोरे-, माने विचारक रूपमे मातापिताकेँ प्रणाम करै छिएन-, जँ ओ सवारीक चरिचकिया गाड़ीक चक्का तरमे पड़ि जाथि, तखन जँ ओ सामने पड़ता वा पड़ती, तँ पहिने हुनका चक्का तरसँ निकालब आकि पएर छुबि प्रणाम करब? एहने असमंजसमे कुसुमलाल पड़ि गेल। प्रणामक आसीरवाद तँ मनक अनुकूल भेटैए, जरल मनक असीरवादो तँ जराइन महकबे करत। कुसुमलालक मनमे भेल जे भरिसक मुनेसर भायकेँ चाह बनबैसँ पहिने चाहक वस्तु चाहपत्ती-दूध इत्यादि-चिन्नी पर धियान नइ रहलैन आ जखन चुल्हि लग बनबए बैसला अछि तखन आगूमे नइ देखि गुम्म छैथ। तँए कुसुमलाल प्रणाम करब छोड़ि पुछलक-

"भाय, जँ चाहचिन्नी नइ हुअए तँ कहू-, अखन ठाढ़े छी दौड़ कऽ दोकानसँ लगले नेने अबै छी।"

अप्पनअप्पन मनक राजा कहियौ आकि मालिक-, सभ छीहे। तँए कुसुमलाल अपना विचारे बाजल। कुसुमलालक बात सुनि मनमे भेल जे बिनु देखल-बुझल लोक अहिना बजैए तइले मनकेँ माहूर बनाएब केतौसँ उचित नइ हएत। -अपन सोगाएले मनक विचार व्यक्त करैत बजलौं

"कुसुमलाल, चाहचिन्नी सब अछि। मुदा दूध किछु पीब लेलक। जँ हेराएल -सेहो रहैत तँ गिलासो ओंघराएल रहैत आ दूधक सिरखार रहैत।"

केतबो घरसुहबी बिलाइ किए ने अछि मुदा ओकरा तँ चोर वा चोरनी नइ कहि

सकै छिए। मुदा कुत्ताकेँ तँ से बात नहि अछि। तहूमे पिल्ला तँ अप्पन चालि-मनी रखनौं अछि मुदा पिल्लीकेँ सभ-मर्यादा कनी-ढालिसँ अपन मान' चोरनी पिल्ली' कहिते छै।

दार्शनिक जकाँ कुसुमलाल बाजल-

"भाय, अहाँकेँ कि नइ बुझल अछि जे 'दानेदाने पर लिखा है खाने वालों - का नाम'। जेकरा कपारमे दूध लिखल छेलै से पीलक तइले अनेरे किए मन मन्हुएने छी। हमहूँ आबिये गेलौं, सोझामे दुनू भाँइ साती दू गिलास पानि केतलीमे नापिकऽ दियौ आ कनी असामी चायपत्ती सेहो दऽ दियौ, अंगरेजिया चाह बनि जाएत।"

कुसुमलाल मुँहक 'अंगरेजिया चाह' सुनि जिज्ञासा भेल जे अंगरेजिया चाहक माने की भेल? शंका ऐ दुआरे भेल जे जइ इंग्लैंड वेल्स), स्काटलैंड इंग्लैंड मिला ग्रेट ब्रिटेनमे चाहक उपज नइ अछि (, तइ देशक लोक सभसँ बेसी चाह पीबैए, से अनै केतएसँ अछि। बजलौं-

"की अंगरेजिया चाह कहलहक, कुसुमलाल?"

ठोराहि मौगी जकाँ, जेकरा ठोरेपर बरी पकैए तहिना कुसुमलाल बाजल-

"भाय, अंगरेज सब जखन चाह बगानपर हमला कऽ छीनलक, तखन अपना ऐठाम जे लऽ गेल से तँ लइये गेल, जे अपना ऐठामक माने अपना देशक लोक जे चाह नइ पीबै छला, तिनको सभकेँ लोभालोभ-ा चाहक आदैत लगा अपन बाजार बढ़ा लेलक।"

कुसुमलालक चाहक तात्त्विक विश्लेषण सुनि अपनो मन सकपका गेल जे - कुसुमलाल इतिहासक बात बाजि रहल अछि, तँए ओकरा दोसर दिशामे मोड़ब, माने प्रश्नक माध्यमसँ विचारक रास्ता मोड़ल जाइए, उचित नहि, तँए सह दैत बजलौं-

"आब की करी, कुसुम?"

कुसुमलालकेँ अपना विचारपर जेना भरोस जगलै तहिना बाजल-

"भाय, असाम जे गेल रही से मोन अछि कि नहि।"

अपने गाछबिरीछसँ बेसी सिनेह अछि-, तँए असामक बँसबोनी आ नारियल-सुपारीक बोन देखै पाछू रहि गेलौं, चाहक बोनपर धियाने ने गेल। तँए अपन कमजोरीकेँ नुकबैत बजलौंकुसुम" -, एक तँ उमेरो भेल आ दोसर परिवारमे तेहेन खंजखौहरि सभ अछि जे ओकरे सम्हारै पाछू अपन सोल्होअना शक्ति - खतम भऽ जाइए। यात्री बाबाकेँ जहिना मिथिलाक बिआहे पद्धति आधा शक्ति खींच लेलकैन, मुदा फड़िछोट कएल नहियँ भेलैन, तहिना अपने भऽ गेल छी।"

कुसुमलाल बाजल-

"अपना ऐठामक लोक बड़ मेठनिया छैथ से मानै छी की नहि। देखिते छी जे असामक पनखौक सभ बोनझाड़मे पानक पत्ता तोड़ि लइ छैथ आ गाछसँ - खसल सुपारीक खोंइचा सोहि पान सेने खा कऽ पानक रस लइ छैथ की "नहि।

कुसुमलालक विचार सुनि मन मधुआ गेल। बजलौं-

"कुसुम, अपना ऐठामक की मेठनिया कहलहक?"

हँसैत कुसुमलाल बाजल-

"भाय, अहाँ चौल करै छी। कहबी छै जे 'साँइयक नाम सब जानै मुदा हइ-हइ करै', तहिना करै छी। होउ अपना यज्ञक निमरजना करू। चाह आ चाहेक यज्ञमे अप्पन समय लगा देब से उचित नहि, एकटा विचार करए आएल छी।" जिज्ञासा भेल जे चाह बनबैकेँ कुसुमलाल यज्ञ कहलक। बजलौं-

"की यज्ञ, कुसुम?"

कुसुमलालक मन जेना विचारसँ भरल होइ, तहिना बाजल-

"भाय साहैब, अहाँ तँ अपने जनै छिए, अनेरे हमरा बानर किए बनबै छी। हनुमान जकाँ अपन शक्ति अहाँ बिसैर गेल छी तँए अंगद जकाँ मोन पाड़ि देलौं हेन।"

अपना मनमे तृप्ति नइ भेल, बजलौं-

"की यज्ञ कहलहक, कुसुम?"

जहिना नहेला पछाइत भीजल अंगक वस्त्रकेँ धोइ ओइमे समाएल पानिकेँ निचोड़ि सुखाएल जाइए तहिना कुसुमलाल विचारकेँ निचोड़िकऽ बाजल - भाय साहैब", पिल्लापिल्लीक भाँज छोड़ू। चाह बनबए बैसल छी पहिने - चाह बना दुनू भाँइ एकठाम बैस पीब लिअ। जखने चाह पीब लेब तखने चोरनी पिल्ली मनसँ हेरा जाएत आ आबि जाएत जे दुनियाँमे जेते रंगक यज्ञ अछि ओइमे 'ज्ञान यज्ञ' सभसँ श्रेष्ठ अछि।"

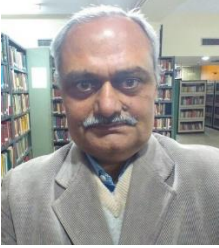
कुसुमलालक विचार सुनि मनमे हरित क्रान्ति जकाँ जागि गेल। बजलौं- "ज्ञान योग तँ अनन्त अछि।"

कुसुमलाल बाजल-

"भाय साहैब, अनेरे कोन झमेलमे पड़ै छी, तत्त्वयोगकेँ ज-ानि लेब तहीसँ सब निपैट जाएत।"

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

२.११.रबीन्द्र नारायण मिश्र-बदलि रहल अछि सभकिछु (उपन्यास)-
धारावाहिक



रबीन्द्र नारायण मिश्र

बदलि रहल अछि सभकिछु (उपन्यास)- धारावाहिक

खण्ड ११-१५

बदलि रहल अछि सभकिछु

11

भोरुकबा उगि गेल छल । ओसारापर बैसले-बैसल हमसभ औँघा रहल छलहुँ । बाहर सड़कपर प्रातःभ्रमण करएबला लोकसभक आवागमन प्रारंभ भए गेल छल । नेताजीक निन्न सेहो प्रायः पूरा भए रहल छलनि। ओ करोट बदललथि। कनीमनी आँखि खोललथि । आँखि खोलितहि हमरासभकेँ ओसारापर पड़ल देखलथि । ओ चोट्टे ओछाओनपर सँ उठि जाइत छथि। ओसारापर अबैत छथि आ चिचिआ उठैत छथि-

"संदीप! संदीप!

कोनो जबाब नहि अबैत छैक । फेर ओ हमरासभक लगीच अबैत छथि।

हमसभ किछु बूझि नहि पाबि रहल छी। हमरासभकेँ एना अपन घरक ओसारापर पड़ल देखि ओ चकित छलाह। कनी काल तँ ओ चुप्पे रहि गेलाह । किछु सोचलाह । फेर हमर पैरकेँ जोरसँ हिला देलाह । हम हड़बड़ा कए उठैत छी ।

"तूँ एना, एहिठाम?"

हम किछु बाजि नहि पाबि रहल छी । आबाज सुनि शक्तिनाथो उठि जाइत अछि । हमसभ किछु बजितहुँ, किछु करितहुँ ताहिसँ पहिनहि नेताजी जोरसँ चिकरलाह-

"चोर! चोर!"

एकाएक नेताजीकेँ सामनेमे देखि घबड़ाहटिमे शक्तिनाथ मकानक सीढ़ीपर खसि पड़ल । हम ओकर पाछू-पाछू छलहुँ । हमरो संतुलन बिगड़ि गेल । हमहु ओतहि धराम दए खसलहुँ । दुनूगोटे उलटैत-पलटैत सीढ़ीपर खसैत-पड़ैत नीचाँ पहुँचलहुँ । उपरेसँ नेताजी इसारा कए देने रहथि। सीढ़ी लग हुनकर आदमीसभ हमरासभकेँ पकड़ि लेलक । साँसे देहमे कतेको ठाम चोट लागल छल । हाथ-पैर ठेहुनसँ खून बहि रहल छल । शक्तिनाथोक कमोबेस सएह हाल रहैक । नेताजीक मुस्टंडसभ ओहनो हालतमे हमरासभकेँ थपरिअबैत लगीचेमे बनल नौकरक आवासमे लेने चलि गेल। हमसभ चोटसँ छटपटा रहल छलहुँ । मुदा तकर ओकरासभकेँ कोनो परबाह नहि रहैक । पनरह मिनटक बाद नेताजी स्वयं ओहिठाम अएलाह। हमरासभकेँ देखिते चिकरए लगलाह- "तोरसभकेँ की भेलह जे नेताजीकेँ चकमा दए देबैक । साफ-साफ बाजह जे तोरासभकेँ एहिठाम के आ किएक पठओलक? जँ झूठ बजबह तँ परिणाम भोगबाक हेतु तैयार रहह ।"

नेताजी एतेक बाजले छलाह कि मुस्टंडसभ लाठी भाँजए लागल । लगैत छल जेना आब लाठी चलत तँ ताब । हम दुनूगोटे चुप रही । की बजितहुँ?

"बजैत किएक नहि छह?"

हमसभ तैओ चुप..

एतबहिमे नेताजीक फोनक घंटी बाजि उठल ।

"अहाँकेँ राज्यप्रमुख निवासपर बजाहटि अछि।"

"बात की छैक?"

"से की जाने गेलिएक?"

"किछु तँ अंदाज होएत?"

"किछु नहि कहि सकैत छी । राज्यप्रमुखजी से सभ किछु नहि कहलनि अछि । सोझे कहलाह जे देबन बाबूकेँ बजाबह ।"

ओहिकात राज्यप्रमुखजीक आप्तसचिव फोनपर रहथि ।

नेताजी नव राज्यप्रमुखजीक ओहिठाम पहुँचैत छथि । फटकिएसँ खुफिआसभ हुनका पछोड़ केने चलि रहल छल । आगू-पाछू पुलिसक लोक तँ छलहे । राज्यप्रमुखजीक आवासपर पहुँचतहि हुनकर स्वागतमे राज्यप्रमुखजी स्वयं आगू अबैत छथि । दुनूगोटे अंदर जाइत छथि । बाहर हँसी-ठठ्ठाक अबाज सुनाइ पड़ैत रहैत अछि । कहि नहि ओ सभ घंठा भरि की-की करैत रहि गेलाह? मुदा जखन ओ बाहर निकललाह तँ हुनकर प्रसन्नता देखएबला छल। सरकारी कारसँ हुनका वापस अपन घर पहुँचा देल गेलनि । नेताजी आइ कतेक दिनक बाद आश्वस्त लागि रहल छलाह । संभवतः हुनकालोकनिकेँ आपसमे किछु सौदा पटि गेल छलनि । घर पहुँचि भरि छाँक दारू पीलाह आ चैनसँ सुति रहलाह ।

नेताजीक गेलाक बाद हम आ शक्तिनाथ मुस्टंडसभक कब्जामे छलहुँ । चोट लगलासँ हमरा दुनूगोटेक हालत गड़बड़ा रहल छल । हमसभ बेर-बेर ई बात ओकरासभकेँ कहिएक । मुदा ओकरासभकेँ कोनो असरिए नहि होइक । जहन हमसभ बहुत परेसान भए गेलहुँ तँ ओ सभ नेताजीकेँ फोन केलक ।

"एकरसभक हालत ठीक नहि छैक । जहाँ-तहाँसँ खून निकलि रहल छैक । ओ सभ दर्दसँ परेसान अछि ।

"तँ की करबाक छैक?"

"एकरासभकेँ अस्पताल लए जाएब बहुत जरूरी अछि ।"

"तँ लए किएक नहि जाइत छीही?"

"भेल जे अहाँसँ पूछि ली ।"

"हद्द भए गेल । हम अखन जरूरी काजमे लागल छी । जे जेना जरूरी होइ से करह ।"

तकर बाद ओ सभ हमरा दुनूगोटेकेँ कारमे बैसाकए अस्पताल पहुँचल । अस्पतालक गेटेपर पुलिस ठाढ़ छल । कारसँ उतरलाक बाद आपातकालीन विभागमे पहुँचबासँ पहिनहि पुलिस हमरासभक पछोड़ करए लागल ।

अस्पतालमे मामूली उपचारक बाद साँझ धरि हमरा दुनूगोटेकेँ छुट्टी दए देल गेल । मुदा पुलिस पछोड़ केनहि रहल । चोट कोना लागल,की भेल ,अहाँसभ नेताजी ओहिठाम की कए रहल छलहुँ? तरह-तरहक प्रश्नसँ जान बँचाएब मोसकिल भए गेल। शक्तिनाथ बहुत कहलकैक,खुसामद केलकैक मुदा पुलिस किछु सुनबाक हेतु तैयार नहि भेलैक । शक्तिनाथ बूझि गेलैक जे बिना लेने-देने ई सभ जान नहि छोड़त । जेबीमे हाथ देलक आ जतेक टाका रहैक से पुलिसकेँ जेबीमे चुपचाप राखि देलक । कातमे जा कए ओ सभ टाका गनलक। तुरंते ओकरसभक आव-भाव बदलि गेलैक । पुलिसक कस हल्लुक भए गेलैक ।

"ठीक छैक । अहाँसभ अपन डेरा चलि जाउ । जरूरी हेतैक तँ हम स्वयं संपर्क कए लेब ।"

हमरासभक जानमे-जान आएल । रिक्सा पकड़ि अस्पतालसँ बिदा भेलहुँ ।

संयोगसँ ओ अपने नहि छलाह । हुनकर परिवारक लोक सेहो नहि रहए । हुनकर भागिन रहथिन । हमसभ अपन परिचय देलिअनि । ओ अपन मामसँ फोनपर गप्प केलाह । हमरासभकेँ ग्रामीणसँ फोनेपर गप्प भेल । तकरबाद निचैनसँ हमसभ ओतए रातिभरि विश्राम केलहुँ । चोटसभमे दर्द होइत रहैत छल । डाक्टर किछु दबाइसभ देने रहए , से खाइत रहलहुँ । तकरबाद जे निन्न पड़लहुँ से भोरे उठलहुँ ।

रातिभरि हम आ शक्तिनाथ भविष्यक दिशा आ दशापर चिंतन करैत रहि गेलहुँ । ने हम सुति सकलहुँ ने ओ । जहलसँ लए कए नेताजीक शक्तिपुरम स्थित घर धरि घटित घटनाक्रम बेर-बेर मोनमे आबि रहल छल । बिना कोनो गलतीकेँ नेताजी हमरा जहल पठा देलथि । हम ओतए कतेको दिन धरि बंद रहलहुँ । बाबू हमर जमानतक हेतु की नहि केलाह? खेत बेचि ओकीलक फीस दैत रहलाह । तारीखपर-तारीख पड़ैत रहल । मुदा जमानत नहि भेल । हम जहलसँ तखने छुटि सकलहुँ जखन नेताजी चाहलथि । कारण, किछु नहि बूझि सकलियेक । मुदा आब बूझा रहल अछि जे नेताजीकेँ हमरापर सक भए गेल रहनि जे हम हुनका बारेमे बहुत किछु जानि रहल छी, जानि गेल छी । चुनाओक समयमे हमरासँ एकहुटा बात बहराइत तँ ओ बमसँ कम विस्फोटक नहि होइत । नेताजीक राजनीतिक भविष्य हवामे उड़िआ सकैत छल । तँ तरह-तरहक ब्योत कए ओ हमरा जहलमे पठओने होएत ।

"मुदा आब की कएल जाए?"-हम ई सबाल बेर-बेर शक्तिनाथसँ पुछलियेक ।

"हौ! हमरा तोरासँ बेसी थोड़बे बूझल अछि । मुदा एतबा तँ हमहु जनैत छी ,तुहँ जनैत छह जे देश, समाजक हालत ठीक नहि चलि रहल अछि । नेताजी सन-सन लोक देशक समस्त व्यवस्थाकेँ अपहरण कए लेने अछि । बेसक देशमे कानूनमे सभ बराबर अछि मुदा असलिअत की छैक, से के नहि जनैत अछि? जकरा ने रहबाक ठेकान छैक, ने खेबाक उपाय छैक , से अपन मत की

देत? ओकरा तँ केओ अपना हिसाबसँ बहका लेत । जे चाहत से करबा लेत । "

"ई समस्या तँ पुरान अछि । कोनो आइ ई सभ भए रहल अछि से बात तँ नहि अछि । समाधान तँ बताबह ।"

"समाधान कोनो भगवान तँ करथिन नहि । हमरे-तोरा आगू आबए पड़त ।"

"हम तँ सभ तरहेँ तैयार छी । मुदा केमहर की करी से मार्गदर्शन चाही ।"

"से सभ के करत? जकरा कनीको अकील छैक से अपन स्वार्थमे लागि जाइत अछि । के विवादमे पड़ए? "

"देखहक, कोनो नव दल बनाएब, ओकरा चलाएब आ एहि योग्य बनाएब जे ओ चुनाओ लड़ए आ जीतए बहुत कठिन बात छैक । एहिमे सालो लागि सकैत अछि । तथापि, बात बनए, नहि बनए तकर कोनो ठेकान नहि अछि । कारण जे सत्तामे बैसल जे लोकसभ अछि, से कोनो चुप तँ रहत नहि। ओहो सभ हमरसभक किछु-ने किछु काट निकालबाक प्रयास करत, हमर आदमीसभकेँ तरह-तरहक प्रलोभन दए फोड़बाक प्रयास करत, जे नहि ओकर बात सुनतैक तकरासभकेँ कोनो-ने-कोनो तरहेँ फँसेबाक प्रयास करत ।"

"तखन?"

"हमरा हिसाबे तँ जे विरोधी दल अछि, ओकर सहयोग ली। तखनहि हमसभ किछु कए सकब ।"

"कहक माने जे जनक्रान्ति दल(जेकेडी)क संग मिलि जाइ।"

"आओर की? मौकापर झुकनाइ जरूरी छैक । जे संठी जकाँ ठाढ़े रहैत अछि,से टुटि जाइत अछि ।"

"मुदा एकटा बात नीकसँ बूझि लएह । समग्र विकास दल (एसभीडी) अखन शासनमे अछि । ओकरा खिलाफ केओ जल्दी सामने नहि आबए चाहतह।"

"देखहक । डरेलासँ तँ बात नहि बनत । जकरा जे करबाक होइक से करओ

। हमसभ तँ अपन विचारमे स्पष्ट होइ। ई दुनिया डरपोक, कायरक लेल नहि छैक । जे जीबए से खेलए फाग । लड़नाइ तँ छैहे । जखन सभ जाने बँचेबामे लागल रहि जाएत तँ परिवर्तन होएत केना?"

"ठीक छैक, हमसभसँ संपर्क करी सएह ने ।"

"आओर की?"

हमसभ दुनूगोटे गप्प कइए रहल छलहुँ की संदीप ओतए पहुँचल । हमरासभकेँ देखि ओ कनी अचंभित जरूर भेल मुदा जल्दीए सही मुद्रामे आबि गेल ।

"तूँ सभ एहिठाम?"

"संयोगेसँ काल्हि एहिठाम आएलहुँ । मुदा गौवा नहि छथि। हुनकर भागिन छथिन । ओएह हमरासभकेँ स्वागत कए रहल छथि।"

"हमहु तँ हुनकेसँ भेंट करबाक हेतु आएल रही ।"

हम संदीपकेँ देखैत रहि जाइत छी । ओ भीतरसँ किछु परेसान लागि रहल अछि । किछु बाजि नहि रहल अछि ।

ओ बेर-बेर पाछू दिस ताकि रहल अछि । ओकर मानसिक स्थितिकेँ देखैत शक्तिनाथ बाजि उठैत छथि-

"बात की अछि? तूँ बहुत परेसान बुझा रहल छह? बेर-बेर पाछू दिस किएक देखि रहल छह? "

मुदा संदीप किछु नहि बाजल । चुप्पे रहि गेल ।"

13

देबनक नेताजी बनबाक खिस्सा बहुत रोचक अछि । हुनकर घरक नाम देबन रहनि । देबनक पिता बहुत गरीब रहथि। बहुत मोसकिलसँ जीवन-यापन करथि । गाममे बहुत कम जमीन रहनि । किछु जमीन बाँटाइपर सेहो करथि ।

आमक मासमे हाटपर आम बेचि लेथि । कुसिआरक मासमे कुसिआर पेरी कए गूर बनाबथि,सेहो बेचथि । जखन एहूसभसँ काज नहि चलनि तँ कहिओ काल कलकत्ता सेहो चलि जाथि । ओतए भनसिआक काज करथि । देबन हुनकर एकमात्र पुत्र रहथिन । सदिखन हुनका अपने संगे राखथि । जखन कखनहु ओ कलकत्ता जाथि तँ देबनकेँ सेहो संगे लेने जाथि । नेताजीक माएक मृत्यु बहुत कम बएसेमे भए गेल रहनि । तँ हुनकर पिता माएक काज सेहो करथि । एकटा बेटी छलनि,जकर बिआह गामे लग सरिआ (संदीपक गाममे) भेल छलनि । नेताजीक नेनपनेसँ ओहिगाममे आवागमन रहैत छलनि। ओहीक्रममे संदीपोसँ हुनकर परिचय भेलनि ।

नेताजी अपन पिताक गरीबी देखने रहथि । ओ अपन परिवारक रक्षा करैत-करैत एकबेर कलकत्तेमे बिमार पड़लाह आ अनचोकेमे चलि जाइत रहलाह । नेताजी ओहि समयमे बीएमे पढ़ैत छलाह । जेना-तेना कलकत्तेमे हुनकर अंतिम संस्कार कए गाम घुरि गेलाह । तकर बादक श्राद्धकर्म गामेमे केलथि । पिताक देहान्तक बाद ओ एकदम असगर भए गेलथि। आब की करथि ? जेना-तेना बीएक परीक्षा देलनि । तकर बाद शक्तिपुरम चलि गेलाह । ओतए जे काज भेटनि से करए लगलाह । क्रमशः हुनकर शक्तिपुरममे परिचय बढ़ए लगलनि ।

शक्तिपुरममे रहैत ओ ट्युसन सेहो करथि । ओहीक्रममे समग्र विकास दल (एसभीडी)क तत्कालीन अध्यक्ष सुमंतजीक बेटी-महिमाकेँ सेहो ट्युसन पढ़ाबथि । संयोग एहन भेलैक जे हिनकासँ पढ़लाक बाद ओकर परीक्षाफलमे निरंतर सुधार होइत गेलैक । बेटीक परीक्षाफल नीक भेलासँ अध्यक्षजी गदगद रहथि । नेताजीक मानदान बढ़ैत गेलनि। अध्यक्षजीक घरमे नेताजीक समय-कुसमय आवागमन सेहो होइत रहलनि। महिमा सेहो हुनका संगे बेसी समय बितबए लगलि । कहिओ काल बजार-हाट सेहो जाए लगलि । जँ कोनो काज होइतैक तँ देबनक संग कए ओ चलि जाइत । अध्यक्षजीक परिवारमे

हुनका प्रतिए ततेक विश्वास रहैक जे केओ कोनो प्रकारक आशंका सोचिओ नहि सकैत छल । किछु दिनक बाद महिमाक मैट्रिकक परीक्षाफल बहराएल । ओ प्रथमश्रेणीमे नीक नंबरसँ परीक्षा पास केलक ।

अध्यक्षजीक नेताजीक प्रति विश्वास बढ़िते गेलनि । ओ हुनकर परिस्थितिसँ सेहो चिंतित रहैत छलाह । एकदिन मौका देखि हुनका पार्टी कार्यालयमे काज धरा देलखीन । तकरबाद हुनकर जीवन किछु आसान होबए लगलनि । देबन बहुत इमान्दारीसँ अध्यक्षजीक सेवा करथि । संगहि हुनकर घरपर महिमाक ट्युसन तँ करिते रहथि ।

महिमा आ देबन समय-कुसमय एक-दोसरसँ भेंट करिते रहैत छलाह । अध्यक्षजीक पारिवारिक वातावरण उनमुक्त रहबाक कारण ककरो एहिसभ विषयपर ध्यान नहि गेलैक । ककरो चिंता करबाक प्रयोजन नहि भेलैक । ओहुना अध्यक्षजीक घरक बारेमे तरह-तरहक खिस्सा सौंसे शक्तिपुरममे सुनल जाइत छल । मुदा तँ की? ककरो साहस रहैक जे हुनकर सामनेमे किछु बाजि लेत । कोनो प्रयोजनो नहि रहैक ।

एकदिन महिमा आ देबन गंगा कातमे बहुत देरी धरि बैसल रहि जाइत गेलाह । समयपर घर वापस घुर्बाक होस नहि रहि गेलनि । इजोरिआ पसरि गेल रहैक । गंगाक प्रवाह आगू-पाछू होइत रहैत छलैक । ओहिना हुनको सभक मोनमे तूफान मचल रहनि । बड़ी कालक बाद अन्हर अएबाक संभावना बनैत देखि ओ सभ उठलाह आ वापस घर दिस बिदा भए गेलाह । तकर बाद ई क्रम चलिते रहल । अध्यक्षजीकेँ समय नहि रहनि, परिवारमे ककरो कोनो मतलब नहि रहनि । महिमा आ देबनकेँ कथुक परबाह नहि रहि गेल रहनि । परिणाम भेल जे एकदिन साँझमे ओ सभ निर्णय केलथि । ओहि निर्णयकेँ लागू करबाक हेतु दोसरे दिन आर्य समाज मंदिर पहुँचलथि आ ओतए अपन किछु मित्रसभक उपस्थितिमे बिआहक विधि पूर्ण कए लेलथि । बिआह केलाक बाद हुनकासभकेँ साहस नहि होनि जे घर वापस जाइ । सोझे

शक्तिपुरम टीसन चलि गेलथि । ओतए विजयपुरमक रेलगाड़ी लागल रहैक । जेना-तेना टिकटक जोगार केलथि आ ट्रेनमे बैसि गेलथि ।

दोसर दिनसाँझमे विजयपुरम टीसन पहुँचलाह । प्लेटफार्म नंबर एक पर ट्रेनसँ उतरि दुनूगोटे बेंचपर जा कए बैसि गेलथि । संजोग देखिऔक जे ओही समयमे अध्यक्षजी विजयपुरमसँ शक्तिपुरम वापस जेबाक हेतु ओतए पहुँचलाह । ओतए दुनूगोटेकेँ एतेक लगीचमे बैसल देखि कनीकाल तँ हुनका विश्वास नहि भेलनि जे ओएहसभ छथि। मुदा लग अएलाक बाद बात परिछा गेलनि ।

"महिमा! महिमा!"-अध्यक्षजी अबाज देलनि । ई तँ बाबूजी बूझा रहल छथि । महिमा हुनकर अबाज सुनि पाछू दिस घुमलीह। अपन पिताकेँ सामने देखि ओ हड़बड़ा गेलीह। देबन सेहो अकचका कए बेंचपरसँ उठलाह । महिमाक माथमे सिन्नुर देखि अध्यक्षजीकेँ बात बुझबामे देरी नहि भेलनि । कनीकाल तँ बहुत छगुन्तामे रहथि। फेर अपनाकेँ सम्हारलाह।

"जखन तोरासभकेँ बिआह करबेक छलौक तँ हमरा तँ कहितह? नीकसँ उत्सव मनबितहुँ । लोकसभकेँ बजबितहुँ। गीत-नाद होइत । मुदा कोनो बात नहि । जे भेलैक,से भेलैक । आब सभगोटे शक्तिपुरम चलैत छी । ओतहि आगूक कार्यक्रम मनाएब। मोनक किछुओ अभिलाषा तँ पूर्ण होअए । ओतए स्वागत समारोह आयोजित कएल जाएत । तकर बाद तोरासभकेँ जतए जेबाक होअए से जइअह ।"

सभ किछु अनुकूल देखि दुनूगोटे अध्यक्षजीक संगे ट्रेनसँ शक्तिपुरम वापस बिदा भए गेलाह।

अध्यक्षजीक बेटीक बिआहक स्वागत समारोह शक्तिपुरममे धूमधामसँ मनाओल गेल । एक सप्ताह धरि विविध कार्यक्रम चलैत रहल । तरह-तरहक

नृत्य-संगीतसँ महफिल दिन-राति आनंदमय बनल रहैत छल । जकरा जे मोन होइ से खाउ, जेहन गीत सुनबाक मोन होअए से सुनु । फिल्म देखबाक होअए तँ सएह देखू । कहि नहि सकैत छी जे ओहिठामक वातावरण कतेक आनंदमय रहए । शक्तिपुरमक समस्त गणमान्य लोकसभ एहिमे सम्मिलित भेलथि । जय-जय भए गेल ।

महिमाक संग देबनक बिआह ओकर जीवनक एकटा जबरदस्त परिवर्तनकारी घटना साबित भेल । अध्यक्षजी बहुत दिनसँ एकटा सही उत्तराधिकारीकेँ ताकि रहल छलाह । दिन-राति पार्टीक काज करैत-करैत थाकि गेल रहथि । देबनपर हुनकर ध्यान बहुत दिनसँ छलनि । आब तँ ओ हुनकर जमाए बनि गेल छलखिन । सोचलाह जे हुनके आगू कएल जाए । ओना ओ महिमाकेँ पहिने मौका देबए चाहथि । मुदा ओ राजनीतिमे जेबासँ साफे मना कए देने रहनि ।

"राजनीतिमे हमरा कोनो रुचि नहि अछि ।"-ओ साफे जबाब दए देने रहनि । मुदा आब तँ ओ विकल्प भेटि गेल रहनि । तँ बिना कोनो विलंबकेँ आगू बढ़बाक निर्णय केलनि । एकदिन साँझमे ओ महिमा आ देबनक संगे गप्प-सप्प करैत छलाह । माहौल अनुकूल देखि बजलाह-"हम आब राजनीति करैत-करैत थाकि गेल छी । बहुत दिनसँ एकटा सही उत्तराधिकारीकेँ ताकि रहल छलहुँ । संयोगसँ देबन हमरासभकेँ बहुत उपयुक्त बूझा रहल छथि । हम चाहैत रही जे पार्टीक कमान परिवारेमे रहि जाए । सेहो अभिलाषा हमर पूरा भए जाएत । हमरा जीबैत ककरो साहस नहि छैक जे हमर प्रस्तावक विरोध करत । सभक फाइल हमर आलमीरामे बंद अछि । जँ केओ अनट करत तँ परिणाम भोगत । ई बात सभ जनैत अछि । तँ हमरा विचारसँ जल्दीए देबनकेँ पार्टीक कार्यकारी अध्यक्ष बनेबाक घोषणा कए देल जाए । तोहर सभक की विचार?" देबन स्वीकृतिमे मुड़ी हिला देलनि । तकर बाद अध्यक्षजी बिना कोनो विलंबकेँ आगू बढ़ैत गेलाह । देबन पार्टीक कार्यकारी अध्यक्ष बना देल गेलाह

। ततबे नहि,तकर बाद जतेक पदसभ रहैक ताहिपर गोट-गोट कए देबनक पसिंदक लोकसभकेँ बैसा देल गेलनि। अध्यक्षजीक कामना इएह रहनि जे देबन निष्कंटक राज करथि । पार्टी आ सरकार दुनूमे । अध्यक्षजीक ओहिठाम संबंध भेलासँ देबनक भाग्य पलटी लेलकनि । ओ हुनकर अकूत संपत्तिक महिमाक संग उत्तराधिकारी भए गेलथि। संगहि पार्टीक कार्यकारी अध्यक्षक पद सेहो दहेजमे भेटि गेलनि ।

मुदा सभटा सोचलाहा थोड़बे होइत छैक?पार्टीक बहुत वरिष्ठ लोकनिसभ कहि नहि कहिआसँ आश लगओने छलाह जे अध्यक्षजी आसन खाली करताह तँ हमरे नंबर आओत। मुदा अचानक देबन कतहुँसँ टपकि गेलाह। एकहि बेर कार्यकारी अध्यक्ष सेहो बनि गेलाह। सभटा शक्ति हुनकेमे केन्द्रित भए गेलनि। बाँकिए लोकसभक हाथमे फोकला । अध्यक्षजीक एहि काजक सामना-सामनी तँ केओ विरोध नहि केलक ,मुदा पार्टीमे भीतरे-भीतर दू गुट बनि गेल । एकगुटमे वरिष्ठ लोकसभ छलाह जे अपना-आपकेँ ठगल महसूस कए रहल छलाह । दोसर दिस देबन आ हुनकर समर्थक छलाह । सही मानमे ओ सभ देबनक कोनो शुभचिंतक छलाह से बात नहि रहैक । देबनक संग देबामे हुनका सभकेँ तात्कालिक फएदा भेलनि । पार्टी आ सरकारमे महत्वपूर्ण पदसभ भेटलनि । मुदा थोड़बे दिनक बाद चुनाओ भेलैक । अध्यक्षजीक प्रभावसँ वा जेना-तेना हुनकर पार्टी चुनाओ जीति तँ गेल मुदा राज्यप्रमुखक पद केओ आओर हथिआ लेलक । पार्टीक चुनल गेल जन प्रतिनिधिमे सँ बहुमत देबनक खिलाफ चलि गेलनि। परिणाम सामने छल। चुनाओ जितबाक हेतु नेताजी कोनो कर्म छोड़ने नहि छलाह। हमसभ सेहो शुरुमे ओकर पाछू-पाछू घुमैत रहलहुँ । मुदा साँप संगे दोस्ती कतेक काल चलैत? मौका पबितहि ओ हमरासभकेँ डंक मारलाह । आओर जे भेल,से भेल मुदा हमसभ नेताजीकेँ नीकसँ चिन्हि गेलहुँ । नेताजीकेँ तँ हमरासभपर कहिओ विश्वास रहबे नहि करनि। ओ तँ हमरासभकेँ मात्र इस्तमाल करैत

छलाह। मुदा कतेक दिन एना चलितैक? आखिर हम,शक्तिनाथ आ संदीप एकठाम भए गेलहुँ। एकठाम आबि तँ गेलहुँ मुदा हमरासभक पासमे साधन बहुत सीमित छल। आइ-काल्हिक राजनीति तँ मात्र टाकाक खेल अछि। जँ टाका अछि,लाठी अछि तखनहि सिद्धान्तक बात करू।

15

संदीप अचानक हमरा सभक लगीच आबि गेल छल। एहिसँ पहिने बहुतदिन धरि ओ नेताजीक खासम-खास रहए। आब की भेलैक की नहि ओ ओहिठामसँ जान बँचा कए भागल। आएल तँ रहए गौवासँ भेंट करए मुदा भेटि गेलिएक हमसभ। ओ ततेक आहत लगैत छल जे मौका भेटितहि मोनक बात उगलैत गेल। चुप्प रहब ओकरा बसमे नहि रहैक। ओ कहए लागल-

"किछु करैत जाउ। लगैत अछि जे माथ फाटि जाएत।"

"की भेलह?"

"की कहू? बाजल नहि जाइत अछि। ई नेताजी बड़ अन्यायी अछि,नीच अछि। सभ तरहें बरबाद कए देलक।"

"रे! भेलैक की से तँ बुझिएक?"-शक्तिनाथ बाजल।

"कोनो एक दिनुका बात छैक जे कहि दिअ आ अहाँ खिस्सा बूझि जेबैक। अन्याय करब, निर्दोष लोकक शोषण करब ओकर चालि छैक।"

"मुदा तोरा ई देवज्ञान अचानक केना भए गेलह? सालक-साल तँ ओकरे सेवामे लागल छलह?"

"से की कहूँ? जे की करी आ किएक करी? आ जँ कहबे करब तँ अहाँसभकें विश्वास होएत? कदापि नहि? लोक एतबे कहत जे अखन नेताजीक शक्ति कम भए गेलनि अछि तँ ई बदला निकालि रहल अछि।"

"देखहक। लोकक काज छइ कहनाइ। ओ तँ कहबे करत आ हमसभ सुनबो करब। मुदा ताहिसभसँ सत्य नेने बदलि जेतैक।"

"तखन तूँही कहह जाहिसँ तोहर किछु मदति कए सकी आ हमहुसभ किछु शांत होइ।"

संदीपक हालत बहुत गड़बड़ लागि रहल छल । तथापि,ओ वारंबार बाहर दिस इसारा करए । माने ओमहर देखिऔक । आखिर हम शक्तिनाथकेँ बाहर जा कए देखबाक हेतु कहलियेक। ओ तुरंत बाहर गेल । सड़कक कातमे एकटा महिला बैसल कानि रहल छलि । संदीप ओहि महिला लग जाकए ठाड़ भए गेल । ओ किछु नहि बजलैक, कनिते जा रहल छलि । आखिर शक्तिनाथे पुछलकैक-

"अहाँ संदीपक संगे छियेक?"

ओ सहमतिमे मुड़ी हिला देलकैक ।

"तँ एहिठाम कियेक बैसल छी?"

"संदीपक बाट ताकि रहल छी। ओ कहलथि जे हम गौवासँ भेंट कए कनीके कालमे वापस होएब, तखन संगे चलब ।"

"मुदा ओ तँ हमरेसभ लग छथि । ओकरो मोन ठीक नहि बुझाइत छैक । अहाँ हमरा संगे चलू ।"

ओ महिला शक्तिनाथक बात मानि कए ओकरा संगे बिदा भए गेलि । शक्तिनाथ ओहि महिलाक संगे अबैत छथि । ने संदीप ने ओ महिला किछु कहबाक स्थितिमे बुझाइत छथि । हम बेर-बेर प्रयास केलियेक जे संदीप किछु कहए जाहिसँ वस्तुस्थितिक सही अनुमान लगा सकी आ समाधानक बारेमे सोचि सकी । मुदा ओ किछु बजबे नहि करए । ओकरासभकेँ कतहु कोनो चोट नहि लागल छलैक । देहमे बोखार नहि रहैक। कोनो स्पष्ट शारीरिक परेसानी नहि देखाइक । तखन कष्ट की छैक?

हम आ शक्तिनाथ आपसमे किछु चर्चा करैत छी । सड़कक कातमे बनल दोकानपर जाइत छी । ओतए सिंघारा आ घुघनी टटका बनल छल । हम पर्याप्त मात्रामे सिंघारा आ घुघनी कीनि लैत छी । शक्तिनाथ चाह बनबैत

अछि । दुनूगोटेकेँ चाहक संग सिंधारा आ घुघनी दैत छिऐक । हमहुसभ संगे चाह पिबैत छी, सिंधारा, घुघनी खाइत छी । सिंधारा, घुघनी आ चाहक जोगसँ ओकरासभक जेना भक्क टुटलैक। आकृतिपर हरिअरी अएलैक । हम कहलिऐक-

"तोरासभकेँ अस्पताल लेने चलैत छी । संभवतः डाक्टरक इलाजसँ बेसी फएदा हेतह ।"

"नहि, नहि । हमसभ कतहु नहि जाएब । नेताजीक गुंडासभ हमरासभक पछोड़ कए रहल अछि । जँ हमसभ पकड़ेलहुँ तँ गेल घर छी ।"

"एकटा काज करह"-शक्तिनाथ बाजल ।

"की? कनीके हटि कए एकटा औषधालय छैक । ओतए एकटा डाक्टर रहैत छथि । हुनके बजा लैत छिअनि ।"

"ठीक कहलह । सएह करह ।"

शक्तिनाथ ओहि डाक्टरक ओतए जाइत अछि । हुनका सभटा बात कहैत छनि । डाक्टर तुरंत अपन स्कुटरसँ शक्तिनाथक संगे बिदा भए जाइत छथि ।

-रबीन्द्र नारायण मिश्र, पिताक नामः स्वर्गीय सूर्य नारायण मिश्र, माताक नामः स्वर्गीया दयाकाशी देवी, बएसः ६९ वर्ष, पैतृक ग्रामः अड़ेर डीह, मातृकः सिन्धिआ ड्योढ़ी, वृतिः भारत सरकारक उप सचिव (सेवानिवृत्त), स्पेशल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट, दिल्ली(सेवानिवृत्त), शिक्षाः चन्द्रधारी मिथिला महाविद्यालयसँ बी.एस-सी. भौतिक विज्ञानमे प्रतिष्ठा : दिल्ली विश्वविद्यालयसँ विधि स्नातक, प्रकाशित कृतिः मैथिलीमेः प्रकाशन वर्षः २०१७ १. भोरसँ साँझ धरि (आत्म कथा), २. प्रसंगवश (निबंध), ३. स्वर्ग एतहि अछि (यात्रा प्रसंग);

प्रकाशन वर्ष:२०१८ ४. फसाद (कथा संग्रह) ५. नमस्तस्यै (उपन्यास) ६. विविध प्रसंग (निबंध) ७.महराज(उपन्यास) ८.लजकोटर(उपन्यास); प्रकाशन वर्ष:२०१९ ९.सीमाक ओहि पार(उपन्यास)१०.समाधान(निबंध संग्रह) ११.मातृभूमि(उपन्यास) १२.स्वप्नलोक(उपन्यास); प्रकाशन वर्ष:२०२० १३.शंखनाद(उपन्यास) १४.इएह थिक जीवन(संस्मरण)१५.ढहैत देबाल(उपन्यास); प्रकाशन वर्ष:२०२१ १६.पाथेय(संस्मरण) १७.हम आबि रहल छी(उपन्यास) १८.प्रलयक परात(उपन्यास); प्रकाशन वर्ष:२०२२ १९.बीति गेल समय(उपन्यास) २०.प्रतिबिम्ब(उपन्यास) २१.बदलि रहल अछि सभकिछु(उपन्यास) २२.राष्ट्र मंदिर(उपन्यास) २३.संयोग(कथा संग्रह) २४.नाचि रहल छलि वसुधा(उपन्यास) २५.दीप जरैत रहए (उपन्यास)।

अपन मंतव्य editorial.staff.vidaha@gmail.com पर पठाउ।

२.१२.संतोष कुमार राय 'बटोही'-मंगरौना (धारावाहिक उपन्यास)- (तेरहम खेप)



संतोष कुमार राय 'बटोही'

मंगरौना (धारावाहिक उपन्यास)- (तेरहम खेप)

ओपिंदर काका कहलन्हि , " बाबा बाँस मे व्यासजी केँ सारा नहि देखैत छयैन्ह । हुनकर सारा केँ ईंट लकऽ घेर दियौय । ओ अहाँक पितृ छलाथि।" हम कहलियैन्ह जीवैत जी गुँहा भत्ता मुइला पर दुधा भत्ता । इ कहवी ठीके छै । चिरंजीव व्यासजी अपन नाम बनौने रहति । टाका तँ हुनका नहि छलैन्ह, परञ्च ज्ञान छलैन्ह । ओ ज्ञान केँ ससमय उपयोग नहि कऽ सकलाह ।

आई खुशबू केँ बारात आबि रहल छन्हि । हम दरिभंगा सँ ताहि लेल गाम आयल छी । आई-काल्हि बर-बारात मे ततेक ने लेने-देनी होयत छै जे बेटी वाला केँ दम फूलऽ लगैत छन्हि । सुयोग्य दुल्हा खोजवा मे लोक केँ कुन-कुन घाटक पानि पीबऽ पड़ैत छन्हि से महादेवे साक्षी छथि । नीक दुल्हा माने सबहक लेल अलग-अलग होयत छै ।

सुरेन्द्र चाचा सुयोग्य दुल्हा खोजवा

मे कम फिरिशन नहि भेलाह । तेरह डिबिया तेल जरि गेलन्हि । खुशबू देखवा-

सुनवा मे नीक छथि, बी०ए० फस्ट डिविजन सँ पास भेलीह। एकटा कुशल गृहिणी केर सभ गुण हिनका मे छन्हि। गामक आओर शहरी दुनू परिवेशक ज्ञान छन्हि। गोर छथि। कद-काठी सेहो नीक छन्हि।

खुशबू लेल नीक-सँ-नीक दुल्हा लेल ओ तीनि साल धरि फिरिषान भेलाह। बेटी लेल माय-बाप कतेक स्नेह रखैत छथि से हुनका सँ जानल जाउ । एकटा गंभीर आओर जिम्मेदार पिता छथि सुरेन्द्र चाचा। अपन काया केँ बेच केँ बेटी केँ सुन्नर-सँ-सुन्नर दुल्हा करवाक प्रयास करैत छथिन्ह माय-बाप।

बारात आबि गेलै। भुक-भुकिया बल्ब सँ छारल छै सभ जगह। नीक सँ सजौल गेल छै ब्याहक मड़बा। मड़बा मे बन्हन हम देलियै। पीठ पर खुशबू अपन हाथक पीठार लगलाह छाप देलकै। मूली मड़बा सजौने छेलैह। मड़बा नीक लागि रहल छेलैह। मूरली बड़ दिन सँ मड़बा सजाबैत अछि। नीक टाका कमा जायत छथि वो। अइ कलाकारी मे सीजन मे नीक कमैत छलाह वो, परञ्च हरदम ब्याहक लगन नहि होएत छै। किछु दिवस बेरोजगार भऽ जायत छलाह ताहि दुआरे ओ दिल्ली चलि गेलाह।

दिल्ली मे अइ कलाकार केँ के पुछै छै ? कियो दुनिया नहि छन्हि दिल्ली मे। किछु दिन होटल लाईन मे काज करैत छथि आओर मोन नहि लगलाह पर फेर गाम भागि जायत छथि। एक-दु मास घर पर बीता कऽ फेर दिल्ली आओर बंगलोर दिस भागि जायत छथि। ई सालक तीनि-चारि मास बेरोजगार रहैत छथि। कलाकार केँ अंदरक कलाकारी मरि जायत छै।

मखनाही टोल पर भोला राम केँ अंदरक कलाकार अही कारण मरि गेलैक। भोला राम बेंजो, हारमोनियम, ढोलक, झैल वगैरह वाद्य यंत्र बजा लैत छलाह।

अल्लाह-उदल केँ नाच मे तबला बजाबैत छलाह दुर्गा पूजा मे ओ। नीक जिनगी जीबै केर कोशिश केलाह अछि भोला राम । गाम पर रहि केँ ओ पहिने रिक्शा चलाबैत छलाह। हमर बड़की दीदी केँ सासुर करमौली कतेक बेर ओ गेलाह रिक्शा लकऽ।

दहेज लकऽ लोक फिरिमान छथि। ई कहिया खत्म होयत ? दानवी जकाँ ई समाज लेल अभिशाप बनल छै। बेटा वाला सोचैत छथि जे हम बेटा जनमलहुँ बेटी वाला केँ जिनगी केँ तबाह करवाक लेल। आन गाम मे दहेज लेल हिंसा भऽ जायत छै, परञ्च मंगरौना मे ई नहि भेल आइ धरि। हमर ब्याह बिना दहेज केँ भेल अछि 2016 मे। रुणा केँ हुनकर माय जे देलकैन्ह ओ अपना मोन सँ। कोरहिया गाम हॉल्ट दुआरे फेमस अछि। जयनगर सँ पहिने पैसेंजर अइ हॉस्टल पर रूकैत अछि। हम अपन चचेरा भा ई केर ब्याह मे गेल रही कोरहिया बारात। ई नहि बुझल छल जे बारात फेर आबऽ परत लक अइ ठाम। दुटा बेटी आओर एकटा बेटा बाप हम भेलहुँ अछि।

-संतोष कुमार राय 'बटोही', ग्राम - मंगरौना

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

३.पद्य खण्ड

३.१.डॉ. जियाउर रहमान जाफ़री - एकटा नदी छल/ एहि नदी मे

३.२.डॉ सुमंगला झा- सत्य कहूँ

३.३.राज किशोर मिश्र-आत्मबल

३.१.डॉ. जियाउर रहमान जाफ़री - एकटा नदी छल/ एहि नदी मे



डॉ. जियाउर रहमान जाफ़री

एकटा नदी छल/ एहि नदी मे

१

एकटा नदी छल

मेघ खोजैत आबि गेल

कतहु नदी छल

कतहु कालोनी छल

एतय बरखा भेल

समुद्र जकाँ लागल
पानि छींटा मारि देलक
लहरि देखबा लेल रुकि जाइत छल
तखन पानि कोना लहराइत छल

कतहु मोट-मोट गाछ-बिरिछ छल
थाकल यात्री रुकि जाइत छल
पानि के छूबैत ठंढा हवा
सबके ठंढा करबैत छल

नहि आब नदी मे पानि अछि
बालु, थाल मात्र धूरा अछि
ऊपर जर्जर पोखरि पड़ल अछि
पुरान चिट्ठी जकाँ लिखल

२

एहि नदी मे

एहि नदीक कात मे आबि रहल अछि
हम अहाँसँ प्रेम केलौं
अहाँ सेहो किछु पानि छिड़कि देलियैक
प्रेम बना देलक

हम आ अहाँ नदीक कात मे बैसल छी

एहि लहरि मे हेरा गेल
जखन ठंढा हवा बहैत अछि
हम सभ कोरा मे नींद आबि जाइत छलहुँ

जतय माछ कूदि जाइत छल
अहाँ कहैत छलहुँ लुक मेट
हमरा सेहो देखि खुशी भेल
अहाँ एहिना गप्प करैत छलहुँ

जँ नदी नहि रहैत त' होइत
अहाँ हमरासँ प्रेम नहि करैत छी
जखन कि हम दुनू किनार रही
ई भेंट हर बेर नहि होइत छैक

तोहर प्रेम एकटा नदी अछि
कोयल आबि गाबैत अछि
नदीसँ कहियो नहि विदा होइत अछि
माछ एकरा बिना मरि जाइत अछि

-डॉ. जियाउर रहमान जाफ़री, स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग, मिर्जा गालिब
कॉलेज गया, बिहार 823001

फो. 9934847941, 6205254255, zeaurrahmanjafri786
@gmail. Com

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

३.२.डॉ सुमंगला झा- सत्य कहूँ



डॉ सुमंगला झा सत्य कहूँ

बिछोहि मिथिला, मैथिली ज्ञान नय अइछ
मातृभाषा छथि से मानसम्मान बड़ अइछ।-

विद्यापति गान म विरचित बसन्त अइछ,
कतओ न उपलब्ध अइछ। !ई सौन्दर्यरस

जयदेव कवि कऽ !पहूँ जखन गीतगोविन्द,
मन पड़े तत्क्षण, प्रसिद्ध रविमैथिली के। !
कवीश्वर चंदा झा के मैथिली में रामायण,
बुद्धिनाथ झा के 'महाभारत' के पारायण।

अनेकानेक विद्वान अछि भाष मैथिली मे
तरुणी मे।-तइयो रूचि घटल जाय तरुण

तिरहुता लिपि लगभग लुप्तप्राय भइल जाय,

तहि लिपि, अन्य भाष, विकसित भइल जाय।

नीतितरंगिनी, कीर्तिलता कीर्ति पताका सन,
भेटत न विचारवन्त, कवि विद्यापति सन।

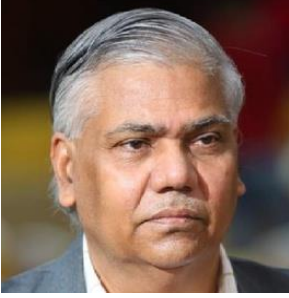
अनुवादित तिरहुता मे !ताकियो कतौ भेटत
ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद मैथिली मे।

मिथिलाक प्रतिष्ठा अछि वर्णित, मिथिकथा म
सभा-जनक !ज्ञानकोष परिपूर्ण,गार्गी सम्भाष म।

-डॉ सुमंगला झा, MA (Socio & Hindi), PhD

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

३.३.राज किशोर मिश्र-आत्मबल



राज किशोर मिश्र, रिटायर्ड चीफ जेनरल मैनेजर (ई),
बी.एस.एन.एल.(मुख्यालय), दिल्ली,गाम- अरेर डीह, पो. अरेर हाट,
मधुबनी

आत्मबल

जा हि घर के छहि नहि खा म्ह,
ओ तऽ खसबे करत, धड़ा म।

सो डर -चो डरा , कतेक का ल,
छो टो बसा त करतै की हा ल?

एमहर टेढ़, ओमहर सो झ,
उठा ने पबैत अछि अपनो बो झ।

जे नहि अपन पएर पर ठा ढ,
को ना चढ़त ,जि नगी क पहा इ?

ककर भरतै पेट बएन सँ?
रि न लऽ कऽ के रहत चैन सँ?सँ

बा बा बऽले पुरत मनो रथ?
कि एक जो गा , रा खब नि ज समरथ?

बो ल -भरो स, आ' आश्वा सन,
यथा र्थक, ने अछि ओ पा सड।

पैँँच- उधा र ,बुद्धि ओ बऽलक,
बा ट ने ई , जि नगी क, अछि चऽलक।

टि कल दो सरक मदति क आशा पर जी वन,
ओ भवन अपन ? जकर पा ओल जरसी मन ।

बेका र ,अनकर महल -अटा री ,
सभ सँ बढि आ अपन एकचा री ।

सो अदगर नहि अछि छप्पन भो ग,
जे अपन नहि ,आ ने जकर भो ग।

पुरुषा रथ अपन अछि , असली धन,
ओ जी त , जी तल नि ज बल सँ रण।

कतेक दूर धरि धि चि चलअओतै?

इंजि न जा हि गा डी क अछि बगदल,
ओहि ना ,घि सि आइत रहत ओ जि नगी ,
जा हि मे अछि नहि , जा गल आत्मबल।

अनकर बल के केहेन आस?
मेटा ओत मेघ, मरुभूमि - पि आस?

जे करैत अछि अपन प्रया स,
रुकत नहि ओ, ठेकत अका स।

अपन तऽ एको लो टा पा नि ,
ओकरे देखी , जलधि मा नि ।

शक्ति - खा नि पड़ल, तकि औ
तऽ ,अपना भा ग भि तरि ,
बनि जेतैक ओ सुवर्ण सन,
जकरा बुझैत छी पि त्ति ।

अनकर ला ख टका सँ बेसी ,

अपन एक छदा म,
सक भरि का ज करए बला
बढ़ि आँ ,गूड़थि जे झा म।

कतबो नी क रहौ चा र , मुदा

ठा ढ नहि रहत घर ,सो डर सँ,

दा म्पत्य जि नगी नहि चलैत छै ,
कुटला ,खा ली , अठो डर सँ।

कर्मेन्द्रि य दा स अछि मनो बलक,
आदेश तऽ हो इक, ओकरा चलक।

पैच -उधा रक बल सँ नहि चलैत अछि जि नगी ,
जड़ि बि नु को नो तरुक हरि अर रहैछ ने फुनगी ।

जकरा लग ,आत्मबलक आयुध,
ओ जी तत ,जि नगी क हरएक युद्ध।

अपन मंतव्य editorial.staff.vidaha@gmail.com पर पठाउ।

४: [विदेह के अंक \(१-३८१\)](#)

१: [विदेह के सभी पुराने अंक \(१-२३\)](#)
Videha e journal's all old issues (१-२३)

२: [विदेह के सभी पुराने अंक \(२४-८०\)](#)
Maithili Books Download (२४-८०)

३: [विदेह के सभी पुराने अंक \(८१-९४\)](#)
Maithili Audios-Videos (८१-९४)

४: [विदेह के सभी पुराने अंक \(९५-१०८\)](#)
Maithili Children Literature (९५-१०८)

५: [विदेह के सभी पुराने अंक \(१०९-१२८\)](#)

६: [विदेह के सभी पुराने अंक \(१२९-१३१\)](#)

७: [विदेह के सभी पुराने अंक \(१३२-१७६\)](#)

8: [Parallel Literature in Maithili and Videha
Maithili Literature Movement \(Pages 177-255\)](#)

१. विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक Videha e journal's all old issues (पृ. २५६-२८३)

२. मैथिली पोथी डाउनलोड Maithili Books Download (पृ. २४-८०)

४. अनुलग्नक (पृ. १-३८१)

१. विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक Videha e journal's all old issues (पृ. १-२३)

२. मैथिली पोथी डाउनलोड Maithili Books Download (पृ. २४-८०)

३. मैथिली ऑडियो-वीडियोक संकलन Maithili Audios-Videos (पृ. ८१-९४)

४. मैथिली शिशु, बाल आ किशोर साहित्य Maithili Children Literature (पृ. ९५-१०८)

५. विदेह स्त्री कोना (पृ. १०९-११८)

६. विदेह ई-लर्निङ्ग (पृ. ११९-१३१)

७. विदेह सूचना संपर्क अन्वेषण (पृ. १३२-१७६)

8. Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement (Pages 177-255)

९.विदेह मिथिलाक खोज (पृ. २५६-२८३)

१०.विदेह मिथिला रत्न (पृ. २८४-३८१)

१.विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक Videha e journal's all old issues

विदेह पुरान अंक

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in/> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू।
Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

Search within Old Issues of Videha

<https://books.google.com/>



Videha Archive of Old Issues विदेह पुरान अंकक आर्काइव (पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल) विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक पी.डी.एफ. डाउनलोड लेल क्रमानुसार नीचाँक लिंकपर उपलब्ध अछि। All the old issues of Videha e journal are available for pdf download at the respective links below.

.....

तिरहुता, नेवाड़ी आ कैथी फॉण्ट डाउनलोड Google's Noto Fonts project/ GitHub

तिरहुता मोटो फॉण्ट	कैथी ओटीएफ	कैथी टिडीएफ	नेवाड़ी ओ.टी.एफ.	नेवाड़ी टि.टी.एफ.
------------------------------------	----------------------------	-----------------------------	----------------------------------	-----------------------------------

<https://fonts.google.com/> (Google Open Fonts download)

[Tirhuta Offline Keyboard download](#)

[Keyman Tirhuta/ Vedic Devanagari Keyboards Download](#)

<https://malarproject.gitlab.io/tirhuta> (Tirhuta Keyboard Online)

.....

१

गजेन्द्र ठाकुर (सम्पादन)

विदेह-सदेह १-	
२५ www.vidaha.co.in	
विदेह ई-पत्रिकाक अंक १-३५० सँ-	
मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ गद्य आ	
पद्यक एकटा समानान्तर संकलन	
देवनागरी	मिथिलाक्षर
विदेह:सदेह १	विदेह: सदेह १ तिरहुता
विदेह:सदेह २ मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना	विदेह: सदेह २ तिरहुता
विदेह:सदेह ३ मैथिली पद्य	विदेह: सदेह ३ तिरहुता
विदेह:सदेह ४ मैथिली कथा	विदेह: सदेह ४ तिरहुता
विदेह मैथिली विहनि कथा [विदेह सदेह ५]	विदेह: सदेह ५ तिरहुता
विदेह मैथिली विहनि कथा [विदेह सदेह ५२-संस्करण -]	विदेह:तिरहुता २-संस्करण ५ सदेह :
विदेह मैथिली लघुकथा [विदेह सदेह ६]	विदेह: सदेह ६ तिरहुता
विदेह मैथिली पद्य [विदेह सदेह ७]	विदेह: सदेह ७ तिरहुता
विदेह मैथिली नाट्य उत्सव [विदेह सदेह ८]	विदेह: सदेह ८ तिरहुता
विदेह मैथिली शिशु उत्सव [विदेह सदेह ९]	विदेह: सदेह ९ तिरहुता
विदेह मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना [विदेह सदेह १०]	विदेह: सदेह १० तिरहुता
विदेह११ सदेह:	विदेह:तिरहुता ११ सदेह :

विदेह१२ सदेह:	विदेहतिरहुता १२ सदेह :
विदेह१३ सदेह:	विदेहतिरहुता १३ सदेह :
विदेह१४ सदेह:	विदेहतिरहुता १४ सदेह :
विदेह१५ सदेह:	विदेहतिरहुता १५ सदेह :
विदेह१६ सदेह:	विदेहतिरहुता १६ सदेह :
विदेह१७ सदेह:	विदेहतिरहुता १७ सदेह :
विदेह१८ सदेह:	विदेहतिरहुता १८ सदेह :
विदेह१९ सदेह:	विदेहतिरहुता १९ सदेह :
विदेह२० सदेह:	विदेहतिरहुता २० सदेह :
विदेह२१ सदेह:	विदेहतिरहुता २१ सदेह :
विदेह२२ सदेह:	विदेहतिरहुता २२ सदेह :
विदेह२३ सदेह:	विदेहतिरहुता २३ सदेह :
विदेह२४ सदेह:	विदेहतिरहुता २४ सदेह :
विदेह:सदेह २५	विदेह: सदेह २५ तिरहुता
<p>विदेह-सदेह २६-</p> <p>३६ www.vidaha.co.in</p> <p>विदेह ई-पत्रिकाक अंक १-३५० सँ-</p> <p>थीम आधारित मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ</p> <p>मूल आ अनूदित गद्य आ पद्यक</p> <p>एकटा समानान्तर संकलन</p>	
विदेह:सदेह २६ (डॉ शम्भु कुमार सिंह आ डॉ अरुण कुमार सिंह अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २६ तिरहुता
विदेह:सदेह २७ (गजेन्द्र ठाकुर आ रवि भूषण पाठकक आन भाषासँ अनूदित गद्य आ पद्य- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २७ तिरहुता
विदेह) २८ सदेह:अनूदित गद्य आ पद्य - १ अंक३५० सँ(विदेह: सदेह २८ तिरहुता
विदेह:सदेह २९ (रवि भूषण पाठक आ डॉ. कैलाश कुमार मिश्र- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २९ तिरहुता
विदेह:सदेह ३० (स्कूल-कॉलेजक विद्यार्थी लेल- अंक १-३५० सँ)	विदेहतिरहुता ३० सदेह :

विदेह:सदेह ३१ (डॉ. कामिनी कामायनी आ कुमार मनोज कश्यप- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३१ तिरहुता
विदेह:सदेह ३२ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-१- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३२ तिरहुता
विदेह:सदेह ३३ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-२- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३३ तिरहुता
विदेह:सदेह ३४ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-३- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३४ तिरहुता
विदेह:सदेह ३५ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-४- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३५ तिरहुता
विदेह:सदेह ३६ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-५- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३६ तिरहुता

.....

यू.पी.एस.सी. आ आन प्रतियोगिता परीक्षा लेल देखू:

विदेह:सदेह १७	विदेह:सदेह २१	विदेह:सदेह २३	विदेह:सदेह २६	विदेह:सदेह २९
विदेह:सदेह ३०	विदेह:सदेह ३२	विदेह:सदेह ३३	विदेह:सदेह ३४	विदेह:सदेह ३५

.....

२

विदेहक सभटा पुरान अंक (अंक १ सँ ३५४ आ आगाँ)

विदेहक अंक १-१४९ (देवनागरी, मिथिलाक्षर आ ब्रेलमे)

देवनागरी	मिथिलाक्षर	ब्रेल
Videha 01 01 08	Videha 01 01 08 Tirhuta	1
Videha 15 01 08	Videha 15 01 08 Tirhuta	2
Videha 01 02 08	Videha 01 02 08 Tirhuta	3
Videha 15 02 08	Videha 15 02 08 Tirhuta	4

Videha 01 03 08	Videha 01 03 08 Tirhuta	5
Videha 15 03 08	Videha 15 03 08 Tirhuta	6
Videha 01 04 2008	Videha 01 04 2008 Tirhuta	7
Videha 15 04 2008	Videha 15 04 2008 Tirhuta	8
Videha 01 05 2008	Videha 01 05 2008 Tirhuta	9
Videha 15 05 2008	Videha 15 05 2008 Tirhuta	10
Videha 01 06 2008	Videha 01 06 2008 Tirhuta	11
Videha 15 06 2008	Videha 15 06 2008 Tirhuta	12
Videha 01 07 2008	Videha 01 07 2008 Tirhuta	13
Videha 15 07 2008	Videha 15 07 2008 Tirhuta	14
Videha 01 08 2008	Videha 01 08 2008 Tirhuta	15
Videha 15 08 2008	Videha 15 08 2008 Tirhuta	16
Videha 01 09 2008	Videha 01 09 2008 Tirhuta	17
Videha 15 09 2008	Videha 15 09 2008 Tirhuta	18
Videha 01 10 2008	Videha 01 10 2008 Tirhuta	19
Videha 15 10 2008	Videha 15 10 2008 Tirhuta	20
Videha 01 11 2008	Videha 01 11 2008 Tirhuta	21
Videha 15 11 2008	Videha 15 11 2008 Tirhuta	22
Videha 01 12 2008	Videha 01 12 2008 Tirhuta	23
Videha 15 12 2008	Videha 15 12 2008 Tirhuta	24
Videha 01 01 2009	Videha 01 01 2009 Tirhuta	25
Videha 15 01 2009	Videha 15 01 2009 Tirhuta	26
Videha 01 02 2009	Videha 01 02 2009 Tirhuta	27
Videha 15 02 2009	Videha 15 02 2009 Tirhuta	28
Videha 01 03 2009	Videha 01 03 2009 Tirhuta	29
Videha 15 03 2009	Videha 15 03 2009 Tirhuta	30
Videha 01 04 2009	Videha 01 04 2009 Tirhuta	31
Videha 15 04 2009	Videha 15 04 2009 Tirhuta	32
Videha 01 05 2009	Videha 01 05 2009 Tirhuta	33

Videha 15 05 2009	Videha 15 05 2009 Tirhuta	34
Videha 01 06 2009	Videha 01 06 2009 Tirhuta	35
Videha 15 06 2009	Videha 15 06 2009 Tirhuta	36
Videha 01 07 2009	Videha 01 07 2009 Tirhuta	37
Videha 15 07 2009	Videha 15 07 2009 Tirhuta	38
videha 01 08 2009	videha 01 08 2009 tirhuta	39
videha 15 08 2009	videha 15 08 2009 tirhuta	40
videha 01 09 2009	videha 01 09 2009 tirhuta	41
videha 15 09 2009	videha 15 09 2009 tirhuta	42
videha 01 10 2009	videha 01 10 2009 tirhuta	43
videha 15 10 2009	videha 15 10 2009 tirhuta	44
videha 01 11 2009	videha 01 11 2009 tirhuta	45
videha 15 11 2009	videha 15 11 2009 tirhuta	46
videha 01 12 2009	videha 01 12 2009 tirhuta	47
videha 15 12 2009	videha 15 12 2009 tirhuta	48
videha 01 01 2010	videha 01 01 2010 tirhuta	49
videha 15 01 2010	videha 15 01 2010 tirhuta	50
videha 01 02 2010	videha 01 02 2010 tirhuta	51
videha 15 02 2010	videha 15 02 2010 tirhuta	52
videha 01 03 2010	videha 01 03 2010 tirhuta	53
videha 15 03 2010	videha 15 03 2010 tirhuta	54
videha 01 04 2010	videha 01 04 2010 tirhuta	55
videha 15 04 2010	videha 15 04 2010 tirhuta	56
videha 01 05 2010	videha 01 05 2010 tirhuta	57
videha 15 05 2010	videha 15 05 2010 tirhuta	58
videha 01 06 2010	videha 01 06 2010 tirhuta	59
videha 15 06 2010	videha 15 06 2010 tirhuta	60
videha 01 07 2010	videha 01 07 2010 tirhuta	61
videha 15 07 2010	videha 15 07 2010 tirhuta	62

videha 01 08 2010	videha 01 08 2010 tirhuta	63
videha 15 08 2010	videha 15 08 2010 tirhuta	64
videha 01 09 2010	videha 01 09 2010 tirhuta	65
videha 15 09 2010	videha 15 09 2010 tirhuta	66
videha_01_10_2010	videha_01_10_2010_tirhuta	67
videha 15 10 2010	videha 15 10 2010 tirhuta	68
videha 01 11 2010	videha 01 11 2010 tirhuta	69
videha 15 11 2010	videha 15 11 2010 tirhuta	70
videha 01 12 2010	videha 01 12 2010 tirhuta	71
videha 15 12 2010	videha 15 12 2010 tirhuta	72
videha 01 01 2011	videha 01 01 2011 tirhuta	73
videha 15 01 2011	videha 15 01 2011 tirhuta	74
videha 01 02 2011	videha 01 02 2011 tirhuta	75
videha 15 02 2011	videha 15 02 2011 tirhuta	76
videha 01 03 2011	videha 01 03 2011 tirhuta	77
videha 15 03 2011	videha 15 03 2011 tirhuta	78
videha 01 04 2011	videha 01 04 2011 tirhuta	79
videha 15 04 2011	videha 15 04 2011 tirhuta	80
videha 01 05 2011	videha 01 05 2011 tirhuta	81
videha_15_05_2011	videha_15_05_2011_tirhuta	82
videha 01 06 2011	videha 01 06 2011 tirhuta	83
videha 15 06 2011	videha 15 06 2011 tirhuta	84
videha 01 07 2011	videha 01 07 2011 tirhuta	85
videha 15 07 2011	videha 15 07 2011 tirhuta	86
videha 01 08 2011	videha 01 08 2011 tirhuta	87
videha 15 08 2011	videha 15 08 2011 tirhuta	88
videha 01 09 2011	videha 01 09 2011 tirhuta	89
videha 15 09 2011	videha 15 09 2011 tirhuta	90
videha 01 10 2011	videha 01 10 2011 tirhuta	91

videha 15 10 2011	videha 15 10 2011 tirhuta	92
videha 01 11 2011	videha 01 11 2011 tirhuta	93
videha 15 11 2011	videha 15 11 2011 tirhuta	94
videha 01 12 2011	videha 01 12 2011 tirhuta	95
videha_15_12_2011	videha_15_12_2011_tirhuta	96
videha 01 01 2012	videha 01 01 2012 tirhuta	97
videha 15 01 2012	videha 15 01 2012 tirhuta	98
videha 01 02 2012	videha 01 02 2012 tirhuta	99
videha 15 02 2012	videha 15 02 2012 tirhuta	100
videha 01 03 2012	videha 01 03 2012 tirhuta	101
videha 15 03 2012	videha 15 03 2012 tirhuta	102
videha 01 04 2012	videha 01 04 2012 tirhuta	103
videha 15 04 2012	videha 15 04 2012 tirhuta	104
videha 01 05 2012	videha 01 05 2012 tirhuta	105
videha 15 05 2012	videha 15 05 2012 tirhuta	106
videha 01 06 2012	videha 01 06 2012 tirhuta	107
videha 15 06 2012	videha 15 06 2012 tirhuta	108
videha 01 07 2012	videha 01 07 2012 tirhuta	109
videha 15 07 2012	videha 15 07 2012 tirhuta	110
videha_01_08_2012	videha_01_08_2012_tirhuta	111
videha 15 08 2012	videha 15 08 2012 tirhuta	112
videha 01 09 2012	videha 01 09 2012 tirhuta	113
videha 15 09 2012	videha 15 09 2012 tirhuta	114
videha 01 10 2012	videha 01 10 2012 tirhuta	115
videha 15 10 2012	videha 15 10 2012 tirhuta	116
videha 01 11 2012	videha 01 11 2012 tirhuta	117
videha 15 11 2012	videha 15 11 2012 tirhuta	118
videha 01 12 2012	videha 01 12 2012 tirhuta	119
videha 15 12 2012	videha 15 12 2012 tirhuta	120

videha 01 01 2013	videha 01 01 2013 tirhuta	121
videha 15 01 2013	videha 15 01 2013 tirhuta	122
videha 01 02 2013	videha 01 02 2013 tirhuta	123
videha 15 02 2013	videha 15 02 2013 tirhuta	124
videha_01_03_2013	videha_01_03_2013 tirhuta	125
videha 15 03 2013	videha 15 03 2013 tirhuta	126
videha 01 04 2013	videha 01 04 2013 tirhuta	127
videha 15 04 2013	videha 15 04 2013 tirhuta	128
videha 01 05 2013	videha 01 05 2013 tirhuta	129
videha 15 05 2013	videha 15 05 2013 tirhuta	130
videha 01 06 2013	videha 01 06 2013 tirhuta	131
videha 15 06 2013	videha 15 06 2013 tirhuta	132
videha 01 07 2013	videha 01 07 2013 tirhuta	133
videha 15 07 2013	videha 15 07 2013 tirhuta	134
videha 01 08 2013	videha 01 08 2013 tirhuta	135
videha 15 08 2013	videha 15 08 2013 tirhuta	136
videha 01 09 2013	videha 01 09 2013 tirhuta	137
videha 15 09 2013	videha 15 09 2013 tirhuta	138
videha 01 10 2013	videha 01 10 2013 tirhuta	139
videha_15_10_2013	videha_15_10_2013 tirhuta	140
videha 01 11 2013	videha 01 11 2013 tirhuta	141
videha 15 11 2013	videha 15 11 2013 tirhuta	142
videha 01 12 2013	videha 01 12 2013 tirhuta	143
videha 15 12 2013	videha 15 12 2013 tirhuta	144
videha 01 01 2014	videha 01 01 2014 tirhuta	145
videha 15 01 2014	videha 15 01 2014 tirhuta	146
videha 01 02 2014	videha 01 02 2014 tirhuta	147
videha 15 02 2014	videha 15 02 2014 tirhuta	148
videha 01 03 2014	videha 01 03 2014 tirhuta	149

विदेहक अंक १५०३४४-

VIDEHA_150	VIDEHA_151	VIDEHA_152	VIDEHA_153	VIDEHA_154
VIDEHA_155	VIDEHA_156	VIDEHA_157	VIDEHA_158	VIDEHA_159
VIDEHA_160	VIDEHA_161	VIDEHA_162	VIDEHA_163	VIDEHA_164
VIDEHA_165	VIDEHA_166	VIDEHA_167	VIDEHA_168	VIDEHA_169
VIDEHA_170	VIDEHA_171	VIDEHA_172	VIDEHA_173	VIDEHA_174
VIDEHA_175	VIDEHA_176	VIDEHA_177	VIDEHA_178	VIDEHA_179
VIDEHA_180	VIDEHA_181	VIDEHA_182	VIDEHA_183	VIDEHA_184
VIDEHA_185	VIDEHA_186	VIDEHA_187	VIDEHA_188	VIDEHA_189
VIDEHA_190	VIDEHA_191	VIDEHA_192	VIDEHA_193	VIDEHA_194
VIDEHA_195	VIDEHA_196	VIDEHA_197	VIDEHA_198	VIDEHA_199
VIDEHA_200	VIDEHA_201	VIDEHA_202	VIDEHA_203	VIDEHA_204
VIDEHA_205	VIDEHA_206	VIDEHA_207	VIDEHA_208	VIDEHA_209
VIDEHA_210	VIDEHA_211	VIDEHA_212	VIDEHA_213	VIDEHA_214
VIDEHA_215	VIDEHA_216	VIDEHA_217	VIDEHA_218	VIDEHA_219
VIDEHA_220	VIDEHA_221	VIDEHA_222	VIDEHA_223	VIDEHA_224
VIDEHA_225	VIDEHA_226	VIDEHA_227	VIDEHA_228	VIDEHA_229
VIDEHA_230	VIDEHA_231	VIDEHA_232	VIDEHA_233	VIDEHA_234
VIDEHA_235	VIDEHA_236	VIDEHA_237	VIDEHA_238	VIDEHA_239
VIDEHA_240	VIDEHA_241	VIDEHA_242	VIDEHA_243	VIDEHA_244
VIDEHA_245	VIDEHA_246	VIDEHA_247	VIDEHA_248	VIDEHA_249
VIDEHA_250	VIDEHA_251	VIDEHA_252	VIDEHA_253	VIDEHA_254
VIDEHA_255	VIDEHA_256	VIDEHA_257	VIDEHA_258	VIDEHA_259
VIDEHA_260	VIDEHA_261	VIDEHA_262	VIDEHA_263	VIDEHA_264
VIDEHA_265	VIDEHA_266	VIDEHA_267	VIDEHA_268	VIDEHA_269
VIDEHA_270	VIDEHA_271	VIDEHA_272	VIDEHA_273	VIDEHA_274
VIDEHA_275	VIDEHA_276	VIDEHA_277	VIDEHA_278	VIDEHA_279
VIDEHA_280	VIDEHA_281	VIDEHA_282	VIDEHA_283	VIDEHA_284
VIDEHA_285	VIDEHA_286	VIDEHA_287	VIDEHA_288	VIDEHA_289
VIDEHA_290	VIDEHA_291	VIDEHA_292	VIDEHA_293	VIDEHA_294
VIDEHA_295	VIDEHA_296	VIDEHA_297	VIDEHA_298	VIDEHA_299
VIDEHA_300	VIDEHA_301	VIDEHA_302	VIDEHA_303	VIDEHA_304
VIDEHA_305	VIDEHA_306	VIDEHA_307	VIDEHA_308	VIDEHA_309
VIDEHA_310	VIDEHA_311	VIDEHA_312	VIDEHA_313	VIDEHA_314

VIDEHA 315	VIDEHA 316	VIDEHA 317	VIDEHA 318	VIDEHA 319
VIDEHA 320	VIDEHA 321	VIDEHA 322	VIDEHA 323	VIDEHA 324
VIDEHA 325	VIDEHA 326	VIDEHA 327	VIDEHA 328	VIDEHA 329
VIDEHA 330	VIDEHA 331	VIDEHA 332	VIDEHA 333	VIDEHA 334
VIDEHA 335	VIDEHA 336	VIDEHA 337	VIDEHA 338	VIDEHA 339
VIDEHA 340	VIDEHA 341	VIDEHA 342	VIDEHA 343	VIDEHA 344

विदेहक सभ अंक सम्बन्धी किछु आवश्यक पोथी/ जानकारी

Learn Maithili Sign Language- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

मैथिली (मैथिली संकेत भाषा सहित- मैथिलीमे पहिल बेर)

Learn Mithilakshar- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn IPA through Mithilakshar- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Braille through Mithilakshar- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Tirhuta Offline Keyboard download

Keyman Tirhuta/ Vedic Devanagari Keyboards Download

Learn Kaithi- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

कैथी लिपि (मैथिली साहित्य संस्थान डाउनलोड लिंक)

Learn Newari- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Calligraphic Newari (Ranjana)- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Urdu Script- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Tibetan Script- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Japanese Script for Haiku- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Brahmi- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Kharoshthi- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

स्थायी स्तम्भ जेना मिथिला-रत्न, मिथिलाक खोज, विदेह ई-लर्निङ्ग, विदेह स्त्री-कोना, विदेह पेटार (विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक; विदेह पोथी डाउनलोड; विदेह मैथिली ऑडियो-वीडियोक संकलन आ विदेह शिशु, बाल आ किशोर साहित्य) आ सूचना-संपर्क-अन्वेषण (including Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement) सभ अंकमे समान अछि, तइ हेतु ई सभ स्तम्भ सभ अंकमे नै देल जाइत अछि, ई सभ स्तम्भ देखबा लेल क्लिक करू विदेहक ३४६ म, ३४७ म, ३६६ म आ ३७४ म अंक। ऐ चारू अंकमे सम्मिलित रूपेँ ई सभ स्तम्भ देल गेल अछि।

विदेहक ३४५म आ आगाँक अंक

देवनागरी	मिथिलाक्षर	आइ.ए.पी.	मैथिली ब्रेल
VIDEHA 345	VIDEHA 345 Tirhuta	VIDEHA 345 IPA	VIDEHA 345 Braille

VIDEHA 346	VIDEHA 346 Tirhuta	VIDEHA 346 IPA	VIDEHA 346 Braille
VIDEHA 347	VIDEHA 347 Tirhuta	VIDEHA 347 IPA	VIDEHA 347 Braille
VIDEHA 348	VIDEHA 348 Tirhuta	VIDEHA 348 IPA	VIDEHA 348 Braille
VIDEHA 349	VIDEHA 349 Tirhuta	VIDEHA 349 IPA	VIDEHA 349 Braille

देवनागरी	मिथिलाक्षर	आइ.ए.पी.	मैथिली ब्रेल	कैथी
VIDEHA 350	VIDEHA 350 Tirhuta	VIDEHA 350 IPA	VIDEHA 350 Braille	VIDEHA 350 KAITHI
VIDEHA 351	VIDEHA 351 Tirhuta	VIDEHA 351 IPA	VIDEHA 351 Braille	VIDEHA 351 KAITHI
VIDEHA 352	VIDEHA 352 Tirhuta	VIDEHA 352 IPA	VIDEHA 352 Braille	VIDEHA 352 KAITHI
VIDEHA 353	VIDEHA 353 Tirhuta	VIDEHA 353 IPA	VIDEHA 353 Braille	VIDEHA 353 KAITHI
VIDEHA 354	VIDEHA 354 Tirhuta	VIDEHA 354 IPA	VIDEHA 354 Braille	VIDEHA 354 KAITHI

नागरी	तिरहुता	आइपीए	ब्रेल	कैथी	रंजना	नेवाड़ी	खरोड़ी	ब्राह्मी
355	Tirhu	IPA	Brail	KAI	Ran	Newa	Kharo	Brahmi

नागरी	तिरहुता	कैथी	रंजना	प्रचलित	ब्राह्मी	IPA	ब्रेल	खरोड़ी	उर्दू	तिब्बती	तिब्बती-उमे
356	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	ब्रेल	खरोड़ी	उर्दू	Tib	Ume
357	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	ब्रेल	खरोड़ी	उर्दू	Tib	Ume

नागरी	तिरहुता	कैथी	रंजना	प्रचलित	ब्राह्मी	IPA	ब्रेल	तिब्बती	तिब्बती-उमे
358	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	ब्रेल	Tib	Ume
359	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	ब्रेल	Tib	Ume
360	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	ब्रेल	Tib	Ume

नागरी	तिरहुता	कैथी	नेवाड़ी	आइ.पी.ए.	ब्रेल
361	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
362	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
363	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
364	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
365	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille

366	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
367	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
368	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
369	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
370	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
371	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
372	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
373	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille

.....

३

विदेहक विशेषांक

१) हाइकू विशेषांक

Videha 15 06 2008	Videha 15 06 2008 Tirhuta	12
-----------------------------------	---	--------------------

२) गजल विशेषांक

Videha 01 11 2008	Videha 01 11 2008 Tirhuta	21
-----------------------------------	---	--------------------

३) विहनि कथा विशेषांक

videha 01 10 2010	videha 01 10 2010 tirhuta	67
-----------------------------------	---	--------------------

४) बाल साहित्य विशेषांक

videha_15_11_2010	videha_15_11_2010_tirhuta	70
-----------------------------------	---	--------------------

५) नाटक विशेषांक

videha 15 12 2010	videha 15 12 2010 tirhuta	72
-----------------------------------	---	--------------------

६) समीक्षा विशेषांक

videha 15 01 2011	videha 15 01 2011 tirhuta	74
-----------------------------------	---	----

७) नारी विशेषांक

videha 01 03 2011	videha 01 03 2011 tirhuta	77
-----------------------------------	---	----

८) अनुवाद विशेषांक (गद्य-पद्य भारती)

videha 01 01 2012	videha 01 01 2012 tirhuta	97
-----------------------------------	---	----

९) बाल गजल विशेषांक

videha 01 08 2012	videha 01 08 2012 tirhuta	111
-----------------------------------	---	-----

१०) भक्ति गजल विशेषांक

videha 15 03 2013	videha 15 03 2013 tirhuta	126
-----------------------------------	---	-----

११) गजल आलोचना-समालोचना-समीक्षा विशेषांक

videha 15 11 2013	videha 15 11 2013 tirhuta	142
-----------------------------------	---	-----

१२) काशीकांत मिश्र मधुप विशेषांक

[Videha 01 01 2015](#)

१३) अरविन्द ठाकुर विशेषांक

[Videha 01 11 2015](#)

स्वतंत्रचेता- अरविन्द ठाकुर: व्यक्तित्व-कृतित्व (सम्पादक आशीष अनचिन्हार) [विदेह अरविन्द ठाकुर विशेषांकक प्रिण्ट रूप]

१४) जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल विशेषांक

[Videha 01 12 2015](#)

१५) विदेह सम्मान विशेषांक

विदेह सम्मान: सम्मान-सूची (समानान्तर साहित्य अकादेमी, समानान्तर ललित कला अकादेमी आ समानान्तर संगीत-नाटक अकादेमी सम्मान/ पुरस्कार नामसँ विख्यात)

साक्षात्कार/ समारोह

साक्षात्कार	videha 15 12 2011	videha 15 01 2012	videha 01 02 2012	videha 01 03 2012
-------------	-----------------------------------	-----------------------------------	-----------------------------------	-----------------------------------

videha 01 09 2012	videha 15 01 2013	videha 01 03 2013	Videha 15 04 2016	Videha 01 07 2016
-----------------------------------	-----------------------------------	-----------------------------------	-----------------------------------	-----------------------------------

१६) मैथिली सी.डी./ अल्बम गीत संगीत विशेषांक

[Videha 01 01 2017](#)

१७) मैथिली वेब पत्रकारिता विशेषांक

[VIDEHA 313](#)

१८) मैथिली बीहनि कथा विशेषांक-२

[VIDEHA 317](#)

१९) रामलोचन ठाकुर विशेषांक

[VIDEHA 319](#)

२०) रामलोचन ठाकुर श्रद्धांजलि विशेषांक

[VIDEHA 320](#)

२१) राजनन्दन लाल दास विशेषांक

[VIDEHA 333](#)

२२) रवीन्द्र नाथ ठाकुर विशेषांक

VIDEHA 348	VIDEHA 348 Tirhuta	VIDEHA 348 IPA	VIDEHA 348 Braille
----------------------------	------------------------------------	--------------------------------	------------------------------------

२३) केदार नाथ चौधरी विशेषांक (

VIDEHA 352	VIDEHA 352 Tirhuta	VIDEHA 352 IPA	VIDEHA 352 Braille	VIDEHA 352 KAITHI
----------------------------	------------------------------------	--------------------------------	------------------------------------	-----------------------------------

२४) प्रेमलता मिश्र ('प्रेम' विशेषांक

Videha 357	Videha 357 Tirhuta
----------------------------	------------------------------------

२५) शरदिन्दु चौधरी विशेषांक (

Videha 358	Videha 358 Tirhuta
----------------------------	------------------------------------

२६) संजू दास -सन्दर्भ) विमर्श विशेषांक-कला (, कृष्ण कुमार कश्यप, शशिबाला, एससुमन आ श्वेता .सी.
(झा चौधरी

Videha 368	Videha 368 Tirhuta
----------------------------	------------------------------------

२७) रचनाकार अशोक विशेषांक (

[Videha 369](#) | [Videha 369 Tirhuta](#)

२७ राम भरोस कापड़ि ('भ्रमर' विशेषांक

[Videha 370](#) | [Videha 370 Tirhuta](#)

२८विशेषांक (.यू.एस.एम) मिथिला स्टूडेंट यूनियन (

[Videha 371](#) | [Videha 371 Tirhuta](#)

.....

४

लेखक आमंत्रित रचना आ ओइपर आमंत्रित समीक्षक समीक्षा सीरीज

शकामिनीक पांच टा कविता आ ओइपर मधुकान्त झाक टिप्पणी.

[Videha 01 09 2016](#)

२पर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी "माटिक बासन" क "मनु" जगदानन्द झा.

[VIDEHA 353](#)

३आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी "जिन्दगीक मोल" मुन्नी कामतक एकांकी.

[VIDEHA 354](#)

४ टा कथा ५ कपिलेश्वर राउतक.आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

[VIDEHA 356](#)

५टा कथा आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी ५ उमेश मण्डलक.

[Videha 357](#)

६टा कथा आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी ५ राम विलास साहुक.

[Videha 358](#)

७नित नवल सु.भाष चन्द्र यादवसुभाष चन्द्र यादवक समस्त साहित्य आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी -

नित नवल सुभाष चन्द्र यादव

नित नवल सुभाष चन्द्र यादव (मिथिलाक्षर)

८राजदेव मण्डलक साहित्यपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी.

Rajdeo Mandal- Maithili Writer

१टा कथा आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी ५ आचार्य रामानन्द मण्डलक.

Videha 360

१०नन्द विलास रायक चारिटा कथा. आ एकटा एकांकी आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

Videha 361

११जगदीश प्रसाद मण्डलक साहित्यपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी.

JAGDISH PRASAD MANDAL- Maithili Writer

१२दुर्गानन्द मण्डलक पाँचटा कथा आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी.

Videha 363

१३नारायण यादवक पाँचटा कथा आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

Videha 364

१४दिनेश कुमार मिश्रक समस्त लेखन आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी -नित नवल दिनेश कुमार मिश्र .

नित नवल दिनेश कुमार मिश्र (जारी)

१५सुशीलक समस्त साहित्य आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी -नित नवल सुशील .

नित नवल सुशील (जारी)

.....

५

**"पाठक हमर पोथी किए पढ़थि" - लेखक द्वारा अप्पन पोथी/ रचनाक
समीक्षा सीरीज**

१. आशीष अनचिन्हार ०१ अगस्त २०२१

१).a) आशीष अनचिन्हार ०१ मार्च २०२३

२२०२२ सितम्बर ०१ गजेन्द्र ठाकुर .

.....

६

एडिटर्स चोइस सीरीज

एडिटर्स चोइस सीरीज१-

विदेहमे बलात्कारपर मैथिलीमे पहिल कविता प्रकाशित भेल छल। ई दिसम्बर २०१२ क दिल्लीक निर्भया बलात्कार काण्डक बादक समय छल। ओना ई अनूदित रचना छल, तेलुगुमे पसुपुलेटी गीताक कविताक हिन्दी अनुवाद केने छलीह आरशांता सुन्दरी आ हिन्दीसँ मैथिली अनुवाद केने छलाह विनीत . कोनो उत्पल। हमर जानकारीमे ऐसँ बेशी सिहराबैबला कविता ऐ विषयपर भाषामे नै रचल गेल अछि। कताक सालक बादो ई समस्या ओहने अछि। ई कविता सभकेँ पढ़बाक चाही, खास कऽ सभ बेटीक बापकेँ, सभ बहिनक भाएकेँ आ सभ पत्नीक पतिकेँ। आ विचारबाक चाही जे हम सभ अपना बच्चा सभ लेल केहन समाज बनेने छी।

एडिटर्स चोइस सीरीज१- (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज२-

विदेहमे ब्रेस्ट कैसरक समस्यापर विदेह मे मीना झा केर एकटा लघु कथा प्रकाशित भेल। ई मैथिलीक पहिल कथा छल जे ब्रेस्ट कैसर पर लिखल गेल। हिन्दीमे सेहो ताधरि ऐ विषयपर कथा नै लिखल गेल छल, कारण ऐ कथाक ई-१ प्रकाशित भेलाक२ सालक बाद हिन्दीमे दू गोटेमे घोंघाउज भऽ रहल छल कि

पहिल हम आकि हम, मुदा दुनूक तिथि मैथिलीक कथाक परवर्ती छल। बादमे ई विदेह लघु कथामे सेहो संकलित भेल।

एडिटर्स चोइस सीरीज२- (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज३-

विदेहमे जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिलक किछु बाल कविता प्रकाशित भेल। बादमे हुनकर ३ टा बाल कविता विदेह शिशु उत्सवमे संकलित भेल जइमे २ टा कविता बेबी चाइल्डपर छल। पढ़ू ई तीनू कविता, बादक दुनू बेबी चाइल्डपर लिखल कविता पढ़बे टा करू से आग्रह।

एडिटर्स चोइस सीरीज३- (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज४-

विदेहमे जगदानन्द झा क एकटा दीर्घ बाल कथा कहि लिअ बा उपन्यास "मनु" प्रकाशित भेल, नाम छल चोनहा। बादमे ई रचना विदेह शिशु उत्सवमे संकलित भेल, ई रचना बाल मनोविज्ञानपर आधारित मैथिलीक पहिल रचना छी, मैथिली बाल साहित्य कोना लिखी तकर ट्रेनिंग कोर्समे ऐ उपन्यासकेँ राखल जेबाक चाही। कोना मोडर्न उपन्यास आगाँ बढै छै, स्टेप बाइ स्टेप आ सेहो बाल उपन्यास। पढ़बे टा करू से आग्रह।

एडिटर्स चोइस सीरीज-४ (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज५-

एडिटर्स चोइस ५ मे मैथिलीक माने कुमार पवनक दीर्घकथा "उसने कहा था" । हिन्दीक पाठक (साभार अंतिका) "पढ़ू", जे पढ़ने हेता "उसने कहा था",

केँ बुझल छन्हि जे कोना अहि कथाकेँ रचि चन्द्रधर शर्मा अमर भऽ "गुलेरी" गेलाह। हम चर्चा कऽ रहल छी, कुमार पवनक दीर्घकथाक। एकरा "पइठ" पढ़लाक बाद अहाँकेँ एकटा विचित्र, सुखद आ मोन हौल करैबला अनुभव भेटत, जे सेक्सपीरिअन ट्रेजेडी सँ मिलितो लागत आ फराको। मुदा ऐ रचनाकेँ पढ़लाक बाद तामस, घृणा सभपर नियंत्रणकेँ आ सामाजिकपारिवारिक दायित्वकेँ / सेहो अहाँ आर गंभीरतासँ लेबै, से धरि पक्का अछि। मुदा एकर एकटा शर्त अछि जे एकरा समै निकालि कऽ एक्के उखड़ाहामे पढ़ि जाइ।

एडिटर्स चोइस सीरीज५- (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज६-

जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा क अकालमे बंगालमे ४३-१९४२ : "बिसाँढ़" लाख लोक मुइला १५, मुदा अमर्त्य सेन लिखैत छथि जे हुनकर कोनो सर-मे आ .ई १९६७ सम्बन्धी ऐ अकालमे नै मरलन्हि। मिथिलोमे अकाल आएल इन्दिरा गाँधी जखन ऐ क्षेत्र अएली तँ हुनका देखाओल गेल जे कोना मुसहर जातिक लोक बिसाँढ़ खा कऽ ऐ अकालकेँ जीति लेलन्हि। मैथिलीमे लेखनक एकभगाह स्थिति विदेहक आगमनसँ पहिने छल। मैथिलीक लेखक लोकनि सेहो अमर्त्य सेन जेकाँ ओहि महाविभीषिकासँ प्रभावित नै छला आ तँ बिसाँढ़पर कथा नै लिखि सकला। जगदीश प्रसाद मण्डल ऐपर कथा लिखलन्हि जे प्रकाशित भेल चेतना समितिक पत्रिकामे, मुदा कार्यकारी सम्पादक द्वारा वर्तनी परिवर्तनक कारण ओ मैथिलीमे नै वरण् अवहट्टमे लिखल बुझा पड़ल, आ ओतेक प्रभावी नै भऽ सकल कारण विषय रहै खाँटी आ वर्तनी कृत्रिम। से एकर पुनः ईप्रकाशन - लघुकथा "जिनगी गामक" अपन असली रूपमे भेल विदेहमे आ ई संकलित भेल संग्रहमे। ऐ पोथीपर जगदीश प्रसाद मण्डलकेँ टैगोर लिटरेचर अवार्ड भेटलनि। जगदीश प्रसाद मण्डलक लेखनी मैथिली कथाधारकेँ एकभगाह हेबासँ बचा

लेलक, आ मैथिलीक समानान्तर इतिहासमे मैथिली साहित्यकेँ दू कालखण्डमे बाँटि कऽ पढ़ए जाए लागलपूर्व आ जगदीश प्रसाद जगदीश प्रसाद मण्डलसँ - अपन सुच्चा स्वरूपमे। -मण्डल आगमनक बाद। तँ प्रस्तुत अछि लघुकथा बिसाँढ़

एडिटर्स चोइस सीरीज६- (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज७-

मैथिलीक पहिल आ एकमात्र दलित आत्मकथासन्दीप कुमार साफी। सन्दीप : कुमार साफीक दलित आत्मकथा जे अहाँकेँ अपन लघु आकारक अछैत हिलोड़ि देत आ अहाँक ई स्थिति कऽ देत जे समानान्तर मैथिली साहित्य कतबो पढ़ू अहाँकेँ अछौं नै हएत। ई आत्मकथा विदेहमे ईप्रकाशित भेलाक बाद लेखकक - मे संकलित भेल आ ई मैथिलीक अखन धरिक "बैशाखमे दलानपर" पोथी एकमात्र दलित आत्मकथा थिक। तँ प्रस्तुत अछि मैथिलीक पहिल दलित सन्दीप :आत्मकथाकुमार साफीक कलमसँ।

एडिटर्स चोइस सीरीज७- (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज८-

नेना भुटकाकेँ रातिमे सुनेबा लेल किछु लोककथा ।(विदेह पेटारसँ)

एडिटर्स चोइस सीरीज८- (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज९-

मैथिली गजलपर परिचर्चा ।(विदेह पेटारसँ)

एडिटर्स चोइस सीरीज९- (डाउनलोड लिंक)

.....

विदेह सम्मान: सम्मानसूची- (समानान्तर साहित्य अकादेमी, समानान्तर ललित कला अकादेमी आ समानान्तर संगीत /नाटक अकादेमी सम्मान- (पुरस्कार नामसँ विख्यात

.....

मैथिलीक वर्तनी

१

मैथिलीक वर्तनी- विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

भाषापाक

२

मैथिलीक वर्तनीमे पर्याप्त विविधता अछि। मुदा प्रश्नपत्र देखला उत्तर एकर वर्तनी इग्नू BMAF001 सँ प्रेरित बुझाइत अछि, से एकर एकरा एक उखड़ाहामे उनटा-पुनटा दियौ, ततबे धरि पर्याप्त अछि। यू.पी.एस.सी. क **मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेल सेहो ई पर्याप्त अछि**, से जे विद्यार्थी मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेने छथि से एकर एकटा आर फास्ट-रीडिंग दोसर-उखड़ाहामे करथि।

IGNOU इग्नू BMAF-001

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com. The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send

your queries to sales.vidaha@gmail.com. The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/documents.

२.मैथिली पोथी डाउनलोड Maithili Books Download

विदेह पोथी

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in/> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू।
Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

[Search for Books \(including Audio-Visual & Sign Language\) relating to Mithila/ Maithili](#)

<https://books.google.com/>



Videha Archive of Maithili Books विदेह मैथिली पोथीक आर्काइव (पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल) सभ पोथी पी.डी.एफ. डाउनलोड लेल क्रमानुसार नीचाँक लिंक सभपर उपलब्ध अछि। All the books are available for pdf download at the respective links below

.....

[तिरहुता, नेवाड़ी आ कैथी फॉण्ट डाउनलोड Google's Noto Fonts project/ GitHub](#)

तिरहुता नोटो फॉण्ट	कैथी ओटीएफ	कैथी टीटीएफ	नेवाड़ी ओ.टी.एफ.	नेवाड़ी टी.टी.एफ.
--------------------	------------	-------------	------------------	-------------------

<https://fonts.google.com/> (Google Open Fonts download)

[Tirhuta Offline Keyboard download](#)

[Keyman Tirhuta/ Vedic Devanagari Keyboards Download](#)

<https://malarproject.gitlab.io/tirhuta> (Tirhuta Keyboard Online)

.....

बौद्ध चर्यापद (सौजन्य- म. म. हरप्रसाद शास्त्री, १९०७, जयधारी सिंह, १९६९)

२३ कवि ५० टा चर्यापद संख्या [लुइपाद १, २९; कुक्कुरीपाद २, २०, ४८; विरुबपाद ३; गुण्डारीपाद ४; चत्तिलपाद ५; भुसुकुपाद ६, २१, २३, २७, ३०, ४१, ४३, ४९; कान्हापाद ७, ९, १०, ११, १२, १३, १८, १९, २४, ३६, ४०, ४२, ४५; कम्बलाम्बरपाद ८; डोम्बीपाद १४; शान्तिपाद १५, २६; महिधरपाद १६; वीणापाद १७; सरहपाद २२, ३२, ३८, ३९; शबरपाद २८, ५०; आर्यदेवपाद ३१; ढेनढनपाद ३३; दारिकापाद ३४; भादेपाद ३५; ताडकापाद ३७; कनकनापाद ४४; जयनन्दीपाद ४६; धमपाद ४७; तंत्रीपाद २५]

१६ राग ४७ चर्यापद संख्या- ३ टा चर्यापद संख्या -२४, २५, ४८ (इन्द्रताल २४; गीति- २५, पटह- ४८)- मे राग अनुपलब्ध [पतमञ्जरी १, ६, ७, ९, ११, १७, २०, २९, ३१, ३३, ३६; गबड बा गौड़ २, ३, १८; आरु ४; गुर्जरा, गुञ्जरी बा कान्हा-गुञ्जरी ५, २२, ४१, ४७; देवकरी ८; देशाखा १०, ३२; कामोद १३, २७, ३७, ४२; धनाशी बा धनश्री १४; रामकरी १५, ५०; बलडी बा बराडी २१, २३, २८, ३४; शबरी २६, ४६; मल्लारी ३०, ३५, ४४, ४५, ४९; मालासी ३९; मालासी-गाबुरा ४०; बांगल ४३; भैरवी १२, १६, १९, ३८]

चर्यापद

महाकवि डाक (संकलन पं जीवानन्द ठाकुर, १९५०)

डाकवचन

मैथिलीक आदिकवि विद्यापति (ज्योतिरीश्वर पूर्व) [सौजन्य- डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इण्डिया]

विद्यापति पद्यावली (सम्पादन नगेन्द्रनाथ गुप्त १९१०)

मैथिलीक आदिकवि विद्यापति (ज्योतिरीश्वर पूर्व)- गजेन्द्र ठाकुर

ज्योतिरीश्वर ठाकुर (सौजन्य- डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इण्डिया)

वर्णन रत्नाकर

मैथिली धूर्तसमागम

**विद्यापति ठक्कुर: [(१३५०-१४३५) मैथिलीक आदि कवि ज्योतिरीश्वर-पूर्व
विद्यापतिसँ भिन्न, संस्कृत आ अवहट्टमे लेखन]**

व्याडीभक्ति तरङ्गिणी

गोरक्षविजयम्

Vidyapati A Political Analysis- Dr Shankar Kumar Jha

[सौजन्य पं शशिनाथ झा/ रामदेव झा]

शंकरदेव

पारिजातहरण

रामविजय

दैत्यारि ठाकुर

श्यामंत हरण यात्रा (अंकिया नाट)

माधवदेव

भूमि लुटिया झुमुरा आ पिम्परा-गुचुरा-झुमुरा

लक्ष्मीदेव

कुमारहरण नाट शत स्कंध रावण वध (अंकिया नाट)

जगत्प्रकाशमल्ल

प्रभावतीहरण नाटक

सिद्ध नरसिंहमल्ल

गीतावली सिद्धि

जगत्ज्योतिर्मल्ल

हरगौरी विवाह नाटक कुञ्जविहार नाटक

हर्षनाथ झा

माधवानन्द नाटक

उषाहरण

हर्षनाथ काव्यग्रन्थावली (संकलन अमरनाथ झा १८९७-१९५५)

रत्नपाणि

उषाहरण नाटक

श्रीकांत

श्रीकृष्ण जन्म रहस्य

नन्दीपति

कृष्णकेलिमाला

गीतमाला

कान्हा रामदास

गौरीस्वयंवर

लाल

गौरीस्वयंवर नाटक

उमापति

पारिजात हरण

भानुनाथ

प्रभावती हरण

देवानन्द

उषाहरण

रमापति

रुक्मणी परिचय

उपाध्याय रामदास

आनन्द विजयाभिदान नाटिका

शिवदत्त

गौरीपरिणय सीतास्वयंवर दुर्गाविजय

पारिजात नाटक

.....

कथा बौद्ध सिद्ध मेहथपा (बाल साहित्य केन्द्रित) मेंहथमे भेल ८२ म सगर राति दीप जरयमे पठित कथा सभक संकलन

कथा बौद्ध सिद्ध मेहथपा

सखुआवाली (नारी विमर्श केन्द्रित) भपटियाहीमे भेल ८३ म सगर राति दीप जरयमे पठित कथा सभक संकलन

सखुआवाली

सर जी. ए. ग्रियर्सन (१८५१-१९४१)

मैथिली ग्रामर

मैथिली क्रेस्टोमेथी एण्ड वोकाबुलेरी

मुंशी रघुनन्दन दास (१८६०-१९४५) (सौजन्य- राधाकृष्णन् दास)

सुभद्रा हरण

रासबिहारी लाल दास (१८७२-१९४०) (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

सुमति

हरिनन्दन दास (सौजन्य- राधाकृष्णन् दास)

सुदामा चरित

पं रामजी चौधरी (१८७८-१९५२) (सौजन्य- श्री श्रीमोहन चौधरी)

विविध भजनावली

आचार्य रामलोचन शरण (१८८९-१९७१) (सौजन्य- मैथिली साहित्य संस्थान)

जयन्ती-स्मारक ग्रन्थ

धनुषधारी दास (१८९५-१९६५) (सौजन्य- पञ्जीकार विद्यानन्द झा)

मैथिली में बिहारी

**हरिमोहन झा (१९०८-१९८४) (सौजन्य- मैथिली साहित्य संस्थान/
गौरीनाथ)**

अभिनन्दन ग्रन्थ

अंतिका (हरिमोहन झा विशेषांक)

.....

डॉ. राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर' (सौजन्य- राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर')

महिषासुर मुर्दावाद एवं अन्य नाटक (१९९७)

लोक नाट्य: जट जटिन (२००७) (शोध)

हुगली ऊपर बहैत गंगा आ आन कथा (कथा संग्रह) (२००८)

भ्रमर मैथिली दीर्घ कविता (हिन्दी अनुवाद-अब बस नहीं) (२००९)

मैथिली लोक संस्कृति (नेपाली भाषामे) (२००९)

भैया अएलै अपन सोराज (नाटक संग्रह) (२०१०)

घरमुहाँ (उपन्यास) (२०१२)- ई बुक वर्जन

घरमुँहा (उपन्यास) (२०१२)- प्रिंट वर्जन

Homebound (2023)

अनहरियाक चान (गजल संग्रह) (२०१३)

चीन जे हम देखल (यात्रा संस्मरण) (२०१४)

सूली पर इजोत एवं अन्य नाटक (२०१५)

सीमाके आर-पार (यात्रा संस्मरण) (२०१६)

युद्धभूमिक एसगर योद्धा (कविता संग्रह) (२०१७)

एंटीवायरस (कथा संग्रह) (२०१९)

कोरोनाक संत्रासमे ओझरायल जिनगी (लकडाउन डायरी) (२०२०)

मिथिलाक लोकजीवन लोकसन्दर्भ (२०२२)

सोन्हगर गन्धक अन्वेषी डा. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन'

मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी

स्मारिका (२०१०)

आंगन अंक-४ (२०१२) सलहेस विशेषांक

आँजुर (अंक वर्ष ३६, अंक ३) सोमदेव विशेष

गामघर-३०-०८-२०१८

गामघर-०४-१०-२०१८

गामघर-१६-०५-२०१९

गामघर-२७-०६-२०१९

रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"क किछु नाटक

मुन्नाजी द्वारा साक्षात्कार पृ. ३२१-३२८

देसिल बयनाक बहन्ने रामलोचन ठाकुर प्रसंग पृ. ३४७-३५७

हमर ज्ञान-पिपाशाक स्रोत: शरदिन्दु चौधरी पृ. ३१-३४

जट जटिन पृ. ५६८-७०५

भैया, अएलै अपन सोराज पृ. ५६८-७०५

आलेख कथा-फ्लैशबैक पृ. ८४-८८

आलेख पृ. पृ. ११७-१२५

आलेख पृ. १२७६-१२९०

आलेख पृ. ९७-९८

रायपुर यात्रा प्रसंग पृ. १५०-१५४

सलहेस परिचर्चा रिपोर्ट पृ. ४१-४५

रिपोर्ट पृ. २३१-२४३

रिपोर्ट पृ. ४४५

रिपोर्ट पृ ५६८-६०५

रिपोर्ट पृ. ५८३-५८५

गंगा प्रसादक स्वायत्तता आ हुगलीपर बहैत गंगा पृ. २२३-२२६

गीत पृ. १४४९-१४५०

गजल गीत पृ. २११

अन्हारक विरुद्ध आ आजाद गजल पृ. ६१९-६२१)

रामभरोस कापडि भ्रमर (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)- प्रोमिशा मिश्रा (सम्पादक चन्द्रेश)

विदेह राम भरोस कापडि 'भ्रमर' विशेषांक

बृषेश चन्द्र लाल (सौजन्य- बृषेश चन्द्र लाल)

आन्दोलन (कविता संग्रह)

ढोलक (बाल कविता संग्रह)

सुम्निमा (अनूदित उपन्यास)

मोदिआइन (बी.पी.कोइरालाक कथा)

माल्हो (कथा संग्रह)

गोलबा (कथा संग्रह)

परमेश्वर कापडि (सौजन्य- परमेश्वर कापडि)

धूआ-धजा

अंक ७

अंक १४

अंक १५

अंक १६

अंक १८

अंक १० जून २०१२

अंक २४ जून २०१२

२५ जुलाई २०१२

०५ अगस्त २०१२

२३ फरबरी २०१६

आसिन २०७३

सुजीत कुमार झा (सौजन्य- सुजीत कुमार झा)

रिपोर्टर डायरी (रिपोर्ताज)

चिड़ै (लघुकथा-संग्रह)

जिड़ी (लघुकथा संग्रह)

कोइली घूरि आउ (बाल लघु-विहनि कथा संग्रह)

गन्ध (लघु कथा संग्रह)

खजुरीबाली (लघु कथा संग्रह)

बुलबुल (कथा संग्रह)

दूधमती- (नेपाली आ मैथिलीमे)

अंक ३१ अंक ३२ अंक ३३ अंक ३४ अंक 35 अंक 36 अंक 37 अंक 38 अंक

39 अंक 40 अंक 41

विन्देश्वर ठाकुर

नेपालक नोर मरुभूमिमे

विनीत ठाकुर (सौजन्य- विनीत ठाकुर)

बाँकी अछि हम्मर दूधक कर्ज

संतोष मिश्र (सौजन्य- संतोष मिश्र)

पोसपुत (लघुकथा-संग्रह)

उदास मोन (लघुकथा-संग्रह)

एना-किए (कविता-संग्रह)

अएना (संपादन- कविता-संग्रह)

कनकमणि दीक्षित (मूल नेपालीसँ मैथिली अनुवाद रूपा धीरू आ धीरेन्द्र प्रेमर्षि, बाल साहित्य) (सौजन्य- धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

भगता बेडक देश-भ्रमण

**Ayodhyanath Choudhary (Courtesy-
Ayodhyanath Choudhary)**

Varied Verses (Maithili Verses in English
Translation)

...

डॉ शशिधर कुमार आ सुप्रिया बेबी कुमारी

भूकम्प (पृ. ६३८-६७४)

अणिमा सिंह (सौजन्य- नचिकेता)

शिशु गीत खेल

इलारानी सिंह (सौजन्य- नचिकेता)

प्रेम- एक कविता (अनूदित नाटक)

अरुन्धती देवी (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

मिथिलाक विदुषी महिला

डॉ. कमला चौधरी (सौजन्य- कमला चौधरी)

मैथिलीक वेश-भूषा-प्रसाधन सम्बन्धी शब्दावली २००८

समय-संकेत (कथा-संग्रह) २०१०

डॉ. ललिता झा (सौजन्य- ललिता झा)

मैथिलीक भोजन सम्बन्धी शब्दावली २०११

प्रोमिशा मिश्रा

रामभरोस कापड़ि भ्रमर (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)

सुस्मिता पाठक (सौजन्य- केदार कानन)

परिचिति (कविता संग्रह)

कनोजड़ि (कथा संग्रह)

नन्दिनी पाठक (सौजन्य- केदार कानन)

पाथरक शहर (कविता संग्रह)

पन्ना झा (सौजन्य- नरेन्द्र झा)

अनुभूति (लघुकथा संग्रह)

कल्पना झा (सौजन्य- कल्पना झा)

गोसाउनिक गीत

नशामुक्ति हित गाबी गीत

निनियाँ

यायावरी- शेफालिका वर्मा (हिन्दी अनुवाद कल्पना झा)

मुन्नी कामत (सौजन्य- मुन्नी कामत)

सुखल मन तरसल आँखि (पद्य आ गद्य)

सुखल मन तरसल आँखि (कविता)

अंततः (कविता संग्रह)

चुक्का (बाल कथा संग्रह)

नीता झा (सौजन्य- नीता झा)

बिलाइ मौसी (बाल लघुकथा संग्रह)

शेफालिका वर्मा (सौजन्य- शेफालिका वर्मा)

यायावरी (यात्रावृत्तान्त)

यायावरी (हिन्दी अनुवाद- कल्पना झा)

अर्थयुग (लघुकथा संग्रह)

एकटा अकास (लघुकथा संग्रह)

भावांजलि (गद्य गीत)

किस्त-किस्त जीवन (आत्म कथा)

आखर-आखर प्रीत

नागफांस (उपन्यास)

Naagphans (In English)

विभा रानी

विभा रानीक दूटा नाटक (भाग रौ आ बलचन्दा)

सुशीला झा (सौजन्य- प्रभा खेतान/ सुशीला झा)

छिन्नमस्ता- प्रभा खेतानक हिन्दी उपन्यासक मैथिली अनुवाद

कुसुम ठाकुर

प्रत्यावर्तन (आत्मकथा)(पृ. ४५९-५७२)

डॉ. कामिनी कामायनी

विदेह:सदेह ३१ (डॉ. कामिनी कामायनी आ कुमार मनोज कश्यप- अंक १-३५०
सँ)

प्रीति ठाकुर

गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा -पहिल मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मिथिलाक लोकदेवता (बाल साहित्य)

विद्यापतिक पुरुष परीक्षा (बाल साहित्य)

रेस (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

ए बी सी डी- प्रकृति अक्षर पोथी (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

सभ खाइत अछि (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

बो म्याउ बाह (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

रड सभ (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(०६) छोट आ पैघ (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(०७) माल-जाल आ जानवर दिस देखू (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(१७) हमर परिवार (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

जानवर (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

पोथी १३: १...२...३... (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

बाजाक अबाज (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

11000 PALM LEAF PANJI INSCRIPTIONS (VOLUME I
TO XXII) Compiled, Scanned & Catalogued by Preeti
Thakur

गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर (समालोचना)

नीतू कुमारी

मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

किरण चौधरी (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर बाल-वाड़ी

आर्या कौकपिट मे

दीपा करमाकर- सही संतुलन मे

जंगल मे अहाँक स्वागत अछि

द्वेल छथि आकाश मे

भैया के मुस्कान के चौरौलक

बीज संचयक

अचंभित करय "फिबोनाची"

शौचालयक खिस्सा

लाल बरसाती

गुल्लीक जादुई पेटी

समीराक विकठ भोजन

विवाह मे जाई छी

प्रियंका झा (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर माँछ! नै हमर माँछ!

रश्मि प्रिया (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

कैयो सकै छी, नहियो कऽ सकै छी

सुनीता ठाकुर (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

बण्टी आ बबली

नीलिमा चौधरी (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर सभसँ नीक संगी

स्वास्तिका ठाकुर (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

गप्पू बुते नाचल नै होइ छै

तूलिका (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमरा ओ चाही!

मधूलिका मिश्र (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

ओंघाइत भीमा

लक्ष्मी ठाकुर

जानवर सभ संगे भँट-घाँट

पूनम मण्डल

सुतै कालक खिस्सा

.....

राम इकबाल सिंह 'राकेश' (१९१२-१९९४) [सौजन्य- ई-पुस्तकालय]

मैथिली लोकगीत (१९४२, १९५५)

तेज नारायण लाल 'शास्त्री' [सौजन्य- ई-पुस्तकालय]

मैथिली लोकगीतों का अध्ययन (१९६२)

डॉ शंकर कुमार झा (सौजन्य- कीर्तिनाथ झा/ आर्काइव डॉट ओआरजी)

Vidyapati A Political Analysis

राधाकृष्ण चौधरी (१९२१-१९८५) (सौजन्य- प्रभात कुमार चौधरी/

IGNCA-ASI)

मिथिलाक इतिहास

A Survey of Maithili Literature

The Political and Cultural Heritage of Mithila

Mithila in the Age of Vidyapati

जयकान्त मिश्र (१९२२-२००९) (सौजन्य- काश्मीर रिसर्च इंस्टीट्यूट

लाइब्रेरी, आर्काइव डॉट ओआरजी, इण्डियन कल्चर डॉट जीओवी डॉट

इन, साहित्य-अकादेमी डॉट जीओवी डॉट इन)

बृहत् मैथिली शब्दकोश भाग-१

A History of Maithili Literature Vol. I

Introduction to the Folk Literature of Mithila

Meet the Author

उपेन्द्र ठाकुर (१९२९-१९९१)[सौजन्य- डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इण्डिया/

IGNCA-ASI]

History of Mithila

Studies in Jainism and Buddhism in Mithila

सोमदेव (१९३४-२०२२) (सौजन्य- राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर')

आँजुर सोमदेव विशेष

प्रभास कुमार चौधरी (१९४१-१९९८) (सौजन्य- अशोक)

सन्धान प्रभास विशेष

लल्लन प्रसाद ठाकुर (१९५३-१९९५) (सौजन्य- कुसुम ठाकुर)

लौंगिया मिरचाइ

नाटककार लल्लन प्रसाद ठाकुर समग्र रचनावली (५ टा नाटक, ४ टा एकांकी

आ ३ टा गीति नाटिका सहित)

सुभाष चन्द्र यादव (सौजन्य- सुभाष चन्द्र यादव)

राजकमल चौधरी: मोनोग्राफ

नित नवल राजकमल

बनैत बिगड़ैत (लघुकथा संग्रह)

गुलो

गुलो (हिन्दी अनुवाद- रमण कुमार सिंह)

रमता जोगी

मडर

भोट

गुलो: कला आ भाषा (सम्पादक तारानन्द वियोगी आ केदार कानन)

नित नवल सुभाष चन्द्र यादव (लेखक गजेन्द्र ठाकुर)

नित नवल सुभाष चन्द्र यादव (मिथिलाक्षर)

अशोक (सौजन्य- अशोक आ शिवशंकर श्रीनिवास)

चक्रव्यूह (कविता संग्रह) (१९८६)

त्रिकोण (कथा संग्रह) (१९८६)

ओहि रातिक भोर (कथा संग्रह) (१९९१)

मातबर (कथा संग्रह) (२००१)

संवाद (साक्षात्कार संग्रह) (२००७)

आँखिमे बसल (यात्रा कथा) (२०१३)

बात-विचार (आलोचना) (२०१५)

डैडीगाम (कथा संग्रह) (२०१७)

अशोक-सेलेक्शन्स (विविध)

अशोक-नव कविता

नीक दिनक बाइस्कोप (व्यंग्य संग्रह) (२०१८)

कथा-पाठ (मैथिली कथाक आलोचनात्मक अध्ययन) (२०२२)

प्रतिमान (सम्पादन)

किरण (प्रतिमान गोष्ठी- सम्पादक मोहन भारद्वाज)

सन्धान १ (सम्पादन)

सन्धान २ (सम्पादन)

सन्धान ३ (सम्पादन) प्रभास विशेष

सन्धान ४ (सम्पादन)

मुन्ना जी द्वारा साक्षात्कार (पृ. ३८२-३८५)

बनैत कम बिगडैत बेसी (पृ. २०२३-२०३१)

सम्पादक राजनन्दन लाल दास आ कर्णामृत (पृ. ११९-१२२)

रामलोचन ठाकुरक कविता पढैत (पृ. ३२७-३४१)

केदार नाथ चौधरीक उपन्यास (पृ. १०१-१०६)

शरदिन्दुजी (पृ. ७०-७३)

विदेह रचनाकार अशोक विशेषांक

रामदेव झा (सौजन्य- शंकरदेव झा/ योगानन्द झा)

सव्यसाची (अभिनन्दन ग्रन्थ)

मैथिली शब्द संचय

दत्त-वतीक वस्तु कौशल

संकल्प अंक-५ (सम्पादक डॉ रामदेव झा, सहायक सम्पादक डॉ योगानन्द झा)

१९८८

कीर्तिनाथ झा (सौजन्य- कीर्तिनाथ झा/ आर्काइव डॉट ओआरजी)

कुरल: मैथिली भावानुवाद (मूल तमिल आदि-कवि तिरुवल्लुवर)

टूटल पाँखि (खलील जिब्रानक उपन्यास 'द ब्रोकन विंग्स'क मैथिली अनुवाद)

किछु पुरान गप्प, किछु नव गप्प (कथा संग्रह)

अनुपम मिश्र पॉडकास्ट एपीसोड ४० कीर्तिनाथ झा

आशीष अनचिन्हार

संदर्भ सहित (गजल-आलोचना)

कुमारि इच्छा (गजल संग्रह)

जंघाजोड़ी (गजल संग्रह)

अनचिन्हार आखर (गजल, रुबाइ आ कताक संग्रह)

मैथिली गजलक व्याकरण ओ इतिहास

मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास (अनुलग्नक: अंतिका आलेख:अंतर्जाल आ

मैथिली: गजेन्द्र ठाकुर)

मैथिली गजलक रेडी रेकोनर

शब्द-अर्थ-शक्ति

स्वतंत्रचेता- अरविन्द ठाकुर: व्यक्तित्व-कृतित्व (विदेह अरविन्द ठाकुर

विशेषांकक प्रिण्ट रूप)[सम्पादन]

डॉ योगानन्द झा (सौजन्य- योगानन्द झा)

लोकजीवन ओ लोकसाहित्य १९८६

संकल्प अंक-५ (सम्पादक डॉ रामदेव झा, सहायक सम्पादक डॉ योगानन्द झा)

१९८८

आलेख सञ्चयन २००२

मैथिली शाक्त साहित्य- शास्त्रीय भगवती गीत (सम्पादन) २००२

मैथिली पत्रकारिता के सौ वर्ष २००६

लोक, साहित्य ओ शब्द-सम्पदा २००७

गहबर गीत (संकलन-सम्पादन) २००७

मैथिलीक पारम्परिक जातीय व्यवसायक शब्दावली २००९

कथा-लोककथा २०१०

कपिलदेव ठाकुर 'स्नेहलता' कृत सीतावतरण (सम्पादन) २०११

मंगल-प्रभात गाँधीजी (अनुवाद) २०१३

भोरे-भोर (डॉ ए. कीर्तिवर्द्धनक हिन्दी कविता संग्रहक अनुवाद) २०१४

तारानन्द वियोगी (सौजन्य- तारानन्द वियोगी/ सुभाष चन्द्र यादव)

प्रलय रहस्य (कविता संग्रह)

अतिक्रमण (कथा संग्रह)

Between the Two Dams (English Translation by Prabhat Jha)

जैसे अँधेरे में चाँद (हिन्दी अनुवाद- अरुणाभ सौरभ)

बचाने का यत्न (जीवकान्त)- (अतिथि सम्पादक तारानन्द वियोगी)

राजकमल-जीवन क्या जिया (पृ. १६४-२७४)

महिषी की तारा

बुद्ध का दुख और मेरा (हिन्दी अनुवाद- अविनाश)

तुमि चिर सारथि (हिन्दी अनुवाद- केदार कानन/ अविनाश)

तारा-चालीसा

ई भेटल तँ की भेटल

साखी (मैथिली दलित-कविता)

कबीर आ हुनक मैथिली पदावली

धराशायी हेबाक समय (कविता मे कोरोना काल)

दुनिया घर मेहमान (प्रेम कविता)

अपन युद्धक साक्ष्य (गजल संग्रह)

छियानत (कथा संग्रह)

बहुवचन (आलोचना)

गुलो: कला आ भाषा (सम्पादन)

सुधांशु शेखर चौधरी (सौजन्य- शरदिन्दु चौधरी)

शेखर रचित गजल ओ गीत

शरदिन्दु चौधरी (सौजन्य- शरदिन्दु चौधरी)

जँ हम जनितहुँ (२००२)

बड़ अजगुत देखल (२००५)

गोबरगणेश (२०११)

करिया कक्काक कोरामिन (२०१६)

बात-बातपर बात खण्ड-१ (२०१९)

मर्मन्तक-शब्दानुभूति (बात-बातपर बात खण्ड-२) (२०२०)

हमर अभाग: हुनक नहि दोष (बात-बातपर बात-३) (२०२१)

साक्षात् (बात-बातपर बात-४) (२०२१)

विदेह शरदिन्दु चौधरी विशेषांक

काशीकान्त मिश्र मधुप

विदेह काशीकांत मिश्र मधुप विशेषांक

राजनन्दन लाल दास

विदेह राजनन्दन लाल दास विशेषांक

प्रेमलता मिश्र प्रेम

विदेह प्रेमलता मिश्र प्रेम विशेषांक

रवीन्द्र नाथ ठाकुर

विदेह रवीन्द्र नाथ ठाकुर विशेषांक

मायानन्द मिश्र (सौजन्य- केदार कानन)

अवांतर (गजल-गीतल)

कलानन्द भट्ट (सौजन्य- केदार कानन)

कान्ह पर लहास हमर मैथिली गजल संग्रह

अनुलग्नक-कोसी कॉलोनी सँ किशन कुटीर धरि

रामकृष्ण झा 'किसुन' (सौजन्य- केदार कानन)

किसुन समग्र-१ (सम्पादक केदार कानन आ रमण कुमार सिंह)

किसुन समग्र-२ (सम्पादक केदार कानन आ रमण कुमार सिंह)

मैथिलीक नव कविता (सम्पादन)

बहुआयामी किसुनजी (सम्पादक महेन्द्र आ केदार कानन)

केदार कानन (सौजन्य केदार कानन/ CIIL/ सुभाष चन्द्र यादव)

अक्ष पर नचैत (संस्मरण: जीवकान्तक पत्रक बहाने)

बहुआयामी किसुनजी (सम्पादन)

गुलो: कला आ भाषा (सम्पादन)

किसुन समग्र-१ (सम्पादन)

किसुन समग्र-२ (सम्पादन)

अपना नजरि मे (सम्पादन)

सृजन केर दीप पर्व (सम्पादन)

भारती मंडन अंक-१६ (सम्पादन)

महेन्द्र (CIIL/ केदार कानन)

जुआयल कनकनी

बहुआयामी किसुनजी (सम्पादन)

बाबा बैद्यनाथ (सौजन्य- बाबा बैद्यनाथ)

पहरा इमानपर (गजल संग्रह)

अरविन्द ठाकुर (सौजन्य- अरविन्द ठाकुर/ CIIL)

परती टूटि रहल अछि (कविता संग्रह)

सबद मितारथ धाय्या (कविता संग्रह)

जड़ताक प्रतिवाद मे (सोल्हकन-दीठक आरोहण गाथा- दीर्घ कविता)

बहुरुपिया प्रदेश मे (गजल संग्रह)

मीन तुलसीपात पर (गजल संग्रह)

अन्हारक विरोध मे (लघु कथा संग्रह)

रोशनाइक लोकपक्ष (कथेतर गद्य)

सृजन केर दीप पर्व (सम्पादन)

विदेह अरविन्द ठाकुर विशेषांक

स्वतंत्रचेता- अरविन्द ठाकुर: व्यक्तित्व-कृतित्व (सम्पादक आशीष अनचिन्हार)

[विदेह अरविन्द ठाकुर विशेषांकक प्रिण्ट रूप]

नरेन्द्र झा (सौजन्य- नरेन्द्र झा)

चपल चरन चित चंचल भान

विकास ओ अर्थतंत्र

Mithila Rising

राजेश्वर झा (मैथिली साहित्य संस्थान आर्काइव)

मिथिलाक्षरक उद्भव ओ विकास

सुरेन्द्र झा सुमन (आर्काइव डोट कोम)

दत्त-वती (मूल)

गोविंद झा ((IGNCA Site आर्काइव)

Maithili-English Dictionary

डॉ शैलेन्द्र मोहन झा (आर्काइव डॉट कॉम/ CIIL)

परिचय निचय

मैथिली गद्य संग्रह- सं

रमानाथ झा (CIIL Site आर्काइव)

प्रबन्ध संग्रह

रमानाथ मिश्र "मिहिर" (आर्काइव डॉट कॉम)

मैथिली मुहावरा एवम् लोकोक्ति प्रकाश

आनन्द मिश्र (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

मिथिला भाषाक सुबोध व्याकरण

श्यामानन्द झा (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

मैथिली गीत चन्द्रिका

मैथिली संदेश (विभिन्न कविक कविता-सम्पादित)

पं लक्ष्मीपति सिंह (सौजन्य रमानन्द झा "रमण")

हिन्दी-मैथिली-शिक्षक

भवप्रीतानन्द ओझा (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

पदावली

गणनाथ-विन्ध्यनाथ पदावली (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

गणनाथ-विन्ध्यनाथ पदावली

रूपनारायण झा "राकेश" (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

मनमोहन लड्डू

भोला लाल दास (आर्काइव डॉट कॉम)

मैथिली सुबोध व्याकरण

खड्ग वल्लभ दास 'स्वजन' (सौजन्य- हेमन्त दास "हिम")

सीता-शील

डॉ. मदनेश्वर मिश्र (सौजन्य- पञ्जीकार विद्यानन्द झा)

एक छलीह महारानी

यात्री (नागार्जुन) (सौजन्य- मिथिला सांस्कृतिक परिषद)

बलचनमा

कालीकान्त झा "बूच"

कलानिधि- कविता-संग्रह

उपेन्द्रनाथ झा "व्यास" (सौजन्य- मयंक झा)

रूबाइयात-ए-ओमर खैयाम (मैथिली पद्यानुवाद)

प्रतीक (कविता संग्रह)

संन्यासी (काव्य)

रमेश नारायण (सौजन्य- शेफालिका वर्मा)

पाथरक नाव (लघुकथा संग्रह)

गोपालजी झा "गोपेश" (सौजन्य- गोपालजी झा "गोपेश")

गुम्म भेल ठाढ़ छी

विजय नाथ झा (सौजन्य- विजय नाथ झा)

अहींक लेल (गीत-गजल संग्रह)

कामायनी (अनुवाद)

नगेन्द्र कुमार (सौजन्य- प्रसन्न कुमार झा)

ससरफानी

प्रबोध नारायण सिंह (सौजन्य- नचिकेता)

अन्हेर नगरी (अनुवाद)

चयनिका (सम्पादन)

वैजयन्ती (कविता)

हाथीक दाँत

टटका गप (सम्पादित कथा संकलन)

प्रेमक रोग (नाटक)

मानक मैथिली (हिन्दी शोध प्रबन्ध)

अमरनाथ (सौजन्य- अमरनाथ)

क्षणिका- विहनि कथा संग्रह

प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन'

पंचदेवोपासक भूमि मिथिला पृ. १००१-१०८०

डॉ. गंगेश गुंजन (सौजन्य- गंगेश गुंजन)

राधा (१-३०) पृ. १३७३-१५८०

प्रथम-चौबटिया-नाटक (बुधिबधिया)

नाटक आइ भोर

कथा-संग्रह उचितवक्ता

गीत-गजल दुखक दुपहरिया

कमलधर दास (सौजन्य- कमलधर दास)

मैथिल कर्ण कायस्थक गोत्र, प्रवर, मूल आ वैवाहिक सम्बन्ध

कीर्तिनारायण मिश्र (सौजन्य- कीर्तिनारायण मिश्र)

ध्वस्त होइत शान्ति स्तूप

सीमान्त

आदमीकेँ जोहैत

अपन एकान्त मे

स्मृतियात्राक एकान्तमे

राजनाथ मिश्र

Mithila Painting-Modern Art-Photos

प्रेमशंकर सिंह (सौजन्य- प्रेमशंकर सिंह/ मिथिला दर्पण प्रकाशन)

मैथिली भाषा साहित्यःबीसम शताब्दी (आलोचना)

विद्यापति कृत व्याडीभक्तितरङ्गिनी (सम्पादन)

डॉ. रमण झा (सौजन्य- रमण झा)

मैथिली काव्यमे अलङ्कार

अलङ्कार-भास्कर

मैथिली काव्यमे ज्योतिष

भिन्न-अभिन्न

अहिरावण-वध (खण्ड काव्य)

पारिजात-मञ्जरी

डॉ. रमानन्द झा 'रमण' (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण" / CIIL Site आर्काइव)

हिआओल

सगर राति दीप जरय

राजू आ टाकाक गाछ (अनुवाद)

अखियासल

केदार नाथ चौधरी (सौजन्य- केदार नाथ चौधरी)

चमेलीरानी

माहुर

करार

अबारा नहितन

अयना

हीना

विदेह केदार नाथ चौधरी विशेषांक

योगेन्द्र पाठक "वियोगी" (सौजन्य- योगेन्द्र पाठक "वियोगी")

विज्ञानक बतकही

विज्ञानक बतकही भाग-२

नरक विजय (सम्पूर्ण)

नरक विजय (संशोधित)

हमर गाम (बाल उपन्यास)

पिरामिडक देशमे

अकटा मिसिया (कथा संग्रह)

रोबोट (अनूदित साइंस-फिक्शन नाटक)

किछु तीत मधुर (यात्रा वृत्तांत)

सुशील (सौजन्य- सुशील)

घराड़ी (उपन्यास) (१९७३)

गामबाली (उपन्यास) (१९८२)

भामती (नाटक) (पहिल मंचन १९९१, प्रकाशन २०१३)

अस्मिता (लघुकथा संग्रह) (२०१६)

कामेश्वर झा 'कमल' (सौजन्य- नबोनारायण मिश्र)

कमल-ताल (गीत संग्रह)

रामलोचन ठाकुर (सौजन्य- रामलोचन ठाकुर)

जे कहब साँच कहब

आँखि मुनने आँखि खोलने (संस्मरण)

स्मृतिक धोखरल रंग (संस्मरण)

अपूर्वा (कविता संग्रह)

इतिहासहन्ता (कविता संग्रह)

देशक नाम छलै सोन चिड़ैया (कविता संग्रह)

लाख प्रश्न अनुत्तरित (कविता संग्रह)

प्रतिध्वनि (विदेशी भाषाक कविताक मैथिली रूपान्तरण)

पद्मानदीक माझी (अनूदित उपन्यास)

मैथिली लोककथा

आजुक कविता (सम्पादित कविता संग्रह)

बेताल कथा (हास्य-व्यंग)

देसिल बयना (अखबार)

विदेह रामलोचन ठाकुर विशेषांक

डॉ. देवशंकर नवीन (सौजन्य- देवशंकर नवीन)

आधुनिक साहित्यक परिदृश्य

डॉ बचेश्वर झा

निवन्ध-निकुञ्ज

जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल" (सौजन्य- जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल")

आँखिमे चित्र हो मैथिली केर (आत्मकथा- जारी)

धारक ओइ पार (दीर्घ कविता)

गीत गंगा (गीत संग्रह)

गजल गंगा (गजल संग्रह)

तोरा अंगना मे (गीत संग्रह)

तोरा अंगना मे (गीत संग्रह)- मूल

विदेह जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल विशेषांक

राज किशोर मिश्र

चाननि (कविता संग्रह)

सप्तपर्ण (कविता संग्रह)

रबीन्द्र नारायण मिश्र (सौजन्य- रबीन्द्र नारायण मिश्र)

- भोरसँ साँझ धरि (आत्म कथा)
प्रसंगवश (निबंध)
स्वर्ग एतहि अछि (यात्रा प्रसंग)
फसाद (कथा संग्रह)
नमस्तस्यै (उपन्यास)
विविध प्रसंग (निबंध)
महाराज (उपन्यास)
लजकोटर (उपन्यास)
सीमाक ओहि पार (उपन्यास)
समाधान (निबंध संग्रह)
मातृभूमि (उपन्यास)
स्वप्नलोक (उपन्यास)
शंखनाद (उपन्यास)
इएह थिक जीवन (संस्मरण)
ढहैत देबाल (उपन्यास)
पाथेय (संस्मरण)
हम आबि रहल छी (उपन्यास)
प्रलयक परात (उपन्यास)
बीति गेल समय (उपन्यास)
प्रतिबिम्ब (उपन्यास)
बदलि रहल अछि सभ किछु (उपन्यास)
राष्ट्र मंदिर (उपन्यास)
संयोग (कथा संग्रह)
नाचि रहल छलि वसुधा (उपन्यास)

दीप जरैत रहए (उपन्यास)

ठेहा परक मौलाएल गाछ (उपन्यास)

नन्द कुमार मिश्र 'नन्द' (सौजन्य- नन्द कुमार मिश्र 'नन्द')

गामघर (कथा संग्रह)

सुजाता (उपन्यास)

महारानी कैकेयी (प्रवचनात्मक निबन्ध)

गुदरीक लाल (उपन्यास)

अनठिया कुकुर (उपन्यास)

आडम्बर (कथा संग्रह)

दिल्लीक पार्क (शब्द चित्र)

सुकन्या (उपन्यास)

स्वर्ण कमल (बाल उपन्यास)

काव्य सरिता (मैथिली काव्य संग्रह)

परिवार (संस्मरणात्मक उपन्यास)

याचक के नजि (मैथिली शब्द-चित्र)

सत्यानन्द पाठक (सौजन्य- सत्यानन्द पाठक)

हमर गाम (उपन्यास)

डॉ. उदय नारायण सिंह "नचिकेता" (सौजन्य- नचिकेता)

नो एण्ट्री : मा प्रविश

आन्दोलन

एक छल राजा

जनक आ' अन्यान्य एकांकी

नाटक क लेल

नायक क नाम जीवन

प्रत्यावर्त्तन

रामलीला

प्रियंवदा (एकांकी)

नचिकेता विविध (मैथिली, बांग्ला, हिन्दी आ अंग्रेजी)

मैथिली कविता-त्रैमासिक (अप्रैल १९६९)

मैथिली कविता-त्रैमासिक (जुलाई १९६९)

मिथिला दर्शन मार्च २०२१

मिथिला दर्शन नवम्बर २०२१

रवि भूषण पाठक

रिहर्सल (नाटक)

विदेह:सदेह २९ (रवि भूषण पाठक आ डॉ. कैलाश कुमार मिश्र- अंक १-३५० सँ)

विदेह:सदेह २७ (गजेन्द्र ठाकुर आ रवि भूषण पाठकक आन भाषासँ अनूदित

गद्य आ पद्य- अंक १-३५० सँ)

डॉ. कैलाश कुमार मिश्र

विदेह:सदेह २९ (रवि भूषण पाठक आ डॉ. कैलाश कुमार मिश्र- अंक १-३५० सँ)

कुमार मनोज कश्यप

विदेह:सदेह ३१ (डॉ. कामिनी कामायनी आ कुमार मनोज कश्यप- अंक १-३५०

सँ)

डॉ. शम्भु कुमार सिंह

(तुकाराम रामा शेटक कोंकणी उपन्यासक मैथिली अनुवाद डॉ शम्भु कुमार

सिंह द्वारा) पाखलो

विदेह:सदेह २६ (डॉ शम्भु कुमार सिंह आ डॉ अरुण कुमार सिंह अंक १-३५०

सँ)

डॉ. अरुण कुमार सिंह

विदेह:सदेह २६ (डॉ शम्भु कुमार सिंह आ डॉ अरुण कुमार सिंह अंक १-३५०
सँ)

कुमार पवन (सौजन्य- अंतिका)

पइठ (मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ कथा)

डायरीक खाली पन्ना

केशव भारद्वाज

अजगुत अफ्रीका (अफ्रीका डायरी) पृ. २१४-४६६

किछु पढ़ल आ किछु सुनल- ईदी अमीन पृ. ४८८-५४८

खेलौना पृ. ४६७-४८७

पैबन्द पृ. ५४९-७९८

किछु कथा ५०-४६३

गोपाल झा 'अभिषेक' (सौजन्य- गोपाल झा 'अभिषेक')

आउ स्वप्न साझी करी (कविता संग्रह)

आमोद कुमार झा (सौजन्य- आमोद कुमार झा)

बिम्बक पथार (कविता संग्रह)

किशन कारीगर (सौजन्य- किशन कारीगर)

किछु फुरा गेल हमरा

मुन्नाजी

मोकाम दिस (बीहनि कथा संग्रह)

प्रतीक (विहनि कथा संग्रह)

माँझ आंगनमे कतिआएल छी (मैथिली गजल संग्रह)

हम पुछैत छी (साक्षात्कार)

तीन टा बाल नाटक (मैथिली बाल साहित्य)

खुरलुच्ची (मैथिली बाल कविता- बाल साहित्य)

घाह (हाइकू-टंका संग्रह)

सन्दीप कुमार साफी

बैशाखमे दलानपर (पहिल मैथिली दलित आत्मकथा सहित)

ओम प्रकाश झा

कियो बूझि नै सकल हमरा (गजल, रुबाइ आ कता संग्रह)

अमित मिश्र

नव अंशु (गजल-हजल, रुबाइ संकलन)

चन्दन कुमार झा

मोनक बात (गजल, हजल, बाल गजल, रुबाइ आ कताक संकलन)

डॉ. अनमोल झा

समय साक्षी थिक (विहनि कथा संग्रह)

ई जे समय अछि (विहनि कथा संग्रह)

बिनय भूषण (सौजन्य- आशीष अनचिन्हार)

उजरा परवाक खोज (कविता संग्रह)

आनन्द कुमार झा

टाकाक मोल (नाटक)

कलह (नाटक)

बदलैत समाज (नाटक)

धधाइत नवकी कनियाँक लहास (नाटक)

हठात् परिवर्तन (नाटक)

मुक्ति यात्रा (नाटक)

शिव कुमार झा "टिल्लू"

क्षणप्रभा-कविता-संग्रह

अंशु-समालोचना

देवांशु वत्स

नताशा -मैथिली बाल चित्रशृंखला (कौमिक्स)

डॉ. विनीत उत्पल

हम पुछैत छी (कविता संग्रह)

रेहन पर रघू - काशीनाथ सि हक हिन्दी उपन्यासक विनीत उत्पल द्वारा मैथिली अनुवाद

मन्त्रदृष्टाऋष्यश्रुङ्ग- लेखक हरिशंकरश्रीवास्तव "शलभ" (हिन्दीसं मैथिली अनुवाद विनीत उत्पल द्वारा)

मोहनदास- उदय प्रकाशक हिन्दी उपन्यासक विनीत उत्पल द्वारा मैथिली अनुवाद मोहनदास (मैथिली-देवनागरी) मोहनदास (मैथिली-मिथिलाक्षर) मोहनदास (मैथिली-ब्रेल)

जगदानन्द झा "मनु" (सौजन्य- जगदानन्द झा "मनु")

नढिया भुकैए हमर घराडीपर (गजल संग्रह)

तोहर कतेक रंग (विहनि कथा संग्रह)

चोनहा- (बाल उपन्यास)

व्यथा- (कविता-गीत संग्रह)

राजदेव मण्डल

अम्बरा-कविता-संग्रह

हमर टोल (उपन्यास)

बसुंधरा(कविता संग्रह)

जाल (पटकथा)

लाज (एकांकी)

जल भंवर (उपन्यास)

त्रिवेणीक रंग (विहनि आ लघु कथा संग्रह)

पंचैती (लघु पटकथा)

वापसी

Rajdeo Mandal- Maithili Writer by Gajendra Thakur

दुर्गानन्द मण्डल

संचयिका

कथा कुसुम (विहनि आ लघु कथा संग्रह)

चक्षु

राम विलास साहु

अंकुर- लघुकथा संग्रह

रथक चक्का उलटि चलै बाट (कविता/ टनका संग्रह)

कर्म बिनु जग सुन्ना (दोसर कविता/ टनका संग्रह)

स्कूलक खिचड़ी (विहनि/ लघु कथा संग्रह)

दूधबेचनी (लघु कथा संग्रह)

मनक मैल

नारायण यादव (सौजन्य- उमेश मण्डल)

खाली घर

रामदेव प्रसाद मण्डल "झारूदार"

हमरा बिनु जगत सूना छै

गीतांजलि झारू

कपिलेश्वर राउत

उलहन (विहनि - लघु कथा संग्रह)

नंद विलास राय

सखारी-पेटारी(लघुकथा संग्रह)

मदन अमर (दोसर लघु कथा संग्रह)

मरजादक भोज (तेसर लघुकथा संग्रह)

भरदुतिया

छठिक डाला

हमर चारूधाम

असल पूजा

ललन कुमार कामत (सौजन्य- उमेश मण्डल)

किछु विहनि आ लघुकथा

उमेश पासवान

वर्णित रस

बेचन ठाकुर

बेटीक अपमान आ छीनरदेवी (नाटक)

बाप भेल पित्ती आ अधिकार (नाटक)

बिसवासघात (नाटक)

ऊँच-नीच (नाटक)

भौँट (नाटक)

डॉ. उमेश मण्डल

जगदीश प्रसाद मण्डलक काव्य संसार (अनुसन्धान विश्लेषण)

अभ्यन्तर (संकलन-सम्पादन)

हेन्डबुक सँ फेसबुक धरि (संकलन-सम्पादन)

जेतए ने जाए कवि ओतए जाए अनुभवी (संकलन-सम्पादन)

निर्विकल्प (संकलन-सम्पादन)

समस्या सँ समाधान धरि (संकलन-सम्पादन)

निश्तुकी- कविता संग्रह

मिथिलाक संस्कार गीत, विध-व्यवहार गीत आ गीतनाद (संकलन)

*मिथिलाक वनस्पति स्लाइड शो मिथिलाक जीव-जन्तु स्लाइड शो मिथिलाक
जिनगी स्लाइड शो*

Mithila Painting-Modern Art-Photos

सगर राति दीप जरय- इतिहास

सगर राति दीप जरय- आरती कुमारी फाइल

दुध-पानि फराक-फराक (कथा एवं पाण्डुलिपि जगदीश प्रसाद मण्डल)-(छाया
एवं सम्पादन- उमेश मण्डल)

हिन्दुस्तानी मुसलमान और हिन्दुस्तानियत - मूल हिन्दी लेख- गीतेश शर्मा,
मैथिली अनुवाद- उमेश मण्डल

*उमेश मण्डल द्वारा मैथिली लेखकक रचना संसारसँ बीछल विचारक पाम्फलेटक
पोथी*

जगदीश प्रसाद मण्डल राजदेव मण्डल डो. शिव कुमार प्रसाद रामदेव प्रसाद
मण्डल "झारूदार" राम विलास साहु नन्द विलास राय कपिलेश्वर राउत प्रीतम
कुमार निषाद

*मिथिलाक सभ जाति आ धर्मक संस्कार, लोकगीत आ व्यवहार गीत :सौजन्य)
(उमेश मंडल*

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22
23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40
41 42 43

अन्तर्ध्वनि चयन एवम् -बीछल कथा गोट १५ जगदीश प्रसाद मण्डलक)
(उमेश मण्डल -सम्पादन

.....

जगदीश प्रसाद मण्डल

गामक जिनगी (लघुकथा संग्रह)

मिथिलाक बेटी (नाटक)

मौलाइल गाछक फूल (उपन्यास)

जिनगीक जीत (उपन्यास)

उत्थान-पतन (उपन्यास)

जीवन-मरन (उपन्यास)

जीवन-संघर्ष (उपन्यास)

तरेगन (बाल प्रेरक विहनि कथा संग्रह)

पंचवटी (एकांकी-संचयन)

अर्द्धांगिनी..सरोजनी.. सुभद्रा.. भाइक सिनेह इत्यादि (लघुकथा संग्रह)

कम्प्रोमाइज (नाटक)

झमेलिया बिआह (नाटक)

इन्द्रधनुषी अकास (पद्य संग्रह)

शंभुदास (तीनटा दीर्घ कथा मइटुगगर, शंभुदास आ फाँसी)

गीतांजलि (गीत संग्रह)

राति-दिन (कविता संग्रह)

सतभैया पोखरि (लघु कथा संग्रह)

तीन जेठ एगारहम माघ (गीत संग्रह)

बजन्ता-बुझन्ता (विहनि कथा संग्रह)

रत्नाकर डकैत (नाटक)

बड़की बहिन (उपन्यास)

भकमोड़ (लघुकथा संग्रह)

उलबा चाउर (लघुकथा संग्रह)

सरिता (कविता संग्रह)

सुखाएल पोखरिक जाइठ (गीत संग्रह)

नै धाड़ैए (बाल उपन्यास)

स्वयंवर (नाटक)

पतझाड़ (लघु कथा संग्रह)

फलहार (लघु कथा संग्रह)

गामक शकल सूरत (लघु कथा संग्रह)

लजबिजी (लघु कथा संग्रह)

बटेसर काका (लघु कथा संग्रह)

आमक गाछी

अप्पन गाम

दिवालीक दीप

पंचदेव सीरीज

पंचदेव-१ पंचदेव-२ पंचदेव-३ पंचदेव-४ पंचदेव-५ पंचदेव-६ पंचदेव-

७ पंचदेव-८ पंचदेव-९ पंचदेव-१० पंचदेव-२० पंचदेव-३० पंचदेव-

४० पंचदेव-५० पंचदेव-६० पंचदेव-७० पंचदेव-८० पंचदेव-९० पंचदेव-१००

दुध-पानि फराक-फराक (कथा एवं पाण्डुलिपि जगदीश प्रसाद मण्डल)- (छाया

एवं सम्पादन- उमेश मण्डल)

जगदीश प्रसाद मण्डल जीक ६५ टा पोथीक नव संस्करण विदेहक २३३

(Videha_01_09_2017) सँ २५० (Videha_15_05_2018) धरिक

अंकमे धारावाहिक प्रकाशन नीचाँक लिंकपर पढ़ू:-

VIDEHA 233	VIDEHA 234	VIDEHA 235	VIDEHA 236	VIDEHA 237	VIDEHA 238
VIDEHA 239	VIDEHA 240	VIDEHA 241	VIDEHA 242	VIDEHA 243	VIDEHA 244
VIDEHA 245	VIDEHA 246	VIDEHA 247	VIDEHA 248	VIDEHA 249	VIDEHA 250

पंगु (उपन्यास)- साहित्य अकादेमी मूल पुरस्कार २०२१ सँ सम्मानित पोथी

पंगु (हिन्दी अनुवाद रामेश्वर प्रसाद मण्डल)

अप्पन साती (लघुकथा संग्रह)

मोड़पर (उपन्यास)

सुचिता (उपन्यास)

सेहन्ता सेहन्ते रहि गेल (लघुकथा संग्रह)

डॉ. शशिधर कुमार

उड़ि ने सकी पर चिड़ै छी हम (भाग १-२) (पृ. १०५४-१०९५)

खिस्सा अण्टार्कटिका केर (पृ. १०५४-१०९५)

बाल कविता (पृ. ९९३-१२१५)

बाल कविता (पृ. १००४-११७३)

सचित्र बाल कविता (पृ. ७४७-८३४)

सचित्र बाल कविता (पृ. १४६८-१८५०)

.....

गजेन्द्र ठाकुर

मैथिलीक आदिकवि विद्यापति (ज्योतिरीश्वर पूर्व)

गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर (समालोचना)

तेलुगु कथा आ ओड़िया, तेलुगु, गुजराती, भोजपुरी आ कश्मीरी कविता

तेलुगु कथा आ ओड़िया, तेलुगु, गुजराती, भोजपुरी आ कश्मीरी कविता

(मिथिलाक्षर)

मैथिली समीक्षाशास्त्र

मैथिली समीक्षाशास्त्र (तिरहुता)

मैथिली समीक्षाशास्त्र (भाग-२, अनुप्रयोग)

मैथिली प्रतियोगिता

प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना भाग-१

प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना भाग दू (कुरुक्षेत्रम अन्तर्मनक-२)

प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना (भाग-२, कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक खण्ड-८) (संक्षिप्त)

नित नवल दिनेश कुमार मिश्र

नित नवल दिनेश कुमार मिश्र (मिथिलाक्षर)

नित नवल दिनेश कुमार मिश्र (कैथी)

नित नवल दिनेश कुमार मिश्र (नेवाड़ी)

नित नवल दिनेश कुमार मिश्र (IPA)

दूषण पञ्जी- The Black Book

दूषण पञ्जी- The Black Book (मिथिलाक्षर)

पर्वत ऊपर भमरा जे सूतल (बीहनि, लघु आ दीर्घ कथा संग्रह)

पर्वत ऊपर भमरा जे सूतल (मिथिलाक्षर)

पर्वत ऊपर भमरा जे सूतल (कैथी)

पर्वत ऊपर भमरा जे सूतल (नेवाड़ी)

पर्वत ऊपर भमरा जे सूतल (IPA)

स्वप्नमे मिज्झर होइत

The Science of Words

Rajdeo Mandal- Maithili Writer (Now with Supplement I & II)

JAGDISH PRASAD MANDAL- Maithili Writer

नित नवल सुभाष चन्द्र यादव

नित नवल सुभाष चन्द्र यादव (मिथिलाक्षर)

जगदीश प्रसाद मण्डल- एकटा बायोग्राफी

जगदीश प्रसाद मण्डल- एकटा बायोग्राफी (हिन्दी अनुवाद रामेश्वर प्रसाद मण्डल)

गंगा ब्रिज (नाटक)

उल्कामुख (नाटक)

संकर्षण (नाटक)

धांगि बाट बनेबाक दाम अगूबार पेने छँ (रुबाइ, कता आ गजल संग्रह)

सहस्रजित् (पद्य संग्रह)

सहस्राब्दीक चौपड़पर (पद्य संग्रह)

त्वञ्चाहञ्च आ असञ्जाति मन (दूटा गीत प्रबन्ध)

सहस्रबाढ़नि (उपन्यास)

सहस्रबाढ़नि ब्रेल-मैथिली (मैथिलीक पहिल ब्रेल पोथी)

सहस्रशीर्षा (उपन्यास)

गल्प-गुच्छ (विहनि आ लघु कथा संग्रह)

शब्दशास्त्रम् (लघुकथा संग्रह)

बाल मण्डली/ किशोर जगत (बाल नाटक, लघुकथा, कविता आदि)

कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक

देवनागरी वर्सन तिरहुता वर्सन ब्रेल वर्सन

Learn Maithili Sign Language

Learn Mithilakshar Script

Learn Braille through Mithilakshar Script

Learn International Phonetic Script through

Mithilakshar Script

Learn Kaithi

Learn Newari

Learn Calligraphic Newari (Ranjana)

Learn Urdu Script

Learn Tibetan Script

Learn Japanese Script for Haiku

Learn Brahmi

Learn Kharoshthi

मिथिला रत्न/ मिथिला चित्रकला/ मिथिलाक पाबनि तिहार (कथा) आ
मिथिलाक संगीत

जलोदीप (बाल-नाटक संग्रह)

अक्षरमुष्टिका (बाल-लघुकथा संग्रह)

बाडक बडौरा (बाल-पद्य संग्रह)

नाराशंसी (गीत-प्रबन्ध)

मचण्ड (नाटक)

बाल साहित्य (मूल)- गजेन्द्र ठाकुर

भऽ जाएब छू (मैथिलीक २०१२ मे प्रकाशित पहिल क्लाइमेट-फिक्शन प्ले-
Maithili's first climate-fiction play originally
published in 2012)

कमलाक भगता

तरहरिमे परीलोक

बेसी छुट्टी कम इसकूल

बडद करैए दाउन ने यौ

बाल गजल

फिनिश लाइन

अनूदित साहित्य (आन भाषासँ)- गजेन्द्र ठाकुर

विदेह:सदेह २७ (गजेन्द्र ठाकुर आ रवि भूषण पाठकक आन भाषासँ अनूदित
गद्य आ पद्य- अंक १-३५० सँ)

बाल साहित्य (अनुवाद- द्विभाषिक- मैथिली-अंग्रेजी)- गजेन्द्र ठाकुर

मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका

शेष ४० टा बाल चित्र-पोथी नीचाँक लिंकपर:-

बुक	अरु सभ	एकटा नीक दिन	चलू हम तँ ठीक छी ने!	की अहाँ ऐ चिड़ै सभकेँ देखने छी?
लेखक	बर्डीटा कमिथेला	एतस हम सभ छै छी	भारतीयलेखक राजकुमार	भारतीयलेखक राजकुमार (दिनु शब्दक)
बुकी	कवकन-कवकन	पुनःपुनःक-निर्दिष्ट	मेरा जे बैलदर्राँ दिवहराँ छल	अदुना पिबोनाची अंक-मन्बला
लेखक	अखन नै, अखन नै	जन्मदिनक उल्लव भोज	मोट राजा पातर-दुवहराँ ककुड़	सोपना जे अखन हेसो नै लोक संकेत छलै
अंग्रेजी	हम बाँधे सके छी	छोट लाल-दुदुहराँ ओरी	कर नीक, भोग नीक	ई सभटा किलोडिक देल अछि
सोपा अम्मा	हम टेलक-बद	जन्म दिवस-सुख भोज	सोपी फेर अरु मरना	अमासिक-अदुना सोपी सभ
रिवा टोग	पाउम्याँ-बाँध	कुकड़क एकटा दिन	हमर नीक लगेर	रिवाक-नव-स्कूलमे पहिल दिन
कनी बिरानी ने	खाल बरसानी	भूतलेखक जन्मदिन	अरु पार गानी	कना अछि ई अंक ५२

विदेह मैथिली-अंग्रेजी टॉकिंग रीड-अलाउड ऑडियो बुक

<https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF> (मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका)

<https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgIT> (चलू हम तँ ठीक छी ने!)

<https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo> (एकटा नीक दिन)

<https://bloomlibrary.org/player/b2l5wesxCp> (घर सभ)

<https://bloomlibrary.org/player/dAzC0Fuht7> (की अहाँ ऐ चिड़ै सभकेँ देखने छी?)

NTA-UGC / UPSC / BPS Maithili Optional- गजेन्द्र ठाकुर

मैथिली समीक्षाशास्त्र

मैथिली समीक्षाशास्त्र (तिरहुता)

मैथिली समीक्षाशास्त्र (भाग-२, अनुप्रयोग)

मैथिली प्रतियोगिता

[Place of Maithili in Indo-European Language Family/ Origin and development of Maithili language (Sanskrit, Prakrit, Avhatt, Maithili) भारोपीय भाषा परिवार मध्य मैथिलीक स्थान/ मैथिली भाषाक उद्भव ओ विकास (संस्कृत, प्राकृत, अवहट्ट, मैथिली)]

(Criticism- Different Literary Forms in Modern Era/ test of critical ability of the candidates)

(ज्योतिरीश्वर, विद्यापति आ गोविन्ददास सिलेबसमे छथि आ रसमय कवि चतुर चतुरभुज विद्यापति कालीन कवि छथि। एतय समीक्षा शृंखलाक प्रारम्भ करबासँ पूर्व चारू गोटेक शब्दावली नव शब्दक पर्याय संग देल जा रहल अछि। नव आ पुरान शब्दावलीक ज्ञानसँ ज्योतिरीश्वर, विद्यापति आ गोविन्ददासक प्रश्नोत्तरमे धार आओत, संगहि शब्दकोष बढ़लासँ खाँटी मैथिलीमे प्रश्नोत्तर लिखबामे धाख आस्ते-आस्ते खतम होयत, लेखनीमे प्रवाह आयत आ सुच्या भावक अभिव्यक्ति भय सकत।)

(बद्रीनाथ झा शब्दावली आ मिथिलाक कृषि-मत्स्य शब्दावली)

(वैल्यू एडिशन- प्रथम पत्र- लोरिक गाथामे समाज ओ संस्कृति)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- विद्यापति)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- पद्य समीक्षा- बानगी)

(वैल्यू एडीशन- प्रथम पत्र- लोक गाथा नृत्य नाटक संगीत)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- यात्री)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- मैथिली रामायण)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- मैथिली उपन्यास)

(वैल्यू एडीशन- प्रथम पत्र- शब्द विचार)

(तिरहुता लिपिक उद्भव ओ विकास)

अनुलग्नक-१-२-३ अनुलग्नक- ४-५

(मैथिली आ दोसर पुबरिया भाषाक बीचमे सम्बन्ध (बांग्ला, असमिया आ ओडिया) [यू.पी.एस.सी. सिलेबस, पत्र-१, भाग-"ए", क्रम-५])

[मैथिली आ हिन्दी/ बांग्ला/ भोजपुरी/ मगही/ संथाली- बिहार लोक सेवा आयोग (बी.पी.एस.सी.) केर सिविल सेवा परीक्षाक मैथिली (ऐच्छिक) विषय लेल]

मैथिली

बांग्ला

असमिया

ओडिया

हिन्दी

उर्दू

नेपाली

संस्कृत

संथाली

NTA UGC NET Maithili 01- गजेन्द्र ठाकुर

NTA UGC NET Maithili 02- गजेन्द्र ठाकुर

Test Series-1- गजेन्द्र ठाकुर

Test Series-2- गजेन्द्र ठाकुर

GS (Pre)

Topic 1 - गजेन्द्र ठाकुर

गजेन्द्र ठाकुर (सम्पादन)

विदेह-सदेह १- २५ www.vidaha.co.in विदेह ई-पत्रिकाक अंक १-३५० सँ- मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ गद्य आ पद्यक एकटा समानान्तर संकलन	
देवनागरी	मिथिलाक्षर
विदेह१ सदेह:	विदेहतिरहुता १ सदेह :
विदेह:सदेह २ मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना	विदेह: सदेह २ तिरहुता
विदेह:सदेह ३ मैथिली पद्य	विदेह: सदेह ३ तिरहुता
विदेह:सदेह ४ मैथिली कथा	विदेह: सदेह ४ तिरहुता
विदेह मैथिली विहनि कथा [विदेह सदेह ५]	विदेह: सदेह ५ तिरहुता
विदेह मैथिली विहनि कथा [विदेह सदेह ५-संस्करण -]	विदेहतिरहुता २-संस्करण ५ सदेह :
विदेह मैथिली लघुकथा [विदेह सदेह ६]	विदेह: सदेह ६ तिरहुता
विदेह मैथिली पद्य [विदेह सदेह ७]	विदेह: सदेह ७ तिरहुता
विदेह मैथिली नाट्य उत्सव [विदेह सदेह ८]	विदेह: सदेह ८ तिरहुता
विदेह मैथिली शिशु उत्सव [विदेह सदेह ९]	विदेह: सदेह ९ तिरहुता
विदेह मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना [विदेह सदेह १०]	विदेह: सदेह १० तिरहुता
विदेह११ सदेह:	विदेहतिरहुता ११ सदेह :
विदेह१२ सदेह:	विदेहतिरहुता १२ सदेह :
विदेह१३ सदेह:	विदेहतिरहुता १३ सदेह :
विदेह१४ सदेह:	विदेहतिरहुता १४ सदेह :
विदेह१५ सदेह:	विदेहतिरहुता १५ सदेह :
विदेह१६ सदेह:	विदेहतिरहुता १६ सदेह :
विदेह१७ सदेह:	विदेहतिरहुता १७ सदेह :
विदेह१८ सदेह:	विदेहतिरहुता १८ सदेह :
विदेह१९ सदेह:	विदेहतिरहुता १९ सदेह :
विदेह२० सदेह:	विदेहतिरहुता २० सदेह :

विदेह२१ सदेह:	विदेहतिरहुता २१ सदेह :
विदेह२२ सदेह:	विदेहतिरहुता २२ सदेह :
विदेह२३ सदेह:	विदेहतिरहुता २३ सदेह :
विदेह२४ सदेह:	विदेहतिरहुता २४ सदेह :
विदेह:सदेह २५	विदेह: सदेह २५ तिरहुता
<p>विदेह-सदेह २६-</p> <p>३६ www.vidaha.co.in</p> <p>विदेह ई-पत्रिकाक अंक १-३५० सँ-</p> <p>थीम आधारित मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ</p> <p>मूल आ अनूदित गद्य आ पद्यक</p> <p>एकटा समानान्तर संकलन</p>	
विदेह:सदेह २६ (डॉ शम्भु कुमार सिंह आ डॉ अरुण कुमार सिंह अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २६ तिरहुता
विदेह:सदेह २७ (गजेन्द्र ठाकुर आ रवि भूषण पाठकक आन भाषासँ अनूदित गद्य आ पद्य- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २७ तिरहुता
विदेह) २८ सदेह:अनूदित गद्य आ पद्य - -१ अंक३५० सँ)	विदेह: सदेह २८ तिरहुता
विदेह:सदेह २९ (रवि भूषण पाठक आ डॉ. कैलाश कुमार मिश्र- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २९ तिरहुता
विदेह:सदेह ३० (स्कूल-कॉलेजक विद्यार्थी लेल- अंक १-३५० सँ)	विदेहतिरहुता ३० सदेह :
विदेह:सदेह ३१ (डॉ. कामिनी कामायनी आ कुमार मनोज कश्यप- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३१ तिरहुता
विदेह:सदेह ३२ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-१- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३२ तिरहुता
विदेह:सदेह ३३ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-२- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३३ तिरहुता
विदेह:सदेह ३४ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-३- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३४ तिरहुता
विदेह:सदेह ३५ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-४- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३५ तिरहुता
विदेह:सदेह ३६ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-५- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३६ तिरहुता

.....

यू.पी.एस.सी. आ आन प्रतियोगिता परीक्षा लेल देखू:

विदेह:सदेह १७	विदेह:सदेह २१	विदेह:सदेह २३	विदेह:सदेह २६	विदेह:सदेह २९
विदेह:सदेह ३०	विदेह:सदेह ३२	विदेह:सदेह ३३	विदेह:सदेह ३४	विदेह:सदेह ३५

.....

Videha-Sadeha

भाषापाक -विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

विदेह पुरान अंकक आर्काइव

Videha 1-50

Videha 51-100

Videha 101-149

Videha 150-250

Videha 251-Onwards

Audio Archive Folder

Mithila Painting-Modern Art-Photos

Videha Old Issues Folder

Videha Classical Sites Folder

.....

गजेन्द्र ठाकुर आ आशीष अनचिन्हार (सम्पादन)

मैथिलीक प्रतिनिधि गजल

मैथिली गजल: आगमन ओ प्रस्थान बिंदु (गजलक आलोचना-समालोचना-समीक्षा)

.....

गजेन्द्र ठाकुर, नागेन्द्र कुमार झा आ पञ्जीकार विद्यानन्द झा (सम्पादन)

जीनोम मैपिंग (४५० ए.डी.सँ २००९ ए.डी.)--मिथिलाक पञ्जी प्रबन्ध

जीनियोलोजिकल मैपिंग (४५० ए.डी.सँ २००९ ए.डी.)--मिथिलाक पञ्जी प्रबन्ध

-भाग-२

11000 PALM LEAF PANJI INSCRIPTIONS (VOLUME I TO XXII) Compiled, Scanned & Catalogued by Preeti Thakur

MAITHILI-ENGLISH DICTIONARIES

Maithili-English Dictionary Vol.I

Maithili-English Dictionary Vol.II

ENGLISH-MAITHILI DICTIONARIES

Videha English Maithili Dictionary

English-Maithili Computer Dictionary

.....

दिनेश कुमार मिश्र (सौजन्य दिनेश कुमार मिश्र)

बन्दिनी महानन्दा

बागमती की सद्गति!

दुइ पाटन के बीच में.. (कोसी नदी की कहानी)

न घाट न घर

बगावत पर मजबूर मिथिला की कमला नदी

भुतही नदी और तकनीकी झाड़-फूंक

The Kamla River and People On Collision Course

Bhutahi Balan- Story of a ghost river and engineering witchcraft

Refugees of the Kosi Embankments

.....

पत्रिका-जर्नल-स्मारिका

मिथिला मिहिर (मिथिलाङ्क) १९३६ (सौजन्य- सुरेन्द्र झा सुमन/ भीमनाथ झा)

मैथिली कविता-त्रैमासिक (सौजन्य- नचिकेता)

मैथिली कविता-त्रैमासिक (अप्रैल १९६९)

मैथिली कविता-त्रैमासिक (जुलाई १९६९)

कौशिकी (सौजन्य- पञ्जीकार विद्यानन्द झा)

कौशिकी (१९७१-७२)

देसिल बयना (अखबार) (सौजन्य- रामलोचन ठाकुर)

देसिल बयना (अखबार)

मिथिला दर्शन (सौजन्य- नचिकेता)

मार्च २०२१

नवम्बर २०२१

Society Today (सौजन्य- सुमित आनन्द)

अंक ११

संकल्प (सौजन्य- योगानन्द झा)

अंक ५ १९८८

अंतिका (सौजन्य- गौरीनाथ)

जुलाई-सितम्बर २००८ (हरिमोहन झा विशेषांक) अक्टूबर २०१०सँ मार्च

२०११ अक्टूबर २०११ सँ मार्च २०१२

भारती मंडन (सौजन्य- केदार कानन)

अंक-१६

सन्धान (सौजन्य- अशोक)

सन्धान १

सन्धान २

सन्धान ३ प्रभास विशेष

सन्धान ४

मिथिलांगन (सौजन्य मुकेश दत्त)

अप्रैल-सितम्बर २०२२

मैलोरंग (सौजन्य- प्रकाश झा)

अंक२-३

धूआ-धजा (सौजन्य- परमेश्वर कापड़ि)

अंक ७ अंक १४ अंक १५ अंक १६ अंक १८ अंक १० जून २०१२ अंक २४ जून २०१२ 23February2016 २५ जुलाई २०१२ ०५ अगस्त २०१२ आसिन २०७३

स्मारिका (सौजन्य- रामभरोस कापड़ि भ्रमर)

स्मारिका (२०१०)

आंगन (सौजन्य- रामभरोस कापड़ि भ्रमर)

आंगन अंक-४ (२०१२) सलहेस विशेषांक

आँजुर (सौजन्य- रामभरोस कापड़ि भ्रमर)

आँजुर (अंक वर्ष ३६, अंक ३) सोमदेव विशेष

गामघर (सौजन्य- रामभरोस कापड़ि "भ्रमर")

गामघर-३०-०८-२०१८

गामघर-०४-१०-२०१८

गामघर-१६-०५-२०१९

गामघर-२७-०६-२०१९

दूधमती- (नेपाली आ मैथिलीमे) (सौजन्य- सुजीत कुमार झा)

अंक ३१ अंक ३२ अंक ३३ अंक ३४ अंक 35 अंक 36 अंक 37 अंक 38 अंक 39 अंक 40 अंक 41

घर-बाहर (सौजन्य- चेतना समिति)

अप्रैल-जून २०११

रचना (सौजन्य- सुभाष चन्द्र यादव)

दिसम्बर "०५ मार्च "०६राजकमल चौधरी: मोनोग्राफ

पल्लव (सौजन्य- धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

पल्लव- १ गजल अंक

पूर्वोत्तर मैथिल (सौजन्य- प्रेमकान्त चौधरी)

अप्रैल-जून 2010 जुलाइ-सितम्बर 2010 जनवरी सँ मार्च 2011 अप्रैल-जून

२०११ जुलाइ-सितम्बर २०११

लालदास भावांजलि स्मारिका २०२२ (सौजन्य डॉ संजीव शमा)

.....

किछु मैथिली पोथी डाउनलोड साइट (ओपन सोर्स)

NCERT BHASHA SANGAM

NCERT (Maithili-English-Hindi Conversations)

मैथिली-हिन्दी वार्तालाप (३ घण्टा)

मैथिली (मैथिली संकेत भाषा सहित- मैथिलीमे पहिल बेर)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

<https://youtu.be/TebuC-lrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

Sahitya Akademi

प्रकाशन

डिजिटल-पोथी

CIIL

अखियासल (रमानन्द झा रमण)

जुआयल कनकनी- महेन्द्र

प्रबन्ध संग्रह- रमानाथ झा (बी.पी.एस.सी. सिलेबस)

सृजन केर दीप पर्व- सं केदार कानन आ अरविन्द ठाकुर

मैथिली गद्य संग्रह- सं शैलेन्द्र मोहन झा

Archive.Org (विजयदेव झा)

Videha Maithili eBooks/ eJournals/ Audio-Video
Archive

IGNCA

Maithili English Dictionary

विज्ञान रत्नाकर

मिथिला दर्शन

तीरभुक्ति

OLE Nepal's e-Pustakalaya

पोथीक लिंक

IGNCA-ASI (search keyword Mithila)

History of Navya-Nyaya in Mithila

Studies in Jainism and Buddhism in Mithila

Mithila in the Age of Vidyapati

Cultural Heritage of Mithila

Mithila under the Karnatas

Temple Survey Project ASI- English आ Hindi

मैथिली साहित्य संस्थान

दर्शनीय मिथिला (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 1 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 2 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 3 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 4 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 5 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

ब्लूम लाइब्रेरी मैथिली

अरिपन फाउण्डेशन

Pratham Books Maithili Storyweaver

मैथिली ऑडियो बुक्स

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio

Books (including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili)

पोथी डॉट कॉम

I Love Mithila (पोथी डाउनलोड लिंक)

online maithili journal

owner I Love Mithila

प्यारे मैथिल चैनल- किरण चौधरी आ संगीता आनन्द

मिथिला चैप्टर

खिस्सा-पिहानी नेना भुटका लेल

जानकी एफ.एम समाचार

आकाशवाणी दरभंगा यू ट्यूब चैनल

.....

JNU

मैथिली

मैथिली लेक्सिकन

.....

Videha e-Learning YouTube Channel

.....

विदेह सम्मान: सम्मानसूची- (समानान्तर साहित्य अकादेमी, समानान्तर ललित कला अकादेमी आ समानान्तर संगीत /नाटक अकादेमी सम्मान- (पुरस्कार नामसँ विख्यात

.....

मैथिलीक वर्तनी

१

मैथिलीक वर्तनी- विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

भाषापाक

२

मैथिलीक वर्तनीमे पर्याप्त विविधता अछि। मुदा प्रश्नपत्र देखला उत्तर एकर वर्तनी इग्नू BMAF001 सँ प्रेरित बुझाइत अछि, से एकर एकरा एक उखड़ाहामे उनटा-पुनटा दियौ, ततबे धरि पर्याप्त अछि। यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेल सेहो ई पर्याप्त अछि, से जे विद्यार्थी मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेने छथि से एकर एकटा आर फास्ट-रीडिंग दोसर-उखड़ाहामे करथि।

IGNOU इग्नू BMAF-001

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com. The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com. The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/documents.

३. मैथिली ऑडियो-वीडियोक संकलन Maithili Audios-Videos

विदेह ऑडियो-वीडियो

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in/> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू।
Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

[Search for Audio-Video related information](#)
(including Print, Audio-Visual & Sign Language)
relating to Mithila/ Maithili

<https://books.google.com/>



"Videha" Ist Maithili Fortnightly ejournal Archive of Audios-Videos 'विदेह' प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका ऑडियो-वीडियो आर्काइव मैथिली ऑडियो-वीडियोक संकलन (पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल) ऑडियो-वीडियो देखबाक लेल सबधित लिंककेँ क्लिक करू। For viewing audios-videos click the respective links.

.....

मिथिलाक सभ जाति आ धर्मक संस्कार, लोकगीत आ व्यवहार गीत
(सौजन्य: उमेश मंडल)

[1](#) [2](#) [3](#) [4](#) [5](#) [6](#) [7](#) [8](#) [9](#) [10](#) [11](#) [12](#) [13](#) [14](#) [15](#) [16](#) [17](#) [18](#) [19](#) [20](#) [21](#) [22](#)
[23](#) [24](#) [25](#) [26](#) [27](#) [28](#) [29](#) [30](#) [31](#) [32](#) [33](#) [34](#) [35](#) [36](#) [37](#) [38](#) [39](#) [40](#)
[41](#) [42](#) [43](#)

.....

गुवाहाटी विद्यापति पर्व २०१०

पहिल भाग दोसर भाग तेसर भाग चारिम भाग पाँचम भाग

गुवाहाटी अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन आ विद्यापति पर्व २०११

01 02 03 04 05 06 07 08 09 10 11 12 13 14 15 16 17 18

19 20 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40

41 42 43 44 45 46

.....

मैथिली फिल्म

ममता गाबय गीत (सौजन्य- Saregama)

कन्यादान (सौजन्य- BEJOD)

Maithili Movies on Rent

BEJOD

गामक घर

धुइन

चौबटिया (सौजन्य- धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

चौबटिया

सौभाग्य मिथिला

ललका पाग भाग-१

ललका पाग भाग-२

.....

मिनाप-१

बुधियार छौडा आ राक्षस

मिनाप-२

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४

.....

NCERT BHASHA SANGAM

NCERT (Maithili-English-Hindi Conversations)

पं लक्ष्मीपति सिंह (सौजन्य रमानन्द झा "रमण")

हिन्दी-मैथिली-शिक्षक

मैथिली-हिन्दी वार्तालाप (३ घण्टा)

मैथिली (मैथिली संकेत भाषा सहित- मैथिलीमे पहिल बेर)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

<https://youtu.be/TebuC-lrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

प्यारे मैथिल चैनल- किरण चौधरी आ संगीता आनन्द

मिथिरंग लोक तरंग

मिथिला चैप्टर

खिस्सा-पिहानी नेना भुटका लेल

मिनाप

मैलोरंग

मिथिलांगन

भंगिमा

मैथिली रंगमंच

कोकिल मंच

मिथिला दर्शन

मिथिला मिरर

स्मृति एंटरटेनमेंट

BEJOD

अचल चित्र

नीलम मैथिली

मैथिली गंगा

मिथिला जंक्शन

मैथिली क्लास

मैथिली समाचार (जनता टेलीविजन)

मैथिली टॉक्स

अप्पन टी.वी.

टी.वी. टुडे, जनकपुर

दृश्यम मीडिया

संस्कार मिथिला

सारेगामा मैथिली

नवरस मीडिया

ज्योति एंटरटेनमेंट

इजोरिया फिल्मस

अयोध्यानाथ चौधरी

रेडियो जनकपुर

मिथिला टी.वी.

मधुर मैथिली

मैथिली-नेपाली सीखू

अपन मैथिली

मैथिली पाठ

सुरेन्द्र राउत

मिथिलांचल

अमित झा

प्रवेश मल्लिक

आदित्य फिल्मस एण्ड म्यूजिक

नेपाल टेलीविजन

आकाशवाणी मैथिली समाचार

आकाशवाणी अमृत महोत्सव

रश्मि दत्त

प्रिया मल्लिक

अनामिका झा

रफ कट्स, नचिकेता

कुञ्ज बिहारी

राम बाबू झा

वी. जे., विकास झा

तिरहुत मिथिला

आइ लव मिथिला

लोक कला केन्द्र

रजनी पल्लवी

पूनम मिश्र

रंजना झा

जूली झा

मैथिली ठाकुर

अनुपम मिश्र पॉडकास्ट एपीसोड ४० कीर्तिनाथ झा

ब्लूम लाइब्रेरी मैथिली

अरिपन फाउण्डेशन

Pratham Books Maithili Storyweaver

मैथिली ऑडियो बुक्स

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books (including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili)

<https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF> (मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका)

<https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgiT> (चलू हम तँ ठीक छी ने!)

<https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo> (एकटा नीक दिन)

<https://bloomlibrary.org/player/b2l5wesxCp> (घर सभ)

<https://bloomlibrary.org/player/dAzC0Fuht7> (की अहाँ ऐ चिड़ै सभकेँ देखने छी?)

जानकी एफ.एम समाचार

आकाशवाणी दरभंगा यू ट्यूब चैनल

I Love Mithila

online maithili journal

owner I Love Mithila

.....

बृखेश चन्द्र लाल, जनकपुरक सौजन्यसँ

झिझिया

ढोल-पिपही

पवनकान्त झा (काश्यप कमल), भटसिमरि, मधुबनीक सौजन्यसँ

रसनचौकी

.....

विद्यापति गीत

तूलिका

गीत-गोविन्ददास (गायन दीक्षा भारती)

गोविन्ददास-१

गोविन्ददास-२

गोविन्ददास-३

गोविन्ददास-४

गोविन्ददास-५

गोविन्ददास-६

.....

मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर, गायन दीक्षा भारती)

बहरे मुतकारिब

गजल-२

गजल-३

गजल-४

.....

७१म सगर राति दीप जरए (०२ अक्टूबर २०१०), गाम बेरमा , जिला मधुबनी
(संयोजक- जगदीश प्रसाद मंडल)

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५ भाग-६

82 म सगर राति दीप जरए, स्थान- गजेन्द्र ठाकुर जीक निज आवास, गाम-
मेंहथ, जिला- मधुबनी। दिनांक- 31 मई 2014 (शनि दिन), समए- संध्या छह
बजेसँ। गोष्ठीक नाओं- कथा बौद्ध सिद्ध मेहथपा सगर राति दीप जरए।
आयोजनक खेप- ८२ म आयोजन, संयोजक- गजेन्द्र ठाकुर। विशेषता- बाल
साहित्यपर केन्द्रित।

.....

मैलोरंग-१ (सौजन्य- प्रकाश झा)

नचिकेताक एक छल राजा - भाग-1

नचिकेताक एक छल राजा - भाग- 2

काठक लोक- महेन्द्र मलंगिया भाग-1

काठक लोक- महेन्द्र मलंगिया भाग-2

मैलोरंग-२

कोसी सेमीनार 12 सितम्बर 2008 भाग-१

कोसी सेमीनार 12 सितम्बर 2008 भाग-२

.....

मिथिलांगन

विदेह मैथिली नाट्य उत्सव

यू ट्यूब लिंक

विदेह मैथिली साहित्य/ नाट्य/ कविता/ परिचर्चा उत्सव

विदेह समानान्तर साहित्य अकादेमी सम्मान समारोह

जनकपुर- विद्यापति पर्व

जितेन्द्र झा, जनकपुर

रामभद्र

सामा चकेवा 1

सामा चकेवा 2

मैथिली कवि सम्मेलन (मिथिला कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन, यू.के.)

रिपब्लिक डे 2009 (भारत)

सगर राति दीप जरए, कबिलपुर, जून २०१०

भाग-१ भाग-२

कृष्ण कुमार कश्यपसँ गजेन्द्र ठाकुर द्वारा लेल साक्षात्कार

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६ भाग-७

प्रबोध सम्मान: राजमोहन झा

(स्लाइडरकें बीचमे ल' जाउ, अदहाक बाद राजमोहन झासँ विनीत उत्पलक साक्षात्कार छन्हि।)

साहित्य अकादमी पुरस्कार: मन्त्रेश्वर झा

मिथिलाक खोज

1. गौरीशकर

भाग-१ भाग-२

2. बाइसी-बसैटी

वर्षकृत्य

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६ भाग-७ भाग-८ भाग-९ भाग-१०

समन्वय २-४ नवम्बर २०१२ इण्डिया हैबीटेट सेन्टर भारतीय भाषा महोत्सव

Samanvay 2-4 November 2012 IHC Indian Languages' Festival. Venue: India Habitat Centre, Lodhi Road, New Delhi -- 110 003.

3rd November 2012 Maithili- Love's Own Language/ Brahminism in Maithili/ Pre-Jyotirishwar Non-Brahmin Vidyapati

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६ भाग-७ भाग-८ भाग-९ भाग-१०

भाग-११ भाग-१२

*2nd November 2012 Ugna Re- By Shovna Narayan
(Pre-Jyotirishwar Non Brahmin Vidyapati's Life
Episode)*

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६ भाग-७ भाग-८

७५म सगर राति दीप जरए मे मुन्नाजीक पहिल विहनि कथा पोस्टर प्रदर्शनी

मिथिलाक मूडन- (रसनचौकीक स्वरक संग)

हृदयनारायण झा

भाग-१ भाग-२ भाग-३

रंजन चौधरी आ हनी मिश्र (तबला)

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६ भाग-७ भाग-८ भाग-९

ललित रंग आ हनी मिश्र (तबला)

भाग-१ भाग-२ भाग-३

दीक्षा भारती

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४

सुषमा

बटगमनी

नन्द कुमार मिश्रक गजल पाठ

नन्द कुमार मिश्र जीक कविता पाठ

भाग-१ भाग-२

मैथिली- भोजपुरी अकादमी, नई दिल्ली

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

मैथिली- भोजपुरी अकादमी, नई दिल्ली सेमीनार 29 मार्च 2009

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६ भाग-७ भाग-८ भाग-९

मैथिली- भोजपुरी अकादमी, द्वारका, नई दिल्ली सेमीनार

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६

.....

विदेह सम्मान: सम्मान-सूची (समानान्तर साहित्य अकादेमी, समानान्तर ललित कला अकादेमी आ समानान्तर संगीत-नाटक अकादेमी सम्मान/ पुरस्कार नामसँ विख्यात)

.....

मैथिलीक वर्तनी

१

मैथिलीक वर्तनी- विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

भाषापाक

२

मैथिलीक वर्तनीमे पर्याप्त विविधता अछि। मुदा प्रश्नपत्र देखला उत्तर एकर वर्तनी इग्नू BMAF001 सँ प्रेरित बुझाइत अछि, से एकर एकरा एक उखड़ाहामे उनटा-पुनटा दियौ, ततबे धरि पर्याप्त अछि। यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेल सेहो ई पर्याप्त अछि, से जे विद्यार्थी मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेने छथि से एकर एकटा आर फास्ट-रीडिंग दोसर-उखड़ाहामे करथि।

IGNOU इग्नू **BMAF-001**

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

४. मैथिली शिशु, बाल आ किशोर साहित्य Maithili Children Literature

विदेह शिशु, बाल आ किशोर उत्सव

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in/> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू।
Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

[Search for Children Literature \(including Audio-Visual & Sign Language\) relating to Mithila/ Maithili](https://books.google.com/)

<https://books.google.com/>



Videha Archive of Maithili Children Literature विदेह मैथिली शिशु, बाल आ किशोर साहित्यक आर्काइव (पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल) सभ पोथी पी.डी.एफ. डाउनलोड लेल क्रमानुसार नीचाँक लिंक सभपर उपलब्ध अछि। All the books are available for pdf download at the respective links below

.....

[NCERT BHASHA SANGAM](#)

[NCERT \(Maithili-English-Hindi Conversations\)](#)

पं लक्ष्मीपति सिंह (सौजन्य रमानन्द झा "रमण")

[हिन्दी-मैथिली-शिक्षक](#)

[मैथिली-हिन्दी वार्तालाप \(३ घण्टा\)](#)

[मैथिली \(मैथिली संकेत भाषा सहित- मैथिलीमे पहिल बेर\)](#)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

<https://youtu.be/TebuC-lrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

विदेह मैथिली शिशु उत्सव

कथा बौद्ध सिद्ध मेहथपा (बाल साहित्य केन्द्रित) मेंहथमे भेल ८२ म सगर राति
दीप जरयमे पठित कथा सभक संकलन

कथा बौद्ध सिद्ध मेहथपा

नेना भुटकाकँ रातिमे सुनेबा लेल किछु लोककथा

भोला लाल दास (आर्काइव डोट कोम)

मैथिली सुबोध व्याकरण

डॉ. रमानन्द झा 'रमण' (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

राजू आ टाकाक गाछ (अनुवाद)

योगेन्द्र पाठक "वियोगी" (सौजन्य- योगेन्द्र पाठक "वियोगी")

विज्ञानक बतकही

विज्ञानक बतकही भाग-२

नरक विजय (सम्पूर्ण)

नरक विजय (संशोधित)

हमर गाम (बाल उपन्यास)

पिरामिडक देशमे

रोबोट (अनूदित साइंस-फिक्शन नाटक)

रामलोचन ठाकुर (सौजन्य- रामलोचन ठाकुर)

मैथिली लोककथा

कीर्तिनाथ झा (सौजन्य- कीर्तिनाथ झा)

कुरल: मैथिली भावानुवाद

जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल" (सौजन्य- जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल")

बाल कविता

मुन्नाजी

तीन टा बाल नाटक (मैथिली बाल साहित्य)

खुरलुच्ची (मैथिली बाल कविता- बाल साहित्य)

देवांशु वत्स

नताशा -मैथिली बाल चित्रशृंखला (कौमिक्स)

जगदानन्द झा "मनु" (सौजन्य- जगदानन्द झा "मनु")

चोनहा (बाल उपन्यास)

जगदीश प्रसाद मण्डल

तरेगन (बाल प्रेरक विहनि कथा संग्रह)

नै धाडैए (बाल उपन्यास)

नन्द कुमार मिश्र 'नन्द' (सौजन्य- नन्द कुमार मिश्र 'नन्द')

स्वर्ण कमल (बाल उपन्यास)

बृषेश चन्द्र लाल (सौजन्य- बृषेश चन्द्र लाल)

ढोलक (बाल कविता संग्रह)

सुजीत कुमार झा (सौजन्य- सुजीत कुमार झा)

कोइली घूरि आउ (बाल लघु-विहनि कथा संग्रह)

डॉ. शशिधर कुमार

उडि ने सकी पर चिडै छी हम (भाग १-२) (पृ. १०५४-१०९५)

खिस्सा अण्टार्कटिका केर (पृ. १०५४-१०९५)

बाल कविता (पृ. ९९३-१२१५)

बाल कविता (पृ. १००४-११७३)

सचित्र बाल कविता (पृ. ७४७-८३४)

सचित्र बाल कविता (पृ. १४६८-१८५१)

डॉ शशिधर कुमार आ सुप्रिया बेबी कुमारी

भूकम्प (पृ. ६३८-६७४)

कनकमणि दीक्षित (मूल नेपालीसँ मैथिली अनुवाद रूपा धीरू आ धीरेन्द्र प्रेमर्षि, बाल साहित्य) (सौजन्य- धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

भगता बेडक देश-भ्रमण

अणिमा सिंह (सौजन्य- नचिकेता)

शिशु गीत खेल

कल्पना झा (सौजन्य- कल्पना झा)

नशामुक्ति हित गाबी गीत

निनियाँ

मुन्नी कामत (सौजन्य- मुन्नी कामत)

चुक्का (बाल कथा संग्रह)

प्रीति ठाकुर

गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा -पहिल मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मिथिलाक लोकदेवता (बाल साहित्य)

विद्यापतिक पुरुष परीक्षा (बाल साहित्य)

रेस (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

ए बी सी डी- प्रकृति अक्षर पोथी (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

सभ खाइत अछि (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

बो म्याउ बाह (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

रड सभ (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(०६) छोट आ पैघ (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(०७) माल-जाल आ जानवर दिस देखू (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(१७) हमर परिवार (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

जानवर (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

पोथी १३: १...२...३... (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

बाजाक अबाज (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

नीतू कुमारी

मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

नीता झा (सौजन्य- नीता झा)

बिलाइ मौसी (बाल लघुकथा संग्रह)

किरण चौधरी (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर बाल-वाड़ी

आर्या कॉकपिट मे

दीपा करमाकर- सही संतुलन मे

जंगल मे अहाँक स्वागत अछि

क्वेल छथि आकाश मे

भैया के मुस्कान के चोरौलक

बीज संचयक

अचंभित करय "फिबोनाची"

शौचालयक खिस्सा

लाल बरसाती

गुल्लीक जादुई पेटी

समीराक विकठ भोजन

विवाह मे जाई छी

प्रियंका झा (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर माँछ! नै हमर माँछ!

रश्मि प्रिया (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

कैयो सकै छी, नहियो कऽ सकै छी

सुनीता ठाकुर (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

बण्टी आ बबली

नीलिमा चौधरी (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर सभसँ नीक संगी

स्वास्तिका ठाकुर (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

गप्पू बुते नाचल नै होइ छै

तूलिका (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमरा ओ चाही!

मधूलिका मिश्र (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

ओंघाइत भीमा

लक्ष्मी ठाकुर

जानवर सभ संगे भँट-घाँट

पूनम मण्डल

सुतै कालक खिस्सा

गजेन्द्र ठाकुर

बाल साहित्य (मूल)- गजेन्द्र ठाकुर

बाल मण्डली/ किशोर जगत (बाल नाटक, लघुकथा, कविता आदि)

Learn Mithilakshar Script

जलोदीप (बाल-नाटक संग्रह)

अक्षरमुष्टिका (बाल-लघुकथा संग्रह)

बाडक बडौरा (बाल-पद्य संग्रह)

भऽ जाएब छू (मैथिलीक २०१२ मे प्रकाशित पहिल क्लाइमेट-फिक्शन प्ले-
Maithili's first climate-fiction play originally
published in 2012)

कमलाक भगता

तरहरिमे परीलोक

बेसी छुट्टी कम इसकूल

बड़द करैए दाउन ने यौ

बाल गजल

फिनिश लाइन

बाल साहित्य (अनुवाद- द्विभाषिक- मैथिली-अंग्रेजी)- गजेन्द्र ठाकुर

मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका

सुनू

घर सभ

एकटा नीक दिन

चलू हम तँ ठीक छी ने!

की अहाँ ऐ चिडै सभकेँ देखने छी?

टोस्ट

बड़ीटा! कनियेटा!

एतऽ हम सभ रहै छी

भारतोल्लक राजकुमारी

भारतोल्लक राजकुमारी (बिनु शब्दक)

वुयो

कच-कच कचाक

चुन्नु-मुन्नुक नहेनाइ

नेना जे बैलूनसँ डेराइत छल

अद्भुत फिबोनाची अंक-शृंखला

हारू

अखन नै, अखन नै!

जन्मदिनक उत्सव भोज

मोट राजा पातर-दुब्बड़ कुकुड़

बचिया जे अपन हँसी नै रोकि सकैत छलि

अंग्रेजी

हम सूँघि सकै छी

छोट लाल-टुहटुह डोरी

करू नीक, भोगू नीक

ई सभटा बिलाड़िक दोख अछि!

चोभा आम!

हमर टोलक बाट

जखन इकडू स्कूल गेल

माछी फेर आउ टाटा!

अमाचीक जुलुम मशीन सभ

टिंग टोंग

पाउ-म्याऊ-वाह

कुकुड़क एकटा दिन

हमरा नीक लगैए

रीताक नव-स्कूलमे पहिल दिन

कनी हँसियौ ने!

लाल बरसाती

भूत-प्रेतक नाट्यशाला

आउ पएर गानी

कतऽ अछि ई अंक ५?

विदेह मैथिली-अंग्रेजी टॉकिंग रीड-अलाउड ऑडियो बुक

<https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF> (मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका)

<https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgiT> (चलू हम तँ ठीक छी ने!)

<https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo> (एकटा नीक दिन)

<https://bloomlibrary.org/player/b2l5wesxCp> (घर सभ)

<https://bloomlibrary.org/player/dAzC0Fubt7> (की अहाँ ऐ चिड़ै सभकेँ देखने छी?)

गजेन्द्र ठाकुर (सम्पादन)

विदेह मैथिली शिशु उत्सव [विदेह सदेह ९]

विदेह: सदेह ९ तिरहुता

गजेन्द्र ठाकुर, नागेन्द्र कुमार झा आ पञ्जीकार विद्यानन्द झा (सम्पादन)

English-Maithili Computer Dictionary

डॉ. कमला चौधरी (सौजन्य- कमला चौधरी)

मैथिलीक वेश-भूषा-प्रसाधन सम्बन्धी शब्दावली २००८

डॉ योगानन्द झा (सौजन्य- योगानन्द झा)

मैथिलीक पारम्परिक जातीय व्यवसायक शब्दावली २००९

डॉ. ललिता झा (सौजन्य- ललिता झा)

मैथिलीक भोजन सम्बन्धी शब्दावली २०११

गोविंद झा (IGNCA Site आर्काइव)

Maithili-English Dictionary

रामदेव झा (शंकरदेव झा -सौजन्य)

मैथिली शब्द संचय

.....

किछु मैथिली पोथी डाउनलोड साइट (ओपन सोर्स)

[Videha Maithili eBooks/ eJournals/ Audio-Video Archive](#)

[विज्ञान रत्नाकर](#)

[OLE Nepal's e-Pustakalaya](#)

[पोथीक लिंक](#)

[IGNCA-ASI \(search keyword Mithila\)](#)

[History of Navya-Nyaya in Mithila](#)

[Studies in Jainism and Buddhism in Mithila](#)

[Mithila in the Age of Vidyapati](#)

[Cultural Heritage of Mithila](#)

[Mithila under the Karnatas](#)

[Temple Survey Project ASI- English आ Hindi](#)

[मैथिली साहित्य संस्थान](#)

[दर्शनीय मिथिला \(मैथिली साहित्य संस्थान लिंक\)](#)

[Brochure 1 \(मैथिली साहित्य संस्थान लिंक\)](#)

[Brochure 2 \(मैथिली साहित्य संस्थान लिंक\)](#)

[Brochure 3 \(मैथिली साहित्य संस्थान लिंक\)](#)

Brochure 4 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 5 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

ब्लूम लाइब्रेरी मैथिली

अरिपन फाउण्डेशन

Pratham Books Maithili Storyweaver

मैथिली ऑडियो बुक्स

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio

Books (including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili)

पोथी डॉट कॉम

खिस्सा-पिहानी नेना भुटका लेल

जानकी एफसमाचार एम.

आकाशवाणी दरभंगा यू ट्यूब चैनल

.....

विदेह सम्मान: सम्मानसूची- (समानान्तर साहित्य अकादेमी, समानान्तर ललित कला अकादेमी आ समानान्तर संगीत /नाटक अकादेमी सम्मान- (पुरस्कार नामसँ विख्यात

.....

मैथिलीक वर्तनी

१

मैथिलीक वर्तनी- विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

भाषापाक

२

मैथिलीक वर्तनीमे पर्याप्त विविधता अछि। मुदा प्रश्नपत्र देखला उत्तर एकर वर्तनी इग्नू BMAF001 सँ प्रेरित बुझाइत अछि, से एकर एकरा एक उखड़ाहामे उनटा-पुनटा दियौ, ततबे धरि पर्याप्त अछि। यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेल सेहो ई पर्याप्त अछि, से जे विद्यार्थी मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेने छथि से एकर एकटा आर फास्ट-रीडिंग दोसर-उखड़ाहामे करथि।

IGNOU इग्नू *BMAF-001*

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com. The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com. The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for

accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/documents.

५.विदेह स्त्री कोना

विदेह स्त्री कोना

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू।
Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

[Search for Works \(including Audio-Visual & Sign Language\) relating to Mithila/ Maithili by Female Writers/ Artists](#)

<https://books.google.com/>



(पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल(सभ पोथी पी डाउनलोड लेल क्रमानुसार नीचाँक लिंक सभपर .एफ.डी.उपलब्ध अछि। All the books are available for pdf download at the respective links below.

....

सखुआवाली (नारी विमर्श केन्द्रित) भपटियाहीमे भेल ८३ म सगर राति दीप जरयमे पठित कथा सभक संकलन

[सखुआवाली](#)

अणिमा सिंह (सौजन्य- नचिकेता)

[शिशु गीत खेल](#)

इलारानी सिंह (सौजन्य- नचिकेता)

प्रेम- एक कविता (अनूदित नाटक)

अरुन्धती देवी (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

मिथिलाक विदुषी महिला

डॉ. कमला चौधरी (सौजन्य- कमला चौधरी)

मैथिलीक वेश-भूषा-प्रसाधन सम्बन्धी शब्दावली २००८

समय-संकेत (कथा-संग्रह) २०१०

डॉ. ललिता झा (सौजन्य- ललिता झा)

मैथिलीक भोजन सम्बन्धी शब्दावली २०११

प्रोमिशा मिश्रा

रामभरोस कापड़ि भ्रमर (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)

सुस्मिता पाठक (सौजन्य- केदार कानन)

परिचिति (कविता संग्रह)

कनोजडि (कथा संग्रह)

नन्दिनी पाठक (सौजन्य- केदार कानन)

पाथरक शहर (कविता संग्रह)

पन्ना झा (सौजन्य- नरेन्द्र झा)

अनुभूति (लघुकथा संग्रह)

कल्पना झा (सौजन्य- कल्पना झा)

गोसाउनिक गीत

नशामुक्ति हित गाबी गीत

निनियाँ

यायावरी- शेफालिका वर्मा (हिन्दी अनुवाद कल्पना झा)

मुन्नी कामत (सौजन्य- मुन्नी कामत)

सुखल मन तरसल आँखि (पद्य आ गद्य)

सुखल मन तरसल आँखि (कविता)

अंततः (कविता संग्रह)

चुक्का (बाल कथा संग्रह)

नीता झा (सौजन्य- नीता झा)

बिलाइ मौसी (बाल लघुकथा संग्रह)

शेफालिका वर्मा (सौजन्य- शेफालिका वर्मा)

यायावरी (यात्रावृत्तान्त)

यायावरी (हिन्दी अनुवाद- कल्पना झा)

अर्थयुग (लघुकथा संग्रह)

एकटा अकास (लघुकथा संग्रह)

भावांजलि (गद्य गीत)

किस्त-किस्त जीवन (आत्म कथा)

आखर-आखर प्रीत

नागफांस (उपन्यास)

Naagphans (In English)

विभा रानी

विभा रानीक दूटा नाटक (भाग रौ आ बलचन्दा)

सुशीला झा (सौजन्य- प्रभा खेतान/ सुशीला झा)

छिन्नमस्ता- प्रभा खेतानक हिन्दी उपन्यासक मैथिली अनुवाद

कुसुम ठाकुर

प्रत्यावर्तन (आत्मकथा)(पृ. ४५९-५७२)

डॉ. कामिनी कामायनी

विदेह:सदेह ३१ (डॉ. कामिनी कामायनी आ कुमार मनोज कश्यप- अंक १-३५० सँ)

प्रीति ठाकुर

गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा -पहिल मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मिथिलाक लोकदेवता (बाल साहित्य)

विद्यापतिक पुरुष परीक्षा (बाल साहित्य)

रेस (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

ए बी सी डी- प्रकृति अक्षर पोथी (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

सभ खाइत अछि (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

बो म्याउ बाह (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

रड सभ (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(०६) छोट आ पैघ (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(०७) माल-जाल आ जानवर दिस देखू (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(१७) हमर परिवार (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

जानवर (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

पोथी १३: १...२...३... (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

बाजाक अबाज (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

11000 PALM LEAF PANJI INSCRIPTIONS (VOLUME I TO XXII) Compiled, Scanned & Catalogued by Preeti Thakur

गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर (समालोचना)

नीतू कुमारी

मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

किरण चौधरी (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर बाल-वाड़ी

आर्या कौकपिट मे

दीपा करमाकर- सही संतुलन मे

जंगल मे अहाँक स्वागत अछि

द्वेल छथि आकाश मे

भैया के मुस्कान के चौरौलक

बीज संचयक

अचंभित करय "फिबोनाची"

शौचालयक खिस्सा

लाल बरसाती

गुल्लीक जादुई पेटी

समीराक विकठ भोजन

विवाह मे जाई छी

प्रियंका झा (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर माँछ! नै हमर माँछ!

रश्मि प्रिया (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

कैयो सकै छी, नहियो कऽ सकै छी

सुनीता ठाकुर (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

बण्टी आ बबली

नीलिमा चौधरी (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर सभसँ नीक संगी

स्वास्तिका ठाकुर (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

गप्पू बुते नाचल नै होइ छै

तूलिका (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमरा ओ चाही!

मधूलिका मिश्र (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

ओंघाइत भीमा

लक्ष्मी ठाकुर

जानवर सभ संगे भँट-घाँट

पूनम मण्डल

सुतै कालक खिस्सा

कनकमणि दीक्षित (मूल नेपालीसँ मैथिली अनुवाद रूपा धीरू आ धीरेन्द्र प्रेमर्षि, बाल साहित्य) (सौजन्य- धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

भगता बेडक देश-भ्रमण

डॉ शशिधर कुमार आ सुप्रिया बेबी कुमारी

भूकम्प (पृ. ६३८-६७४)

....

लेखकक आमंत्रित रचना आ ओइपर आमंत्रित समीक्षकक समीक्षा सीरीज

१. **कामिनीक** पांच टा कविता आ ओइपर मधुकान्त झाक टिप्पणी

Videha 01 09 2016

३. **मुन्नी कामतक** एकांकी आ ओइपर गजेन्द्र ठाकुरक "जिन्दगीक मोल" टिप्पणी

VIDEHA 354

पसुपुलेटी गीता

एडिटर्स चोइस सीरीज१-

मीना झा

एडिटर्स चोइस सीरीज२-

जगदीश चन्द्र ठाकुर टा बाल कविता जइमे ३) २ टा कविता बेबी चाइल्डपर)

एडिटर्स चोइस सीरीज३-

....

विद्यापति गीत

तूलिका

गीत-गोविन्ददास (गायन दीक्षा भारती)

गोविन्ददास-१

गोविन्ददास-२

गोविन्ददास-३

गोविन्ददास-४

गोविन्ददास-५

गोविन्ददास-६

मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर, गायन दीक्षा भारती)

बहरे मुतकारिब

गजल-२

गजल-३

गजल-४

प्यारे मैथिल चैनल- किरण चौधरी आ संगीता आनन्द

सौम्या झा

रश्मि दत्त

प्रिया मल्लिक

अनामिका झा

रजनी पल्लवी

पूनम मिश्र

रंजना झा

जूली झा

दीपशिखा झा

मैथिली ठाकुर

अनुपम मिश्र पॉडकास्ट

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com. The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send

your queries to sales.vidaha@gmail.com. The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/documents.

६. विदेह ई-लर्निङ्ग

विदेह ई-लर्निङ्ग



[संघ लोक सेवा आयोग/ बिहार लोक सेवा आयोगक परीक्षा लेल मैथिली (अनिवार्य आ ऐच्छिक) आ आन ऐच्छिक विषय आ सामान्य ज्ञान (अंग्रेजी माध्यम) हेतु सामिग्री] [एन.टी.ए.- यू.जी.सी.-नेट-मैथिली लेल सेहो]

.....

मैथिलीक वर्तनी

१

मैथिलीक वर्तनी- विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

भाषापाक

२

मैथिलीक वर्तनीमे पर्याप्त विविधता अछि। मुदा प्रश्नपत्र देखला उत्तर एकर वर्तनी इग्नू BMAF001 सँ प्रेरित बुझाइत अछि, से एकर एकरा एक उखड़ाहामे उनटा-पुनटा दियौ, ततबे धरि पर्याप्त अछि। यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेल सेहो ई पर्याप्त अछि, से जे विद्यार्थी मैथिली

(कम्पलसरी) पेपर लेने छथि से एकर एकटा आर फास्ट-रीडिंग दोसर-उखड़ाहामे करथि।

IGNOU इग्नू BMAF-001

.....

Maithili (Compulsory & Optional)

UPSC Maithili Optional Syllabus

BPSC Maithili Optional Syllabus

मैथिली प्रश्नपत्र- यू.पी.एस.सी. (ऐच्छिक)

मैथिली प्रश्नपत्र- यू.पी.एस.सी. (अनिवार्य)

मैथिली प्रश्नपत्र- बी.पी.एस.सी.(ऐच्छिक)

.....

यू. पी. एस. सी. (मेन्स) ऑप्शनल: मैथिली साहित्य विषयक टेस्ट सीरीज

यू.पी.एस.सी. क प्रिलिमिनरी परीक्षा सम्पन्न भऽ गेल अछि। जे परीक्षार्थी एहि परीक्षामे उत्तीर्ण करताह आ जँ मेन्समे हुनकर ऑप्शनल विषय मैथिली साहित्य हेतन्हि तँ ओ एहि टेस्ट-सीरीजमे सम्मिलित भऽ सकैत छथि। टेस्ट सीरीजक प्रारम्भ प्रिलिम्सक रिजल्टक तत्काल बाद होयत। टेस्ट-सीरीजक उत्तर विद्यार्थी स्कैन कऽ editorial.staff.videha@gmail.com पर पठा सकैत छथि, जँ मेलसँ पठेबामे असोकर्ज होइन्हि तँ ओ हमर व्हाट्सएप नम्बर 9560960721 पर सेहो प्रश्नोत्तर पठा सकैत छथि। संगमे ओ अपन प्रिलिम्सक एडमिट कार्डक स्कैन कएल कॉपी सेहो वेरीफिकेशन लेल पठाबथि।

परीक्षामे सभ प्रश्नक उत्तर नहि देमय पड़ैत छैक मुदा जँ टेस्ट सीरीजमे विद्यार्थी सभ प्रश्नक उत्तर देताह तँ हुनका लेल श्रेयस्कर रहतन्हि। विदेहक सभ स्कीम जेकाँ ईहो पूर्णतः निःशुल्क अछि।- गजेन्द्र ठाकुर

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सर्विसेज परीक्षा (मुख्य),
मैथिली २ आ १ -पत्र-प्रश्न /लेल टेस्ट सीरीज (ऐच्छिक)

Test Series-1- गजेन्द्र ठाकुर

Test Series-2- गजेन्द्र ठाकुर

.....

NTA-UGC / UPSC / BPSC Maithili Optional- गजेन्द्र ठाकुर

मैथिली समीक्षाशास्त्र

मैथिली समीक्षाशास्त्र (तिरहुता)

मैथिली समीक्षाशास्त्र (भाग-२, अनुप्रयोग)

मैथिली प्रतियोगिता

[Place of Maithili in Indo-European Language Family/ Origin and development of Maithili language (Sanskrit, Prakrit, Avhatt, Maithili) भारोपीय भाषा परिवार मध्य मैथिलीक स्थान/ मैथिली भाषाक उद्भव ओ विकास (संस्कृत, प्राकृत, अवहट्ट, मैथिली)]

(Criticism- Different Literary Forms in Modern Era/ test of critical ability of the candidates)

(ज्योतिरीश्वर, विद्यापति आ गोविन्ददास सिलेबसमे छथि आ रसमय कवि चतुर चतुरभुज विद्यापति कालीन कवि छथि। एतय समीक्षा शृंखलाक प्रारम्भ करबासँ पूर्व चारू गोटेक शब्दावली नव शब्दक पर्याय संग देल जा रहल अछि। नव आ पुरान शब्दावलीक ज्ञानसँ ज्योतिरीश्वर, विद्यापति आ गोविन्ददासक प्रश्नोत्तरमे धार आओत, संगहि शब्दकोष बढ़लासँ खाँटी मैथिलीमे प्रश्नोत्तर लिखबामे धाख आस्ते-आस्ते खतम होयत, लेखनीमे प्रवाह आयत आ सुच्चा भावक अभिव्यक्ति भय सकत।)

(बद्रीनाथ झा शब्दावली आ मिथिलाक कृषि-मत्स्य शब्दावली)

(वैल्यू एडीशन- प्रथम पत्र- लोरिक गाथामे समाज ओ संस्कृति)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- विद्यापति)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- पद्य समीक्षा- बानगी)

(वैल्यू एडीशन- प्रथम पत्र- लोक गाथा नृत्य नाटक संगीत)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- यात्री)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- मैथिली रामायण)

(वैल्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- मैथिली उपन्यास)

(वैल्यू एडीशन- प्रथम पत्र- शब्द विचार)

(तिरहुता लिपिक उद्भव ओ विकास)

अनुलग्नक-१-२-३ अनुलग्नक- ४-५

(मैथिली आ दोसर पुबरिया भाषाक बीचमे सम्बन्ध (बांग्ला, असमिया आ ओडिया) [यू.पी.एस.सी. सिलेबस, पत्र-१, भाग-'ए', क्रम-५])

[मैथिली आ हिन्दी/ बांग्ला/ भोजपुरी/ मगही/ संथाली- बिहार लोक सेवा आयोग (बी.पी.एस.सी.) केर सिविल सेवा परीक्षाक मैथिली (ऐच्छिक) विषय लेल]

मैथिली-हिन्दी वार्तालाप (३ घण्टा)

मैथिली

बांग्ला

असमिया

ओडिया

हिन्दी

उर्दू

नेपाली

संस्कृत

संथाली

NTA UGC NET Maithili 01

NTA UGC NET Maithili 02

GS (Pre)

Topic 1

.....

यू.पी.एस.सी. आ आन प्रतियोगिता परीक्षा लेल देखू:

विदेह:सदेह १७	विदेह:सदेह २१	विदेह:सदेह २३	विदेह:सदेह २६	विदेह:सदेह ३१
विदेह:सदेह ३०	विदेह:सदेह ३२	विदेह:सदेह ३३	विदेह:सदेह ३४	विदेह:सदेह ३५

.....

General Studies

NCERT-Environment Class XI-XII

NCERT PDF I-XII

Sansad TV

<http://prasarbharati.gov.in/>

<http://newsonair.com/>

.....

Other Optionals

IGNOU eGyankosh

.....

पेटार (रिसोर्स सेन्टर)

.....

मैथिली मुहावरा एवम् लोकोक्ति प्रकाश- रमानाथ मिश्र मिहिर (खाँटी प्रवाहयुक्त मैथिली लिखबामे सहायक)

डॉ. कमला चौधरी-मैथिलीक वेश-भूषा-प्रसाधन सम्बन्धी शब्दावली (खाँटी प्रवाहयुक्त मैथिली लिखबामे सहायक)

डॉ योगानन्द झा- मैथिलीक पारम्परिक जातीय व्यवसायक शब्दावली (खाँटी प्रवाहयुक्त मैथिली लिखबामे सहायक)

डॉ. ललिता झा- मैथिलीक भोजन सम्बन्धी शब्दावली (खाँटी प्रवाहयुक्त मैथिली लिखबामे सहायक)

मैथिली शब्द संचय- डॉ श्रीरामदेव झा (खाँटी प्रवाहयुक्त मैथिली लिखबामे सहायक)

दत्त-वतीक वस्तु कौशल- डॉ. श्रीरामदेवझा

परिचय निचय- डॉ शैलेन्द्र मोहन झा

English Maithili Computer Dictionary (Complete)-
Gajendra Thakur

Maithili English Dictionary- गोविंद झा

अणिमा सिंह -शिशु गीत खेल

आनन्द मिश्र (सौजन्य श्री रमानन्द झा 'रमण')- मिथिला भाषाक सुबोध
व्याकरण

मैथिली सुबोध व्याकरण- भोला लाल दास

राधाकृष्ण चौधरी- A Survey of Maithili Literature

राधाकृष्ण चौधरी- मिथिलाक इतिहास

जयकान्त मिश्र- A History of Maithili Literature Vol. I

राजेश्वर झा- मिथिलाक्षरक उद्भव ओ विकास (मैथिली साहित्य संस्थान आर्काइव) (यू.पी.एस.सी. सिलेबस)

दत्त-वती (मूल)- श्री सुरेन्द्र झा सुमन (यू.पी.एस.सी. सिलेबस)

प्रबन्ध संग्रह- रमानाथ झा (बी.पी.एस.सी. सिलेबस) CIIL Site

सुभाष चन्द्र यादव-राजकमल चौधरी: मोनोग्राफ

शिव कुमार झा 'टिल्लू' अंशु-समालोचना

डॉ बचेश्वर झा- निबन्ध-निकुञ्ज

डॉ. देवशंकर नवीन- आधुनिक साहित्यक परिदृश्य

प्रेमशंकर सिंह- मैथिली भाषा साहित्य:बीसम शताब्दी (आलोचना)

डॉ. रमानन्द झा 'रमण'

हिआओल

अखियासल CIIL Site

दुर्गानन्द मण्डल-चक्षु

फेर एहि मनलगू फाइल सभकेँ सेहो पढ़ू:-

रामलोचन ठाकुर- मैथिली लोककथा

कुमार पवन (साभार अंतिका)

पइठ (मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ कथा)

डायरीक खाली पन्ना

केदारनाथ चौधरी

अबारा नहिना	चमेलीरानी	माइर	करार	अयना	हैना
-------------	-----------	------	------	------	------

डॉ. रमण झा

भिन्न-अभिन्न	मैथिली काव्यमे अलङ्कार	अलङ्कार- भास्कर	मैथिली काव्यमे ज्योतिष	अहिरायण-नथ	गारिजात-मञ्जरी
--------------	------------------------	--------------------	------------------------	------------	----------------

योगेन्द्र पाठक 'वियोगी'

विज्ञानक बतकही	विज्ञानक बतकही भाग-२	अकटा मिसिया (कथा संग्रह)
नरक विजय (सम्पूर्ण)	नरक विजय (संशोधित)	किछू तीत मधुर (यात्रा वृत्तान्त)
हमर गाम	पिरामिडक देशमे	रोबोट (अनूदित साईंस-फिक्शन नाटक)

अनूदित साहित्य (आन भाषासँ)- गजेन्द्र ठाकुर

विदेह:सदेह २७ (गजेन्द्र ठाकुर आ रवि भूषण पाठकक आन भाषासँ अनूदित

गद्य आ पद्य- अंक १-३५० सँ)

बाल साहित्य (अनुवाद- द्विभाषिक- मैथिली-अंग्रेजी)- गजेन्द्र ठाकुर

मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका

शेष ४० टा बाल चित्र-पोथी नीचाँक लिंकपर:-

सू.	पर सभ	एकटा नोक दिन	सबू न्या तँ छीक छी न?	की अहाँ ते किछे सभके देखने छी?
१	इंटीटा कमियोटा	एतइ सभ रहे छी	भारतीयक राजकुमारी	भारतीयक राजकुमारी (दिन शब्दक)
२	कथकथ- कथाक	बुनमानक- नदिनाह	मैंना जे बैलनसँ ईदवाह छल	अदुल पिनोनाजी अंक-भ्रमला
३	अखन नै, अखन नै	जन्मदिनक उल्लेख भोज	मोट राजा पातर-दुबइ कुकूड	बधिया जे अपन हँसी नै लोक सकेत छलिन
४	इस सभो सके छी	छोट लाल-दुदुइ ओरी	कुकू नोक, भोग नोक	ई सभटा बिनोडक देस अछी
५	हमर लेखक बाद	अकर इकडू-दुबइ गेल	माछी फेर आर टटोटा	अमासीक जगमा मोठीन सभ
६	पाउम्याड-बाह	कुकूडक एकटा दिन	हमर नोक लगेए	रिहाक-नय-दुकलने पहिल दिन
७	कनी हँसो नै	लाल बरसाती	भूतप्रेतक ना-दुबइलाल	आर पाएर गनी
				कनास अछि ई अंक ५२

विदेह मैथिली-अंग्रेजी टॉकिंग रीड-अलाउड ऑडियो बुक

<https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF> (मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका)

<https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgIT> (चलू हम तँ ठीक छी ने!)

<https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo> (एकटा नीक दिन)

<https://bloomlibrary.org/player/b2l5wesxCp> (घर सभ)

<https://bloomlibrary.org/player/dAzC0Fubt7> (की अहाँ ऐ चिड़ै सभकेँ देखने छी?)

.....

किछु मैथिली पोथी डाउनलोड साइट (ओपन सोर्स)

NCERT BHASHA SANGAM

NCERT (Maithili-English-Hindi Conversations)

पं लक्ष्मीपति सिंह (सौजन्य रमानन्द झा "रमण")

हिन्दीशिक्षक-मैथिली-

मैथिली(घण्टा ३) हिन्दी वार्तालाप-

मैथिली (मैथिली संकेत भाषा सहित(मैथिलीमे पहिल बेर -

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

<https://youtu.be/TebuC-lrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

Sahitya Akademi

प्रकाशन

डिजिटल-पोथी

CIIL

अखियासल (रमानन्द झा रमण)

जुआयल कनकनी- महेन्द्र

प्रबन्ध संग्रह- रमानाथ झा (बी.पी.एस.सी. सिलेबस)

सृजन केर दीप पर्व- सं केदार कानन आ अरविन्द ठाकुर

मैथिली गद्य संग्रह- सं शैलेन्द्र मोहन झा

Archive.Org (विजयदेव झा)

Videha Maithili eBooks/ eJournals/ Audio-Video
Archive

IGNCA

Maithili English Dictionary

विज्ञान रत्नाकर

मिथिला दर्शन

तीरभुक्ति

OLE Nepal's e-Pustakalaya

पोथीक लिंक

IGNCA-ASI (search keyword Mithila)

History of Navya-Nyaya in Mithila

Studies in Jainism and Buddhism in Mithila

Mithila in the Age of Vidyapati

Cultural Heritage of Mithila

Mithila under the Karnatas

Temple Survey Project ASI- English आ Hindi

मैथिली साहित्य संस्थान

दर्शनीय मिथिला (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 1 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 2 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 3 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 4 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 5 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

ब्लूम लाइब्रेरी मैथिली

अरिपन फाउण्डेशन

Pratham Books Maithili Storyweaver

मैथिली ऑडियो बुक्स

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books (including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili)

पोथी डॉट कॉम

I Love Mithila (पोथी डाउनलोड लिंक)

online maithili journal

owner I Love Mithila

प्यारे मैथिल चैनल- किरण चौधरी आ संगीता आनन्द

मिथिला चैप्टर

खिस्सा-पिहानी नेना भुटका लेल

जानकी एफ.एम समाचार

आकाशवाणी दरभंगा यू ट्यूब चैनल

आकाशवाणी मैथिली समाचार

आकाशवाणी अमृत महोत्सव

सुरेन्द्र राउत

.....

JNU

मैथिली

मैथिली लेक्सिकन

.....

Videha e-Learning YouTube Channel

.....

विदेह सम्मान: सम्मानसूची- (समानान्तर साहित्य अकादेमी, समानान्तर ललित कला अकादेमी आ समानान्तर संगीत /नाटक अकादेमी सम्मान- (पुरस्कार नामसँ विख्यात

.....

Maithili eBooks/ eJournals/ Audios-Videos can be downloaded from: **Maithili eBOOKS/ eJournals/ Audios-Videos**

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

७.विदेह सूचना संपर्क अन्वेषण (including Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement)

विदेह सूचना संपर्क अन्वेषण (including Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement)

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in/> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

Search for Information relating to Mithila/ Maithili

<https://books.google.com/>

Top of Form

सूचना

Do not judge each day by the harvest you reap but by the seeds that you plant.

- Robert Louis Stevenson

.....

Videha: Maithili Literature Movement

Videha eJournal (link www.videha.co.in) is a multidisciplinary online journal dedicated to the promotion and preservation of the Maithili language, literature and culture. It is a platform for scholars, researchers, writers and poets to publish their works and share their knowledge about Maithili language, literature, and culture. The journal is published

online to promote and preserve Maithili language and culture. The journal publishes articles, research papers, book reviews, and poetry in Maithili and English languages. It also features translations of literary works from other languages into Maithili. It is a peer-reviewed journal, which means that articles and papers are reviewed by experts in the field before they are accepted for publication.

१

"विदेहक जीवित लेखक-सम्पादक, आन्दोलनी, सार्वजनिक जीवन जीनिहार,
कला-संगीत-रंगमंचकर्मी आ रंगमंच-निर्देशक पर विशेषांक शृंखला"

विदेह अरविन्द ठाकुर विशेषांक

स्वतंत्रचेता- अरविन्द ठाकुर: व्यक्तित्व-कृतित्व (सम्पादक आशीष अनचिन्हार)
[विदेह अरविन्द ठाकुर विशेषांकक प्रिण्ट रूप]

विदेह जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल विशेषांक

विदेह रामलोचन ठाकुर विशेषांक

विदेह राजनन्दन लाल दास विशेषांक

विदेह रवीन्द्र नाथ ठाकुर विशेषांक

विदेह केदार नाथ चौधरी विशेषांक

विदेह प्रेमलता मिश्र प्रेम विशेषांक

विदेह शरदिन्दु चौधरी विशेषांक

विदेह कला-विमर्श विशेषांक (सन्दर्भ- संजू दास, कृष्ण कुमार कश्यप, शशिबाला, एस.सी.सुमन आ श्वेता झा चौधरी)

विदेह रचनाकार अशोक विशेषांक

विदेह राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर' विशेषांक

विदेह अपन जीवित लेखक-सम्पादक, आन्दोलनी, सार्वजनिक जीवन जीनिहार, रंगमंचकर्मी आ रंगमंच-निर्देशक पर विशेषांक शृंखलाक अन्तर्गत (१)अरविन्द ठाकुर, (२)जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल, (३)रामलोचन ठाकुर, (४) राजनन्दन लाल दास, (५)रवीन्द्र नाथ ठाकुर, (६) केदार नाथ चौधरी, (७) प्रेमलता मिश्र 'प्रेम', (८) शरदिन्दु चौधरी, (९) रचनाकार अशोक आ (१०) राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर' विशेषांक निकालने अछि। ऐ १० मे सँ रामलोचन ठाकुर, राजनन्दन लाल दास आ रवीन्द्र नाथ ठाकुर आब हमरा सभक बीच नै छथि। शेष ७ गोटे माने (१)अरविन्द ठाकुर, (२)जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल, (३) केदार नाथ चौधरी, (४) प्रेमलता मिश्र 'प्रेम', (५) शरदिन्दु चौधरी, (६) रचनाकार अशोक आ (७) राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर' केर स्टेटस विदेहमे 'लाइफटाइम फेलो' सन रहत। ओ अपन नव रचना कथा), कविता बा कथेतर गद्यबा (पद्य-रंगमंच] नव पोथी बा नव प्रोडक्शन, सड़क नाटक बा अन्य कोनो -ऑडियो) विजुअल सहितनिकललाक बादक हुअय बा विदेहपर नै हुअय जे विशेषांक [(प्रकाशन करब आ ओइपर पाठक-पठा सकै छथि। ओकर हम समीक्षा सहित ई, स्रोता, द्रष्टाक मध्य सम्वादक प्रारम्भ लेल प्रस्तुत करब।

"विदेहक जीवित लेखकसम्पादक-, आन्दोलनी, सार्वजनिक जीवन जीनिहार, कला रंगमंचकर्मी-संगीत-आ रंगमंचक चयन "पर विशेषांक शृंखला निर्देशक-प्रक्रियाक विधि निम्न प्रकारसँ अछि।

निअम:

१) लगभग पाँच-छह मास पहिनेसँ विदेह अपन पाठककेँ सुझाव देबा लेल लेल सूचना दैत अछि।

२) आएल सुझावमेसँ विदेह मात्र जीवित लोकक चयन करैत अछि।

३) ऐ सभ लोकक लेखनकाज / एवं आचरणक साम्यता देखल जाइत अछि। जिनकर लेखन/ काज ओ आचरणमे बेसी साम्यता (कम फाँक) भेटैए तेहन छह टा नाम चयनित होइत अछि।

४) छह नाम एलापर ई तुलना कएल जाइत छै जे ई छहो गोटेकेँ लेखनकाज /क एवजमे समाजसँ की भेटलनि।

५) जिनका सभसँ कम भेटल बुझाइत अछि तइ तीन लोककेँ अगिला चरण लेल राखि लेल जाइत अछि।

६) ऐ तीन चयनित जीवित लोकक रचना, काज आ उद्देश्य आदिक बीचमे परस्पर तुलना कएल जाइत अछि।

७) अंतिम रूपसँ विदेह द्वारा एकटा नाम चुनि सालक अंतमे घोषणा कएल जाइत अछि आ नियत समयपर ई विशेषांक निकालबाक प्रयास कएल जाइत अछि।

प्रश्न उठि सकैए जे की ऊपरका निअम एहन छै जइमे अंतिम रूपसँ सभ सुयोग्य जीवित लोक केर चयन समयपर भऽ जेतनि? तऽ एकर उत्तर छै नै। विदेहक पाठक लग सेहो अपन सीमा छनि। मुदा अही सीमाक संगे हमरा सभकेँ अपन

बेस्ट देबाक अछि आ मैथिली लेल एकटा एहन रस्ता बना देबाक छै जइसँ आबय बला ५००६००- बर्खक साहित्य विदेहक लीकसँ प्रेरणा पाबय।

अही विचारक संग विदेह ओहन संस्था, पत्रिका, लेखक, कलाकार, स्वयंसेवी बा सार्वजनिक जीवन जीनिहारपर अपन धेआन सेहो केंद्रित कऽ रहल अछि जे सुयोग्य छथि मुदा जिनकापर विदेहक विशेषांक कोनो कारणवश नै प्रकाशित भऽ सकल। एकर नाम भेल विदेहक "नित नवल सिरीज", जकर विवरण नीचाँ "नित नवल सिरीज"मे देल जा रहल अछि।
-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no +919560960721 [HTTP://VIDEHA.CO.IN/](http://VIDEHA.CO.IN/) ISSN 2229-547X VIDEHA

२

"विदेह द्वारा एक बेरमे कोनो एकटा जीवित संस्था, पत्रिका बा संस्था-पोथी-पत्रिकासँ जुड़ल स्वयंसेवीक समग्र मूल्यांकन शृंखला"

विदेह अंक ३७१ (०१ जून २०२३) "मिथिला स्टूडेंट यूनियन (एम.एस.यू.)" विशेषांक

निअम:

१) संस्था कैटेगरी- संस्थाक काज माला आदि पहिरेनाइ, पत्रिका-स्मारिका आदि छपेनाइ, जे मात्र रेकॉर्ड बनेबाले हुअय, नै हुअय। संस्था द्वारा जातिवादी कट्टरता नै बढ़ाओल जेबाक शर्त रहत, संस्था पॉकेट संस्था नै हेबाक चाही आ जीवित हेबाक चाही।

२) संस्था-पोथी-पत्रिकासँ जुड़ल स्वयंसेवी कैटेगरी- लेखक-प्रकाशकसँ इतर आन जे लोक पोथी-पत्रिका केर बिक्री कऽ अपन जीवय-यापनक संग

मैथिलीक प्रचारमे सहायक छथि, संगमे संस्था (रंगमंच संस्था सहित) सभसँ सम्बन्धित स्वयंसेवी, तिनको मूल्यांकन विदेह विशेषांक निकालि कऽ करत।
३) पत्रिका कैटेगरी- मैथिलीक कोनो पत्रिकाक ऊपर विदेह विशेषांक प्रकाशित करत। मुदा ऐलेल ओइ पत्रिकाक सभ अंक विदेहपर डाउनलोड लेल ओइ पत्रिकाक संपादक बा कॉपीराइट धारक देता, से शर्त अछि।

चयन प्रक्रियाक निअम "विदेहक जीवित लेखक-सम्पादक, आन्दोलनी, सार्वजनिक जीवन जीनिहार, कला-संगीत-रंगमंचकर्मी आ रंगमंच-निर्देशक पर विशेषांक शृंखला"क चयन प्रक्रियाक निअम सन रहत।

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no
+919560960721 <HTTP://VIDEHA.CO.IN/> ISSN 2229-
547X VIDEHA

३

"विदेह मोनोग्राफ" शृंखला

विदेह अपन जीवित लेखक-सम्पादक, आन्दोलनी, सार्वजनिक जीवन जीनिहार, रंगमंचकर्मी आ रंगमंच-निर्देशक पर विशेषांक शृंखलाक अन्तर्गत (१) अरविन्द ठाकुर, (२) जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल, (३) रामलोचन ठाकुर, (४) राजनन्दन लाल दास, (५) रवीन्द्र नाथ ठाकुर, (६) केदार नाथ चौधरी, (७) प्रेमलता मिश्र 'प्रेम', (८) शरदिन्दु चौधरी, (९) रचनाकार अशोक आ (१०) राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर' विशेषांक निकालने अछि।
अही सन्दर्भमे हिनका सभपर "विदेह मोनोग्राफ" शृंखला अन्तर्गत "मोनोग्राफ" आमंत्रित कयल जा रहल अछि।
"विदेह मोनोग्राफ" शृंखलाक विवरण निम्न प्रकार अछि:

(१) इच्छुक लेखक ऊपरमे कोनो एक गोटेपर अपन मोनोग्राफ लिखबाक इच्छा editorial.staff.videha@gmail.com पर पठा सकै छथि।

(२) विदेह लेखकक नाम मोनोग्राफ लिखबाक लेल चयनित कऽ ओकर सार्वजनिक घोषणा करत।

"विदेह मोनोग्राफ" लिखबाक निअमः

(१) मोनोग्राफ पूर्ण रूपेँ सम्बन्धित लोकपर केन्द्रित हुअय। साहित्य अकादेमी, एन.बी.टी. आ किछु व्यक्तिगत रूपेँ लिखल मोनोग्राफ/ बायोग्राफीमे लेखक संस्मरण आ व्यक्तिगत प्रसंग जोड़ि कय सम्बन्धित लोकक बहन्ने अपन-आत्म-प्रशंसा लिखै छथि। "विदेह मोनोग्राफ" फीफा वर्ल्ड कप फुटबाल सन रहत। फीफा वर्ल्ड कप फुटबाल एहेन एकमात्र टूर्नामेण्ट अछि जतय कोनो "ओपेनिंग" बा "क्लोजिंग" सेरीमनी अलगसँ नै होइ छै, पहिल आ अन्तिम मैचक सङ्गे होइ छै आ तकर कारण छै जे अलगसँ कएल "ओपेनिंग" बा "क्लोजिंग" मे टूर्नामेण्टमे नै खेला रहल लोक मुख्य अतिथि/ अतिथि होइ छथि आ फोकस खिलाड़ी सँ दूर चलि जाइ छै। फीफा मात्र आ मात्र फुटबाल खिलाड़ीपर केन्द्रित रहैत अछि से ओकर टूर्नामेण्ट "ओपेनिंग सेरीमनी" नै वरन् सोझे "ओपेनिंग मैच" सँ आरम्भ होइत अछि आ ओकर समापन "क्लोजिंग सेरीमनी" सँ नै वरन् "फाइनल मैच आ ट्रॉफी" सँ खतम होइत अछि आ फोकस मात्र आ मात्र खिलाड़ी रहैत छथि। तहिना "विदेह मोनोग्राफ" मात्र आ मात्र सम्बन्धित लोकपर केन्द्रित रहत आ कोनो संस्मरण आदि जोड़ि कऽ फोकस अपनापर केन्द्रित करबाक अनुमति नै रहत।

(२) मोनोग्राफ लेल "विदेह पेटार"मे उपलब्ध सामग्रीक सन्दर्भ सहित उपयोग कएल जा सकैए।

(३) विदेहमे ई-प्रकाशित रचना सभक कॉपीराइट लेखक/संग्रहकर्ता लोकनिक लगमे रहतन्हि। सम्पादक 'विदेह' ई-पत्रिकामे प्रकाशित रचनाक प्रिंट-वेब

आर्काइवक/ आर्काइवक अनुवादक आ मूल आ अनूदित आर्काइवक ई-
प्रकाशन/ प्रिंट-प्रकाशनक अधिकार रखैत छथि। ऐ ई-पत्रिकामे कोनो रॉयल्टी/
पारिश्रमिकक प्रावधान नै छै।

(४) "विदेह मोनोग्राफ"क फॉर्मेट: सम्बन्धित लोकक परिचय (सम्बन्धित
लोकक जन्म, निवास-स्थान आ कार्यस्थलक भौगोलिक-सांस्कृतिक विवेचना
सहित) आ रचना/ काजक विवरण (समीक्षा सहित)।

घोषणा: "विदेह मोनोग्राफ" शृंखला अन्तर्गत (१) राजनन्दन लाल दास जी पर
मोनोग्राफ निर्मला कर्ण, (२) रवीन्द्र नाथ ठाकुर पर मुन्नी कामत आ (३) केदार
नाथ चौधरी पर प्रेम मोहन मिश्र द्वारा लिखल जायत। शेष ७ गोटेपर निर्णय शीघ्र
कएल जायत।

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no
+919560960721 [HTTP://VIDEHA.CO.IN/](http://VIDEHA.CO.IN/) ISSN 2229-
547X VIDEHA

४ (१)

विदेहक "नित नवल सिरीज"

विदेह द्वारा जे विशेषांक प्रकाशित होइ छै तकर संगे विदेह ओहन संस्था, पत्रिका,
लेखक, कलाकार, स्वयंसेवी बा सार्वजनिक जीवन जीनिहारपर अपन धेआन
सेहो केंद्रित करत जिनकापर विदेहक विशेषांक कोनो कारणवश नै प्रकाशित भऽ
सकल। एकर प्रक्रिया आ कार्यान्वयनक विवरण एना अछि।

निअम आ कार्यान्वयन:

१) हम एकटा कोनो संस्था, पत्रिका, लेखक, कलाकार, स्वयंसेवी बा सार्वजनिक
जीवन जीनिहारपर समग्र आलोचना करब जकर भाषा मैथिली अथवा अंग्रेजी

रहत। ऐ पोथीक पहिल रूप ई-बुक केर रूपमे ऐत आ प्रयास रहत जे एकर प्रिंट सेहो आबय जे परिस्थितिपर निर्भर करत।

२) ऐ शृंखलामे:-

(i) सुभाष चंद्र यादवपर केंद्रित "नित नवल सुभाष चंद्र यादव",

(ii) राजदेव मंडलपर केंद्रित "Rajdeo Mandal- Maithili Writer"
आ

(iii) जगदीश प्रसाद मण्डल केन्द्रित "Jagdish Prasad Mandal-
Maithili Writer" प्रकाशित भेल अछि।

पहिल दुनू पोथीक लोकार्पण ३१ दिसम्बर २०२२ केँ १११म सगर राति दीप जरय मे कएल गेल। तेसर पोथीक लोकार्पण २५ मार्च २०२३ केँ ११२ म सगर राति दीप जरय मे कएल गेल।

(iv) "नित नवल दिनेश कुमार मिश्र" आ

(v) "नित नवल सुशील" जारी अछि।

आगाँक

घोषणा

लेल <http://videha.co.in/investigation.htm> देखैत रही।

पूर्वपीठिकासमय समाज आ :मैथिली उपन्यास" कमलानन्द झाक पोथी : क शीर्षक भ्रामक अछि। ई हुनकर किछु सवर्ण (२०२१) "सवाल उपन्यासकारपर किछु सिण्डिकेटेड कथित समीक्षात्मक आलेखक संग्रह अछि, २६३ पन्नाक ई पोथी हार्डबाउण्डमे लाइब्रेरीकेँ मात्र बेचल जा सकत, जतऽ ई सड़ि जायत, अमेजनसँ हम ई चारि सय पाँच टाकामे किनलौं मुदा ऐमे पाँचो पाइक सामिग्री नै अछि।

एतऽ एकटा भूल सुधार अछि, एकटा गएर सवर्ण लेखक सुभाष चन्द्र यादवक उपन्यास 'गुलो'केँ बिनु पढ़ने ओ दू पाँति लिखलन्हि आ निपटा देलन्हि, ओ दुनू पाँति हम एतऽ अहाँक मनोरंजनार्थ प्रस्तुत कऽ रहल छी। अहाँ गुलो पढ़नहिये हएब, जँ नै पढ़ने छी तँ पहिने पढ़ि लिअ, कारण तखन बेशी मनोरंजक अनुभव हएत, गुलो सुभाष चन्द्र यादव जीक अनुमति सँ उपलब्ध अछि विदेह आर्काइवपर ऐ <http://videha.co.in/pothi.htm> लिंकपर।

"उपन्यासक कमजोरी अछि लेखकक राजनीतिक पूर्वाग्रह। राजनीति विशेषक पक्षधरता रचनाक संग न्याय नहि कऽ पबैत अछि।"

जइ उपन्यासमे राजनीति दूर दूर धरि नै छै ओतऽ-'राजनैतिक पूर्वाग्रह' आ 'राजनीति विशेषक पक्षधरता'क तँ प्रश्ने नै छै। राजनीतिक पूर्वाग्रह बा पक्षधरताक सोडर धूमकेतु आ यात्री प्रयुक्त केलन्हि। सुभाष चन्द्र यादव जीक 'भोट' जे २०२२मे आयल जे सुभाष चन्द्र यादव जीक अनुमति सँ उपलब्ध अछि विदेह आर्काइवपर ऐ <http://videha.co.in/pothi.htm> लिंकपर, से राजनीतिपर अछि मुदा ओतहुओ सुभाषजीक भगता शैलीकेँ राजनीतिक पूर्वाग्रह बा पक्षधरताक सोडरक आवश्यकता नै पड़लै। पढ़ू हमर पोथी 'नित नवल सुभाष चन्द्र यादव' जे उपलब्ध अछि ऐ <http://videha.co.in/pothi.htm> लिंकपर।

कमलानन्द झाक बिनु पढ़ने सुभाष चन्द्र यादवक विरुद्ध ब्राह्मणवादी जातिगत पूर्वाग्रह एकटा खतराक घण्टी अछि। जइ हिसाबे ब्राह्मणवादकेँ आगाँ बढ़बैले कमलानन्द झा वामपंथक सोडर पकड़ै छथि आ सामाजिक न्यायक बलि चढ़बऽ चाहै छथि, तकर प्रति समानान्तर धारा सचेत अछि। ई अपन बायोडाटामे गएर सवर्णसँ छीनि कऽ, समानान्तर धाराक लोकक हककेँ मारि कऽ लेल साहित्य अकादेमीक मैथिल अनुवाद असाइनमेण्टक गर्वसँ चर्चा करैत छथि। आ ई

असाइनमेण्ट हिनका मेरिटसँ नै जातिगत टाइटिलसँ भेटल छन्हि, अही सभ किरदानीक एवजमे भेटल छन्हि। हिनका सन लोक लेल मैथिली बायोडेटाक एकटा पाँति अछि, समानान्तर धारा लेल जीवनमरणक प्रश्न।-

आब अहाँ पुछब जे तकर प्रतिकार समानान्तर धारा केना केलक, ओ तँ कन्नारोहट नै करैए, तँ तकर उत्तर अछि हमर ३ टा पोथी जे १११म सगर राति दीप जरय मे लोकार्पित भेल ३१ दिसम्बर २०२२ केँ, वएह सगर राति दीप जरय जकरा साहित्य अकादेमी गत दस बर्खसँ गीड़ि लेबाक प्रयास कऽ रहल अछि। अहाँसँ ऐ तीनू पोथीपर टिप्पणी ई-पत्र सङ्केत editorial.staff.vidaha@gmail.com पर आमंत्रित अछि। पहिल दू पोथी मे राजदेव मण्डल आ सुभाष चन्द्र यादवक साहित्यक समीक्षा अछि जे हमर तेसर पोथी मैथिली समीक्षशास्त्रक सिद्धांतक आधारपर कएल गेल अछि। तकरा बाद जगदीश प्रसाद मण्डल जी पर पोथी लिखल गेल (११२ सगर राति दीप जरय मे लोकार्पण) सभटा पोथीक लिंक नीचाँ देल गेल अछि। 'नित नवल दिनेश कुमार मिश्र' आ 'नित नवल सुशील' जारी अछि।

Rajdeo Mandal- Maithili Writer (Now with Supplement I & II)

नित नवल सुभाष चन्द्र यादव

नित नवल सुभाष चन्द्र यादव (मिथिलाक्षर)

JAGDISH PRASAD MANDAL- Maithili Writer

नित नवल दिनेश कुमार मिश्र (जारी)

नित नवल सुशील (जारी)

मैथिली समीक्षाशास्त्र

मैथिली समीक्षाशास्त्र (तिरहुता)

संगमे पढ़ू कमलानन्द झा क ब्राह्मणवादपर प्रहारः

दूषण पञ्जी- The Black Book

दूषण पञ्जी- The Black Book (मिथिलाक्षर)

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no
+919560960721 <HTTP://VIDEHA.CO.IN/> ISSN 2229-
547X VIDEHA

४(२)

नित नवल दिनेश कुमार मिश्र

दिनेश कुमार मिश्रक 'दुइ पाटन के बीच मे' कोसी नदीक ऐतिहासिक आत्मकथा थीक, ओ मिथिलाक आन धार सभक ऐतिहासिक आत्मकथा सेहो लिखने छथि जेना बन्दिनी महानन्दा, बागमती की सद्गति!, दुइ पाटन के बीच मेंकोसी नदी) .. (की कहानी, न घाट न घर, बगावत पर मजबूर मिथिला की कमला नदी, भुतही नदी और तकनीकी झाड़फूंक-, The Kamla River and People On Collision Course, Bhutahi Balan- Story of a ghost river and engineering witchcraft, Refugees of the Kosi Embankments। साहित्य अकादेमीक मैथिली परामर्शदात्री समितिक सदस्य पंकज झा पराशर द्वारा हिनकर पोथी सभसँ पैराक पैरा मैथिली अनुवाद कऽ अपना नामे उपन्यास छपबाओल गेल अछि, जकरा छद्म समीक्षक कमलानन्द झा ऐ चोर लेखकक रिसर्च कहै छथिएतऽ स्पष्ट कऽ दी जे ई चोर !

लेखक आ छद्म समीक्षक दुनू अलीगढ़ मुस्लिम विद्यालयक हिन्दी विभागमे छथि। ई रिसर्च दिनेश कुमार मिश्रक थीक, जे आइ खड़गपुरसँ .टी.आइ. १९६८मे आ स्ट्रक्चरल इन्जीनियरिङमे .टेक .सिविल इन्जीनियरिङ मे बी .एमटेक१९७०मे केने छथि ., आ ओइ रिसर्च लेल क्वालिफाइड छथि। जखन कोनो विषयमे नामांकन नै होइ छै तखन लोक हारिथाकि हिन्दीमे नामांकन - लइए, नै तँ कमलानन्द झा केँ बुझऽ मे आबि जइतन्हि जे ई रिसर्च कोनो सिविल इन्जीनियरेक भऽ सकैत अछि, भऽ सकैए बुझलो होइन्ह। हिन्दी मूल आ मैथिलीक स्क्रीनशॉट आँगा संलग्न अछि।

दिनेश कुमार मिश्र मिथिलाक नै छथि मुदा मिथिलाक सभ धारक कथा ओ लिखने छथि, हम सभ हुनका प्रति कृतज्ञ छी आ हुनकर ऋणसँ मिथिलावासी कहियो उऋण नै भऽ सकता, मुदा मूलधाराक पुरस्कार आ पाइ लोलुप लोकसँ कृतघ्नते भेटत से फेर सिद्ध भेल। ऐ लेखककेँ दस बारह बर्ष पहिने सेहो तारानन्द वियोगी उद्धारक भेटल छलखिन्ह जे लिखने रहथिन्ह जे ओ कवितामे प्रभावित भऽ अनायासे अपन रचनामे दोसरक सामिग्री चोरि कऽ लइ छथि, एहने सन। आब ऐ कमलानन्द झा क आश्रय तकलन्हि मुदा दुर्भाग्यजइ हिसाबे ब्राह्मणवादकेँ ! आगाँ बढ़बैले कमलानन्द झा वामपंथक सोडर पकड़ै छथि आ सामाजिक न्यायक बलि चढ़बऽ चाहै छथि, तकर प्रति समानान्तर धारा सचेत अछि। सीलिंगसँ बचबा लेल जमीनजत्थाबला लोक कम्युनिस्ट बनल-ा आ आब ब्राह्मणवाद बचेबालेल वामपंथक शरण, एहेन लोक सभसँ कम्युनिज्मकेँ बहुत नुकसान भेल छै।

दिनेश कुमार मिश्रक सभटा पोथी आब हुनकर अनुमतिसँ उपलब्ध अछि विदेह आर्काइवमे:

<http://videha.co.in/pothi.htm>

एतऽ एकटा गप मोन पाड़ि दी जे जखन बिल गेट्सकेँ पूछल गेलन्हि जे की ओ एक्स बॉक्स भारतमे पाइरेशीक डरसँ देरीसँ आनि रहल छथि? तँ हुनकर उत्तर रहन्हि जे माइक्रोसॉफ्ट पाइरेशीक डरे कोनो उत्पाद देरीसँ नै उतारने अछि। से विदेह पेटारमे हम सभ ऐ तरहक रिस्क रहितो एकरा आर समृद्ध करैत रहब, कारण समानान्तर धारामे सड़ल माँछ द्वारे पोखरिक सभ माँछ नै सड़ैए, एतुक्का मलाह गोटगोट कऽ सड़ल माँछ निकालैत रहल छथि-, निकालैत रहता।

सिण्डीकेटेड समीक्षापर अन्तिम प्रहार।

मूल दिनेश कुमार मिश्र :(२००६ ...दुइ पाटन के बीच में) यह ध्यान देने की बात है कि 1923 से 1946 के बीच कोसी क्षेत्र में मलेरिया से 5,10,000, कालाजार से 2,10,000, हैजे से 60,000 तथा चेचक से 3,000 मौतें (कुल 7,83,000) हुई।

चोर पंकज झा पराशर)साहित्य अकादेमीक मैथिली परामर्शदात्री समितिक सदस्य([जलप्रांतर २०१७ :[(१०३ .पृ

ने अँग्रेज सब आ ने नवका रंगरेज सब। 1923 सँ 1946 के बीच में कोसी क्षेत्र में मलेरिया से पाँच लाख दस हजार, कालाजार सँ दू लाख दस हजार, हैजा सँ साठि हजार आ चेचक सँ तीन हजार लोकक मृत्यु भेल! माने सब मिला कए करीब पौने आठ लाख लोक मरि

मूल दिनेश कुमार मिश्र दुइ)पाटन के बीच में:(२००६ ... भारतवर्ष में बिहार में कोसी नदी को बांधने का काम 12वीं शताब्दी में किसी राजा लक्ष्मण द्वितीय ने करवाया था और इस काम के लिए उसने प्रजा से 'बीर' की उपाधि पाई और नदी का तटबन्ध 'बीर बांध' कहलाया। इस तटबन्ध के अवशेष अभी भी सुपौल जिले में भीम नगर से कोई 5 किलोमीटर दक्षिण में दिखाई पड़ते हैं। डॉ. फ्रांसिस बुकानन (1810-11) का अनुमान था कि यह बांध किसी किले की सुरक्षा के लिए बनी बाहरी दीवार रहा होगा क्योंकि यह बांध धौस नदी के पश्चिमी किनारे पर तिलयुगा से उसके संगम तक 32 किलोमीटर की दूरी में फैला हुआ था। डॉ.

डब्लू.डब्लू. हन्टर (1877) बुकानन के इस तर्क के साथ सहमत नहीं थे कि यह बांध किसी किले की सुरक्षा दीवार था। स्थानीय लोगों के हवाले से हन्टर का मानना था कि अधिकांश लोग इसे किले की दीवार नहीं मानते और उनके हिसाब से यह कुछ और ही चीज थी मगर वह निश्चित रूप से कुछ कहने की स्थिति में नहीं थे। फिर भी जो आम धारणा बनती है वह यह है कि यह कोसी नदी के किनारे बना कोई तटबन्ध रहा होगा जिससे नदी की धारा को पश्चिम की ओर खिसकने से रोका जा सके। लोगों का यह भी कहना था कि ऐसा लगता था कि इस तटबन्ध का निर्माण कार्य एकाएक रोक दिया गया होगा।

छद्म समीक्षक कमलानन्द झा द्वारा चोर उपन्यासकारक पीठ ठोकब, देखू छद्म समीक्षक कमलानन्द झा द्वारा उद्धृत चोर पंकज झा पराशर मैथिली उपन्यास), समय, समाज आ सवाल पृ:(२५८-२५७ .

पंकज पराशरक पहिल उपन्यास 'जलप्रांतर'(2017) शोधपरक उपन्यास अछि। मैथिलीमे शोधपरक उपन्यास लिखबाक परम्परा नहि रहल अछि। एहि दुआरे ई उपन्यास रेखांकन योग्य अछि। पराशरजी एहि उपन्यासमे कोसी नदीक बान्हक इतिहास-कथा लिखलनि अछि। उपन्यासक वैशिष्ट्य ई जे बारहम शताब्दीसँ ल' क' आधुनिक काल धरि कोसी पर बान्ह बनेबाक दुसाध्य प्रयत्न, प्रशासनिक उठा-पटक, राजनीतिक दाँव-पेंच आदिक विस्तृत व्योरा रोचक कथाक माध्यमसँ कहलनि अछि। ध्यान देबाक बात ई जे सभटा सूचना आ व्योरा अत्यन्त विश्वसनीय बनि पड़ल अछि। पटुआ कक्का आ फूल बाबू सदृश्य पढ़ल-लिखल आ सचेत पात्रक माध्यमसँ लेखक एहि अनुसन्धानकेँ रखलनि अछि। दलान पर बैसल लोकक जिज्ञासाकेँ बढ़ावेत पटुआ कका कहैत छथिन, "पहिल बेर बारहम शताब्दीमे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मण सेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह जे 1178सँ 1205 ई. धरि शासन

मैथिली उपन्यास : समय समाज आ सवाल : 257

कयने छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगरसँ दू कोस पश्चिममे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकाननकेँ अनुमान रहनि, जे ई बान्ह सम्भवतः कोनो किलाकेँ रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मतसँ डब्ल्यू. डब्ल्यू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलनि जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत जे नदी पश्चिम दिस नहि बहय लागय।” एहि तरहें बान्हक मादे

चोर पंकज झा पराशर)साहित्य अकादेमीक मैथिली परामर्शदात्री समितिक सदस्य([जलप्रांतर २०१७ :[(३१ .पृ)

पढुआ कका पछिला गप केँ आगाँ बढ़बैत कहलखिन, ‘फूल बाबू, कोसी नदीक बेसिन प्राचीन काल सँ मनुक्खक निवास लेल उपयुक्त स्थान रहल अछि। बारहम-तेरहम सदी मे भारत मे जखन कइक टा नदी सुखा गेल, तँ ओहि ठामक पशुचारक समाजक लोक एतय आबि कए बसलाह। तहिये सँ बढ़ैत जनसंख्या आ कोसी नदीक बदलैत प्रवाहक मध्य टकराहटि होमय लागल। नदीक अनियंत्रित धारा केँ लोक बाढ़ि बूझय लागल। पहिल बेर बारहम शताब्दी मे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मणसेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह, जे 1178 सँ 1205 ईस्वी धरि शासन कयने छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगर सँ दू कोस पश्चिम मे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकानन के अनुमान रहनि, जे ई बान्ह संभवतः कोनो किला के रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मत सँ डब्ल्यू. डब्ल्यू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलखिन, जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत, जे नदी पच्छिम दिस नहि बह’ लागय।’ पढुआ कका सँ मुँहजबानी एतेक रास ऐतिहासिक तथ्य सुनियो कए फूल बाबू सहमति मे मूड़ी नहि डोलेलखिन। जाहि सँ ओतय बैसल लोक सबहक उत्सुकता और बढ़ि गेलनि, जे गप मे एहेन कोन तथ्य रहि गेलै जे फूल बाबू संतुष्ट नहि भेलखिन? लोक केँ बुझेलनि जे फूल बाबू शास्त्रार्थ के अखड़हा पर माटि फेकि रहल छथिन। पढुआ कका केँ आइ जोड़ीदार भेटि गेलनि!

जलप्रांतर / 31

मूल दिनेश कुमार मिश्र :(२००६ ...दुइ पाटन के बीच में) कोसी के प्रवाह कि भयावहता की एक झलकफिरोजशाह तुगलक की फौज के सन् 1354 में बंगाल से दिल्ली लौटने के समय मिलती है। बताया जाता है कि जब सुल्तान की फौजें कोसी के किनारे पहुँचीं तो देखा कि नदी के दूसरे किनारे पर हाजी शम्सुद्दीन इलियास की फौजें मुकाबले के लिए तैयार खड़ी हैं। यह वही हाजी शम्सुद्दीन थे जिन्होंने हाजीपुर तथा समस्तीपुर शहर बसाये थे। फिरोज की फौजें शायद कुरसेला के आस पास किसी जगह पर कोसी के-किनारे सोच में पड़ गईं। नदी की रफ्तार उन्हें आगे बढ़ने से रोक रही थी। आखिरकार फैसला हुआ कि नदी के

साथसाथ उत्तर की ओर बढ़ा जाय और जहाँ नदी पार करने लायक हो जाय - वहाँ पानी की थाह ली जाये। सुल्तान की फौजें प्रायः सौ कोस ऊपर गईं और जियारन के पास, जो कि उसी स्थान पर अवस्थित था जहाँ नदी पहाड़ों से मैदानों में उतरती थी, नदी को पार किया। नदी की धारा तो यहाँ पतली जरूर थी पर प्रवाह इतना तेज था कि पाँचपाँच सौ मन के भारी पत्थर नदी में तिनकों की - तरह बह रहे थे। जहाँ नदी को पार करना मुमकिन लगा उसके दोनों ओर सुल्तान ने हाथियों की कतार खड़ी कर दी और नीचे वाली कतार में रस्से लटकाये गये जिससे कि यदि कोई आदमी बहता हुआ हो तो इस रस्सों की मदद से उसे बचाया जा सके। शम्सुद्दीन ने कभी सोचा भी न था कि सुल्तान की फौजें कोसी को पार कर लेंगी और जब उस को इस बात का पता लगा कि सुल्तान की फौजों ने कोसी को पार करने में कामयाबी पा ली है तो वह भाग निकला।

चोर पंकज झा पराशर)साहित्य अकादेमीक मैथिली परामर्शदात्री समितिक सदस्य([जलप्रांतर २०१७ :[(१०५ .पृ)

'बेश, तँ सुनू। 1354 मे फिरोजशाह तुगलक के फौज जखन बंगाल सँ दिल्ली चुरि रहल छल, तँ कोसीक प्रवाह बहुत तेज छलै। तुगलकी सेना जखन कोसी के किनार पर पहुँचल, तँ कोसीक ओहि पार मे हाजी शम्सुद्दीन इलियास के सेना तुगलकी सेना सँ मोकाबला करबाक लेल अस्त्र-शस्त्र ल' कए तैयार छल। ई वएह हाजी शम्सुद्दीन छलाह, जे हाजीपुर आ समस्तीपुर नगर बसौने रहथि। फिरोजशाह तुगलक के सेना संभवतः कुरसेला के आस-पास कोसी के तेज धार देखि कए सोच मे पड़ि गेल। पानिक रफ्तार देखि कए तुगलकी सेना केँ नदी पार करबाक हिम्मत नहि भ' रहल छलै। अंततः तुगलकी सेनापति तय कयलनि, जे नदीक किनारे-किनार उत्तर दिस बढ़ल जाय। जतय जा कए नदीक पाट कनेँ कम बूझि पड़य, ओतय पानिक थाह लेल जायत। एहि आशा मे फौज उत्तर दिस बढ़ैत रहल। कुरसेला सँ सय कोस आगाँ गेलाक बाद कोसी के पेट कनेँ शिकस्त बुझेलै। कोसी ओतहि पहाड़ सँ नीचाँ उतरैत अछि। पानिक वेग के अनुमान एहि सँ कयल जा सकैए, जे पाँच-पाँच सय मनक पाथर कोसी मे खढ़ जकाँ बहि रहल छल। तुगलकी सेनापति केँ जतय नदी पार करब कनेँ आसान बुझेलनि, ओतय एक लाइन मे सैकड़ों टा हाथी केँ ठाढ़ क' देल गेल। नीचाँ वला लाइन मे बड़का-बड़का रस्सा लटका देल गेल, जे जँ बयो पानि मे भासि जायत, रस्सा के मदति सँ निकालि लेल जायत। एहि तरहेँ फिरोजशाह तुगलकक सेना कोसी पार क' गेल। हाजी शम्सुद्दीन सपनो मे नहि सोचनेँ छल, जे तुगलकी सेना कोसी पार क' जायत। जखन हाजी शम्सुद्दीन केँ पता लगलै जे तुगलकी सेना कोसी पार क' चुकल अछि, तँ ओ डरे सँ पड़ा गेल। तँ एहि कोसीक तेज धार के ल' कए एतेक आत्मविश्वास मे छल हाजी शम्सुद्दीन।'

(... शीघ्र अही लिंकपर आर स्क्रीनशॉट अपडेट कएल जायत।)

विदेहक ३६३ म अंक दिनांक ०१ फरबरी २०२३ सँ प्रारम्भ... नित नवल दिनेश कुमार मिश्र

<http://videha.co.in/> विदेह पत्रिका-प्रथम मैथिली पाक्षिक ई :ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) पर।

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no +919560960721 <HTTP://VIDEHA.CO.IN/> ISSN 2229-547X VIDEHA

४ (३)

नित नवल सुशील

कमलानन्द झाकेँ हम किए छद्म समीक्षक कहलियनि?

कारण ओ छद्म समीक्षक छथि।

ओ लिखै छथियात्राक लगभग सय वर्षक बाद मैथिल -मैथिली उपन्यास" - अन्तरजातीय विवाहक सपना, संघर्ष आ विडम्बना पर गरिमायुक्त उपन्यास लिखबाक श्रेय गौरीनाथकेँ जाइत छनि।"

तँ की कमलानन्द झा सुशीलसँ ई श्रेय छीनि लेलनि? की ई हुनकर ब्राह्मणवादी संस्कारक अहंकार -जे हम ककरो चढ़ा सकै छिए आ ककरो उतारि सकै छिए - केर पराकाष्ठा थीक, आकि हुनकर अध्ययनक अभावक प्रमाण?

चलू अहाँकेँ लऽ चली कमलानन्द झा केर स्वार्थी दुनियाँसँ दूर, छलछद्मसँ दूर - सुशीलक जादूबला साहित्यक निश्छल दुनियाँमे।

अहाँक स्वागत अछि सुशीलक साहित्यक दुनियाँमे।

प्रस्तुत अछि सुशीलक 'गामबाली' (१९८२जे आब उपलब्ध अछि विदेह (आर्काइवमे लिंक <http://videha.co.in/pothi.htm> पर।

पहिल पाँतीमे उपन्यास आरम्भसँ पहिनहिये 'गामबाली' उपन्यासक सम्बन्धमे सुशील लिखै छथि-

"विधवा विवाह आ अन्तर्जातीय विवाहक समर्थनमे।"

आ उपन्यास आरम्भ।

*गामबालीक मृत्यु आ तखने झमेला, गामबालीक दाह संस्कार के करतै?
ब्राह्मण समाज कि जादव समाज?*

मैथिलीक सिण्डीकेटेड समीक्षापर अन्तिम प्रहार।

विदेहक ३६३ म अंक दिनांक ०१ फरबरी २०२३ सँ प्रारम्भ... नित नवल
सुशील

<http://videha.co.in/> विदेह पत्रिका-प्रथम मैथिली पाक्षिक ई :ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) पर।

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no
+919560960721 [HTTP://VIDEHA.CO.IN/](http://VIDEHA.CO.IN/) ISSN 2229-547X VIDEHA

५

विदेहक "साहित्यिक भ्रष्टाचार विशेषांक"

विदेह "साहित्यिक भ्रष्टाचार विशेषांक" लेल निम्नलिखित विषयपर आलेख ई-मेल editorial.staff.videha@gmail.com पर आमंत्रित अछि।

१. साहित्य, कला आ सरकारी अकादमी:-
 - (क) पुरस्कारक राजनीति
 - (ख) सरकारी अकादेमीमे पैसबाक गएर-लोकतांत्रिक विधान
 - (ग) सत्तागुट आ अकादमी केर काज करबाक तरीका
 - (घ) सरकारी सत्ताक छद्म विरोधमे उपजल तात्कालिक समानांतर सत्ताक कार्यपद्धति
 - (ङ) अकादेमी पुरस्कारमे पाइ फैक्टर: मिथक बा यथार्थ
२. व्यक्तिगत साहित्य संस्थान आ पुरस्कारक राजनीति
३. प्रकाशन जगतमे पसरल भ्रष्टाचार आ लेखक
४. मैथिलीक छद्म लेखक संगठन आ ओकर पदाधिकारी सबहक आचरण
५. स्कूल-कॉलेजक मैथिली विभागमे पसरल साहित्यिक भ्रष्टाचारक विविध रूप-
 - (क) पाठ्यक्रम
 - (ख) अध्ययन-अध्यापन
 - (ग) नियुक्ति
६. साहित्यिक पत्रकारिता, रिव्यू, मंच-माला-माइक आ लोकार्पणक खेल-तमाशा
७. लेखक सबहक जन्म-मरण शताब्दी केर चुनाव , कैलेंडरवाद आ तकरा पाछूक राजनीति
८. दलित एवं लेखिका सबहक संगे भेद-भाव आ ओकर शोषणक विविध तरीका
९. कोनो आन विषय।

६

विदेह ब्रॉडकास्ट लिस्ट

विदेह WWW.VIDEHA.CO.IN सम्बन्धी सूचना लेल अपन whatsapp नम्बर हमर whatsapp no +919560960721 पर पठाउ, ओकर प्रयोग मात्र विदेह सम्बन्धी समाचार देबाक लेल कएल जाएत।

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no +919560960721 [HTTP://VIDEHA.CO.IN/](http://VIDEHA.CO.IN/) ISSN 2229-547X VIDEHA

.....

मैथिली आ मिथिलासँ संबंधित किछु मुख्य साइट:- आन लिंकक विषयमे सूचना editorial.staff.vidaha@gmail.com केँ ई मेलसँ पठाबी।

<http://www.vidaha.co.in/> ("विदेह" प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका)

<http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> (इंटरनेटपर मैथिली भाषाक प्राचीनतम उपस्थिति/ मैथिलीक पहिल ब्लॉग- मैथिली भाषा ब्लॉगक एग्रीगेटर, ५ जुलाई २००४)

<http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> (इंटरनेटपर मैथिली भाषाक प्राचीनतम उपस्थिति/ मैथिलीक पहिल ब्लॉग- मैथिली भाषा ब्लॉगक एग्रीगेटर, ५ जुलाई २००४)

भालसरिक गाछ जे सन २००० सँ याहूसिटीजपर छल http://www.geocities.com/.../bhalsarik_gachh.html, <http://www.geocities.com/ggajendra> आदि

लिंकपर आ अखनो ५ जुलाई २००४ क पोस्ट <http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> (किछु दिन लेल <http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> लिंकपर, स्रोत wayback

machine of https://web.archive.org/web/*/videha *258 capture(s) from*
2004 to 2016- <http://videha.com/> **भालसरिक गाछ-प्रथम मैथिली ब्लॉग /**
मैथिली ब्लॉगक एग्रीगेटर)केर रूपमे इन्टरनेटपर मैथिलीक प्रचीनतम
उपस्थितिक रूपमे विद्यमान अछि। ई मैथिलीक पहिल इन्टरनेट पत्रिका थिक
जकर नाम बादमे १ जनवरी २००८ सँ "विदेह" पड़लै।इन्टरनेटपर मैथिलीक प्रथम
उपस्थितिक यात्रा विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका धरि पहुँचल
अछि,जे <http://www.vidaha.co.in/> पर ई प्रकाशित होइत अछि।
आब "भालसरिक गाछ" जालवृत्त 'विदेह' ई-पत्रिकाक प्रवक्ताक संग मैथिली
भाषाक जालवृत्तक एग्रीगेटरक रूपमे प्रयुक्त भऽ रहल अछि। विदेह ई-पत्रिका
ISSN 2229-547X VIDEHA पल्लवमिथिला (धीरेन्द्र प्रेमर्षि) २०५९ माघे
संक्रान्ति- २००३ जनवरी मैथिलीक दोसर इन्टरनेट पत्रिका अछि जे ऐ
लिंक www.pallavmithila.mainpage.net पर छल मुदा आब ई उपलब्ध नै अछि। ई टिप्पणी
मात्र इतिहास शुद्धता लेल अछि।

.....

<http://videha-aggregator.blogspot.com/> (मैथिली भाषा ब्लॉगक एग्रीगेटर)

<http://www.vidaha.com/> (इन्टरनेटपर मैथिली भाषाक सभसँ पुरान उपलब्ध उपस्थिति/ लोकप्रिय ब्लॉग- मैथिली भाषा ब्लॉगक एग्रीगेटर ५ जुलाई २००४ www.gajendrathakur.blogspot.com)

<http://esamaad.blogspot.com/> (पूनम मंडल आ प्रियंका झाक पहिल मैथिली न्यूज पोर्टल, ९ अगस्त २००४ सँ)

<http://prakarantar.blogspot.com/> (प्रकारंतर मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग, फरबरी २००५)

<http://vidyapati.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग, अगस्त २००५)

<http://www.vidyapati.org/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग, अगस्त २००५)

<http://hellomithila.blogspot.com/> (हेलो मिथिला- धीरेन्द्र प्रेमर्षि, सम्पादक-प्रकाशक, रूपा झा, सम्पादन सहयोग, पल्लव, मैथिली साहित्यिक, ३ मइ २००६)

<http://pallav.blogsome.com/> (हेलो मिथिला- धीरेन्द्र प्रेमर्षि, सम्पादक-प्रकाशक, रूपा झा, सम्पादन सहयोग, पल्लव, मैथिली साहित्यिक, १७ मइ २००६)

<http://hellomithilaa.blogspot.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल, सितम्बर २००७)

<http://www.hellomithila.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल, सितम्बर २००७)

<http://shampadak.wordpress.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल, जनवरी-फरबरी २००८)

<http://www.esamaad.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल, जनवरी-फरबरी २००८)

<http://hellomithilaa.wordpress.com/>

<http://premarshi.wordpress.com/> (धीरिन्द्र प्रेमर्षि)

.....

<http://anchinharakharkolkata.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय गजलक ब्लॉग)

<https://mithilastudentunion.com/> (Mithila Student Union)

.....

<https://vigyanprasar.gov.in/vigyan-ratnakar/> (विज्ञान रत्नाकर)

[JNU](#)

<http://sanskrit.jnu.ac.in/maithili/index.jsp>

http://sanskrit.jnu.ac.in/student_projects/lexicon.jsp?lexicon=maithili

.....

[ALL INDIA RADIO DOORDARSHAN आकाशवाणी दूरदर्शन](#)

<http://prasarbharati.gov.in/>

<http://newsonair.com/>

<https://doordarshan.gov.in/>

आकाशवाणी मैथिली पॉडकास्ट <http://prasarbharati.gov.in/podcast.php?filterlang=Maithili&from=1947-08-15&fromwp=2020-08-29&to=2050-12-31&search=GO>

आकाशवाणी पटना/ दरभंगा मैथिली रेजनल न्यूज टेक्स्ट डाउनलोड-1 <http://newsonair.com/RNU-NSD-Audio-Archive-Search.aspx>

आकाशवाणी पटना/ दरभंगा मैथिली रेजनल न्यूज टेक्स्ट डाउनलोड-2 <http://newsonair.com/Regional-Text.aspx>

आकाशवाणी दरभंगा <http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=282>

आकाशवाणी दरभंगा यू ट्यूब चैनल <https://www.youtube.com/channel/UCGdNveEFmv4pPolWiTEMxVA>

आकाशवाणी भागलपुर <http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=359>

आकाशवाणी पूर्णियाँ <http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=256>

आकाशवाणी पटना <http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=122>

ALL INDIA RADIO ENGLISH NEWS

ALL INDIA RADIO NEWS ARCHIVE

ALL INDIA RADIO TALKS AND CURRENT AFFAIRS

RAJYA SABHA TV NEWS DISCUSSIONS

SANSAD TV

[VIDEHA e-LEARNING YOUTUBE CHANNEL](#)

<https://www.youtube.com/@videha-elearning>

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books (including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

.....

<http://bramhanews.blogspot.com/> (मैथिली समाचार)

<http://www.mithilakhabar.com/> (नेपालक मैथिली ई पत्रिका)

<http://mithilanews.com/>

<http://www.maithilnews.blogspot.com/> (मिथिला आ मैथिलीक समाचारक साइट)

<http://www.hamargam.in/> (मैथिली न्यूज पोर्टल)

<http://mithiladotcom.blogspot.com/> (मैथिली राष्ट्रीय दैनिक)

<https://mppdainik.com/> (मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश, मैथिली दैनिक)

<http://mithilasamad.blogspot.com/> (मिथिला समाद, मैथिली दैनिक)

<http://janakpurnews.blogspot.com/> (मिथिला आ मैथिलीक समाचारक साइट)

<http://www.mithilalok.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल)

<http://mithimedia.blogspot.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल)

<http://www.mithimedia.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल)

<https://mithiladharohar.blogspot.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल)

<https://simanchal.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल)

<https://maithilijindabaad.com/> (मैथिली न्यूज पोर्टल)

.....

<https://kirtinath.blogspot.com/> (कीर्तिनाथ झा ब्लॉग)

<http://jct27novmaithili.blogspot.com/> (जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल" क ब्लॉग)

<http://brikhesh.blogspot.com/> (बृषेश चन्द्र लाल)

<http://www.chetnasamiti.org/> (चेतना समिति, पटनाक वेबसाइट)

<http://shiva-pustak-bhandar.blogspot.com/> (मैथिली पोथी कीनू)

<https://mishrarn.blogspot.com/> (भोरसँ साँझ धरि)

<https://rjanakpuri.blogspot.com/> (साहित्यपुरी)

<http://bataahmaithil.in/>

<http://maithilpravahika.org/>

<http://ganeshbawra.blogspot.com/>

<http://maithilnews.com/>

<http://anandjhakavitakahani.blogspot.com/>

<http://chaaywala.blogspot.com/>

<http://maithilputr.blogspot.com/>

<http://maithilputramanu.blogspot.com/>

<http://mithilanchalpatrika.blogspot.com/>

<http://mithilakbat.blogspot.com/>

<http://maithilitimesonline.blogspot.com/>

<http://mithilavidehavajjitirhut.blogspot.com/>

<http://samadiya.blogspot.com/>

<http://jitumaithili.blogspot.com/>

<http://pratipadamaithili.blogspot.com/>

<http://bhatsimar.blogspot.com/>

<http://maithilirangmanch.blogspot.com/>

<http://www.mithilavaani.blogspot.com/>

<http://www.maithilionsgsjagat.co.in/>

<http://mithilablog.com/>

<http://www.lahakchahak.com/>

<http://www.jaimithila.com/>

<http://www.dahejmuktmithila.org/>

<http://mithilavaani.blogspot.com/>

<http://www.chamundanagarpachahi.com/>

<http://kisunsankalplok.wordpress.com/>

<http://www.kisunsankalplok.co.nr/>

<http://maithilionsgshub.blogspot.com/>

<http://www.rajnipallavi.com/>

<https://maithilnewsnetwork.com/>

<https://mithilamirror.com/>

<https://www.emithila.in/>

<http://csts.org.in/> (CSTS)

<http://www.samaysaal.com/> (समय साल)

<https://www.maithili.org.in/> (रोशन चौधरी)

<https://doorvaksata.org/> (मिशन दूर्वाक्षत)

<http://mithilaksharshikshaabhiyan.in.net/> (मिथिलाक्षर शिक्षा अभियान)

<http://mithilakshar.in/> (मिथिलाक्षर शिक्षा अभियान)

<https://missionmithilakshar.blogspot.com/> (सिद्धिरस्तु- मिशन मिथिलाक्षर लिपि)

<https://mithilani.in/> (मिथिलानी)

<https://www.maithilmanch.in/> (मैथिल मंच)

<http://madhubani.co.in/>

<http://www.premkumarmallik.com>

<http://apandalan.wordpress.com/>

<http://www.mithilaworld.tk/>

<http://www.mithilachowk.com/>

<http://maithilisongsgeet.blogspot.com/>

<http://rayprabhatbhatt.blogspot.com/>

<http://amitmohanjha83.blogspot.com/>

<https://maithiliswasthyaparicharcha.blogspot.com/> (मैथिली स्वास्थ्य परिचर्चा- रमाकर चौधरीक ब्लॉग)

<http://maithili-darpan.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

<http://mithilatol.blogspot.com> (मिथिलाटोल मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

<http://maithilicinema.blogspot.com/> (मैथिली फिल्मस)

<http://maithilifilms.blogspot.com/> (मैथिली फिल्मस)

<http://maithili-drama.blogspot.com/> (विदेह मैथिली नाट्य उत्सव- बेचन ठाकुरक ब्लॉग)

<http://mjnk.co.cc/> (ई जनकपुर न्यूज़, तराई मॉडल, मिथिला इन्फोर्मेशन)

<http://www.TeraiNepal.co.cc/> (तराई नेपाल मिथिला जनकपुर मधेश हालचाल Anytime Anywhere see)

<http://maithilaurmithila.blogspot.com/> (मैथिलक आ मिथिलाक लोकप्रिय ब्लॉग)

<https://www.mithiladainik.in/> (मिथिला दैनिक)

<http://www.mithilaamanch.blogspot.com> (मिथिला मंच)

<http://maithilisong.blogspot.com/> (मिथिला आ मैथिलीक समाचारक ब्लॉग)

<http://maithilifoundation.blogspot.com/> (मैथिली फाउन्डेशन)

<http://maithilibhasha.blogspot.com/> (काश्यप कमलक ब्लॉग)

<http://rkjteoth.blogspot.com/> (रूपेश कुमार झा "त्योथ"क ब्लॉग)

<http://paraati.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)
<http://singarhaa.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)
<http://vaachik.wordpress.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)
<http://mithilainfo.blogspot.com> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)
<http://mithlasamachaar.blogspot.com> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)
<http://pilakhwar.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)
<http://desilbayna.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)
<http://maithilynjha.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)
<http://gaam-ghar.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)
<http://mithila-mihir.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)
<http://www.maithililekhaksangh.blogspot.com/> (मैथिली लेखक संघक जालस्थल)
<http://www.maithili.co.uk/> (मिथिला कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन, यू.के.)
<http://minapjanakpur.org/> (मिनाप, जनकपुर)
<http://www.airdarbhanga.org/> (आकाशवाणी दरभंगाक साइट)
<http://mithilangan.org/> (मिथिलांगनक साइट)
<http://www.desilbayana.com/> (देसिल बयना, हैदराबाद)
<http://www.vnym.in/> (विद्यपति मैथिल युवा मंच)
<http://www.jaimithila.com/> (मिथिलाक सभ्यता, संस्कृति, विभूति, गीत-संगीत आ बहुत रास जानकारीक लेल)
<http://sobhagamithilatv.com/> (सौभाग्य मिथिला- पहिल मैथिली चैनल)
<http://kashyap-mithila.blogspot.com/>
<https://kashyapartschool.wordpress.com/> (कृष्ण कुमार कश्यप आ शशिबालाक साइट)
<http://mithilapaintingtraining.blogspot.com/>
<http://dularuababumaithilifilm.blogspot.com/>
<http://senuraklaajmaithilifilm.blogspot.com/>
<http://maithlivideosongs.blogspot.com/>
<http://kalikantjhabuch.org/> (काली कांत झा "बूच")
<http://saketanands.blogspot.com/> (साकेतानन्दजीक जालवृत्त)
<http://gunjang.blogspot.com/> (गुंजनजीक जालवृत्त)
<http://darihare.blogspot.com/> (श्याम दरिहरेक जालवृत्त)
<http://deoshankarnavin.blogspot.com/> (देवशंकर नवीनक जालवृत्त)

<http://www.udayanarayana.com/> (नचिकेताक साइट)

<http://www.indianembassy.org.np/> (भारतीय दूतावास नेपाल)

<http://www.purvottarmaithilsamaj.com/> (पूर्वोत्तर मैथिल समाज)

<http://www.purvottarmaithil.blogspot.com/> (मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समितिक त्रैमासिक पत्रिका)

<http://apanmithladhaam.blogspot.com/>

<http://maithilikavita.blogspot.com/>

<http://pankajjha23.blogspot.com/>

<http://maithili-haiku.blogspot.com/>

<http://manak-maithili.blogspot.com/>

<http://mithiladay.org/>

<http://dsal.uchicago.edu/lsi/> (Linguistic Survey of India, Gramophone recordings)

<http://dsal.uchicago.edu/lsi/taxonomy/term/1718> (Linguistic Survey of India, Gramophone recordings, Maithili)

<http://music2.cooltoad.com/music/category.php?id=10576>

<http://maithiliacademy.org/>

<https://maithiliacademybihar.org/> (मैथिली अकादमी, पटना)

मैथिली भोजपुरी अकादमी, दिल्ली

http://artandculture.delhigovt.nic.in/wps/wcm/connect/doi_art/Art+Culture+and+Language/Home/Maithili-Bhojpuri+Academy/

<http://maithili.sourceforge.net/>

<http://ansiss.org/>

<http://fedoraproject.org/>

<https://fedorahosted.org/fuel/wiki/fuel-maithili>

<http://l10n.gnome.org/teams/mai>

<http://translate.fedoraproject.org/languages/mai>

<http://www.biharlokmanch.org/> (मिथिला-मैथिली पोथी ऑनलाइन कीन्)

http://www.biharlokmanch.org/mithila_products_online.php (Buy Mithila-Maithili books online)

<http://mithila-haat.com/> (Buy Mithila-Maithili books/ other materials online)

<http://www.antikaparakashan.com/> (अंतिका प्रकाशनक साइट- मैथिली प्रकाशक)

<https://shashiparakashan.blogspot.com/> (शशि प्रकाशन- - मैथिली प्रकाशक)

<https://pallavipublication.blogspot.com/> (पल्लवी प्रकाशन- - मैथिली प्रकाशक)

<http://www.navarambh.com/> (नवारम्भ- - मैथिली प्रकाशक)

<http://www.gorkhapatra.org.np/>

<http://www.sajha.org.np/>

<http://www.kantipuronline.com/>

<http://mithilahyd.org/>

<http://www.jyoticonsultant.com/> (मैथिलक नौकरी डॉट कॉम)

<http://www.mithilamanthan.com/>

<http://www.brandbihar.com/>

<http://www.biharbrains.org/>

<http://maithilijokes.blogspot.com/>

<http://www.rdo91fm.blogspot.com/>

<http://www.kfm961.com/> (हेल्लो मिथिला कार्यक्रम प्रत्येक शनिर्के नेपाली समयानुसार राति ९.३० बजेसँ ११ बजेधरि आ राजनीतिक विषयवस्तुपर केन्द्रित चौबटिया कार्यक्रम प्रत्येक सोमर्के राति १० सँ ११ बजेधरि प्रसारण)

<http://www.radiokantipur.com/> (हेल्लो मिथिला कार्यक्रम प्रत्येक शनिर्के नेपाली समयानुसार राति ९.३० बजेसँ ११ बजेधरि आ राजनीतिक विषयवस्तुपर केन्द्रित चौबटिया कार्यक्रम प्रत्येक सोमर्के राति १० सँ ११ बजेधरि प्रसारण)

<http://www.jumpvtv.com/en/channel/nepal1/> (नेपाल1 टी.वी.-जम्प टी.वी. मैथिली कार्यक्रम सूचना)

<http://janakifm.org.np/> (जानकी एफ.एम., मैथिली समाचार रेडियो)

<http://www.mithilaradio.com/> (मैथिली रेडियो)

<http://www.youtube.com/user/Janakifm> (जानकी एफ.एम., मैथिली समाचार रेडियो Youtube channel)

<http://www.radiomithila.org/> (मैथिली रेडियो)

<http://www.appanmithila.org/> (रेडियो अप्पन मिथिला ९४.४ MHZ)

<http://www.janakpurtoday.com.np/>

<http://madanpuraskar.org/>

<http://www.madheshuk.org/> (एसोशिएशन ऑफ नेपाली मधेसीज इन यू.के.)

<http://www.mithilaart.com/> (श्रीमति प्रभा झाक साइट)

<http://www.mithilavihar.com/>

<http://www.sugatisopan.com/>

<http://www.maithilsamaj.org.in/>

<http://www.maithilsamaj.com/>

<http://www.janakpurcity.com/>

<http://www.janakpur.com.np/>

<http://home.att.net/~maithils/>

<http://shyamprakashjha.com/>

<http://ramanathjha.com/>

<http://www.ramajha.com/>

<http://sudhakar.co.in/maithili>

<http://www.maithils.net/>

<http://www.getpredictiononline.com/>

<http://www.bihartimes.com/>

<http://www.bihar.ws/>

<http://www.patnadaily.com/>

<http://www.krraman.blogspot.com/>

<http://www.adi-maithili-kavita.blogspot.com/>

<http://www.mithilasevasamiti.blogspot.com/>

<http://www.jankitoday.blogspot.com/>

<http://opjha.blogspot.com/>

<http://chitthajagat.in/> (देवनागरी लिपिक ब्लॉगक एग्रीगेटर)

<http://mailorang.blogspot.com/> (मैलोरंग नाट्य संस्थाक ब्लॉग)

<http://mailorang.in/> (मैलोरंग)

<http://mailorang.com/> (मैलोरंग)

<http://vandanageet.blogspot.com/>

<http://www.darbhangaaraj.blogspot.com/>

http://mithila_samachar.tripod.com/mithilasamachar/ (मिथिला आ मैथिलीक समाचारक साइट)

<http://www.ciilcorpora.net/maisam.htm>

<http://www.ildc.in/Maithili/MIindex.aspx> (मैथिली अओजार आ फॉन्ट)

<http://www.mithilaarts.com/>

<http://www.mithilapainting.org/>

<http://www.maithili.net/> (मिथिला-मैथिल-मैथिलीक लोकप्रिय साइट)

<http://www.mithilaonline.com/> (मिथिला-मैथिल-मैथिलीक लोकप्रिय साइट)

<http://www.onlinemithila.in/> (मिथिला-मैथिल-मैथिलीक लोकप्रिय साइट)

<http://www.nnl.gov.np/>

<http://www.nepalacademy.org.np/>

<http://www.karnagoshthi.org/>

<http://surmasti.com/>

<http://www.maithiliworld.com/>

<http://www.mithila-museum.com/aboutMM/Eindex.html>

<http://www.tribhuvan-university.edu.np/>

<http://www.swastifoundation.com/> (स्वस्ति फाउन्डेशनक साइट)

<http://foundationsaarcwriters.com/>

<http://www.opmcm.gov.np/>

<http://www.moe.gov.np/> (नेपाल सरकारक साइट)

<http://lnmu.bih.nic.in/>

<http://gov.bih.nic.in/> (बिहार सरकारक साइट)

<http://www.india.gov.in/>

<http://rajbhasha.nic.in/>

<http://www.hindinideshalaya.nic.in/>

<http://themithila.tripod.com/>

<http://www.mithilaconnect.com/>

<http://www.esabha.net/> (मैथिल विवाहक साइट)

<http://www.maithilvivah.com/> (मैथिल विवाहक साइट)

<http://www.kanyadan.net/> (मैथिल विवाहक साइट)

<http://www.maithilbrahminvivahbandhan.org/> (मैथिल विवाहक साइट)

<http://www.mithilashaadi.com/> (मैथिल विवाहक साइट)

<http://www.kalyanifoundation.org/>

<http://www.madhubani.com/>

<http://www.janakpur.org/>

<http://www.darbhangafriends.com/>

<http://www.hindisansthan.org/>

<http://www.biharassociation.net/>

<http://www.nationallibrary.gov.in/> (नेशनल लाइब्रेरी कोलकाता)

<http://dpl.gov.in/> (दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी)

<http://www.connemarapubliclibrarychennai.com/> (कोनेमारा पब्लिक लाइब्रेरी)

<http://rrrlf.gov.in/> (राजा राम मोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन)

<http://www.sahitya-akademi.gov.in/> (साहित्य अकादमीक साइट)

<http://www.nbtindia.org.in/> (नेशनल बुक ट्रस्टक साइट)

<http://www.csuchico.edu/anth/mithila/>

<http://web.mac.com/nadjagrimm/iWeb/JWDC/Mithila%20Art%20.html>

<http://www.southasianist.info/india/mithila/index.html>

<http://www.mithilalive.com/>

http://www.ethnologue.com/show_language.asp?code=mai

<http://linguistlist.org/forms/langs/LLDescription.cfm?code=mai>

<http://www.languageshome.com/English-Maithili.htm>

<http://www.rosettaproject.org/archive/mai>

<http://www.nepal.gov.gov.np/>

<http://maithili-mp3-songs.folkmusicindia.com/>

<http://www.ciil.org/> (भारतीय भाषा संस्थानक साइट)

<http://www.ciilibrary.org/>

<http://www.lisindia.net/Maithili/Maithili.html>

http://www.ntm.org.in/languages/maithili/default_maithili.asp (राष्ट्रीय अनुवाद मिशन)

<http://www.samsung.com/in/news/localnews/2012/tagore-literature-awards-bring-together-india-best-literary-talent> (TAGORE LITERATURE AWARD)

<http://www.samsung.com/in/news/localnews/2011/samsung-felicitates-the-winners-of-tagore-literature-awards-2010> (TAGORE LITERATURE AWARD)

<http://www.samsung.com/in/Tagore-Awards/index.html> (TAGORE LITERATURE AWARD)

<http://jnanpith.net/> (भारतीय ज्ञानपीठक साइट)

<http://bparishad.in/> (भारतीय भाषा परिषद, कोलकाताक साइट)

<http://www.bharatiyabhashaparisad.com/> (भारतीय भाषा परिषद, कोलकाताक वागर्थ)

<http://www.themanbookerprize.com/> (मैन-बुकर पुरस्कारक साइट)

<http://www.commonwealthfoundation.com/> (कॉमनवेल्थ फाउन्डेशनक साइट)

<http://www.crossword.in/> (वोडाफोन-क्रॉसवर्डक साइट)

<http://www.pulitzer.org/> (पुलित्जर पुरस्कारक साइट)

<http://nobelprize.org/> (नोबेल पुरस्कारक साइट)

<http://www.goakonkaniakademi.org/akademi/aims.htm> (गोवा कोंकणी अकादमीक साइट)

<http://www.museindia.com/>

<http://www.asiawrites.org>

<http://indianorway.wordpress.com/>

<http://samanvayindianlanguagesfestival.org/>

<http://jaipurliteraturefestival.org/>

<http://dscprize.com/>

<http://www.hindu.com/1r/2011/04/03/stories/2011040350010100.htm>

<http://southasianlitfest.com/>

<http://www.varnamala.org/>

<http://india.poetryinternationalweb.org/>

<http://www.fortunecity.com/victorian/charcoal/49/>

<http://www.tarainews.com.np/>

VIDEHA IST MAITHILI FORTNIGHTLY EJOURNAL ARCHIVE

<http://videha-archive.blogspot.com/>

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका मैथिली पोथीक आर्काइव

<http://videha-pohti.blogspot.com/>

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका ऑडियो आर्काइव

<http://videha-audio.blogspot.com/>

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका वीडियो आर्काइव

<http://videha-video.blogspot.com/>

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका मिथिला चित्रकला, आधुनिक कला आ चित्रकला

<http://videha-paintings-photos.blogspot.com/>

विदेह ई पत्रिकाक सभटा पुरान अंक-Videha e journal's all old issues

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha/>

विदेह ईअंक ५० पत्रिकाक पहिल-

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-i/>

विदेह ईम अंक १४९ ५०म सँ पत्रिकाक-

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-ii/>

विदेह ई१५०म आ आगाँक अंक पत्रिकाक-

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-iii/>

मैथिली पोथी डाउनलोड Maithili Books Download

<http://sites.google.com/a/vidaha.com/vidaha-pothi>

मैथिली ऑडियो संकलन Maithili Audio Downloads

<http://sites.google.com/a/vidaha.com/vidaha-audio>

मैथिली वीडियो संकलन Maithili Videos

<http://sites.google.com/a/vidaha.com/vidaha-video>

मिथिला चित्रकला आधुनिक चित्रकला आ चित्र /Mithila Painting/ Modern Art and Photos

<http://sites.google.com/a/vidaha.com/vidaha-paintings-photos/>

सगर राति दीप जरय

<http://sagarraatideepjaray.blogspot.com/>

<http://sagarraatideepjaray.wordpress.com/>

विदेह मैथिली क्विज :

<http://videhaquiz.blogspot.com/>

विदेह मैथिली जालवृत्त एग्रीगेटर :

<http://videha-aggregator.blogspot.com/>

विदेह मैथिली साहित्य अंग्रेजीमे अनूदित

<http://madhubani-art.blogspot.com/>

विदेहक पूर्व-रूप "भालसरिक गाछ" :

<http://gajendrathakur.blogspot.com/>

विदेह इंडेक्स :

<http://videha123.blogspot.com/>

विदेह फाइल :

<http://videha123.wordpress.com/>

Maithili Sign Language- पहिल मैथिली संकेत लिपि ब्लॉग

<https://maithili-sign-language.blogspot.com/>

विदेह ब्राह्मी- ब्राह्मी लिपिमे मैथिलीक पहिल ब्लॉग

<https://maithili-brahmi.blogspot.com/>

विदेह खरोष्ठी- खरोष्ठी लिपिमे मैथिलीक पहिल ब्लॉग

<https://maithili-kharoshthi.blogspot.com/>

विदेह कैथी लिपिमे- मैथिलीक कैथी लिपिमे पहिल ब्लॉग

<https://maithili-kaithi.blogspot.com/>

विदेह नेवाड़ी लिपिमे- मैथिलीक नेवाड़ी लिपिमे पहिल ब्लॉग

<https://maithili-newari.blogspot.com/>

विदेह आइ.पी.ए. लिपिमे- मैथिलीक आइ.पी.ए.मे पहिल ब्लॉग

<https://maithili-ipa.blogspot.com/>

विदेह- उर्दू नस्तालिक लिपिमे मैथिलीक पहिल ब्लॉग

<https://maithili-urdu.blogspot.com/>

विदेह- तिब्बती लिपिमे मैथिलीक पहिल ब्लॉग

<https://maithili-tibetan.blogspot.com/>

विदेह: सदेह : पहिल तिरहुता (मिथिलाक्षर) जालवृत्त (ब्लॉग)

<http://videha-sadeha.blogspot.com/>

विदेह:ब्रेल: मैथिली ब्रेलमे: पहिल बेर विदेह द्वारा

<http://videha-braille.blogspot.com/>

विदेह गूगल-ग्रुप

<https://groups.google.com/g/vidaha>

विदेह फेसबुक ग्रुप

<https://www.facebook.com/groups/7436498043>

<https://www.facebook.com/groups/10299304978>

<https://www.facebook.com/groups/vidaha>

गजेन्द्र ठाकुर इडेक्स

<http://gajendrathakur123.blogspot.com>

नेना भुटका

<http://mangan-khabas.blogspot.com/>

Videha Radio विदेह रेडियोकविता आदिक पहिल पोटकास्ट साइट-मैथिली कथा:

<http://videha123radio.wordpress.com/>

<http://videha.listen2myradio.com/>

विदेह मैथिली नाट्य उत्सव

<http://maithili-drama.blogspot.com/>

समदिया

<http://esamaad.blogspot.com/>

मैथिली फिल्मस

<http://maithilifilms.blogspot.com/>

मैथिली हाइकु

<http://maithili-haiku.blogspot.com/>

मानक मैथिली

<http://manak-maithili.blogspot.com/>

विहनि कथा

<http://bihanikatha.blogspot.com/>

मैथिली कविता

<http://maithili-kavita.blogspot.com/>

मैथिली कथा

<http://maithili-katha.blogspot.com/>

मैथिली समालोचना

<http://maithili-samalochna.blogspot.com/>

Maithili Literature in English

<http://madhubani-art.blogspot.com/>

तिरहुता- कैथी फॉण्ट/ मैथिल ब्राह्मणक पञ्जी आधारित इतिहास

https://deepblue.lib.umich.edu/bitstream/handle/2027.42/110341/pandey_1.pdf?sequence=1 (उत्तर-बिहारक मैथिल ब्राह्मणमे जाति)

<https://www.unicode.org/L2/L2009/09329-maithili.pdf> (यूनीकोड तिरहुता फॉण्ट लेल आवेदन ३० सितम्बर २००९- विदेहक सहयोग)

<https://www.unicode.org/L2/L2011/11175r-tirhuta.pdf> (यूनीकोड तिरहुता फॉण्ट लेल आवेदन ५ मई २०११- विदेहक सहयोग)

<http://www.tirhotalipi.4t.com/> (देवनागरी-तिरहुता फॉण्ट- वेस्टर्न आधारित)

<http://www.anujha.co.cc/> (देवनागरी यूनीकोड आधारित तिरहुता फॉन्ट-मिथिला)

"विकीपीडिया"मे मैथिली

<http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator>

http://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

<http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai>

<http://incubator.wikimedia.org/wiki/Wp/mai>

<http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai>

अंतिम पॉस्ट साइट विकी मैथिली प्रोजेक्टक अछि। एहि लिंक सभ पर जा कय प्रोजेक्टकेँ आगाँ बढ़ाऊ।

विकीपीडिया/ गूगल ट्रान्सलेट/ मिथिलाक्षर (तिरहुता) आ आन फॉण्ट/ कीबोर्ड प्रोजेक्ट प्रारम्भ:

विकीपीडिया ०१ फरबरी २००८ लिंक

<https://books.google.co.in/books?id=VC-BD5Ad6z4C&lpg=PA1&pg=PA1#v=onepage&q&f=false> (मैथिली देवनागरी)

<https://books.google.co.in/books?id=cTezCU59bJwC&lpg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false> (मैथिली तिरहुता)

<https://books.google.co.in/books?id=3zKudz6wAO8C&lpg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false> (मैथिली ब्रेल)

गूगल ट्रान्सलेट २३ जून २०११क लिंक

<https://www.facebook.com/groups/videha/permalink/138489416229195/>

गूगल ट्रांसलेशन टूलमे

"बिहारी" भाषाक बदलामे मैथिली लेल अलग ट्रांसलेशन टूल बनेबाक आवेदन विदेहक सदस्यगण द्वारा देल गेल अछि। अपन योगदान गूगल ट्रांसलेट लेल करू,

आ कएल सम्पादन बदलबा काल कारण मे (अंग्रेजीमे) "बिहारी" नामना कोनो भाषा नै हेबाक चर्चा करू। ऐ लिंकपर अनुवाद करू; गूगल एकाउंटसँ लॉग इन केलाक बाद ।

<http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseProject>

<http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseActivity?project=gws&langcode=bh> (link closed)

मिथिलाक्षर (तिरहुता) फॉण्ट लेल आवेदन ३० सितम्बर २००९ आ फेर संशोधित आवेदन ५ मई २०११ के श्री अंशुमन पाण्डेय द्वारा देल गेल आ दुनू बेर एमे विदेहक सहयोगक वर्णन भेल। ११ जनकेँ श्री अंशुमन पाण्डेय एकर स्वीकृतिक सूचना विदेहक फेसबुक ग्रुपपर देलनि। आब ई फॉण्ट बनि कऽ तैयार अछि आ नीचाँक लिंकपर डाउनलोड लेल उपलब्ध अछि।

[तिरहुता, नेवाड़ी आ कैथी फॉण्ट डाउनलोड Google's Noto Fonts project/ GitHub](#)

तिरहुता नोटो फॉण्ट	कैथी ओटीएफ	कैथी टीटीएफ	नेवाड़ी ओ.टी.एफ.	नेवाड़ी टी.टी.एफ.
--------------------	------------	-------------	------------------	-------------------

<https://fonts.google.com/> (Google Open Fonts download)

Tirhuta Offline Keyboard download

Keyman Tirhuta/ Vedic Devanagari Keyboards Download

<https://malarproject.gitlab.io/tirhuta> (Tirhuta Keyboard Online)

https://keymanweb.com/?_ga=2.7155890.1818820209.1675749426-2042013574.1675749426#mai-tirh,Keyboard_tirhuta

https://keymanweb.com/?_ga=2.241635586.1818820209.1675749426-2042013574.1675749426#mai-tirh,Keyboard_malar_tirhuta

<https://aksharamukha.appspot.com/converter> (Script/ Website Converter)

<https://aksharamukha.appspot.com/keyboards> [Input (IME)]

<https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts> (fonts- opensource)

<https://www.cdac.in/> (Tirhuta/ Unicode Typing Tool)

यूनीकोड तिरहुता फॉण्ट, "विकीपीडिया"मे मैथिली आ आब मैथिली "गूगल ट्रांसलेट" / बिंग-माइक्रोसॉफ्ट ट्रांसलेटरमे सेहो। अगिला लक्ष्य "अमेजन अलेक्सा"

गूगल बार्ड/ गूगल ट्रांसलेट (मैथिली)

<https://bard.google.com/> (गूगल बार्ड)

गूगल ट्रांसलेटक लिंक

<https://translate.google.com/?sl=en&tl=mai&op=translate>

गूगल ट्रांसलेटकेँ आर पुष्ट करबाक खगता छै तइ लेल अगिला काज अढ़ा रहल छी:

<https://translate.google.com/about/contribute/>

[Crowdsourc Maithili Community](#)

Please fill the form

Next Step

Download the Crowdsourc app from android play store and start contributing

or go to web on the following link for contributing:

<https://crowdsourc.google.com/about/>

Crowdsourc by Google is a gamified platform that empowers users to directly train Google's artificial intelligence systems and make Google products work equally well for everyone, everywhere.

चैट जी.पी.टी- जी.पी.टी.-४/ माइक्रोसॉफ्ट बिंग ट्रांसलेट (मैथिली)

<https://openai.com/>

<https://openai.com/gpt-4>

<https://openai.com/chatgpt>

<https://www.bing.com/translator>

<https://translator.microsoft.com/>

CONTRIBUTE VOICE CLIPS TO MICROSOFT TRANSLATOR

GO TO <https://translator.microsoft.com/>

Download Microsoft Translator APP- (Android/ IOS)

Click three horizontal lines in the left top corner.

Click "on" to Contribute Voice Clips to contribute clips to teach Microsoft's speech technology more about Maithili. Your contribution start confirmation date/ time appears, which could be sent to your email too.

AI4BHARAT (MAITHILI)

AI4BHARAT [Maithili Version 2 translation IndicTrans2 launched on May 26,2023; Nilekani Centre at AI4Bharat launched on July 28, 2022]

<https://ai4bharat.iitm.ac.in/> (AI4BHARAT IIT MADRAS)

<https://models.ai4bharat.org/#/nmt/v2> (Maithili Translation Version 2)

<https://github.com/AI4Bharat/IndicTrans2>

<https://arxiv.org/abs/2305.16307>

<https://github.com/AI4Bharat> (GitHub AI4Bharat)

<https://ai4bharat.iitm.ac.in/models> (AI4Bharat Models)

<https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfEOrRdR4SxFbzFD9CSR1scrrEUMdbsg7wsbZ6Vfxn6FQoq8A/viewform?pli=1> Audio Transcriber Maithili Apply)

अमेजन अलेक्सा मैथिली (शीघ्र....)

किछु मैथिली विकिपिडिया पेजक लिंक:

विदेह (पत्रिका) <https://mai.wikipedia.org/s/kgv>

इन्टरनेटक संसारमे मैथिली भाषा <https://mai.wikipedia.org/s/s6h>

भालसरिक गाछ <https://mai.wikipedia.org/s/ipm>

विदेह <https://mai.wikipedia.org/s/ie1>

विदेहक फेसबुक भर्सन <https://mai.wikipedia.org/s/iu1>

विदेह सम्मान <https://mai.wikipedia.org/s/jc2>

विदेह आकाइभ <https://mai.wikipedia.org/s/jc0>

विदेह मिथिला रत्न <https://mai.wikipedia.org/s/jc3>

विदेह मिथिलाक खोज <https://mai.wikipedia.org/s/jc4>

विदेह सूचना संपर्क अन्वेषण <https://mai.wikipedia.org/s/jc5>

श्रुति प्रकाशन <https://mai.wikipedia.org/s/iu7>

अनचिन्हार आखर <https://mai.wikipedia.org/s/ion>

मैथिली गजल <https://mai.wikipedia.org/s/idz>

मैथिली बाल गजल <https://mai.wikipedia.org/s/iex>

मैथिली भक्ति गजल <https://mai.wikipedia.org/s/if1>

.....

किछु मैथिल पोथी, ऑडियो-वीडियो, कलाकृति/ यू ट्यूब चैनल डाउनलोड साइट (ओपन सोर्स)

[NCERT BHASHA SANGAM](#)

NCERT (Maithili-English-Hindi Conversations)

मैथिली-हिन्दी वार्तालाप (३ घण्टा)

मैथिली (मैथिली संकेत भाषा सहित- मैथिलीमे पहिल बेर)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

<https://youtu.be/TebuC-lrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

[SAHITYA AKADEMI](http://sahitya-akademi.gov.in/publications/e-books.jsp)

<http://sahitya-akademi.gov.in/publications/e-books.jsp>

<http://sahitya-akademi.gov.in/general/Digitalbooks.jsp>

[CIIL](http://corpora.ciil.org/maisam.htm)

<http://corpora.ciil.org/maisam.htm>

अखियासल (रमानन्द झा रमण)

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI1.pdf>

जुआयल कनकनी- महेन्द्र

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI2.pdf>

प्रबन्ध संग्रह- रमानाथ झा (बी.पी.एस.सी. सिलेबस)

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI3.pdf>

सृजन केर दीप पर्व- सं केदार कानन आ अरविन्द ठाकुर

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI4.pdf>

मैथिली गद्य संग्रह- सं शैलेन्द्र मोहन झा

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI5.pdf>

[ARCHIVE.ORG \(विजयदेव झा\)](https://archive.org/details/vijay_deo_jha)

https://archive.org/details/vijay_deo_jha

Videha Maithili eBooks/ eJournals/ Audio-Video Archive

<http://videha.co.in/archive.htm>

[IGNCA](http://ignca.nic.in/coilnet/mithila.htm)

<http://ignca.nic.in/coilnet/mithila.htm>

<http://ignca.nic.in/coilnet/kalyani.htm> (MAITHILI ENGLISH DICTIONARY)

मिथिला दर्शन

<https://mithiladarshan.com/> (online pdf of Maithili journal)

तीरभुक्ति

https://archive.org/details/@teerbhukti_journal

OLE NEPAL's E-PUSTAKALAYA (<https://pustakalaya.org/en/>)

पोथीक लिंक

आइ.जी.एन.सी.ए.- ए.एस.आइ. <https://ignca.gov.in/divisionss/asi-books/>

https://ignca.gov.in/Asi_data/16612.pdf (History of Navya-Nyaya in Mithila)

https://ignca.gov.in/Asi_data/42365.pdf (Studies in Jainism and Buddhism in Mithila)

https://ignca.gov.in/Asi_data/63227.pdf (Mithila in the Age of Vidyapati)

https://ignca.gov.in/Asi_data/64994.pdf (Cultural Heritage of Mithila)

https://ignca.gov.in/Asi_data/72754.pdf (Mithila under the Karnatas)

ए.एस.आइ.अंग्रेजी https://tspasibhopal.nic.in/assets/pdf/publication/temples_of_mithila_english.pdf

ए.एस.आइ.हिन्दी https://tspasibhopal.nic.in/assets/pdf/publication/temple_of_mithila_hindi.pdf

मैथिली साहित्य संस्थान <https://www.maithilisahityasansthan.org/resources>

दर्शनीय मिथिला (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 1 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 2 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 3 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

[Brochure 4](#) (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

[Brochure 5](#) (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

<https://bloomlibrary.org/language:mai> (ब्लूम लाइब्रेरी मैथिली)

अरिपन फाउण्डेशन (<http://www.aripanafoundation.org/>)

PRATHAM BOOKS MAITHILI STORYWEAVER

https://www.youtube.com/playlist?list=PLAT74nNc2fmYaW29mRVAIgzRq63_9zWbI (मैथिली ऑडियो बुक्स)

<https://www.youtube.com/channel/UCE1HEUJEzc-NUbMsHzkHlLw> (विदेह मैथिलीअलाउड ऑडियो बुक आ संगमे मैथिली संकेत -अंग्रेजी टॉकिंग रीड-
(दुनू मैथिलीमे पहिल बेर -भाषा

<https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF> (मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका)

<https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgiT> (चलू हम तँ ठीक छी ने!)

<https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo> (एकटा नीक दिन)

<https://bloomlibrary.org/player/b2l5wesxCp> (घर सभ)

<https://bloomlibrary.org/player/dAzC0Fuht7> (की अहाँ ऐ चिड़ै सभकेँ देखने छी?)

पोथी डॉट कॉम

<https://store.pothi.com/browse/free-ebooks/?language=Maithili>

I LOVE MITHILA

<https://www.ilovemithila.com/maithili-books-pdf-free-download/> (पोथी डाउनलोड लिंक)

<https://www.ilovemithila.com/> (*online maithili journal*)

<https://maithili.com.np/> (*owner I Love Mithila*)

मैथिली फिल्म

<https://youtu.be/4jhaQ3Nw38I> (ममता गाबय गीत, सौजन्य- Saregama)

<https://youtu.be/V3KWthhB6Kg> (कन्यादान, सौजन्य- BEJOD)

<https://www.bejod.in/> (Maithili Movies on Rent)

<https://mubi.com/films/gamak-ghar> (Maithili Movies on Rent)

<https://mubi.com/films/dhuin> (Maithili Movies on Rent)

प्यारे मैथिल

<https://www.youtube.com/channel/UCq30Llck2tNw8BI4t8jzQg> (प्यारे मैथिल चैनल- किरण चौधरी आ संगीता आनन्द)

<https://www.youtube.com/@mithirangloktarang677> (मिथिरंग लोक तरंग)

<https://www.youtube.com/MithilaChapter> (मिथिला चैप्टर)

<https://www.youtube.com/soumyajha> (खिस्सा-पिहानी नेना भुटका लेल)

<https://www.youtube.com/@maithilirangmanch9536> (मैथिली रंगमंच)

<https://www.youtube.com/@kokilmanch4330> (कोकिल मंच)

<https://www.youtube.com/@mithilanatyakalaparishadmi5636> (MINAP)

<https://www.youtube.com/@mlrmedia3097> (मैलोरंग)

<http://www.youtube.com/user/mailorang> (मैलोरंग)

<https://www.youtube.com/@praakshjha> (मैलोरंग)

<https://www.youtube.com/@mithilangan109> (मिथिलांगन)

<https://www.youtube.com/@bhangimamaithilitheatre9509> (भंगिमा)

<https://www.youtube.com/@MithilaDarshan> (मिथिला दर्शन)

<https://www.youtube.com/@MithilaMirror> (मिथिला मिरर)

<https://www.youtube.com/@SmritiEntertainmentMaithili> (स्मृति एंटरटेनमेंट)

<https://www.youtube.com/@achalchitra> (अचल चित्र)

<https://www.youtube.com/@Bejod> (BEJOD)

<https://www.youtube.com/@neelammaithili> (नीलम मैथिली)

<https://www.youtube.com/@maithiliganga4714> (मैथिली गंगा)

<https://www.youtube.com/@MithilaJunction> (मिथिला जंक्शन)

<https://www.youtube.com/playlist?list=PLgmlEgU89nhRIGV-rG2SXY3uuhnXGT-j5> (दीपशिखा झा)

https://www.youtube.com/playlist?list=PLT8LMrml4tPHxM64K8Iov_Arr_3uPaPg [मैथिली समाचार (जनता टेलीविजन)]

<https://www.youtube.com/@maithilitalks> (Maithili Talks)

<https://www.youtube.com/@AppanTV> (Appan TV)

<https://www.youtube.com/@TVTODAYJANAKPUR> (TV Today, Janakpur)

<https://www.youtube.com/@drishyambiharlok7552> (Drishyam Media)

<https://www.youtube.com/@sanskarmithila> (संस्कार मिथिला)

<https://www.youtube.com/@saregamaapanmaithili3522> (सरेगामा मैथिली)

<https://www.youtube.com/@NavrassMedia> (नवरस मीडिया)

<https://www.youtube.com/@jyotient778> (ज्योति एंटरटेनमेंट)

<https://www.youtube.com/@RKSMITHILIPRODUCTION> (इजोरिया फिल्म्स)

<https://www.youtube.com/@ayodhyanathchoudhary345> (अयोध्यानाथ चौधरी)

<https://www.youtube.com/@RadioJanakpur97MhzOfficial> (रेडियो जनकपुर)

<https://www.youtube.com/@mithilatv1> (मिथिला टी.वी.)

<https://www.youtube.com/@Madhurmaithilichannel> (मधुर मैथिली)

<https://www.youtube.com/@sktutorials8921> (मैथिली-नेपाली सीखू)

https://www.youtube.com/playlist?list=PL_HQDKXbaRKq3YTS7-Pkks1Y-UIL33fiD (अपन मैथिली)

https://www.youtube.com/playlist?list=PLH1UiGI69_SLRhxZMZ1TSxUi-JXcHhAZr (मैथिली पाठ)

<https://www.youtube.com/@maithiliforiassurendraraut1589> (सुरेन्द्र राउत)

<https://www.youtube.com/@UdayaSingh> (रफ कट्स, नचिकेता)

<https://www.youtube.com/@kunjbiharimithilaratna> (कुञ्ज बिहारी)

<https://www.youtube.com/@RAMBABUJHA> (राम बाबू झा)

<https://www.youtube.com/@VJEntertainments008> (वी. जे., विकास झा)

<https://www.youtube.com/@user-ib7pn3li5q> (तिरहुत मिथिला)

<https://www.youtube.com/c/ilovemithila> (आइ लव मिथिला)

<https://www.youtube.com/@LokKalaKendra> (लोक कला केन्द्र)

<https://www.youtube.com/@rajnipallavi> (रजनी पल्लवी)

<https://www.youtube.com/@PoonamMishra> (पूनम मिश्र)

<https://www.youtube.com/@ranjanajhasangeetdivyam2908> (रंजना झा)

<https://www.youtube.com/@julijhaofficial8057> (जूली झा)

<https://www.youtube.com/@maithilithakur> (मैथिली ठाकुर)

<https://podcasters.spotify.com/pod/show/anupam-mishra04/episodes/Episode-40-e135mlu/a-a5uoe0r> (अनुपम मिश्र पॉडकास्ट)

जानकी एफ.एम समाचार

<https://www.youtube.com/user/Janakifm/videos> (जानकी एफ.एम समाचार)

<https://www.youtube.com/@AmitJhaOfficial> (Amit Jha)

<https://www.youtube.com/@PMPCORNER> (Pravesh Mallick)

<https://www.youtube.com/@AdityaFilmsandmusic> (Aditya Films & Music)

<https://www.youtube.com/@NepalTelevision> (Nepal Television)

<https://www.youtube.com/playlist?list=PLEqde8-nxNTHL78RKSiuTGeeTJXot3YrY> (AIR MAITHILI NEWS)

<https://www.youtube.com/playlist?list=PLJuojdiqz3NMKxKUbbcO7cT3sPrgRejS> (AIR AMRIT MAHOTSAV)

<https://www.youtube.com/@Mithilanchal> (Mithilanchal)

<https://www.youtube.com/channel/UCsB8UkEYLZe471GrcAlcG1A> (Rashmi Dutt)

<https://www.youtube.com/channel/UCVYE4fcasReMXTpbXWgp2mg> (Priya Mallick)

<https://www.youtube.com/@AnamikaJhaOfficial> (Anamika Jha)

Videha e-Learning

<https://www.youtube.com/@videha-elearning>

संघ लोक सेवा आयोग/ बिहार लोक सेवा आयोगक परीक्षा लेल मैथिली (अनिवार्य आ ऐच्छिक) आ आन ऐच्छिक विषय आ सामान्य ज्ञान (अंग्रेजी माध्यम) हेतु सामग्री [एन.टी.ए.- यू.जी.सी.-नेट-मैथिली लेल सेहो]

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books (including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

.....

<http://www.youtube.com/user/ggajendra71>(विदेह)

<https://www.youtube.com/gunjanshree>

<http://www.youtube.com/user/Maithilines>

<http://www.youtube.com/user/jitumaithil> (जितेन्द्र झा, जनकपुर)

<http://www.youtube.com/user/sobhagya8> (सौभाग्य मिथिला)

<http://www.youtube.com/user/bhaskaranjha> (भास्कर झा)

<http://www.youtube.com/user/mahakalijha>

<http://www.youtube.com/user/karia1885>

<http://www.youtube.com/user/omuniv>

<http://www.youtube.com/user/sumankumar137>

<http://www.youtube.com/user/gyansjha>

<http://www.youtube.com/user/bclalan>

<http://www.youtube.com/user/garer1986>

<http://www.youtube.com/user/avinashjha84>

<http://www.youtube.com/user/chandankumarjha1>

<http://www.youtube.com/user/chandanmishra2010>

<http://www.youtube.com/user/nirmaana>

<http://www.youtube.com/user/Janakifm1>

http://www.youtube.com/watch?v=XpSuVHtbaQ8&feature=mfu_in_order&list=UL

<http://www.youtube.com/user/gxcng>

<http://www.youtube.com/user/gautamkrishna85>

<http://youtu.be/3i3OG5Nf3y8>

<http://youtu.be/sJnxSe-ckmo>

<http://www.youtube.com/user/jitmohanjha>

<http://www.youtube.com/user/MITJnPNN>

<http://www.youtube.com/watch?v=-9KaC8ji9t4>

<http://www.youtube.com/user/luvvivek2k7>

<http://www.youtube.com/user/bindassatyandra>

<http://www.youtube.com/user/rustymind1>

<http://www.youtube.com/user/MrDeveshKarna>

<http://www.youtube.com/user/rambabushah>

<http://www.youtube.com/user/mukeshjha84>

<http://www.youtube.com/user/Mauahi>

www.youtube.com/user/MrBasantjha

<http://www.youtube.com/user/themadan>

<http://www.youtube.com/user/sentukhu>

<http://www.youtube.com/user/yarowjha>

<http://www.youtube.com/user/mkoxp>

<http://www.youtube.com/user/luvvick21>

<http://www.youtube.com/user/njyclubashok>

<http://www.youtube.com/user/MrRamkisor>

<http://www.youtube.com/user/pratyushsangita/>

<http://www.youtube.com/user/hellomithilaa>

<http://www.youtube.com/user/mariyoshj>

<http://www.youtube.com/user/dearshantanu/>

www.youtube.com/user/RajuPrasadRajbanshi

www.youtube.com/user/premarshi

<http://www.youtube.com/user/Dhipre> (धीरिन्दू प्रेमर्षि)

<http://www.youtube.com/user/TheShubhaprabhat>

<http://www.youtube.com/user/njyclubashok>

<http://www.youtube.com/user/mithilaconnect>

<http://www.youtube.com/user/NAYAKSAURABH80>

<http://www.youtube.com/user/Rabindra888>

<http://www.youtube.com/user/uday88mandal>

<http://www.youtube.com/user/nimesdeath>

<http://www.youtube.com/user/pawanks6102>

<http://www.youtube.com/user/sahayogee>

<http://www.youtube.com/user/sunilkumarpawan>

<http://www.youtube.com/user/videhuk>

http://www.dailymotion.com/video/xjophq_documentary-kosi-katha_shortfilms#from=embed

<http://blackbuddhas.com/>

<http://youtu.be/CPwpkn5YI1I>

अपन मंतव्य editorial.staff.vidaha@gmail.com पर पठाउ।

8.Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement

Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement

Issue No. 88 (November-December 2019) of Muse India at <http://museindia.com/> displays Maithili literature in an extremely poor light. Moreover, it wrongly claims to be a representative review of Maithili Literature, whereas it was only in line with the Sahitya Akademi, Delhi; a mere representation of the so-called "dried main drain". It is expected that Muse India will correct itself by announcing an issue exclusively devoted to the parallel tradition of Maithili literature.

T.K. Oommen writes in the "Linguistic Diversity" Chapter of "Sociology", 1988, page 291, National Law School of India University/ Bar Council of India Trust book: "... the Maithili region is found to be economically and culturally dominated by Brahmins and if a separate Maithili State is formed, they may easily get entrenched as the political elite also. This may not be to the liking and advantage of several other castes, the traditionally entrenched or

currently ascendant castes. Therefore, in all possibility the latter groups may oppose the formation of a separate Maithili state although they also belong to the Maithili speech community. This type of opposition adversely affects the development of several languages."

T.K. Oomen further writes: "... even when a language is pronounced to be distinct from Hindi, it may be treated as a dialect of Hindi. For example, both Grierson who undertook the classic linguistic survey of India and S. K. Chatterjee, the national professor of linguistics, stated that Maithili is a distinct language. But yet it is treated as a dialect of Hindi". (Ibid, page 293)

Do not judge each day by the harvest you reap but by the seeds that you plant. - Robert Louis Stevenson

...

Videha: Maithili Literature Movement

Parallel Literature

The references to parallel literature are found in Vedas, where Narashanshi is referred to as parallel literature.

Parallel Literature in Maithili

The need for parallel literature in Maithili arose due to the constant onslaught on literature and dignity by the Public and Private Academies, for example, Maithili-Bhojpuri Akademi of Delhi, Maithili Akademi of Patna, Sahitya Akademi of Delhi, Nepal's Prajna Pratishtan, all of which are government Academies. In addition to these Academies, the onslaught on Maithili Literature and dignity was constantly done by the so-called literary associations which were recognised by the Sahitya Akademi and were the main tool for usurping all the literary space meant for this language. Besides these, the funding to these and other parochial associations and organisations led to the presentation of an interface in the name of Maithili, which was mediocre and non-representative.

The Book of Bihari Literature (Abhay K. Editor)

This book contains five translations from non-representative Maithili short stories into English by

Vidyanand Jha. Nagarjun (Maithili's Yatri) and Usha Kiran Khan are from the Hindi quota though both got the Sahitya Akademi prize from the Maithili quota. Vibha Rani and Rajkamal Chaudhary are from the Maithili quota though both wrote in Hindi also.

This book is edited by Abhay K. who has read Samskrit only up to high school. Yet he pretends to translate Arthashastra directly from Samskrit into English. I am Kovid in Samskrit and from the quality of the translation, I can presume that he has used some intermediary language in translating Samskrit texts into English. It is a matter of ethics to acknowledge the source.

Vidyanand Jha's translation is below par, for example, he has no inkling what would be the English word for 'olak sanna', and there are plenty of such instances. I have some suggestions for him: First, read A Bird's Eye View on Mithila by Rajnath Mishra, it mentions all the terms for which you could not find English equivalents. Then go to the Videha archive (www.vidaha.co.in) and look for Umesh Mandal's Picture Dictionary containing vegetation, animals and skill sets of Mithila, here you will find the actual photographs too. Further, under A Parallel

History of Maithili Literature (Videha www.videha.co.in), you will find sample English translations of some Maithili short stories. Therefore, what Vidyanand Jha is presenting as exotic is the original thing of the Maithili Language (but not that of Maithili literature, as was two decades ago). Interestingly his choice of short stories reminds me of Contemporary Maithili Short Stories (Maithili short stories translated into English) edited by Murari Madhusudan Thakur and published by the Sahitya Akademi in 2005. It seems that the stories in this selection are leftover material from that collection. Rip Van Winkle awoke after two decades but Vidyanand Jha is still in slumber not realizing the changes that have happened during the period.

If you compare the translation of this selection vis-a-vis the English translation of Latin American Spanish literature, you would be able to understand the difference.

But these types of selections are not known for their literary excellence, Harper Collins publishes these types of selections for five-star hotels and Airport lounges. The publishers announced this book on

March 22, 2022. So, in 6-7 months, you will get old materials only.

The Bride: The Maithili Classic Kanyadan by Harimohan Jha (1908-1984) translated into English by Lalit Kumar (Assistant Professor, Department of English, Deen Dayal Upadhyaya College, University of Delhi)- Harper Perennial (Harper Collins Publishers)

I had pre-ordered the book, which was scheduled to be delivered to my kindle account on the 1st of December 2022, but the delivery date was postponed, and it was delivered to my account on the 14th of December 2022.

When Maithili was recognised by the Sahitya Akademi (National Academy of Letters- of India) way back in 1965, Late Ramanath Jha stated that his Maithili language is saved now (Maithilik Vartman Samasya, Ramanath Jha).

Sh. Harish Trivedi has committed the same mistake. In his foreword Harish Trivedi writes- "In Hindi, the language to which Maithili is the closest (and of which it was indeed an integral part until it was

granted recognition as a separate language by the constitution in 1993) ..."

Harish Trivedi refers to the inclusion of Maithili in the eighth schedule of the constitution of India. Here the year mentioned should be 2003 instead of 1993. Moreover, Maithili was a separate language in 2003, 1993, and 1965 and during the time of pre-Jyotirishwara Vidyapati. The status granted to Maithili by Sahitya Akademi and the Constitution of India, on the other hand, strengthened the hands of the obscurantist elements like Ramanath Jha, Shardananda Jha (he is not a famous person but why I have taken his name, I will explain it later) and others who gaslighted Harimohan Jha. Harimohan Jha's Khattar Kakak Tarang, Pranamya Devata, Rangshala and Charchari all these books were eligible for the Sahitya Akademi Award initiated in 1966 for Maithili (because of recognition given to Maithili by Sahitya Akademi in 1965. But a philosophy treatise was awarded the prize in 1966, this philosophy book itself is a horrific one, and if one has read the book to understand the nuances of Indian Philosophy, then he will have to unlearn first to be able to grasp the philosophical concepts from a

new book on Indian Philosophy. In 1967 no award was given for the Maithili Language.

Ramanath Jha's obscurantism vis-a-vis Panji is evident from one example (because Lalit Kumar also seems to have followed in his footsteps, though he gives credit for his ignorance to some other writers). He was casteist, conservative and confused. The inter-caste marriage in Panji was well known to him (but he chose to keep the Dooshan Panji secret- which has been released by us on google books in 2009), and it was apparent that the great navya-nyaya philosopher Gangesh Upadhyaya married a "Charmkarini" and was born five years after the death of his father (see our Panji Books Vol I & II available at <http://videha.co.in/pothi.htm>). Sh. Dinesh Chandra Bhattacharya writes in the "History of Navya-Nyaya in Mithila" -

"The family which was inferior in social status is now extinct in Mithila- Gangesha's family is completely ignored and we are not expected to know even his father's name.", which is a total falsehood. He writes further that all this information was given to him by Prof. R. Jha. So how would this casteist-conservative-confused allow the award to be given to Sh

Harimohan Jha? So, the Sahitya Akademi saved the Maithili Language by recognizing it, as asserted by Prof. R. Jha, is wrong and so is the assertion made by Sh. Harish Trivedi.

Mr Lalit Kumar is a young person, but he is being misused by some obscurantist elements, who gaslighted Harimohan Jha. Harimohan Jha stopped writing in Maithili following the recognition of it by Sahitya Akademi and was awarded the Sahitya Akademi prize for his autobiography in 1985, after his death, which means nothing.

Mr Lalit Kumar writes- "Yoganand Jha's Bhalmanusha (1944) and Shardananda Jha's Jayabara (1946) attack such social divisions that played a decisive role in marriages." Yoganand Jha's Bhalmanusha (1944) was indeed a pathbreaking novel, but Shardananda Jha's novel was reactionary. Prof Radha Krishna Choudhary rightly observes- "Yoganand Jha's 'Bhalamanusa' deals with the social problems connected with the problem of marriage. As a reply to this novel, Shardanand Jha wrote a second-rate novel 'Jayabara,' having little literary merit. (RADHAKRISHNA CHOUDHARY A Survey of Maithili Literature)

Mr Lalit Kumar for his Panji-related ignorance gives credit to Mm. Parmeshwar Jha's "Mithila Tattva-Vimarsha." Prof Radha Krishna Choudhary rightly observes- "Mm. Parmeshwar Jha's 'Mithila Tattva-Vimarsha' is the history of Mithila in Maithili prose and is based mainly on tradition. Mm. Mukunda Jha Bakshi's 'Mithilabhashamaya Itihas' gives an account of the Khandawala dynasty. From the point of view of modern Maithili prose, these two works are important, though from the historical point of view, are unreliable. (RADHAKRISHNA CHOUDHARY A Survey of Maithili Literature)

The following excerpt from Our Panji Paband ((part I&II) is being reproduced below for ready-reference:

-

महाराज हरसिंहदेव- मिथिलाक कर्णाट वंशक। ज्योतिरीश्वर ठाकुरक वर्ण-
रत्नाकरमे हरसिंहदेव नायक आकि राजा छलाह। 1294 ई. मे जन्म आ 130
7 ई. मे राजसिंहासन। घियासुद्दीन तुगलकसँ 1324-
25 ई. मे हारिक बाद नेपाल पलायन। मिथिलाक पञ्जी-
प्रबन्धक ब्राह्मण, कायस्थ आ क्षत्रिय मध्य आधिकारिक स्थापक, मैथिल ब्राह्म
णक हेतु गुणाकर झा, कर्ण कायस्थक लेल शंकरदत्त, आ क्षत्रियक हेतु विजय
दत्त एहि हेतु प्रथमतया नियुक्त भेलाह। हरसिंहदेवक प्रेरणासँ- आ ई हरसिंहदेव
नान्यदेवक वंशज छलाह, जे नान्यदेव कर्णाट वंशक १००९ शाकेमे स्थापना के
ने रहथि- नन्दैद शुन्यं शशि शाक वर्षे (१०१९ शाके)... मिथिलाक पण्डित लोक

नि शाके १२४८ तदनुसार १३२६ ई. मे पञ्जी-
प्रबन्धक वर्तमान स्वरूपक प्रारम्भक निर्णय कएलन्हि। पुनः वर्तमान स्वरूपमे
थोडे बुद्धि विलासी लोकनि मिथिलेश महाराज माधव सिंहसँ १७६० ई. मे आदे
श करबाए पञ्जीकारसँ शाखा पुस्तकक प्रणयन करबओलन्हि। ओकर बाद पाँ
जिमे (कखनो काल वर्णित १६०० शाके माने १६७८ ई. वास्तवमे माधव सिंहक
बादमे १८०० ई.क आसपास) श्रोत्रिय नामक एकटा नव ब्राह्मण उपजातिक मि
थिलामे उत्पत्ति भेल।

So, the Srotriyas as a sub-caste arose around 1800 CE
as per authentic panji files.

*Sh. Anshuman Pandey [Gajendra Thakur of New
Delhi provided me with digitized copies of the
genealogical records of the Maithil Brahmins. The
panjīkara-s whose families have maintained these
records for generations are often reluctant to allow
others to pursue their records. It is a matter of
'intellectual property' to them. I was fortunate
enough to receive a complete digitized set of panjī
records from Gajendra Thakur of New Delhi in 2007.
[Recasting the Brahmin in Medieval Mithila: Origins
of Caste Identity among the Maithil Brahmins of
North Bihar by Anshuman Pandey, A dissertation
submitted in partial fulfilment of the requirements
for the degree of Doctor of Philosophy (History) in*

the University of Michigan 2014]. Later these Panji Manuscripts were uploaded to google books in 2009).

The so-called Maharajas of Darbhanga were permanent settlement zamindars of Cornwallis, and there were so many in British India, but in Nepal there were none. In the annexure of our book (Panji Prabandh vol I&II), we have attached copies of genealogy-based upgradation orders (proof of upgradation for cash). So, before 1800 CE, there was no srotriya sub-caste in British India and there is no such sub-caste within Maithil Brahmins in Nepal part of Mithila even today. Srotriya before that referred to following some education stream in British India, in Nepal it still has that meaning.

Mr Lalit Kumar further tries to put his agenda by writing- "Harimohan choose a middle ground in his reformist agenda." He gives laughable reasons for his contention viz. "he espouses the significance of local traditions, languages, scripts, education system, and moral values" thereby meaning that these are conservative values!

(All the referred books are available for free pdf download from the link <http://videha.co.in/pothi.htm>)

VIDEHA MAITHILI LITERATURE MOVEMENT AND A PARALLEL HISTORY OF MAITHILI LITERATURE

Therefore, the missing portions, the ignored and non-represented aspects of society, started to be chronicled. It led to the depiction marked by the richness of vocabulary and experiences and was a revolution in literature and art as far as people speaking Maithili are concerned. The quality now has not remained mediocre. The real power of the Maithili language was realised by the native speakers, mediocrity was replaced by excellence. This attempt at the writing of History of Parallel Literature for the Maithili Language arose as the mediocre agency (private and governmental) funded so-called mainstream literature, which has no readership, and no acceptance among the speakers of Maithili continued to be presented by these Akademies as representative literature. The mediocre interface of Maithili literature was presented by the government radio and television stations also. Literary journals like Museindia

(www.museindia.com) & Publishers like Harper Collins were also used for their sinister design.

Pseudo-criticism in Maithili and the case of Kamalananda Jha

The title of Kamalanand Jha's book "Maithili Novel: Time, Society and Questions" (2021) is misleading. It is a collection of some syndicated so-called critical articles on some of his caste novelists. The 263-page book can only be sold in hardbound to libraries where it will rot. Here is a correction, a non-caste writer's work, i.e., Subhash Chandra Yadav's novel 'Gulo', has been dealt with by him in two lines, of course without reading it. I am presenting those two lines here for your entertainment. You must have read *Gulo*, if you haven't already, read it first because then you will have a more entertaining experience. *Gulo* is available on Videha Archive with the permission of Subhash Chandra Yadav at this link <http://videha.co.in/pothi.htm>.

"The weakness of the novel is the author's political bias. The partisanship towards a particular politics does not do justice to the work."

In a novel where politics is not remotely involved, there is no question of 'political bias and partisanship of a particular politics'. Dhumketu and Yatri used political bias or partisanship. Subhash Chandra Yadav's 'Vote' which came out in 2022 and is available with permission of Subhash Chandra Yadav on Videha Archive at this link <http://videha.co.in/pothi.htm>, is on politics but even there Subhashji's enchanting style obviates the need of any political bias... Read my book 'Nit Naval Subhash Chandra Yadav' which is available at this link <http://videha.co.in/pothi.htm>. On the other hand, Mr Kamlanand Jha sounds like a spokesperson of some political party or a casteist organisation rather than a literary critic. Kamalananda Jha's Brahministic bias against Subhash Chandra Yadav is an alarm bell. The parallel stream is conscious of how Kamalananda Jha takes the leftist stance to promote Brahminism and wants to sacrifice social justice. In his biodata, he proudly mentions the Maithili translation assignment bestowed on him by the Sahitya Akademi, and this assignment was allotted to him not on account of merit but solely on the ground of his caste title and in lieu of these deeds. For people

like him, Maithili-related work is merely a line in their *curriculum vitae*, but it is a question of life and death for the people of the parallel stream. Why did I call Kamalananda Jha a pseudo-critic? Because he is a pseudo-critic. He writes: "After nearly a hundred years of journey, Gaurinath is credited with writing a dignified novel on the dreams, struggles and ironies of inter-caste marriage. So, did Kamalananda Jha take away this credit from Sushil? Is this the culmination of the arrogance of his Brahministic upbringing ("*Through my whims and fancies I can place some literature on top and can downgrade some to the bottom*") or is this the evidence of his lack of study? Let me take you away from the selfish world of Kamalananda Jha, away from deception and disguise to the sincere world of Sushil's magical literature. Welcome to the world of Sushil's literature. Here is Sushil's 'Gambali' (1982) which is now available in the Videha Archive at the link <http://videha.co.in/pothi.htm>. In the first line of this novel, even before the novel begins, Sushil writes about the novel 'Gambali': "In support of widow marriage and inter-caste marriage" and here begins the novel. The death of a village woman and then the

trouble ensues, who will cremate this village woman? Brahmin community or Yadav community of the village? Dinesh Kumar Mishra's 'Dui Patan Ke Bich Me' is a historical biography of the Kosi River. He has also written historical biographies of other rivers of Mithila like 'Bandini Mahananda,' 'Bagmati Ki Sadgati!', 'Dui Patan Ke Bich Me... (Story of the Kosi River)', 'Na Ghat Na Ghar, Kamla River, 'Bhutahi River and Technical Herbalism', 'The Kamla River and People on Collision Course, Bhutahi Balan- Story of a Ghost River and Engineering Witchcraft, Refugees of the Kosi Embankments. Pankaj Jha Parashar, a member of the Maithili Advisory Committee of the Sahitya Akademi, Delhi has plagiarised paragraph after paragraph from his books and has published a novel in Maithili in his name, which pseudo-critic Kamalananda Jha mentions as research of this thief author Pankaj Jha Parashar! Let me clarify here that both the thief writer and the pseudo-critic are in the Hindi department of Aligarh Muslim University. This research is done by Dinesh Kumar Mishra, who is a graduate of IIT, Kharagpur in Civil Engineering (in 1968) and M. Tech in Structural Engineering (in

1970) and is qualified for that research. In Hindi, the cut-off for admission is the lowest across universities, otherwise, Kamalananda Jha would have known that this research could be done by a civil engineer only. The Hindi original and Maithili screenshots are attached below. Dinesh Kumar Mishra is not from Mithila, but he has authored the story of all the streams of Mithila. We are grateful to him, and the people of Mithila will remain indebted to him for this. This thief writer Pankaj Jha Parashar is a habitual offender. More than a decade ago he found a saviour in Mr Taranand Viyogi who wrote that he (thief writer Pankaj Jha Parashar) gets influenced involuntarily stole others' material in his works. Now he has found another saviour in Kamalananda Jha. The parallel stream is conscious of how Kamalananda Jha takes the leftist side to promote Brahminism and wants to sacrifice social justice. Communism has suffered a lot from people who became communists to escape the land ceiling.

All books by Dinesh Kumar Mishra are now available in the Videha Archive with his permission:

<http://videha.co.in/pothi.htm>

Let us recall here that when Bill Gates was asked whether he was delaying the introduction of the X-Box in India for fear of piracy. His answer was Microsoft never delays the launch of products for fear of piracy. We will continue enriching Videha Archive (<http://www.vidaha.co.in/archive.htm>), despite such risks because not all the fish in the pond rot by some rotten fish in parallel streams. The fishermen here have been and will continue to remove such rotten fish.

The final blow to syndicated pseudo-literary criticism in Maithili.

Original Dinesh Kumar Mishra (Dui Patan Ke Beech Me... 2006): It is noteworthy that between 1923 and 1946, 5,10,000 people died of malaria, 2,10,000 from Kala Azar, 60,000 of Cholera and 3,000 of smallpox in the Kosi region (783,000 total deaths). Thief Pankaj Jha Parashar (Member of Maithili Advisory Committee of Sahitya Akademi, Delhi) [Jalpranthar 2017 (p. 103)]:

ने अंग्रेज सब आ ने नवका रंगरेज सब । 1923 सँ 1946 के बीच मे कोसी क्षेत्र में मलेरिया से पाँच लाख दस हजार, कालाजार सँ दू लाख दस हजार, हैजा सँ साठि हजार आ चेचक सँ तीन हजार लोकक मृत्यु भेल ! माने सब मिला कए करीब पौने आठ लाख लोक मरि

Original Dinesh Kumar Mishra (Dui Patan Ke Beech Me... 2006): On the Kosi River in Bihar, India, a dam was built by King Laxman II in the 12th century and for this, he received the title of 'Bir' from the people and the embankment of the river was called 'Bir Dam' The remains of this embankment are still visible in Supaul district, about 5 km south of Bhim Nagar. Dr Francis Buchanan (1810-11) speculated that the dam must have been an outer wall built to protect a fort as it stretched over a distance of 32 kilometres from Tilyuga to its confluence on the western bank of the Dhaus river. Dr W.W. Hunter (1877) did not agree with Buchanan's contention that the dam was the protective wall of a fort. Quoting locals, Hunter believed that most people did not consider it a fortress wall and according to him it was something else but he was not in a position to say anything. Yet the common impression is that it must have been an embankment built along the Kosi River to prevent the river's current from sliding westwards. People also said that it seemed that the construction of the embankment had suddenly stopped.

The pseudo-critic Kamalananda Jha's saviour of the habitual offender thief Pankaj Jha Parashar quoted the plagiarised work as follows: (Maithili Novel, Time, Society and Questions pp. 257-258):

पंकज पराशरक पहिल उपन्यास 'जलप्रांतर'(2017) शोधपरक उपन्यास अछि। मैथिलीमे शोधपरक उपन्यास लिखबाक परम्परा नहि रहल अछि। एहि दुआरे ई उपन्यास रेखांकन योग्य अछि। पराशरजी एहि उपन्यासमे कोसी नदीक बान्हक इतिहास-कथा लिखलनि अछि। उपन्यासक वैशिष्ट्य ई जे बारहम शताब्दीसँ ल' क' आधुनिक काल धरि कोसी पर बान्ह बनेबाक दुसाध्य प्रयत्न, प्रशासनिक उठा-पटक, राजनीतिक दौंव-पेंच आदिक विस्तृत व्योरा रोचक कथाक माध्यमसँ कहलनि अछि। ध्यान देबाक बात ई जे सभटा सूचना आ व्योरा अत्यन्त विश्वसनीय बनि पड़ल अछि। पटुआ कक्का आ फूल बाबू सदृश्य पढ़ल-लिखल आ सचेत पात्रक माध्यमसँ लेखक एहि अनुसन्धानकेँ रखलनि अछि। दलान पर बैसल लोकक जिज्ञासाकेँ बढ़ावेत पटुआ कका कहैत छथिन, "पहिल बेर बारहम शताब्दीमे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मण सेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह जे 1178सँ 1205 ई. धरि शासन

मैथिली उपन्यास : समय समाज आ सवाल : 257

कयने छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगरसँ दू कोस पश्चिममे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकाननकेँ अनुमान रहनि, जे ई बान्ह सम्भवतः कोनो किलाकेँ रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मतसँ डब्ल्यू. डब्ल्यू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलनि जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत जे नदी पश्चिम दिस नहि बहय लागय।" एहि तरहें बान्हक मादे

Thief Pankaj Jha Parashar (Member of Maithili Advisory Committee of Sahitya Akademi, Delhi) [Jalpranthar 2017 (p. 31)]:

पटुआ कका पछिला गप केँ आगाँ बढबैत कहलखिन, 'फूल बाबू कोसी नदीक बेसिन प्राचीन काल सँ मनुक्खक निवास लेल उपयुक्त स्थान रहल अछि। बारहम-तेरहम सदी मे भारत मे जखन कइक टा नदी सुखा गेल, तँ ओहि ठामक पशुचारक समाजक लोक एतय आबि कए बसलाह। तहिये सँ बढैत जनसंख्या आ कोसी नदीक बदलैत प्रवाहक मध्य टकराहटि होमय लागल। नदीक अनियंत्रित धारा केँ लोक बाढ़ि बूझय लागल। पहिल बेर बारहम शताब्दी मे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मणसेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह, जे 1178 सँ 1205 ईस्वी धरि शासन कयनेँ छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगर सँ दू कोस पश्चिम मे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकानन के अनुमान रहनि, जे ई बान्ह संभवतः कोनो किला के रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मत सँ डब्लू. डब्लू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलखिन, जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत, जे नदी पच्छिम दिस नहि बह' लागय।' पटुआ कका सँ मुँहजबानी एतेक रास ऐतिहासिक तथ्य सुनियो कए फूल बाबू सहमति मे मूढ़ी नहि डोलेलखिन। जाहि सँ ओतय बैसल लोक सबहक उत्सुकता और बढ़ि गेलनि, जे गप मे एहेन कोन तथ्य रहि गेलै जे फूल बाबू संतुष्ट नहि भेलखिन? लोक केँ बुझेलनि जे फूल बाबू शास्त्रार्थ के अखड़हा पर माटि फेकि रहल छथिन। पटुआ कका केँ आइ जोड़ीदार भेटि गेलनि!

जलप्रांतर / 31

Original Dinesh Kumar Mishra (Dui Patan Ke Beech Me... 2006): A glimpse of the horrors of the Kosi River can be seen in the event when the army of Feroz Shah Tughlaq returned to Delhi from Bengal. It is said that when the troops of the Sultan reached the banks of the Kosi, they saw that on the other side of the river, the troops of Haji Shamsuddin Ilyas were waiting, ready for a battle. This was the same Haji Shamsuddin who founded the cities of Hajipur and Samastipur. Feroze's troops were stranded on the banks of the Kosi somewhere around Kursela. The speed of the river was preventing them from moving forward. It was finally decided to proceed northward along the river and to locate the water where it was

navigable. The troops of the Sultan went up about a hundred *kos* and crossed the river near Ziaran, situated at the same place where the river descended from the mountains into the plains. The river was thin, but the flow was so fast that heavy stones weighing five hundred *manas* were floating like straws in the river. On either side of the river where it was found possible to cross it the Sultan erected a row of elephants, and ropes were hung in the bottom row so that if a man loses control he could be rescued with the help of these ropes. Shamsuddin never thought that Sultan's troops would be able to cross the Kosi and when he came to know that Sultan's troops had managed to cross the Kosi, he fled.

Thief Pankaj Jha Parashar (Member of Maithili Advisory Committee of Sahitya Akademi, Delhi) [Jalpranthar 2017 (p. 105)]:

'वेश, तँ सुनु। 1354 मे फिरोजशाह तुगलक के फौज जखन बंगाल सँ दिल्ली चुरि रहल छल, तँ कोसीक प्रवाह बहुत तेज छलै। तुगलकी सेना जखन कोसी के किनार पर पहुँचल, तँ कोसीक ओहि पार मे हाजी शम्सउद्दीन इलियास के सेना तुगलकी सेना सँ मोकाबला करबाक लेल अस्त्र-शस्त्र ल' कए तैयार छल। ई वएह हाजी शम्सउद्दीन छलाह, जे हाजीपुर आ समस्तीपुर नगर बसीने रहथि। फिरोजशाह तुगलक के सेना संभवतः कुरसेला के आस-पास कोसी के तेज धार देखि कए सोच मे पड़ि गेल। पानिक रफ्तार देखि कए तुगलकी सेना के नदी पार करबाक हिम्मत नहि भ' रहल छलै। अंततः तुगलकी सेनापति तय कयलनि, जे नदीक किनारे-किनार उत्तर दिस बढ़ल जाय। जतय जा कए नदीक पाट कने कम बृद्धि पड़य, ओतय पानिक थाह लेल जायत। एहि आशा मे फौज उत्तर दिस बढ़ैत रहल। कुरसेला सँ सय कोस आगाँ गेलाक बाद कोसी के पेट कने शिकस्त बुझेले। कोसी ओतहि पहाड़ सँ नीचाँ उतरैत अछि। पानिक वेग के अनुमान एहि सँ कयल जा सकैए, जे पाँच-पाँच सय मनक पाथर कोसी मे खढ़ जकाँ बहि रहल छल। तुगलकी सेनापति केँ जतय नदी पार करब कने आसान बुझेलनि, ओतय एक लाइन मे सैकड़ों टा हाथी केँ टाढ़ क' देल गेल। नीचाँ बला लाइन मे बड़का-बड़का रस्सा लटका देल गेल, जे जे बयो पानि मे भासि जायत, रस्सा के मदति सँ निकालि लेल जायत। एहि तरहेँ फिरोजशाह तुगलकक सेना कोसी पार क' गेल। हाजी शम्सउद्दीन सपनो मे नहि सोचने छल, जे तुगलकी सेना कोसी पार क' जायत। जखन हाजी शम्सउद्दीन केँ पता लागलै जे तुगलकी सेना कोसी पार क' चुकल अछि, तँ ओ डरे सँ पड़ा गेल। तँ एहि कोसीक तेज धार के ल' कए एतेक आत्मविश्वास मे छल हाजी शम्सउद्दीन।'

A Parallel History of Maithili Literature

I

Introduction

FESTIVAL OF LETTERS OR FESTIVAL OF SHAME

SAHITYA AKADEMI AND the DOWNFALL OF INDIAN LANGUAGES (IN SPECIAL CONTEXT OF MAITHILI LANGUAGE)

When Maithili was recognised by the Sahitya Akademi (National Academy of Letters- of India) way back in 1965, Late Ramanath Jha stated that his Maithili language is saved now (Maithilik Vartman Samasya, Ramanath Jha).

He was wrong on this on two counts. What he referred to as applicable, if it applied at all, only to the part of Maithili speaking area, geographically located in India. Maithili is spoken, natively, in India and Nepal. After the treaty of sugauli (ratified in 1816), which was in the aftermath of the Anlo-

Nepalese war of 1814-16, the hilly regions were incorporated in British India, including the Nepalese-speaking Darjeeling Area. Similarly in 1816 and 1860, the Britishers ceded some Terai region to Nepal. As a result, part of Maithili speaking Area, which was earlier ruled by Malla Kings (when Maithili was an official language of the region), was ceded to Nepal. Even today some Maithili scholars (!!) refer to the golden period of Maithili as the period of "Nepali (!!)" Malla Kings (Ramanath Jha, Introduction to Maithili Sahityak Itihas by Dr Durganath Jha "Shreesh").

Ramanath Jha himself admits that during his visit to "Vir Library" of Nepal (Kathmandu) he came to know about the Nepal legacy (his monograph on kirtaniya Natak, which he wrongly presents as Kirtaniya Nach) in respect of Maithili. So, he cannot be blamed for his lack of knowledge in this respect. He was wrong on the second count also, and this second count was an artificial creation. He began a tradition of elitism and conservatism in Sahitya Akademi, as the first convener of the Maithili language. The tradition got stronger and stronger in the last 55 years of the Existence of Maithili in that

Akademi. So, he ensured that liberal writers, like Sh. Harimohan Jha, attacking casteism and conservatism did not get the award, even though the year 1967 went unrewarded and the Ist award in 1966 was given to a non-literary book in Maithili (academic book of Philosophy!!!).

He was casteist, conservative and confused. The inter-caste marriage in Panji was well known to him, and it was apparent that the great navya-nyaya philosopher Gangesh Upadhyaya married a "Charmkarini" and was born five years after the death of his father. But he informed Sh. Dinesh Chandra Bhattacharya in a distorted way. Sh. Dinesh Chandra Bhattacharya writes in the "History of Navya-Nyaya in Mithila".

"The family which was inferior in social status is now extinct in Mithila-Gangesha's family is completely ignored and we are not expected to know even his father's name.", and he writes further that all this information was given to him by Prof. R. Jha. So how would this casteist-conservative-confused allow the award to be given to Sh? Harimohan Jha. So, the Sahitya Akademi saved the Maithili Language by

recognizing it, as asserted by Prof. R. Jha, was wrong on those two counts.

Now come to Nepal, the Prajna Pratisthan and other organizations often recognize Indian Maithili writers, but Sahitya Akademi of India does not recognize Nepalese Maithili writers, be it the Seminars or the poets meet, be it an anthology of poems or prose published by the Akademi. Regarding the treatment of Nepalese Maithili writers by Sahitya Akademi Sh. Ram Bharos Kapari "Bhramar" laments that there is demand in Nepal that they should also not award Indian Maithili writers/ publish them in their anthologies as reciprocity demands this.

The narrow-mindedness of the Maithili advisory board of the Indian Sahitya Akademi has its origin in the organizations that are recognized by the Sahitya Akademi, the basis of which is extra-literary credentials. These are pseudo-organizations running on paper, political organizations or casteist organizations pocket-run by a few. The complete list is:

MAITHILI LITERARY ASSOCIATIONs (!!!)
RECOGNIZED by SAHITYA AKADEMI

1. The Secretary, All India Maithili Sahitya Samiti, Tirbhukti, 1/1B, Sir P.C. Banerjee Road, Allahabad-211 002.
2. The General Secretary, Akhil Bharatiya Maithili Sahitya Parishad, C/o Dr. Ganapati Mishra, Lalbag, Darbhanga-846 004.
3. The Secretary, Chetna Samity, Vidyapati Bhawan, Vidyapati Marg, Patna-800 001.
4. The Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, 6 B, Kailash Saha Lane, Kolkata-700 007.
5. The Secretary, Vidyapati Seva Sansthan, Mithila Bhavan Parishad, Darbhanga-846 004.
6. The Secretary, Centre for the Study of Indian Traditions, Tantrabati Geeta Bhavan; Ranti House, Ranti, Madhubani-847 211

Now the Literary Association lists read as under. Serial no. 1 & 6 above have been derecognised and has been replaced by other non-literary associations at sr no 5, 6 & 7 below.

(1) The General Secretary, Akhil Bharatiya Maithili Sahitya Parishad, Professors' Colony, Digahi West, Opp. of Primary School, Darbhanga-846 004, (Bihar)

2) The Secretary, Chetna Samiti, Vidhya Pati Bhavan, Vidyapati Marg, Patna-800 001 (Bihar)

3) The Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, 6B, Kailash Saha Lane, Kolkata-700 007, (West Bengal)

4) The Secretary, Vidhya Pati Sewa Sansthan, Mithila Bhavan Parishar, Darbhanga-846 004, (Bihar)

5) The Secretary, Anand, Samajik Sanskritik Sahityik Manch, Rajkumarganj (Mirzapur Chowk), Darbhanga-846 004, (Bihar)

6) The General Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, Rosebery 5032, Sahara Garden City, Adityapur-2, Jamshedpur-831 014, (Jharkhand)

7) The General Secretary, Akhil Bharatiya Mithila Sangh, G-6, Hans Bhavan, Wing 2 I.T.O., Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi-110 002, (Delhi)

What is the literary credential of the Centre for the Study of Indian Traditions (now recognised and replaced by another pocket association)? Chetna Samiti and Vidyapati Seva Sansthan are casteist political outfits, vehemently displaying the casteist attire of a great ancient poet, whose caste is still uncertain (VIDYAPATI), but who was certainly not

Brahmin. All India Maithili Sahitya Samiti (now derecognised and replaced by a non-literary association) became non-existent even during the lifetime of the Late Jaykant Mishra, same is the case with Akhil Bhartiya Maithili Sahitya Parishad. Mithila Sanskritik Parishad has done a crime through an investiture ceremony of the great Vidyapati, they tried to convert Vidyapati and "Maithili" language to the language of only the Brahmins (the name of the artist who sketched the Vidyapati has still not been disclosed by this organisation). When these non-existent organizations exercise voting powers granted by Sahitya Akademi and chose a convener, it is not a coincidence that for successive times only conservative people among the Maithil Brahmin caste, are chosen. The complete list is:

1. Ramanath Jha, 2. Jaykant Mishra, 3. Surendra Jha Suman, 4. Sureshwar Jha, 5. Ramdeo Jha, 6. Chandranath Mishra Amar, 7. Vidyanath Jha Vidit, 8. Veena Thakur, 9. Prem Mohan Mishra, 10. Ashok Avichal.

The result is now for everybody to see. The complete list of Sahitya Akademi awards (till 2019) is:

Total booty distribution- 50 times, Maithil Brahmins- 42 times, Kayasthas- 6 times, Rajpoots- 3 times; Others- 0 times!!! (Now in 2021 Sh. Jagdish Prasad Mandal has been awarded this prize for his novel "Pangu", so the count is now not zero but one.

The result is not based on the quality of the books but solely upon the caste-based other considerations and the disease has its root in the faulty seedling that the Sahitya Akademi of India found through the faulty literary associations.

What were the objectives of the setting of this Akademi?

Sahitya Akademi was established (National Academy of Letters to be called Sahitya Akademi) by Government of India resolution No F-6-4/51G2(A) dated December 1952 "to set high literary standards, to foster and co-ordinate literary activities in all the Indian languages and to promote through them all the cultural unity of the country; to promote good taste and healthy reading habits, to keep alive the intimate dialogue among the various linguistic and literary zones and groups through seminars, lectures, symposia, discussions, readings and

performances, to increase the pace of mutual translations through workshops and individual assignments and to develop a serious literary culture through the publications of journals, monographs, individual creative works of every genre, anthologies, encyclopedias, dictionaries, bibliographies, who's who of writers and histories of literature."

The Akademi boasts of publishing "one book every thirty hours" and holding "at least thirty seminars every year" at regional, national, and international levels, " along with the workshops and literary gatherings-about two hundred in number per year".

The Akademi recognises " Besides the twenty-two languages enumerated in the Constitution of India", English and Rajasthani as languages. Sahitya Akademi has constituted twenty-four language Advisory Boards "to render advice for implementing literary programmes in these 24 languages".

The Akademi gives prizes in twenty-four languages recognised by it for original and translated works. It gives " special awards called Bhasha Samman to a significant contribution to the languages not

formally recognized by the Akademi as also for contribution to classical and medieval literature"; "It has also a system of electing eminent writers as Fellows and Honorary Fellows and has also established a fellowship in the names of Dr Anand Coomaraswamy and Premchand".

FESTIVAL OF LETTERS (SHAME)!!!!

In February every year, Sahitya Akademi "holds a week-long Festival of Letters; It begins with the ceremony to present the Akademi's Annual Awards for creative writing".

In February every year, there is a need to examine whether Sahitya Akademi is fulfilling its objective and whether Sahitya Akademi is aware of the rich cultural and linguistic variety prevalent in India.

On scrutiny it is revealed that Sahitya Akademi believes in "forced standardisation of culture through a bulldozing of levels and attitudes" and it is not "conscious of the deep inner cultural, spiritual, historical and experiential links that unify India's diverse manifestations of literature".

The Akademi boasts of publishing "one book every thirty hours" and holding "at least thirty seminars every year" at regional, national, and international levels, "along with the workshops and literary gatherings-about two hundred in number per year". If we see the data in respect of Maithili it comes out that every year around twelve books should have been published in Maithili and the Maithili writers might have attended thirty seminars every year at regional, national, and international levels and might have participated in eight literary gatherings every year. The number of Maithili books published by the Akademi is pathetically low, and when we see the assignments, through which these books get artificially prepared (be it translation, anthology or monograph), then the people getting these assignments are often related to the members of the advisory board (as the answer to RTI application by Sh. Vinit Utpal brings forth). The quality suffers, and as a result, there is no readership.

How this Akademi failed? And why this Akademi failed? And what action should be taken against Akademi for its intentional failure?

Firstly, Akademi is not the name of a man or woman. Akademi or its member of the Advisory Board consists of persons, and if the group of persons is failing the Akademi, that language itself is to blame! But again, the language is not the name of a man or woman. So, the people speaking that language are to be blamed for the failures of the Akademi. Really!!

Even if it is partially true, the Sahitya Akademy cannot shirk its responsibilities. How an advisory committee can be considered representative of Maithili-speaking people (even that of India), when the Convener of that language is nominated by six organisations (recognised by the Sahitya Akademi for reasons best known to it), having no remote connection with literature? Sahitya Akademi sowed seeds of Acacia and expected Mango fruit. Having said that it is also true that the Akademi or any organisation can transform itself, but only when the conservative people representing these find pressure from the literary fraternity, change themselves or are replaced.

What is the solution?

The literary fraternity has already taken initiative by establishing parallel Sahitya Akademi awards and parallel literary meets. It should be taken further. All legal means should be explored to take the Akademi to the task. On all available forums, the fact is made clear that the literature being prepared by Sahitya Akademi through assignments is not grammatically correct, that it is not up to mark and is of inferior quality. On all available forums, it should be made clear that the thin, casteist-looking (quantitatively and qualitatively) and pale Maithili literature, which is being shown by the Sahitya Akademi of India to the world, has no readership or respect in its native speaking area of India and Nepal. And that Maithili has moved not because of Sahitya Akademi but despite it.

Demand

The six organisations representing Maithili should be derecognized with immediate effect and an inquiry initiated to ascertain their genuineness. A committee should be set up to scrutinize the work done by the Sahitya Akademi (in respect of Maithili) in the last 55 years. The awards should be kept in abeyance till the

results of the inquiry are made public and corrective steps are taken.

II

THE CELEBRATION BEGINS

Videha Ist Maithili Fortnightly International e-journal has e-published more than three hundred issues to date. Meanwhile, we will enumerate the problems faced and the solutions found by us. The Journey began in the year 2000 at yahoo Geocities- the first words on the internet in Maithili were written by me on the yahoo Geocities sites (now yahoo has discontinued Geocities) towards the end of 2000 when I suffered a major accident which kept me confined to crutches for one and a half years. But that shaped my destiny. I could concentrate on my Maithili writings and my research on Tirhuta Manuscripts. On 5th July 2004, the first blog in Maithili came (gajendrathakur.blogspot.com) as "Bhalsarik Gachh", which was rechristened as Videha ejournal from 1st January 2008. From Ist January 2008 it came to be published as a fortnightly journal. The first rechristened issue brought the story

of the life and creations of a forgotten Maithili poet Late Ramji Choudhary (1878-1952).

Till the eighth issue of Videha the columns on Music, Mithila Painting, Children column, learn samskrit through Maithili got strengthened. Moreover, the projects on digitalisation of Maithili Classics and Panji Manuscript-leafs got started. The searchable dictionary (Maithili-English_Maithili) was designed and strengthened. From the eighth issue, a latest unpublished Maithili Play of Nachiketa "No Entry Maa Pravish" began its e-publication in Videha. Nachiketa, the greatest dramatist of Maithili Literature was silent for the last 25 years, as far as the drama was concerned.

Technology has two aspects, bad (its chances of misuse) and good (its effective use). It is a great leveller; it challenges status quo forces. It is applicable in all areas of knowledge. So, school-going children today have a clearer understanding of the universe and atoms than the Aryabhata or Sir Issac Newton had. After mass-scale use of printing education and literature expanded its wings, but only after the "Internet and electronic transformation of tools of knowledge", it has become universal, it has

jumped geographical boundaries. All shackles unfurled, the weak links of the chain were identified, and the chain which tried to capture knowledge, which tried to thwart its expansion, started breaking down. And the greatest beneficiary became the Maithili Literature. What is Videha, nothing, it is only its commitment to the Maithili Language, which helped it expand its base, and Videha became the means that were able to bind together the Maithili-speaking areas in both parts of the boundary (India & Nepal). Videha gave Maithili a batch of committed writers and a batch of committed readers. It challenged the status quo and casteist forces. It challenged confused writers, who were using Maithili as a tool to ride the ladder of Hindi. The lack of criticism, the lack of teeth in criticism was the reason that some writers and dramatists were using Hindi-Mix Maithili for cheap popularity, they were using derogatory language for the so-called lower castes of their society (some were finding plea in Natyashastra- when even the modern-day Samskrit Drama is not using Prakrit etc.!!), and for their mimicry, those castes started keeping distance with this kind of literature. And once the confusion of the

confused thinned, a new type of awakened literature, stage, and drama (top-class) became the norm.

Videha is regularly getting some excellent brains. Since its inception, Videha, the idea factory, is dependent upon them. As far as their versatile qualities are concerned, people associated with Videha are different. All are known for their perseverance and resilience. All are known for their arduous work. All are known for their quality work. All are known for their discipline. And all are committed; committed to Maithili and the Mithila. The cumulative force resulted in a natural revolution. A revolution in the field of Maithili Literature, art, music, craft, stage, and drama. The only international e-journal in Maithili started this quality movement in Maithili. Nothing less than world standard was acceptable. The awards were instituted to recognize the parallel field of Maithili Literature, art, music, craft, stage, and drama. Only the best was selected, there was no scope for the second best. The participation of readers in the decision-making processes was encouraged. The readers got full access to the digitalised Maithili Literature. More than five hundred Maithili books

and around 11000 palm-leaf mithilakshar manuscripts were digitalised and made available online under the "Videha Archive" section of www.videha.co.in (and the number is increasing every day). The audio-video-paintings-photographs were archived, and all these archived "art and lifestyle" of the people of Mithila were then placed online. The Videha Archive is a unique gift to the world.

So, what is the ideology of people associated with Videha? Is it collective thinking? No, of course not. In Videha all are welcome. Here all are welcome to discuss their respective ideology. Having said this, it needs emphasis that there are some basic human principles where no compromise is possible. The casteists, those having genetic superiority complex (which is another name for an inferiority complex), the practitioners of plagiarism, those who are unable to take part in a healthy discussion and persons who are not able to withstand the criticism of their creation, Videha is not a platform for them. The ideology of people associated with Videha may have different tinges, not all need to toe the line taken by any member of the editorial board. Videha believes

in the individuality of ideas and the editorial board never imposes its ideology upon its members. At the same time, it is being emphasized that each member of the Videha editorial board has a strong ideological leaning, the ideology of humanism is practised by all.

Videha-Maithili Literature Movement has its roots in the year 2000 when I started making Maithili Websites on Yahoo Geocities. After Yahoo Closed Geocities these sites were automatically deleted. However, the early form of Videha "Bhalsari Gachh" was started on 5 July 2004, and it is the earliest presence of Maithili on the internet. Videha and its vibrant members did their utmost in translating lacs of words on Wikipedia, and they successfully opposed the nomenclature "Bihari Languages" (Gerard M accepted the role of Umesh Mandal, the co-editor of Videha, go to Gerard M's blog and click the Dasipat Aripan photo from Videha archive (Preeti Thakur) placed at his blog, you will reach <http://videha.co.in/>). In Google translate/Wikipedia localisation drive, in Tirhuta and Kaithi script research and the localisation of Braille in consonance with the Maithili Language, Videha shouldered the responsibility as a pioneer in technology viz-a-viz

Maithili Language. It was a pioneer in many respects. It started for the first time a Maithili Websites Aggregator at <http://videha-aggregator.blogspot.com/>, the first braille site in Maithili, the first mithilakshar site in Maithili among others (total list).

Videha has organised several dozen Maithili book fairs to date. The 16th Videha Maithili book fair was held at Sagar Rati Deep Jaray, Patna on 10-11th December 2011 and the 17th Videha Maithili book fair was held at Guwahati, on 22-23 December next year at the Vidyapati Parv organised by Mithila Sanskritik Samanvay Samiti. The detailed list of all the venues (datewise). Videha also organised a parallel Sahitya Akademi Kavi Sammelan, besides awarding parallel Sahitya Akademi prizes, as corrective measures, as the awards and Kavi Sammellans of Sahitya Akademi were awarded/organised in a unilateral manner where merit took a beating. Videha has, thus, fulfilled its obligation by interfering in the murky affairs of government organisations. Videha cannot remain a silent spectator, be it plagiarism or copyright violations. So, the authors like Pankaj Parashar, and Ashok Sahu,

who were engaged in lifting other articles/ stories/ poems were banned after verifying the sources and target writings.

Literature in translation is a major issue with Videha. Lack of translation in America resulted in Americans lagging in quality literature. We practise literature in translation in both directions- from Maithili into English and from other languages into Maithili. As far as translations from other languages into Maithili are concerned English, Nepali, Sanskrit and Hindi function as buffer languages in the process. Direct translations into Maithili are limited; and it is done directly only from English, Sanskrit, Hindi, Nepali and Bengali, although there are some exceptions. As far as the question of translations from Maithili into other languages is concerned, directed translations are again limited; and it is again done directly only into English, Hindi, Sanskrit, Bengali and Nepali, barring some exceptions. Videha contacted some notable personalities of class literature, took permission, and translated that literature into Maithili. Most of the time English was used as a buffer language and translation work from English, Hindi, Konkani, Telugu, Gujarati, Odia, Kannada,

Nepali and Telugu into Maithili was completed; and these works were regularly published in Videha. Maithili novels, poems, and short stories, on the other hand, were translated from Maithili into English and were published regularly in Videha.

VIDEHA became a Maithili Literature movement. No, VIDEHA was from day one of the Maithili Literature movement. Many established misconceptions got cleared through VIDEHA. The well-known facts, the not-so-obvious plot of some people to kill Maithili through its twin institutions the Sahitya Akademi and the CIIL was unearthed. The Right to Information came in handy. Sri Vinit Utpal asked for information from Sahitya Akademi through his RTI application dated 23.09.2011 (file no. RTI-125) and sought information on "Assignment assigned by Maithili Advisory Board, Sahitya Akademi under the convener ship of Sri Vidyanath Jha 'Vidit'". The information included a proposal received, a proposal rejected, and a proposal kept in abeyance." The statutory mandatory information supplied by the Sahitya Akademi unearthed a vicious circle of Maithili-speaking so-called litterateurs, hell-bent upon making Maithili a language- "of the Maithil

Brahmin, for the Maithil Brahmin and by the Maithil Brahmin". More than 90% of the assignments went to the friends, relatives, and acquaintances of the 10-member Maithili Advisory Board. No assignment to Sh. Jagdish Prasad Mandal, Sh. Rajdeo Mandal, Sh. Bechan Thakur (the greatest Short-story-novel writer of Maithili, the greatest living poet of Maithili and the greatest living Maithili dramatist; respectively), Sh. Umesh Paswan, Sh. Umesh Mandal, Sh. Ramdev Prasad Mandal "Jharudar", Sh. Durganand Mandal, Sh. Sandeep Kumar Safi or to Sh. Anand Kumar Jha. When every member of the Maithili advisory board is hand in glove with the Sahitya Akademi to kill the Maithili language then where lies the hope? The demand for Mithila state by these people will see that 10 Maithil Brahmin families would loot the Mithila state. Then where lies the hope? Here lies hope. Sh. Bechan Thakur has created a parallel Maithili stage and theatre, a slap on the existing slapstick humouristic Maithili theatre. Sh. Umesh Paswan is a discovery of the Parallel Sahitya Akademi Poetry festival organised by Videha. Sh. Jagdish Prasad Mandal, Sh. Rajdeo Mandal, Sh. Jharudar, Sh. Sandeep Kumar Safi and Sh Umesh Mandal have

pumped their energy, wealth, and time into our Maithili Language. This language will live...proofs are given below: -

Google Translate:

<http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseProject>

then Wikipedia translate:

<http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai>

<http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator>

<http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator>

http://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

<http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai>

<http://incubator.wikimedia.org/wiki/Wp/mai> <http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai>

<http://ultimategerardm.blogspot.com/2011/05/bihari-wikipedia-is-actually-written-in.html>

[Monday, May 09, 2011

The #Bihari #Wikipedia is written in #Bhojpuri

This is the kind of article that has many people's eyes glazed over. It is about standards and scientific documents, and it is about languages most of my readers have never heard about. For the people that do speak one of the languages that are considered Bihari, it is extremely relevant, and it has implications for Wikipedia.

This is information provided by Umesh Mandal that explains the "Bihari group of languages" with the Maithili language:

Kellogg (1876/1893) and Hoernle (1880) regarded Maithili as a dialect of Eastern Hindi; Beames (1872/reprint 1966: 84-85), regarded Maithili as a dialect of Bengali, Grierson has done a great service to the Maithili language, however, he erred when he gave a false notional term of "Bihari" language after that western linguists started categorizing Maithili as a dialect of "Bihari" language; although there is nothing known as "Bihari Language" and both Maithili and Bhojpuri are spoken in Bihar (of India) as well as in Nepal.

Umesh is working on the localisation of MediaWiki for the Maithili language and as this language is currently in the Incubator, the language committee does its due diligence and trying to understand if Maithili can have a place in the Bihari Wikipedia. The information provided by Umesh makes it quite clear: "no".

This still leaves us with the misnomer that is the Bihari Wikipedia. The language used for the localisation and the articles is Bhojpuri. Bhojpuri has the ISO-639-3 code "bho".

Are you still following all this? Ok, there is one question I am not asking: How about the Kaithi script?

Thanks, GerardM]

Excerpt from a Maithili e-journal published as PDF (from Videha 2011: 22; Videha: A fortnightly Maithili e-journal. Issue 80 (April 15, 2011), Gajendra Thakur [ed]. <http://www.videha.co.in/>."Gajendra Thakur of New Delhi graciously met with me and corresponded at length about Maithili, offered valuable specimens of Maithili manuscripts, printed books, and other records, and provided feedback regarding requirements for the encoding of Maithili in the UCS."-Anshuman Pandey.] |

TIRHUTA UNICODE See the final UNICODE Mithilakshara Application (May 5, 2011) by Sh. Anshuman Pandey at Page 23 of the Videha 80th issue (Tirhuta version) is attached"Figure 11: Excerpt from a Maithili e-journal published as PDF (from Videha 2011: 22" and at Page 12 Videha is included in References Videha: A fortnightly Maithili e-journal. Issue 80 (April 15, 2011), Gajendra Thakur [ed]. <http://www.videha.co.in/>. and role of Videha's

editor is acknowledged on Page 12 "Gajendra Thakur of New Delhi graciously met with me and corresponded at length about Maithili, offered valuable specimens of Maithili manuscripts, printed books, and other records, and provided feedback regarding requirements for the encoding of Maithili in the UCS."]

The Maithili Speaking area is shrinking. It is shrinking due to a conscious-subconscious policy of the Governments of India and Nepal, and the situation became critical due to the invasion of Hindi and Nepali media and the biased educational system in Maithili-speaking areas, and due to the large-scale migration, which has happened in one single generation. The question of Hindi saw to it that Vajjika, Angika and now Thethi, Surjapuri etc. languages should get the tacit support of supporters of Hindi, first in the name of religion and second in the name of caste. Through this they did not support Vajjika, Angika, Thethi or Surjapuri; but they tried to weaken Maithili, which resulted in the weakening of Vajjika, Angika, Thethi and Surjapuri. For all this, the Maithili-speaking people, more so the officials (I will explain it later), are also responsible, as they tried to

delimit Maithili within the two castes and four districts. All other people and areas, than these, were considered northern, southern, eastern, and western deviations of so-called pure Maithili, which was fictitiously considered as being spoken by these Maithil Brahmins/ Karna Kayasthas of Madhubani, Darbhanga, Saharsa and Supaul districts. For the last 45 years the officials, yes, I call them officials, the officials of the Maithili Department of Sahitya Akademi, did not try to accommodate the people outside this fictitiously delimited domain. But the major problem lies somewhere else. The slow poisoning was given in many disguises, be it the faulty top-heavy education system, which neglected primary and middle school education through the Mother Language Maithili, or be it through the concept of dialect, which initially conveniently declared languages like Maithili as dialects. Elementary education through Maithili was a non-starter because the Maithili books published by the Bihar State Textbook Publishing Corporation Limited seemed to be in Avahatt, it was not fit for children. Further, the authors and subjects selected for these books had a casteist bias. Maithili became a tool for

caste-based politics, as once Hindi had been a tool for religion-based politics. Still, these officials, of the Maithili Department of Sahitya Akademi, are residing in their own built ghetto, bereft of any thinking or vision. Another reason for the present plight of Maithili is the policy undertaken by the tax collectors of Mithila (permanent settlement Zamindars of Cornwallis), whom the sycophants call King or the great king (Raja/ Maharaja) or Mithilesh (King of Mithila) these were mere tax collectors, the right for which were given to the highest bidders permanently; and there was not one such Mithilesh (tax collectors), but many within the borders of Mithila. These tax collectors employed mostly those two castes from four districts in their merchandise venture, and as the selection was based on sycophancy, so the work suffered. So, they imported the lathiyals from outside the Mithila region. The masses of Mithila suffered a blow from the double-edged weapon. First, from their people who did not consider them as their own and second, the outsiders looted them. Now after some time these outsiders, the non-Maithili speaking people, found it convenient to declare the masses (not belonging to

the two castes from four districts) as non-Maithili speaking people, and the officials/ sycophants from those two castes from four districts tacitly agreed to it. Now these outsiders, the non-Maithili speaking people, formed a majority in many places of Mithila, and they led the rumour that Maithili, like Samskrit, is an upper-caste phenomenon, and thus they legitimized their anti-Maithili stance (all these facts have been brilliantly dealt with in the Maithili Novels of Sh. Jagdish Prasad Mandal) and they propagated the case of Hindi, first based on religion and second based on caste. But why our people fell into their trap, why these tax-collector Maharajas did not consider the masses of Mithila as their own and imported the perpetrators to loot their masses? The simple answer is that merit took a downward leap in auction-based tax collection rights allocation.

We started from one and reached number three, then thirty and now three hundred!! and we are growing-... and are three hundred not out and are creating a grand history. <http://www.vidaha.co.in/> Videha Ist Maithili Fortnightly e-Journal ISSN 2229-547X has e-published its 300th issue recently. When I began this venture in the year 2000 with a Samsung

TV net appliance, and when the existing was posted on 5th of July 2004, I moved all alone. Then on 31st January 2007, I suddenly thought to include the public, as after some groundwork I was ready for it. I decided to e-publish Videha and did publish it, on a fortnightly basis, the first issue that came on 1st January 2008 tried to include all the previous posts.

From all corners of this planet earth, the people tried to change the destiny of Mithila and Maithili. Now Sh. Ashish Anchinhar, Sh. Munnaji (Manoj Kumar Karn), are part of our team; and together we are three hundred not out now. With three hundred plus issues, 30,000 pages of Maithili literature (one hundred lac words corpora) creation and 11000 Tirhuta manuscript transcription we maintained a 50000-word Maithili-English vocabulary database. Now we are 350 strong, with 350 authors.

Videha has faced challenges and has withstood them. We never shirk from any question and/ or problem. The question of the state of Mithila is one such question which often comes calling. We are in favour of the states of Mithila within the sovereign borders of India and Nepal. We are in favour of Mithila. But which type of Mithila, that type that we had during

the Zamindari Raj, where means of sustenance and avenues of existence remained limited for a few castes? Or that culture that existed within "Aryavarta-Indian Nation newspaper" and other Industries during that Raj. A dozen families of Mithila galloped all these mostly from a single caste!! No, we are not in support of that Mithila, that Mithila where Maithili would be swallowed, as it is being swallowed by the Sahitya Akademi and the CIIL, swallowed by another dozen families. We are not in favour of that Mithila where the proceeding of the legislative assembly would be held in a language other than Maithili. Till the misgivings of the people of Mithila are addressed, we cannot support any Mithila state movement. So the people striving hard for Mithila state should sit on a protest before the advisory board members of the Sahitya Akademi/ CIIL and sing patriotic songs in front of their houses, and pressurise them not to misuse government funds by unscrupulously awarding functions of Akademi outside Mithila and not to misuse the power of assigning translation and other rights to themselves and to those people who are hell-bent upon destroying our language. The RTI application by Sh.

Vinit Utpal has thwarted an attempt to strangulate Maithili, but if the supplementary work is not done the sinister design would resurface again. We request the Maithili advisory board members of Sahitya Akademi immediately return their assignments taken in their name and the name of the members of their family. Otherwise, pressure should be mounted to force these 10-member Maithili Advisory Board members to voluntarily resign from their membership in the larger interest of Maithili. So, what is our answer viz-a-viz demand of Mithila state: it is a categorical Yes.

The technology-centric venture called Videha became a success. The native speakers of Maithili reside in Bihar (of India) and South-East Nepal. The net connectivity had been extremely poor in these areas. Then how the authors, new and old, started using Unicode for writing for Videha. The Nepal Side of Mithila had been using Preeti, Kantipur, Himala etc. fonts, the Kolkata Maithili-speaking population had been using the Marathi fonts and the rest had been using the fonts based on the old Remington keyboard. All these three types of fonts are ASCII fonts. We researched these fonts and provided font

converters to our Nepal-based authors. We also provided phonetic and Remington-based Unicode writers to all Maithili authors, who asked for them. We asked the authors if they may send their creations in any font, but at the same time, we encouraged them to use Unicode fonts. The technical support that we provided resulted in numerous receipts of typed entries from persons like Sh. Gangesh Gunjan, who in earlier stages had been sending their creations in their handwritings. As Sh. Gangesh Gunjan was well versed in Remington keyboard typing, so he made wonderful use of the Remington Unicode typewriter. He sent that software to some of his friends too and he was courteous enough to intimate about this to us, although there was no need for that. Sh. Saketanand also used that software and sent his short story कालरात्रिश्च दारुणा in Unicode, and it was published in one of the issues of Videha. The technology-centric venture called Videha became a success because we made it simple and intelligible at a time when even the technologists were not sure about the future of this Unicode. The virtual medium was being seen with anxiety by the literary fraternity, and the copy-paste system of theft

was rampant in those days. But we assured the authors that with Videha they may rest assured that the copyright thieves would not be spared, while at the same time we were firm, that only for fear of misuse of technology we should not stop our venture midway. With the internet and technology, the geographic barrier became non-existing. The end of the problem of distribution in Maithili literature became possible due to our technology-friendly attitude and it proved a boon for our Maithili language. And it made the technology-centric venture called Videha a success... It is the success of the parallel Maithili literature movement.

III

**HONOUR KILLING OF GANGESH UPADHYAYA
(FIRST BY RAMANATH JHA, THEN BY
UDAYANATH JHA 'ASHOK' (A PARALLEL HISTORY
OF MITHILA AND MAITHILI LITERATURE, WHY
TODAY ITS NEED BEING FELT MORE INTENSELY?))**

I was not surprised, though I must have been when I saw a monograph on Gangesh Upadhyaya, whose copyright is being held by Sahitya Akademi, the author of the monograph is Udayanath Jha 'Ashok'.

I thought that Udayanath Jha ' Ashok', who has been given Bhasha Samman also, by the same Sahitya Akademi, would do some justice. But truth and research seem elusive in Sahitya Akademi monographs, at least that I found in this monograph.

I searched and searched through chapters, that now the author will show courage. But the author like Ramanath Jha seems ashamed of the roots and offspring of Gangesh Upadhyaya. He tries to confuse the issue, but there is no confusion now at least since 2009. But in 2016 Sahitya Akademi seems to carry out the casteist agenda. Udayanath Jha mockingly pretends to search his name, lineage etc, where nothing is there to search for, yet he could not muster the courage, to tell the truth, and ends up just repeating the facts in 2016 that Dineshchandra Bhattacharya already has published way back in 1958.

The honour killing of Gangesh Upadhyaya by Prof. Ramanath Jha is being taken forward by Sahitya Akademi, Delhi in a most hypocritical way.

Ramanath Jha's obscurantism *vis-a-vis* Panji is evident from one example. The inter-caste marriage

in Panji was well known to him (but he chose to keep the Dooshan Panji secret- which has been released by us in 2009), and it was apparent that the great navya-nyaya philosopher Gangesh Upadhyaya married a "Charmkarini" and was born five years after the death of his father (see our Panji Books Vol I & II available at <http://videha.co.in/pothi.htm>). Sh. Dinesh Chandra Bhattacharya writes in the "History of Navya-Nyaya in Mithila". (1958)

" The family which was inferior in social status is now extinct in Mithila----- Gangesha 's family is completely ignored and we are not expected to know even his father's name-----...As there is no other reference to Gangesa we can assume that the family dwindled into insignificance again and became extinct soon after his son 's death." [1958, Chapter III pages 96-99), which is a total falsehood. He writes further that all this information was given to him by Prof. R. Jha, and he seemed thankful to him.

The following excerpt from Our Panji Prabandh (parts I&II) is being reproduced below for ready reference:

-

महाराज हरसिंहदेव- मिथिलाक कर्णाट वंशक। ज्योतिरीश्वर ठाकुरक वर्ण-रत्नाकरमे हरसिंहदेव नायक आकि राजा छलाह। 1294 ई. मे जन्म आ 1307 ई. मे राजसिंहासन। घियासुद्दीन तुगलकसँ 1324-25 ई. मे हारिक बाद नेपाल पलायन। मिथिलाक पञ्जी-प्रबन्धक ब्राह्मण, कायस्थ आ क्षत्रिय मध्य आधिकारिक स्थापक, मैथिल ब्राह्मणक हेतु गुणाकर झा, कर्ण कायस्थक लेल शंकरदत्त, आ क्षत्रियक हेतु विजयदत्त एहि हेतु प्रथमतया नियुक्त भेलाह। हरसिंहदेवक प्रेरणासँ- आ ई हरसिंहदेव नान्यदेवक वंशज छलाह, जे नान्यदेव कार्णाट वंशक १००९ शाकेमे स्थापना केने रहथि- नन्दैद शुन्यं शशि शाक वर्षे (१०१९ शाके)... मिथिलाक पण्डित लोकनि शाके १२४८ तदनुसार १३२६ ई. मे पञ्जी-प्रबन्धक वर्तमान स्वरूपक प्रारम्भक निर्णय कएलन्हि। पुनः वर्तमान स्वरूपमे थोडे बुद्धि विलासी लोकनि मिथिलेश महाराज माधव सिंहसँ १७६० ई. मे आदेश करबाए पञ्जीकारसँ शाखा पुस्तकक प्रणयन करबओलन्हि। ओकर बाद पाँजिमे (कखनो काल वर्णित १६०० शाके माने १६७८ ई. वास्तवमे माधव सिंहक बादमे १८०० ई.क आसपास) श्रोत्रिय नामक एकटा नव ब्राह्मण उपजातिक मिथिलामे उत्पत्ति भेल।

So, the Srotriyas as a sub-caste arose around 1800 CE as per authentic panji files. Sh. Anshuman Pandey [Gajendra Thakur of New Delhi provided me with digitized copies of the genealogical records of the Maithil Brahmins. The panjikara-s whose families have maintained these records for generations are often reluctant to allow others to pursue their records. It is a matter of 'intellectual property' to them. I was fortunate enough to receive

a complete digitized set of panji records from Gajendra Thakur of New Delhi in 2007. [Recasting the Brahmin in Medieval Mithila: Origins of Caste Identity among the Maithil Brahmins of North Bihar by Anshuman Pandey, A dissertation submitted in partial fulfilment of the requirements for the degree of Doctor of Philosophy (History) in the University of Michigan 2014].

Later these Panji Manuscripts were uploaded to Videha Pothi at www.videha.co.in and google books in 2009).

The so-called Maharajas of Darbhanga were permanent settlement zamindars of Cornwallis, and there were so many in British India, but in Nepal there were none. In the annexure of our book (Panji Prabandh vol I&II), we have attached copies of genealogy-based upgradation orders (proof of upgradation for cash). So, before 1800 CE, there was no srotriya sub-caste in British India and there is no such sub-caste within Maithil Brahmins in Nepal part of Mithila even today. Srotriya before that referred to following some education stream in British India, in Nepal it still has that meaning.

ORIGINAL PANJI REFERENCES ARE PLACED BELOW:

DOOSHAN PANJI- THE BLACKBOOK

४९.

१८८/२	चर्मकारिणी	माण्डर	वभनियाम	छादन
तत्त्वचिन्तामणि कारकगंगेश	छादनगंगेशक	नाई	रत्नाकरक- मातृक (अज्ञात)	गंगेश
	वल्लभा	भवाइ	माहेश्वर	
			जीवे	

२१//१० छादनसँ तत्व चिन्तामणि कारक जगद्गुरु गंगेश

छादनसँ तत्व चिन्तामणि कारक

गंगेशक वल्लभा चर्मकारिणी पितृ परोक्षे पञ्च वर्ष व्यतीते तत्व चिन्तामणि कारक गंगेशोत्पत्ति- चर्मकारिणी मेधाक सन्तानक लागिमे छलन्हि

छादन सँ तत्व चिन्तामणि कारक म०म० गंगेश

'तत्व चिन्तामणि कारक म. म. पा. गंगेशक विषयक लेख प्राचीन पञ्जीसँ उपलब्ध ॥

पितृ परोक्षे पंच वर्ष व्यतीते गंगेशोत्पत्ति: इति प्राचीन लेखनीयः कुत्रापि

देवानन्द पञ्जी ३९-२ छादनसँ जगद्गुरु गुरु गंगेश सुताय वभनियामसँ जयादित्य सुत साधुकर पत्नी

देवानन्द पञ्जी ३३९-३ जगद्गुरु गंगेश सुत सुपन दौ भण्डारिसमसँ हरादित्य दौ ॥ पुत्र सुताच गोरा जजिवाल सँ जीवे पत्नी ए सुत सन्दगहि भवेश्वर। अत्रस्थाने सुपनभ्रातृ हरिशर्म दारिति क्वचित् जजिवाल ग्राम

देवानन्द पञ्जी ३०=५ छादनसँ उपायकारक म.म. पा. वर्द्धमान सुताच खण्डवलासँ विश्वनाथ सुत शिवनाथ पत्नी गंगेश- म.म. वर्द्धमान/ सुपन/ हरिशर्म

Gangesh, the author of the *Tattvachintamani*, wrote one text equivalent to 12,000 texts. Now come to the fact mentioned in the Panji- it clearly states that Gangesh of *Tattvachintamani* was born five years after the death of his father and he married a tanner, so why did Ramanath Jha hide this from Dinesh Chandra Bhattacharya? Vardhamana, son of Gangesh, calls Gangesh *sukavikairavakananenduh*. But the conspiracy under which the poems of a famous scholar like Gangesh are not available today is clear from the example given above. Vasudev of Bengal was a classmate of Pakshadhar Mishra of Mithila, he came to study in Mithila, passed the *shalaka* examination and received the title of *sarvabhaum*. Vasudeva memorised the *tattvachintamani* of Gangesh and the *nyayakusumanjali karika* of Udayana. Pakshadhar and other Mithila teachers did not allow writing (copying) *tattvachintamani*. Raghunath

Shiromani, a disciple of Vasudeva, took the right of certification after he defeated his guru Pakshadhar Mishra in a scriptural debate (*shastrartha*). The *Navya Nyaya* school was founded in Navadvipa by Vasudeva-Raghunath. Pakshadhar Mishra was a contemporary of Vidyapati (distinct from the Padavali writer who was of the pre-Jyotirishwar period) who wrote in Sanskrit and Avahatta. And the arrival of Mithila students of Bengal from Bengal stopped after Raghunath Shiromani. Gangesh Upadhyaya enjoyed '*param guru*' as well as '*jagad guru*' titles, the highest titles of the time and as per Panji only Vacaspati Mishra II was the other person who enjoyed the title of '*param guru*'. The extinction of Navya-Nyaya School from Mithila, as described above, was a revenge of nature against the honour killing of Gangesh Upadhyaya and his family.

[Translation of the Maithili Short Story, 'Shabdashastram' (based on the true Panji records of Gangesh Upadhyaya) was done by the author Gajendra Thakur himself: published as 'The Science of Words' Indian Literature Vol. 58, No. 2 (280) (March/April 2014), pp. 78-93 (16 pages) Published By: Sahitya Akademi]

3

Kamlanand Jha has written a book on Nagarjun (Maithili's Yatri) where he credits him with giving a new direction to Maithili literature. Chandradhar Sharma Guleri wrote 'Usne kaha tha', a marvellous short story in Hindi, the best one of its time. But his literary corpora is very little in quantity, so if anyone tried to give him credit for giving direction to Hindi short story writing would make himself a laughing stock. And Yatri's Maithili literary corpora is even thinner than Guleri's. Moreover, Rajkamal Chaudhary calls him of the medieval age (Rajkamal Monograph, Subhash Chandra Yadav, Page no 14). He wrote Chitra (25 poems). He wrote, rather hurriedly published his 'Patrahin Nagn Gachh' (44 poems) for Sahitya Akademi Award in Maithili, which he got in 1968. After that he stopped writing in Maithili, so how can he influence anybody when after getting the award one stops writing in that language? This is one example of his instability so far as his ideology is concerned. He became a Buddhist monk when he left for Sri Lanka and became a Brahmin again when he returned after a 2nd sacred thread ceremony performed in his village. This is

another example of his instability so far as his ideology is concerned. Kamlanand Jha does not know Maithili literature. His comments should be exposed, as he tries to give a bad name to the great tradition of Maithili literature. There were mainstream writers, but there were writers of parallel tradition also (see below Annexures 1 & 2). He has confused the Sanskrit and Avahatt Vidyapati Thakkurah with the Padavali writer pre-Jyotirishwar Vidyapati. He should read the writing of Vijay Kumar Thakur, a leftist historian, who has given ample light on pre-Jyotirishwar Vidyapati. [*My article on Vidyapati in Prabandh Nibandh Samalochna Vol.II (available in Videha Archive) covers all these, the logo of Videha is the photograph of Pre-Jyotirishwar Vidyapati, sketched by Panak Lal Mandal, recipient of Videha Samman for fine arts.*]

Annexure 1

चन्दा झा (१८३१-१९०७), मूलनाम चन्द्रनाथ झा, ग्राम- पिण्डारुछ, दरभंगा। कवीश्वर, कविचन्द्र नामसँ विभूषित। ग्रिएर्सनकेँ मैथिलीक प्रसंगमे मुख्य सहायता केनिहार। कृति- मिथिला भाषा रामायण, गीति-सुधा, महेशवाणी संग्रह, चन्द्र पदावली, लक्ष्मीश्वर विलास, अहिल्याचरित आऽ विद्यापति रचित संस्कृत पुरुष-परीक्षाक गद्य-पद्यमय अनुवाद।

१

न्यायक भवन कचहरी नाम।
सभ अन्याय भरल तेहि ठाम॥
सत्य वचन विरले जन भाष।
सभ मन धनक हरन अभिलाष॥
कपट भरल कत कोटिक कोटि।
ककर न कर मर्यादा छोटि॥
भन कवि 'चन्द्र' कचहरी घूस।
सभ सहमत ककरा के दूस।

२

रतिया दिन दुरगतिया हे भोला!
गैया जगतक मैया हे भोला
कटय कसैया हाथ
हाकिम भेल निरदैया हे भोला
कतय लगायब माथ
बरसा नहि भेल सरसा हे भोला
अरसा कए गेल मेह
रतिया दिन दुरगतिया हे भोला

जन तन जिवन संदेह

मुखिया बड़ बड़ सुखिया हे भोला

अन्नबक दुखिया डोल

के सह कान कनखिया हे भोला

सुखिया बिरना टोल

३

अस्त्र शस्त्र रोक आब मामिलाक मारि।

भाइ भाइकेँ पढ़ैछ नित्य नित्य गारि॥

ठक्क लोक हक्क पाब साधु केँ उजारि।

दैव जे ललाट लेख के सकैछ टारि?

चाही नहि धन, ललितवाम, पकवान जिलेबी,

मनोविनोदक हेतु अमरपति सदन न टेबी।

ई अन्तर अभिलाष हमर करुणामयि देवी

भक्ति भाव सँ सतत अहिक पदपंकज सेवी॥

अन्न महग, डगमग अछि भारत, हयत कोना निस्तारा

उत्तर पश्चिम भूमि अगम्या पर्वत असह तुषारा।

धर्म-विरोधी सहसह करइछ, कुमत कथा विस्तारा

करथु कृपा जगजननी देवी महिसीवाली तारा॥

मिथिला की छलि की भय गेलि,
याज्ञवल्क्य मुनि, जनक नृपतिवर
ज्ञान भक्ति सौं गेलि।

वाचस्पति मिश्रादि जगद्गुरु

निर्जित बौद्ध झमेलि

से शारदा स्वर्ग जनि गेली

बढ़ल कुविद्या केलि।

वर्णाश्रम विधि ककरहु रुचि नहि

श्रुति श्रद्धाकँ ठेलि

पूजा पाठ ध्यान वकमुद्रा

सभटा वंचन खेलि।

कह कविचन्द्र कचहरी भरिदिन

बहुत भोग कर जेलि,

कलह कराय धर्म धन नाशे

कलिक दरिद्रा चेलि।

४

मय केहन भेल घोर हे शिव!

गोधन विपति, धरम अवनति देखि कत हिय करब कठोर॥

साधु समाज राजसँ पीड़ित अति हरषित-चित चोर।
अकुलिन लोकेँ धरणि परिपूरित कुलिन समादर थोड़॥
धरम सुनीति प्रीति ककरहु नहि, खलहिक चलइछ जोर।
कन्द-मूल-फल सेहो अब दुरलभ अन्न गेल देशक ओर॥
किछु शुभ साधन बनि नहि पड़इछ थाकल मन, मति भोर।
कह कवि चन्द्र हमर दुख मेटत होयत कृपा शिव तोर॥

५

सुमरु सुमरु मन! शंकर समय भयंकर जानि।
ककर हृदय नहि कलुषित शासन कलि नृप पानि॥
केवल शिव करुणाकर सेवयित नहि जन हानि॥
भक्ति कल्पलति जानह परम परशमनि खानि॥
कतहु विषयमे न लागह त्यागह अनुचित मानि।
सुखसौँ अन्त विलसबह 'चन्द्र' चूड़ रजधानि॥

ANNEXURE 2

१

फतूरीलालक अकाली कविताअकाली कवित्त /

फतूरीलालक फसली बख १२८१ .ई ७४-१८७३)सनसालक अकाली कविता (

[ग्रियर्सन [(मैथिली क्रेस्टोमैथी एण्ड वोकाबुलेरी)

साल एकासिक वर्णन सुनूचौदिस पड़ल अकाल /
भेल बरिसात खिन्न ऐ सालककहाँ लागि वरनाँ हाल /
रोहिणि आदि थीक बरिसातक /जेहिँ एला तेहिँ गेला
म्रिगिसिरा मन पुरल मनोरथदै झीसा किछु गेला /
अरदड़ा आडम्बर भारीगरजत हैं चहु ओर /
पुख रुख राखल धरती केरभेल बरखा केर ओर /
पुनर्वसु थिक बड़ पुनीताओहो बड़ा कसरेस /
बिआ बिड़ारक जे किछु उपटलधनि बरिसल असरेस /
मघा भेल मंगाहिआ कल्लरजगभरि के नै जान /
पुरबा पूर पछ नै राखलककरा करब बखान /
उत्तरा आइ जाय घर बैसलसपतौं लै नै बून /
हथिआ शृंग मुँड़ दै मूनलतनिकौं लागल घून /
चितरा चित मित नै राखलओहो भेल डाकू धाती /
नाक रंगौलन्हि सभै नछत्तरदोम नुकौलन्हि खाती /
जोतिष पढ़िसाधि भूगोल-साधि /पढ़ि जे जन ऐलाह-
रेखागणित बीजसौं ओआकिफतनि कौं कच्ची बोल /
श्रीराम कृपागति ओहो ने जानथिजाहि कृपा सभ काज /
पानिक प्रश्न कबौं जौं पुछिऐन्हिसेहो कहैत होइन्हि लाज /
जेहिखन नदी नाल नै भरलेतेहिखन रौदी सरती /
बिना जले जग किछु नै उपजलदगध भेल छथि धरती /
ते नर रौदीक आगम बूझलजे छल कृषि किसान /
दैव बेपच्छ पच्छ नै राखलजड़ि कटौलक धान /

कोदो मडुआ एको ने उपजलनै उपजल किछु साम /
गम्भड़ी गद्दरि खेतहि सुखाएलभेल विधाता वाम /
मर्तभुवनमे के कर रच्छाकहाँ जाइ केँ भागि /
सुखल पताल हाल नै ओतहुँलागल आगि सगरहुँ /
धृक जीवन ओइ नृपति इन्द्रकेँजे रोकल गहि पानि /
जीवाजन्-तु विकल पुहमीमेताकेँ हो नै आनि /
रवीने खेढ़ी औ चीन / राय एको नै उपजल-
घरदुरदिन भेल अब बीन / नारी-घर सोच करै नर-
धनिक लोक सभ मनहि मगन छथिराखथि बहुतो ढेरि /
हसोथि रुपैया घर केँ राखथिसेर महगी भेल अब /
केओ कुरथी खेत मासु बेसाहलजाहि कौड़ि छल अपना /
कतेक जना हरिवासर ठानलभात बहुत केँ सपना /
कतेक जना मिलि जनेर बेसाहलनिरधन बैसल तकड़ /
भेल धनन्तिरि दूइ फसिल जगराहड़ि आओर मकड़ /
काल पड़ल तिरहुतिमे भारीतेँ ई बहि गेल हावा /
घरफाँकि मकड़ केर लावा / नारी-घर मगन करै नर-
मालिक और महाजन सभकेँघर ढेरी अन्न-घर /
लोक बुझाओन ओहो तकै छथिमूँह / गरीबक सन
समै देखि बनिआँ सभ सनकलडरें लगौलक टट्टी /
सुन्न दोकान सहरमे परि गेलसुन्न भेल सभ चट्टी /
सूखल गात बात भौ लटपटकतेक बात अब सहना /
नर नारी सभ सान तेआगलबिकरी भेल अब गहना /
मँगटीका खूटी औ तड़कीनकमुन्नी नै नाक /
कटसरि बिछिआ औ झिमझिमिआँबाजूबन्द औ बाक /

चन्द्रहार, हैकल औ सिकड़ीऔर घमौरिक दाना /
सूति, नवग्रह औ पचखँड़ीलशुनी भेल निदाना /
तापर दर्बजात नै बचलेकरम भेल निखट्ट /
तमघैल, अढ़ैआ औ पिकदानीनै तसला औ तटू /
बाटी, बट्टा औ पनबट्टाभोजन करैक थारी /
माधव सीहि सहित सोबरनानै बचले घर झाड़ी /
धन संपति घर किछु नै बचले/ सभटा पड़ि गेल बंधक
तैओ भूख छुटल नै ककरोएहन पेट भेल खंधक /
दैब अंश अबतरल कम्पनीजा पर राम सहाए /
मिथिलापुर बूड़न जब लागयसे सुनि पहुँचल धाए /
खरिद अनाज जहाजहिँ बोझलभरती करि करि बोरा /
सदर तिलंगा ओआ पर भरतीऔर ओलाइति गोरा /
हाजीपुरमे लाख हजारमकै लाखन हइ पटना /
बाजितपुर सुलतानपुर गोलानै जानत हौँ केतना /
गाड़ी, बैल, छकड़, ऊँट बिहारेउबहत हइ सभ दाना /
मिसर कन्हैआ केँ पोखरन मेपहिलुक अड़ी ठेकाना /
श्री लक्ष्मीश्वर सिंह नृपतिमहाराज मिथिलेश /
अचल राज दड़िभंगाश्रीपति हरहिँ कलेश /
गाड़ी बैल लाखन हजारनताकेँ परे घड़ेर /
पहिलुक गोला मधुबन, भौड़ाजफरा और अड़ेर /
बेनीपट्टी, औ पचमहलाकुम्हरौल औ कमतौल /
हरिहरपुर, पिड़ारुछ बरनौँकारज केतेकाँ बरिऔल /
बारि पोखरि, बिरसायर बरनौँपण्डौल को नै जान /
नवहद, सरिसो ओ भटपुरा, ता सौँ दक्षिण उजान

झंझारपुर, महरैल, कन्हौलीमधेपुर हड़ खास /
बेनीपुर, कमान, नरैहिओबरनों फूलपरास /
झमना हड़ जगजानित जगमेमहथा और बछौर /
दुहबी औ महिनाथपुरऔर जैनगर तक हड़ दौर /
बलदेबपुर औ ढंगा बरनोंमिरजापुर लघु हाट /
सीबीपटी औ कपसीआसदर गोला सौराठ /
गुरबाकें परबरसी हाकिमकर तिरहुतमे आके /
नै तो मरते कत नर नारीबाले बचे सुखा के /
कत मुरदा गरदा मै मिलतेअसंख जीव चल जाता /
सर समधी कें संभा ने लम्भननै बचते जलदाता /
सभकें सभ उपछै भै गेलधुर पोखर औ सड़क /
रहि गेल ब्राह्मण सोती पण्डितकायथ पछिमा ठाकुर फरक /
केओ ओरसिअर नाम लिखाओलभेंट केओ मोहर्रिर /
धर्मकार्यमे लुटथि रुपैआतें भेल सभ केर भेंट /
केओ जमानत दैकें बचलाहजिनका अमला नेही /
ककरो मारि केंत पिठि तोड़ैन्हिउतरैन्हि जन्मक ठेही /
ककरहुँ गारत गात सुखाओलबहुतो होअय चलाना /
मातुपिता घर परिजन रोवयबाबू गेलाह जहलखाना /
ककरहुँ घर भेल खानातलासीभेट मोहर्रिर घौँछ /
केओ अदालतिमे डिड़िआइ छथिककरहुँ उपरैन्हि मौँछ /
एतना सुनि हाकिम रिसिआओलतें लागल जन ठीका /
नाक रंगौलन्हि सभै मोहर्रिरलागल चूनक टीका /
जोग, बिकौआ,लौकिक वंशककिरिआमंत सुकूल /
गाछी, बाँस, बैल औ महिसिजगह कैल भकफूल /

ताहि रुपैआ सौँ करा गजररीन लै कोरट सौँ /
तैं कारन बहुतो घर झगड़ाभाइ भतीजा भीन /
आए लाट बहादुर औ /दड़िभंगा धाम
बाबू औ बबुआन सहित मिलिकीन्ह कुमैटी खान /

.....

.....

.....

एह सभ संग बैठि कैजाय कुमैटी भेल /
अजब कार सरकार केतिरहुत पहुँचल रेल /
बाजितपुरसँ सड़क निकालैआये दौड़िह दौड़ी /
हहेया गंडक पुल बन्हाएआए चौरही चौरी /
धर्मधीर, बलबीर, कम्पनी जानत हइ /जगदीशन
लछमी सागर के पोखरिमेताहि कीन्ह इसटीसन /
बड़ा लाट कलकत्तेवालेश्रीदुर्गा होए संग /
आगरा के छोटा लाल बहादुरबैठे सभ एकरंग /
जुटे कमिश्नर और कलट्टरबोलहिं बात नेअंट /
एह पाचो इजलास पर बैठेएह जंट संग जात /
खबरि गए अखबार मौँमैथिल के एह हाल /
सुनहु फिरंगी अवण दैकेंमेटहु दुख के जाल /
हुकुम दीन्ह दोउ लाट कोसुनहु हमारे बैन /
मदति करहु रेआआनकोक्या बैठे हौ चैन /
बड़ा लाट दोउ बीर उठाएसाहेब औ जरनैल /
मेजर मजिस्टर और कलट्टरसंगजात करनैल /
देस देससौँ अन्न मंगाओलदीन्ह सभनि के दाम /

महामूँग, गहुम औ चाउरबजड़ा और बदाम /
डोली, पटना औ भटसारेदीली औ अजमेर /
आगरा और कान्हपुर ढाकाजहाँ अन्न के ढेर /
भए रमाना अन्न तिरहुतिमेलादि गाड़ी और बैल /
गज, तुरंग, गदहा औ छकड़संग सिपाही छैल /
छत्री औ पैठान मोगल सभबाँकाबीर रजपूत /
सोभा बरनि नजात हइजैसे हनुमन्त दूत /
आगे सफर ओ मैनापलटन वीर जमान /
बरछी औ तरुआरि गहैकर गहै तीर कमान /
चढ़ि तुरंग पर करै कवाइतजमादार होए संग /
सोभा बरनि न जात हइदेखि तखनुक रंग /
करत काम सभ धाममेटूट अट सभ लूट /
ढाहि भीड़ गाछी सहितबान्धै सड़क औ पूल /
जिले पटने औ भटसारेप्रगन्ना महिसौर /
तहाँ बसहिँ एक सज्जनतेहि घर जा लक्ष्मी दौड़ /
श्री द्वारिका प्रशादितधर्मधीर बुद्धिमान /
तहसीलदार कोरट के खासाजानहिँ सकल जहान /
बाबु इसरी प्रसाद दियौटीसो मधुबनमे आए /
हुकुम दीन्ह सुपरनडेंटकेँटोले टोले होए जाए /
मन पँचा मनगर भै लिएखैरात बहुतो लिए /
धन्य धन्य अंगरेज बहादुरसभकेँ जूटल गात /
गरिब, गनी, गुरबा, करु जै, जैब्राह्मण देत असीस /
श्री रघुनाथ बढै बदसाहीगदी लाख बरीस /

फतुर लाल कवि बरनत हैंएह रौदी के हाल /
गौरमिंट गौरनल बहादुरतिरहुति राखहिँ बहाल /

२

राधाकृष्ण चौधरी (मिथिलाक इतिहास) (विदेह पेटारमे उपलब्ध)

"१७७० क अकाल मिथिलाक इतिहासमे अद्वितीय छल आ मिथिलाक जनसंख्या घटिकें एक दम्म कम्म भऽ गेल छल। १८७३मे पुनः एकटा ओहने ७४-अकाल मिथिलामे भेल छल जकर विवरण हमरा फतुरी लाल कविक अकाली कवित्तसँ भेटइयै, अकाली कवित्त अप्रकाशित अछि। अकालकेँ दूर करबाक हेतु आ मजूरकेँ रोजी देबाक हेतु ताहि काल रेलगाड़ीक योजना चलाओल गेल जकरा सम्बन्धमे फतुरीलाल लिखैत छथि-

'कम्पनी अजान जान कलनको बनाय शान।

पवन को छकाय मैदानमे धरायो है॥

छोड़त है अड़ादार बड़ा बीच धाय धाय।

सभेलोग हटाजात केताजात खड़ा है॥

तारकी अपारकार खबरि देत वार वार।

चेत गयो टिकसदार रेल की उवाई है॥

करत है अनोर शोर पीछे कत लगत छोर।

जोर की धमाक से मशीन की बड़ाई है॥

कम्पूसन पहरदार कोथी सब अजबदार।

कोइला भर करल कार धूआँसे उड़ायो है॥

बाजा एक बजन लाग हाथी अस।

पिकन लाग जैसा जो चढ़नदार वैसाधर पायो है॥

गंगाकेँ भरल धार उतरि गयो फतूर पार गाड़ीकी।
अजबकार कवित्त यह बनाया है॥ ' "

-Gajendra Thakur, editor, Videha (be part of Videha www.videha.co.in -send your WhatsApp no to +919560960721 so that it can be added to the Videha WhatsApp Broadcast List.)

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

८. विदेह मिथिलाक खोज

विदेह मिथिलाक खोज

वि दे ह विदेह Videha विदेश <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

प्रस्तुत अछि विदेह, मिथिला, तीरभुक्ति आ तिरहुतक नामसँ विख्यात वर्तमान भारत आ नेपालमे पसरल माटिक प्राचीन आ नव स्थापत्य, चित्रांकित अभिलेख आ मूर्तिकलाक एकटा छोट संग्रह। ऐ संग्रहकेँ पूर्ण करबाक हेतु अपन बहुमूल्य संग्रह editorial.staff.videha@gmail.com केँ पठाउ। आकाङ्क्षक सर्वाधिकार रचनाकार, सम्बन्धित फोटोग्राफर आ संग्रहकर्ताक लगमे छन्हि। फोटो सभ पठेबा लेल धन्यवाद पाठकगण। साभार। विशेष विवरण देखबा लेल क्लिक करू, दर्शनीय मिथिला, Brochure 1, Brochure 2, Brochure 3, Brochure 4, Brochure 5 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक), IGNCA ASI (Cultural Heritage of Mithila- search keyword Mithila), Temple Survey Project ASI- English आ Hindi . पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल।



भुवनेश्वरी भगवतीपुर
(Madhubani,
Bihar) बौद्ध तारा सँ
समानता नाकमे
कुण्डल देखू



सूर्य भगवतीपुर
(Madhubani
Bihar)



विष्णु भगवतीपुर
(Madhubani,
Bihar)



दुर्गा, पोखरिसँ भेटल,
ओतहि बहेरी मन्दिर



हरद्वार मन्दिर
घनश्यामपुर



गौरीशंकर, जमथरि, हैँठी बाली, मधु
बनी

(बजारसँ दक्षिण)मे
स्थापित



गौरीशंकर, जमथरि, हैँठी बाली, मधुब
नी

(दरभंगा)- चोरि भऽ
गेल



गौरीशंकर, जमथरि, हैँठी बाली, मधु
बनी



गौरीशंकर, जमथरि, हैँठी बाली, मधु
बनी



गौरीशंकर, जमथरि, हैँठी बाली, मधुब
नी



गौरीशंकर, जमथरि, हैँठी बाली, मधु
बनी



बाइसी-
बसैटी, अररिया मिथिलाक्षर ताम्रले
ख



बाइसी-
बसैटी, अररिया मिथिलाक्षर ताम्रलेख



बाइसी-
बसैटी, अररिया मिथिलाक्षर ताम्रले
ख



बाइसी-
बसैटी, अररिया मिथिलाक्षर ताम्रले
ख



धरहरा, बनमनखी, पूर्णियाँ, नरसिंह अ
वतार



धरहरा, बनमनखी, पूर्णियाँ, नरसिंह
अवतार



पूरणदेवी, पूर्णियाँ



बिदेश्वर स्थान अभिलेख, मधुबनी



अन्धाठाढी अभिलेख, मधुबनी



बुद्ध अष्टधातु, सिसव बसंतपुर, बग
हा



12 शताब्दी, कोइलख, मधुबनी



अग्नि बिदेश्वर स्थान, मधुबनी बुद्ध,
मुंगेर



अहिल्या स्थान



अन्धाठाढी, मधुबनी



अशोक स्तंभ, बसाढ, वैशाली



बुद्ध



अवलोकितेश्वर तारा, भागलपुर



बसाढ, वैशाली



बुद्ध भूमिस्पर्श



बुद्ध, ताम्र



चामुण्डा नाग-
नागिनी, मुंगेर



दरभंगा म्युजियम



10म शताब्दी, भीट भगवानपुर, अन्ध्रा
ठाढी



हरिहर बुद्ध

बुद्ध मस्तक, सुलतानगंज



मुकुटधारी बुद्ध, अंतीचक, भागलपुर



दरभंगा म्युजियम



गणेश बुद्ध



चिड़ैकें खुआबैत महिला, राजमहल

वैशाली मूर्ति



नाचैत गणेश,
10म शताब्दी, दरभंगा



दुर्गा, कार्तिकेय



गौतम बुद्ध, वैशाली



लौरिया नन्दनगढ, अशोक स्तंभ



लोमश सुदामा गुफा



मुंगेर



नागराज तीर्थकर



कुमारिल भट्ट फेकेलाह, नालन्दा



विक्रमशिला विश्वविद्यालय, भागल पुर



ठाढ बुद्ध



पार्वती



रामायण



रामपुरवा वृषभ



रामपुरवा



बुद्धक अवशेष



संकिसा



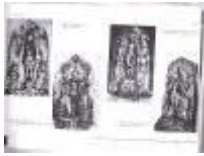
सप्तमातृका



सर्वतो भद्र मण्डल



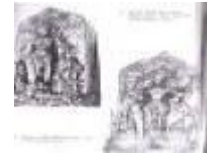
सूर्य



सूर्य



सूर्यक संगी



सूर्य, मधुबनी आ भागलपुर



मूर्ति



मूर्ति



मूर्ति, वैशाली



उमा माहेश्वर, कल्याणसुन्दर



वैशाली वृषभ शीर्ष



वैशाली, शालभजिका भागलपुर



विष्णु बुद्धा



पाँखियुक्त महिला



अहिल्या



अष्टयोगिनी मन्दिर, सहरसा



बनगंगा



दरभंगा



दरभंगा नगर, 1934



दरभंगा मेडिकल कॉलेज



दुल्हदुल्हिन मन्दिर, जनकपुर



गण्डीश्वर



गंगासागर पोखरि, मधुबनी



हनुमान मन्दिर, मधुबनी



हरिहरस्थान



मधुबनी हॉस्पिटल



जनकपुर जानकी मन्दिर



जानकी मन्दिर



जानकी मन्दिर, सीतामढी



जानकी मन्दिर, सीतामढी



जिला स्वास्थ्य कार्यालय राजबिराज, ने पाल



कलनेश्वर बाबा



कपिलेश्वर



कोषलेखाकार्यालय, राजबिराज, नेपाल



मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा



लक्ष्मीश्वर पैलेस,
1934



माध्यमिकविद्यालय , जनकपुर



महेन्द्र चौक, जनकपुर



जनकपुर मंडप



मिथिला,
1988 भूकम्प



पगलाबाबा धर्मशाला, जनकपुर, ने
पाल



पंडौल अहल्या



मधुबनी बस स्टैंड



राज हेड ऑफिस,
1934



राज हॉस्पिटल, दरभंगा,
1934



सौराठ सभा



श्यामा मन्दिर



विद्यापति स्मारक, बिस्फी



अहल्या मन्दिर, अहियारी



बलिराजपुर किला पूर्वी गेट



शिव मन्दिर, 1934



विद्यापति मूर्ति, बिस्फी



बिस्फी, उदना महादेव



अशोक स्तंभ, वैशाली



बलिराजपुर किला मीनार



शिवशंकर सिनेमा, मधुबनी



उग्रतारा, तारास्थान, महिषी, सहरसा



बिस्फी, विश्वेश्वरी भगवती



स्तूप अशोक स्तंभ, वैशाली



चण्डी स्थान, बिराटपुर, सहरसा



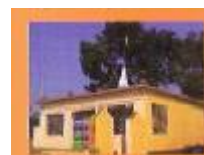
गाँधी पोखरि, ढाका, मोतिहारी



गाँधी विद्यालय, ढाका, मोतिहारी



गिरिजा स्थान, मधुबनी



हरिहर मन्दिर, सोनपुर



जैन मन्दिर, भागलपुर



जैन मन्दिर, वैशाली



कमलादित्य स्थान



कपिलेश्वर शिव मन्दिर



लौरिया नन्दनगढ



मदनेश्वर शिव मन्दिर



मन्दार पर्वत, बाँका



मोतिहारी सत्याग्रह स्मारक



परमेश्वरी मन्दिर, ठाढी, मधुबनी



रामजानकी मन्दिर, सीतामढी



सत्याग्रह स्मारक, सीतामढी



शांति स्तूप, वैशाली



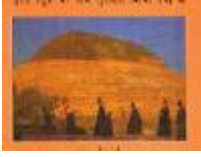
उच्चैठ भगवती



उच्चैठ मन्दिर



सिंघेश्वर स्थान, मधेपुरा



सूर्यधाम, परसा



उग्रतारा मन्दिर, महिषी, सहरसा



वैशाली स्तूप



विक्रमशिला विश्वविद्यालय, भागल पुर



विराटपुर मन्दिर, मधेपुरा



वृषभ शीर्ष, रामपुरवा



सिंह शीर्ष, रामपुरवा



शरभ, नेपाल



पाँखियुक्त देवी, वैशाली



बाबा बडेश्वर, देवना, बनगाँव



वट वृक्ष, बनगाँव



भगवान विष्णु, देवना, बनगाँव



तारास्थान महिषी

शास्त्रार्थ स्थल, तारास्थान महिषी



माता तारा, तारास्थान महिषी

शास्त्रार्थ स्थल, तारास्थान महिषी



उग्रतारा (खादर वाणी तारा) मूर्ति, महिषी



वशिष्ठ मुनि, तारास्थान महिषी



आवर्धित काली उच्चैठ



बौद्धदेवी तारा वारी समस्तीपुर



भगवती देकुली



भगवती गिरिजा फुल्हर



भगवती मृणमूर्ति गन्धबारि



भगवती वारी समस्तीपुर



भुवनेश्वरी कोर्थ



देवीकाली कोर्थ



गंगामूर्ति नगरडीह दरभंगा



काली उच्चैठ



महिषासुरमर्दिनी नाहर-
भगवतीपुर



भैरव, भैरव-बलिया



शिव-
पार्वती मन्दिर, कपिलेश्वरस्थान

गोसाउनि मन्दिर कोर्थ



महिषासुरमर्दिनी बहेरी दरभंगा



उमा म्लेच्छमर्दिनी मिर्जापुर दरभंगा



नटराज, तारालाही



शिव मन्दिर, सिंगिया, विस्पी

हैहट्ट देवी हाबीडीह



महिषासुरमर्दिनी हाबीडीह



यमुना भैरव बलिया मधुबनी



शिव-
पार्वती मन्दिर, कपिलेश्वरस्थान



उमामाहेश्वर, महादेवमठ



उमामाहेश्वर, तिरहुत



विष्णु, भवानीपुर



विष्णु, भीठ भगवानपुर



विष्णु, जयनगर



विष्णु, लदहो



विष्णु, साहो-
पररी, हाबीडीह



शेषशायी विष्णु, सवास, मुजफ्फरपुर



वराह मूर्ति, तिलकेश्वरस्थान



मिथिलाक्षर अभिलेख, विष्णु बुद्ध मूर्ति



भगवती उच्चैठ, बेनीपट्टी



भगवती वाणेश्वरी, भंडारीसम



चामुण्डा मन्दिर, कटरा, मुजफ्फरपुर



अष्टभुज गणेश, हाबीडीह



अष्टभुज गणेश, कोर्थ



गंगा, आन्ध्रा-ठाढ़ी



महिषासुरमर्दिनी, दुर्गा



म्लेच्छमर्दिनी मन्दिर, मिर्जापुर, दरभंगा



नटराज



राममन्दिर, अहिल्यास्थान



सेहनी, वैशाली, विष्णु तिलक-यज्ञोपवीतधारी



रूपनगर शिव मन्दिर



सूर्य, देकुली



सूर्य मूर्ति, डिलाही



सूर्य मूर्ति, विष्णु, बरुआर



उमामाहेश्वर



यमुना, आन्ध्रा-ठाढ़ी



सिमरौनागढ़ मूर्ति



आदि काली, चैनपुर सहरसा

चैनपुर सहरसा- मिथिलाक एकमात्र नीलकंठ मन्दिर, संगमे आदिकालीन भव्य काली-मन्दिर सेहो एहि गाममे अछि। महाशिव रात्रि आ कालीपूजा बड़ धूमधामसँ चैनपुरमे होइत अछि।



कोइलख (मधुबनी) देवीक मन्दिर

त्योथागढ़क स्वामी माध्वानन्द कौलाचार्य काली मन्दिर

त्योथा गढ़ लग। पुरान गढ़। एकर पूबमे ब्रह्मपुराक बाबा हरिहरनाथ महादेव मन्दिर आ दक्षिणमे उच्चैठ भगवती छथि।



अकौर, बेनीपट्टी, भगवती दुर्गा, भगवतीपीठ

त्योथागढ़क दसमुखी काली

त्योथा गढ़ लग। पुरान गढ़। एकर पूबमे ब्रह्मपुराक बाबा हरिहरनाथ महादेव मन्दिर आ दक्षिणमे उच्चैठ भगवती छथि।



अकौर, बेनीपट्टी, भगवती दुर्गा, भगवतीपीठ



१.अष्टभुज गणेश, कोर्थ २.शिव मन्दिर, सिंघिया, बिस्फी



१. बौद्ध देवी तारा, वारी, समस्तीपुर २.उग्रतारा मन्दिर, महिषी, सहरसा



१.भगवती, वारी २.भगवती, देकुली



१. भगवती गिरिजा, फुलहर २.काली, उच्चैठ



१. भैरव, भैरव बलिया २. उमामाहेश्वर, महादेवमठ



१. देवीकाली, कोर्थ २. गुसाउनि स्थल मन्दिर, कोर्थ



१. गणेश, लहेरियासराय २. उमामाहेश्वर
३. नटराज, ४. विष्णु, तिलक, जनउ धारी, सेहान, वैशाली



१. गंगा मूर्ति, नगरडीह, दरभंगा २. भगवती मृणमूर्ति, गन्धवारि



१. हैहट्ट देवी, हाबीडीह २. भुवनेश्वरी, कोर्थ



१. कथित काली, उच्चैठ, २. अष्टभुज गणेश, कोर्थ



१. महिषासुर मर्दिनी, हाबीडीह, २. उमा, म्लेच्छमर्दिनी, मिर्जापुर, दरभंगा



१. महिषासुरमर्दिनी, भगवतीपुर, नाहर, महिषासुर मर्दिनी, बहेरी, दरभंगा



१. म्लेच्छमर्दिनी भगवती, मिर्जापुर, दरभंगा २. राम मन्दिर, अहिल्यास्थान



१. म्लेच्छमर्दिनी भगवती, मिर्जापुर, दरभंगा २. सिंहेश्वर स्थान, मधेपुरा



१. नटराज, तारालाही २. उमामाहेश्वर



१_शेषसायी, सवास, मुजफ्फरपुर, २_नटराज_तारालाही ३_ भगवती ४_ उमा माहेश्वरी



१- शिव पार्वती मन्दिर, कपिलेश्वर स्थान २. सूर्य मूर्ति डिलाही



१_ सूर्यमूर्ति, विष्णु बरुआर २. गंगा, आन्ध्रा ठाढ़ी



१_उच्चैठ भगवती, बेनीपट्टी २_महिषा सुरमर्दिनी, दुर्गा ३_ चामुण्डा मन्दिर, कटरा, मुजफ्फरपुर ४_ भगवती वानेश्वरी, भण्डारिसम



१. वराहमूर्ति, तिलकेश्वरस्थान, २. विष्णु, भवानीपुर



१. विष्णु, जयनगर २. विष्णु, भीठ भगवानपुर



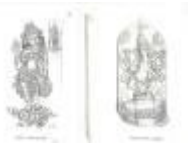
१_विष्णु, लदहो, २.सूर्य, देकुली



१_विष्णु_साहो परड़ी, स्थापित-हाभीडीह २.बुद्ध-विष्णु मूर्ति अभिलेख



१_विष्णु, सेहान, २_वराह ३_गणेश ४.शिव मन्दिर_रूपनगर



१_यमुना, आन्ध्रा ठाढ़ी, २.अष्टभुज गणेश, हाबीडीह



१_यमुना, भैरव बलिया, २_शेषसायी, सवास, मुजफ्फरपुर, ३_नटराज_तारालाही ४_ भगवती ५_ उमा माहेश्वरी



कथित, काली, उच्चैठ, बेनीपट्टी



मूर्ति (मिथिला क्षेत्र)



सम्भवतः सूर्य



वेणुगोपाल, मिथिला



विष्णु, जाले, दरभंगा



विष्णु



विष्णु, ओझौल, दरभंगा

मिथिलाक खोज

ई आलेख हमर दशकसँ ऊपरक मिथिलाक यात्राक उपरान्तक सूत्र-वृत्तान्त अछि आ ऐमे ऐ सभ स्थानक स्थानीय निवासी आ गाइड सभक अकथनीय योगदान छन्हि । कखनो कालतँ भाड़ाक गाड़ीक ड्राइवर लोकनि सेहो नीक गाइड सिद्ध भेला।-गजेन्द्र ठाकुर

"मिथिलायदयश्च मध्यंते रिपवो इति मिथिला नगरी" - मिथिला जतऽ शत्रुकेँ मथल जाइत अछि- पाणिनीक विवरण।

किला आ गढ़

बलिराजपुर किला- मधुबनी जिलाक बाबूबरही प्रखण्डसँ ५ किलोमीटर पूब बलिराजपुर गाम अछि। एकर दक्षिण दिशामे एकटा पुरान किलाक अवशेष अछि। किला चारि किलोमीटर नमगर आ एक किलोमीटर चाकर अछि। दस फीटक मोट देवालसँ ई घेरल अछि।

असुरगढ़ किला- मिथिलाक दोसर किला मधुबनी जिलाक पूब आ उत्तर सीमा पर तिलयुगा धारक कातमे महादेव मठ लग ५० एकड़मे पसरल अछि।

जयनगर किला- मिथिलाक तेसर किला अछि भारत नेपाल सीमा पर प्राचीन जयपुर आ वर्तमान जयनगर लग। दरभंगा लग पंचोभ गामसँ प्राप्त ताम्र अभिलेख पर जयपुर केर वर्णन अछि।

नन्दनगढ़- बेतियासँ १२ मील पश्चिम-उत्तरमे ई किला अछि। तीन पंक्तिमे १५ टा ऊँच डीह अछि।

लौरिया-नन्दनगढ़- नन्दनगढ़सँ उत्तर स्थित अछि, एतऽ अशोक स्तंभ आ बौद्ध स्तूप अछि।

देकुलीगढ़- शिवहर जिलासँ तीन किलोमीटर पूब हाइवे केर कातमे दू टा किलाक अवशेष अछि। चारू दिस खधाइ अछि।

कटरागढ़- मुजफ्फरपुरमे कटरा गाममे विशाल गढ़ अछि, देकुली गढ़ जकाँ चारू कात खधाइ खुनल अछि।

नौलागढ़-बेगूसरायसँ २५ किलोमीटर उत्तर ३५० एकड़मे पसरल ई गढ़ अछि।

जयमंगलगढ़- बेगूसरायमे बरियारपुर थानामे काबर झीलक मध्य एकटा ऊँच डीह अछि। एतऽ ई गढ़ अछि। नाओकोठी (मझौल) गाम लग ई गढ़ अछि।

मंगलगढ़- समस्तीपुर जिलामे हसनपुर ब्लॉकमे दुधपुरा बजार लग देओढ गाम लग। भगवान बुद्धक उपदेश एतऽ भेल, स्थानीय राजा मंगलदेवक आग्रहपर बुद्ध किछु दिन एतऽ निवास सेहो केलन्हि।

अलौलीगढ़- खगड़ियासँ १५ किलोमीटर उत्तर अलौली गाम लग १०० एकड़मे पसरल ई गढ़ अछि।

कीचकगढ़- पूर्णिया जिलामे डेंगरघाटसँ १० किलोमीटर उत्तर महानन्दा नदीक पूबमे ई गढ़ अछि।

बेनूगढ़- टेढ़गाछ थानामे कवल धारक कातमे ई गढ़ अछि।

वरिजनगढ़- बहादुरगंजसँ छह किलोमीटर दक्षिणमे लोनसवरी धारक कातमे ई गढ़ अछि।

नेऊरी- दरभंगाक बिरौल प्रखण्डसँ १३ किलोमीटर पश्चिममे एकटा गढ़ अछि जे लोरिकक मानल जाइत अछि।

बुद्ध

कुन्दग्राम- हाजीपुरसँ बत्तीस किलोमीटर उत्तर-पूर्वमे बसाढ़-वैशाली आ लगमे वासोकुण्ड लग गाम गढ़-टीलासँ २ कि.मी. उत्तर-पूर्व अछि कुन्दग्राम , जतऽ जैनक २४म तीर्थंकर महावीरक जन्म भेल छलन्हि। एतऽ बुद्धक छाउर, अभिषेक पुषकरणी (राजा अभिषेकसँ पूर्व एतऽ नहाइत रहथि), अशोक स्तम्भ आ संसद-भवन (राजा विशालक गढ़) अछि।

पजेबागढ़ वनही टोल- एतऽ एकटा बुद्ध मूर्ति भेटल छल, मुदा ओकर आब कोनो पता नै अछि। ई स्थल सेहो रखबारी गामक लगे अछि।

मंगलगढ़- समस्तीपुर जिलामे हसनपुर ब्लॉकमे दुधपुरा बजार लग देओढ गाम लग। भगवान बुद्धक उपदेश एतऽ भेल, स्थानीय राजा मंगलदेवक आग्रहपर बुद्ध किछु दिन एतऽ निवास सेहो केलन्हि।

मुसहरनियां डीह- अंधरा ठाढ़ीसँ ३ किलोमीटर पश्चिम पस्टन गाम लग एकटा ऊँच डीह अछि। बुद्धकालीन एकजनियाँ कोठली, बौद्धकालीन मूर्ति, पाइ, बर्तनक टुकड़ी आ पजेबाक अवशेष एतऽ अछि।

अकौर- मधुबनीसँ २० किलोमीटर पश्चिम आ उत्तरमे अकौर गाममे एकटा ऊँच डीह अछि, जतऽ बौद्धकालक मूर्ति अछि।

लौरिया-नन्दनगढ़- नन्दनगढ़सँ उत्तर स्थित अछि, एतऽ अशोक स्तंभ आ बौद्ध स्तूप अछि।

विक्रमशिला- भागलपुरमे स्थित प्राचीन विश्वविद्यालय। भागलपुर जिलाक अंतीचक गाममे राजा धर्मपालक बनाओल बुद्ध विश्वविद्यालय अछि। १०८ व्याख्याता लेल रहबाक स्थान आ बाहरसँ पढ़य बला लेल सेहो स्थान एतऽ निर्मित अछि।

चम्पानगर- भागलपुरक पश्चिममे, आब नगरसँ सटि गेल अछि। ई जैन लोकनिक एकटा पवित्रस्थल अछि, एतऽ महावीर तीनटा बस्सावास केने रहथि। दू टा जैन मन्दिर एतऽ अछि, जे जैनक बारहम तीर्थंकर वासुपूज्य नाथकेँ समर्पित अछि। महावीर विदेहमे छह टा बस्सावास बितेलन्हि। बर्खा ऋतुमे चारि मास एक ठाम निवासकेँ बस्सावास कहल जाइ छल। बुद्ध एकोटा बस्सावास विदेहमे नै बितेलन्हि, मुदा वैशाली नगरीमे आम्रपालीक उद्यानमे लिच्छवीगणकेँ सन्देश देने छला। आम्रपालीसँ भिक्षा ग्रहण कऽ बुद्ध गेला वेणुमती करय चारि मासक बस्सावास।

अभिलेख

गौरी-शंकर स्थान, मधुबनी जिलाक जमथरि गाम आ हैठी बाली गामक बीच ई स्थान गौरी आ शङ्करक सम्मिलित मूर्ति आ ऐपर मिथिलाक्षरमे लिखल पालवंशीय अभिलेख। बिदेश्वरस्थानसँ २-३ किलोमीटर उत्तर दिशामे ई स्थान अछि।

भीठ-भगवानपुर अभिलेख- राजा नान्यदेवक पुत्र मल्लदेवसँ संबंधित अभिलेख एतऽ अछि। मधुबनी जिलाक मधेपुर थानामे ई स्थल अछि।

भगीरथपुर- पण्डौल लग भगीरथपुर गाममे अभिलेख अछि जइसँ ओइनवार वंशक अंतिम दुनू शासक रामभद्रदेव आ लक्ष्मीनाथक प्रशासनक विषयमे सूचना भेटैत अछि।

मंदार पर्वत- बांका स्थित स्थलमे मिथिलाक्षरक गुप्तवंशीय ७म् शताब्दीक अभिलेख अछि। समुद्र मंथनक हेतु मंदारक प्रयोग भेल छल। निकटमे बौंसीमे जैनक बारहम तीर्थंकर वासुपूज्य नाथक दूटा मूर्ति अछि, पैघ मूर्ति लाल पाथरक अछि तँ दोसर काँसाक जकर सोझाँ दूटा पदचिन्ह अछि। जैनक बारहम तीर्थंकर वासुपूज्य नाथक जन्म चम्पानगरमे आ निर्वाण एतै भेल छलन्हि।

बिदेश्वर- मधुबनी जिलामे लोहनारोड स्टेशन लग स्थित शिवधामक स्थापना महाराज माधवसिंह केलन्हि। तइ युगक मिथिलाक्षरक अभिलेख सेहो एतऽ अछि।

बसैटी (बाइसी-बसैटी), अररिया अभिलेख - पूणियाँमे श्रीनगर लग मिथिलाक्षरक ई अभिलेख मिथिलाक पहिल महिला शासक रानी इद्रावतीक राज्यकालक वर्णन करैत अछि। रानी इन्द्रावती (१७८४-१८०२) जे अकालक समय फूड-फॉर-वर्क आ अन्य कल्याणकारी कार्यक प्रारम्भ केने रहथि।

जयनगर किला- मिथिलाक तेसर किला अछि भारत नेपाल सीमा पर प्राचीन जयपुर आ वर्तमान जयनगर लग। दरभंगा लग पंचोभ गामसँ प्राप्त ताम्र अभिलेख पर जयपुर केर वर्णन अछि।

विष्णु

हुलासपट्टी- मधुबनी जिलाक फुलपरास थानाक जागेश्वर स्थान लग हुलासपट्टी गाम अछि। कारी पाथरक विष्णु भगवानक मूर्ति एतऽ अछि।

पिपराही- लौकहा थानाक पिपराही गाममे विष्णुक मूर्तिक चारू हाथ भग्न भऽ गेल अछि।

मधुबन- पिपराहीसँ १० किलोमीटर उत्तर नेपालक मधुबन गाममे चतुर्भुज विष्णुक मूर्ति अछि।

कमलादित्य स्थान- अंधरा ठाढ़ी लगमे कमलादित्य स्थानक विष्णु मंदिर कर्णाट राजा नान्यदेवक मंत्री श्रीधर दास द्वारा स्थापित भेल।

झंझारपुर अनुमण्डलक रखबारी गाममे वृक्षक नीचाँ राखल विष्णु मूर्ति, गांधारशैली मे बनाओल गेल अछि।

मटिहानी- विष्णु मन्दिर

जनकपुर- बृहद् विष्णुपुराणमे मिथिलामाहात्म्यमे जनकपुर क्षेत्रक वर्णन अछि। सत्रहम शताब्दीमे संत सूर किशोरकेँ अयोध्यामे सरयू धारमे राम आ जानकीक दू टा भव्य मूर्ति भेटलन्हि, जकरा ओ जानकी मन्दिर, जनकपुरमे स्थापित कऽ देलन्हि। वर्तमान मन्दिरक स्थापना टीकमगढ़क महारानी द्वारा १९११ ई. मे भेल। नगरक चारूकात यमुनी, गेरुखा आ दुग्धवती धार अछि। राम नवमी (चैत्र शुक्ल नवमी), जानकी नवमी (वैशाख शुक्ल नवमी) आ विवाह पंचमी (अगहन शुक्ल पंचमी) पर एतऽ मेला लगैए।

अंधरा-ठाढ़ीक स्थानीय वाचस्पति संग्रहालय- गौड़ गामक यक्षिणीक भव्य मूर्ति एतऽ राखल अछि।

गौतम तीर्थ- कमतौल स्टेशनसँ ६ किलोमीटर पश्चिम ब्रह्मपुर गाम लग एकटा गौतम कुण्ड पुष्करणी अछि।

मुंगेरक पूब 'सीता-कुण्ड'गर्म कुण्ड अछि, सीता जी एतै पृथ्वीमे समाहित भेल छली। ठंढा जलक कुण्ड 'रामकुण्ड', लक्ष्मण कुण्ड, भरत कुण्ड, आ शत्रुघ्न कुण्ड सेहो अछि, भैयारीमे बड्ड मिलान। से मिलान बाबू गढ़ नारिकेलमे सेहो छै, बेसी पढ़ल लिखल गाममे से आब कहाँ?

हलावर्त- जनकपुरसँ ३५ किलोमीटर दक्षिण पश्चिममे सीतामढ़ी नगरमे हलवेश्वर शिव मन्दिर आ जानकी मन्दिर अछि। एतसँ डेढ़ किलोमीटर पर पुण्डरीक क्षेत्रमे सीताकुण्ड अछि। हलावर्तमे जनक द्वार हर चलेबा काल सीता भेटलि छली। राम नवमी (चैत्र शुक्ल नवमी) आ जानकी नवमी (वैशाख शुक्ल नवमी) पर एतऽ मेला लगैए।

फुलहर-मधुबनी जिलाक हरलाखी थानामे फुलहर गाममे जनकक पुष्पवाटिका छल जतऽ सीता फूल लोढ़ै छली।

धनुषा- जनकपुरसँ १५ किलोमीटर उत्तर धनुषा स्थानमे पीपरक गाछक नीचाँ एकटा धनुषाकार खण्ड पड़ल अछि। रामक तोड़ल ई धनुष अछि। ऐसँ पूब वाणगंगा धार बहैए जे लक्ष्मण द्वारा वाणसँ उद्धाटित भेल छल।

सुग्गा- जनकपुर लग जलेश्वर शिवधामक समीप सुग्गा ग्राममे शुकदेवजीक आश्रम अछि। शुकदेवजी जनकसँ शिक्षा लेबाक हेतु मिथिला ऐल छला- ऐ ठाम हुनका ठहरेबाक व्यवस्था भेल छल।

सिंहेश्वर- मधेपुरासँ ५ किलोमीटरपर गौरीपुर गाम लग सिंहेश्वर शिवधाम अछि।

कपिलेश्वर- कपिल मुनि द्वार स्थापित महादेव मधुबनीसँ ६ किलोमीटर पश्चिममे अछि।

कुशेश्वर- समस्तीपुरसँ उत्तर-पूब, लहेरियासरायसँ ६० किलोमीटर दक्षिण-पूब आ सहरसासँ २५ किलोमीटर पश्चिम ई एकटा प्रसिद्ध शिवस्थान अछि। एतऽ चिड़ै-

अभ्यारण्य सेहो अछि जतऽ उज्जर आ कारी गैबर, लालसर, दिघौछ, मैल, नकटा, गैरी, गगन, सिल्ली, अधानी, हरिअल, चाहा, करन, रतबा चिड़ै सभ नवम्बरसँ मार्च धरि देखबामे अबैए।

सिमरदह- थलवारा स्टेशन लग शिवसिंह द्वारा बसाओल शिवसिंहपुर गाम लग ई शिवमन्दिर अछि।

सोमनाथ- मधुबनी जिलाक सौराठ गाममे सभागाछी लग सोमदेव महादेव छथि।

मदनेश्वर- मधुबनी जिलाक अंधरा ठाढ़ीसँ ४ किलोमीटर पूब मदनेश्वर शिव स्थान अछि।

चण्डेश्वर- झंझारपुरमे हरड़ी गाम लग चण्डेश्वर ठाकुर द्वारा स्थापित चण्डेश्वर शिवस्थान अछि।

शिलानाथ- जयनगर लग कमला धारक कातमे शिलानाथ महादेव छथि।

उग्रनाथ- मधुबनीसँ दक्षिण पण्डौल स्टेशन लग भवानीपुर गाममे उगना महादेवक शिवलिंग अछि। विद्यापतिकेँ प्यास लगलन्हि तँ उगनारूपी महादेव जटासँ गंगाजल निकालि जल पियेलखिन्ह। विद्यापतिक हठ केलापर ऐ स्थान पर उगना हुनका अपन असल शिवरूपक दर्शन देलखिन्ह।

उच्चैठ छिन्नमस्तिका भगवती- कमतौल स्टेशनसँ १६ किलोमीटर पूर्वोत्तर उच्चैठमे कालिदास भगवतीक पूजा करैत छला। भगवतीक मौलिक मूर्ति मस्तक विहीन अछि।

उग्रतारा- मण्डन मिश्रक जन्मभूमि महिषीमे मण्डनक गोसाउनि उग्रतारा छथि।

भद्रकालिका- मधुबनी जिलाक कोइलख गाममे भद्रकालिका मंदिर अछि।

चामुण्डा- मुजफ्फरपुर जिलामे कटरागढ़ लग लक्ष्मणा वा लखनदेइ धार लग दुर्गा द्वारा चण्ड-मुण्डक वध कएल गेल। ओइ स्थानपर ई मन्दिर अछि।

परसा सूर्य मन्दिर- झंझारपुरमे सग्रामसँ पाँच किलोमीटर पूर्व परसा गाममे साढ़े चारि फीटक भव्य सूर्य मूर्ति भेटल अछि।

चैनपुर सहरसा- मिथिलाक एकमात्र नीलकंठ मन्दिर, संगमे आदिकालीन भव्य काली-मन्दिर सेहो ऐ गाममे अछि। महाशिवरात्रि आ कालीपूजा बड़ धूमधामसँ चैनपुरमे होइत अछि।

धरहरा, बनमनखी, पूर्णियाँमे नरसिंह अवतारक स्थान अछि, एकटा खोह जकाँ पैघ पाया अछि जइमे जे किछु फेकबै तँ बड़ी काल धरि गों-गों अबाज होइत रहत। ई स्थान आब नरसिंह भगवानक मूर्ति आ मन्दिरक कारणसँ बेस विकसित भऽ गेल अछि। एतै नरसिंह पाया फाड़ि अवतरित भेल छला।

बिसफी- मधुबनी जिलाक बेनीपट्टी थानामे कमतौल रेलवे स्टेशनसँ ६ किलोमीटर पूब आ कपिलेश्वर स्थानसँ ४ किलोमीटर पश्चिम बिसफी गाम अछि। ज्योतिरीश्वर पूर्व महाकवि विद्यापतिक जन्म-स्थान ई गाम अछि।

मिथिलाक बीस टा सिद्ध पीठ- १.गिरिजास्थान (फुलहर, मधुबनी), २.दुर्गास्थान (उचैठ, मधुबनी), ३.रहेश्वरी (दोखर, मधुबनी), ४.भुवनेश्वरीस्थान (भगवतीपुर, मधुबनी), ५. भद्रकालिका (कोइलख, मधुबनी), ६.चमुण्डा स्थान (पचाही, मधुबनी), ७.सोनामाइ (जनकपुर, नेपाल), ८.योगनिद्रा (जनकपुर, नेपाल), ९.कालिका स्थान (जनकपुर स्थान), १०.राजेश्वरी देवी (जनकपुर, नेपाल), ११.छिनमस्ता देवी (उजान, मधुबनी), १२.बनदुर्गा (खररख, मधुबनी), १३.सिधेश्वरी देवी (सरिसव, मधुबनी), १४.देवी-स्थान (अंधरा ठाढ़ी, मधुबनी), १५.कंकाली देवी (भारत नेपाल सीमा आ रामबाग प्लेस, दरभंगा), १६.उग्रतारा

(महिषी, सहरसा), १७.कात्यानी देवी (बदलाघाट, सहरसा), १८.पुरन देवी(पूर्णियाँ), १९.काली स्थान (दरभंगा), २०.जैमंगलास्थान(मुंगेर), ५२. जनकपुर परिक्रमाक १५ स्थल आ ओतुक्का मुख्य देवता १. हनुमाननगर- हनुमानजी, २.कल्याणेश्वर- शिवलिंग, ३.गिरिजा-स्थान- शक्ति, ४.मटिहानी- विष्णु मन्दिर, ५.जालेश्वर- शिवलिंग, ६.मनाई- माण्डव ऋषि, ७. श्रुव कुण्ड- ध्रुव मन्दिर, ८.कंचन वन- कोनो मन्दिर नै मात्र मनोरम दृश्य, ९.पर्वत- पाँच टा पर्वत, १०.धनुषा- शिव धनुषक टुकड़ी, ११.सतोखड़ी- सप्तर्षिक सात टा कुण्ड, १२.हरुषाहा- विमलागंगा, १३. करुणा- कोनो मन्दिर नै मात्र मनोरम दृश्य, १४. बिसौल- विश्वामित्र मन्दिर आ १५.जनकपुर।

दरभंगा कैथोलिक चर्च- १८९१मे स्थापित ई चर्च १८९७ केर भूकम्पमे क्षतिग्रस्त भऽ गेल। एकरा होली रोजेरी चर्च सेहो कहल जाइए। सेंट फांसिस ऑसिसी चर्च मुजफ्फरपुरमे अछि।

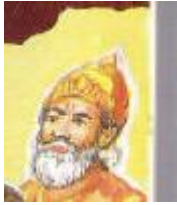
भिखा सलामी मजार- गंगासागर पोखरि दरभंगाक महारपर ई मजार अछि। मकदूम बाबाक मजार:ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय आ कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय दरभंगाक बीच स्थित ई मजार हिन्दू आ मुस्लिम मतावलम्बीक एकटा पावन स्थान अछि। दरभंगा टावर मस्जिद इस्लाम मतावलम्बीक एकटा भव्य मस्जिद आ धार्मिक स्थल अछि।

९.विदेह मिथिला रत्न

विदेह मिथिला रत्न

वि दे ह विदेह Videha विदेश <http://www.vidaha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

भारत आ नेपालक माटिमे पसरल मिथिलाक धरती प्राचीन कालेसँ महान पुरुष ओ महिला लोकनिक कर्मभूमि रहल अछि। प्रस्तुत अछि मिथिला रत्नक एकटा छोट संग्रह। ऐ संग्रहकेँ पूर्ण करबाक हेतु अपन बहुमूल्य संग्रहकेँ editorial.staff.vidaha@gmail.com केँ पठाउ। आकाङ्क्षक सर्वाधिकार रचनाकार, सम्बन्धित फोटोग्राफर आ संग्रहकर्ताक लगमे छन्हि। फोटो सभ पठेबा लेल धन्यवाद पाठकगण। साभार। पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल। विशेष विवरण देखबा लेल क्लिक करू [VIDEHA 346](#), [VIDEHA 347](#), [VIDEHA 366](#), [VIDEHA 374](#) आ [मिथिला रत्न](#) आ [मिथिलाक संगीत \(कथा\)](#) [मिथिलाक पाबनि तिहार](#) / [मिथिला चित्रकला](#) / ।



वैदिक जनक

'वैदेह राजा' ऋग्वेदिक कालक नमी सप्याक नामसँ छलाह, यज्ञ करैत सदेह स्वर्ग गेलाह, ऋग्वेदमे वर्णन अछि। ओ इन्द्रक संग देलन्हि असुर नमुचीक विरुद्ध आ ताहिमे इन्द्र हुनका बचओलन्हि। शतपथ ब्राह्मणक विदेघमाथव आ पुराणक निमि दुनू गोटेक पुरोहित गौतम छथि से दुनू एके छथि आ एतएसँ विदेह राज्यक प्रारम्भ। माथवक पुरहित गौतम मित्रविन्द यज्ञक/ बलिक प्रारम्भ कएलन्हि आ पुनः एकर पुनःस्थापना भेल महाजनक-२ क समयमे याज्ञवल्क्य द्वारा। निमि गौतमक आश्रमक लग जयन्त आ मिथि -जिनका मिथिला नामसँ सेहो सोर कएल जाइत छन्हि, [मिथिला](#) नगरक निर्माण



वाल्मीकि



सीतापति राम

कएलन्हि। निमीक जयन्तपुर वर्तमान जनकपुरमे छल, मिथीक मिथिलानगरीक स्थान एखन धरि निर्धारित नहि भए सकल अछि, अनुमानित अछि जनकपुरक लग । ❖सीरध्वज जनक❖ सीताक पिता छथि आ एतयसँ मिथिलाक राजाक सुदृढ़ परम्परा देखबामे अबैत अछि। ❖कृति जनक❖ सीरध्वजक बादक 18म पुस्तमे भेल छलाह। कृति हिरण्याभक पुत्र छलाह आ जनक बहुलाश्वक पुत्र छलाह। याज्ञवल्क्य हिरण्याभक शिष्य छलाह, हुनकासँ योगक शिक्षा लेने छलाह। कराल जनक द्वारा एकटा ब्राह्मण युवतीक शील-अपहरणक प्रयास भेल आ जनक राजवंश समाप्त भए गेल (संदर्भ अश्वघोष-बुद्धचरित आ कौटिल्य-अर्थशास्त्र)।



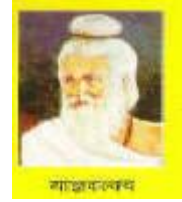
लव कुश



विदेघ माथव

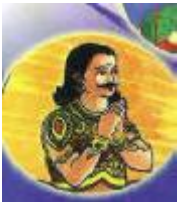
शतपथ ब्राह्मणक विदेघ माथवक विदेह आगमन, आगिक सदानीरासँ आगाँ नहि बढ़बाक चर्चा।

शतपथ ब्राह्मणक विदेघमाथव आ पुराणक निमि दुनू गोटेक पुरोहित गौतम छथि से दुनू एके छथि आ एतएसँ विदेह राज्यक प्रारम्भ।



वाजसनेयी याज्ञवल्क्य

याज्ञवल्क्य मिथिलाक दार्शनिक राजा कृति जनकक दरबारमे छलाह। हुनकर माताक वा पिताक नाम सम्भवतः वाजसनी छलन्हि। ओना हुनकर पिता देवरातकेँ मानल जाइत छन्हि। याज्ञवल्क्य १. शुक्ल यजुरवेद, २. शतपथ ब्राह्मण, ३. बृहदारण्यक उपनिषद आ ४. याज्ञवल्क्य स्मृतिक दृष्टा/लेखक छथि।



अंगराज कर्ण



वैशेषिक दर्शन कणाद

वैशेषिक दर्शन कणाद



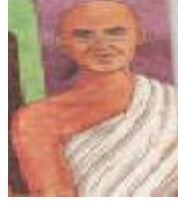
महावीर जैन 599-527

महावीर विदेहमे छह टा बस्सावास बितेलन्हि।



गौतम बुद्ध BC 563-483

ओना तँ महावीर विदेहमे छह टा बस्सावास बितेलन्हि मुदा बुद्ध एकोटा नै मुदा मिथिलामे बौद्ध धर्मक प्रभाव पछाति बढ़ल। बुद्ध वैशाली नगरीमे आप्रपालीक उद्यानमे लिच्छवीगणकें सन्देश देने छलाह।



चाणक्य BC 350-283

धर्म आ विधिक क्षेत्रमे कौटिल्यक अर्थशास्त्र आ याज्ञवल्क्य स्मृतिमे बड्ड समानता अछि जे चाणक्यक मिथिलावासी होयबाक प्रमाण अछि।

अर्थशास्त्रमे(१.६ विनयाधिकारिके प्रथमाधिकरणे षडोऽध्यायः इन्द्रियजये अरिषड्वर्गत्यागः) कराल जनकक पतनक सेहो चर्चा अछि।

तद्विरुद्धवृत्तिरवश्येन्द्रियश्चातुरन्तोऽपि राजा सद्यो विनश्यति- यथा दाण्डक्यो नाम भोजः कामाद् ब्राह्मण कन्यायमभिमन्यमानः सबन्धराष्ट्री विननाश करालश्च वैदेहः,....।



चन्द्रगुप्त मौर्य चाणक्यक शिष्य BC 340-293

चाणक्यक शिष्य



आर्यभट्ट वैज्ञानिक 476-550

पञ्जीमे आर्यभट्टक विवरण- (२७) (३४/०८) महिपतियः मंगरीनी माण्डेर से पीताम्ब र सुत दामू दौ माण्ड्र सै वीजी त्रिनयनभट्टः ए सुतो **आर्यभट्टः** ए सुतो उदयभट्टः ए सुतो विजयभट्ट ए सुतो सुलोचनभट्ट (सुनयनभट्ट) ए सुतो भट्ट ए सुतो धर्मजटीमिश्र ए सुतो धाराजटी मिश्र ए सुतोब्रह्मजरी मिश्र ए सुतो त्रिपुरजटी मिश्र ए सुत विद्युजटी मिश्र ए सुतो अजयसिंहः ए सुतो विजयसिंहः ए सुतो ए सुतो आदिवराहः ए सुतो महोवराहः ए सुतो



सिद्ध सरहपाद 700-780

सरहपाद-**सिद्धिरत्थु मइ पढमे पढ़िअउ ,मण्ड पिबन्तो विसरउ एमइउ**।मिथिलामे अक्षरारम्भ सिद्धिरस्तु जकर पूर्वमे सिद्धिरस्तु, गणेशजीक अंकुश आँजी, लिखल जाइत अछि। मिथिलामे ई धारणा जे माँड पिलार्स स्मरण शक्ति क्षीण होइत अछि; ई सरहपादक मिथिलावासी होएबाक प्रमाण अछि।



आदि शंकराचार्य 788-820 मंडन मिश्रसँ शास्त्रार्थ

दुर्योधन सिंह: ए सुतो सोढर
जयसिंहकाचार्यास्त्रस महास्त्र विद्या
पारङ्गत महामहोपाध्याय य: नरसिंह:।।



म.म.गोनू झा 1050-
1150

करमहे सोनकरियाम गोनू झाक
वर्णन पञ्जीमे
अछि- महामहोपाध्याय धूर्तराज
गोनू। पञ्जीक अनुसार पीढ़ीक
गणना कएलासँ गोनूक
जन्म (गोनूक सोनकरियाम करमहे-
वत्समे २४म पीढ़ी चलि रहल
अछि) आर्यभट्टक बाद (आर्यभट्टक
माण्डर-काश्यपमे ३९ म पीढ़ी चलि
रहल अछि) आ विद्यापतिक
पहिने (विद्यापतिक विषएवार
बिस्फी-काश्यपमे १४म पीढ़ी चलि
रहल अछि) लगभग १०५० ई.मे
सिद्ध होइत अछि। कारण एहि तरहेँ
एक पीढ़ीकेँ ४० सँ गुणा केला सँ
आर्यभट्टक जन्म लगभग ४७६ ई.
आ विद्यापतिक जन्म लगभग १३५०
ई. अबैत अछि जे इतिहाससम्मत
अछि।



छेछन महराज

मिथिलाक डोम जातिक लोकदेवता



कृष्णाराम आ हाथी सुबरन

मिथिलाक यादव (गुआर) जातिक
लोकदेवता कृष्णाराम अपन हाथी
सुबरनपर सवार।



दीना- भदरी

मिथिलाक मुसहर जातिक
लोकदेवता



वंशीधर ब्राह्मण



ज्योति पँजियार



राजा सलहेस

मिथिलाक दूधवंशी (दुसाध) जातिक लोकदेवता



दुलरा दयाल

गोनू झाक गाम भरौड़ाक राजकुमार,
"बहुरा गोढिन नदुआ दयाल"
लोककथाक मलाह कथानायक।
भरौड़ामे एखनो हिनकर गहबर छन्हि।



कालिदास



बोधि कायस्थ

विद्यापतिक पुरुष-परीक्षामे
मृत्युकालमे गंगा नदीक आयब आ
बोधि-कायस्थके अपनामे समेबाक
खिसा वर्णित अछि जे बादमे
विद्यापतिके लऽ कऽ सेहो प्रचलित
भेल।



राधाकृष्ण आ करताराम मल्लिक

मिथिलाक अमता घरेनक प्रारम्भिक गबैय्या



महाराज नान्यदेव

मिथिलाक कर्णाट
वंशक 1097 ई. मे
स्थापना। 1147 ई. मे मृत्यु।



मल्लदेव

मिथिलाक कर्णाट वंशक संस्थापक
नान्यदेवक पुत्र। मिथिलाक
गंधवरिया राजपूत मल्लदेवके अपन
बीजीपुरुष मानैत छथि।



महाराज हरसिंहदेव

मिथिलाक कर्णाट वंशक।
ज्योतिरीश्वर ठाकुरक वर्ण-रत्नाकरमे
हरसिंहदेव नायक आकि राजा
छलाह। 1294 ई. मे जन्म
आ 1307 ई. मे राजसिंहासन।
धियासुद्धीन तुगलकसँ 1324-
25 ई. मे हारिक बाद नेपाल
पलायन। मिथिलाक पञ्जी-प्रबन्धक
ब्राह्मण, कायस्थ आ क्षत्रिय मध्य
आधिकारिक स्थापक, मैथिल
ब्राह्मणक हेतु गुणाकर झा, कर्ण
कायस्थक लेल शंकरदत्त, आ
क्षत्रियक हेतु विजयदत्त एहि हेतु



मंत्री गणेश्वर

मिथिलाक कर्णाट वंशक नरेश
हरसिंहदेवक मंत्री। *सुगतिसोपान*मे
मिथिलाक सांवेधानिक इतिहासक
वर्णन।

प्रथमतया नियुक्त भेलाह।
हरसिंहदेवक प्रेरणासँ- आ ई
हरसिंहदेव नान्यदेवक वंशज
छलाह, जे नान्यदेव कार्णाट वंशक
१००९ शाकेमे स्थापना केने रहथि-
नन्दैद शुन्यं शशि शाक वर्षे (१०१९
शाके)... मिथिलाक पण्डित लोकनि
शाके १२४८ तदनुसार १३२६ ई. मे
पञ्जी-प्रबन्धक वर्तमान स्वरूपक
प्रारम्भक निर्णय कएलन्हि। पुनः
वर्तमान स्वरूपमे थोडे बुद्धि विलासी
लोकनि मिथिलेश महाराज माधव
सिंहसँ १७६० ई. मे आदेश करबाए
पञ्जीकारसँ शाखा पुस्तकक
प्रणयन करबओलन्हि। ओकर बाद
पौजिमे (कखनो काल वर्णित १६००
शाके माने १६७८ ई. वास्तवमे माधव
सिंहक बादमे १८०० ई.क
आसपास) श्रोत्रिय नामक एकटा
नव ब्राह्मण उपजातिक मिथिलामे
उत्पत्ति भेल।



मीरां साहेब

मिथिलाक मुस्लिम लोकनिक बीच
प्रसिद्ध लोकगाथाक नायक।



अमर बाबा

मिथिलाक मलाह जातिक
लोकदेवता।



गरीबन बाबा

मिथिलाक धोबि जातिक
लोकदेवता।



लालबन बाबा

मिथिलाक चर्मकार जातिक
लोकदेवता।



बंठा चमार



कारिख पजियार



लोरिक



शंकर मिश्र

"बालोऽहं जगदानन्द न मे बाला सरस्वती। अपूर्णे पंचमे वर्षे वर्णयामि जगत्त्रयम् ॥" क वक्ता। पन्द्रहम शताब्दीमे भवनाथ मिश्रक घरमे मधुबनी जिलाक सरिसव ग्राममे शंकर मिश्रक जन्म भेल। शंकर मिश्र महाराज भैरव सिंहक कनिष्ठ पुत्र राजा पुरुषोत्तमदेवक आश्रित छलाह। एकर वर्णन रसार्णव ग्रंथमे भेटैत अछि। शंकर मिश्र कवि, नाटककार, धर्मशास्त्री आ न्याय-वैशेषिकक व्याख्याकार रहथि। शंकर मिश्र ग्रंथावली- १. गौरी दिगम्बर प्रहसन २. कृष्ण विनोद नाटक ३. मनोभवपराभव नाटक ४. रसार्णव ५. दुर्गा-टीका ६. वादिविनोद ७. वैशेषिक सूत्र पर उपस्कार ८. कुसुमांजलि पर आमोद ९. खण्डनखण्ड-खाद्य टीका १०. छन्दोगाहिकोद्धार ११. श्राद्ध प्रदीप १२. प्रायश्चित प्रदीप।



महाराज शिव सिंह

राय रणपाल



पक्षधर मिश्र

विद्यापतिक समकालीन जयदेव मिश्र, जे अपन अकाट्य तर्कक कारण पक्षधर मिश्रक नामसँ जानल गेलाह।



उगना महादेव

अयाची मिश्र

पन्द्रहम शताब्दीक भवनाथ मिश्र बड पैघ नेय्यायिक छलाह आ कहियो ककरोसँ कोनो वस्तुक याचना नहि कएलन्हि, ताहि लेल सभ हुनका अयाची मिश्र कहए लगलन्हि।



मैथिलीक आदिकवि विद्यापति (ज्योतिरीश्वर पूर्व)

मैथिलीक आदिकवि विद्यापति (विद्यापतिक चित्र: विदेह चित्रकला सम्मानसँ पुरस्कृत पनकलाल मण्डल द्वारा)

कवीश्वर ज्योतिरीश्वर (लगभग १२७५-१३५०)सँ पूर्व (कारण ज्योतिरीश्वरक ग्रन्थमे हिनक चर्च अछि), मैथिलीक आदि कवि। संस्कृत आ अवहट्टक विद्यापति ठाकुरसँ भिन्ना। सम्भवतः बिस्फी गामक बाबूर कास्टक श्री महेश ठाकुरक पुत्र। समानान्तर परम्पराक बिदापत नाचमे विद्यापति पदावलीक (ज्योतिरीश्वरसँ पूर्वसँ) नृत्य-अभिनय होइत अछि। ज्योतिरीश्वर पूर्व विद्यापति:- कश्मीरक अभिनव गुप्त (दशम शताब्दीक अन्त आ एगारहम शताब्दीक प्रारम्भ)- ग्रन्थ ❖ ईश्वर प्रत्याभिज्ञा- विभर्षिणी ❖ मे विद्यापतिक उल्लेख करै छथि। श्रीधर दासक सदुक्तिकर्णामृत, (रचना ११ फरबरी १२०६, मध्यकालीन मिथिला, वि.कु. ठाकुर)- श्रीधर दास विद्यापतिक पाँच टा पद उद्धृत केने छथि जे विद्यापतिक पदावलीक भाषा छी।

❖ जाव न मालतो कर परगास

तावे न ताहि मधुकर विलास। ❖ आ

❖ मुन्दला मुकुल कतय मकरन्द ❖

ज्योतिरीश्वर (१२७५-१३५०) षष्ठः कल्लोल- ॥ अथ विद्यावन्त वर्णना ॥ अष्टमः कल्लोलः- ॥ अथ राज्य वर्णना ॥ मे उल्लेख।



महाकवि विद्यापति ठाकुर 1350-1435

मिथिला नरेश विद्यापतिक
आश्रयदाता ओइनवार वंशक
महाराज शिव सिंह।

महादेव विद्यापतिक अहिठाम गीत
सुनबा लेल उगना नोकर बनि रहैत
छलाह।

(मैथिलीक आदि कवि ज्योतिरीश्वर-
पूर्व विद्यापतिसँ भिन्न, संस्कृत आ अव
हट्टमे लेखन)

महाकवि विद्यापति ठाकुर 1350-1435

विद्यापति ठाकुर: 1350-1435 विषएवार बिस्फी-काश्यप
(राजा शिवसिंहक दरबारी) आ संस्कृत आ अवहट्ट लेखक।
कीर्तिलता, कीर्तिपताका, पुरुष परीक्षा, गोरक्षविजय,
लिखनावली आदि ग्रंथ समेत विपुल संख्यामे कालजयी रचना।
ई मैथिलीक आदिकवि विद्यापति (ज्योतिरीश्वर पूर्व)सँ भिन्न
छथि।

(चित्रक आधार मिथिला सांस्कृतिक परिषद, कोलकाता द्वारा
कोनो कलाकारसँ बनबाओल, कलाकारक नाम ६०-७०
सालसँ अज्ञात कारणसँ गुप्त राखल गेल अछि।)



शंकरदेव 1449-
1569

पारिजातहरण।



जगज्ज्योतिर्मल्ल १६१३-
३७

हरगौरौ विवाह नाटक, कुञ्ज विहार
नाटक।



डॉ. सर आशुतोष मुखर्जी १८६४
-१९२४

मैथिली प्रेमी। कलकत्ता विश्वविद्यालयमे
अपन कुलपतित्वमे मैथिली अध्यापन
शुरूसँ स्नातकोत्तर धरि, प्रिन्सिपल आ
सबसिडियरी दुनू विषयक रूपमे, सत्र-
१९१७-१८ सँ प्रारम्भ केलन्हि।
मैथिलीक पहिल बेर विश्वविद्यालयमे
अध्यापन शुरू भेल।



मदन मोहन मालवीय
१८६१-१९४६

मैथिली प्रेमी। काशी हिन्दू
विश्वविद्यालयमे अपन
कुलपतित्वमे मैथिली



खुद्दी झा १८६७-१९२७

गाम कोइलख। कलकत्ता
विश्वविद्यालयमे मैथिलीक
अध्यापनक १९१७-१८ सत्रमे प्रारम्भ
भेलापर गङ्गापति सिंह पहिल
अंग्रेजी निष्ठ मैथिली प्राध्यापक आ



बबुआ मिश्र १८८१-१९५९

गाम कोइलख। बबुआजी मिश्र (श्रीकृष्ण
मिश्र), ज्योतिष
तीर्थ (कलकत्ता), ज्योतिषाचार्य (बनारस)।
कलकत्ता वि.वि. मे प्राचीन भारतीय
इतिहास आ संस्कृति विभागमे हिन्दू गणित
आ ज्योतिषक प्राध्यापक, संगे कलकत्ता

अध्यापनक प्रारम्भ
केलन्हि। कलकत्ता
विश्वविद्यालयक बाद ई
दोसर विश्वविद्यालय भेल
जतऽ मैथिलीक
अध्यापनक प्रारम्भ भेल।



सुनीति कुमार चटर्जी १८९
०-१९७७

मैथिली प्रेमी। बबुआ
मिश्र (बबुआजी मिश्र) सङे
ज्योतिरीश्व
कविशेखराचार्यक 'वर्ण
रत्नाकर' क
सम्पादन (१९४०)।

खुदी झा पहिल संस्कृत निष्ठ मैथिली
प्राध्यापक नियुक्त भेला।



अरविन्द घोष १८७२-
१९५०

मैथिली प्रेमी। विद्यापति
गीतक अंग्रेजीमे अनुवाद।

विश्वविद्यालयमे सत्र १९१७-१८ सँ मैथिलीक
अध्यापनक प्रारम्भक पछाति मैथिली
विभागमे सेहो १९४६ धरि अध्यापन।
सुनीति कुमार चटर्जी सङे ज्योतिरीश्व
कविशेखराचार्यक 'वर्ण रत्नाकर' क
सम्पादन (१९४०)।



सर जी. ए. ग्रियर्सन
१८५१-१९४१

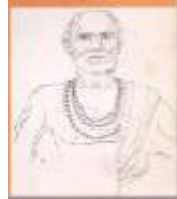
मैथिली प्रेमी। 'मैथिली
ग्रामर' आ 'मैथिली
क्रेस्टोमेथी एण्ड
वोकाबुलेरी'।



कवि चन्दा झा 1831-
1907

मूलनाम चन्द्रनाथ
झा, ग्राम- पिण्डारुछ, दरभंगा।
कवीश्वर, कविचन्द्र नामसँ विभूषित।
ग्रिएर्सनकेँ मैथिलीक प्रसंगमे मुख्य
सहायता केनिहार।

कृति- मिथिला भाषा
रामायण, गीति-सुधा, महेशवाणी
संग्रह, चन्द्र पदावली, लक्ष्मीश्वर
विलास, अहिल्याचरित आऽ
विद्यापति रचित संस्कृत पुरुष-
परीक्षाक गद्य-पद्यमय अनुवाद।



महाकवि लालदास 1856-
1921

हिनक जन्म खड़ौआ ग्राममे १८५६ ई. मे
तथा मृत्यु १९२१ ई. मे भेलन्हि । हिनक
अनेक रचना उपलब्ध होइत
अछि, यथा रमेश्वर चरित
रामायण, स्त्री शिक्षा, सावित्री-
सत्यवान, चण्डी चरित,
विरुदावली, दुर्गा
सप्तशती, तन्त्रोक्त मिथिला
माहात्म्य आदि । मैथिलीक अतिरिक्त ई
संस्कृत, हिन्दी तथा फारसीक ज्ञाता छलाह
। कविताक अतिरिक्त गद्यमे सेहो ई रचना
कएल । रमेश्वर चरित रामायण हिनक
सभसँ विशिष्ट ग्रन्थ अछि । राम-कथाक
उल्लेखमे सीताक महिमाक महत्त्व दए



म.म. हरप्रसाद
शास्त्री (१८५३-१९३१)

२३ कवि ५० टा बौद्ध चर्यापद
संख्याक नेपाल सँ १९०७ मे
विश्लेषण। [लुङ्पाद १, २९;
कुक्कुरीपाद २, २०, ४८; विरुबपाद
३; गुण्डारीपाद ४; चत्तिलपाद ५;
भुसुकुपाद ६, २१, २३, २७, ३०,
४१, ४३, ४९; कान्हापाद ७, ९, १०,
११, १२, १३, १८, १९, २४, ३६, ४०,
४२, ४५; कम्बलाम्बरपाद ८;
डोम्बीपाद १४; शान्तिपाद १५, २६;
महिधरपाद १६; वीणापाद १७;
सरहपाद २२, ३२, ३८, ३९; शबरपाद
२८, ५०; आर्यदेवपाद ३१; ढैनढनपाद
३३; दारिकापाद ३४; भादेपाद ३५;
ताडकापाद ३७; कनकनापाद ४४;

मिथिला तथा मैथिलीक प्रति ई अपन श्रद्धा तथा भक्तिकेँ व्यक्त कएल अछि ।



नगेन्द्रनाथ
गुप्त (१८६१-१९४०)

विद्यापति पद्यावलीक
संकलन आ
सम्पादन (१९९०)



म. म. परमेश्वर झा 1856-
1924

जन्म 1856 ई. मे तरौनी ग्राम (दरभंगा)
जिलामे भेल छलन्हि तथा निधन 1924 ई.
मे । संस्कृत व्याकरणक ई दिग्गज विद्वान्
छलाह तथा वैयाकरण केशरी क
उपाधिसँ विभूषित छलाह । मैथिली
साहित्यमे अपन कृति मिथिलातत्त्व
विमर्श तथा सीमंतिनी
आख्यायिकाक कारणे महत्त्वपूर्ण स्थान
रखैत छथि । ई महाराज रमेश्वर सिंहक
दरवारमे राज-पंडितक पदपर अनेको वर्ष
धरि सुप्रतिष्ठित छलाह ।

जयनन्दीपाद ४६; धमपाद ४७;
तंत्रीपाद २५]



अवध बिहारी प्रसाद शाही 1859-
1929



सर्वतंत्र स्वतंत्र बच्चा झा
1860-1921

मधुबनी जिलांतर्गत
लवाणी(नवानी) गाममे हिनकर जन्म
भेलन्हि।हिनक कृति सभ
अछि। 1. सुलोचन-माधव चम्पू काव्य,
2.न्यायवातिक तात्पर्य व्याख्यान,
3.गूढार्थ तत्त्वलोक(श्री मदभागवतगीता
व्याख्याभूत मधुसूदनी टीका पर)
4.व्याप्तपंचक टीका 5.अवच्छदकत्व
निरुक्ति विवेचन 6.सव्यभिचार
टिप्पण 7.सतप्रतिपक्ष
टिप्पण 8.व्याप्तनुगन विवेचन 9.सिद्धांत
लक्षण विवेक 10.व्युत्पत्तिवाद गूढार्थ
तत्त्वलोक 11.शक्तिवाद
टिप्पण 12.खण्डन-खण्ड खाद्य
टिप्पण 13. अद्वैत सिद्धि चन्द्रिका
टिप्पण 14.कुकुकाञ्जलि प्रकाश
टिप्पण।



म. म. शशिनाथ झा 1860-
1930



मुंशी रघुनन्दन दास 1860-
1945

गाम-सखबार, जिला-मधुबनी। "मिथिला
नाटक" आ "दूतांगद व्यायोग"क लेखक।



मधुसूदन ओझा 1866-1939

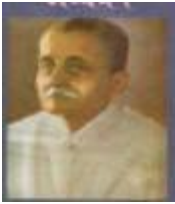
म.म. मुरलीधर झा १८६८-१९२९

जन्म- गाम- भराम (जिला मधुबनी), अपन मातृक श्यामसीधपमे बसि गेलाह। काशीसँ १९०६ ई. मे ई "मिथिलामोद" नामक मासिक मैथिली पत्रिकाक प्रकाशन शुरु केलन्हि। हितोपदेश (अनुवाद), मैथिली व्याकरण, "अर्जुन तपस्या" (उपन्यास) प्रकाशित।



मुकुन्द झा "बख्शी" 1869-1936

जन्म हरिपुर बख्शी टोल ग्राम (मधुबनी जिला) मे 1869 ई. मे भेल तथा हिनक निधन काशीमे 1937 ई. मे भेलन्हि। हिनक लिखल संस्कृत मे अनेक ग्रंथ अछि। मैथिलीमे हिनक महत्त्वपूर्ण कृति अछि। मिथिला भाषामय इतिहास। एकर अतिरिक्त मैथिलीमे हिनक स्फुट निबन्ध सभ सेहो प्रकाशित भेल। मिथिलाक ऐतिहासिक वर्णन सभसँ पहिने हिनके प्रकाशित भेल। एहि इतिहासमे मिथिलाक सर्वतोमुखी परिचय प्रस्तुत कएल गेल अछि।



डॉ. सर गंगानाथ झा 1871-1941

जन्म मधुबनी जिलाक सरिसब-पाही ग्राममे 1871 ई. मे भेल तथा निधन प्रयागमे 1941 ई. मे। ई अपना समयक संस्कृतक प्रकाण्ड विद्वान म. म. चित्रधर मिश्र, म. म. जयदेव मिश्र तथा म. म. शिवकुमार शास्त्रीसँ मीमांसा एवं दर्शनक अध्ययन कएलन्हि तथा दर्शनक विभिन्न दुरूह ग्रंथक अङ्ग्रेजीमे अनुवाद कए पाश्चात्य संसारक ध्यान आकृष्ट कएलन्हि। ई गवर्नमेन्ट संस्कृत कॉलेज बनारसमे 1917 सँ 1923 धरि प्रिंसिपल छलाह तथा एलाहाबाद विश्वविद्यालयक 1923 सँ 1932 पर्यन्त कुलपति रहलाह। मैथिलीमे हिनक सम्पादित चन्दा झाक महेशवाणी संग्रह तथा गणनाथ-विन्ध्यनाथ पदावली प्रकाशित अछि। मैथिली साहित्य परिषद् द्वारा प्रकाशित



जनार्दन झा जनसीदन 1872-1951



रासबिहारी लालदास 1872-1940

"मिथिला दर्पण" क लेखक।

हिनक ◆वेदान्त दीपक◆ (दर्शन)
विषयक अपूर्व ग्रंथ अछि । एहिसें भिन्न
हिनक निबंध सभ सामयिक मैथिली
पत्र-पत्रिकामे प्रकाशित अछि ।



रामचन्द्र मिश्र "चन्द्र"
1873-
1937 मैथिल प्रभा



महावैयाकरणाचार्य पं दीनबन्धु झा 1878-
1955



भवनाथ मिश्र 1879-
1933

मैथिली शब्दकोष "मिथिला शब्द
प्रकाश"क लेखक।



कीर्त्यानन्द सिंह



टंकनाथ चौधरी 1884-
1928



भवप्रीतानन्द ओझा 1886-
1970



कपिलेश्वर मिश्र 1887-
1987

गाम सलेमपुर, थाना-
उजियारपुर, जिला
समस्तीपुर। ◆सीतादाइ◆ पुस्तक
भंडारसँ प्रकाशित।



बालकृष्ण मिश्र 1888-
1948



बलदेव मिश्र 1890-
1975

हिनक जन्म सहरसा जिलाक
वनगाँव ग्राममे 1890 ई. मे एवं
निधन फरवरी, 1975मे भेलन्हि ।
प्रारम्भमे पं. गेनालाल चौधरीसँ
ज्यौतिष पढ़ि ई काशीमे पं. सुधाकर
द्विवेदीजीक शिष्य भेलाह । बहुत वर्ष
धरि सरस्वती भवन (वाराणसी) मे
हस्तलिखित विभागमे कार्य कएल ।
पश्चात् पटनाक काशीप्रसाद
जयसवाल रिसर्च संस्थानमे अनेक
प्राचीन तिब्बती हस्तलिपिकें
देवनारीमे लिप्यन्तरित



**आचार्य रामलोचन शरण
1889-1971**

सीतामढ़ीमे जन्म आ दरभंगामे मृत्यु। "मैथिली रामचरित मानस" सहित तुलसीदासक समस्त रचनाक मैथिलीमे लेखन। मिथिलाक्षरमे मैथिलीक प्रकाशनक प्रारम्भ केनिहार। प्रकाशन संस्था "पुस्तक भण्डार", लहेरियासराय, पटनाक संस्थापक।



**बद्रीनाथ झा 1893-
1973**

जन्म मधुबनी जिलाक सरिसव ग्राममे १८९३ ई. मे भेलन्हि तथा



**सीताराम झा 1891-
1975**

जन्म चौगामा ग्राममे १८९१ ई.मे तथा निधन १९७५ ई. मे भेलन्हि। संस्कृतमे ज्योतिष शास्त्रक अनेक रचनाक .अतिरिक्त मैथिलीमे हिनक **अम्ब चरित** (महाकाव्य), **सूक्ति सुधा**, **लोक लक्षण**, **पहुआचरित**, **पूर्वापर व्यवहार**, **उनटा बसात**, **अलंकार दर्पण**, **भूकम्प वर्णन**, **काव्य षट-रस**, **मैथिली काव्योपवन**, आदि ग्रन्थ उपलब्ध अछि। हिनक गीताक मैथिली अनुवाद सेहो उपलब्ध अछि। मिथिला मोदक सम्पादन १९२० ई.सँ १९२७ ई. धरि ई कएल।



**जीवनाथ राय 1893-
1964**

कएल। **मिथिलामोद** प्रकाशन एवं म.म. मुरलीधर झाक प्रोत्साहनसँ ज्योतिषीजी १९१० ई.सँ **मोद**मे लिखए लगलाह। हिनक प्रकाशित रचना अछि **रामायण शिक्षा**, **चन्दा झा**, **संस्कृति**, **भारत शिक्षा**, **गण-सण्य विवेक**, **समाज** आदि। पण्डितजी यावत् धरि पटना रहलाह बराबर **मिहिर**मे लिखैत रहलाह।



**ताराचरण झा 1892-
1928**

जन्म मधुबनी जिलाक गजहरा ग्राममे 1895 ई. मे भेल छलन्हि। ई



**उमेश मिश्र 1895-
1967**

१९१४ ई. मे ई काशी लाभ कएलन्हि । बहुत दिन धरि ई मुजफ्फरपुरक धर्म समाज संस्कृत कॉलेजमे साहित्यक अध्यापक छलाह । मैथिलीक विख्यात कवि लोकनि यथा सुमनजी, मधुपजी, मोहनजी आदि हिनक शिष्य छथिन्ह । संस्कृत साहित्यमे हिनक अनेक रचना अछि । जाहिमे राधा परिणय (महाकाव्य) क स्थान विशिष्ट अछि । मैथिलीमे हिनक एकावली परिणय (महाकाव्य) एक नवीन कीर्तिमान स्थापित कएलक। कोनो अलंकारक दृष्टान्त तकबाक हेतु एकावली परिणय पर्याप्त अछि ।



बाबू धनुषधारी दास 1895-1965

मैथिलीमे बिहारी कविक अनुवाद प्रकाशित।

एकहतरि वर्षक आयुमे १९६७ ई. मे प्रयागमे स्वर्गवासी भेलाह । ई अपन स्वनाम-धन्य पिता म. म. जयदेव मिश्र तथा म. म. डा. गंगानाथ झाक सान्निध्यमे विद्यार्जन कएल। १९२३ सँ १९५९ धरि मिश्रजी एलाहाबाद विश्वविद्यालयमे संस्कृतक प्राध्यापक छलाह । दरभंगा मिथिला शोध संस्थानक निदेशक पदपर किछु समय कार्य कए १९६२ सँ ६५ धरि कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालयक कुलपति रहलाह ।म. म. मुरलीधर झासँ प्रभावित भए मिथिलामोदमे ई लिखब प्रारम्भ कएलन्हि तथा अपन विविध प्रकारक रचनासँ मैथिलीक गद्यकेँ समृद्ध कएलन्हि । मैथिलीमे हिनक प्रसिद्ध ग्रन्थ अछि कमला (शेक्सपीयरक टेम्पेस्टक भावानुवाद), नलोपाख्यान, मैथिली-संस्कृति तथा अनेक वर्णनात्मक एवं आलोचनात्मक निबन्ध; मनबोधक कृष्णजन्मक सम्पादन, विद्यापतिक कीर्तिलता, कीर्तिपताका, गोरक्ष विजय आदिक अनुवाद-सम्पादन सेहो कएल।



अमरनाथ झा 1897-1955

सरिसब पाहीटोल ग्राममे १८९७ ई. मे भेल । हिनक निधन पटनामे जखन ई बिहार लोक सेवा आयोगक अध्यक्ष छलाह, १९५५ मे भेलन्हि । ई एलाहाबाद विश्वविद्यालयक नओ वर्ष धरि कुलपति रहि पश्चात् हिन्दू विश्वविद्यालयक सेहो कुलपतिक पदकेँ सुशोभित कएलन्हि । ई अंगरेजीक प्रकाण्ड विद्वान् छलाह, ताहि संग हिन्दी, उर्दू, फारसी, संस्कृत, बङला एवं मैथिलीक सेहो अद्भुत विद्वान् छलाह । मैथिलीमे हिनका द्वारा सम्पादित हर्षनाथ काव्य ग्रन्थावली तथा गोविन्ददासक श्रृङ्गारभजन महत्त्वपूर्ण अछि । एहिसँ भिन्न हिनक मैथिली साहित्य

एकहतरि वर्षक आयुमे १९६७ ई. मे प्रयागमे स्वर्गवासी भेलाह । ई अपन स्वनाम-धन्य पिता म. म. जयदेव मिश्र तथा म. म. डा. गंगानाथ झाक सान्निध्यमे विद्यार्जन कएल। १९२३ सँ १९५९ धरि मिश्रजी एलाहाबाद विश्वविद्यालयमे संस्कृतक प्राध्यापक छलाह । दरभंगा मिथिला शोध संस्थानक निदेशक पदपर किछु समय कार्य कए १९६२ सँ ६५ धरि कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालयक कुलपति रहलाह ।म. म. मुरलीधर झासँ प्रभावित भए मिथिलामोदमे ई लिखब प्रारम्भ कएलन्हि तथा अपन विविध प्रकारक रचनासँ मैथिलीक गद्यकेँ समृद्ध कएलन्हि । मैथिलीमे हिनक प्रसिद्ध ग्रन्थ अछि कमला (शेक्सपीयरक टेम्पेस्टक भावानुवाद), नलोपाख्यान, मैथिली-संस्कृति तथा अनेक वर्णनात्मक एवं आलोचनात्मक निबन्ध; मनबोधक कृष्णजन्मक सम्पादन, विद्यापतिक कीर्तिलता, कीर्तिपताका, गोरक्ष विजय आदिक अनुवाद-सम्पादन सेहो कएल।



भोलालाल दास 1897-1977

हिनक जन्म दरभंगा जिलाक कसरौर मे भेलन्हि । साहित्य सर्जनाक अतिरिक्त अपन संगठन क्षमता तथा मैथिली साहित्यक सर्वतोमुखी विकासक हेतु सतत तत्पर रहबाक कारणेँ भोला बाबू मैथिली संसारक एक स्तम्भक रूपमे रहलाह । हिनक निधन 1977 ई. मे भेल । मैथिलीक प्रचार-प्रसारमे ई अपन जीवन समर्पित कएने छलाह । पाठ्यक्रममे मैथिलीकेँ स्थान हो ताहि हेतु ई बीड़ा उठओलन्हि । विद्यालय स्तरक अनेक पोथीक निर्माण कएल । मैथिली साहित्य परिषदक ई संस्थापक मण्डलक सदस्य छलाह । 1931 सँ 1940 ई. पर्यन्त ओकर प्रधान मन्त्री रहलाह । हिनक मन्त्रित्वकालमे भारती नामक मासिक पत्रक प्रकाशन भेल । एहिसँ

परिषदक अध्यक्षीय भाषण तथा
अन्य लेख प्रकाशित अछि ।

पूर्व (१९२९-३१) कुशेश्वर कुमारजीक
संग संयुक्त
सम्पादनमे **मिथिला** नामक पत्र
चलाओल । ई नवीन एवं प्रगतिशील
विचारक लोक छलाह । ननव लेखककेँ
प्रोत्साहित करब, शैलीमे एकरूपता
आनब, नव प्रकाशनसेँ मैथिलीक
साहित्य भंडारक पूर्ति करब हिनक
कर्तव्य बनि गेल छल । हिनक
लिखल **मैथिली व्याकरण** तथा
हिनकहि द्वारा
सम्पादित **गद्यकुसुमांजलि** बहुत दिन
धरि विद्यालयमे पढ़ाओल जाइत रहल ।
हिनक लिखल अनेक निबन्ध
समालोचना, कविता, संस्मरण, जीवनी-
साहित्य मैथिलीक पत्र-पत्रिकामे
छिड़िआएल अछि ।



**कुमार गंगानन्द सिंह 189-
8-1971**

जन्म **बनैली** राजपरिवारमे 24-9-
1898, मृत्यु:-श्रीनगर पूर्णिजा 17-1-
1970 । भूतपूर्व शिक्षामंत्री, बिहार एवं
कुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत
विश्वविद्यालय । रचना **अगिलही** (अपूर्ण
उपन्यास) तथा अनेक कथा एवं एकांकी
। युगक अनुरूप सामाजिक कुरीति
आदिकेँ आधार बनाए सुधारवादी दृष्टि
कथा सभहिक रचना ।



**ब्रजमोहन ठाकुर 1899-
1977**



भुवनेश्वर प्रसाद 1902-

दरभंगा जिलाक बनौली गाम, निवास
रायसाहेब पोखरि लहेरियासराय ।
सरस्वती स्कूल लहेरियासरायमे
१९३०-१९६४ ई. धरि अध्यापन ।
मैथिलीमे "बाल
रामायण" प्रकाशित ।



**जयनारायण झा 'विनीत'
1902-1991**



**नरेन्द्र नाथ दास विद्यालंकार १९०४-
१९९३**



**सुधाकर झा "शास्त्री"
1904-1974**



दामोदर लाल दास विशारद
१९०४-१९८१



बबुआजी झा 'अज्ञात'
१९०४-१९९६

२००१- बबुआजी झा अज्ञात (प्रतिज्ञा पाण्डव, महाकाव्य) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।



श्रीवल्लभ झा हाटी १९०५-
१९४०



रमानाथ झा १९०६-
१९७१

जन्म दरभंगा जिलाक उजान (धर्मपुर) ग्राममे १९०६ ई. मे एवं हिनक निधन दरभंगामे १९७१ ई. मे भेलन्हि । १९३० ई. मे अडरेजीमे एम. ए. कएलाक बाद ई कतोक वर्ष धरि मधेपुर उच्च विद्यालयक प्रधानाध्यापक छलाह, तकरा बाद दरभंगा-राज-लाइब्रेरीक पुस्तकालयाध्यक्षक रूपमे १९३६ सँ अन्तिम समय धरि रहलाह । १९५२ सँ ६२ चन्द्रधारी मिथिला कॉलेजमे प्रो. झा अडरेजीक प्राध्यापक रूपेँ काजका पश्चात् ओही कॉलेजमे मैथिली विभागाध्यक्ष बनाओल गेलाह । १९६५ मे रमानाथ बाबू साहित्य अकादमीक मैथिलीक प्रतिनिधि निर्वाचित भेलाह जाहि पद पर ओ जीवनक अन्त समय तक रहलाह ।

हिनक रचनाक क्षेत्र बहुत व्यापक छल । हिनक अनुसंधानात्मक निबन्धक दू गोटा संग्रह निबन्धमाला तथा प्रबंध संग्रह प्रकाशित अछि । संकलित सम्पादित पुस्तक सभमे मैथिली पद्य-संग्रह, मैथिली गद्य-संग्रह, प्राचीन गीत, कथा काव्य, नवीन गीत, कथा कविता कुसुम, कथा



राम इकबाल सिंह
राकेश (१९१२-१९९४)

जन्म १४ जुलाई
१९१२, मृत्यु २७
नवम्बर १९९४, हिनकर
मैथिली
लोकगीत (संग्रह आ
सम्पादन) एकटा
लेजेण्डरी पोथी बनि
गेल अछि।



काशीकान्त मिश्र "मधुप"
१९०६-१९८७

१९७०- काशीकान्त मिश्र मधुप (राधा विरह, महाकाव्य) पर साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त मैथिलीक प्रशस्त कवि आ मैथिलीक प्रचार-प्रसारक समर्पित कार्यकर्ता अकार कवितासँ क्रान्ति गीतक आह्वान कएलनि । प्रकृति प्रेमक विलक्षण कवि । घसल अठन्नी कविताक लेल कथ्य आ शिल्प-संवेदना दुहु स्तर पर चरम लोकप्रियता भेटलनि।

संग्रह आदि अछि । कथासरित्सागरक आधार पर प्राञ्जल गद्य शैलीमे हिनक उदयन-कथा तथा बररुचि-कथा बेश ख्याति पओलक । व्याकरणक मिथिला भाषा प्रकाश, अलकडाप्रवेश आदि अनेक ग्रन्थ प्रकाशित अछि । मैथिली साहित्य पत्र लैमासिक पत्रिकाक संपादक।



लक्ष्मीनाथ गोसाई 1793-1872



मेही दास

धरहरा कोठी_बनमनखी_असली
नाम_रामानुग्रहलाल
दास_आश्रम_मायामीहल्ला, कुप्पाघाट, भागलपुर



बुचन भगत, संत 1928-1991



अभिराम दास

मिथिलाक प्रसिद्ध भागवत वाचक।



स्नेहलता 1909-1993

गाम- डरोड़ी, समस्तीपुर। पूर्ण नाम- कपिलदेव ठाकुर "स्नेहलता"। रामाश्रयी रसिक सम्प्रदायक संत। हिनकर रचित वैदेही विवाह संकीर्तन, विनय पदावली, शिववाणी, चेतावनी, झूला-संकीर्तन, सीतावतरण प्रबन्धकाव्य आ स्नेहशतक- दोहावली-कवित्त आदि मिथिलाक महिला वर्ग आ संकीर्तनकार लोकनिक कंठमे परिव्याप्त अछि आ लोकमंगलक अनुष्ठानमे व्यापक रूपेँ व्यवहृत अछि। हिनक "वैदेही विवाह" मिथिलाक कीर्तनिया नाट्य परम्पराकेँ लोकरुचिक अनुकूल बनौने अछि।



स्वतंत्रता सेनानी

स्व. रामफल मण्डल



सुन्दर झा "शास्त्री"
1930-1998

जनकपुर, नेपाल, युवावस्थाक जेलक दुर्लभ फोटो।नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानक मानद सदस्यता- स्व. सुन्दर झा शास्त्री।



काञ्चीनाथ झा "किरण"
1906-1988

जन्म स्थान-धर्मपुर,लोहना रोड, दरभंगा बिहार । मैथिली भाषा आंदोलनमे महत्वपूर्ण भूमिका। ❖पराशर❖ महाकाव्य लेल साहित्य अकादमी ओ ❖कथा किरण❖ लेल वैदेही पुरस्कारसँ सम्मानित । प्रकाशित कृति: चंद्रग्रहण (उपन्यास), वीर-प्रसून (बालकथा), जय जन्मभूमि (एकांकी), विजेता विद्यापति (नाटक), कथा-किरण (कथा-संग्रह), किरण-कवितावली, कतेक दिनक बाद (कविता-संग्रह), पराशर (महाकाव्य) ओ किरण-निबंधावली (निबंध-संग्रह) आदि।१९८९- काञ्चीनाथ झा ❖किरण❖ (पराशर, महाकाव्य)पर मैथिली मे साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित।



श्यामानन्द झा 1906-
1949



रमाकांत झा, नेपाल 1907-1971

मैथिलीमे रामकांत



ईशनाथ झा 1907-
1965

बहुमुखी प्रतिभाक कवि । प्राचीन आ नवीन पद्धतिक काव्य-रचनाक विलक्षण संयोग हिनकर कवितामे भेटैत अछि । दलित वर्ग, शोषणक समस्या, स्वदेश प्रेमक यथार्थवादी रचनाक संग संग व्यक्तिनिष्ठ कल्पनाक अनेक विशिष्ट कविता मैथिलीमे लिखलनि ।



भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'
1907-1944

अपन खाड़ीक बहुमुखी प्रतिभाक कवि । प्राचीन आ नवीन रीतिक कविताक रचना विपुल संख्यामे कएलनि । ❖भुवन भारती❖ कविता संकलन प्रकाशनसँ मैथिली ओज आ नव चेतनाक शंख फुकलनि ।



हरिमोहन झा 1908-1984

हिनकर मैथिली कृति १९३३ मे **कन्यादान** (उपन्यास), १९४३ मे "द्विरागमन" (उपन्यास), १९४५ मे **प्रणम्य देवता** (कथा-संग्रह), १९४९ मे **रंगशाला** (कथा-संग्रह), १९६० मे **चर्चरी** (कथा-संग्रह) आऽ १९४८ ई. मे **खट्टर ककाक तरंग** (व्यंग्य) अछि। मृत्योपरांत १९८५मे (जीवन यात्रा, आत्मकथा)पर मैथिलीक साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित।



कालीकान्त झा 1909-

मूल गाम ढंगा (हरिपुर), मधुबनी। फेर मातृक बरदबट्टा,पो. उरलाहा, भाया-मदनपुर, जिला-पूर्णिगामे बसि गेलाह। सतधरा (मधुबनी), मदनपुर आ काशीमे पाणिनी व्याकरणक अध्ययन। "हनुमान चरित"क लेखक।



तंत्रनाथ झा 1909-1984

जन्म १९०९ ई मे दरभंगा जिलाक धर्मपुर ग्राममे भेलन्हि मुत्यु ४-५-८४,चन्द्रधारी मिथिला कॉलेजमे अर्थशास्त्रक प्राध्यापक छलाह। अवकाश ग्रहण क काव्य साधनामे लागल रहलाह। महाकाव्य, मुक्तक, एकांकी सभ विधामे ई सिद्ध हस्त छलाह। हिनक **कीचक वंघ** महाकाव्य अडरेजीक **ब्लैकड भर्स** (अमित्नाक्षर छन्द) म लिखल अछि। मैथिलीमे **सौनेट** एवं **ब्लैकड भर्स**क ई प्रथम प्रयोक्ता थिकाह। संस्कृत परम्परामे काव्य रचना करितहुँ पाश्चात्य शैलीक नवीनता हिनका रचनामे भेल। हिनक **कीचक वध** ओ **कृष्ण चरित** महाकाव्य, **मङ्गल-पञ्चाशिका** एवं **नमस्या** मैथिली साहित्यमे अपन विशिष्ट स्थान रखैछ। तकर अतिरिक्त मुक्तक काव्यमे विषय वस्तुक व्यापकता एवं शिल्प शैलिक प्रचुरता अबैत अछि। एक दिश यदि प्राचीन ढंगक ईश्वर वन्दनाक रचना कएलन्हि तँ दोसर दिस **सौनेट** (चतुर्दशपदी) **बैलेड** आदि लिखबामे पूर्ण सफलता प्राप्त कएलन्हि। **कृष्ण चरित** महाकाव्य पर हिनका 1979 ई क साहित्यक अकादमी पुरस्कार भेटलन्हि। 1980 ई. मे हिनका अभिनन्दन ग्रन्थसमर्पित कएल गेलन्हि।



जीवनाथ झा 1910-1977



सुरेन्द्र झा 'सुमन' 1910-2002



पं. रामचन्द्र झा 1910-

गाम तरौनी। काशी मिथिला ग्रन्थमालाक सम्पादक।

जन्म: ग्राम : बल्लीपुर, जिला-समस्तीपुर ।
 प्रकाशित कृति: प्रतिपदा, अर्चना, साओन-
 भादव, अंकावली, अन्तर्नाद, पर्यस्विनी, उत्तरा
 आदि तीससँ अधिक मौलिक कविता-
 पुस्तक; पुरुष-परीक्षा, अनुगीतांजलि, ऋतु
 श्रृंगार तथा वर्णरत्नाकर, पारिजात-
 हरण, कृष्णजन्म, आनन्द-विजय आदि
 कतिपय ग्रन्थक अनुवाद-संपादन; ❖मैथिली
 काव्य पर संस्कृतक प्रभाव❖ नामक
 समीक्षा-ग्रंथ। ❖पर्यस्विनी❖ लेल १९७१ मे
 साहित्य अकादेमी पुरस्कार
 तथा ❖उत्तरा❖ पर १९९८ मे मैथिली
 अकादेमीक विद्यापति पुरस्कार प्राप्त ।
 मैथिलीक प्रथम दैनिक पत्र ❖स्वदेश❖क
 लब्धप्रतिष्ठ सम्पादक। १९९५- सुरेन्द्र
 झा ❖सुमन❖ (रवीन्द्र
 नाटकावली- रवीन्द्रनाथ टैगोर, बांग्ला) लेल
 साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।
 २००० ई.- पं. सुरेन्द्र
 झा ❖सुमन❖, दरभंगा; यात्री-चेतना
 पुरस्कार।



'नागार्जुन' वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' 1911-1998

जन्म अपन मामागाम सतलखामे
 भेलन्हि, जे हुनकर गाम तरौनीक
 समीपहिमे अछि, जिला-दरभंगा । मूल
 नाम: वैद्यनाथ मिश्र । हिन्दीमे नागार्जुन
 नामे प्रख्यात । प्रकाशित कृति:
 चित्रा, पत्रहीन नग्न गाछ (मैथिली
 कविता-
 संग्रह); पारो, बलचनमा, नवतुरिया
 (मैथिली उपन्यास); युगधारा, सतरंगे
 पंखोंवाली, प्यासी पथराई आंखें, खिचड़ी
 विप्लव देखा हमने, तुमने कहा था, हजार
 हजार बाहो वाली, पुरानी जूतियों का
 कोरस, रत्नगर्भा, ऐसे भी हम क्या ! ऐसे
 भी तुम क्या ! (हिन्दी कविता-
 संग्रह); रतिनाथ की
 चाची, बलचनमा, नई पौध, बाबा
 बटेसरनाथ, वरुण के
 बेटे, दुखमोचन, कुम्भीपाक, अभिनन्दन,
 उग्रतारा, इमरतिया (हिन्दी
 उपन्यास); आसमान में चन्दा तैरे (कहानी
 संग्रह); भस्मांकुर (हिन्दी खण्ड
 काव्य); अन्नहीनम् क्रियाहीनम् (निबन्ध-
 संग्रह); गीत गोविन्द; मेघदूत; विद्यापति
 के गीत, विद्यापति की कहानियां



आरसीप्रसाद सिंह 1911- 1996

जन्म: ग्राम-एरौत, जिला-समस्तीपुर ।
 प्रकाशित कृति: माटिक दीप, पूजाक
 फूल, सूर्यमुखी (कविता-संग्रह), मेघदूत
 (अनुवाद), आरसी, नन्ददास, संजीवनी (हिन्दी
 काव्य संग्रह)। ❖सूर्यमुखी❖ लेल १९८४ मे
 साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्राप्त ।



गुरु जयदेव मिश्र 1911- 1991 शिष्य गंगानाथ झा

(अनुवाद)। पत्रहीन नग्न गाछ लेल १९६८ मे साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्राप्त। यायावरी जीवन। मैथिली प्रतिनिधिक रूपमे रूस भ्रमण। नागार्जुन (स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र यात्री), हिन्दी आ मैथिली कवि, १९९४ ई. मे साहित्य अकादेमीक फेलो (भारत देशक सर्वोच्च साहित्यक पुरस्कार)।



यशोधर झा

मिथिला वैभव, दर्शन मैथिली पोथीपर 1966 मे पहिल साहित्य अकादेमी पुरस्कार मैथिली लेल प्राप्त।



वैद्यनाथ मल्लिक 'विधु' 1912-1987

१९७६- वैद्यनाथ मल्लिक विधु (सीतायन, महाकाव्य) लेल मैथिलीक साहित्य अकादेमी पुरस्कार।



भीम झा 1912-

पूर्णिया जिलाक मदनपुर गामक। जन्म ५ नवम्बर १९१२ ई.। बनैलीक श्री श्यामानन्द सिंहक अध्यक्षतामे नारायण संकीर्तन महामण्डलीक स्थापना।



राधानाथ दास १९१२-



उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' 1913- 1980

जन्म १९१३ ई. मे दरभंगा जिलाक चतरिया ग्राममे भेलन्हि। मृत्यु २४-५-१९८०। संस्कृत शिक्षामे साहित्याचार्य ओ बड़ौदा राजक विद्वत्-परीक्षासँ साहित्य-रत्नक उपाधिसँ विभूषित भेलाह। दैनिक आर्यावर्तमे आदिअहिसँ, पश्चात् १९६० सँ मिथिला मिहिरक उप-सम्पादक एवं सह-सम्पादक रूपेँ कार्य करैत १९७७ मे सेवा निवृत्त भेलाह। मोहनजी करीब पचास वर्ष साहित्य साधनामे लागल रहलाह।

विजयानन्द, कुंजरंजन, सुदर्शन, पुण्डरीक, शास्त्री, बामन आदि छद्म नामसँ पत्न-पत्निकामे विविध विषयपर हिनक लेख सभ प्रकाशित भेल अछि। मोहन जीक बाजि उठल मुरलीमे १०१ गोट कविताक संकलन अछि जाहिमे हिनक सुदीर्घ काव्य-आराधनाक विभिन्न विचारधाराक ओ विभिन्न अनुभूतिक सामग्री उपलब्ध अछि। एहि पुस्तकपर मोहनजीकेँ १९७८ मे साहित्य अकादमी पुरस्कार भेटलन्हि। एहिसँ बहुत पूर्व हिनक फुलडाली नामक कविता संग्रह सेहो प्रकाशित भेल छल।



जयनाथ मिश्र 1913- 1985



श्रीकांत ठाकुर "विद्यालंकार"



पञ्जीकार मोदानन्द झा 1914-1998

लब्ध धौत पञ्जीशास्त्र मार्तण्ड पञ्जीकार मोदानन्द झा, शिवनगर, अररिया, पूर्णिया। पिता-स्व. श्री भिखिया झा। गुरु- पञ्जीकार भिखिया झा। पूर्णिया जिलाक बनैली लगक शिवनगर गामक। जन्म २२ सितम्बर १९१४ ई.। सौराठमे अपन मौसा स्व. लूटनझा सँ पञ्जीशास्त्रक अध्ययन। १९४८-१९५१ ई. धरि दरभंगामे रहि आचार्य रमानाथ झाकेँ पाँजि पढ़ओलनि। शास्त्रार्थ परीक्षा- दरभंगा महाराज कुमार जीवेश्वर सिंहक यज्ञोपवीत संस्कारक अवसर पर महाराजाधिराज(दरभंगा) कामेश्वर सिंह द्वारा आयोजित परीक्षा-1937 ई. जाहिमे मौखिक परीक्षाक मुख्य परीक्षक म.म. डॉ. सर गंगानाथ झा छलाह।



आनन्द झा 1914-1988



टोक्व्यो हासेगावा, निदेशक मिथिला म्यूजियम, निगाटा



माँगनि खवास 1908-1943 संगीतज्ञ

पचगछियामे जन्म आ अल्प बएसमे मृत्यु। पचगछियाक रायबहादुर लक्ष्मीनारायण सिंहक शिष्य।



रामाश्रय झा 'रामरंग' अभिनव भातखण्डे 1928-2009

जन्म ११ अगस्त १९२८ ई. तदनुसारभाद्र कृष्णपक्ष एकादशी तिथिकेँ मधुबनी जिलान्तर्गत खजुरा नामक गाममे भेलन्हि। अभिनव गीतांजलि, हुनकर उच्चकोटिक शास्त्र रचना अछि। मिथिलावासी श्री रामरंग राग तीरभुक्त्ति, राग वैदेही भैरव, आऽ राग विद्यापति कल्याण केर रचना सेहो कएने छथि आऽ मैथिली भाषामे हिनकर खयाल \blacklozenge रंजयति इति रागः \blacklozenge केर अनुरूप अछि।



रामचतुर मल्लिक ध्रुपद सं
गीत 1905-1990



संगीताचार्य रायबहादुर ल
क्ष्मीनारायण सिंह



संगीत भाष्कर राजकुमार
श्यामानन्द सिंह १९१६-
१९९४



नागेश्वर लाल कर्ण, तबला
वादक

अभयनारायण मल्लिक



पंडित परमानन्द चौधरी, संगीतज्ञ



गुरुदेव कामत
शास्त्रीय संगीत



बाबू साहेब चौधरी 1916-
1998

दरभंगा जिलाक दुलारपुर गामक। १९४३ ई.
मे जीविकार्थ कलकत्ता अएलाह। नवम
कक्षामे स्वराज्य आन्दोलनमे बाझि कए
शिक्षाक इतिश्री। कलकत्तामे स्थानीत
मैथिल संघमे प्रवेश। कलकत्तामे मैथिली
आर्ट प्रेस. ९/१, खिलात घोष
लेन, कलकत्ता-७००००६ सँ मैथिली-
मिथिला आन्दोलनमे
सक्रिय। **कुहेस** आ **चाणक्य** दूटा
नाटक। १९७१-७९ धरि **मिथिला**
दर्शन आ **मैथिली दर्शन** मैथिली
मासिकक सम्पादन।

कुमार तारानन्द सिंह, संगीतज्ञ



हृदयनारायण झा



मिथिलेश कुमार झा, तबला वादन



लक्ष्मण (लखन) झा 1916-
2000

मिथिला राज्य अभियानी।



शुद्धदेव झा 'उत्पल'
1916-

गोड्डा जिलाक अलखदत्त-महेनपुरक निवासी। जन्म १६ अक्टूबर १९१६ ई.।



रामचरित्र पाण्डेय "अणु" १९१७-
२०१०



लक्ष्मीनाथ झा मिथिला चित्रकला 191
7-1990



उपेन्द्र नाथ झा 'व्यास'
1917-2002

जन्म स्थान-हरिपुर
वकशीटोल, मधुबनी, बिहार ।
१९६९- उपेन्द्रनाथ झा ♦व्यास♦
(दू पत्र, उपन्यास) लेल साहित्य
अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित ।
साहित्य अकादेमीक अनुवाद
पुरस्कार प्राप्त । प्रकाशित कृति:
कुमार, दू पत्र
(उपन्यास), विडंबना, भजना
भजले (कथा-संग्रह), पतन
संन्यासी, प्रतीक
(काव्य), महाभारत (पहिल दू पर्व)
आदि।



मनमोहन झा 1918-
2009

जन्म
सरिसबमे, अश्रुकण, वीरभोग्या, मिथिलाक
निशापुरमे। २००९- स्व.मनमोहन
झा (गंगापुत्र, कथासंग्रह)पर मृत्योपरांत
साहित्य अकादेमी पुरस्कार।



ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'
1918-1986

जन्म स्थान-बहेड़ा, दरभंगा बिहार । १९७३-
ब्रजकिशोर वर्मा ♦मणिपद्म♦ (नैका
बनिजारा, उपन्यास) लेल साहित्य
अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित ।
उपन्यासकार, कथाकार ओ कवि ।
प्रकाशित कृति:
कोब्रागर्ल, कनकी, अर्द्धनारीश्वर, लोरिक
विजय, नैका-बनिजारा, लवहरि-
कुशहरि, राय रणपाल, आदिम गुलाम आदि
उपन्यास ओ कंठहार (नाटक) आदि।



पं. सहदेव झा १९१९-

"मिथिला की धरोहर" पोथी
प्रकाशित।



बुद्धिधारी सिंह रमाकर 1919-
1991

जन्म मधुबनीमे 1919 ई. मे भेल । अपन पिता
स्व. क्षेमधारी सिंहसँ विभिन्न विषयक शिक्षा
ग्रहण कएलन्हि । ई रामकृष्ण कॉलेज, मधुबनीक



आद्याचरण झा 1920-

मैथिली विभागाध्यक्ष छलाह । जतएसँ अवकाश प्राप्त कएलन्हि । बाल्या-वस्थहिसेँ ई कविकार्यमे लागल रहलाह अछि । संस्कृत तथा मैथिली दुनू भाषामे हिनक रचना प्रकाशित अछि ।
यथा ❖मैथिलीमे ❖प्रयास❖ (कथा-संग्रह),
❖मधुमती❖, ❖अमरबापू❖ (कविता-संग्रह),
❖शरशय्या❖ (खंड-काव्य) ❖स्मृति साहसी❖ (महाकाव्य) आदि ।



चन्द्र भानु सिंह 1922-

२००४- चन्द्रभानु सिंह (शकुन्तला, महाकाव्य)लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।



सुधांशु शेखर चौधरी 1922-1990

जन्म दरभंगाक मिश्रटोलामे 1922 ई. मे भेलन्हि तथा मृत्यु 1990 ई. मे भेलन्हि । किछु दिन विभिन्न जीविकामे रहि पश्चात् साहित्यकारक जीवन प्रारम्भ कएल । किछु दिन ❖बैदेही❖क सम्पादन श्री सुमनजी एवं श्री कृष्णकान्त मिश्रजीक संग कएल तत्पश्चात् 1960 ई. सँ 1982 ई. धरि पटनामे ❖मिथिला मिहिर❖क सफल सम्पादन कएल । हिनक दू गोट नाट्यकृति- ❖भफाडत चाहक जिनगी❖, लेटाइत आँचर❖, तथा ❖पहिल साँझ❖ हिनक नाटकक नीक व्यावहारिक अनुभवक परिचायक अछि । छद्मनामसँ हिनक दू गोट उपन्यास मिहिर❖ मे प्रकाशित भेल अछि । हिनक उपन्यास ई वतहा संसार❖ जे मैथिली अकादमी द्वारा प्रकाशित भेल आ जाहि पर 1980 क साहित्य अकादमीक पुरस्कार देल गेल ।



जयकान्त मिश्र (१९२२-२००९)

मैथिली साहित्यक एकटा बड़ पैघ विद्वान डॉ. जयकांत मिश्र सन् १९८२ मे इलाहाबाद विश्वविद्यालयक अंग्रेजी आ आधुनिक यूरोपियन भाषा विभागक प्रोफेसर आ हेड पद सँ सेवानिवृत्त भेल छलाह। तकरा बाद ओ चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालयमे भाषा आ समाज विज्ञानक डीन रूपमे कार्य कएलन्हि। स्व. मिश्र अखिल भारतीय मैथिली साहित्य समिति, इलाहाबादक अध्यक्ष, गंगानाथ रिसर्च इंस्टीट्यूट, इलाहाबादक अवैतनिक सचिव आ

सम्पादक, हिन्दी
साहित्य सम्मेलन,
प्रयागक प्रबन्ध
विभागक संयोजक आ
साहित्य अकादमी, नई
दिल्लीक मैथिली
प्रतिनिधि आ भाषा
सम्पादक रहल
छलाह। मैथिली
साहित्यक इतिहास,
फोक लिटरेचर ऑफ
मिथिला, कीर्तनिया
ड्रामा सभक क्रिटिकल
एडीशन, लेक्चर्स ऑन
थॉमस हार्डी, लेक्चर्स
ऑन फोर पोएट्स आ
द कॉम्प्लेक्स स्टाइल
इन एंगलिश पोएट्री
हिनक लिखित किछु
ग्रंथ अछि। हिनकर
वृहत मैथिली शब्द
कोष मात्र दू खण्ड
प्रकाशित भए सकल,
जाहिमे देवनागरीक
संग मिथिलाक्षर आ
फोनेटिक अंग्रेजीमे
सेहो मैथिली शब्दक
नाम रहए। ३ फरबरी
२००९ केँ सात बजे
साँझमे हिनकर निधन
भऽ गेलन्हि।



उपेन्द्र ठाकुर १९२९-
१९९१

History of
Mithila,
Madhubani
Painting,
Studies in
Jainism and
Buddhism in
Mithila आदि पोथी
प्रकाशित।



रामकृष्ण झा 'किसुन'
1923-1970

आधुनिक धाराक विशिष्ट
कवि, कथाकार, चिन्तक । प्रकाशित
कृति: आत्मनेपद (कविता
संग्रह), मैथिली नवकविता
(सम्पादन)।

गोविन्द झा 1923-

जन्मस्थान- इसहपुर, सरिसब
पाही, मधुबनी, बिहार । सिद्ध
कथाकार, उपन्यासकार, नाटककार, भाषा
वैज्ञानिक ओ अनुवादक। साहित्य
अकादेमी पुरस्कार, साहित्य अकादेमी
अनुवाद पुरस्कारसँ सम्मानित। बिहार
सरकारसँ कामिल बुल्के
पुरस्कार, ग्रियर्सन पुरस्कार आदिसँ
सम्मानित । प्रकाशित कृति:
उपन्यास, नाटक, कथा, कविता, भाषा
विज्ञान आदि विभिन्न विधामे अइतीस टा
पोथी प्रकाशित । प्रकाशन: सामाक
पौती, नेपाली साहित्यक इतिहास (अनु)
आदि । १९९३- गोविन्द झा (सामाक
पौती, कथा) पुस्तक लेल साहित्य अकादेमी
पुरस्कारसँ सम्मानित । १९९३- गोविन्द
झा (नेपाली साहित्यक इतिहास- कुमार
प्रधान, अंग्रेजी) लेल साहित्य अकादेमी
मैथिली अनुवाद पुरस्कार। प्रबोध
सम्मान 2006 सँ सम्मानित। विदेह
सम्पादकक समानान्तर साहित्य अकादेमी
फेलो पुरस्कार २०१० (समग्र योगदान
लेल)



उमानाथ झा 1923-
2009

जन्म:-01-01-1923, मृत्यु 07-
12-2009 महरैल, मधुबनी
।भूतपूर्व अडरेजी विभागाध्यक्ष एवं
प्रति-कुलपति मिथिला
विश्वविद्यालय, दरभंगा । रचना:-
रेखाचित्र, अतीत (कथा
संग्रह); मैथिली नवीन साहित्य, इन्द्र
धनुष, विद्यापति गीतशती
(सम्पादन)। १९८७- उमानाथ
झा (अतीत, कथा) पर मैथिलीक
साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ
सम्मानित।

योगानन्द झा 1923-1986

हिनक जन्म मधुबनी जिलाक कोइलख
ग्राममे 1923 ई. मे भेलन्हि । मृत्यु 1986 मे
भेलनि । अंग्रेजीमे एम. ए. कएलाक पश्चात् ई
किछु दिन चन्द्रधरी मिथिला कॉलेजमे
प्राध्यापक रहलाह । बिहार प्रशासनिक
सेवामे 1981 धरि विभिन्न पदपर कार्य कएल
। तत्पश्चात् मैथिली अकादेमीक
निदेशक 84 धरि । योगानन्द झाजी मैथिली
साहित्यमे अपन
उपन्यास १ भलमानुस एवं २ पवित्ताक
हेतु ख्यात छथि । हिनक नाटक ३ मुनिक
मतिभ्रम एवं कथा संग्रह ४ उड़ैत
वंशी यथेष्ट प्रतिष्ठा प्राप्त कएने अछि ।
एकर अतिरिक्त ई महात्मा गान्धीक
आत्मकथाक अनुवाद एवं आमक
जलखरी नामक एक कथा संग्रहक सम्पादन
सेहो कएने छथि ।



जटाशंकर दास 1923-
2006



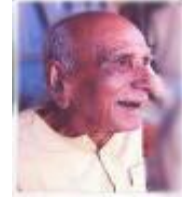
प्रबोध नारायण सिंह 1924-2005

हिन्दी, संस्कृत, मैथिली, पाली एवं फारसीक विद्वान्। मिथिला, मैथिल एवं मैथिलीक ई अनन्य भक्त छथि। कलकत्ता रहि मिथिला दर्शन, मैथिली कविता, मैथिली रंगमंच आदि पत्निकाक प्रकाशनक माध्यमसँ श्री प्रबोधजी मैथिलीक जे सेवा कएल अछि तकर वर्णन थोड़मे सम्भव नहि। अनेक बडला कृतिक ई अनुवाद सेहो कएल अछि। हिन्दीमे सेहो हिनक कविता संग्रह प्रकाशित अछि। कलकत्ता विश्वविद्यालयमे हिन्दीक पूर्व अध्यक्ष। २००२- डॉ. प्रबोध नारायण सिंह (पतझड़क स्वर- कुर्तुल ऐन हैदर, उर्दू) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



मदनेश्वर मिश्र 1924-2004

"एक छलीह महारानी" प्रकाशित।



अमोघ नारायण झा "अमोघ" 1924-



मुरलीधर सिंह, ब्रजमोहन ठाकुर, शुभंकर झा, मदनेश्वर मिश्र 1924-2004, ललित नारायण मिश्र, देवनाथ राय



मतिनाथ मिश्र मतंग 1924-



आनन्द मिश्र 1924-2007



चन्द्रनाथ मिश्र अमर 1925-



डॉ. जयमन्त मिश्र १९२५-२०१०

जन्म १५-१०-१९२५ मृत्यु ०७-०९-२०१०, गाम-ढंगा-हरिपुर-मजरही।

१९९५- जयमन्त मिश्र (कविता कुसुमांजलि, पद्य) लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कार- मैथिली।

जन्म: खोजपुर, मधुबनी। वरिष्ठ कवि, कथाकार-उपन्यासकार। हास्य-व्यंग्यक कवितामे बेजोड़। मैथिलीक लेल समर्पित व्यक्तित्व। पांच दर्जनसं बेसी कथा आ विदागरी, वीरकन्या (उपन्यास) जल समाधि (कथा संग्रह) प्रकाशित। १९८३- चन्द्रनाथ मिश्र ❖अमर❖ (मैथिली पत्रकारिताक इतिहास) लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित। एम. एल. एकेडमी, लहेरियासरायसं शिक्षकक रूपमे अवकाश प्राप्त। आशा दिशा, गुदगुदी, युगचक्र, उनटा पाल आदि कविता संग्रह प्रकाशित। १९९८- चन्द्रनाथ मिश्र ❖अमर❖ (परशुरामक बीछल बेरायल कथा- राजशेखर बसु, बांग्ला) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार। चन्द्रनाथ मिश्र अमर २०१० मे मैथिली साहित्य लेल **साहित्य अकादेमीक फेलो** (भारत देशक सर्वोच्च साहित्यक पुरस्कार)।

मुक्तिनाथ झा (1926-2009)



शुभंकर झा 1926-



दीनानाथ पाठक 'बन्धु' 1928-1962



अनंत बिहारी लाल दास "इन्दु" 1928-2010

२००७- अनन्त बिहारी लाल दास ❖इन्दु❖ (युद्ध आ योद्धा-अगम सिंह गिरि, नेपाली)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



कृष्णाकान्त मिश्र १९२८-२०००



जगदानन्द झा 1928-



दुर्गानाथ झा "श्रीश"

हिनकर जन्म मधुबनी जिलाक विठ्ठो गाममे १९२९ ई. मे भेलन्हि। हिन्दी आ मैथिलीमे एम.ए. आ बी.एड. केलाक बाद किछु दिन स्कूलमे अध्यापन, फेर मिल्लत कॉलेज, लहेरियासरायमे मैथिली आ हिन्दी विभागक अध्यक्ष। मैथिली भाषामे पहिल पी.एच. डी.। "श्रीश" जीक मैथिलीमे प्रकाशित रचना अछि- "मैथिली साहित्यक इतिहास", "भुवन भारती"



राजकमल चौधरी 1929-1967

महिषी, सहरसा। रचना:- आदि कथा, आन्दोलन, पाथर फूल (उपन्यास), स्वसंघा (कविता संग्रह), ललका पाग (कथा संग्रह), कथा पराग (कथा संग्रह सम्पादन)। हिन्दीमें अनेक उपन्यास, कविताक रचना, चौरङ्गी (बडला उपन्यासक हिन्दी रूपान्तर) अत्यन्त प्रसिद्ध।



विश्वनाथ झा "विषपायी" 1929-2005

"राम सुयश सागर" (मैथिली रामायण) १९८० ई. में प्रकाशित। २५ जनवरी २००५ के मृत्यु।



जयधारी सिंह 1929-2007

समीक्षक, कवि। प्रकाशन: बौद्धगानमें तांत्रिक सिद्धांत, समीक्षा शास्त्रा आदि। रामकृष्ण कॉलेज, मधुबनीमें मैथिली विभागक पूर्व अध्यक्ष।



शैलेन्द्र मोहन झा 1929-1994

१९९२- शैलेन्द्र मोहन झा (शरतचन्द्र व्यक्ति आ कलाकार-सुबोधचन्द्र सेन, अंग्रेजी)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



विजयनाथ ठाकुर 1929-2008



रमेशचन्द्र वर्मा 1930-



गोपालजी झा 'गोपेश' 1931-2008



विवेकानन्द ठाकुर 1931-



ताराकांत मिश्र 1931-

जन्म मधुबनी जिलाक मेहथ गाममे
१९३१ ई.मे भेलन्हि।हिनकर
रचित **◆**सोन दाइक चिट्ठी**◆**,
◆गुम भेल ठाढ़ छी**◆**,
◆एलबम**◆◆** **◆**आब कहू मन केहन
लगैए**◆**, "मखानक
पात" प्रकाशित भेल जाहिमे
सोनदाइक चिट्ठी बेश लोकप्रिय
भेल।२००६ ई.-श्री गोपालजी झा
गोपेश, मेहथ, मधुबनी;यात्री-चेतना
पुरस्कार।

२००५- विवेकानन्द ठाकुर (चानन घन
गच्छिया, पद्य)मैथिली लेल साहित्य
अकादमी पुरस्कार।



ललित 1932-1983

जन्म स्थान बसैठ चानपुरा
मधुबनी, बिहार। प्रसिद्ध कथाकार
ओ उपन्यासकार। प्रकाशित कृति:
प्रतिनिधि, (कथा संग्रह), पृथ्वी-पुत्र
(उपन्यास) आदि।



मुरारि मधुसूदन ठाकुर 1932-

ताराशंकर बंदोपाध्यायक बंगला
उपन्यास "आरोग्य निकेतन"क मैथिली अनुवाद
लेल साहित्य अकादमीक अनुवाद
पुरस्कार 1999 भेटल छन्हि।



विद्यानारायण ठाकुर 1933-



धूमकेतु 1932- 2000

जन्म स्थान
कोइलख, मधुबनी, बिहार। प्रसिद्ध
कथाकार, उपन्यासकार ओ कवि।
प्रकाशित कृति : दू टा कथा संग्रह
ओ एक टा उपन्यास।



राजमोहन झा 1934-

जन्म स्थान कुमरबाजितपुर, वैशाली, बिहार। प्रख्यात कथाकार
ओ संपादक। आइ काल्हि परसू (कथा-संग्रह) लेल १९९६ मे
साहित्य अकादेमीसँ सम्मानित। प्रकाशित कृति : एक आदि
एकांत, झूठ साँच, एकटा तेसर, अनुलग्नक, आइ काल्हि
परसू (कथा संग्रह), गलतीनामा, भनहि
विद्यापति, टीप्पणीत्यादि (आलोचना)। **◆**आरम्भ**◆** पत्रिकाक
संपादन।प्रबोध सम्मान 2009 सँ सम्मानित।



डॉ. धीरेन्द्र 1934- 2004

जन्म स्थान लोहना, मधुबनी, बिहार
। प्रसिद्ध कथाकार, उपन्यासकार ओ
कवि। प्रकाशित कृति: कुहेस आ
किरण, पझाइत धूरक
आगि, शतरूपा ओ मनु अपन मन्दिर
(कथासंग्रह) हैंगरमे टाँगल
कोट, काल्हि ओ आइ (कविता
संग्रह) सहित कैक विधामे विभिन्न
पोथी।



रमेश नारायण १९३४- २०११

नाम- रमेश नारायण दास, जन्म १५ मार्च १९३४ ई. मधुबनीक बहेरा गाममे। पिता- श्री हरिवल्लभ लाल दास। शिक्षा मधेपुर, मधुबनी आ पटनामे। १९६१ ई.सँ १९९४ ई. धरि ए.एन. कॉलेज, पटनामे हिन्दी विभागमे अध्यापन। पाथरक नाव (मैथिली कथा संग्रह, १९७२) प्रकाशित। मृत्यु १२ जनवरी २०११ ई. पटनामे।



बाबू श्री सत्यनारायण सिंह आ राघवाचार्य



मायानन्द मिश्र 1934-

हिनक जन्म १७ अगस्त १९३४ ई. केँ सुपौल जिलाक बनैनियाँ गाममे भेलनि। भाङ्क लोटा, आगि मोम आ पाथर आओर चन्दु-बिन्दु- हिनकर कथा संग्रह सभ छन्हि। बिहाड़ि पात पाथर, मंत्र-पुत्र, खोता आ चिड़ै आ सूर्यास्त हिनकर उपन्यास सभ अछि। दिशांतर हिनकर कविता संग्रह अछि। एकर अतिरिक्त सोने की नैय्या माटी के लोग, प्रथमं शैल पुत्री च, मंत्रपुत्र, पुरोहित आ स्त्री-धन हिनकर हिन्दीक कृति अछि। १९८८- मायानन्द मिश्र (मंत्रपुत्र, उपन्यास)पर मैथिलीक साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित।

प्रबोध सम्मान 2007सँ सम्मानित।



तारानन्द तरुण १९३५- २०११



सोमदेव 1934-

उपन्यासकार ओ कवि । साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित । प्रकाशित कृति: चानोदाइ, होटल अनारकली (उपन्यास), काल ध्वनि (कविता संग्रह), चरैवेति (गीति नाट्य) सोम सतसइ (दोहा)। २००२- सोमदेव (सहस्रमुखी चौक पर, पद्य) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार। २००१ ई. - श्री सोमदेव, दरभंगा; यात्री-चेतना पुरस्कार, प्रबोध साहित्य सम्मान २०११।



राजनन्दन लाल दास 1934-

"कर्णामृतक"क सम्पादन। "चित्रा-विचित्रा" प्रकाशित।



रमानन्द रेणु 1934-2011

जन्म स्थान
उसमामठ, दरभंगा, बिहार। वरिष्ठ
कवि, कथाकार ओ उपन्यासकार।
साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ
सम्मानित। प्रकाशित कृति:
कचोट, त्रिकोण, अंतहीन
आकाश (कथा-संग्रह), दूधफूल
(उपन्यास), अंततः, ओकरे नाम
(कविता-संग्रह)। २०००- रमानन्द
रेणु (कतेक रास बात, पद्य)लेल
साहित्य अकादेमी पुरस्कार। विदेह
सम्पादकक समानान्तर साहित्य
अकादेमी फेलो पुरस्कार
२०११ (समग्र योगदान लेल)



कालीकांत झा "बूच" 1934-2009

हिनक जन्म, महान दार्शनिक
उदयनाचार्यक कर्मभूमि समस्तीपुर
जिलाक करियन
ग्राममे 1934 ई. मे भेलनि। पिता
स्व. पंडित राजकिशोर झा गामक
मध्य विद्यालयक प्रथम
प्रधानाध्यापक छलाह। माता
स्व. कला देवी गृहिणी छलीह।
अंतरस्नातक समस्तीपुर
कॉलेज, समस्तीपुरसँ कयलाक
पश्चात् बिहार सरकारक प्रखंड
कर्मचारीक रूपमे सेवा प्रारंभ
कयलनि। बालहिं कालसँ कविता
लेखनमे विशेष रुचि छल। मैथिली
पत्रिका - मिथिला
मिहिर, माटि - पानि, भाखा तथा
मैथिली अकादमी पटना द्वारा
प्रकाशित पत्रिकामे समय - समय
पर हिनक रचना प्रकाशित होइत
रहलनि। जीवनक विविध विधाकेँ
अपन कविता एवं गीत प्रस्तुत
कयलनि। साहित्य अकादमी दिल्ली
द्वारा प्रकाशित मैथिली कथाक
विकास (संपादक डाॅ बासुकीनाथ
झा) मे हास्य कथा कारक सूची मे
डाॅ विद्यापति झा हिनक
रचना ❖❖धर्म शास्त्राचार्यक
उल्लेख कयलनि। मैथिली
अकादमी पटना एवं मिथिला मिहिर
द्वारा प्रशंसा पत्र भेजल जाइत छल
।श्रृंगाररस एवं हास्य रसक संग-संग
विचार मूलक कविताक रचना सेहो
कयलनि। डाॅ दुर्गनाथ झा श्रीश
संकलित मैथिली साहित्यक
इतिहासमे कविक रूपमे हिनक
उल्लेख कएल गेल अछि
। प्रकाशित कृति (मृत्योपरांत)
: कलानिधि- कविता-संग्रह।



श्याम चन्द्र 1934-

उपन्यास "रूपा दीदी" प्रकाशित।
गाम मलंगिया, जिला- मधुबनी।



डोरीलाल शर्मा "श्रोत्रिय"
१९३५-

"मिथिला की पाण्डित्य परम्परा" पोथी प्रकाशित।



रामभद्र, धनुषा, नेपाल १९३५-
२०२०

साहित्य तथा अन्यान्य क्षेत्रक कतोक सफल व्यक्तिसभ अपन प्रेरणास्रोत आ पथ-प्रदर्शक मानैत छथि । मैथिली साहित्य-क्षेत्रमे हिनक परिचयक मादे एतबाए कहब पर्याप्त होएत जे मैथिलीक मूर्खन्य साहित्यकार डा. धरिन्दु हिनका मैथिली साहित्यक सर्वश्रेष्ठ कथाकार मानैत छथि । हिनक कथामे प्रतीकात्मकताक अदभुत प्रयोगहिटा नहि, अपितु एकटा आदर्श कथाक समस्त वैशिष्ट्यसभविद्यमान रहैत अछि । कथाकारक अतिरिक्त ई उत्कृष्ट समालोचक, नाटककार आ कवि सेहो छथि । नेपालमे मैथिलीक पहिल मोनोड्रामा लिखबाक श्रेय सेहो हिनका जाइत छनि । सामाजिक कुरीतिसभकेँ कुशलतासँ चित्रण करबामे, चिन्तनीय बनएबामे आ मन-मस्तिष्कपर अमित छाप छोड़बामे रामभद्र सिद्धहस्त छथि । धनुषा जिलाक कुर्था गाममे जनमल रामभद्रक पूर्ण नाम रामभद्र कर्ण छनि । अङ्ग्रेजी विषयक अवकाशप्राप्त शिक्षक रामभद्र व्याकरण, पाठ्यपुस्तक आ सहायक पुस्तकसभ लिखबाक काजमे निरन्तर सक्रिय छथि ।



केदारनाथ चौधरी
(१९३६-)

मैथिलीक पहिल फिल्म 'ममता गाबय गीत' केर निर्माता द्वयमेसँ एकटा निर्माता छथि केदारनाथ चौधरी आ दोसर मदनमोहन दास। बादमे आर्थिक मजबूरीवश तेसर सहनिर्माता भेलखिन उदयभानु सिंह। माता-स्व. कुसुमपरी देवी, पिता- स्व. किशोरी चौधरी, जन्म: ०३/०१/१९३६

ग्रा.+पत्रा. नेहरा (दरभंगा), अन्य पारिवारिक सदस्य-पत्नी-श्रीमती कुमुद चौधरी, संतान- प्रथम पुत्री-श्रीमती किरण झा, द्वितीय पुत्री-श्रीमती अर्चना चौधरी, शिक्षा- १९५८ ई.मे अर्थशास्त्रमे स्नातकोत्तर, १९५९ ई.मे लॉ। १९६९ ई.मे कैलिफोर्निया वि.वि.सँ अर्थशास्त्र मे स्नातकोत्तर, १९७१ ई.मे मार्केटिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन विषयमे गोल्डेन गेट यूनिवर्सिटी, सानफ्रांसिस्को, USA सँ एम.बी.ए., १९७८ मे भारत आगमन। १९८१-८६ क बीच तेहरान आ फ्रैंकफुर्टमे। फेर बम्बई, पुणे होइत रिटायरमेंटक बाद २००० सँ लहेरियासराय, दरभंगामे निवास। ६ टा उपन्यास- चमेलीरानी २००४, करार २००६, माहुर २००८, अबारा नहितन २०१२, हीना २०१३, अयना २०१८. सम्मान- १) विदेह साहित्य सम्मान, बर्ख-२०१३ (झारखंड मैथिली मंच, राँची द्वारा), २) प्रबोध साहित्य सम्मान, बर्ख-२०१६ आ ३) केदार सम्मान, बर्ख-२०१६, 'अबारा नहितन' लेल।



जीवकांत 1936-

नाम- जीवकान्त झा, पिता-गुणानन्द झा, माता-महेश्वरी देवी, जन्म- २५.०७.१९३६ अभुआढ़, जिला- सुपौल। नौकरी-विज्ञान शिक्षक (उ.वि.खजौली १९५७-८१), हिन्दी शिक्षक (उ.वि.डेओढ़ एवं उ.वि.पोखराम १९८१-९८)। पहिल रचना-इजोड़िया आ टिटही (कविता, जनवरी १९६५ मिथिला मिहिर)। पहिल छपल पोथी- दू कुहेसक बाट (उपन्यास १९६८)। नूतन पोथी-खिखिरक बीअरि (२००७ बाल पद्य कथा), अठन्नी खसलइ वनमे (पद्य-कथा संग्रह) आ पंजरि प्रेम प्रकासिया (जीवन-वृत्तक अंश)। पुरस्कार-साहित्य अकादेमी 1998 तकै अछि चिड़ै, पद्य, किरण सम्मान (१९९८), वैदेही सम्मान (१९८५)। प्रकाशित पोथी-

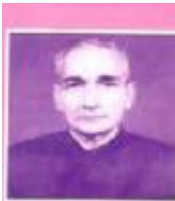
कविता संग्रह:नाचू हे पृथ्वी (७१), धार नहि होइछ मुक्त (९१), तकैत अछि चिड़ै (९५), खाँड़ो (१९९६), पानिमे जोगने अछि बस्ती (९८), फुनगी नीलाकाशमे (२०००), गाछ झूल-झूल (२००४), छाह सोहाओन (२००६), खिखिरक बीअरि (२००७)

कथा-संग्रह:एकसरि ठाढ़ि कदम तर रे (७२), सूर्य गलि रहल अछि (७५), वस्तु (८३), करमी झील (९८)

उपन्यास:दू कुहेसक बाट (६८), पनिपत (७७), नहि, कतहु नहि (७६), पीयर गुलाब छल (७१), अगिनबान (८१)

हिन्दी अनुवाद- निशान्त की चिड़िया (तकैत अछि चिड़ै, साहित्य अकादमी, दिल्ली २००३)।

प्रबोध सम्मान 2010 सँ सम्मानित।



हरिदास १९३६-२०१६

पत्नी महालक्ष्मी संग
छायाचित्र। "जनम जुआ मति
हारहु" प्रकाशित।



देवकांत झा 1936-



डॉ अमरेश पाठक 1936

-

हिनक जन्म सीतामढ़ी जिलाक अन्तर्गत सामारि ग्राममे १९३६ मे भेलन्हि । १९५७ मे पटना विश्वविद्यालयसँ मैथिलीक एम. ए. परीक्षामे प्रथम श्रेणीमे प्रथमस्थान पाओल । १९५७ सँ १९६० धरि रामकृष्ण महाविद्यालय, मधुबनीमे व्याख्याता रूपेँ तकरा बाद पटना विश्वविद्यालयमे व्याख्याता रूपमे कार्य करए लगलाह । पटना विश्वविद्यालयमे मैथिली विभागाध्यक्ष रूपेँ । मैथिली उपन्यासक आलोचनात्मक अध्ययन शोध प्रबन्धपर हिनका बिहार विश्व-विद्यालय द्वारा डि. लिट्क उपाधि भेटलन्हि । ई शोध प्रबन्ध पुस्तकाकार रूपेँ सेहो प्रकाशित भेल अछि बिहार राष्ट्रभाषा परिषदक विद्यापति ग्रन्थावलीक सम्पादक मण्डलक सदस्य । हिनक अन्य प्रकाशित रचना अछि निबन्ध संकलन । एकरा छोड़ि विभिन्न पत्र-पत्रिकामे हिनक कतेको निबन्ध प्रकाशित छन्हि । मैथिली अकादमी द्वारा प्रकाशित कथा-संग्रहक इहो एक सम्पादक छथि । ई अधिकतर उच्च स्तरीय आलोचनात्मक निबन्ध लिखैत छथि । २०००- डॉ. अमरेश पाठक, (तमस- भीष्म साहनी, हिन्दी)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



रामदेव झा 1936-

कथाकार, समीक्षक, अनुवादक, ग्रंथ सम्पादक । साहित्य अकादेमीक मूल एवं अनुवाद पुरस्कार प्राप्त कर्ता ल. ना. मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगाक मैथिली विभागक पूर्व प्राचार्य । प्रकाशन: पसिझैत पाथर, (अनु.) आदि । १९९१- रामदेव झा (पसिझैत पाथर, एकांकी)लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित । १९९४- रामदेव झा (सगाइ- राजिन्दर सिंह बेदी, उर्दू) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।

बलराम 1936- 2008

जन्म स्थान पचही, मधुबनी, बिहार । विशिष्ट कथाकार । प्रकाशित कृति : दकचल देबाल (कथा-संग्रह)।



रवीन्द्र नाथ ठाकुर 1936-

जन्म पूर्णिया जिलाक धमदाहा ग्राममे 1936 ई. मे भेलन्हि । नेने अवस्थासँ गीत गएबामे एवं कविता लिखबामे विशेष रुचि । कोनो मंच पर ठाढ़ भेला पर ई सहजहि श्रीताकेँ आह्लादित करैत छथि । हिनक सात गोट मैथिलीक गीत संग्रह, एक मिनी महाकाव्य, एक प्रयोगधर्मी काव्य, एक उपन्यास, एक नाटक एक राति एवं एक हिन्दी नाटक, प्रकाशित भेल छन्हि ।

मैथिलीपुत्र प्रदीप 1936-

ग्राम- कथवार, दरभंगा। प्रशिक्षित एम.ए., साहित्य रत्न, नवीन शास्त्री, पंचाम्नि साधक। हिनकर रचित "जगदम्ब अहीं अवलम्ब हमर" आ "सभक सुधि अहाँ लए छी हे अम्बे, हमरा किए बिसरे छी यै" मिथिलामे लेजेंड भए गेल अछि।



बिनोद बिहारी वर्मा 1937- 2003

मैथिल करण कायस्थक पौजिक सर्वेक्षण, बलानक बोनिहार ओ पल्लवी तथा अन्य कथा (कथा संग्रह)



वीरेन्द्र मल्लिक 1937-

जन्म-

3 जनवरी 1937 ई. परसौनी, मधुबनीमे।
कवि, सम्पादक, समीक्षक।
आखर, अगनिपत्रक सम्पादन। अग्नि-
शिखा (कविता संग्रह)।



कीर्तिनारायण मिश्र 1937-

जन्म १७ जुलाई १९३७ ई. केँ ग्राम
शोकहारा (बरौनी), जिला बेगूसरायमे
भेलन्हि। हुनकर प्रकाशित कृति अछि
सीमान्त, महानगर (दीर्घ कविता), हम स्तवन
नहि लिखब, ध्वस्त होइत शांति स्तूप (एहि
पोथीपर साहित्य
अकादमी 1997 पुरस्कार), आदमीकेँ
जोहेत (कविता संग्रह)। संस्मरण-अपन
एकांतमे, स्मृति यात्रा, पत्रक दर्पणमे।
सम्पादन- आखर मासिक पत्रिका, आधुनिक
मैथिली साहित्य, '63, राजकमल जीवन आ
साहित्य, '68, कथा-संकलन- काल
कोठरी। आलोचना- अर्थांतर-2004



गौरीकांत चौधरीकांत 1937- 2001



युगल किशोर मिश्र १९३८ -२००७

मैथिली शब्दकोष।



प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन' 1938-

ग्राम+पोस्ट- हसनपुर, जिला-समस्तीपुर। मैथिलीमे
१. नेपालक मैथिली साहित्यक
इतिहास (विराटनगर, १९७२ ई.), २. ब्रह्मग्राम (रिपोर्टाज
दरभंगा १९७२ ई.), ३. **मैथिली** **त्रैमासिकक**
सम्पादन (विराटनगर, नेपाल १९७०-
७३ ई.), ४. मैथिलीक नेनागीत (पटना, १९८८
ई.), ५. नेपालक आधुनिक मैथिली
साहित्य (पटना, १९९८ ई.), ६. प्रेमचन्द चयनित
कथा, भाग- १ आऽ २ (अनुवाद), ७. वाल्मीकिक
देशमे (महनार, २००५ ई.)। २००४- डॉ. प्रफुल्ल
कुमार सिंह **मौन** (प्रेमचन्द की कहानी-
प्रेमचन्द, हिन्दी) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली
अनुवाद पुरस्कार।



महेश्वरनाथ मल्लिक 1938-



परशुराम झा १९३८-

गाम- मेंहथ (मधुबनी), कृति-
डाइमेन्शन्स ऑफ पीस इन इन्गलिश
ड्रामा, क्रिश्चियन पोएटिक ड्रामा।



कुलानन्द मिश्र 1940- 2000

जन्म पकड़ी
कोठी, सीतामढ़ी, बिहार। सुविख्यात
कवि,, संपादक, समालोचक।
प्रकाशित कृति- तावत एतबे, भोरक
प्रतीक्षामे (कविता संग्रह), भारतक
भाषा सर्वेक्षण, पारो, राजकमल
चौधरी की ग्यारह
कहानियाँ (अनुवाद)।



बिलिट पासवान 'विहंगम' 1940-

जन्म मधुबनी जिलाक एकहत्था ग्राममे
१९४० ई. मे भेलन्हि।



फजलुर रहमान हासमी 1 940-2011

जन्म-पटना जिलाक बराह गाममे। वृत्ति
अध्यापक। हिन्दी कविता संग्रह "रश्मि
राशि" आ मैथिली कविता
संग्रह "निर्मोही" प्रकाशित। १९९६मे
अबुलकलाम आजाद- अब्दुलकवी
देसनवी, उर्दूसँ मैथिली अनुवादपर
साहित्य अकादमीक मैथिली अनुवाद
पुरस्कार।



गुणनाथ झा

गुणनाथ झा "लोक मञ्च" मैथिली नाट्य पत्रिकाक संचालन- सम्पादन के
ने छथि। मैथिलीमे आधुनिक नाटकक प्रणयन। हुनकर नाटक सभ अछि:

मधुयामिनी: एकाङ्क नाट्य शैलीमे दूटा पात्र, पुरुष संयुक्त परिवारक पक्ष
लेनिहार आ स्त्री तकर विरोधी।

पाथेय: एकाङ्क नाट्य शैलीमे रचित, मुदा पूर्णाङ्कक सभ विशेषता ऐमे
भेटत। मुख्य अभिनेता मिथिलाक अधोगतिसँ दुखी भऽ गामकेँ कर्मस्थली
बनबैत छथि, स्वजन विरोध करै छथि।

लाल-बुझक्कर: एकाङ्क नाट्य शैलीमे रचित। दाही रौदीसँ झमारल निम्न
आ मध्य-निम्न वर्ग स्वतंत्रताक पहिन्हियो आ बादो जीविकोपार्जन लेल
प्रवास करबा लेल अभिशप्त छथि।

सातम चरित्र: एकाङ्क नाट्य शैलीमे रचित। मैथिली रंगमंचपर महिला
अभिनेत्रीक अभाव, सातम चरित्रक प्रतीक्षामे पूर्वाभ्यास खतम भऽ जाइत
अछि।

शेष नजि: आधुनिक सामाजिक पूर्णाङ्क नाटक। पिता-माताक मृत्युक
बाद अग्रजक अनुजक प्रति पितृवत व्यवहार।

आजुक लोक: पूर्णाङ्क नाटक। विषय निम्नमध्यवर्गीय बेरोजगारी आ
बियाहक दायित्वक बोझ।

जय मैथिली: पूर्णाङ्क नाटक। मिथिलाक भाषिक-सांस्कृतिक समस्या
एकर कथावस्तु अछि।



प्रभास कुमार चौधरी 1941- 1998

गाम- पिंडारुछ, जिला- दरभंगा। प्रख्यात
कथाकार ओ उपन्यासकार। प्रभासक
प्रकाशित कृति : कथा-प्रभास, प्रभासक
कथा, नव घर उठय पुरान घर खसय, दिदवल
(कथासंग्रह), अभिशप्त, युगपुरुष, हमरा लग
रहब, नवारम्भ, राजा पोखरिमे कतेक मछरी
(उपन्यास)। विभिन्न महत्वपूर्ण पत्रिकाक
सम्पादन। त्रैमासिक कथा गोष्ठी 'सगर राति
दीप जरय' केर प्रारम्भ। १९९०- प्रभास कुमार
चौधरी (प्रभासक कथा, कथा) लेल साहित्य
अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित।

महाकवि विद्यापति: विद्यापतिक नव विश्लेषण।



साकेतानन्द 1940-

वरिष्ठ कथाकार, गणनायक (कथा-संग्रह) लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित। प्रकाशित कृति: मैथिली कथा साहित्यमे 1962 सँ सक्रिय। गोडेक चालिस_पचास टा कथा, रिपोर्ताज, संस्मरण, यात्रा_विवरण मैथिलीमे प्रकाशित अधिकांश पत्र_पत्रिकामे छपल। पहिल मैथिली कथा **ग्लेसियर** 1962मे **मिथिलामिहिर**मे प्रकाशित। हिन्दियोमे दू दर्जन कथा आदि प्रकाशित। सन 99मे छपल पहिल कथा_संग्रह **गणनायक** के ओही वर्ष **साहित्य अकादेमी पुरस्कार**। पैघ बान्ध **स** अबैबला विपत्तिके रेखांकित करैत, पर्यावरण के कथा वस्तु बना क **राजकमल** प्रकाशन सँ प्रकाशित एवं अत्यंत चर्चित उपन्यास (**डॉक्यूमेंट्री फिक्शन**) **सर्वस्वांत**। आकाशवाणीक राष्ट्रीय कार्यक्रममे प्रसारित दू टा उल्लेखनीय वृत्त रूपक **महानन्दा** अभयारण्य पर आधारित **जंगल** बोलता है एवं झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रक ज्वलंत डाइनक समस्या पर आधारित वृत्तरूपक **नैना** जोगन चर्चित एवं प्रसिद्ध।



गंगेश गुंजन 1942-

जन्म स्थान- पिलखबाड़, मधुबनी। श्री गंगेश गुंजन मैथिलीक प्रथम चौबटिया नाटक बुधबधियाक लेखक छथि आ हिनका उचितवक्ता (कथा संग्रह) क लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कार भेटल छन्हि। एकर अतिरिक्त मैथिलीमे हम एकटा मिथ्या परिचय, लोक सुनू (कविता संग्रह), अन्हार- इजोत (कथा संग्रह), पहिल लोक (उपन्यास), आइ भोर (नाटक) प्रकाशित। हिन्दीमे मिथिलांचल की लोक कथाएँ, मणिपद्मक नैका- बनिजाराक मैथिलीसँ हिन्दी अनुवाद आ शब्द तैयार है (कविता संग्रह)। १९९४- गंगेश गुंजन (उचितवक्ता, कथा) पुस्तक लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित।



प्रेमशंकर सिंह 1942-

ग्राम+पोस्ट- जोगियारा, थाना- जाले, जिला- दरभंगा। मौलिक मैथिली: १. मैथिली नाटक ओ रंगमंच, मैथिली अकादेमी, पटना, १९७८ २. मैथिली नाटक परिचय, मैथिली अकादेमी, पटना, १९८१ ३. पुरुषार्थ ओ विद्यापति, ऋचा प्रकाशन, भागलपुर, १९८६ ४. मिथिलाक विभूति जीवन झा, मैथिली अकादेमी, पटना, १९८७ ५. नाट्यान्वाचय, शेखर प्रकाशन, पटना २००२ ६. आधुनिक मैथिली साहित्यमे हास्य-व्यंग्य, मैथिली अकादेमी, पटना, २००४ ७. प्रपाणिका, कर्णगोष्ठी, कोलकाता २००५, ८. ईक्षण, ऋचा प्रकाशन भागलपुर २००८ ९. युगसंधिक प्रतिमान, ऋचा प्रकाशन, भागलपुर २००८ १०. चेतना समिति ओ नाट्यमंच, चेतना समिति, पटना २००८। २००९ ई.-श्री प्रेमशंकर सिंह, जोगियारा, दरभंगा यात्री-चेतना पुरस्कार।



मार्कण्डेय प्रवासी 1942-2010

जन्म ग्राम: गरुआर, जिला: समस्तीपुर। प्रकाशित कृति: अगस्त्याथिनी (महाकाव्य); एतदर्थ (कविता



देवेन्द्र झा १९४३-

गाम- चानपुरा (मधुबनी), कृति- विद्यापतिक श्रृंगारिक पदक काव्यशास्त्रीय अध्ययन, लालदास, सुधाकर झा



डॉ. भीमनाथ झा 1945-

जन्म: कोइलख, मधुबनी, बिहार। प्रखर कवि, समालोचक, प्राध्यापक। **विविधा** **निबन्ध** पुस्तक लेल सन् १९९२मे साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित। प्रकाशित

संग्रह), अक्षर चेतना (काव्य संग्रह)।
अभियान, हम
कालिदास (उपन्यास)। ♦अगस्त्यायिनी
♦ लेल १९८१मे साहित्य अकादेमी
पुरस्कार प्राप्त।

"शास्त्री", अनुभव, बदलि जाइछ
घरे टा।

कृति: त्रिधारा, वीणा, की फुरैए की
नहि, नाम तँ थिक ओएह (कविता
संकलन), परिचायिका, सीताराम
झा, कवि चूड़ामणिक काव्य
साधना, विविधा
(निबंध, आलोचना), टावर चौकसँ आदि
।



महेन्द्र मलंगिया 1946-

गाम- मलंगिया, जिला- मधुबनी ।
मैथिलीक सुपरिचित नाटककार, रंग
निर्देशक एवं मैलोरंगक संस्थापक
अध्यक्ष । लोक साहित्य पर गंभीर
शोध आलेख । मैथिलीमे 13टा
नाटक, 19टा एकांकी, 14टा नुक्कड़
आ 10टा रेडियो नाटक प्रकाशित आ
आकाशवाणी सँ प्रसारित । सीनियर
फेलोशिप (भारत
सरकार), इंटरनेशनल थिएटर
इंस्टिट्यूट (नेपाल), प्रबोध साहित्य
सम्मान आदि सँ सम्मानित । संप्रति
ज्योतिरीश्वर लिखित मैथिलीक प्रथम
पुस्तक वर्णरत्नाकर पर शोध कार्य ।
श्री महेन्द्र मलंगियाक जन्म २० जनवरी
१९४६ मे मधुबनी जिलाक मलंगिया
गाममे भेलन्हि। मलंगियाजी मैथिली
हिन्दी, अंग्रेजी आ नेपाली भाषाक
जानकार आ थियेटर शिक्षण, पटकथा
लेखन आ तत्सम्बन्धी शोधक
फ्रीलान्स शिक्षक छथि।२००२ ई.- श्री
महेन्द्र मलंगिया, मलंगिया;यात्री-
चेतना पुरस्कार। प्रबोध
सम्मान 2005 सँ सम्मानित।



डॉ राम दयाल राकेश, सर्लाही, नेपाल 1942-

मैथिली मातृभाषा, हिन्दीक प्राध्यापक आ नेपालीक लेखक ई तीनू
भाषा ♦राकेश♦क व्यक्तित्वमे एना ने मिझराएल छैक जे कोनहुसँ
हिनका भिन्न नहि कएल जा सकैत अछि । ई विशेषतः नेपालीमे लिखैत
छथि, मुदा लेखनक विषय मूलतः मैथिलीए संस्कृति रहैत छनि । ओना
मैथिली, हिन्दी आ अङ्ग्रेजीमे सेहो ई अनेक रचना कएने छथि ।नेपालक
राजकीय-प्रज्ञा-प्रतिष्ठानक सदस्य ♦राकेश♦ दिल्ली विश्वविद्यालयसँ
पीएचडी आ अमेरिकास्थित इण्डियाना यूनिभर्सिटीसँ पोस्ट डाक्टरल
रिसर्च कएने छथि । डा. ♦राकेश♦क जन्म २५ जुलाई १९४२ ई. कऽ
सर्लाही जिलाक सिसौटियामे भेल छनि । नेपाली, मैथिली, हिन्दी आ
अङ्ग्रेजीमे मौलिक, सम्पादित आ अनूदित कऽ करीब दू दर्जन पोथी
प्रकाशित , दर्जनभरि देशक भ्रमण सेहो कएने छथि । नेपाल प्रज्ञा
प्रतिष्ठानक सदस्यता- श्री राम दयाल राकेश (1999)।



उपेन्द्र दोषी 1943- 2001

जन्म स्थान रामपुर-
कोरिगामा, दरभंगा । कवि-
कथाकार, गीत-गजलकार ।
प्रकाशित कृति: यंत्रणाक क्षणमे
(कविता संग्रह)। हिन्दीमे अनेक
पोथी प्रकाशित। ओडियासँ मैथिली
अनुवाद हेतु मृत्युपरान्त साहित्य
अकादेमीसँ पुरस्कृत। २००३- उपेन्द्र
दोषी (कथा कहिनी- मनोज
दास, उडिया) लेल साहित्य
अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



उदयचन्द्र झा "विनोद" 1943-

जन्म 5 अप्रैल 1943 ई.।
गाम- रहिका, मधुबनी । जन्म-



रेवती रमण लाल, जनकपुर 1943-



मंत्रेश्वर झा 1944-

जन्म ६ जनवरी १९४४ ई.ग्राम-
लालगंज, जिला-मधुबनीमे।
प्रकाशित कृति: खाधि, अन्विनहार

ग्राम- दुलहा, मधुबनी। प्रकाशित कृति: संक्रान्ति, मौसम अयला पर, एहना स्थितिमे, भरि देह गौरा, एहि जनपदमे, दोहा तीन सय दू, कहलनि पत्नी, सहरजमीन, अपक्ष, प्रश्नवाचक (कविता-संग्रह), धूरी (सहयोगी कविता संग्रह); जाँत (कथा संग्रह), उदास गाछक वसंत (नाटक)। ♦माटि पानि♦क वरेण्य सम्पादक।२००५ ई.-श्री उदय चन्द्र झा ♦विनोद♦, रहिका, मधुबनी;यात्री-चेतना पुरस्कार।

गाम, बहसल रातिक इजोत (कविता संग्रह); एक बटे दू (कथा संग्रह), ओझा लेखे गाम बताह (ललित निबन्ध)। मैथिली कथा संग्रहक हिन्दी अनुवाद ♦कुंडली♦ नामसँ प्रकाशित। दि फूलस पैराडाइज (अंग्रेजीमे ललित निबन्ध)। २००८ ई.-श्री मंत्रेश्वर झा, लालगंज, मधुबनी यात्री-चेतना पुरस्कार। २००८- मंत्रेश्वर झा (कतेक डारि पर, आत्मकथा) पर साहित्य अकादमी पुरस्कार।



रत्नेश्वर मिश्र 1945-

अनुवादक, निबंधकार। प्रकाशन: तमिल साहित्यक इतिहास, भवभूति (दुनू अनुवाद)।



जगदीश प्रसाद मंडल

गाम-बेरमा, तमुरिया, जिला-मधुबनी। एम.ए.।कथाकार (गामक जिनगी-कथा संग्रह आ तरेगण- बाल-प्रेरक लघुकथा संग्रह), नाटककार(मिथिलाक बेटी-नाटक), उपन्यासकार(मौलाइल गाछक फूल, जीवन संघर्ष, जीवन मरण, उत्थान-पतन, जिनगीक जीत- उपन्यास)। मार्क्सवादक गहन अध्ययन। हिनकर कथामे गामक लोकक जिजीविषाक वर्णन आ नव दृष्टिकोण दृष्टिगोचर होइत अछि। विदेह सम्पादकक समानान्तर साहित्य अकादेमी पुरस्कार २०११ मूल पुरस्कार- श्री जगदीश प्रसाद मण्डल (गामक जिनगी, कथा संग्रह)।मैथिली उपन्यास 'पंगु' लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार २०२१



राज



महाराजाधिराज लक्ष्मीश्वर सिंह 1858-1898



महाराजाधिराज रमेश्वर सिंह 1860-1929



महाराजाधिराज कामेश्वर सिंह 1907-1962



सर हरगोविन्द मिश्र, अली
गढ़ आ कामेश्वर सिंह



डॉ. रामबरन यादव, नेपा
ल राष्ट्रपति



कर्पूरी ठाकुर 1921-
1988



भोगेन्द्र झा



रमानाथ मिश्र "मिहिर"

"मैथिली मुहावरा एवम् लोकोक्ति प्रकाश
" प्रकाशित।

बिनोदानन्द झा 1895-
1971



स्वर्गीय विन्ध्येश्वरी प्रसाद मंडल, राजनेता 19
19-1982



रामविलास पासवान १९४६-

जन्म ५ जुलाई १९४६, गाम-
शहरबन्नी, जिला खगड़िया। भारतीय
राजनीतिज्ञ।



चतुरानन मिश्र



गजेन्द्र नारायण चौधरी, पत्रकार 1929-
2008

ललित नारायण मिश्र 1922-
1975



भूपेन्द्र नारायण मण्डल



राम लषण राम "रमण"



रमाकांत मिश्र



मोहन भारद्वाज 1943-

गाम- नवानी, जिला- मधुबनी ।
मैथिलीक प्रखर समालोचक।२००७
ई.-श्री आनन्द मोहन
झा, भारद्वाज, नवानी, मधुबनी;यात्री-



योगानन्द झा 1955-

२००५- डॉ. योगानन्द झा (बिहारक लोककथा- पी.सी.राय चौधरी, अंग्रेजी)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार। प्रकाशित कृति: लोकजीवन ओ लोक साहित्य (निबन्ध) 1986, परिणीता (कथाकव्यांश) 1987, फकीर मोहन सेनापति (अनुवाद) 2000, आलेख सञ्चयन (निबन्ध) 2002, बिहारक लोककथा (अनुवाद) 2003, स्नेहलता (विनिबन्ध) 2006, मैथिली पत्रकारिताकेँ सौ वर्ष (निबन्ध) 2006, गहबरगीत (निबन्ध) 2007, लोक-साहित्य ओ शब्द-सम्पदा (निबन्ध) 2007, मैथिलीक पारम्परिक जातीय व्यवसायक शब्दावली (शोध-ग्रन्थ) 2009



हीरानन्द झा "शास्त्री" ,पत्रकार

चेतना पुरस्कार। प्रबोध सम्मान 2008 सँ सम्मानित।



दीनानाथ झा, पत्रकार



नरेन्द्र झा, अर्थशास्त्र- पत्रकार

"विकास ओ अर्थतंत्र" प्रकाशित।



प्रेमशंकर झा, पत्रकार



शरदिन्दु चौधरी, पत्रकार



राजेश्वर झा (१९२३-१९७७)

जन्म- सहरसा जिलाक रसुआर गाम (आब सुपौल जिला)।

कृति- मिथिलाक्षरक उद्भव ओ विकास, अवहट्टः उद्भव ओ विकास, मैथिली साहित्यक आदिकाल, विद्यापतिक संगीतमे वर्णित नायक-नायिका भेद एवं राग-रागिनी वर्गीकरण।

महाकवि विद्यापति नाटक, शास्त्रार्थ नाटक, कन्दर्पीघाट नाटक, एकादशी, विद्याधर-कथा, उर्वशी, धर्मव्याध- कथा, मेनका।



प्रो. रामशरण शर्मा १९२०-२०११

एस.एन.सत्यार्थी

मिथिलाक कला आ शिल्पकलापर लेखन।



विजयकान्त मिश्र इतिहासकार 1927-1994

डॉ. विजयकांत मिश्रक जन्म १० अगस्त १९२७ मंगरौनी गाम - जे नव्य न्याय आ तांत्रिक साधनाक जन्म-स्थली अछि- (जिला मधुबनी) मे भेलन्हि। ओ 1948 मे प्राचीन भारतीय इतिहास आ संस्कृति विषयमे एलाहाबाद विश्वविद्यालयसँ सनातकोत्तर उपाधि कएलाक बाद कतेक बरख धरि बिहार सरकार आ पटना विश्वविद्यालयसँ सम्बद्ध रहलाह आ 1957 ई. सँ भारतीय पुरातत्व विभागमे काज कएलन्हि आ ओकर शिशुपालगढ़, कौशाम्बी, वैशाली, हस्तिनापुर, कुम्हार, पाटलिपुत्र, करिय न, सोनपुर, बिलावली, नालन्दा, राजगीर, चन्द्रवल्ली, आ हम्पी खुदाइमे विभिना भूमिकामे भाग लेलन्हि। हिनकर लिखल-सम्पादित पोथी सभमे अछि: 1. वैशाली, 1950 2. कुम्हार एक्सकेवेशंस: 1950-1957 3. पुरातत्व की दृष्टिमे वैशाली 4. नागेश भट्टाज पारिभाषेन्दुशेखर 5. मिथिला आर्ट एण्ड आर्किटेक्चर (सम्पादित) 6. कल्चरल हेरिटेज ऑफ मिथिला 7. श्रृंगार भजनावली- एक अध्ययन 8. क्षेत्र पुरातत्वविज्ञान- 9. पुरातत्व शब्दावली।



सुरेश्वर झा, राजनीति विज्ञान



भागीरथ लाल दास

राधाकृष्ण चौधरी, इतिहासकार 1921-1985

मिथिलाक इतिहास, A Survey of Maithili Literature, THE POLITICAL AND CULTURAL HERITAGE OF MITHILA प्रकाशित।

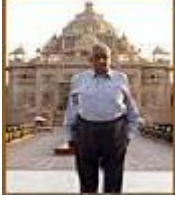


द्विजेन्द्र नारायण झा, इतिहासकार



लक्ष्मीकान्त झा रिजर्व बैंक गवर्नर 1913-1988

२००१- सुरेश्वर झा (अन्तरिक्षमे विस्फोट- जयन्त विष्णु नार्लीकर, मराठी)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



एन. एन. झा डिप्लोमेत

भारतक एक देशमे राजदूत रहल छथि आ जी.ए.टी.टी. मे भारतक प्रतिनिधि सेहो छलाह।



कामेन्द्रनाथ झा "अमल"
1938-

जन्म- 4 जनवरी 1938, गाम कोइलख (मधुबनी)।
ग्रिभांस (कथासंग्रह) प्रकाशित।



भाग्यनारायण झा 1941-



रमाकांत राय "रमा"
1947

जन्म- भादो पूर्णिमा
सम्बत् 2003, प्रथम रचना-
बटुक, बाल मासिक प्रयाग, कथा
विशेषांक द्वितीय
भागमे 1964ई., प्रकाशित
कृति(क) तीनटा बाबाजी-(रूसीसँ
मैथिलीमे मैथिलीमे टालस्टायक
कथाक अनुवाद-1967ई.मे, (ख)
फूलपात, कविता संग्रह 1978,
(ग) भांगक गोला (2004 ई.मे),
(घ) कटैत पाँखि: हँसैत
आँखि , कथा संग्रह-2005, शीघ्र
प्रकाश्य- कृष्णकान्त
मिश्र (विनिबन्ध) साहित्य अकादेमी
नई दिल्ली। प्रायः डेढ़ सए
रचना (कथा-निबन्ध कविता)
मैथिली हिन्दीक पत्र-
पत्रिका, आकाशवाणी एवं
दूरदर्शनसँ प्रकाशित/ प्रसारित।
साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित
कवि सम्मेलनक आयोजनक क्रममे
रेलक चपेटमे पड़िदहिना पएर छाबा
धरिगमा विकलांग। सेवा निवृत्त
अध्यापक (उच्च विद्यालय) सम्पर्क-



प्रोफेसर महेन्द्र 1947-

जन्म: भेलाही, सुपौल, बिहार ।
प्रसिद्ध कवि, कथाकार, आलोचक ।
वृत्ति: भू.ना. विश्वविद्यालयक
स्नातकोत्तर केन्द्र, सहरसामे मैथिली
विभागाध्यक्ष। प्रकाशित कृति
साहित्य अकादेमीसँ प्राकाशित
मोनोग्राफ शैलेन्द्र मोहन झा ।
सहयोगी संकलन-संकल्प
। ♦राजकमल जयन्ती प्रसंगक
संपादन।



महेन्द्र 1944-2009

जन्म मधुबनी जिलाक जमसम
गाममे। प्रसिद्ध मैथिली गीतकार आ
गायक।

श्री रमानिवास, मानाराय टोल पो.
नरहन (समस्तीपुर)।



सुभाषचन्द्र यादव 1948-

जन्म ०५ मार्च १९४८, मातृक
दीवानगंज, सुपौलमे। पेटुक
स्थान: बलबा-
मेनाही, सुपौल। घरदेखिया (मैथिली
कथा-संग्रह), मैथिली
अकादमी, पटना, १९८३, हाली (अंग्रेजीसँ
मैथिली अनुवाद), साहित्य अकादमी, नई
दिल्ली, १९८८, बीछल कथा (हरिमोहन
झाक कथाक चयन एवं
भूमिका), साहित्य अकादमी, नई
दिल्ली, १९९९, बिहाड़ि आउ (बंगला सँ
मैथिली अनुवाद), किसुन संकल्प
लोक, सुपौल, १९९५, भारत-विभाजन
और हिन्दी उपन्यास (हिन्दी
आलोचना), बिहार राष्ट्रभाषा
परिषद्, पटना, २००१, राजकमल चौधरी
का सफर (हिन्दी जीवनी) सारांश
प्रकाशन, नई दिल्ली, २००१, बनैत-
बिगडैत (कथा-संग्रह) २००९। मैथिलीमे
करीब सत्तरि टा कथा, तीस टा समीक्षा
आ हिन्दी, बंगला तथा अंग्रेजी मे अनेक
अनुवाद प्रकाशित।



सुभद्र झा 1909- 2000

"फॉर्मेशन ऑफ मैथिली लैंग्वेज"क
लेखक। १९८६- सुभद्र झा (नातिक
पत्रक उत्तर, निबन्ध)पर मैथिलीक
साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ
सम्मानित।



रामावतार यादव, मैथिली भाषिकी, ने पाल 1942-

देश-विदेशक भाषाविज्ञान जर्नलमे पचासो आलेखक द्वारा
मैथिलीक विशिष्टताकेँ उजागर केनिहार। *मैथिली
ध्वनिशास्त्र* 1984 ई. मे जर्मनीसँ आ *मैथिलीक सन्दर्भ
व्याकरण* 1996 ई. मे बर्लिन आ न्यूयार्कसँ
प्रकाशित। 2000 ई. मे लंदनसँ प्रकाशित *भारतीय
आर्यभाषा* पुस्तक मे संकलित हिनकर मैथिली भाषा संबंधी
आलेख विशेष उल्लेखनीय। नेपाल राजकीय प्रज्ञा-प्रतिष्ठानसँ
पासाड लहामु प्रज्ञा-पुरस्कारसँ सम्मानित।



योगेन्द्र प्रसाद यादव, भा षिकी, सिरहा, नेपाल 19 46-

1998 ई. मे जर्मनीसँ प्रकाशित *इथुज
इन मैथिली सिंटेक्स आ टॉपिक्स इन
नेपालीज लिग्विस्टिक्स, रीडिंग्स इन
मैथिली लैंग्वेज- लिटरेचर एण्ड कल्चर
आ लेक्सीग्राफी इन
नेपाल* (सम्पादित) प्रकाशित। नेपाल
राजकीय प्रज्ञा-प्रतिष्ठानमे भाषा-विभागक



रमानन्द झा 'रमण' 1949-

जन्म: 02 जनबरी 1949, शिक्षा-
एम.ए., पीएच.डी., आजीविका-
भारतीय रिजर्व बैंक, पटना (सेवा
निवृत्त)। **प्रकाशन:** 1. नवीन मैथिली
कविता, 1982, 2. मैथिली नऽव
कविता, 1993, 3. मैथिली साहित्य
ओ राजनीति, 1994,
4. अखियासल, 1995,
5. बेसाहल, 2003, 6. भजारल,



रामलोचन ठाकुर 1949-

श्री रामलचन ठाकुर, जन्म १८ मार्च १९४९
ई. पलिमोहन, मधुबनीमे। वरिष्ठ
कवि, रंगकर्मी, सम्पादक, समीक्षक। भाषाई
आन्दोलनमे सक्रिय भागीदारी। **प्रकाशित
कृति-** इतिहासहन्ता, माटिपानिक गीत, देशक
नाम छल सोन चिड़ैया, अपूर्वा (कविता
संग्रह), बेताल कथा (व्यंग्य), मैथिली लोक
कथा (लोककथा), प्रतिध्वनि (अनुदित
कविता), *जा सकै छी, किन्तु किए जाज* अनुदित
कविता), लाख प्रश्न

प्राज्ञ रहि कलोक महत्वपूर्ण कार्यक सम्पादन। नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानक सदस्यता श्री योगेन्द्र प्रसाद यादव (1994)। नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान आजीवन सदस्यता श्री योगेन्द्र प्रसाद यादव।

2005., 7. निर्यात कैसे शुरू करें? हिन्दी- रिजर्व बैंक, पटनाक प्रकाशन सम्पादित 8. मैथिलीक आरम्भिक कथा, 1978 समीक्षा, 9. श्यामानन्द रचनावली, 1981, 10. जनार्दन झा जनसीदन कृत निर्दयीसासु (1914) आ पुनर्विवाह (1926), 1984, 11. चेतनाथझाकृत श्रीजगन्नाथपुरी यात्रा (1910), 1994, 12. तेजनाथ झाकृत सुरराजविजय नाटक (1919), 1994, 13. रासबिहारीलाल दासकृत सुमति (1918), 1996, 14. जीबछ मिश्रकृत रामेश्वर (1916), 1996, 15. भेटघॉंट (भेटवार्ता), 1998, 16. रूचय तँ सत्य ने तँ फूसि, 1998, 17. पुण्यानन्द झाकृत मिथिला दर्पण (1925), 2003, 18. यदुवर रचनावली (1888-1934) 2003, 19. श्रीवल्लभ झा (1905-1940) कृत विद्यापति विवरण, 2005, 20. मैथिली उपन्यासमे चित्रित समाज, 2003। अनुवाद लेल **भाषा-भारती सम्मान 2004-** 05 (सी.आइ.आइ.एल., मैसूर) छओ बिगहा आठ कट्टा- फकीर मोहन सेनापतिक ओड़िया उपन्यासक मैथिली अनुवाद लेल प्राप्त।

अनुत्तरित (कविता), जादूगर (अनुवाद), स्मृतिक धोखरल रंग (संस्मरणात्मक निबन्ध), आंखि मुनने: आंखि खोलने (निबन्ध)। अनुवाद लेल **भाषा-भारती सम्मान 2003-** 04 (सी.आइ.आइ.एल., मैसूर) *जा सकै छी, किन्तु किए जाऊ* शक्ति चट्टोपाध्यायक बांग्ला कविता-संग्रहक मैथिली अनुवाद लेल प्राप्त। विदेह सम्पादकक समानान्तर साहित्य अकादेमी पुरस्कार २०१२ अनुवाद पुरस्कार- श्री रामलोचन ठाकुर- (पद्मानदीक माझी, बांग्लासँ मैथिली अनुवाद, बांग्ला-उपन्यास - मानिक बंधोपाध्याय)



गंगा प्रसाद मंडल "अके ला", नेपाल 1944-

पं सुन्दर झा शास्त्री राष्ट्रिय प्रतिभा पुरस्कारसँ सम्मानित। मिथिलांचलक किछु लोक कथा (संकलन आ सम्पादन) आ शिरीषक फूल (अनुवाद) प्रकाशित।



महेन्द्रनारायण निधि, धनुषा, नेपाल



परमेश्वर कापड़ि, धनुषा, नेपाल



जयनारायण झा "जिज्ञासु"

जयनारायण झा "जिज्ञासु", नेपाल



सुरेश झा, नेपाल 1920-1995



रोहिणी रमण झा 1950-



डॉ. कमल कान्त भण्डारी

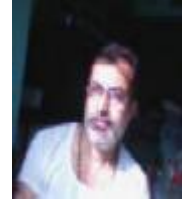
डॉ. कमलाकान्त भण्डारी 1952-

कबीर (मैथिली) पर शोध।



विनोद बिहारी लाल 1953-

जन्म स्थान पचही, मधुबनी, बिहार। चर्चित कथाकार। सयसँ ऊपर कथा प्रकाशित।



अरविन्द ठाकुर 1954-

परती टूटि रहल अछि (कविता संग्रह), अन्हारक विरोधमे (कथा संग्रह), बहुरुपिया प्रदेश मे (गजल संग्रह)।



श्याम दरिहरे 1954-

जन्म स्थान बरहा, बेनीपट्टी मधुबनी, बिहार। कवि, कथाकार। प्रकाशित कृति : सरिसोमे भूत (कथा संग्रह) अनूदित कृति : कनिप्रिया (धर्मवीर भारती)



दिनेश कुमार झा

मैथिलीक इतिहासपर लेखन।



अशोक कुमार ठाकुर

जन्म 2 जनवरी 1944 ई.। गाम बड़ागाँव (पंडौल)। नागमंडल (नाटक-अनुवाद), निशांत, वसुधाक संसार (उपन्यास)



प्रतापनारायण झा, नेपाल



शीतल झा, नेपाल



उग्रनारायण मिश्र "कनक"



डॉ. शम्भूनाथ चौधरी 19
20-2008



इन्द्रकांत झा



पंचानन मिश्र



प्रोफेसर गुरमैता

ज्योतिरीश्वरपर लेखन।



महेन्द्र नारायण सिंह "मगन"



सूर्यकांत झा, जनकपुर



रमण झा (1957-)

रचना: पश्चात्ताप (कथा-संग्रह)-
1995, काव्य-वाटिका (कविता-
संग्रह)- 1999, अलंकार-
भास्कर (पूर्व-खण्ड) -
2002, अलंकार-भास्कर (अलंकार
शास्त्र)- 2003, भिन्न-
अभिन्न (समीक्षा)- 2008, संग
सम्पादन: मैथिली (मिथिला
विश्वविद्यालय, मैथिली विभागक
शोध-पत्रिका) -
1996, सम्पादन: मैथिली (मिथिला
विश्वविद्यालय, मैथिली विभागक
शोध-पत्रिका)- 2007,2008



विजयनाथ झा

"अर्हीक लेल" (गीत-गजल संग्रह
प्रकाशित)।



योगानन्द हीरा



बाबा बैद्यनाथ

पहरा इमानपर (गजल संग्रह)



हरेकृष्ण झा 1950-

जन्म १० जुलाई १९५०
ई. गाम- कोइलखमे। अभियंत्रणक अध्ययन छोड़ि मार्क्सवादी राजनीतिमे सक्रिय। अनेक कविता आ आलोचनात्मक निबन्ध प्रकाशित। अनुवाद एवं विकास विषयक शोध कार्यमे रुचि। स्वतंत्र लेखन। प्रकृति एवं जीवनक तादात्म्य बोधक अग्रणी कवि। "एना त नहि जे" (कविता संग्रह)। २००८ ई. - श्री हरेकृष्ण झाकेँ कविता संग्रह एना त नहि जे लेल कीर्तिनारायण मिश्र साहित्य सम्मान।



कुमार पवन 1958

जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल" १९५०

मूल नाम जगदीश चन्द्र ठाकुर, जन्म: 27.11.1950, शंभुआर, मधुबनी। सेवा निवृत्त बैंक अधिकारी। मैथिलीमे प्रकाशित पोथी-1. तोरा अडनामे -गीत संग्रह-1978; 2. धारक ओइ पार-दीर्घ कविता-1999, गीत गंगा (गीत संग्रह), गजल गंगा (गजल संग्रह)।



उदय नारायण सिंह नचिकेता 1951-

जन्म-१९५१ ई. कलकत्तामे। पहिल काव्य संग्रह कवयो वदन्ति। १९७१ अमृतस्य पुत्रा: (कविता संकलन) आऽ नायकक नाम जीवन (नाटक)। १९७४ मे एक छल राजा / नाटकक लेल (नाटक)। १९७६-७७ प्रत्यावर्तन / रामलीला (नाटक)। १९७८ मे जनक आऽ अन्य एकांकी। १९८१ अनुत्तरण (कविता-संकलन)। १९८८ प्रियंवदा (नाटिका)। १९९७ रवीन्द्रनाथक बाल-साहित्य (अनुवाद)। १९९८ अनुकृति - आधुनिक मैथिली कविताक बंगलामे अनुवाद, संगहि बंगलामे दूटा कविता संकलन। १९९९ अश्रु ओ परिहास। २००२ खाम खेयाली। २००६ मे मध्यमपुरुष एकवचन (कविता संग्रह)। २००८ ई. मे नाटक "नो एण्ट्री: मा प्रविश" सम्पूर्ण रूपेँ "विदेह" ई-पत्रिकामे धारावाहिक रूपेँ ई-प्रकाशित भए एकटा कीर्तिमान बनेलक। २००९ ई.-श्री उदय नारायण सिंह नचिकेताकेँ नाटक नो एण्ट्री: मा प्रविश लेल कीर्तिनारायण मिश्र साहित्य सम्मान।



कीर्तिनाथ झा 1955-

विद्यानन्द झा 1965-

बुद्धपूर्णिमा, १९६५केँ कैथिनियाँ, झंझारपुर मुधुबनीमे जन्म। पराती जकाँ, बिछड़ल कोनो पिरीत जकाँ, दनुफक फूल जकाँ (कविता संग्रह) प्रकाशित। मूलतः कवि, थोड़ कथा लिखलनि, जे अपन मार्मिक अभिव्यक्तिक कारण बेस चर्चित भेल। विडम्बनापूर्ण परिस्थितिक पाछू जिम्मेवार समाजार्थिक कारणक खोज हिनकर मूल सृजन प्रेरणा थिक।



आशीष अनचिन्हार

मूल लेखन: कुमारि इच्छा (गजल संग्रह), जंघाजोड़ी (गजल संग्रह), अनचिन्हार आखर (गजल, रुबाइ आ कताक संग्रह), मैथिली गजलक व्याकरण ओ इतिहास, मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास, मैथिली गजलक रेडी रेकोनर, शब्द-अर्थ-शक्ति।
गजेन्द्र ठाकुर आ आशीष अनचिन्हार (सम्पादन): मैथिलीक प्रतिनिधि गजल, मैथिली गजल: आगमन ओ प्रस्थान बिंदु (गजलक आलोचना-समालोचना-समीक्षा)



महेन्द्र हजारी

गाम मुरैठा। कथा संग्रह, कविता संग्रह आ व्यंग्य संग्रह शीघ्र प्रकाश्य।
मैथिलीमे १९९० ई सँ विरल लेखन।
२००८ ई. सँ दस सालक मौन भंगक बाद पुनः रचनाक दोसर पालीक प्रारम्भ।



स्व. चन्द्रकान्त मिश्र, आ सी, दरभंगा

कुरल: मैथिली भावानुवाद



स्व. महेन्द्र नारायण झा, बेलौंजा, मधुबनी



स्व. राजकुमार मल्लिक, सोहराय (पोखरिभीड़ा), मधुबनी



लक्ष्मीपति सिंह



फूलचन्द्र मिश्र रमण



किशोरनाथ झा

गाम- विट्टो, पो.
सरिसवपाही, मधुबनी। "लोकवेद"
पोथी प्रकाशित।



सूर्यनारायण झा "सरस"

पोथी "मैथिली श्री
सीतारामचरितमानस" प्रकाशित।



कलानन्द भट्ट

कान्ह पर लहास हमर मैथिली गजल संग्रह



दयानाथ झा

गाम नागदह, मधुबनी। मैथिली
रंगमंडल मिथि-यात्रिक, कोलकाता।



डॉ. सुधाकर चौधरी १९४६

जन्म १५ मार्च १९४६ ई.। प्रकाशित पोथी: काजर, तीन रंग तेरह चित्र (कथा संग्रह), पंडी जी छत्ता (प्रहसन), विप्लवी सुभाष (नाटक)।



स्व. चुनचुन मिश्र, रहिका, मधुबनी।

मिथिला राज्यक आन्दोलन कर्मी।



श्याम किशोर सिंह

राजेन्द्र विमल, जनकपुर, नेपाल 1949-

मैथिली, नेपाली आ हिन्दी भाषाक प्राज्ञ विमल शिक्षाक हकमे विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)क उपाधि प्राप्त कएने छथि।कम्मो लिखिकऽ यथेष्ट यश अरजनिहार डा. विमलक लेखनीक प्रशंसा

किशोरीकान्त मिश्र

कोलकाताक मिथिला सांस्कृतिक परिषदक सक्रिय सदस्य। गाम- गोपीपट्टी ढढ़िया (कमतौल)



सत्यनारायण लाल कर्ण

मिथिला चित्रकला



सचिन्द्रनाथ झा

मिथिला लोक चित्रकला



नरेश कुमार विकल 1950-

जन्म २७ जुलाई १९५० भगवानपुर देसुआ (समस्तीपुर)। काव्य- अरिपन, महुआ मदन रस टपकय, बिन बाती दीप जरय। कथा- संग्रह- भरि गेल दर्दक इनार। उपन्यास- टहकैत टीस। नाटक- चोखगर खौंच।

धनाकर ठाकुर

अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद आ मिथिला अभियानसँ जुड़ल।



ले. कर्नल मायानाथ झा 1945-

जन्म 1 अप्रैल 1945 ई.। गाम- भराम (मधुबनी)। जकर नारि चतुर होइ (मैथिली लोक कथा संग्रह) प्रकाशित। विदेह सम्पादकक समानान्तर साहित्य अकादेमी पुरस्कार २०११ बाल साहित्य पुरस्कार- ले.क. मायानाथ झा (जकर नारी चतुर होइ, कथा संग्रह)



कालीनाथ ठाकुर

ग्राम सर्वसीमा



जनक किशोर लाल दास

मैथिलीक सङ्गसङ्ग नेपाली आ हिन्दी साहित्यमे सेहो होइत रहलनि अछि। त्रिभुवन विश्वविद्यालयअन्तर्गत रा.रा.ब. कैम्पस, जनकपुरधाममे प्राध्यापन कएनिहार डा. विमलक पूर्ण नाम राजेन्द्र लाभ छियनि। हिनक जन्म २६ जुलाई १९४९ ई. कऽ भेल अछि। साहित्यकारक नव पीढ़ीकेँ निरन्तर उत्प्रेरित करबाक कारणे ई डा. धीरेन्द्रक बाद जनकपुर-परिसरक साहित्यिक गुरुक रूपमे स्थापित भऽ गेल छथि।



कृष्णचन्द्र झा "मयंक"



लक्ष्मण झा "सागर"
1953-

"उचरि बैसू कौआ" मैथिली कविता संग्रह प्रकाशित।



रघुवीर मोची



शारदानन्द दास "परिमल"
"



शशिबोध मिश्र "शशि"
1946-



सुरेन्द्रनाथ



अमरनाथ

१९७५ ई. मे "क्षणिका" लघुकथा संग्रह प्रकाशित। हास्य कथाकार।



बच्चा ठाकुर



बुद्धिनाथ मिश्र



राजाराम सिंह राठौर, धनु
षा



वैद्यनाथ विमल 1955-



डॉ वासुकीनाथ झा 1940-



जितेन्द्र मिश्र "जीवन"



वीरेन्द्र नारायण झा



वीरेन्द्र झा 1956-

गोनू झा पर लेखन।



वैकुण्ठ झा 1954-

पिता-स्वर्गीय रामचन्द्र झा, जन्म-
२४ - ०७ - १९५४ (ग्राम-
भरवाड़ा, जिला-दरभंगा), शिक्षा-
स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र), पेशा- शिक्षक।
मैथिली, हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा मे लग
भग २०० गीतक रचना। गोनू झा पर आ
धारित नाटक " हास्यशिरोमणि गोनू झा
तथा अन्य कहानी" क लेखन।
एकर अलावा हिन्दीमे लगभग १५ उपन्या
स तथा कथाक लेखन।



वैकुण्ठ झा



विद्यानन्द झा 'पञ्जीकार' 1957-

जन्म-
09.04.1957, पण्डुआ, ततैल, ककरौड़(मधुबनी), रशाढ़य(पू
र्णिया), शिवनगर (अररिया) आ सम्प्रति पूर्णिया। पिता लब्ध
धौत पञ्जीशास्त्र मार्तण्ड पञ्जीकार मोदानन्द
झा, शिवनगर, अररिया, पूर्णिया | पितामह-स्व. श्री भिखिया
झा। पञ्जीशास्त्रक दस वर्ष धरि 1970 ई.सँ 1979 ई. धरि
अध्ययन, 22 वर्षक बएससँ पञ्जी-प्रबंधक संवर्द्धन आ
संरक्षणमे संलग्न। कृति- पञ्जी शाखा पुस्तकक लिप्यंतरण
आ संवर्द्धन।



महेन्द्र नारायण कर्ण



नरेन्द्र

गजलकार।

डॉ. विश्वेश्वर मिश्र



महेन्द्र मिश्र, नेपाल

अर्जुन नारायण चौधरी



कमल कांत झा 1943-



महाप्रकाश 1946-

जन्म: बनगांव, सहरसा, बिहार ।
वरिष्ठ कवि ओ कथाकार। प्रकाशित
कृति: कविता संभवा, संग समय के
(कविता संग्रह)। कीर्तिनारायण
मिश्र साहित्य सम्मान २०१० ई.- श्री
महाप्रकाश (कविता संग्रह ♦संग
समय के♦)।



छत्रानन्द सिंह झा 1946-



अयोध्यानाथ चौधरी, धनुषा, नेपाल 1
947-

मूलतः कविक रूपमे परिचित छथि । नेपालक आधुनिक
कविताक क्षेत्रमे हिनक नाम उल्लेखनीय अछि । श्री चौधरीक
लेखनमे मानवीय संवेदनाक प्रतिबिम्ब पाओल जाइत अछि ।
कविताक संग कथा आ निबन्धमे सेहो ई कलम चलबैत छथि ।
फड़िछाएल लेखन हिनक विशेषता थिकनि । धनुषा जिलाक
दुहबी गामक रहनिहार श्री चौधरीक जन्म ६अक्टुबर १९४७कऽ
भेल छनि । हिनक क्षितिजक ओहिपार नामसँ एक कविता-
संग्रह प्रकाशित छनि ।



विद्यानाथ झा 'विदित'



सियाराम झा "सरस"
1948-

जन्म स्थान मेंहथ, मधुबनी बिहार ।
प्रसिद्ध गीतकार, बादमे कथा लेखन
प्रारम्भ केलनि । प्रकाशित कृति
आंजुर भरि सिंगरहार, शोणिताएल
उगैत सूर्यक धम्मक (कथा संग्रह)।



अग्निपुष्प 1948-

जन्म: तरौनी, दरभंगा। मूलनाम :
महेन्द्र झा । मैथिलीमे सहस्त्रबाहु
कविता संग्रह प्रकाशित । मुक्ति
प्रसंगक अनुवाद प्रकाशित ।
वामपंथी आन्दोलनमे सक्रिय।
शिक्षा, सम्वाद आदि पत्रिकाक
सम्पादन । वामपंथी विचारधाराक
सशक्त कवि।



मधुकांत झा 1949-



वीनू भाइ



सत्यानन्द पाठक



योगीराज



कुणाल 1951-



राम भरोस कापड़ि भ्रमर, धनुषा, नेपा
ल 1951-

जन्म-बघचौरा, जिला धनुषा (नेपाल)।बन्नकोठरी: औनाइत धुँआ (कविता संग्रह), नहि, आब नहि (दीर्घ कविता), तोरा संगे जएबौ रे कुजबा (कथा संग्रह, मैथिली अकादमी पटना, १९८४), मोमक पघलैत अधर (गीत, गजल संग्रह, १९८३), अप्पन अनचिन्हार (कविता संग्रह, १९९० ई.), रानी चन्द्रवती (नाटक), एकटा आओर बसन्त (नाटक), महिषासुर मुर्दाबाद एवं अन्य नाटक (नाटक संग्रह), अन्ततः (कथा-संग्रह), मैथिली संस्कृति बीच रमाउंदा (सांस्कृतिक निबन्ध सभक संग्रह), बिसरल-बिसरल सन (कविता-संग्रह), जनकपुर लोक चित्र (मिथिला पेंटिङ्गस), लोक नाट्य: जट-जटिन (अनुसन्धान)। नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानक सदस्यता- श्री राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर' (2010)।



धीरेन्द्रनाथ मिश्र



शिवेन्द्रलाल कर्ण, धनुषा, नेपाल 1951-

लेखकसँ अधिक शिक्षकक रूपमे परिचित आ प्रतिष्ठित छथि । त्रिभुवन विश्वविद्यालयअन्तर्गतरा. रा. ब. कैम्पस, जनकपुर-धामक सह-प्राध्यापक श्री कर्णक ऐतिहासिक विषय-वस्तुपर लिखल कतोक लेख मैथिली, हिन्दी आ अङ्ग्रेजी भाषामे प्रकाशित अछि । स्वान्त-सुखाय ई कहियो कालकऽ कविता-कथा सेहो लिखि लैत छथि । हिनक लेखन ज्ञानवर्द्धक, जानकारीमूलक एवं सोझारएल रहैत अछि । देखलापर बुझना जाइत अछि जे ई हिनक गम्भीर अध्ययनक परिणति थिक ।सामाजिक तथा साहित्यिक



ब्रह्मदेव लाल दास

सङ्घ-संस्थासभमे सेहो सक्रिय प्राध्यापक कर्णक जन्म धनुषा जिलाक देवडीहा गाममे २ जनवरी १९५१ ई. कऽ भेल छनि ।



चण्डेश्वर खान

गाम- पट्टीटोल, जिला मधुबनी।
लघुकथा लेल चर्चित प्रशंसित।



दयाकान्त झा



गजेन्द्र नारायण सिंह, नेपाल



पद्मश्री श्री गजेन्द्र नारायण सिंह



हरिकान्त झा



इन्द्रनारायण झा



प्रवासी साहित्यालंकार



सीताराम सिंह



तुलानन्द मिश्र



शैलेन्द्र कुमार झा 1952-

जन्म स्थान हरिपुर, वकशी टोल, मधुबनी बिहार। प्रकाशित कृति: आरोह अवरोह, दशम खुट्टी (कथा संग्रह), इकोनोमिक हिस्ट्री ऑफ मिथिला (अंग्रेजी)।



शिवशंकर श्रीनिवास 1953-

जन्म स्थान लोहना मधुबनी, बिहार। चर्चित कथाकार ओ आलोचक। गीत ओ कविता सेहो कहियो काल लिखैत छथि। प्रकाशित कृति: त्रिकोण, अदहन, गाछ-पात, गामक लोक (कथा संग्रह)।



अशोक 1953-

जन्म स्थान लोहना, मधुबनी, बिहार। चर्चित कथाकार, कवि ओ सम्पादक। प्रकाशित कृति: चक्रव्यूह (कविता संग्रह) त्रिकोण (सहयोगी कथा संग्रह), ओहि रातिक भोर



विभूति आनन्द 1953-

जन्म: शिवनगर, मधुबनी, बिहार।
चर्चित कवि, कथाकार, संपादक।
प्रकाशित कृति टूटा उपन्यास टूटा
समीक्षा, तीन टा कथ संग्रह, टूटा
गीत-गजल संग्रह ओ चारिटा कथा-
संग्रह प्रकाशित। २००६- विभूति
आनन्द (काठ, कथा) मैथिली लेल
साहित्य अकादमी पुरस्कार।



केदार कानन 1959-

जन्म स्थान सुपौल, बिहार। चर्चित
कवि, कथाकार ओ संपादक।
प्रकाशित कृति : आकार लैत
शब्द (कविता संग्रह), अनूदित कृति
राजा राम मोहन राय, प्रायश्चित।
सम्पादन संकल्प, भारती मंडन
(पत्रिका)।



डॉ. शशिनाथ झा 1954-

गाम-दीप, जिला- मधुबनी।
मैथिली, बांग्ला, नेवारी आ देवनागरी
पांडुलिपिक विशेषज्ञ। साहित्य
अकादमीक भाषा
सम्मान 2007 क्लासिकल आ
मध्यकालीन साहित्य लेल।



धनुर्धर झा

गाम- विशौल। "वाक्यार्थविवेचनम्" लेल
श्रीवाणीयुवालयकरण
पुरस्कार 2010 प्राप्त।



शिवकान्त पाठक



हितनाथ झा

"कोइलख ग्रामकथा" प्रकाशित।
कवि सह कथाकार। मैथिली
साहित्यक रेखांकन (सम्पादन)



डॉ. योगेन्द्र पाठक "वियो गी" , वैज्ञानिक

"विज्ञानक बतकही" प्रकाशित।



राजनन्द झा

२००६- राजनन्द
झा (कालबेला- समरेश
मजुमदार, बांग्ला) लेल साहित्य
अकादमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



आद्यानाथ झा "नवीन"



अमलतास 1956-



यंत्रनाथ मिश्र



दिगम्बर ठाकुर



गणेश झा 1950-



कन्दर्पनारायण लाल कर्ण



शैलेन्द्र आनन्द 1955-



कमलाकांत झा

अध्यक्ष, मैथिली अकादमी, पटना



लल्लन प्रसाद ठाकुर 1951-
1995

जन्म ५ फरबरी १९५१ मुंगेर में श्रीमती सुभद्रा देवी आ श्री हीरानंद ठाकुरक द्वितीय बालक । हिनक ग्राम- समौल, जिला-मधुबनी। सिविल इंजीनियर, टाटा स्टीलमें चाकरी। प्रकाश झाक फ़िल्म "कथा माधोपुर की" में मुख्य भूमिका। नाटककार आ मंच अभिनेता। हुनक लिखल किछु प्रसिद्ध मैथिली नाटक छन्हि : बडका साहेब, मिस्टर निलो काका, लोंगिया मिरचाई, बकलेल आदि वा अंत।



ललित कुमार

हरिमोहन झा केर उपन्यास कन्यादानक अंग्रेजी में अनुबास 'The Bride' नामसँ प्रकाशित।



मिथिलेश कुमार झा

'Language Politics and Public Sphere in North India: Making of the



डॉ. कमलानन्द झा



लोकनाथ मिश्र

Maithili
Movement' प्रकाशित।



डॉ. रवीन्द्र कुमार चौधरी
1966-

जन्म: 5 मार्च 1966 ई.
गनपतगंज, सुपौल। मैथिलीक
प्राध्यापक। रक्षामंत्रीक पदक आ बिहार
आ झारखण्ड सरकार द्वारा पुरस्कृत।
झारखण्डक मैथिली आन्दोलनमे अग्रणी।



अशोक अविचल

जन्म- ५ जनवरी १९६७, गाम- रहुआ
संग्राम, जिला मधुबनी। मैथिली
प्राध्यापक। रचना: एक बनू नेक बनू
(लघु नाटक), मैथिली भाषा:
सर्वेक्षण आ विश्लेषण, हमरा देशक
भागमे (मैथिलीक प्रथम असंगत
नाटक), सम्पादन: झारखण्डक
सनेश, कचोट (नौ अंक), झारखण्ड
वाणी (हिन्दी साप्ताहिक), सम्मान:
अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनमे
सम्मान (२०००), परमहंस
लक्ष्मीनाथ गोस्वामी समिति सम्मान
(२००८)



डॉ. श्रीपति सिंह १९४४-

"उमंग-तरंग" कविता-संग्रह
प्रकाशित।



डॉ. उमाकान्त

मैथिली व्यंग्य-आलेखक पोथी
"अपन बात" प्रकाशित।



सुशील 1942-

अस्मिता (लघुकथा संग्रह), भामती (नाटक) प्रकाशित।



श्रीदेव

मूल नाम- वागेश्वर झा। कथा-
संग्रह "हिलकोर", नाटक "लोहक
कडना", गीत-
प्रबन्ध "पुलोमा" प्रकाशित।



सुकांत सोम 1950-

जन्म दरभंगा जिलाक तरौनी
गाममे 1950 ई. मे भेलन्हि। बी.
ए. पास कए ई पटनाक



डॉ. देवकांत मिश्र 1952-



डॉ. नित्यानन्द लाल दास

पिता स्वर्गीय सूर्यनारायण दास।
फारबिसगंज कॉलेज, फारबिसगंज सँ
अंग्रेजी विभागाध्यक्ष पदसँ १९९८ मे

दैनिक **जनशक्ति**क सहायक सम्पादक छलाह । फेर नव भारत टाइम्स, पटनामे।बाल्यवस्थासँ अपन पैतृक (पिता याल्नीजी) गुण कविता करबाक तथा कथा लिखबामे सेहो यश अर्जन कएलन्हि अछि । वर्तमान राजनीति सामाजिक विषयसँ सम्बद्ध व्यंग्यात्मक, सरल भाषामे लिखल नव कविता हिनक विशेषता छन्हि । गामघरक परिवेश तदनुकूल शब्द एवं बिम्ब रचनाने क्रमहि सिद्ध छथि ।

पिता कविचूडूक्षामणि पं. काशीकांत मिश्र "मधुप", "बेनीपुर अनुमण्डलमे मैथिली" पोथी प्रकाशित।

अवकाशप्राप्त। डॉ. सुरेन्द्र झा "सुमन"क संयोजकत्वक कार्यकालमे "मैथिली परामर्शदातृ समिति" (साहित्य अकादेमी, दिल्ली)क सदस्य। मैथिली पत्रिका सभ जेना बटुक, प्रयाग; मिथिला मिहिर, पटना; स्वदेश, दरभंगा; पहुँच, पटना आ परती पलार, अररियामे रचना प्रकाशित। १९६७ ई. सँ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मे सक्रिय। प्रांतीय प्रतिनिधि २००४ धरि जिला सरसंघचालक। जे.पी.आन्दोलनमे लोकतंत्र सेनानी। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलामक अंग्रेजी पोथी "इन्नाइटेड माइण्ड्स"क मैथिलीमे "प्रज्वलित प्रज्ञा" नामसँ अनुवाद। साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार २०१०- डॉ. नित्यानन्द लाल दास- (इन्नाइटेड माइण्ड्स- डॉ.ए.पी.जे. कलाम, अंग्रेजी) लेल।



राजनाथ मिश्र 1950-

"अ बर्ड्स आइ व्यू ऑन मिथिला" प्रकाशित।



पशुपतिनाथ झा, महोत्तरी, नेपाल 1954-

हिनक लेखन विवरणात्मक होइत अछि आ सम्बद्ध विषयमे नीकजकोँ जानकारी देत अछि । विभिन्न पत्र-पत्रिकामे हिनक लेख-रचना बरोबरि देखबामे अबैत रहैछ ।रा.रा.ब. कैम्पस, जनकपुरधाममे मैथिली विषयक प्राध्यापनमे संलग्न श्री झा मैथिलीसम्बन्धी सम्वन्धनात्मक गतिविधिसँ सेहो जुड़ल छथि । मैथिली भाषाक लोपोन्मुख अवस्थामे रहल अपन लिपि तिरहुतामे विशेषज्ञता रखनिहार श्री झा एकर संरक्षण-सम्बर्द्धनक दिशामे सेहो क्रियाशील छथि ।प्रध्यापक झा मैथिली महाकाव्यमे रस निरूपण विषयपर विद्यावारिधि कएने छथि आ शिक्षा तथा कानून विषयमे सेहो स्नातक छथि । महोत्तरी जिलाक एकरहिया रहनिहार श्री झाक जन्म ४ दिसम्बर १९५४ कऽ भेलछनि ।चेन्नैमे मिथिला रत्नसँ सम्मानित।



अनिलचन्द्र ठाकुर 1954-2009

जन्म 13 सितम्बर 1954 ई.कें कटिहार जिलाक समेली गाममे भेलन्हि। 1982 ई.मे हिन्दी साहित्यमे स्नातकोत्तर केलाक बाद नवम्बर '93 सँ नवम्बर '94 धरि "सुबह" हस्तलिखित पत्रिकाक सम्पादन-प्रकाशन कएलन्हि आ कोशी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकमे अधिकारी रहथि। मैथिली, अंगिका, हिन्दी आ अंग्रेजीमे समानरूपेँ लेखन। मृत्युक पूर्व ब्रेन ट्यूमरसँ बीमार चलि रहल छलाह। **प्रकाशित कृति:** आब मानि जाउ(मैथिली उपन्यास)- पहिने भारती-मंडन पत्रिकामे प्रकाशित भेल, फेर मैलोरंग द्वारा पुस्तकाकार प्रकाशित भेल।; कच(अंगिकाक पहिल खण्ड काव्य,1975); एक और राम (हिन्दी नाटक,1981); एक घर सड़क पर (हिन्दी उपन्यास, 1982); द पपेट्स (अंग्रेजी उपन्यास, 1990); अनत कहौं सुख पावे (हिन्दी कहानी संग्रह,2007)। आब मानि जाउ (मैथिली उपन्यास) - एहि उपन्यासमे एक एहन युवतीक संघर्ष-गाथा अंकित अछि जे अपन लगनसँ जीवन बदलैत अछि। असंख्य गामक ई कथा कुलीनताक अधःपतनक



बृषेश चन्द्र लाल

जन्म 29 मार्च 1955 ई. कैं भेलन्हि। पिता: स्व. उदितनारायण लाल, माता: श्रीमती भुवनेश्वरी देव। हिनकर छठिहारक नाम विश्वेश्वर छन्हि। मूलतः राजनीतिककर्मी। नेपालमे लोकतन्त्रलेल निरन्तर संघर्षक क्रममे १७ बेर गिरफ्तार। लगभग ८ वर्ष जेल। सम्प्रति तराई मधेश लोकतान्त्रिक पार्टीक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष। मैथिलीमे किछु कथा विभिन्न पत्रपत्रिकामे प्रकाशित। आन्दोलन कविता संग्रह आ बी.पी. कोइरालाक प्रसिद्ध लघु उपन्यास मोदिआइनक मैथिली रुपान्तरण तथा नेपालीमे संघीय शासनतिर नामक पुस्तक प्रकाशित। ओ विश्वेश्वर प्रसाद कोइरालाक प्रतिबद्ध राजनीति अनुयायी आ नेपालक प्रजातांत्रिक आन्दोलनक सक्रिय योद्धा छथि। नेपाली राजनीतिपर बरोबरि लिखैत रहैत छथि।



जगदीपनारायण "दीपक"

"



नारायणजी 1956-

जन्म: घोघरडीहा (मधुबनी)। मैथिली भाषा-साहित्यमे एम. ए., पी-एच. डी. कामेश्वर लता संस्कृत विद्यालय, घोघरडीहामे अध्यापन। प्रकाशित कृति: धरि घुरि रहल छी (काव्य-संग्रह)।



राजदेव मंडल

शिक्षा- एम.ए.द्वय, एल एल बी., पता- ग्राम- मुसहरनियों, रतनसारा (निर्मली, मधुबनी)। प्रकाशित कृति- अम्बरा- कविता- संग्रह, हमर टोल (उपन्यास), बसुंधरा(कविता संग्रह), जाल (पटकथा), लाज (एकांकी), जल भंवर (उपन्यास), त्रिवेणीक रंग (विहनि आ लघु कथा संग्रह), पंचैती (लघु पटकथा), वापसी।

कथा, संस्कारविहीनताक उद्घाटन आ भविष्यक पीढ़ीकेँ बचएबाक चेतनी छी।



डॉ. श्री श्रीशंकर झा 1952-



शिवप्रसाद यादव



हीरेन्द्र कुमार झा 1958-

जन्म 30 अगस्त 1958, गाम- कोइलख (मधुबनी), पिता श्री कामेन्द्र नाथ झा। ट्रांसफर्मेर (मैथिली कथा संग्रह) प्रकाशित।



मानेश्वर मनुज 1958-

जन्म गम्हरिया (मानपौर, मधुबनी)मे, 1978सँ 1992 धरि नौसेनामे विभिन्न जहाजपर कार्यरत, फेर यात्री रेलमे। सम्बन्ध (कथा संग्रह) प्रकाशित।



नबोनाथ झा



महेन्द्र नारायण राम 1958-



तारानन्द वियोगी 1966-

महिषी, सहरसामे जन्म। पहिल पोथी अपन युद्धक साक्ष्य (गजल संग्रह) १९९१ मे प्रकाशित। अन्य पुस्तक हस्तक्षेप, प्रलय रहस्य (कविता-संग्रह), अतिक्रमण (कथा-संग्रह), शिलालेख (लघुकथा संग्रह), कर्मधारय। राजकमल चौधरीक कथाकृति एकटा चंपाकली एकटा विषधर संकलन-संपादन। साहित्य अकादेमी मैथिली बाल साहित्य पुरस्कार २०१०-तारानन्द वियोगीकेँ पोथी "ई भेटल तँ की भेटल" लेल। यात्री-चेतना पुरस्कार २०१० ई.- डॉ. तारानन्द वियोगी।



भालचन्द्र झा

ए.टी.डी., बी.ए., (अर्थशास्त्र), मुम्बईसँ थिएटर कलामे डिप्लोमा। मैथिलीक अतिरिक्त हिन्दी, मराठी, अंग्रेजी आ गुजरातीमे निष्णात। १९७४ ई.सँ मराठी आ हिन्दी थिएटरमे निदेशक। महाराष्ट्र राज्य उपाधि १९८६ आ १९९९ मे। आइ.एन.टी. केर लेल नाटक ❖सीता❖ क निर्देशन। ❖वासुदेव संगति❖ आइ.एन.टी.क लोक कलाक शोध आ प्रदर्शनसँ जुड़ल छथि आ नाट्यशालासँ जुड़ल छथि विकलांग बाल लेल थिएटरसँ। निम्न टी.वी. मीडियामे रचनात्मक निदेशक रूपेँ कार्य।लेखन-बीछल बेरायल मराठी एकांकी(अनुवाद), सिंहावलोकन (मराठी साहित्यक १५० वर्ष), आकाश (जी.टी.वी.क धारावाहिकक ३० एपीसोड), जीवन सन्ध्या(मराठी साप्ताहिक, डी.डी, मुम्बई), धनाजी नाना चौधरी (मराठी), स्वयम्बर (मराठी), फिर नहीं कभी नहीं(हिन्दी), आहत (हिन्दी), यात्रा (मराठी सीरियल), मयूरपन्ख (मराठी बाल-धारावाहिक), हेल्थकेअर इन २०० ए.डी.) (डी.डी.)।२००९ मे- भालचन्द्र झा (बीछल बेरायल मराठी



मनमोहन झा



कुमार शैलेन्द्र



रमेश 1961-

जन्म स्थान मेंहथ, मधुबनी, बिहार।
चर्चित कथाकार ओ कवि ।
प्रकाशित कृति:
समांग, समानांतर, दखल (कथा संग्रह), नागफेनी (गजल संग्रह), संगोर, समवेत स्वरक आगू, कोसी धारक सभ्यता, पाथर पर दूभि (काव्य संग्रह), प्रतिक्रिया (आलोचनात्मक निबंध)।



मेघन प्रसाद 1961-



प्रदीप बिहारी 1963-

जन्म स्थान कन्हौली मल्लिक टोल, खजौली, मधुबनी, बिहार।
चर्चित कथाकार, उपन्यासकार ओ रंगकर्मी । प्रकाशित कृति: गुमकी ओ बिहाड़ि, विसूवियस (उपन्यास), औतीह कमला जयतीह कमला, खण्ड-खण्ड जिनगी, सरोकार (कथा संग्रह)।
२००७- प्रदीप बिहारी (सरोकार, कथा)मैथिली लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार ।



चन्द्रमोहन झा पर्वा



डॉ. सुरेन्द्र लाभ, नेपाल



फूलचन्द्र झा "प्रवीण"
1961-

गाम तुमौल दरभंगा, आयल नवल प्रभात, पांगल गाछक छाहरि, हमरा मोनक खजन चिड़ैया, बसंतक बजनिजा (कविता संग्रह), भूत होइत भविष्य (कथा संग्रह)।

रोशन जनकपुरी, नेपाल



रामानुग्रह झा

जन्म: सुपौल, बिहार। मैथिली कवि आ आलोचक।

डॉ. अरविन्द अक्कू 1957-



ललितेश मिश्र

"बीच वैतरणीमे" (कथा संग्रह), Pied Poesy (Anthology of Maithili Poems translated into English), परख, प्रस्तावना, रचना रसायन (आलोचना) प्रकाशित।



देवशंकर नवीन 1962-

ओ ना मा सी (गद्य-पद्य मिश्रित हिन्दी-मैथिलीक प्रारम्भिक सर्जना), चानन-काजर (मैथिली कविता संग्रह), आधुनिक (मैथिली) साहित्यक परिदृश्य, गीतिकाव्य के रूप में विद्यापति पदावली, राजकमल चौधरी का रचनाकर्म (आलोचना), जमाना बदल गया, सोना बाबू का यार, पहचान (हिन्दी कहानी), अभिधा (हिन्दी कविता-संग्रह), हाथी चलए बजार (कथा-संग्रह)।



कुमार मनीष अरविन्द 1964-



बदरी नारायण बर्मा



राजेन्द्र किशोर, नेपाल



श्याम सुन्दर शशि, नेपाल

श्याम सुन्दर शशि, जनकपुरधाम, नेपाल। पेशा-



हिमांशु चौधरी, नेपाल

पिता : स्वर्गीय कामेश्वर चौधरी, माता: श्रीमती चन्द्रावती

पत्रकारिता। शिक्षा: त्रिभुवन विश्वविद्यालयसँ, एम.ए. मैथिली, प्रथम श्रेणीमे प्रथम स्थान। मैथिलीक प्रायः सभ विधामे रचनारत। बहुत रास रचना विभिन्न पत्र-पत्रिकामे प्रकाशित। हिन्दी, नेपाली आऽ अंग्रेजी भाषामे सेहो रचनारत आऽ बहुतरास रचना प्रकाशित। सम्प्रति- कान्तिपुर प्रवासक अरब ब्यूरोमे कार्यरत।



सत्यनारायण मेहता



भुवनेश्वर पाथेय



राजेन्द्र झा, धनुषा



अशोक कुमार मेहता



धर्मेन्द्र विहल, सिरहा, नेपाल 1967-

रस्ता तकैत जिनगी, एक सृष्टि एक कविता, एक समयक बात, धुअनाएल आकृति सभ (मैथिली कविता संग्रह), भ्रमरका उत्कृष्ट नाटकहरु, गोनूझाका कथाहरु (मैथिलीसँ नेपाली अनुवाद), मैथिलीक कक्षा 1 सँ 5 आ बाल-साहित्य संदर्भक तीनटा पोथीक सह-लेखक। पत्रकारिताक मूल सिद्धांत (मैथिली, प्रेसमे), दलित रिपोर्टिंग मैनुअल (नेपाली, प्रेसमे)।



धीरेन्द्र कुमार झा



निमिष झा, नेपाल



गौरीनाथ (अनलकान्त)

"अन्तिका"क सम्पादन।



श्रीधरम

कथाकार, समालोचक



रमण कुमार सिंह
१९६९-

"फेर सँ हरियर", "दुःस्वप्नक बाद" (कविता संग्रह), "हमर पसार संसार सार" (ललित निबन्ध), "तिरपेच्छन" (आलोचना), "उड़ि जो रे सुग्गा" (राजस्थानीसँ मैथिली अनुवाद) प्रकाशित।



मुख्तार आलम

"परिचय बनैत शब्द" (कविता संग्रह) प्रकाशित।



डॉ विजयेन्द्र झा
१९६४-

"मैथिली व्याकरण ओ रचना", "मैथिली भाषा विज्ञान" प्रकाशित।



अजित आजाद

"पेन ड्राइव मे पृथ्वी" लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।



बद्री नाथ
राय 'अमात्य'

'मैथिल भैया करू विचार' प्रकाशित।



किशन कारीगर

"किछु फुरा गेल हमरा" प्रकाशित।



कुमार मनोज कश्यप

बदलैत समय (मैथिली लघु कथा संग्रह)



बिनोद मिश्र

डॉ. बिनोद मिश्र सम्प्रति आई आई टी रुडकी, उत्तराखंडमे अंग्रेजी पढ़बैत छथि आ हिनक रचना। अंग्रेजी आ हिंदी मे प्रकाशित भेल छन्हि। अहि वर्ष हिनक कविता संग्रह Silent Steps and Other Poems प्रकाशित भेल छन्हि। एकर अतिरिक्त ई अंग्रेजीमे आलोचनाक क्षेत्रमे आठ टा पोथी संपादित केने छथि। हिनक पोथी Communication



आनन्द कुमार झा 1977-

जन्म स्थान: मेंहथ, झंझारपुर; पिता स्व. अभयकांत झा, माता श्रीमती इन्दुकाली देवी, प्रकाशन- "धधाइत नवकी कनियाँक लहास", "हठात् परिवर्तन", "बदलैत समाज", "टाकाक मोल", "कलह" (पाँचू मैथिली नाटक) प्रकाशित। विदेह सम्पादकक समानान्तर साहित्य अकादमी पुरस्कार २०११ युवा पुरस्कार- आनन्द कुमार झा (कलह, नाटक)



वनदेवीपुत्र भवनाथ, नाट
ककार

Skills for Engineers and
Scientists बहुतो इंजीनियरिंग
संस्थानमे पाठ्य पुस्तक रूपमे
पढाओल जाइत अछि।



चन्द्रेश



राम सेवक सिंह



शहीद दुर्गानन्द झा, नेपाल



उदयनाथ झा "अशोक"



कपिलेश्वर राउत

उलहन (विहनि - लघु कथा संग्रह) प्रकाशित।



कपिलेश्वर साहू

डॉ. शम्भु कुमार सिंह

जन्म: 18 अप्रील 1965 सहरसा
जिलाक महिषी प्रखंडक लहुआर
गाममे। आरंभिक
शिक्षा, गामहिसेँ, आइ.ए., बी.ए.
(मैथिली
सम्मान) एम.ए. मैथिली (स्वर्णपदक
प्राप्त) तिलका माँझी भागलपुर
विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार
सेँ। BET [बिहार पात्रता
परीक्षा (NET क
समतुल्य) व्याख्याता हेतु उत्तीर्ण,
1995] ♦मैथिली नाटकक
सामाजिक विवर्तन♦ विषय पर पी-
एच.डी. वर्ष 2008, तिलका
माँ. भा.विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार
सेँ। मैथिलीक कतोक प्रतिष्ठित पत्र-



कृष्णचन्द्र यादव, नेपाल

पत्रिका सभमे कविता, कथा, निबंध
आदि समय-समय पर प्रकाशित।
वर्तमानमे शैक्षिक
सलाहकार (मैथिली) राष्ट्रीय अनुवाद
मिशन, केन्द्रीय भारतीय भाषा
संस्थान, मैसूर-6 मे कार्यरत।



शिवकान्त ठाकुर



शोभाकान्त झा



उमाकान्त झा आ प्रियंका, मैथिली रंग
मंच



श्यामानन्द ठाकुर



हरिकांत लाल दास, नेपाल



शशिनाथ ठाकुर, नेपाल



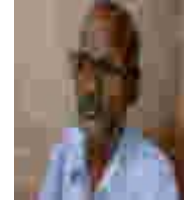
दुर्गानन्द मंडल

संचयिका, कथा कुसुम (विहनि आ लघु
कथा संग्रह), चक्षु प्रकाशित।



शिव कुमार झा 1973-

शिव कुमार
झा ♦♦टिल्लू♦♦, पिताक नाम:
स्व. काली कान्त
झा ♦♦बूच♦♦, माताक नाम:
स्व. चन्द्रकला देवी, जन्म तिथि: 11-
12-1973, शिक्षा: स्नातक
(प्रतिष्ठा), जन्म स्थान:
मातृक- मालीपुर मोड़तर, जि.
- बेगूसराय, मूलग्राम: ग्राम-पत्रालय -
करियन, जिला -
समस्तीपुर, पिन: 848101, संप्रति:
प्रबंधक, संग्रहण, जे. एम. ए. स्टोर्स
लि., मेन रोड, बिस्टुपुर जमशेदपुर
- 831 001, अन्य गतिविधि:
वर्ष 1996 सँ वर्ष 2002 धरि
विद्यापति परिषद समस्तीपुरक



राम विलास साहु

मनक
मैल, अंकुर- लघुकथा संग्रह, रथक चक्का उलटि चलै बाट (क
विता/ टनका संग्रह), कर्म बिनु जग सुन्ना (दोसर कविता/ टन
का संग्रह), स्कूलक खिचड़ी (विहनि/ लघु कथा संग्रह), दूधवे
चनी (लघु कथा संग्रह) प्रकाशित।

सांस्कृतिक , गतिवधि एवं मैथिलीक प्रचार-प्रसार हेतु डॉ. नरेश कुमार विकल आ श्री उदय नारायण चौधरी (राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक) क नेतृत्वमे संलग्न। **प्रकाशित कृति:** क्षणप्रभा-कविता-संग्रह, अंशु-समालोचना।



महाकान्त ठाकुर



बचेश्वर झा, निर्मली

"निबन्ध-निकुञ्ज" प्रकाशित।



धीरेन्द्र कुमार, निर्मली



चन्द्रशेखर कामति 1959

-

मैथिली कवि। शिक्षा- एम.ए. (राजनीतिशास्त्र), पिता- स्व. योगेन्द्र कामति , गाम-पोस्ट- करियन, भाया-इलमास नगर, थाना- रोसड़ा, जिला-समस्तीपुर, बिहार। संप्रतिप्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी (बेनीपट्टी)।



नन्द विलास राय

"भरदुतिया", "छठिक डाला", "हमर चारूधाम" प्रकाशित।



बिनय भूषण

उजरा परवाक खोज (कविता संग्रह)



सुधाकर झा, महोत्तरी , ने पाल

सएसँ बेशी सड़क नाटकमे मंचन।



सदरे आलम "गौहर"

गाम-पुरसौलिया, भाया-जयनगर, जिला मधुबनी।



डॉ. भुवन किशोर मिश्र "भुवनेश"

मैथिली कथा संग्रह- गोबरछत्ता।



दिनकर कुमार

"पूर्वोत्तर मैथिल" क सम्पादन।



डॉ. विनय विश्वबन्धु



रामदेव प्रसाद मण्डल झारुदार

मैथिलीक भिखारी ठाकुरक नामसँ प्रसिद्ध मैथिलीक पहिल जनकवि रामदेव प्रसाद मण्डल झारुदार।

"हमरा बिनु जगत सूना छै" आ "गीताञ्जलि झाडू" प्रकाशित।



उमेश पासवान

"वर्णित रस" प्रकाशित।



ओम प्रकाश झा

घोघरडीहा (मधुबनी)।

"कियो बूझि नै सकल हमरा" (गजल, रुबाइ आ कता संग्रह) प्रकाशित।



जगदानन्द झा मनु

नदिया भुक्कैए हमर घराड़ीपर (गजल संग्रह), तोहर कतेक रंग (विहनि कथा संग्रह), चोनहा- (बाल उपन्यास), व्यथा- (कविता-गीत संग्रह)।



अच्छेलाल शास्त्री



डॉ अमोल राय



नन्द कुमार मिश्र नन्द



डॉ. नन्द कुमार मिश्र



शिव कुमार प्रसाद



अर्द्धनारीश्वर (१९५३-)

मूल नाम- गिरिजानन्द झा,
साहित्यिक नाम- अर्द्धनारीश्वर। गाम-
बाथ (मधेपुर), मधुबनी। कलंकिनी,
नीलकंठ, अन्हार गलियारी (कथा



दिलीप कुमार झा



डॉ ताराकान्त झा

संग्रह); माएक नाम चिट्ठी,
काव्यलोक (कविता संग्रह);
हाइकमाण्ड (निबंध संग्रह)।

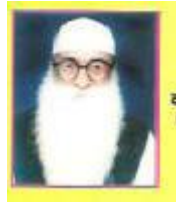


अमरकान्त, नेपाल



मुरलीधर झा

कबिलपुर, दरभंगा। बाल कथा
संग्रह "पिलपिलहा गाछ"
(2010) प्रकाशित।



कमलधर दास

"मैथिल कर्ण कायस्थक
गोत्र, प्रवर, मूल आ वैवाहिक
सम्बन्ध" पोथी प्रकाशित।



श्रीकान्त मण्डल, मैथिली रंगमंच



बेचन ठाकुर

गाम: चनौरागंज, मधुबनी। प्रकाशित
कृति: बेटीक अपमान आ छीनरदेवी
(नाटक), बाप भेल पिच्ची आ
अधिकार (नाटक), बिसवासघात
(नाटक), ऊँच-नीच (नाटक), भौंट
(नाटक); एक दर्जनसँ बेशी नाटक
प्रकाशनक प्रतीक्षामे।



गंगा झा

मैथिली रंगमंडल कोकिल
मंच, कोलकाता। कोलकाता आ
गाम पजुआरिडीह टोलमे मैथिली
रंगमंच निर्देशन।



नबोनारायण मिश्र 1955-

पिता-श्री गोविन्द मिश्र, माता- श्रीमति
अडूला देवी। गाम- कुशमील,पो.नागदह-
बलाइन, भाया-अरेड़हाट, जिला-मधुबनी।
मैथिली रंगमंचसँ सम्बद्ध "कोकिल
मंच" संस्थाक माध्यमसँ।



कमलेश कुमार दास, रंगमंच कलाकार



अशोक दत्त, जनकपुर

किशोर केशव, मैथिली रंगमंच



मदन ठाकुर

चर्चित रंगकर्मी, जनकपुरक चर्चित संस्था मिथिला नाट्यकला परिषदक संस्थापक । तीन दशकसँ बेसी समयसँ रंगक्षेत्रमे सक्रिय । करीब ३०० गोट मंचीय नाटकक सयो प्रस्तुति, २०० गोट सड़क नाटकक हजारसँ बेसी प्रदर्शनमे अभिनय । २० गोट टेली-सीरियल आ आधा दर्जन मैथिली फीचर फिल्ममे अभिनय । पुरस्कार: सप्तम अन्तर्राष्ट्रीय महोत्सवमे सर्वश्रेष्ठ अभिनेता २०४९ वि.स., क्षेत्रीय प्रतिभा पुरस्कार (नेपाल सरकार) २०६३ वि.स.।

कुमार गगन, मैथिली रंगमंच



अभय कुमार यादव, मैथिली रंगमंच



आशुतोष यादव अभिज्ञ



कृष्ण कुमार कश्यप 1949-

जन्म १५ सितम्बर १९४९ ई.। पिता- कवि- उपन्यासकार स्व. इन्द्रनारायण लाल "सँवलिया" । जनबरी १९६५ ई. मे नेना सभ लेल "नाइट स्कूल", १९८१ ई. मे "कला आधारित जीवन आ शिक्षण पद्धति"क प्रवर्तन आ तकर कार्यान्वयन लेल शिवा कश्यप आ शशिबालाक सहयोगसँ "भारती विकास संस्था"क स्थापना। रचना: शशिबालाक संग "मेघदूत" आ "गीत-गोविन्द"क मैथिली अनुवाद, माछ-भात, मिथिला चित्र-शिक्षा, भाग-१, मिथिला चित्र-कोर, भाग-३।



ललित कुमुद



बटोही झा, मिथिला चित्र
कला



प्रवीण कुमार ठाकुर

जन्म तिथि -31 दिसम्बर 1977; जन्म स्थान -
कन्हौली, सकरी, मधुबनी; शिक्षा- सूर्य
नारायण हाई
स्कूल - नरपतिनगर, बी. एस. सी - मेमोरिअल
कॉलेज - दरभंगा, डिप्लोमा इन फैशन
डिजाईन (नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन
डिजाईन - नयी दिल्ली), चित्रकला (आओर
फैशन पूर्वानुमानमे विशेष योग्यता, निवास
स्थान- दिल्ली, इंडिया; पिता- श्री सत्य नारायण
ठाकुर, सकरी - कन्हौली; माता- श्रीमती
मालती ठाकुर, सकरी - कन्हौली। वर्तमानमे
अपन एक्सपोर्ट बिज़नेस एस्थेट) (क नामसँ
शुरुआत, पूर्वमे प्रोडक्ट डेवेलोपमेंट आओर
मर्चेंटक रूपमे कार्यरत।



लाला पंडित, मिथिला मूर्तिकला



राजेन्द्र पंडित, मिथिला मूर्तिकला



गिरीश चन्द्र लाल



नवेन्दु कुमार झा, पत्रकार



चन्द्र किशोर लाल, पत्रकार,
नेपाल



उपेन्द्र भगत नागवंशी, नेपाल

सङ्क नाटक।



रमेश रंजन, परवाहा, नेपाल 1966-

परवाहा, नेपालमे जन्म। नेपालीय कथा-जगतक नवीन
मुदा सम्मानित नाम। जनपक्षधर कथा-दृष्टि आ मोहक
शिल्प। थोड़ लिखलनि, मुदा बेर-बेर चर्चित रहलाह।



विनीत ठाकुर

"बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज" प्रकाशित।



सुजीत कुमार झा, नेपाल

जिद्दी (लघुकथा संग्रह), चिड्डे (लघुकथा-संग्रह), रिपोर्टर डायरी (रिपोर्ताज), गन्ध (लघु कथा संग्रह), खजुरीबाली (लघु कथा संग्रह), कोइली घूरि आउ (बाल लघु-विहनि कथा संग्रह), दूधमती- (सम्पादन- नेपाली आ मैथिलीमे)।



सरोज खिलाड़ी

नेपालक पहिल मैथिली रेडियो नाटक संचालक



देवांशु वत्स

जन्म- तुलापट्टी, सुपौल। मास कम्युनिकेशनमे एम.ए., हिन्दी, अंग्रेजी आ मैथिलीक विभिन्न पत्र-पत्रिकामे कथा, लघुकथा, विज्ञान-कथा, चित्र-कथा, कार्टून, चित्र-प्रहेलिका इत्यादिक प्रकाशन। विशेष: गुजरात राज्य शाला पाठ्य-पुस्तक मंडल द्वारा आठम कक्षाक लेल विज्ञान कथा जंग प्रकाशित (2004 ई.), नताशा: मैथिलीक पहिल-चित्र-श्रृंखला (कॉमिक्स) प्रकाशित।



संतोष मिश्र, नेपाल

पोसपुत (लघुकथा-संग्रह), उदास मोन (लघुकथा-संग्रह), एना-किए (कविता-संग्रह), अपना (संपादन- कविता-संग्रह)।



सुनील कुमार मल्लिक, गायक, जनकपुर, नेपाल 1968-

मैथिलीक गायक-सगडीतकारक रूपमे प्रसिद्ध छथि । मैथिली भाषाक गीतसभमे मौलिक तथा सार्थक सगडीतक सृजनमे हिनक सक्रियता प्रशंसनीय छनि । सुनीलक गायन तथा सगडीतमे कैसेट एलबमसभ सेहो बाहर भेल अछि । लेखनदिस हिनक सक्रियता परिमाणत्मक रूपमे कम रहितहुँ गुणात्मक दृष्टिँ हृदयस्पर्शी मानल जाइत अछि । पेशासँ विज्ञान-शिक्षक छथि ।



धीरेन्द्र प्रेमर्षि, सिरहा, नेपाल 1967-

वि.सं.२०२४ साल भादब १८ गते सिरहा जिलाक गोविन्दपुर-१, बस्तीपुर गाममे जन्म लेनिहार प्रेमर्षिक पूर्ण नाम धीरेन्द्र झा छियनि।कान्तिपुरसँ हेल्लो मिथिला कार्यक्रम प्रस्तुत कर्ता जोड़ी रूपा-



रबीन्द्र नारायण मिश्र

पिताक नाम:स्वर्गीय सूर्य नारायण मिश्र, माताक नाम:स्वर्गीया दयाकाशी देवी, पैतृक ग्राम:अडेर डोह, मातृक:सिन्धुआ ड्योडी। वृत्ति:योजना आयोग क उप सचिव, दिल्लीमे स्पेशल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट। आब सेवा निवृत्त। शिक्षा: चन्द्रधारी मिथिला महाविद्यालयसँ बी.एस-सी. भौतिकी विज्ञानमे प्रतिष्ठा; दिल्ली विश्वविद्यालयसँ विधि स्नातक। प्रकाशित कृति : मैथिली:-



कुमार भास्कर

धरिन्दक धरिन्दक अबाज गामक बच्चा-
बच्चा चिन्हैत अछि। पल्लव मैथिली
साहित्यिक पत्रिका
आ समाज मैथिली सामाजिक
पत्रिकाक सम्पादन।

१. भोरसँ साँझ धरि (आत्म कथा), २. प्रसंगवश (निबंध), ३.
स्वर्ग एतहि अछि (यात्रा प्रसंग), ४. फसाद (कथा संग्रह) ५.
नमस्तस्यै (उपन्यास) ६. विविध प्रसंग (निबंध) ७. महाराज (मैथिली
उपन्यास) ८. लजकोटर (मैथिली उपन्यास)
९. सीमाक ओहि पार (मैथिली उपन्यास) १०. समाधान (निबंध संग्रह) ११.
मातृभूमि (उपन्यास) १२. स्वप्नलोक (उपन्यास) १३. शंखनाद (उपन्यास)।



अमरेन्द्र यादव, नेपाल



आमोद कुमार झा

१९६८-२०२१

बिम्बक पथार (कविता
संग्रह) प्रकाशित



मनोज कुमार मण्डल

प्रसिद्ध कवि। गद्य
रचना सेहो।



रवि भूषण पाठक

रिहर्सल (नाटक),
विदेह:सदेह २९ (रवि
भूषण पाठक आ डॉ.
कैलाश कुमार मिश्र-
अंक १-३५० सँ),
विदेह:सदेह २७
(गजेन्द्र ठाकुर आ रवि
भूषण पाठकक आन
भाषासँ अनूदित गद्य
आ पद्य- अंक १-३५०
सँ)



संदीप कुमार साफी

"बैशाखमे दलानपर" प्रकाशित, ऐ
पोथीमे मैथिलीक पहिल दलित
आत्मकथा संकलित भेल।



डॉ जियाउर रहमान
जाफरी

सम्प्रति स्नातकोत्तर हिन्दी
विभाग, मिर्जा गालिब
कॉलेज, गया।



रघुनाथ मुखिया



प्रदीप पुष्प



मुन्ना जी

मोकाम दिस (बीहनि कथा संग्रह), प्रतीक (विहनि कथा संग्रह), माँझ आंगनमे कतिआएल छी (मैथिली गजल संग्रह), हम पुछैत छी (साक्षात्कार), तीन टा बाल नाटक (मैथिली बाल साहित्य), खुरलुच्ची (मैथिली बाल कविता- बाल साहित्य), घाह (हाइकू-टंका संग्रह)



राम चन्द्र राय

सपना साकार (कथा संग्रह) प्रकाशित।



विनीत उत्पल

हम पुछैत छी (कविता संग्रह), रेहन पर रघू - काशीनाथ सि हक हिन्दी उपन्यासक मैथिली अनुवाद, मन्त्रद्रष्टाऋष्यश्रृङ्ग-लेखक हरिशंकरश्रीवास्तव



आचार्य रामानन्द

मण्डल

सामाजिक चिंतक सीतामढ़ी, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक, माता-चन्द्र देवी, पिता-स्व०राजेश्वर मंडल, पत्नी-प्रमिला देवी, जन्म तिथि-०१ जनवरी १९६० योग्यता- एम-एससी (रसायन शास्त्र), एम ए (हिन्दी)। रुचि- साहित्यिक, मैथिली-हिन्दी कविता -कहानी लेखन आ आलेख। प्रकाशित पोथी - मैथिली कविता संग्रह भासा के न बांटियो। २०२२ प्रकाशित रचना - सझिया कविता संग्रह पोथी - जनक

"शलभ" (हिन्दीसँ
मैथिली अनुवाद),
मोहनदास- उदय
प्रकाशक हिन्दी
उपन्यासक मैथिली
अनुवाद

नंदिनी जानकी आ शौर्य गान। २०२२
पत्रिका -मिथिला समाज, घर -बाहर
आ अपूर्वा (मैसाम)। अखबार -
दैनिक मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश।
सामाजिक-सामाजिक चिंतन,
दायित्व- पूर्व जिला प्रतिनिधि,
प्राथमिक शिक्षक संघ, डुमरा,
सीतामढ़ी। स्थायी पत्ता- ग्राम-पिपरा
विशनपुर थाना-परिहार जिला-
सीतामढ़ी। वर्तमान पता-पिपरा
सदन,मुरलियाचक वार्ड-04
सीतामढ़ी पोस्ट-चकमहिला जिला-
सीतामढ़ी राज्य-बिहार पिन-
843302



पं बाल गोविन्द 'आर्य'

घरक नाम- गोविन्द
यादव। वर्ण-प्रकरण-
भाष्य (आधुनिक
मैथिली
व्याकरण) प्रकाशित।



लालदेव कामत

दिव्य दृष्टि (निबन्ध-
प्रबन्ध-
समालोचना) प्रकाशित।



पं कैलाश कुमार मिश्र

समाजशास्त्री- मानव
विज्ञानी। कथा कविता आ
मानव वैज्ञानिक आलेख
सभ प्रकाशित।



रामकृष्ण परार्थी

"दू पटरीक बीच",
"प्रतिकार एखन बाँकी
अछि" कविता संग्रह
प्रकाशित। दलित लेखन
लेल प्रसिद्ध।



नारायण यादव

सलहैता-गुरुमैता (अमृत
पर्वक अवसर पर स्वतंत्रता
सेनानी लोकनिक
स्मरण) प्रकाशित।



उमेश मंडल

निश्तुकी- कविता संग्रह, मिथिलाक संस्कार गीत, विध-
व्यवहार गीत आ गीतनाद (संकलन),
"मिथिलाक वनस्पति स्लाइड शो मिथिलाक जीव-
जन्तु स्लाइड शो मिथिलाक जिनगी स्लाइड शो", सगर राति
दीप जरय- इतिहास, दुध-पानि फराक-
फराक (कथा एवं पाण्डुलिपि जगदीश प्रसाद मण्डल)-
(छाया एवं सम्यादन- उमेश मण्डल), हिन्दुस्तानी मुसलमान और
हिन्दुस्तानियत - मूल हिन्दी लेख- गीतेश शर्मा, मैथिली अनु
वाद- उमेश मण्डल।



चन्द्रमणि



स्व. हेमकान्त झा, गायक



मुरलीधर, मैथिली फिल्म निर्देशक



कुंज बिहारी, मैथिली गायक



रामबाबू झा, गायक



बि.पि.उदासी



जितेन्द्र सहयोगी



उदितनारायण फिल्म गायक



प्रकाश झा, फिल्म निर्देशक



कीर्ति आजाद क्रिकेट



श्रीराम झा शतरंज



अभिषेक झा गोल्फ



अशोक कुमार 1981-



राजेश रंजन, मैथिली फेडोरा प्रोजेक्ट



संजय झा

साधारण काष्ठकारक परिवारमे समस्तीपुर जिलाक मोखियारपुर सखलानी गाममे जनमल अशोक कुमार कहियो स्कूल नहि गेलाह। दिनमे पचास टाका कर्मनिहार दिल्लीक एकटा गोल्फ क्लबक एहि कैडीकेँ 1994 ई. मे चोरिक मिथ्यारोप लगा कए गोल्फ कोर्ससँ बाहर कए देल गेल। वैह कैडी दस सालक भीतर भारतक नम्बर एक गोल्फर बनि गेल।



बिन्देश्वर पाठक



राजकमल झा, अंग्रेजी लेखक, पत्रकार

हिनकर अंग्रेजी उपन्यास "द ब्लू बेडस्प्रेड", "इफ यू आर अफरेड ऑफ हाइट्स" आ "फायरपूफ" प्रकाशित छन्हि। "द ब्लू बेडस्प्रेड" (१९९९)पर हुनका "कॉमनवेल्थ राइटर्स प्राइज फॉर बेस्ट फर्स्ट बुक- यूरोशिया" भेटल छन्हि। राजकमल झा श्री मुनीश्वर झा आ श्रीमती रंजना झाक पुत्र छथि, "आइ.आइ.टी.खड़गपुर"सँ बी.टेक.छथि, आ आइ काल्हि दिल्लीमे रहै छथि, जतए ओ "इण्डियन एक्सप्रेस" मे एडिटर छथि।

सुल्तानगंज, भागलपुर। मोटोरोलाक सी.ई.ओ.।



मानस बिहारी वर्मा, वैज्ञानिक



फणीश्वर नाथ 'रेणु' मिथिला रत्न 1921-1977



रामधारी सिंह 'दिनकर' मिथिला रत्न 1908-1974



रामवृक्ष बेनीपुरी 1899-1967



डॉ. हरिवंश तरुण 1927-2009



हरिशंकर श्रीवास्तव "शलभ" 1934-



स्व. जनार्दन प्रसाद झा 'द्विज'
हिन्दीक साहित्यकार।

जन्म 21 जून 1927 ई.।
गाम- चकसलेम, पो.- पटोरी, जिला- सम
स्तीपुर। तीन दर्जन सँ बेसी हिन्दी पोथी
जाहिमे काव्य-कथा-प्रबन्ध सम्मिलित
अछि।



रामेश्वर प्रेम

हिन्दीक नाटककार।



डॉ. नवल किशोर दास "नवल"



मोहनानन्द झा 1955-



रामाज्ञा शशिधर



गणेश चंचल १९३०-
२०११



डॉ. अमरेन्द्र



गोरेलाल मनीषी



कुन्दन अमिताभ



शंभु अगेही

जन्म ८ जनवरी १९४१, प्रकाशित
कृति: ओझराएल डीह (कथा-
काव्य) १९९८, सतंजा (कथा
संग्रह) १९९९, तेसरी बेरिआ (कथा
काव्य) २००३, बज्जिका छंद विभास
२००७



पोद्दार रामावतार अरुण १
१२३-१९९९



अंशुमन पाण्डेय

तिरहुता यूनिकोडक आवेदनकर्ता।

मजहर इमाम १९३०-
२०१२



दिनेश कुमार मिश्र

मिथिलाक बाढ़िक एक्सपर्ट।
मिथिलाक मोटा-मोटी सभ धारपर
किताब प्रकाशित। उत्तर बिहार की
व्यथा कथा (१९९०), कोसी- उम्र
कैद से सजा-ए-मौत
तक (१९९२) बंदिनी महानंदा
(१९९४), बोया पेड़ बबूल का- बाढ़
नियंत्रण का
रहस्य (२०००), बगावत पर मजबूर
मिथिला की कमला नदी
(२००४), भुतही नदी और तकनीकी
झाड़- फूक (२००५), , दुई पाटन के
बीच में- कोसी नदी की कहानी
(२००६) तथा बागमती की सद्गति
(२०१०)।

अरुण प्रकाश १९४८-
२०१२



ओमप्रकाश भारती १९६८-

कोसी नदीक लोक सांस्कृतिक अध्ययन - नदियाँ गाती हैं, बि
हार के पारम्परिक नाट्य आ मैथिलीक लोक नाट्य प्रकाशित



वैदेही सीता



याज्ञवल्क्य पत्नी मैत्रेयी

याज्ञवल्क्यक दू टा पत्नी छलथिन्ह
पहिल कात्यायनी आ दोसर मैत्रेयी।
मैत्रेयी ब्रह्मवादिनी छलीह।
कात्यायनीसँ हुनका तीनटा पुत्र
छलन्हि- चन्द्रकान्ता, महामेघ आ
विजय।



मोतीदाइ

मिथिलाक रजक (धोबि) जातिक
लोकदेवता



बिहुला

चम्पानगरक बिहुला।



मोरंगक मोतीसायर

गांगो देवी

मिथिलाक मलाह जातिक लोकदेवता। गांगोदेवीक भगता अखनो मिथिलाक मलाह लोकनिमे प्रचलित अछि।



विन्ध्यवासिनी देवी मैथिली लोकगीत 1920-2006

रेशमा, कुसुमा, फुल्वा



कामेश्वरी देवी 1922-

मधुबनी जिलाक नवानी गामक। जन्म १९२२ ई. मे अपन मातृक नाहरमे भेलनि। पति पं मदनमोहन झा। बरौनीवासी प्रसिद्ध तान्त्रिक पण्डित केशव मिश्र हिनक पिता छलथिन। "मिथिला संस्कार गीत" पोथी।



कुसुमलता कर्ण



अणिमा सिंह 1924-

समीक्षिका, अनुवादिका, सम्पादिका। प्रकाशन: मैथिली लोकगीत, वसवेश्वर (अनु.), शिशु खेल गीत आदि। लेडी ब्रेबोर्न कॉलेज, कलकत्तामे पूर्व प्राध्यापिका।



लिली रे 1933-

जन्म: २६ जनवरी, १९३३, पिता: भीमनाथ मिश्र, पति: डॉ. एच. एन्. रे, दुर्गागंज, मैथिलीक विशिष्ट कथाकार एवं उपन्यासकार। मरीचिका उपन्यासपर साहित्य अकादेमीक १९८२ ई. मे पुरस्कार। मैथिलीमे लगभग दू सय कथा आ पाँच टा उपन्यास प्रकाशित। विपुल बाल साहित्यक सृजन। अनेक भारतीय भाषामे कथाक अनुवाद-प्रकाशित। पहिल प्रबोध सम्मान 2004 सँ सम्मानित।



चित्रलेखा देवी 1935-



कविता देवी 1942-



प्रभावती झा 1945-
1999



मोहिनी झा 1937-



प्रमिला झा



स्व. इलारानी सिंह 1945-
1993

इलारानी सिंह: जन्म 1 जुलाई,
1945, निधन : 13 जून, 1993, पिता :
प्रो. प्रबोध नारायण सिंह सम्पादिका :
मिथिला दर्शन, विशेष अध्ययन :
मैथिली, हिन्दी, बंगला, अंग्रेजी, भाषा
विज्ञान एवं लोक साहित्य । प्रकाशित कृति
: सलोमा (आस्कर वाइल्डक फ्रेंच नाटकक
अनुवाद 1965), प्रेम एक कविता
(1968) बंगला नाटकक
अनुवाद, विषवृक्ष (1968) बंगला
नाटकक अनुवाद, विन्दंती
(1972), स्वरचित: मैथिली कविता संग्रह
(1973), हिन्दी संग्रह।



डॉ. सावित्री झा



शान्ति सुमन 1942-

जन्म 15 सितम्बर 1942, कासिमपुर, सहरसा, बिहार, प्रका
शित कृति, ❖ओ प्रतीक्षित, परछाईं टूटती, सुलगते
पसीने, पसीने के रिश्त, मौसम हुआ कबीर, समय चेतावनी
नहीं देता, तप रेहे कचनार, भीतर-भीतर आग, मेघ
इन्दुनील (मैथिली गीत संग्रह), शोध प्रबंध: मध्यवर्गीय चेतना
और हिन्दी का आधुनिक काव्य, उपन्यास: जल झुका हिरन।
सम्मान: साहित्य सेवा सम्मान, कवि रत्न सम्मान, महादेवी
वर्मा सम्मान। अध्यापन कार्य।



उषाकिरण खान 1945-

जन्म: २४ अक्टूबर १९४५, कथा एवं
उपन्यास लेखनमे प्रख्यात । मैथिली
तथा हिन्दी दूनू भाषाक चर्चित लेखिका
। प्रकाशित कृति: अनुत्तरित
प्रश्न, दूर्वाक्षत, हसीना मंजिल, भामती
(उपन्यास) । २०१०-श्रीमति उषाकिरण
खान (भामती, उपन्यास) लेल साहित्य
अकादेमी पुरस्कार- मैथिली।



नीरजा रेणु 1945-

जन्म: ११ अक्टूबर १९४५, नाम: कामाख्या देवी, उपनाम: नीरजा रेणु, जन्म स्थान: नवटोल, सरिसबपाही। शिक्षा: बी.ए. (आनर्स) एम.ए., पी-एच.डी., गृहिणी। प्रकाशित रचना : ओसकण (कविता मि.मि., १९६०) लेखन पर पारिवारिक, सांस्कृतिक परिवेशक प्रभाव। मैथिली कथा धारा साहित्य अकादेमी नई दिल्लीसँ स्वातन्त्र्योत्तर मैथिली कथाक पन्द्रह टा प्रतिनिधि कथाक सम्पादन। सृजन धार पियासल कथा संग्रह, आगत क्षण ले कविता संग्रह, ऋतम्भरा कथा संग्रह, प्रतिच्छवि हिन्दी कथा संग्रह, १९६० सँ आइधरि सएसँ अधिक कथा, कविता, शोधनिबन्ध, ललितनिबन्ध, आदि अनेक पत्र-पत्रिका तथा अभिनन्दनग्रन्थमे प्रकाशित। मैथिलीक अतिरिक्त किछु रचना हिन्दी तथा अंग्रेजीमे सेहो। २००३- नीरजा रेणु (ऋतम्भरा, कथा) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।



जस्टिस मृदुला मिश्र



वीणा ठाकुर 1954-

जन्म- भवानीपुर, पणडौल (मधुबनी)। पिता श्री श्रीमोहन ठाकुर। प्रकाशित कृति: मैथिली रामकाव्यक परम्परा, इतिहास-दर्पण (समीक्षा), विद्यापतिक उत्सव (समालोचना), भारती (उपन्यास)



वीणा कर्ण 1946-

जन्म 3 नवम्बर 1946, गाम- पटोरी, पो.पंचगछिया, जिला- सहरसा। सदस्य, मैथिली साहित्य अकादेमी परामर्शदातृ समिति 1987-1993, सदस्य, भाषा परामर्शदातृ समिति (मैथिली), भारतीय ज्ञानपीठ। अवकाशप्राप्त विश्वविद्यालय आचार्य आ अध्यक्ष, मैथिली विभाग, पटना विश्वविद्यालय। प्रकाशित कृति- अर्गला, भावनाक अस्थिपंजर (मैथिली काव्य संग्रह), शंखनाद, तुभ्यमेव समर्पये, अनुबन्ध (हिन्दी काव्य संग्रह)। प्रकाशय: सप्तपदी (मैथिली निबन्ध संग्रह), चारित्रिक पृष्ठभूमिमे मैथिलीक प्रसिद्ध उपन्यास, मैथिली-उपन्यासक कथा किछु कहैत अछि (मैथिली आलोचना); जिन्दगीनामा (हिन्दी काव्य संग्रह), क्रमशः (हिन्दी आलोचना)।



ज्ञानसुधा मिश्र

भारतक उच्चतम न्यायालयक चारिम महिला न्यायाधीश आ पहिल मैथिलानी।



शेफालिका वर्मा 1943-

जन्म: ९ अगस्त, १९४३, जन्म स्थान : बंगाली टोला, भागलपुर। शिक्षा: एम., पी-एच.डी. (पटना विश्वविद्यालय), ए. एन. कालेज, पटना मे हिन्दीक प्राध्यापिका पदसँ सेवानिवृत्त। नारी मनक ग्रन्थिखँ खोलि: करुण रससँ भरल अधिकतर रचना। प्रकाशित रचना: झहरैत नोर, बिजुकेत ठोर; विप्रलब्धा (कविता संग्रह), स्मृति रेखा (संस्मरण संग्रह), एकटा आकाश (लघुकथा संग्रह), यायावरी (यात्रा-वृत्तान्त), भावाञ्जलि (काव्य-प्रगीत), किस्त-किस्त जीवन (आत्मकथापर साहित्य अकादेमी पुरस्कार)। अर्थयुग (लघुकथा संग्रह) आखर-आखर प्रीत, नागफांस (उपन्यास)। २००४ ई.- डॉ. श्रीमती शेफालिका वर्मा, पटना; यात्री-चेतना पुरस्कार।



नीता झा 1953-

जन्म : २१-०१-
१९५३, व्यवसाय: प्राध्यापिका ।
लेखन पर समाजक परम्परा तथा
आधुनिकताक संस्कार सँ होइत
विसंगतिक प्रभाव। प्रकाशित कृति :
फरिच्छ, कथा संग्रह
१९८४, कथानवनीत
१९९०, सामाजिक असन्तोष ओ
मैथिली साहित्य शोध समीक्षा
। बिलाइ मौसी (बाल लघुकथा
संग्रह)।



प्रेमलता मिश्र 'प्रेम' 1948-

जन्मस्थान: रहिका, माता: श्रीमती
वृन्दा देवी, पिता: पं. दीनानाथ
झा, शिक्षा: एम.ए., बी.एड., प्रसिद्ध
अभिनेत्री दू सयसँ बेशी नाटकमे
भाग लेलनि । भंगिमा (नाट्यमंच) क
भूतपूर्व उपाध्यक्षा, पत्रिकाक
सम्पादन, कथालेखन आदिमे कुशल
। अरिपन आदि अनेक संस्था
द्वारा पुरस्कृत-सम्मानित।



शारदा सिन्हा मैथिली लो कगीत 1953-



आशा मिश्र 1950-

जन्म: ६-७-१९५० ई., प्रकाशित कथा
मे मैथिलीक संग हिन्दी मे सेहो ।
सभसँ पैघ विजय मैथिली कथा
संग्रह ।



डॉ. इन्दिरा झा 1957



लालपरी देवी



डॉ. सुनीति झा



मेनका मल्लिक 1966-



शकुंतला चौधरी



गोदावरी दत्ता, मिथिला
चित्रकला



सीता देवी, मिथिला चित्र
कला



डॉ वन्दना झा

काशी हिन्दू विश्वविद्यालयमे मदन मोहन मालवीय द्वारा मैथिली अध्यापन शुरू भेल मुदा ओ बादमे बन्द भऽ गेल। पुनः एकर अध्यापन लेल उप-कुलपति राकेश भटनागरक कार्यकालमे मैथिली अध्ययन केन्द्रक स्थापनाक २०२० मे घोषणा भेल, कला संकाय प्रमुख प्रो. विजय बहादुर समन्वयक आ वसंत महिला महाविद्यालय राजघाटक प्राध्यापक डॉ. वंदना झा केँ सह-समन्वयक बनाओल गेल।

उषा वर्मा 1948-



गंगा देवी १९२८-१९९१
मिथिला चित्रकला



डॉ. अरुणा चौधरी

कमला चौधरी 1953-

कृति- मैथिलीक वेश-भूषा-प्रसाधन सम्बन्धी शब्दावली, प्रकाशनाधीन: बाटे बिलायल पानि (कथा संग्रह), पिया मधुमास (कविता संग्रह), आशापूर्णा देवीक बंगला लघु उपन्यास **मन मंजूषा**क मैथिली अनुवाद। मुजफ्फरपुरसे प्रकाशित मैथिली साहित्यिक पत्रिका **स्वातीक** सम्पादन (१९८४-८५)।



सरस्वती चौधरी, जनकपुर



विभा रानी 1959-

मैथिली क 3 साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता लेखकक 4 गोट किताब "कन्यादान" (हरिमोहन झा), "राजा पोखरे में कितनी मछलियां" (प्रभास कुमार चाऊधरी), "बिल टेलर की डायरी" व "पटाक्षेप" (लिली रे) हिन्दीमे अनूदित छन्हि। 2 गोट लोककथाक पुस्तक "मिथिला की लोक कथाएं" व "गोनू झा के किस्से"। मैथिली कथा संग्रह "खोहसे निकसेत"।



ज्योत्सना चन्द्रम 1963-

जन्मतिथि: १५
दिसम्बर, १९६३, जन्मस्थान
: मरुआरा, सिंधिया
खुर्द, समस्तीपुर, पिता : श्री मार्कण्डेय
प्रवासी, माता: श्रीमती सुशीला
झा, अध्यापन। सुपरिचित
कवयित्री, कथाकार। प्रकाशित कृति:
बोनसाई (कविता संग्रह), झिझिरकोना
(कथासंग्रह)।



सुस्मिता पाठक 1962-

जन्म: सुपौल, बिहार। परिचिति
कविता संग्रह प्रकाशित।
कथावाचक, कथासंग्रह प्रकाशनाधीन
। राजनीति शास्त्रमे एम.ए.।
संगीत, पेंटिंगमे रुचि। मैथिलीक पोथी
पत्रिका पर अनेक रेखाचित्र प्रकाशित
। समकालीन जीवन, समय, आ तकर
स्यंदनक कवयित्री। अनेक भाषामे
रचनाक अनुवाद प्रकाशित।



उर्मिला देवी, मिथिला चित्रकला



यमुना देवी, मिथिला चित्र कला



यशोदा देवी, मिथिला चित्रकला



रमा झा, सम्पादक मिथिला दर्पण



पन्ना झा

अनुभूति (लघुकथा संग्रह)।



सुधा कर्ण



नूतन दास

सम्पादिका, मिथिलांगन



स्वयंप्रभा झा 1970-



रूपा धीरू 1973-



राधिका झा, अंग्रेजी लेखिका

हुनकर अंग्रेजी उपन्यास "स्मेल" आ "लैन्टर्न्स ऑन देयर हॉन्स" आ अंग्रेजी लघु कथा संग्रह "द एलीफेन्ट एण्ड द मारुति" प्रकाशित अछि। उपन्यास "स्मेल" लेल हुनका "फ्रेन्च प्रिक्स गुपरलेन" पुरस्कार भेटल छन्हि आ ई पोथी सोलह भाषामे अनूदित भेल अछि। राधिका "एमहर्स्ट कॉलेज"सँ "एन्थ्रोपोलोजी" पढ़ने छथि आ "शिकागो विश्वविद्यालय"सँ राजनीति विज्ञानमे मास्टर्स डिग्री लेने छथि। ओ "हिन्दुस्तान टाइम्स" आ "बिजनेस वर्ल्ड"मे काज केने छथि आ संगमे "राजीव गांधी फाउन्डेशन, दिल्ली" मे सेहो, जतए ओ आतंकवादसँ पीड़ित बच्चा सभ लेल सम्पर्क कार्यक्रमक प्रारम्भ केने रहथि। आइ काल्हि ओ अपन पति आ बच्चीक संग टोक्योमे रहे छथि।



रंजना झा, विद्यापति संगीत गायिका



रश्मि दत्त, गायिका, जनकपुर



कामिनी कामायनी



मुन्नी झा युवा रचनाकार



कामिनी 1978- युवा कवियित्री



रुक्साना सिद्दीकी



रूपा धीरू- जन्मस्थान- मयनाकडेरी, सप्तरी, श्रीमती पूनम झा आ श्री अरूणकुमार झाक पुत्री।स्थायी पता- अञ्चल- सगरमाथा, जिल्ला- सिरहा। प्रथम प्रकाशित रचना-कोइली कानए, माटिसँ सिनेह (कविता), भगता बेङक देश- भ्रमण (कनक दीक्षितक पुस्तकक धरिन्द्र प्रेमर्षिसँग मैथिलीमे सहअनुवाद, सङ्गीतसम्बन्धी कृति- राष्ट्रियगान, भोर, नेहक वएन, चेतना, प्रियतम हमर कमौआ (पहिल मैथिली सीडी), प्रेम भेल तरघुस्कीमे, सुरक्षित मातृत्व गीतमाला, सुखक सनेस। सम्पादन- पल्लव, मैथिली साहित्यिक मासिक पत्रिका, सम्पादन-सहयोग, हमर मैथिली पोथी (कक्षा १, २, ३, ४ आ ५ आ कक्षा 9-10 क ऐच्छिक मैथिली विषय पाठ्यपुस्तकक भाषा सम्पादन)।

कल्पना मिश्र, मैथिली रंग
मंच



प्रियंका झा, मैथिली रंगमं
च



नेहा वर्मा, रंगमंच



मृदुला प्रधान



बनारसी पंडित, मिथिला
चित्रकला, धनुषा, नेपाल



ज्योति झा,
, मैथिली रंगमंच



ऋतु कर्ण, मैथिली रंगमंच



सविता



अरुण मिश्र, महिला बॉक्सिंग



देवकला देवी कर्ण, मिथिला चित्रकला, नेपाल



किरण झा, मैथिली रंगमंच



ज्योति वत्स, रंगमंच



अनुप्रिया



राखी दास, मिथिला चित्रकला



मदनकला कर्ण, मिथिला चित्रकला, ने
पाल





महासुन्दरी देवी, मिथिला
चित्रकला



निर्जला झा, मिथिला चित्रकला, नेपाल



फुलो साह, मिथिला चित्रकला, महोत्तरी,
नेपाल



रजनी पल्लवी



संगीता कुमारी, मैथिली फेडोरा प्रोजेक्ट



विन्देश्वरी दास



गौरी सेन



सीमा झा



वाणी मिश्र, कवियित्री १९५३
-१९९६

कोइलख, मधुबनी। जन्मस्थान
तिलाठी, नेपाल।



मौसमी बनर्जी, कवियित्री



शैल झा



शान्ति देवी



शशिबाला

पिता श्री उग्र नारायण लाल, पति श्री उमेश कुमार कण्ठ (बिसहथ)। शिवा कश्यप आ कृष्ण कुमार कश्यपक सहयोगसँ "भारती विकास संस्था"क स्थापना। रचना: कृष्ण कुमार कश्यपक संग "मेघदूत" आ "गीत-गोविन्द"क मैथिली अनुवाद, माछ-भात, मिथिला चित्र-शिक्षा, भाग-१, मिथिला चित्र-कोर, भाग-३।



मुन्नी कामत

सुखल मन तरसल आँखि, अंततः (कविता संग्रह), चुक्का (बाल कथा संग्रह) प्रकाशित।



प्रेरणा झा

मिथिला लोक कला



अंशुमाला

मैथिली लोकगीत।



श्वेता झा चौधरी, चित्रकार

गाम सरिसव-पाही, ललित कला आ गृहविज्ञानमे स्नातक। मिथिला चित्रकलामे सर्टिफिकेट कोर्स।कला प्रदर्शिनी: एक्स.एल.आर.आइ., जमशेदपुरक सांस्कृतिक कार्यक्रम, ग्राम-श्री मेला जमशेदपुर, कला मन्दिर जमशेदपुर (एकजीवीशन आ वर्कशॉप)।कला सम्बन्धी कार्य: एन.आइ.टी. जमशेदपुरमे कला प्रतियोगितामे निर्णायकक रूपमे सहभागिता, २००२-०७ धरि बसेरा, जमशेदपुरमे कला-शिक्षक (मिथिला चित्रकला), वूमेन कॉलेज पुस्तकालय आ हॉटेल बूलेवार्ड लेल वाल-पेंटिंग।प्रतिष्ठित स्पॉन्सर: कॉरपोरेट कम्युनिकेशन्स, टिस्को; टी.एस.आर.डी.एस, टिस्को; ए.आइ.ए.डी.ए., स्टे ट बैंक ऑफ इण्डिया, जमशेदपुर; विभिन्न व्यक्ति, हॉटेल, संगठन आ व्यक्तिगत कला संग्राहक।

हॉबी: मिथिला चित्रकला, ललित कला, संगीत आ भानस-भात।



श्वेता झा

मिथिला चित्रकला, सम्प्रति सिंगापुरमे निवास।



रानी झा



मोती कर्ण



निक्की प्रियदर्शिनी

मिथिला चित्रकला



प्रज्ञा झा



डॉ. नलिनी चौधरी



नीलम चौधरी, कथक नृत्यांगना



इरा मल्लिक

पिता स्व. शिवनन्दन मल्लिक, गाम-महिसारि, दरभंगा। पति श्री कमलेश कुमार, भरहुल्ली, दरभंगा।



गुंजन कर्ण

रॉटी मधुबनी, सम्प्रति यू.के.मे रहै छथि। www.madhubaniarts.co.uk पर हुनकर कलाकृति देखि सके छी।



पूनम मंडल

प्रियंका झाक संग मैथिली न्यूज पोर्टल "समदिया" www.esamaad.blogspot.com क संचालन।



प्रियंका झा

पूनम मंडलक संग मैथिली न्यूज पोर्टल "समदिया" www.esamaad.blogspot.com क संचालन।



स्तुति नारायण



डॉ. ललिता झा १९५१

जन्म पनीचोभ, दरभंगामे। "मैथिलीक भोजन सम्बन्धी शब्दावली" प्रकाशित।



आरती कुमारी १९६७-



मीना झा



अनुपमा प्रियदर्शिनी

"मैथिली मुक्तक काव्यमे नारी" प्रकाशित।

ब्रेस्ट कैंसरक समस्यापर विदेह मे मीना झा केर एकटा लघु कथा प्रकाशित भेल। ई मैथिलीक पहिल कथा छल जे ब्रेस्ट कैंसर पर लिखल गेल। हिन्दी मे सेहो ताधरि एहि विषयपर कथा नहि लिखल गेल छल।

पति डॉ. रतन कर्ण, गाम- उजान (बड़कागाम), पो. लोहना रोड, जिला दरभंगा। सम्प्रति लोजियाना (संयुक्त राज्य अमेरिकामे), शिक्षा- एम.एस.सी. (जंतु विज्ञान), ल.ना. मिथिला वि.वि., दरभंगा; बी.एस.सी. बी.आर. अम्बेडकर वि.वि. मुजफ्फरपुरसेँ, हॉबी, मिथिला चित्रकला, कमप्यूटराइज्ड चित्रकला, ललित कला। उपलब्धि: अखिल भारतीय कला आ दस्तकारी प्रतियोगिताक पुरस्कार 1995 मे; संस्कार भारती भाव नृत्य प्रतियोगिता 1989 मे सहभागी।



मैथिली ठाकुर

मैथिली लोकगीत आ शास्त्रीय संगीत गायिका।



सोनी नीलू झा

मैथिली रंगमंच। "औनी-पथारी" कविता संग्रह प्रकाशित।



शिखा

मैथिली रंगमंच।



प्रीति ठाकुर

गाम- जगेली, भाया तारानगर, पूर्णियाँ। मैथिली बाल साहित्यमे "गोनू झा आ आन चित्र कथा २००८", "मैथिली चित्रकथा २००९" आ "मिथिलाक लोकदेवता २०१०", विद्यापतिक पुरुष परीक्षा (बाल साहित्य) २०१४ प्रकाशित।



अनुपमा झा

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल, भारत।



विनीता मल्लिक



रेवती मिश्र

अनामिका राज

शान्ति लक्ष्मी चौधरी

ग्राम गोविन्दपुर, जिला सुपौल
निवासी आ राजेन्द्र मिश्र
महाविद्यालय, सहरसा मे कार्यरत
पुस्तकालयाध्यक्ष श्री श्यामानन्द
झाक जेष्ठ सुपुत्री, आओर ग्राम
महिषी (पुनर्वास आरापट्टी), जिला
सहरसा निवासी आ दिल्ली स्कूल
ऑफ इकानोमिक्स सँ जुड़ल
अन्वेषक आ समाजशास्त्री श्री
अक्षय कुमार चौधरीक अधीगिनी
छथि। प्राणीशास्त्र सँ स्नातकोत्तर
रहितो शिक्षाशास्त्रक स्नातक
शिक्षार्थी आ एकटा समाजशास्त्री सँ
सान्ध्यक चलिते आम जीवनक
सामाजिक बिषय-बैस्तु आ खास
कऽ महिलाजन्य सामाजिक समस्या
आ प्रघटनामे हिनक विशेष
अभिरुचि स्वभाविक।



डॉ कल्पना मणिकान्त
मिश्र

कुसुम ठाकुर

नन्दिनी पाठक १९६१-

पिता डॉ शिव कुमार झा, गाम राटी,
सासुर- गजहारा। मेडिकल शिक्षा जे.
जे. हॉस्पिटल/ ग्रान्ट हॉस्पिटलसँ
सम्पन्न कय स्त्री-रोग विशेषज्ञ।
मुम्बईसँ १९८०-८२ मे प्रकाशित
होइबला मैथिली पत्रिका "विदेह"क
पति डॉ मणिकान्त मिश्र (निर्माता-
मैथिली फिल्म- आउ पिया हमर
नगरी) संग सम्पादन।

प्रत्यावर्तन
(आत्मकथा)

पाथरक शहर (कविता
संग्रह)



कल्पना झा १९६५-

स्वाति शाकम्भरी

रोमिशा झा

गोसाउनिक गीत, नशामुक्ति हित
गाबी गीत, निनियाँ (बाल साहित्य)
आ यायावरी- शेफालिका वर्मा

कविता संग्रह पूर्वागमन प्रकाशित

ऑजुर भरि इजोत (कविता
संग्रह) प्रकाशित।

(हिन्दी अनुवाद कल्पना झा)
प्रकाशित।



सविता झा "सोनी"

"स्त्रीक अकाश"- कविता संग्रह
आ "मिथिलामे
सियाराम" प्रकाशित।



आभा झा

कने हमरो सुनु, चिनबार (कविता
संग्रह), प्रतीक्षा (कथा
संग्रह), सिनेहक दाम (बीहनि कथा
संग्रह), आलोचनाक
वातायन (आलोचना), सीताक
स्वर (शृंखलाबद्ध काव्य) प्रकाशित।



दीपा मिश्र

सम्पादिका- वाची।



पल्लवी मण्डल

कवि।



निर्मला कर्ण (१९६०-)

शिक्षा - एम् ए, नैहर -
खराजपुर, दरभङ्गा, सासुर -
गोढ़ियारी (बलहा), वर्तमान निवास
- राँची, झारखण्ड, झारखंड सरकार
महिला एवं बाल विकास सामाजिक
सुरक्षा विभाग मे बाल विकास
परियोजना पदाधिकारी पद सँ
सेवानिवृत्ति उपरान्त स्वतंत्र लेखन।



सविता झा

Centre for Studies of
Tradition and
Systems(CSTS) आ MLF
(मधुबनी लिटरेचर फेस्टिवल) क
माध्यमसँ मैथिली लेल अभियान।



विजेता चौधरी

कविता संग्रह-"धाराक विरुद्ध" आ
कथा संग्रह "कफरू" प्रकाशित।



अभिलाषा १९८८-

मूल नाम- अभिलाषा
कुमारी। "पह", "ओ छौड़ी" (कथा
संग्रह) आ पोथी-पाठ (आलोचना)
प्रकाशित।



बिभा विमर्श १९७८-

मूल नाम- बिभा झा। पिता: श्री
सुखचंद्र झा; पति: श्री शम्भूनाथ झा,
शिक्षा/ बी.ए., वृत्ति- व्यापार,
स्थायी पता- पैंत्रिक- जिल्ला
महोत्तरी /ग्राम महोत्तरी जलेश्वर
(नेपाल), वर्तमान- लामपाटी मार्ग

५९७, काठमांडू (नेपाल)।
साहित्यिक उपलब्धि- गोरखापत्र,
ऑर्जुर, आडन, समय राग, यात्री
लोकोत्सव स्मारिका- ऐसभमे
कविता प्रकाशित। मैथिलीमे
प्रकाशित पहिल रचना- विषक भूजा
(कविता) २०१८ मे। कविता
संग्रह "नहि सीता नहि" प्रकाशित।

(c)२०००- २०२३। विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004). सम्पादक: गजेन्द्र ठाकुर। Editor: Gajendra Thakur. In respect of materials e-published in Videha, the Editor, Videha holds the right to create the web archives/ theme-based web archives, right to translate/ transliterate those archives and create translated/ transliterated web-archives; and the right to e-publish/ print-publish all these archives. रचनाकार/ संग्रहकर्ता अपन मौलिक आ अप्रकाशित रचना/ संग्रह (संपूर्ण उत्तरदायित्व रचनाकार/ संग्रहकर्ता मध्य) editorial.staff.vidaha@gmail.com केँ मेल अटैचमेण्टक रूपमें पठा सकैत छथि, संगमे ओ अपन संक्षिप्त परिचय आ अपन स्कैन कएल गेल फोटो सेहो पठाबथि। एतऽ प्रकाशित रचना/ संग्रह सभक कॉपीराइट रचनाकार/ संग्रहकर्ताक लगमे छन्हि आ जतऽ रचनाकार/ संग्रहकर्ताक नाम नै अछि ततऽ ई संपादकाधीन अछि। सम्पादक: विदेह ई-प्रकाशित रचनाक वेब-आर्काइव/ थीम-आधारित वेब-आर्काइवक निर्माणक अधिकार, ऐ सभ आर्काइवक अनुवाद आ लिप्यंतरण आ तकरो वेब-आर्काइवक निर्माणक अधिकार; आ ऐ सभ आर्काइवक ई-प्रकाशन/ प्रिंट-प्रकाशनक अधिकार रखैत छथि। ऐ सभ लेल कोनो रॉयल्टी/ पारिश्रमिकक प्रावधान नै छै, से रॉयल्टी/ पारिश्रमिकक इच्छुक रचनाकार/ संग्रहकर्ता विदेहसँ नै जुड़थु। विदेह ई पत्रिकाक मासमे दू टा अंक निकलैत अछि जे मासक ०१ आ १५ तिथिकेँ www.vidaha.co.in पर ई प्रकाशित कएल जाइत अछि। The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/ documents.

(c) २०००-२०२३ सर्वाधिकार सुरक्षित। विदेहमे प्रकाशित सभटा रचना आ आर्काइवक सर्वाधिकार रचनाकार आ संग्रहकर्ताक लगमे छन्हि। भालसरिक गाछ जे सन २००० सँ याहूसिटीजपर छल http://www.geocities.com/.../bhalsarik_gachh.htm, <http://www.geocities.com/ggajendra> आदि लिंकपर आ अखनो ५ जुलाई २००४ क पोस्ट <http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.htm> (किछु दिन लेल <http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.htm> लिंकपर, स्रोत wayback machine of https://web.archive.org/web/*/videha 258 capture(s) from 2004 to 2016-<http://videha.com/> भालसरिक गाछ-प्रथम मैथिली ब्लॉग / मैथिली ब्लॉगक एग्रीगेटर) केर रूपमे इन्टरनेटपर मैथिलीक प्राचीनतम उपस्थितक रूपमे विद्यमान अछि। ई मैथिलीक पहिल इन्टरनेट पत्रिका थिक जकर नाम बादमे १ जनवरी २००८ सँ 'विदेह' पड़ल। इन्टरनेटपर मैथिलीक प्रथम उपस्थितिक यात्रा विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका धरि पहुँचल अछि, जे <http://www.vidaha.co.in/> पर ई प्रकाशित होइत अछि। आब 'भालसरिक गाछ' जालवृत्त 'विदेह' ई-पत्रिकाक

प्रवक्ताक संग मैथिली भाषाक जालवृत्तक एग्रीगेटरक रूपमे प्रयुक्त भऽ रहल अछि। विदेह ई-पत्रिका ISSN 2229-547X
VIDEHA

